# HAVANER LEBN ALMANAKH



NATIONAL YIDDISH BOOK CENTER
AMHERST, MASSACHUSETTS
413 256-4900 | YIDDISH@BIKHER.ORG
WWW.YIDDISHBOOKCENTER.ORG



MAJOR FUNDING FOR THE
STEVEN SPIELBERG DIGITAL YIDDISH LIBRARY
WAS PROVIDED BY:

*Lloyd E. Cotsen Trust*
*Arie & Ida Crown Memorial*
*The Seymour Grubman Family*
*David and Barbara B. Hirschhorn Foundation*
*Max Palevsky*
*Robert Price*
*Righteous Persons Foundation*
*Leif D. Rosenblatt*
*Sarah and Ben Torchinsky*
*Harry and Jeanette Weinberg Foundation*
AND MEMBERS AND FRIENDS OF THE
*National Yiddish Book Center*



The *goldene pave*, or golden peacock, is a traditional symbol of Yiddish creativity. The inspiration for our colophon comes from a design by the noted artist Yechiel Hadani of Jerusalem, Israel.




# אַלמאַנאַך 5713

(צענטער באַנד)

רעדאַקציע:

ס. מ. קאַפּלאַן און א. י. דובעלמאַן

ארויסגעגעבן פון „האוואנער לעבן" — סאל 153, האוואנא, קובא.

— סעפטעמבער —

1952-53

תשי"ג — 5713

תשי"ג — 5713      1952 — 1953




צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע לייענער
פון „האַוואַנער לעבן", דער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ און כלל ישראל!

רעדאַקציע און אַדמיניסטראַציע פון
„האַוואַנער לעבן"

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

# די רעדאַקציע און אַדמיניסטראַציע
# פון „האַוואַנער לעבן", באַראַנקען

אַלע אידישע סוחרים און אינדוסט־
ריעלער, די אינסטיטוציעס, די געזעל־
שאפטלעכע טוער; די זעצער און מאַ־
שיניסטן, און ספּעציעל די אידישע
שרייבער פון קובאַ, ווי אויך פון אויס־
לאַנד, וועלכע האָבן דערמעגלעכט דעם
ערפאָלג פון דער אונטערנעמונג ארויס־
צוגעבן דעם „האַוואַנער לעבן אלמאַ־
נאַך" 5713, לכבוד ר א ש ־ ה ש נ ה.

**ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !**

# אינהאַלט:



זייט



## שפּאַנישע אָפּטײלונג:

# לוח תשי"ג 1952-53



## 1952 Tishri תשרי תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Sept / Rosh Hashanah | 20 | S | א | א דראש השנה | שבת |
| Rosh Hashanah | 21 | S | ב | ב דראש השנה | זונטאג |
| Fast of Gedaliah | 22 | M | ג | צום גדליה | מאנטאג |
| | 23 | T | ד | | דינסטאג |
| | 24 | W | ה | | מיטוואך |
| | 25 | Th | ו | | דאנערש. |
| | 26 | F | ז | ליכט בענטשן 5.29 | פרייטאג |
| הפ' שובה ישראל | 27 | S | ח | שובה. האזינו | שבת |
| ליכט בענטשן 5.26 | 28 | S | ט | ערב יום כפור | זונטאג |
| Yom Kippur | 29 | M | י | יום כפור | מאנטאג |
| | 30 | T | יא | | דינסטאג |
| Oct. | 1 | W | יב | | מיטוואך |
| | 2 | Th | יג | | דאנערש. |
| ליכט בענטשן 5.18 | 3 | F | יד | ערב סוכות | פרייטאג |
| Succoth 1st day | 4 | S | טו | א דסוכות | שבת |
| Succoth 2nd day | 5 | S | טז | ב דסוכות | זונטאג |
| Chol ha-Moed | 6 | M | יז | א דחול המועד | מאנטאג |
| Chol ha-Moed | 7 | T | יח | ב דחול המועד | דינסטאג |
| Chol ha-Moed | 8 | W | יט | ג דחול המועד | מיטוואך |
| Chol ha-Moed | 9 | Th | כ | ד דחול המועד | דאנערש. |
| Hoshana Rabba | 10 | F | כא | הושענא רבה ל"ב 5.06 | פרייטאג |
| Shemini Atzereth | 11 | S | כב | שמיני עצרת יזכור | שבת |
| Simchath Torah | 12 | S | כג | שמחת תורה | זונטאג |
| Columbus Day | 13 | M | כד | אסרו חג | מאנטאג |
| | 14 | T | כה | | דינסטאג |
| | 15 | W | כו | | מיטוואך |
| | 16 | Th | כז | | דאנערש. |
| | 17 | F | כח | ליכט בענטשן 4.55 | פרייטאג |
| הפ' מחר חודש | 18 | S | כט | בראשית מבה"ח | שבת |
| | 19 | S | ל | א דר"ח חשון | זונטאג |

דער מולד איז מוצאי שבת קודש 52 מינוט 6 חלקים נאך 9

## 1952 Heshvan חשון תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Oct. | 20 | M | א | ב דראש חודש | מאנטאג |
| | 21 | T | ב | | דינסטאג |
| | 22 | W | ג | | מיטוואך |
| | 23 | Th | ד | | דאנערש. |
| | 24 | F | ה | ליכט בענטשן 4.45 | פרייטאג |
| הפ' רני עקרה | 25 | S | ו | נח מברכין בה"ב | שבת |
| | 26 | S | ז | | זונטאג |
| | 27 | M | ח | תענית שני קמא | מאנטאג |
| | 28 | T | ט | | דינסטאג |
| | 29 | W | י | | מיטוואך |
| | 30 | Th | יא | תענית חמישי | דאנערש. |
| | 31 | F | יב | ליכט בענטשן 4.36 | פרייטאג |
| Nov. הפ' למה תאמר | 1 | S | יג | לך לך | שבת |
| | 2 | S | יד | | זונטאג |
| | 3 | M | טו | תענית שני בתרא | מאנטאג |
| Election Day | 4 | T | טז | | דינסטאג |
| | 5 | W | יז | | מיטוואך |
| | 6 | Th | יח | | דאנערש. |
| | 7 | F | יט | ליכט בענטשן 4.28 | פרייטאג |
| הפ' ואשה אחת | 8 | S | כ | וירא | שבת |
| | 9 | S | כא | | זונטאג |
| | 10 | M | כב | | מאנטאג |
| Armistice Day | 11 | T | כג | | דינסטאג |
| | 12 | W | כד | | מיטוואך |
| | 13 | Th | כה | | דאנערש. |
| | 14 | F | כו | ליכט בענטשן 4.21 | פרייטאג |
| הפ' והמלך דוד | 15 | S | כז | חיי שרה מבה"ח | שבת |
| | 16 | S | כח | | זונטאג |
| | 17 | M | כט | ערב ר"ח | מאנטאג |
| | 18 | T | ל | א דר"ח כסלו | דינסטאג |

דער מולד איז מאנטאג ביינאכט 88 מינוט 6 חלקים נאך 10

## 1952 Kislev כסלו תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Nov. | 19 | W | א | ב דראש חודש | מיטוואך |
| | 20 | Th | ב | | דאנערש. |
| | 21 | F | ג | ליכט בענטשן 4.16 | פרייטאג |
| הפ' משא דבר ה' | 22 | S | ד | תולדות | שבת |
| | 23 | S | ה | | זונטאג |
| | 24 | M | ו | | מאנטאג |
| | 25 | T | ז | | דינסטאג |
| | 26 | W | ח | | מיטוואך |
| Thanksgiv. Day | 27 | Th | ט | | דאנערש. |
| | 28 | F | י | ליכט בענטשן 4.13 | פרייטאג |
| הפ' ויברח יעקב | 29 | S | יא | ויצא | שבת |
| | 30 | S | יב | | זונטאג |
| Dec. | 1 | M | יג | | מאנטאג |
| | 2 | T | יד | | דינסטאג |
| | 3 | W | טו | | מיטוואך |
| | 4 | Th | טז | | דאנערש. |
| ליכט בענטשן 4.11 | 5 | F | יז | צו מעריב טל ומטר | פרייטאג |
| הפ' חזון עובדיה | 6 | S | יח | וישלח | שבת |
| | 7 | S | יט | | זונטאג |
| | 8 | M | כ | | מאנטאג |
| | 9 | T | כא | | דינסטאג |
| | 10 | W | כב | | מיטוואך |
| | 11 | Th | כג | | דאנערש. |
| ליכט בענטשן 4.11 | 12 | F | כד | איתם חנוכה ליכט | פרייטאג |
| Chanukah — הפ' רני ושמחי | 13 | S | כה (א) | וישב מבה"ח | שבת |
| Chanukah | 14 | S | כו (ב) | חנוכה | זונטאג |
| Chanukah | 15 | M | כז (ג) | | מאנטאג |
| Chanukah | 16 | T | כח (ד) | | דינסטאג |
| Chanukah | 17 | W | כט (ה) | ערב ר"ח טבת | מיטוואך |
| Chanukah | 18 | Th | ל (ו) | א דר"ח | דאנערש. |

דער מולד איז דינסטאג ביינאכט 20 מינוט 7 חלקים נאך 11

## 1952'53 Teveth טבת תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Dec. 4.13 ל"ב Chanukah | 19 | F | א (ז) | ב דר"ח | פרייטאג |
| הפ' ויעש חירום Chanukah | 20 | S | ב (ח) | מקץ-זאת חנוכה | שבת |
| | 21 | S | ג | | זונטאג |
| | 22 | M | ד | | מאנטאג |
| | 23 | T | ה | | דינסטאג |
| | 24 | W | ו | | מיטוואך |
| | 25 | Th | ז | | דאנערש. |
| | 26 | F | ח | ליכט בענטשן 4.17 | פרייטאג |
| הפ' ויהי דבר ה' | 27 | S | ט | ויגש | שבת |
| Fast of 10th of Teveth | 28 | S | י | תענית עשרה בטבת | זונטאג |
| | 29 | M | יא | | מאנטאג |
| | 30 | T | יב | | דינסטאג |
| | 31 | W | יג | | מיטוואך |
| Jan. New Year 1953 | 1 | Th | יד | | דאנערש. |
| | 2 | F | טו | ליכט בענטשן 4.22 | פרייטאג |
| הפ' ויקרבו ימי דוד | 3 | S | טז | ויחי | שבת |
| | 4 | S | יז | | זונטאג |
| | 5 | M | יח | | מאנטאג |
| | 6 | T | יט | | דינסטאג |
| | 7 | W | כ | | מיטוואך |
| | 8 | Th | כא | | דאנערש. |
| | 9 | F | כב | ליכט בענטשן 4.28 | פרייטאג |
| הפ' הבאים ישרש | 10 | S | כג | שמות. מבה"ח שבט | שבת |
| | 11 | S | כד | | זונטאג |
| | 12 | M | כה | | מאנטאג |
| | 13 | T | כו | | דינסטאג |
| | 14 | W | כז | | מיטוואך |
| | 15 | Th | כח | | דאנערש. |
| ליכט בענטשן 4.36 | 16 | F | כט | ערב ר"ח שבט | פרייטאג |

דער מולד איז דאנערשטאג ביינאכט 4 מינוט 8 חלקים נאך 12

# לוח תשי"ג 1952-53

## 1953 Shevat שבט תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| שבת | וארא, ר"ח שבט | א | S | 17 | Jan. הפ' כה אמר ה' |
| זונטאג | | ב | S | 18 | |
| מאנטאג | | ג | M | 19 | |
| דינסטאג | | ד | T | 20 | |
| מיטוואך | | ה | W | 21 | |
| דאנערש. | | ו | Th | 22 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 4.44 | ז | F | 23 | |
| שבת | בא | ח | S | 24 | הפ' הדבר, ירמיה מו |
| זונטאג | | ט | S | 25 | |
| מאנטאג | | י | M | 26 | |
| דינסטאג | | יא | T | 27 | |
| מיטוואך | | יב | W | 28 | |
| דאנערש. | | יג | Th | 29 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 4.52 | יד | F | 30 | |
| שבת | שירה. בשלח | טו | S | 31 | הפ' ודבורה אשה |
| זונטאג | | טז | S | 1 | Feb. |
| מאנטאג | | יז | M | 2 | |
| דינסטאג | | יח | T | 3 | |
| מיטוואך | | יט | W | 4 | |
| דאנערש. | | כ | Th | 5 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.01 | כא | F | 6 | |
| שבת | יתרו | כב | S | 7 | הפ' בשנת מות |
| זונטאג | | כג | S | 8 | |
| מאנטאג | | כד | M | 9 | |
| דינסטאג | | כה | T | 10 | |
| מיטוואך | | כו | W | 11 | |
| דאנערש. | | כז | Th | 12 | Lincoln's Birthday |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.10 | כח | F | 13 | |
| שבת | משפטים מבה"ח שקלים | כט | S | 14 | הפ' ויכרת יהוידע |
| זונטאג | א דר"ח | ל | S | 15 | |

חמשה עשר בשבט (יב–יח) — Jewish Arbor Day (28–3)

דער מולד איז פרייטאג נאכט 48 מינוט 9 חלקים נאך 12

## 1953 Adar אדר תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| מאנטאג | ב דראש חודש | א | M | 16 | Feb. |
| דינסטאג | | ב | T | 17 | |
| מיטוואך | | ג | W | 18 | |
| דאנערש. | | ד | Th | 19 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.18 | ה | F | 20 | |
| שבת | תרומה | ו | S | 21 | הפ' וה' נתן חכמה |
| זונטאג | | ז | S | 22 | Washington's Birthday |
| מאנטאג | | ח | M | 23 | |
| דינסטאג | | ט | T | 24 | |
| מיטוואך | | י | W | 25 | |
| דאנערש. | תענית אסתר—מוקדם | יא | Th | 26 | Fast of Esther |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.26 | יב | F | 27 | |
| שבת | זכור. תצוה | יג | S | 28 | הפ' כה אמר ה' |
| זונטאג | פורים | יד | S | 1 | March — Purim |
| מאנטאג | שושן פורים | טו | M | 2 | |
| דינסטאג | | טז | T | 3 | |
| מיטוואך | | יז | W | 4 | |
| דאנערש. | | יח | Th | 5 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.34 | יט | F | 6 | |
| שבת | פרה. תשא | כ | S | 7 | הפ' ויהי דבר, יחזקאל לו |
| זונטאג | | כא | S | 8 | |
| מאנטאג | | כב | M | 9 | |
| דינסטאג | | כג | T | 10 | |
| מיטוואך | | כד | W | 11 | |
| דאנערש. | | כה | Th | 12 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.42 | כו | F | 13 | |
| שבת. | ויק"פ פ' החודש מבה"ח | כז | S | 14 | הפ' כל העם |
| זונטאג | | כח | S | 15 | |
| מאנטאג | ער"ח ניסן, יו"כ קטן | כט | M | 16 | |

דער מולד איז זונטאג בייטאג 32 מינוט 10 חלקים נאך 1

## 1953 Nisan ניסן תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| דינסטאג | ראש חודש ניסן | א | T | 17 | March |
| מיטוואך | | ב | W | 18 | |
| דאנערש. | | ג | Th | 19 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.49 | ד | F | 20 | |
| שבת | ויקרא | ה | S | 21 | הפ' עם זו יצרתי |
| זונטאג | | ו | S | 22 | |
| מאנטאג | | ז | M | 23 | |
| דינסטאג | | ח | T | 24 | |
| מיטוואך | | ט | W | 25 | |
| דאנערש. | | י | Th | 26 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 5.56 | יא | F | 27 | |
| שבת | הגדול צו | יב | S | 28 | הפ' וערבה לה' |
| זונטאג | אוונט בדיקת חמץ | יג | S | 29 | |
| מאנטאג | ערב פסח | יד | M | 30 | ליכט בענטשן 6.00 |
| דינסטאג | א דפסח | טו | T | 31 | Pesach 1st day |
| מיטוואך | ב דפסח | טז | W | 1 | Apr. 2nd day |
| דאנערש. | א דחול המועד | יז | Th | 2 | Chol ha-Moed |
| פרייטאג | ב דחול המועד | יח | F | 3 | ליכט ב' 6.04 |
| שבת | ג דחול המועד | יט | S | 4 | |
| זונטאג | ערב יו"ט ליכט ב' 6.08 | כ | S | 5 | |
| מאנטאג | שביעי של פסח | כא | M | 6 | Pesach 7th day |
| דינסטאג | אחרון של פסח | כב | T | 7 | 8th day *יזכור |
| מיטוואך | אסרו חג | כג | W | 8 | |
| דאנערש. | | כד | Th | 9 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 6.12 | כה | F | 10 | |
| שבת | שמיני מבה"ח פרק א | כו | S | 11 | הפ' ויוסף עוד דוד |
| זונטאג | | כז | S | 12 | |
| מאנטאג | | כח | M | 13 | |
| דינסטאג | ערב ראש חודש | כט | T | 14 | |
| מיטוואך | א דר"ח אייר | ל | W | 15 | |

דער מולד איז דינסטאג פארטאג 18 מינוט 11 חלקים נאך 2

## 1953 Iyar אייר תשי"ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| דאנערש. | ב דראש חודש | א | Th | 16 | Apr. |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 6.19 | ב | F | 17 | |
| שבת | תזו"מ מבר' בה"ב | ג | S | 18 | הפ' וארבעה אנשים פרק ב |
| זונטאג | | ד | S | 19 | |
| מאנטאג | יום העצמאות, שני קמא | ה | M | 20 | Israel Independ. Day |
| דינסטאג | | ו | T | 21 | |
| מיטוואך | | ז | W | 22 | |
| דאנערש. | תענית חמישי | ח | Th | 23 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 6.26 | ט | F | 24 | |
| שבת | אחרי וקדושים | י | S | 25 | הפ' הלא כבני פרק ג |
| זונטאג | | יא | S | 26 | |
| מאנטאג | תענית שני בתרא | יב | M | 27 | |
| דינסטאג | | יג | T | 28 | |
| מיטוואך | פסח שני | יד | W | 29 | |
| דאנערש. | | טו | Th | 30 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 6.34 | טז | F | 1 | May |
| שבת | אמור | יז | S | 2 | הפ' והכהנים פרק ד |
| זונטאג | ל"ג בעומר | יח | S | 3 | Lag b'Omer |
| מאנטאג | | יט | M | 4 | |
| דינסטאג | | כ | T | 5 | |
| מיטוואך | | כא | W | 6 | |
| דאנערש. | | כב | Th | 7 | |
| פרייטאג | ליכט בענטשן 6.41 | כג | F | 8 | |
| שבת | בהר ובחק', מבה"ח | כד | S | 9 | הפ' ה' עזי פרק ה |
| זונטאג | | כה | S | 10 | Mother's Day |
| מאנטאג | | כו | M | 11 | |
| דינסטאג | | כז | T | 12 | |
| מיטוואך | | כח | W | 13 | |
| דאנערש. | ערב ר"ח סיון, יו"כ קטן | כט | Th | 14 | |

דער מולד איז מיטוואך בייטאג 12 חלקים נאך 3

# לוח תשי״ג 1952-53

## 1953 Sivan סיון תשי״ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| May ליכט ב' 6.46 | 15 | F | א | ראש חודש סיון | פרייטאג |
| הפ' והי' מספר פרק ו | 16 | S | ב | במדבר | שבת |
| | 17 | S | ג | | זונטאג |
| | 18 | M | ד | | מאנטאג |
| ליכט בענטשן 6.51 | 19 | T | ה | ערב שבועות | דינסטאג |
| Shavuoth | 20 | W | ו | א דשבועות | מיטוואך |
| | 21 | Th | ז | ב דשבועות יזכור | דאנערש. |
| | 22 | F | ח | אסרו חג ליכט ב' 6.54 | פרייטאג |
| הפ' ויהי איש אחד | 23 | S | ט | נשא פרק א | שבת |
| | 24 | S | י | | זונטאג |
| | 25 | M | יא | | מאנטאג |
| | 26 | T | יב | | דינסטאג |
| | 27 | W | יג | | מיטוואך |
| | 28 | Th | יד | | דאנערש. |
| | 29 | F | טו | ליכט בענטשן 7.00 | פרייטאג |
| Decor. Day הפ' רני ושמחי | 30 | S | טז | בהעלותך פ"ב | שבת |
| | 31 | S | יז | | זונטאג |
| June | 1 | M | יח | | מאנטאג |
| | 2 | T | יט | | דינסטאג |
| | 3 | W | כ | | מיטוואך |
| | 4 | Th | כא | | דאנערש. |
| | 5 | F | כב | ליכט בענטשן 7.05 | פרייטאג |
| הפ' וישלח יהושע פ"ג | 6 | S | כג | שלח מבה"ח | שבת |
| | 7 | S | כד | | זונטאג |
| | 8 | M | כה | | מאנטאג |
| | 9 | T | כו | | דינסטאג |
| | 10 | W | כז | | מיטוואך |
| | 11 | Th | כח | | דאנערש. |
| | 12 | F | כט | ערב ר"ח, ליכט ב' 7.09 | פרייטאג |
| הפ' כה אמר ה' פ"ד | 13 | S | ל | קרח, א דר"ח | שבת |

דער מולד איז פרייטאג פארטאג 44 מינוט 13 חלקים נאך 3

## 1953 Tamuz תמוז תשי״ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| June | 14 | S | א | ב דראש חודש | זונטאג |
| | 15 | M | ב | | מאנטאג |
| | 16 | T | ג | | דינסטאג |
| | 17 | W | ד | | מיטוואך |
| | 18 | Th | ה | | דאנערש. |
| | 19 | F | ו | ליכט בענטשן 7.13 | פרייטאג |
| הפ' ויפתח הגלעדי | 20 | S | ז | חקת פרק ה | שבת |
| Father's Day | 21 | S | ח | | זונטאג |
| | 22 | M | ט | | מאנטאג |
| | 23 | T | י | | דינסטאג |
| | 24 | W | יא | | מיטוואך |
| | 25 | Th | יב | | דאנערש. |
| | 26 | F | יג | ליכט בענטשן 7.14 | פרייטאג |
| הפ' והי' שארית פרק ו | 27 | S | יד | בלק | שבת |
| | 28 | S | טו | | זונטאג |
| | 29 | M | טז | | מאנטאג |
| Fast 17 of Tamuz | 30 | T | יז | תענית שבעה עשר | דינסטאג |
| July | 1 | W | יח | | מיטוואך |
| | 2 | Th | יט | | דאנערש. |
| Herzl Memorial Day | 3 | F | כ | ליכט בענטשן 7.13 | פרייטאג |
| Ind. Day פרק א | 4 | S | כא | פינחס הפ' דברי ירמי' | שבת |
| | 5 | S | כב | | זונטאג |
| | 6 | M | כג | | מאנטאג |
| | 7 | T | כד | | דינסטאג |
| | 8 | W | כה | | מיטוואך |
| | 9 | Th | כו | | דאנערש. |
| | 10 | F | כז | ליכט בענטשן 7.10 | פרייטאג |
| הפ' שמעו דבר ה' פ"ב | 11 | S | כח | מטו"מ מבה"ח אב | שבת |
| | 12 | S | כט | ער"ח אב, יום כפור קטן | זונטאג |

דער מולד איז שבת קודש 28 מינוט 14 חלקים נאך 4

## 1953 Av אב תשי״ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| July | 13 | M | א | ראש חודש אב | מאנטאג |
| | 14 | T | ב | | דינסטאג |
| | 15 | W | ג | | מיטוואך |
| | 16 | Th | ד | | דאנערש. |
| | 17 | F | ה | ליכט בענטשן 7.07 | פרייטאג |
| הפ' חזון ישעיהו פ"ג | 18 | S | ו | חזון, דברים | שבת |
| | 19 | S | ז | | זונטאג |
| | 20 | M | ח | | מאנטאג |
| Fast of 9th of Av | 21 | T | ט | תענית תשעה באב | דינסטאג |
| | 22 | W | י | | מיטוואך |
| | 23 | Th | יא | | דאנערש. |
| | 24 | F | יב | ליכט בענטשן 7.02 | פרייטאג |
| הפ' נחמו נחמו פרק ד | 25 | S | יג | נחמו, ואתחנן | שבת |
| | 26 | S | יד | | זונטאג |
| | 27 | M | טו | חמשה עשר באב | מאנטאג |
| | 28 | T | טז | | דינסטאג |
| | 29 | W | יז | | מיטוואך |
| | 30 | Th | יח | | דאנערש. |
| | 31 | F | יט | ליכט בענטשן 6.55 | פרייטאג |
| Aug. פרק ה | 1 | S | כ | עקב הפ' ותאמר ציון | שבת |
| | 2 | S | כא | | זונטאג |
| | 3 | M | כב | | מאנטאג |
| | 4 | T | כג | | דינסטאג |
| | 5 | W | כד | | מיטוואך |
| | 6 | Th | כה | | דאנערש. |
| | 7 | F | כו | ליכט בענטשן 6.48 | פרייטאג |
| הפ' עניה סוערה פ"ו | 8 | S | כז | ראה מבה"ח | שבת |
| | 9 | S | כח | | זונטאג |
| | 10 | M | כט | ער"ח | מאנטאג |
| | 11 | T | ל | א דר"ח אלול | דינסטאג |

דער מולד איז מאנטאג פארטאג 12 מינוט 16 חלקים נאך 8

## 1953 Elul אלול תשי״ג

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| Aug. | 12 | W | א | ב דראש חודש | מיטוואך |
| | 13 | Th | ב | | דאנערש. |
| | 14 | F | ג | ליכט בענטשן 6.38 | פרייטאג |
| הפ' אנכי אנכי פרק א | 15 | S | ד | שופטים | שבת |
| | 16 | S | ה | | זונטאג |
| | 17 | M | ו | | מאנטאג |
| | 18 | T | ז | | דינסטאג |
| | 19 | W | ח | | מיטוואך |
| | 20 | Th | ט | | דאנערש. |
| | 21 | F | י | ליכט בענטשן 6.28 | פרייטאג |
| הפ' רני עקרה פרק ב | 22 | S | יא | תצא | שבת |
| | 23 | S | יב | | זונטאג |
| | 24 | M | יג | | מאנטאג |
| | 25 | T | יד | | דינסטאג |
| | 26 | W | טו | | מיטוואך |
| | 27 | Th | טז | | דאנערש. |
| | 28 | F | יז | ליכט בענטשן 6.18 | פרייטאג |
| הפ' קומי אורי פ' ג-ד | 29 | S | יח | תבא | שבת |
| | 30 | S | יט | | זונטאג |
| | 31 | M | כ | | מאנטאג |
| Sept. | 1 | T | כא | | דינסטאג |
| | 2 | W | כב | | מיטוואך |
| | 3 | Th | כג | | דאנערש. |
| | 4 | F | כד | ליכט בענטשן 6.07 | פרייטאג |
| הפ' שוש אשיש פ' ה-ו | 5 | S | כה | נצבים וילך | שבת |
| | 6 | S | כו | א דסליחות | זונטאג |
| Labor Day | 7 | M | כז | | מאנטאג |
| | 8 | T | כח | | דינסטאג |
| | 9 | W | כט | ערב ראש השנה תשי"ד ליכט בענטשן 5.50 | מיטוואך |

דער מולד איז דינסטאג פארטאג 44 מינוט 16 חלקים נאך 6

# א יאָר אידיש לעבן אין קובא

## (תשי״ב — 5712)

פון **בן צבי**



### פאַרקויף פון ישראל באָנדס

דאָס יאָר תשי״ב האָט זיך אָנגעפאנגען ביי אונז מיט דעם פארקויף פון די ישראל באָנדס. אויף צו אָרגאניזירן די דאָזיקע וויכטיקע ארבעט איז צו אונז געקומען דער דירעקטאָר פון לאַטיין אַמעריקאנער דעפּארטאַמענט פון די ישראל באָנדס, אין ניו־יאָרק, ה׳ מיראן שעסקין. דער חשובער גאסט האָט זיך געשטעלט אין קאָנטאַקט מיט אַלע קרייזן פון דעם ישוב און אים איז געלונגען אַריינצוציען פיל נייע כוחות אין דער דאָזיקער אַרבעט. אין שפּיץ פון דעם באָנד דרייוו האָט זיך געשטעלט ה׳ אַדאָלפאָ קייץ, איינער פון די אָנגעזעענסטע אידישע ביזנעס לייט און געזעלשאפטלעכער טוער. כדי צו דערעפענען דעם פארקויף פון די ישראל באָנדס איז באשלאָסן געוואָרן דורכצופירן אַ גרויסע מאסן פארזאמלונג אין „טעאטער אוידיטאָריום“ און אלס גאסט רעדנער איז איינגעלאדן געוואָרן אַמבאַסאַדאָר משה טוב, מיטגליד פון דער ישראל דעלעגאַציע אין דער יו־ען.

פאר דעם מיטינג איז אָבער אויפגעקומען אַן ערנסטע שוועריקייט און קאָמפּליקאציע. דער פּאטראָנאט האָט אַריינגעשיקט אַ בריוו צום ישראל באָנד קאָמיטעט, אין וועלכן זיי פארלאנגען, אז דער פארקויף פון די באָנדס זאָל אָפּגעלייגט ווערן ביז מערץ 1952, ווייל זיי דארפן האָבן די צייט אויף צו שאפן נאָך צוויי הונדערט טויזנט דאָלער אויף צו קענען פאָרזעצן די בוי ארבעט פון בנין. עס איז פאָרגעקומען אַ צוזאמענטרעף פון פאָרשטייער פון פּאטראָנאט און פון ישראל באָנד קאָמיטעט, אין האָטעל נאַסיאָנאל, כדי צו פארהאַנדלען וועגן דעם ענין. די פאָרשטייער פון באָנד דרייוו האָבן דערקלערט, אז די ישראל באָנדס זענען ניט קיין קאמפּיין אָדער צדקה, נאָר א אינוועסטמענט, וואָס ברייננגט אינטערעסן און דערפאר קען עס ניט און עס דארף ניט שטערן קיין שום אַנדער פילאנטראָפּישע אָדער געזעלשאפטלעכע זאמלונג. צו קיין הסכם איז מען ניט געקומען אויף יענעם צוזאמענטרעף. די פאָרשטייער פון באָנד האָבן דערקלערט, אז אין אָוונט אויפן מיטינג וועט אָפיציעל

פראָקלאַמירט ווערן דער אָנהויב פון באָנד פארקויף און די פאָרשטייער פון פאטראָנאט זענען אוועק מיט דער דראָאונג, אז אויב דאָס וועט געטאָן ווערן, וועט דער פאטראָנאט ארויסטרעטן קעגן באָנד דרייוו און רופן זיינע מיטגלידער ניט צו קויפן קיין ישראל באָנדס.

אין אזא אטמאָספערע איז מען געגאנגען צו דעם פראָקלאַמירונגס מיטינג אין „טעאטער אוידיטאָריום", דעם 11־טן אָקטאָבער. די פארזאמלונג איז געווען זייער אן ענטוזיאסטישע. אַמבאַסאַדאָר טוב האָט מיטגעריסן דעם עולם מיט זיינע ווערטער. עס איז געוואָרן קלאָר פאַר אַלעמען, אז די שווערע עקאָנאָמישע לאגע פון ישראל, פארלאנגט א כסדר'דיקע אָנשטריינגונג מצד דעם וועלט־אידנטום און דער פארקויף פון די ישראל באָנדס איז א דרינגענדע נאַציאָנאלע נויטווענדיקייט, וואָס קען ניט און טאָר ניט אָפּגעלייגט ווערן.

נאָך דעם מיטינג האָבן די פירער פון פאטראָנאט רעווידירט זייער איינשטעלונג. עס איז פאָרגעקומען א נייער צוזאמענטרעף און מען איז געקומען צו א ווערבאלן אָפּמאך, וואָס האָט געלויטעט, אז דער פארקויף פון ישראל באָנד זאָל געפירט ווערן ביז דעם 15־טן דעצעמבער; דער פאטראָנאט וועט דורכפירן זיין קאמפיין פון 15־טן דעצעמבער ביז דעם 15־טן מערץ און דאַן וועט זיך אָנפאנגען דער יערלעכער קרן היסוד — פאַראייניקטער ישראל קאמפיין.

אין די ערשטע וואָכן פון ארבעט איז געפירט געוואָרן א ברייטע אויפקלערונגס ארבעט וועגן די ישראל באָנדס, דורך דער פרעסע, ליפלעטס, ראַדיאָ און דורך פארזאמלונגען, וואָס זענען אָפּגעהאלטן געוואָרן אין אלע קרייזן פון ישוב. אַמבאַסאַדאָר טוב איז נאָך אויפגעטראָטן מיט רעדעס אויף דער רעסעפּשאָן, וואָס איז לכבוד אים איינגעאָרדנט געוואָרן אין דער פריוואטער היים פון איזידאָרא אַבארבאַנעל; אויף א באנקעט פון דער בני־ברית לאָזשע, אין אַמעריקאַנער טעמפל און אין לאָקאל פון דער ציוניסטישער פאראייניקונג. נאָך זיין אָפּפאָר האָט מיראָן שעסקין גערעדט ביי די ספרדים, אין דער ציוניסטישער פאראייניקונג, ביי דער „וויצאָ", אין אידישן צענטער פון מאריאנאאָ א. א. וו. ווען מ. שעסקין איז אָפּגעפאָרן זענען געקומען מיטהעלפן אין דעם פארקויף פון די ישראל באָנדס, דר. הערמאַן גלאַט און שפּעטער יצחק המאירי.

ישראל באָנדס זענען געקויפט געוואָרן דורך אידן פון אלע סעקטאָרן, ווי די אַמעריקאנער, ספרדים און אשכנזים. אויך איז באזוכט געוואָרן די גאַנצע פּראָווינץ. דער אלגעמיינער אָפּרוף איז געווען זייער א גוטער, און די מערסטע קויפער זענען געווען שטאַרק צופרידן און באגייסטערט, וואָס אין א קורצער צייט נאָך דעם ווי זיי האָבן געקויפט ישראל באָנדס, האָבן זיי שוין באקומען אריינגעשיקט די דיווידענדן, דורך דער „טשיים נעשאָנאל באנק". בסך הכל האָבן געקויפט ישראל באָנדס 513 אידן אויף א סומע פון קרוב 250 טויזנט דאָלער. דאָס באווייזט, אז עס זענען נאָך פארבליבן הונדערטער אידן, וועלכע קענען און דארפן קויפן די ישראל באָנדס און מיטהעלפן ישראל צו דערגרייכן וואָס שנעלער איר עקאָנאָמישע זעלבסטשטענדיקייט.

# קרן-היסוד — פאַרייניקטער
# ישראל-קאַמפּיין

די צוגרייטונגען צום קאַמפּיין האָבן זיך אָנגעפאַנגען אינמיטן חודש פעברואַר. יוסף טשאַרניצקי, דירעקטאָר פון לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּאַרטאַמענט פון קרן־היסוד אין ירושלים, האָט געווײַלט אין האַוואַנאַ אַ וואָך צייט, אויף זיין דורכרייזע אין אַנדערע לאַטיין אַמעריקאַנער לענדער. ער האָט אויסגענוצט זיין וויזיט צו אָפּהאַלטן באַראַטונגען מיט אַלע ציוניסטישע גרופּירונגען, מיט די ספרדים און דער יוגנט. אויסער די ענגע צוזאַמענקונפטן האָט ער אויך געהאַט עטלעכע עפנטלעכע אויפטריטן און האָט געהאָלפן אויסאַרבעטן אַן אַרבעטס פּראָגראַם פאַר דעם פאַרשטייענדן קאַמפּיין. לויט דעם נייעם פּראָגראַם, האָט דער קאַמפּיין קאָמיטעט געדאַרפט צעטיילט ווערן אין דריי גרופּן, וואָס זאָלן אַרבעטן פּאַראַלעל, כדי צו געווינען צייט. די ערשטע גרופּע האָט געדאַרפט באַאַרבעטן באַשטייערער פון 250 דאָלער אויף ווייטער; די צווייטע גרופּע: באַשטייערער פון 100 ביז 250 דאָלער; און די דריטע גרופּע: אַלע באַשטייערער ביז הונדערט דאָלער.

עס איז ביי דער געלעגנהייט אויך פעסטגעשטעלט געוואָרן, אַז די פּראָקלאַמירונג זאָל פּאַרקומען דעם 18־טן מערץ; אַלס ספּעציעלע שליחה אָנצופירן מיט דעם קאַמפּיין זאָל קומען פרוי שפרה ליפּסאָן און אַלס פעסטרעדנער צום פּראָקלאַמירונגס אַקט זאָל קומען ישראל ריטאָוו.

ווען עס איז געקומען דער מאָמענט פון פּראָקלאַמירן דעם קאַמפּיין האָט מען געמוזט ענדערן די אויסגעאַרבעטע פּלענער, ווייל די מיליטערישע איבערקערעניש פון 10־טן מערץ האָט געשאַפן אַזעלכע באַדינגונגען אין לאַנד (45 טעג) וואָס עס איז ניט מעגלעך געווען אָפּצוהאַלטן קיין גרויסע עפנטלעכע פאַרזאַמלונגען. עס זענען געווען מיינונגען, אַז דער קאַמפּיין זאָל בכלל אָפּגעלייגט ווערן אויף אַ צוויי אָדער דריי חדשים ביז די אַלגעמיינע פּאָליטישע לאַגע וועט זיך נאָרמאַליזירן. אָבער די ספּעציעלע שליחה פון ישראל, וואָס איז געקומען אָנצופירן מיט דעם קרן־היסוד קאַמפּיין, פרוי שפרה ליפּסאָן איז באַשטאַנען, אַז די אַרבעט זאָל זיך אָנפאַנגען אין דעם באַשטימטן טאָג, אפילו ווען אָן אַ גרויסן פּראָקלאַמירונגס מיטינג, ווי מען איז עס געוואוינט צו טאָן.

די פירערשאַפט פון קאַמפּיין קאָמיטעט, פאַראַנטוואָרטלעך פון אירע אויפגאַבן האָט אויך אַזוי פאַרשטאַנען די זאַך און דער קאַמפּיין האָט זיך אָנגעפאַנגען מיט קליינע צוזאַמענקונפטן אין פּריוואַטע היימען. דער ערשטער צוזאַמענקונפט איז פאָרגעקומען אין דער היים פון דער פּרעזידענטין פון דער וויצאָ, פרוי דאָראַ בענעם (באַקומענדיק דערפאַר אַ ספּעציעלע דערלויבעניש פון דער פּאָליציי) דעם 18־טן מערץ. דאָרט איז געלייגט געוואָרן דער פונדאַמענט פון קאַמפּיין. שפּעטער זענען פאָרגעקומען ענלעכע צוזאַמענקונפטן אין די היימען פון ענריקע בייקאָוויטש, פון הרב מאיר ראָזענבוים און אַנדערע.

די ספּעציעלע שליחה, פרוי שפרה ליפּסאָן, וועלכע איז אַן עקזעקוטיוו מיטגליד פון דער ציוניסטישער פרויען אָרגאַניזאַציע „וויצאָ“ האָט אַרויסגעוויזן אויסערגעוויינלעכע אַקטיווי־

מעם און האָט צוגעצויגן א גרעסערע
גרופּע עסקנים צו דער פּראַקטישער
זאַמל ארבעט. פרוי ליפּסאָן האָט באַ־
זוכט אין באַגלייטונג פון קאַמיסיעס,
פיל פון די גרעסערע באַשטייערער;
זי איז אויפגעטראָטן אויף א גרעסערע
צאָל פאַרזאַמלונגען און מיט איר
וואָרט געמונטערט און געוועקט אלע
אידן צו דערפילן ווירדיק זייער חוב
צום נאַציאָנאַלן קאַמפּיין, וואָס העלפט
מיט מדינת ישראל אין דער אויפנאַ־
מע און איינגלידערונג פון דער עליה,
וואָס שטראָמט פון אלע וועלט טיילן.
זי האָט אפילו באַגלייט די קאַמי־
סיעס, וואָס האָבן דורכגעפירט די
זאַמלונגען אין די ווייטסטע פּראָ־
ווינצן.

א באַזונדערן קרעדיט פאַר דער
שנעלער און דערפאָלגרייכער דורכ־
פירונג פון קרן היסוד פאַראייניקטן
ישראל קאַמפּיין, קומט בלי שום
ספק, דעם עקזעקוטיוו פון קאַמפּיין
קאָמיטעט, וואָס איז געווען צוזאַמענ־
געשטעלט דורך דעם באַקאַנטן ציוניס־
טישן עסקן ישראל לוסקי, אלס פּרע־
זידענט; נחום ראָזענצווייג, אלס סעק־
רעטאַר און מאַנאָלאָ ראָזענבערג,
אלס קאַסיר.

פרוי שפרה ליפּסאָן האָט געמוזט
צוריקפאָרן אין חודש מאי קיין יש־
ראל, וואו זי איז אַרויסגערופן געוואָרן
צוליב דעם ערנסטן געזונט צושטאַנד
פון איר זון. זי איז געזעגנט געוואָרן
אויף אן אָפּשיידנס אָוונט, וואָס איז
פאָרגעקומען דעם 14־טן מאי. נאָך
איר אָפּפאָר איז די ארבעט נאָך גע־
פירט געוואָרן אייניקע וואָכן און דער
קאַמפּיין איז אָפּגעשלאָסן געוואָרן
מיט אן אונטערנעמונג אין דער ציו־
ניסטישער פאַראייניקונג דעם 3־טן יו־
לי. דער קאַמפּיין קאָמיטעט האָט פון
זיך אויסגעטיילט א ליקווידאַציע קאָ־
מיסיע, וואָס האָט געהאַט די אויפגאַ־
בע איינצומאָנען די פאַרבליבענע חו־
בות, און באַזוכן נאָך א 75 מענטשן,
ביי וועלכע מען האָט ניט גענומען
קיין באַשטייערונגען, ווייל זיי זענען
צוליב די זומער מאָנאַטן געווען אין
אויסלאַנד אָדער אויף וואַקאַציע.

דער קרן־היסוד — פאַראייניקטער
ישראל קאַמפּיין איז געווען איינער
פון די שענסטע קאַפּיטלען פון ארבעט
אין דעם פאַרגאַנגענעם יאָר תשי"ב.
טראָץ אלע ניט גינסטיקע אָביעקטיווע
באַדינגונגען איז דער יערלעכער יש־
ראל קאַמפּיין געקרוינט געוואָרן מיט
דעם געהעריקן דערפאָלג — זאַמלענ־
דיק כמעט אַזוי פיל ווי אין פאַריקן
יאָר — און דער עיקר פאַרענדיקנדיק
די ארבעט אין דריי חדשים צייט.

## די ציוניסטישע באַוועגונג אין קובאַ

די ציוניסטישע באַוועגונג אין קו־
באַ אלס גאַנצע האָט אין דעם פאַרגאַנ־
גענעם יאָר באַוויזן צו שטיין אויף דער
הויך פון אירע אויפגאַבן און צו פאַר־
שטאַרקן און אויסברייטערן אירע אַק־
טיוויטעטן אויף אלע געביטן פון אר־
בעט. עס איז פאַר קיינעם קיין סוד
ניט, אז די אָרגאַניזירונג פון פאַר־
קויף פון ישראל באָנדס, איז פאַרגעקו־
מען אויף דער איניציאַטיוו פון דער
ציוניסטישער באַוועגונג און די אַק־
טיוויסטן פון אלע ציוניסטישע גרופּי־
רונגען האָבן מיטגעאַרבעט אין דעם
באָנד קאָמיטעט. דאָס זעלבע איז
אויך געשען ביים דורכפירן דעם קרן־
היסוד — פאַראייניקטער ישראל קאַמ־

פיין, וואו די גאַנצע באַוועגונג האָט זיך מאָביליזירט, כדי צו פאַרזיכערן דעם דערפאָלג און די שנעלע דורכפירונג פון דער אַרבעט.

## ציוניסטישע פאַרייניקונג

די פאַרוואַלטונג פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג וואָס איז דערוויילט געוואָרן דעם 9־טן דעצעמבער, האָט גלייך נאָך איר קאָנסטיטואירונג אויסגעאַרבעט אַ נייעם אַרבעטס פּראָגראַם, באַזירט אויף די באַשלוסן פון 23־טן ציוניסטישן קאָנגרעס, צו פאַרשטאַרקן די יוגנט אַקטיוויטעטן און די ציוניסטישע קולטור אַרבעט.

די ציוניסטישע פאַרייניקונג האָט אויסגענוצט די באַזוכן פון די ישראל געסט, וואָס זענען געקומען אין שייכות מיטן באָנד דרייוו און דעם קרן־היסוד קאַמפּיין צו אָרגאַניזירן לעקציע און עפנטלעכע אונטערנעמונגען. אַזוי איז כדאי צו דערמאָנען די לעקציע פון קאַפּיטאַן יעקב ווילאַן, דעם 6־טן יאַנואַר, אויף דער טעמע: „דער קאַמף גייט אָן", מיט אַ ישראל פילם „יום העצמאות"; דעם 4־טן פעברואַר איז פאָרגעקומען אַ קבלת פּנים אָוונט לכבוד יוסף טשאָרניצקי; דעם 19־טן פעברואַר האָט יוסף טשאָרניצקי געהאַלטן אַ רעפעראַט אויף דער טעמע: „מדינת ישראל, ציוניזם און די אידן פון די תפוצות"; פּרוי שפרה ליפּסאָן איז אויפגעטראָטן מיט אייניקע רעפעראַטן; עס זענען פאָרגעקומען צוזאַמענקונפטן מיט דער באַטייליקונג פון אַמבאַסאַדאָר טוב, מיראַן שעסקין און אַמבאַסאַדאָר לוריע, דעם 27־טן אויגוסט האָט שמחה גינוסר געגעבן דעם ערשטן רעפעראַט אויף דער טעמע: „די פּאָליטישע לאַגע אין ישראל ערב דער סעסיע פון דער „יו־ען".

די ציוניסטישע אויפקלערונגס אַרבעט איז באַזונדערס פאַרשטאַרקט געוואָרן פון דעם מאָמענט ווען עס איז אָנגעקומען אין האַוואַנאַ דער ספּעציעלער דעלעגירטער פון דער קרן־היסוד צענטראַלע אין ירושלים, דער באַקאַנטער קולטור טוער, רעדנער און שרייבער שמחה גינוסר. הגם ער איז געקומען הויפּטזעכלעך אין די אינטערעסן פון קרן־היסוד, ווידמעט ער אָבער זיין גאַנצע צייט צו פאַרשטאַרקן און פאַרטיפן די אַקטיוויטעטן פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג. ער האָט מיטגעהאָלפן רעאָרגאַניזירן די ראַדיאָ שעה, וואו עס ווערן לעצטנס טראַנסמיטירט אינטערעסאַנטע פּראָגראַמען, עס ווערן איבערגעגעבן ספּעציעלע אידישע און שפּאַנישע פּראָגראַמען פון דער אידישער אַגענטור און קאָמענטאַרן וועגן אַקטועלע ישראל פּראָבלעמען. ש. גינוסר שרייבט פּערמאַנענטע אַפּטיילונגען אין „האַוואַנער לעבן", אין וועלכע ער באַלייכט אויף אַ זייער אינטערעסאַנטן און אָריגינעלן אופן דערשיינונגען און געשעענישן פון דער אידישער מדינה. ער וועט האַלטן פּערמאַנענטע לעקציעס און אויך מיטהעלפן דער יוגנט און זאָרגן, אַז עברית זאָל מער געלערנט און גערעדט ווערן אין האַוואַנאַ.

אויך דער געביט פון דער יוגנט האָט אין פאַרגאַנגענעם יאָר באַקומען אַ באַזונדערע אויפמערקזאַמקייט. די ציוניסטישע פאַרייניקונג האָט אַראָפּגעבראַכט אַ יוגנט שליח, אין דער פּערזאָן פון בן גפן. ער איז אָנגעקומען אָנפאַנג חודש פעברואַר און צוזאַמען מיט אַ ספּעציעל געשאַפענעם

קאָמיטעט פאר יוגנט ענינים (אין באשטאנד פון חיים שיינוק, י. בורשטיין און ס. מ. קאפלאן) זענען אויסגעארבעט געוואָרן פראָיעקטן ווי אזוי צו אָרגאניזירן די יוגנט פאר דער ציוניסטישער באוועגונג און ישראל. די דאָזיקע ארבעט האָט שנעל אָנגעהויבן געבן רעזולטאטן. עס איז איינגעשטעלט געוואָרן א סעמינאר, אין וועלכן ארום 25 יוגנטלעכע זענען צוגעגרייט געוואָרן אלס יוגנט מדריכים. דער קורס האָט געדויערט מער ווי דריי חדשים צייט און מען האָט מיט זיי געלערנט די געשיכטע פון אידישן פאָלק, פון ציוניזם, ישראל־אָגראפיע, העברייאישע לידער, ישראל־טענץ, פארשיידענע שפילן א. א. וו. די דאָזיקע יוגנט מדריכים זענען געווען דער קערן פון א נייער חלוצישער יוגנט אָרגאניזאציע „הנוער הציוני". וואָס איז דערעפנט געוואָרן דעם 7־טן אויגוסט און ציילט שוין היינט איבער הונדערט יוגנטלעכע אין עלטער פון 10 ביז 15 יאָר.

כדי צו לייזן די פראגע פון די עלטערע יוגנטלעכע, פון 15 יאָר אויף ווייטער איז געשאפן געוואָרן די יוגנט אָרגאניזאציע „בני ציון", אין חודש אפריל אין וועמענס אָפיציעלע דערעפענונג עס איז פאָרגעקומען דעם 31־טן מאי. די אָרגאניזאציע ציילט אויך קרוב צו הונדערט מיטגלידער אין אירע רייען.

פארשטייענדיק, אז די יוגנט נויטטיקט זיך אין פירער, האָט די ציוניסטישע פאראייניקונג באשלאָסן אָפּצושיקן פיר יוגנטלעכע, וועלכע זאָלן דורמאכן א קורס, אין אינסטיטוט פון דער אידישער אגענטור אין ירושלים, אלס יוגנט מדריכים. די פיר יוגנטלעכע, וואָס זענען אָפּגעפאָרן פון האוואנא דעם 10־טן אויגוסט זענען: פאפיר און רפאל ראָזענבערג פון „בני ציון" און „הנוער הציוני"; סאָילא קרוגלאק פון „השומר הצעיר"; און בארראקאָס פון דער ספרדישער יוגנט. נאָך זייער צוריקקער פון אינסטיטוט וועלן זיי פארזיכערן די אנטוויקלונג פון א נאָרמאלער און געזונטער ציוניסטישער יוגנט באוועגונג אין קובא.

## וו י צ אָ

אין פארגאנגענעם יאָר האָט די „וויצאָ" ווידער דעמאָנסטרירט איר פארצווייגטע און איבערגעגעבענע ארבעט פאר ישראל און ציוניזם. דער דערפאָלג פון דער „וויצאָ" דאַרף ניט בלויז צוגעשריבן ווערן די פארוואלטונגס מיטגלידערינס, נאָר אויך דער גרויסער מאסע פון נאָענט צו 1.500 מיטגלידער, וואָס זענען אָרגאניזירט אין די פארשיידענע סעקציעס, ווי גרופע א', גרופע ב', ספרדישע גרופע, „יאָנג וויצאָ" און חנה סענעש יוגנט גרופע. דער אלגעמיינער אינטערעס פון דער אידישער פרוי צו אלע נאַציאָנאלע ענינים, האָט דערמעגלעכט, אז די „וויצאָ" זאָל אויסער אירע נאָרמאלע אַקטיוויטעטן אויך קענען מיטהעלפן און קאָאָפּערירן אין די ישראל באָנדס, און קרן היסוד קאמפיין און ביי אלע וויכטיקע ציוניסטישע אונטערנעמונגען. די טיי אָוונטן פון דער „וויצאָ" זענען באקאנט געוואָרן ווי וויכטיקע קולטורעלע אונטערנעמונגען. דאָרט טרעטן אויף אלע געסט וואָס באזוכן אונזער ישוב און אויך לאָקאלע קרעפטן, וועלכע רעדן צו די אידישע פרויען וועגן אלע פּראָבלעמען פון אידישן פאָלק און מדינת ישראל.

עס דאַרף דערמאָנט ווערן, אַז באַזונדערס האָט די „וויצאָ" אויסגענוצט דעם באַזוך פון פרוי שפרה ליפּסאָן, וועלכע איז אַ פּראָמינענטע פירערין פון דער „וויצאָ" אין ישׂראל. פרוי ליפּסאָן האָט געווידמעט פיל צייט און ענערגיע צו אויסאַרבעטן פּלענער פאַר דער צוקונפטיקער „וויצאָ" אַרבעט אין קובאַ.

אין לעצטן יאָר איז ווייטער געווען טעטיק ביי דער „וויצאָ" די ניי־שטוב, וואו עס זענען אויסגעאַרבעט געוואָרן קליידער און וועש פאַר די נייע עולים קינדער און פרויען אין ישׂראל. אַ גרעסערע גרופּע פרויען קומט יעדן נאָכמיטאָג אַרבעטן און אַ דאַנק זייער איבערגעבנקייט איז מעגלעך געווען אָפּצושיקן אַ גרויסן טראַנספּאָרט, וואָס האָט ענטהאַלטן קאָמפּלעטע קליידונג פאַר טויזנט קינדער און אַנדערע ווערטפולע זאַכן.

די וויצאָ אָרגאַניזאַציע אין קובאַ — דורך אַלע אירע גרופּן און דורך אַלע דורכגעפירטע אונטערנעמונגען — האָט באַוויזן צו שאַפן אין לעצטן יאָר איבער דרייסיק טויזנט דאָלער פאַר דעם אַלגעמיינעם בודזשעט פון דער אָרגאַניזאַציע אין ישׂראל. און דאָס איז אַ זייער גרויסע דערגרייכונג מיט וואָס די „וויצאָ" מעג באמת זיין שטאָלץ.

## ליגע פאַר דער הסתדרות

פאַרנומען מיט די אַלגעמיינע ציוניסטישע אויפגאַבן האָט די ליגע פאַר דער הסתדרות זיך ניט אויסגעצייכנט מיט קיין באַזונדערס גרויסע אַקטיוויטעטן. דאָך איז דורכגעפירט געוואָרן אויף אַ שיינעם אופן דער טראַדיציאָנעלער דריטער סדר, אין לאָקאַל פון אַמעריקאַנער טעמפּל, מיט דער באַטייליקונג פון דעם ספּעציעלן גאַסט רעדנער, דער באַקאַנטער ציוניסטישער אַרבעטער פירער פון ניו יאָרק ה' לואיס סיגאַל. אין חודש יוני האָט באַזוכט האַוואַנאַ, דורכרייזנדיק, דוד ווערטהיים, דער דירעקטאָר פון לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּאַרטאַמענט פון דעם הסתדרות קאַמפּיין און ער האָט געהאַלטן אַ רעפעראַט אויף דער טעמע: „אונזער חשבון הנפש".

## לאַנד־דירעקטאָריום פון קרן קימת

דער לאַנד־דירעקטאָריום פון קרן קימת האָט אין תשי"ב דורכגעמאַכט אַן אינערלעכן אָרגאַניזאַציאָנעלן קריזיס. דער איבערגעגעבענער עסקן ברוך שאַמעס, וואָס האָט פאַרנומען די פּרעזידענטשאַפט פון דער קערפּערשאַפט במשך פון איייניקע יאָר כסדר, האָט צוליבן געזונט צושטאַנד, ניט געקענט ווייטער אָנהאַלטן דעם אמט. אַלע פאַרזוכן צו לייזן דעם קריזיס האָבן זיך ניט איינגעגעבן. ערשט אין אָנפאַנג פון חודש אויגוסט האָט דער ה' יוסף בלומענקראַנץ צוגעשטימט איבערצונעמען דעם פּרעזידענט אַמט צייטווייליק, אָדער ביז די נעקסטע וואַלן אין דער ציוניסטישער פאַרייניקונג וואָס דאַרפן פאָרקומען סוף דעם יאָר.

טראָץ דעם אינערלעכן קריזיס זענען אָבער די וויכטיקסטע אַקטיוויטעטן ניט פאַרנאַכלעסיקט געוואָרן. דער לאַנד דירעקטאָריום האָט דורכגעפירט דעם חנוכה אָוונט; שפּעטער דעם פּורים באַזאַר און דעם אסתר המלכה שיינקייט קאָנקורס, ווי אויך

ארויסגעגעבן די ספעציעלע אויסגאבע „קול האדמה“, געווידמעט דעם פופציקסטן יובל פון קרן קימת. עס זענען אָנגעגאַנגען די נאָרמאַלע אַקטיוויטעטן, ווי זאַמלונגען אויף שמחות; פושקעס, ספר־הזהב, ספר־בר־מצוה, ספר הילד, בוימער א. א. וו. אויך אין די שולן איז דורכגעפירט געוואָרן דער חודש פון קרן קימת. די הכנסות האָבן אָנגעהאַלטן כמעט דעם זעלבן ניוואָ ווי אין פאַריקן יאָר.

דער קרן קימת לאַנד דירעקטאָריום האָט במשך פון יאָר געהאַט ספעציעלע געסט, ווי טוביה רעזניקאָוו, יעקב גילון און לעצטנס מ. קארין. אַלע געסט זענען אויפגענומען געוואָרן אויף א פייערלעכן אופן און זיי האָבן געהאַט געלעגנהייטן אויפצוטרעטן אין דער עפנטלעכקייט און רעדן וועגן דער ראָל און באַדייטונג פון קרן קימת אין איצטיקן מאָמענט.

## השומר הצעיר

דער „השומר הצעיר“ האָט אין תשי"ב געדונגען א פאָר צימערן אין אידישן צענטער, כדי בעסער צו קענען אַנטוויקלען זיינע אַקטיוויטעטן. הגם דער סעקרעטאַריאַט פונקציאָנירט אין לאָקאַל פון דער ציוניסטישער פאַריייניקונג. דעם 8־טן יולי איז א גרופע פון פינף חברים אָפּגעפאָרן אין די שטאַטן, וואו זיי מאַכן דורך הכשרה, און וועלן אינגיכן פאָרזעצן זייער רייזע קיין ישראל, כדי צוזאַמען מיט אַנדערע לאַטיין אַמעריקאַנער חלוצים אויפשטעלן א נייַעם קיבוץ. לויט דער איניציאַטיוו פון „השומר הצעיר“ איז געשאַפן געוואָרן אַ יוגנט קאָמיטעט וואָס האָט זיך געשטעלט די אויפגאבע איבערצושיקן א קאַמיאָן ווי א מתנה צו דער גרופע פון קובאַנער חלוצים, וואָס געפינען זיך שוין זייט עטלעכע יאָר אין קיבוץ „געש“. טראָץ דעם וואָס דער קאָמיטעט האָט אויך געהאַט די הילף און קאָאָפּעראַציע פון עטלעכע ציוניסטישע חברים איז די געפּלאַנטע סומע פון זיבן טויזנט דאָלער נים געשאַפן געוואָרן. ביז איצט געפינט זיך אין קאַסע עטוואָס מער ווי דריי טויזנט דאָלער און דאָס וועט אינגיכן אָפּגעשיקט ווערן. אין חודש אויגוסט איז צום „השומר הצעיר“ געקומען א שליח פון ישראל, יהושע קציר און זיין פרוי. זייער אָנוועזנהייט וועט זיכער פיל שטאַרקן די דאָזיקע חלוצישע יוגנט אָרגאַניזאַציע.

## פערטער יום העצמאות פון מדינת ישראל

אונטערן אויפזיכט פון ציוניסטישן פלענום ראט האָט די גאַנצע ציוניסטישע באַוועגונג אויך מיטגעווירקט אין דער אָרגאַניזירונג און דורכפירונג פון די פייערונגען צום פערטן יום העצמאות פון מדינת ישראל.

ווי אין די פריערדיקע יאָרן זענען דורכגעפירט א גאַנצע רייע אונטערנעמונגען וואָס האָבן ארומגענומען אַלע קרייזן פון ישוב. דעם 30־טן אפריל האָבן די פייערונגען זיך אָנגעפאַנגען מיט אַקטאַ־סיוויקאָס אין די שולן, וואו די לערער האָבן גערעדט וועגן דער באַדייטונג פון יום העצמאות און די קינדער האָבן אויסגעפירט ספעציעלע נומערן געווידמעט דער דאַטע. קאָמיסיעס פון דער „וויצאָ“ האָבן ביי דער געלעגנהייט פאַרטיילט זיסווארג צו די שול קינדער.

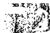
דעם זעלבן טאָג מיטאָג צייט איז געלייגט געוואָרן א קראַנץ בלומען ביים מאָנומענט פון קובאַנער פרייהייטס קעמפער כאָסע מאַרטי, ביי דער באַטייליקונג פון פאָרשטייער פון אַלע אידישע אינסטיטוציעס און די שול קינדער. ביים מאָנומענט האָבן גערעדט דער פאָרשטייער פון דער אידישער אגענטור ס. מ. קאַפּלאַן און דר. קאַליקסטאָ מאַסאָ, פּראָפעסאָר פון דער נאַציאָנאַלער אוניווערזיטעט.

אין אָוונט איז פאָרגעקומען א גרויסער פאָלקס מיטינג אין טעאַטער זאַל פון „וואַלדעס ראָדריגעז", וואו עס זענען אויפגעטראָטן מיט רעדעס די ישראל שליחה שפרה ליפסאָן, הרב מאיר ראָזענבוים, איסאַק בערעזדיווין, ס. מ. קאַפּלאַן און אַנדערע. עס זענען אויף דעם אָוונט אויך געוויזן געוואָרן צוויי נייע ישראל פילם און עס איז דורכגעפירט געוואָרן א קאָנצערט טייל מיט דער באַטייליקונג פון דער שוישפּילערין קלאַרא האבערמאַן.

די רעליגיעזע שוהלן האָבן אויך אָפּגעהאַלטן ספּעציעלע תפילות. אין אַמעריקאַנער טעמפּל פּריוויטיק צונאַכטס און אין די אַנדערע שבת אינדערפרי.

די פייערונגען זענען אָפּגעשלאָסן מיט א טאַנץ באַל פון דער יוגנט, וואָס איז פאָרגעקומען שבת דעם 3־טן מאַי, אין רוף גאַרדען פון האָטעל סעוויאַ.

צו דער געלעגנהייט פון יום העצמאות האָט די קובאַנער פּרעסע ניט בלויז געגעבן פּלאַץ צו אינפאָרמירן וועגן די פאַרשיידענע אונטערנעמונגען, נאָר עס זענען דערשינען א רייע אַרטיקלען און קאָמענטאַרן וועגן די דערגרייכונגען פון דער אידישער מדינה אין די ערשטע פיר יאָר פון איר עקזיסטענץ.



## באַזוך פון בענאָ ווייזער

סוף יולי האָט געווײַלט פיר טעג צייט אין האַוואַנאַ דער דירעקטאָר פון לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּאַרטאַמענט פון דער אידישער אגענטור אין ניו יאָרק ה' בענאָ ווייזער. ער איז אויפגענומען געוואָרן אויף א ספּעציעלער זיצונג פון ציוניסטישן פּלענום ראַט, און גערעדט אויף דער ציוניסטישער ראַדיאָ שעה. די הויפּט פון זיין מיסיע איז געווען צווישן ניט אידן. אין שייכות דערמיט האָט ער באַזוכט די וויכטיקסטע צייטונגען און זשורנאַלן און געבעטן ביי זיי קאָאָפּעראַציע ביים העלפן אויפקלערן און פּאָפּולאַריזירן די ישראל פּראָבלעמען. די צייטונגען האָבן מיט אים געמאַכט אינטערוויוען און אים פריינטלעך אויפגענומען. בענאָ ווייזער האָט אויך פאַרהאַנדלט, אז די קובאַנער ראַדיאָ סטאַנציעס זאָלן טראַנסמיטירן די ספּעציעלע פּראָגראַמען פון ישראל מוזיק, וואָס ווערן צוגעגרייט דורך דעם לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּאַרטאַמענט פון דער אידישער אַגענטור און דעם ישראל אינפאָרמאַציע אָפיס אין די פאַראייניקטע שטאַטן.

## ביתר — חירות

די דאָזיקע צוויי גרופּירונגען זענען אין תשי"ב ווייטער געבליבן אָפּגעזונדערט פון דער אַלגעמיינער ציוניסטישער באַוועגונג. זייערע אַקטיוויטעטן באַשטייען פון קליינע קול־

טורעלע אונטערנעמונגען אין זייער
אייגענעם לאָקאַל, וואָס ווערן אָפּגע־
האַלטן פון צייט צו צייט. זיי פירן
דורך זאַמלונגען פאַר של"ה. לעצטנס
האָט די ביתרישע יוגנט אַרויסגעגעבן
אַ צייטונג אין שפּאַניש אונטערן נאָ־
מען „העראַלדאָ דע איזראַעל".

## דער אידישער צענטער

אין דעם פאַרגאַנגענעם יאָר תשי"ב
איז אויף דעם בולטסטן אופן דע־
מאָנסטרירט געוואָרן, אַז דער אידי־
שער צענטער — טראָץ אַלע פאַר־
זוכן אים אוועקצומאַכן מיטן האַנט
— געניסט אַ פולע און טיפע סימ־
פּאַטיע פון די אידישע פאָלקס־מאַסן
און איז פייאיק — ביי אַביסל גוטן
ווילן און אינטערעס — צו פאַרנעמען
דעם פּלאַץ וואָס עס קומט אים ביים
דורכפירן קולטורעל געזעלשאַפטלעכע
אַקטיוויטעטן, אין די אינטערעסן פון
גאַנצן אידישן ישוב.

דער בעסטער באַווייז פון דעם צענ־
טערס פּאָפּולאַריטעט איז געווען די
יובל־אַקאַדעמיע און פאָלקס־באַנקעט
צו 25 יאָר אידישער צענטער, וואָס
איז דורכגעפירט געוואָרן מיט גרויס
פייערלעכקייט און ביי דער אָנוועזנ־
הייט פון אַ גרויסן עולם, דעם 4־טן
נאָוועמבער. עס איז כדאי צו דערמאָ־
נען די ספּעציעלע אויסגאַבע, וואָס
איז צו דער געלעגנהייט דערשינען,
אונטערן נאָמען „המשך אויף קובאַ־
נער ערד", אונטער דער רעדאַקציע
פון דעם באַקאַנטן קולטור טוער און
שרייבער און עקזעקוטיוו סעקרעטאַר
פון אידישן צענטער, ה' לייזער ראַן.
די אויסגאַבע האָט אַנטהאַלטן אַ
רייכן ליטעראַרישן מאַטעריאַל און
פיל דאָקומענטן און פאַקטן, וואָס
וועלן אַמאָל דינען דעם היסטאָריקער,
וואָס וועט וועלן שרייבן די פולע גע־
שיכטע פון אונזער ישוב. „המשך
אויף קובאַנער ערד" איז אויפגענומען
געוואָרן מיט פאַרשטענדעניש און
לויב פון דער קריטיק אין דער גאַנ־
צער אידישער וועלט.

כמעט אין אַ וואָך שפּעטער —
דעם 11־טן נאָוועמבער — זענען
פאָרגעקומען די אַלגעמיינע יערלעכע
וואַלן אין צענטער. און ווידער איז די
מיטגלידערשאַפט געקומען צום שטים
קאַסטן און אויסגעוויילט דעם פולן
קאַנדידאַטן צעטל פון יענע עסק־
נים, וועלכע האָבן פאַרזיכערט אויפ־
צוהאַלטן דעם אידישן צענטער, און
בלייבן טריי זיינע פּרינציפּן פון אַ
דעמאָקראַטישער פאָלקס־אינסטיטוציע.

די נייע פאַרוואַלטונג, אונטער דער
פּרעזידענטשאַפט פון קולטור טוער
און שרייבער אשר שטשוטשינסקי,
האָט באַוויזן צו פאַרשטאַרקן די קול־
טורעלע אַקטיוויטעטן, דורכפירנדיק
אַ ריי זייער וויכטיקע אונטערנעמונ־
גען. עס איז ביים צענטער פאָרמירט
געוואָרן אַ קולטור ראַט, וועלכער האָט
צוזאַמען מיט דער שרייבער גרופּע
און דער געזעלשאַפט פריינט פון
„ייוואָ" מיטגעהאָלפן אין די פאַרשיי־
דענע אַקציעס לטובת דער אידישער
קולטור, דעם אידישן בוך א. א. וו.
קאָאָפּערירנדיק מיט די שליחים, וועל־
כע זענען פאַר די צוועקן געקומען
צו אונז. דער קולטור ראַט האָט
מיטגעהאָלפן דורכפירן די אַקציעס
און אויך אָרגאַניזירט לעקציעס מיט
די געסט.

מיר וועלן דאָ פאַרצייכענען איני־
קע פון די דאָזיקע אַקציעס.

אין חודש נאָוועמבער איז דאָ גע־
ווען צו גאַסט דער דיכטער יעקב

גלאנץ, אין די אינטערעסן פון „ייוואָ". עס איז געשאַפן געוואָרן נאָענט צו צוויי טויזנט דאָלער פאַרן אידישן וויסנשאַפטלעכן אינסטיטוט. דעם 23־טן נאָוועמבער האָט דיכטער יעקב גלאנץ געהאַלטן א לעקציע אויף דער טעמע: „היינטצייטיקע קיום פּראָבלעמען פון אידישן פאָלק" דעם 30־טן נאָוועמבער האָט ער געהאַלטן א צווייטע לעקציע אויף דער טעמע: „די פּרץ השפּעה אויף דער אידישער ליטעראַטור".

דעם 1־טן פעברואר איז אָנגעקומען אין האוואנא דער פּעדאגאָג און קולטור טוער יעקב לעווין, אין די אינטערעסן פון ביכער פארלאג ביים „ציקאָ". אין אייניקע וואָכן זענען פארקויפט געוואָרן הונדערטער אידישע ביכער. דעם 11־טן פעברואר האָט יעקב לעווין געהאַלטן א רעפעראט אין אידישן צענטער אויף דער טעמע: „י. ל. פּרץ — דער אידישסטער פון אַלע אידישע שרייבער".

סוף אַפּריל האָט באַזוכט האוואַנאַ דער דיכטער משה ראַלניק אין די אינטערעסן פון דער אידישער ענציקלאָפּעדיע. עס איז אים געלונגען צו פארשפּרייטן נייע הונדערט געננג פון דער ענציקלאָפּעדיע, טראָץ דעם וואָס פון פריער זענען שוין געווען פארשפּרייט ארום 125 געננג. דער דיכטער ראַלניק איז אויפגעטראָטן מיט א רעפעראט וועגן י. ל. פּרץ אויף דער פייערונג פון 50 יאָר קובאנער רעפּובליק און 100 יאָר פּרץ, וואָס איז פאָרגעקומען דעם 22־טן מאי, אין די זאַלן פון אידישן צענטער.

דעם 15־טן יולי האָבן מיר געהאט צו גאסט דעם דיכטער און נייעם רעדאקטאָר פון „טאָג" אשר פּען, וועלכער איז דאָ געקומען אין די אינטערעסן פון אלוועלטלעכן אידישן קולטור קאָנגרעס. ער איז דאָ פארבליבן בלויז צוויי וואָכן צייט און געשאַפן איבער טויזנט פינף הונדערט דאָלער פארן קולטור קאָנגרעס. אשר פּען, אלס א געוועזענער קובאנער תושב און איינער פון די גרינדער פון „האוואנער לעבן", האָט געהאט א שיינעם קבלת פּנים אין צענטער דעם 23־טן יולי און ער האָט געהאַלטן ביי דער געלעגנהייט א רעפעראט אויף דער טעמע: „25 יאָר אידיש לעבן אין קובא". מיט קורצע ווערטער וועגן לאָקאלע קולטור פּראָבלעמען זענען אויך אויפגעטראָטן היגע שרייבער. עס איז אויך פאָרמירט געוואָרן א פּערמאנענטער קאָמיטעט פארן אידישן קולטור קאָנגרעס.

אויסער די דאָזיקע קולטור שליחים האָט דער אידישער צענטער אויך איינגעלאַדן און אויפגענומען די פאָלגנדע אידישע קולטור טוער און שרייבער: מארק יואווילער, שליח פון „ייוואָ", וועלכער האָט געהאַלטן א רעפעראט אויף דער טעמע: „אידן און אידישקייט אין מדינת ישראל, אייראָפּע און אַמעריקע"; (דעם 26־טן פעברואר); ברוך שעפנער, מיטארבעטער פון „פאָרווערטס", וועלכער האָט געהאַלטן א רעפעראט אויף דער טעמע: „די קוואַלן פון אידישן הומאָר" (דער געלעכטער ביי שלום עליכם), (דעם 29־טן פעברואר); חנה גאָטעספעלד, מיטארבעטער פון „פאָרווערטס", וועלכער האָט געהאַלטן א רעפעראט אויף דער טעמע: „פון בראָדוויי ביז תל אביב" (דעם 21־טן מערץ).

דער קולטור ראט ביים צענטער האָט פּראָקלאַמירט ד ע ם יאָר

1952 אלס דעם פרץ יובל יאָר. אין שייכות דערמיט איז אין יאנואר חודש דערשינען א פרץ זאמלהעפט, „די לעגענדע פרץ", צוזאמענגעשטעלט דורך לייזער ראן. צוזאמען מיט דעם העפט איז דערשינען א שפּאַנישע ביילאגע, וואָס איז פאַרטיילט געוואָרן צווישן אלע שול קינדער, צוזאַמען מיט א פרץ זשעטאָן. אויסער די פאַרשיידענע לעקציעס וועגן י. ל. פרץ איז דעם 22־טן מאי פאָרגעקומען א יובל אַקאַדעמיע צו 100 יאָר פרץ, מיט דעם אָנטייל פון דירעקטאָר משה ראַלניק און די אידיש ארגענטינער שוישפּילער, סאָפיא ראַפּאַלאָוויטש, הערמאן קלאַצקין און נתן קלינגער, וועלכע האָבן אויסגעפירט א פּראָגראַם פון פרץ נומערן. (מער פּרטים זע דעם ארטיקל אין היינטיקן אלמאנאך וועגן פרץ יאָר אין קובא).

דער אידישער צענטער האָט אויך אָרגאַניזירט א יזכור־אַקאַדעמיע צום ניינטן יאָרצייט פון די געטאָ אויפשטאַנד, דעם 22־טן אפּריל. צו דער געלעגנהייט איז ארויסגעגעבן געוואָרן א רוף צו אַלע אידן, אונטערגעשריבן פון במעט אַלע אידישע אינסטיטוציעס, וועגן צינדן די זעקס יאָרצייט ליכט, אין אָנדיינק פון די זעקס מיליאָן אומגעקומענע קדושים. צו דעם יזכור אקט איז אַרויסגעגעבן געוואָרן א קליינע בראָשור „זאָג ניט קיינמאָל", מיט מאַטעריאַלן און דאָקומענטן וועגן די געטאָ אויפשטאַנדן.

די אויטאָנאָמע שולע ביים אידישן צענטער האָט צו פאַרצייכענען באַדייטנדע פּראָגרעס. ניט בלויז איז די צאָל שילער פאַרגרעסערט געוואָרן, נאָר עס זענען דורכגעפירט געוואָרן רעפאָרמען אין אייגענעם בנין, לטובת דעם וואוילזיין פון די תלמידים. די שולע האָט במשך פון יאָר דורכגעפירט דעם טראַדיציאָנעל חנוכה אָוונט און א גראַדואיר און סוף־שול־יאָר אָוונט. תלמידים פון דער אויטאָנאָמער שולע האָבן זיך באַטייליקט אין די פייערונגען פון פערטן יום העצמאות פון מדינת ישראל; אין דער יזכור־אַקאַדעמיע נאָך די געטאָ קעמפער, אין די פרץ פייערונגען און די פייערונגען צום פופציקסטן יובל פון דער קובאנער רעפּובליק.

## היאס קאָמיטעט

אין חודש דעצעמבער זענען איבערגעריסן געוואָרן די באַציאונגען צווישן אידישן צענטער און דעם היאס, באַציאונגען וואָס האָבן אָנגעהאַלטן מער ווי 25 יאָר. דר. חיים שאַשקעס, דער פאַרשטייער פון היאס איז געקומען אין האוואנא מיט דער אויפגאַבע דורכצופירן א קאַמפּיין פאַר דער אינסטיטוציע. נאַטירלעך, האָט ער זיך געווענדעט נאָך הילף צום אידישן צענטער, אלס דער פארטרעטער פון היאס. די פאַרוואַלטונג האָט אים אָבער אויפגעקלערט, אז דער מאָמענט איז ניט קיין פּאַסיקער פאַר אזא אַקציע און די פאַרוואַלטונג איז פאַרנומען מיט אנדערע אַקטיוויטעטן. ניט צופרידן מיט דעם ענטפער האָט דר. חיים שאַשקעס פאָרמירט א זעלבסטשטענדיקן היאס קאָמיטעט און אָרגאַניזירט א באַזונדערן אָפיס. אלס פּרעזידענט פון היאס איז באַשטימט געוואָרן ה' ענריקע קאַלושין און מיט אים אַרבעטן מיט א ריי געזעלשאַפטלעכע טוער פון פאַרשיידענע קרייזן פון ישוב.

דער היאס קאָמיטעט האָט דורכגעפירט די אקציע און געשאפן נאָענט צו פינף טויזנט דאָלער. א טייל פון דעם געלט גייט אויף אויסצוהאלטן דעם זעלבסטשטענדיקן היאס אָפיס אין האוואַנאַ.

## דער פאַטראָנאַט און דער בנין

דער פאטראָנאט צו בויען א בנין האָט אין תשי"ב ניט באוויזן אריינצובריינגען מער קלאָרקייט אין דער פראגע וועגן דעם אינהאלט און כאראקטער פון דער קערפערשאפט, וואָס וועט דארפן אָנפילן מיט געזעלשאפטלעכן לעבן דעם בנין. בעת די אלגעמיינע וואלן אין אידישן צענטער, וואָס זענען פאָרגעקומען דעם 11־טן נאָוועמבער, האָט די פירערשאפט פון פאטראָנאט ארויסגעשטעלט אן אייגענעם וואל צעטל, אָבער ליידער האָבן זיי ניט געקענט דערוויילן קיין איין מיטגליד אין א פארוואלטונג פון אכצן דירעקטאָרן. שפעטער זענען גערופן געוואָרן אויף דער איניציאַטיוו פון פאטראָנאט צוויי געזעלשאפטלעכע קאָנפערענצן פון פאָרשטייער פון אידישע אינסטיטוציעס און אויך געלאַדענע יחידים, כדי אויסצוארבעטן א פראָיעקט וועגן א פאראייניקטער צענטראַלער קערפערשאפט, באזירט אויף דער אויפלייזונג פון אלע עקזיסטירנדע אידישע אינסטיטוציעס. אזוי ווי דער פראָיעקט האָט זיך אָנגעטראָפן מיט א שארפער קעגנערשאפט פון די וויכטיקסטע אינסטיטוציעס איז מען צו קיין פראקטישע רעזולטאַטן ניט דערגאנגען. אויף דער קאָנפערענץ פון 23־טן יאנואר האָט זיך געפילט אזא אָנגעצויגענע שטימונג און עס איז געקומען צו פערזענלעכע באליידיקונגען און אָנגריפן אויף דער אידישער פרעסע, וואָס האָט געפירט דערצו, אז די קאָנפערענץ זאָל פאקטיש אויפגעריסן ווערן.

אונטער די דאָזיקע באדינגונגען האָט די פירערשאפט פון פאטראָנאט אָנגענומען א נייע טאַקטיק, זיך אָפזאָגנדיק פון וועלכע עס איז ווייטערדיקע געזעלשאפטלעכע דיסקוסיעס און קאָנצענטרירנדיק די גאנצע אויפמערקזאמקייט דער בוי ארבעט. אויף דעם געביט, דארף אָנערקענט ווערן, איז זייער ארבעט געקרוינט געוואָרן מיט מער דערפאָלג. די בוי ארבעט איז באדייטנד פאָרגעשריטן. די אויסערלעכע ווענט זענען שוין אויפגעשטעלט און מען ארבעט שוין אויף די אינעווייניקסטע לאָקאלן און צימערן. דעם 17־טן יוני, פונקט צום ערשטן יאָרטאָג פון לייגן דעם גרונטשטיין איז שוין אין בנין דורכגעפירט געוואָרן אן אלגעמיינע פארזאמלונג. אויך א חתונה שמחה האָט מען שוין דאָרט איינגעאָרדנט.

## אין דער רעליגיעזער וועלט

אין אונזער אַזוי גערופענער רעליגיעזער וועלט איז אין דעם פארגאנגענעם יאָר פאָרגעקומען א שטילע און שנעלע רעוואָלוציע. „די אידישע קהילה פון האוואנא און פראָווינץ", וועלכע האָט געשטרעבט צו קאָנטראָלירן דאָס גאנצע רעליגיעזע לעבן, איז אלץ מער אריינגעטראָטן אין עקאָנאָמישע שוועריקייטן. אין חודש יוני זענען געמאכט געוואָרן צוויי פארזוכן צו רופן אלגעמיינע פארזאמלונגען און

די מיטגלידער זענען ניט געקומען. די אומצופרידנהייט צווישן די רעליגיעזע אידן קעגן דער פּאָליטיק פון דער קהילה האָט געהאַלטן אין איין וואַקסן. ווען הרב ראָזענבוים איז אָפּגעפאָרן אויף וואַקאַציע אין די פאַריייניקטע שטאַטן, האָבן די גרופּע מתפּללים פון „עדת ישראל" גערופן אן אַלגע־מיינע פאַרזאַמלונג און באַשלאָסן צוריק אויפצולעבן די אינסטיטוציע און איבעררייסן מיט דער קהילה. עס איז געוויילט געוואָרן א פאַרוואַל־טונג און מען האָט גלייך אָנגעהויבן ווערבירן נייע מיטגלידער פאַרן „עדת ישראל". די מתפּללים פון „כנסת יש־ראל" זענען געבליבן מיט דער קהילה, און אין מיטן אויגוסט, האָט דער כנסת ישראל געדונגען א פּלאַץ צום דאַוונען אין לאָקאַל פון אידישן צענ־טער, וואו עס זענען שפּעטער אַריבער־געפירט געוואָרן די אָפּיסן פון דער קהילה. סוף אויגוסט האָט די קהילה דורכגעפירט וואַלן, דערוויילט א נייע פאַרוואַלטונג און הרב ראָזענבוים איז דאָרט געבליבן אלס גייסטיקער פירער.

דער „עדת ישראל" איז איצט טע־טיק אלס א רעליגיעזע אידישע קהילה, וואָס גיט חופּה וקדושין, גייט אָן מיט דער שוהל צום דאַוונען און אַנדערע רעליגיעזע אַקטיוויטעטן.

## די אידישע האַנדלס־קאַמער

די אידישע האַנדלס קאַמער האָט אין לעצטן יאָר זיך באַטייליקט אין די וויכטיקסטע געזעלשאַפטלעכע אַק־טיוויטעטן פון ישוב און באַזונדערס געוועזן וואַכזאַם ווען עס האָט זיך גע־האַנדלט וועגן די ספּעציפישע אינטע־רעסן פון דעם אידישן האַנדלס און אינדוסטריע קלאַס. ביי אייניקע גע־לעגנהייטן זענען אין דער אידישער האַנדלס קאַמער אָפּגעהאַלטן געוואָרן אויסעראָרדנטלעכע באַראַטונגען, כדי צו נעמען שריט אין פאַל, ווען עס זענען אָנגעגריפן געוואָרן אינטערעסן פון געוויסע בראַנזשן, ספּעציעל פון דער טעקסטיל בראַנזשע. די האַנדלס קאַמער באַטייליקט זיך ווייטער אין די עקאָנאָמישע קערפּערשאַפטן פון לאַנד, וועלכע האָבן פיל צו זאָגן ביים באַשטימען די עקאָנאָמישע און פינאַנסיעלע פּאָליטיק פון דער רעגי־רונג.

## בני ברית לאָזשע

די בני ברית לאָזשע פון האַוואַנאַ האָט אויף א נאָרמאַלן אופן דורכגע־פירט איר אַרבעטס פּראָגראַם. אין חודש אָקטאָבער פון 1951, איז פאָר־געקומען א שיינער באַנקעט אין דער פינקע „טאָפּעקאַ", צו דער געלעגנ־הייט פון 108־טן יובילײ פון דעם אָרדן. אלס הויפּט רעדנער האָט זיך באַטייליקט אַמבאַסאַדאָר משה טוב, וועלכער איז געוועזן דאַן צו גאַסט אין האַוואַנאַ. די לאָזשע האָט דורכגע־פירט א רייע קולטורעלע אונטערנע־מונגען מיטן אָנטייל פון געלאַדענע געסט, קובאַנער אינטעלעקטואַלן און א. וו.

אין פאַריקן יאָר האָט די בני ברית לאָזשע באַשלאָסן אויפצושטעלן א מאָנומענט, וואָס זאָל פאַראייביקן דעם אידישן אָנטייל אין דער קובאַ־נער פרייהייטס מלחמה. די איניציאַ־טיוו איז אויפגעקומען אין שייכות מיט דעם פופציקסטן יובילײ פון דער קובאַנער רעפּובליק. פּאַראַלעל ווערן געפירט צוויי אַקטיוויטעטן: פון איין

זייט ווערן געזאמלט אלע מאטעריאלן און דאָקומענטן וועגן דעם אידישן בייטראָג צו קובא'ס אומאָפּהענגיקייט און פון דער צווייטער זייט ווערט געפירט א זאמלונג צווישן אלע אידן, כדי צו שאפן דעם נויטיקן פאָנד אויף צו קענען אויפשטעלן דעם מאָנומענט.

די לאָזשע בני ברית גיט אַרויס יעדן חודש א מימיאָגראפישן ביולעטין, וואָס ווערט צעשיקט ניט בלויז צו די מיטגלידער, נאָר צו איבער טויזנט פינף הונדערט אידן פון שטאָט און פּראָווינץ.

## די פילאַנטראָפּישע אינסטיטוציעס

אונזערע צוויי פילאנטראָפּישע אינסטיטוציעס, דער אידישער פרויען פאריין און דער אנטי טובערקולאָז קאָמיטעט, האָבן אין דעם פארגאנגענעם יאָר געמאכט פאָרשריט אין זייער ארבעט, און ספּעציעל אויף דעם שווערן געביט פון שאפן זייערע בורזשעטן. די פילאנטראָפּישע אינסטיטוציעס האָבן ביז דעם לעצטן יאָר כסדר געמוזט אלארמירן וועגן דעפיציטן, און דראָען מיט אָפּשטעלן די שטיצע. אין פארגאנגענעם יאָר האָט מען דאָס מער ניט געהערט.

די איצטיקע פארוואלטונג פון פרויען פאריין, וועלכע האָט אין אירע רייען א גרופּע רייכע פרויען, האָט געדעקט דעם בודזשעט דורך אָרגאניזירן במשך פון יאָר אייניקע ברידזשפּארטיס, אונטערנעמונגען און טאַנצבאלן. יעדער אונטערנעמונג האָט אריינגעבראכט גרעסערע סומען און דאָס האָט דערמעגלעכט אָנצוגיין נאָרמאל מיט דער ארבעט. דער יערלעכער בודזשעט פון פרויען פאריין דערגרייכט צו 25 טויזנט דאָלער.

פאראַלעל מיט דעם פרויען פאריין האָט ענטוויקלט א שיינע ארבעט די ליי קאסע. אין תשי"ב האָט שוין דער גרונט קאפּיטאַל פון דער ליי קאסע דערגרייכט צו איבער 31 טויזנט דאָלער און דאָס האָט דערמעגלעכט צו געבן הילף צו מער ווי הונדערט פאַמיליעס. אין הלוואות פון הונדערט ביז פינף הונדערט דאָלער.

דער אנטי טובערקולאָז קאָמיטעט האָט אין תשי"ב געפייערט זיין זילבערנעם יובל, דאָס איז געווען א ספּעציעלע געלעגנהייט פאר אונטערנעמונגען און פארגרעסערן די הכנסות פון דער אינסטיטוציע. אין שייכות מיט דעם זילבערנעם יובל איז דורכגעפירט געוואָרן א גרויסער אקט אין די זאלן פון אידישן צענטער, וועלכער האָט באוויזן, אז די ברייטע עפנטלעכקייט שאצט אָפּ די מענטשן, וואָס גיבן אָפּ זייער צייט און מי פאר דער פילאנטראָפּישער ארבעט אין ישוב. אין אייניקע וואָכן שפּעטער איז אויך פאָרגעקומען אן איינגע ברייז אין „טראָפּיקאנא", וואָס האָט אַריינגעבראכט אַ באדייטנדע הכנסה.

לויט דעם לעצטן פינאנס באריכט, וואָס נעמט אַרום אַ פעריאָד פון אָנדערהאלבן יאָר ארבעט, זעט מען, אז דער אנטי טובערקולאָז קאָמיטעט, האָט פארגרעסערט זיין בודזשעט אויף דרייסיק טויזנט דאָלער אַ יאָר. די פארוואלטונג מעג שטאָלץ זיין מיט אזאַ רעקאָרד.

## טרויער אַקט נאָך די קדושים

אויף דער איניציאַטיוו פון דער געזעלשאַפט „בית החיים" איז דעם 27־טן אפריל, אָפּגעהאַלטן געוואָרן דער טרויער אקט נאָך די געפאַלענע אידישע קדושים אין דער לעצטער מלחמה. דער טרויער אקט איז פאָרגעקומען אויפן בית עולם פון „בית החיים", וואו עס געפינט זיך דער מאָנומענט אין אָנדיינק פון די קדושים, וואָס איז מיט איניקע יאָר צוריק אויפגעשטעלט געוואָרן דורך דער אויבנדערמאָנטער געזעלשאַפט.

## ספרדישער סעקטאָר

דער ספרדישער סעקטאָר האָט אין תשי"ב ניט אַרויסגעוויזן קיין באַזונדערע אקטיוויטעטן אויף דעם אַלגעמיינעם געזעלשאַפטלעכן געביט. דער פּראָיעקט וועגן בנין פאַרן „שבת אחים" איז געבליבן אויפן פּאַפּיר. קיין פּראַקטישע זאכן זענען ניט געטאָן געוואָרן, כדי דער פּראָיעקט זאָל רעאַליזירט ווערן. דערפאַר דאַרף אָבער דערמאָנט ווערן, אַז וואָס אָנבאַלאַנגט די ציוניסטישע אַקטיוויטעטן איז די ספרדישע גרופּע געווען זייער אקטיוו. זיי האָבן זיך באטייליקט אין דעם פאַרקויף פון די ישראל באָנדס און גלייך נאָך דעם דורכגעפירט דעם יערלעכן קרן היסוד — פאַרייניקטער ישראל קאַמפּיין. דער ספּעציעלער שליח שבתי דינאַר, וואָס האָט זיי מיטגעהאָלפן אין קאַמפּיין, האָט דאָרט אריינגעבראַכט פיל אויפלעבונג מיט זיינע עפנטלעכע אויפטריטן און רעפעראַטן. דער ספרדישער ק. ק. קאָמיטעט האָט זיך באַטייליקט אין די גרויסע אונטערנעמונגען פון לאַנד דירעקטאָריום און ספּעציעל אין פּורים באַזאַר און דעם אסתר המלכה קאָנקורס. באַזונדערס דערפרייענד איז דער פאַקט, וואָס עס איז אויפגעלעבט געוואָרן די יוגנט דורך שאַפן אַ „יוגנט אָרגאַניזאַציע" ביים קאָנסעכאָ פּראָ איזראַעל. אין דער אויפלעבונג פון די יוגנט אקטיוויטעטן האָט פיל מיטגעהאָלפן דער ספּעציעלער יוגנט שליח פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג בן גפן. לעצטנס פירט די ספרדישע יוגנט נאָרמאַלע קולטורעלע אַקטיוויטעטן און האָט אָנגעהויבן אַרויסגעבן אַ מאָנאַט זשורנאַל אונטערן נאָמען „נאַטיסיאַס".

## אַרטיסטן־געסט

אין פאַרגאַנגענעם יאָר איז אונזער ישוב באַזוכט געוואָרן פון איניקע אויסלענדישע ארטיסטן געסט, וועלכע האָבן דורכגעפירט אַ רייע קאָנצערטן, וואָס זענען גאַנץ פיין באַזוכט געוואָרן. אין די חדשים אָקטאָבער־דעצעמבער האָט גאַסטראָלירט דער ישראל טענאָר אורי צפרוני. ער האָט געגעבן איניקע קאָנצערטן פון ישראל געזאַנג, אידישע פאָלקס לידער און קלאַסישע נומערן. דער ערשטער קאָנצערט איז פּרעזענטירט געוואָרן דורך דעם אידישן צענטער און דער ציוניסטישער פאַרייניקונג; דער געזעגענונגס קאָנצערט איז פאָרגעקומען אין לאָקאַל פון דער קובאַנער קולטור געזעלשאַפט „ליסעאום לאון טעניס", פון וועדאַדאָ.

דעם 26־טן מערץ איז אין לאָקאַל פון אידישן צענטער פאָרגעקומען אַ קליין קונסט פאָרשטעלונג פון די אַרטיסטן בן יעקב און מרים גערי, וועלכע זענען דאָ פאַרבייגעפאָרן אויפן

וועג קיין ישראל. גלייך נאָך זייער אָפּפאָר איז געקומען קיין האוואנא די שאַפּערין פון דער „מאָנאָדראַמע" קלאַרא האבערמאן, אין באַגלייטונג פון איר מאן יוסף האבערמאן. זי האָט געגעבן צוויי פאָרשטעלונגען. דעם 17־טן אַפּריל האָט זי אויפגעפירט די פּיעסע „ישראל׳ס טאָכטער" און דעם 26־טן אַפּריל: „די אייביקע נאַראָנים" און „די שחיטה". דער אידישער טעאַטער סעזאָן האָט זיך פאַרענדיקט מיט דער גאַסטראָלירונג פון די אידיש אַרגענטינער שוישפּילער סאָפיאַ ראַפּאַלאָוויטש, הערמאַן קלאַצקין און נתן קלינגער. דעם 24־טן מאַי האָבן זיי געגעבן אַ פאָרשטעלונג אין זאַל פון צענטער אונטערן נאָמען „שלום עליכם אידן" און דעם 30־טן פון זעלבן חודש אַ צווייטע פאָרשטעלונג אונטערן נאָמען „זינג מיין פאָלק". זיי האָבן זיך אויך באַטייליקט מיט צוגעפּאַסטע נומערן אין דער פייערונג צום הונדערטסטן געבורטסטאָג פון י. ל. פּרץ.

## געסט

אויסער די געסט וואָס מיר האָבן שוין אויסגערעכנט, איז אונזער ישוב אויך באַזוכט געוואָרן אין פאָריקן יאָר דורך דר. י. גאָטליב, פאָרשטייער פון אידישן וועלט קאָנגרעס און קלמן שוואַרצאַפּל, איינער פון די גרינדער פון „האַוואַנער לעבן" און איינער פון די פּיאָנערן פון אונזער ישוב, וועלכער וואוינט לעצטנס אין ווענעזועלאַ.

## פופציק יאָר קובאַנער זעלבסטשטענדיקייט

אַ רייע אידישע אינסטיטוציעס האָבן זיך באַטייליקט אין די פייערונגען וואָס זענען אָרגאַניזירט געוואָרן לכבוד דעם פופציק יאָריקן יובילייאום פון דער קובאַנער זעלבסטשטענדיקייט. דער ישוב איז ניט אויפגעטראָטן אַלס גאַנצער צוליב געשאַפענע מיספאַרשטענדענישן און אָן איניציאַטיוו פון אַ גרופּע יחידים צו שאַפן אַ קאָמיטעט, וואָס זאָל אָרגאַניזירן די פייערונגען. הגם עס זענען פאָרגעקומען פאַרהאַנדלונגען צווישן דער פּריוואַטער איניציאַטיוו און פאָרשטייער פון די וויכטיקסטע אידישע אינסטיטוציעס, איז מען צוליב דער קורצער צייט צו קיין הסכם ניט געקומען.

איין גרויסע יובל פייערונג איז אָרגאַניזירט געוואָרן דורך דעם אידישן צענטער, דעם 22־טן מאַי. אין דער פייערונג האָט זיך באַטייליקט דער קובאַנער יוסטיץ מיניסטער, דר. מיגעל אַנכעל סעספּעדעס, דרא. אָפעליא דאָמינגעז, סעקרעטאַרין פון דער קובאַנער געזעלשאַפט פון די פאַראייניקטע פעלקער און אַ פאָרשטייער פון האַוואַנער אַלקאַלדע.

דעם 19־טן מאַי, נאָכמיטאָג, האָבן פאָרשטייער פון אידישן צענטער, דער ציוניסטישער פאַראייניקונג, שרייבער־קרייז, אויטאָנאָמע שולע און אַנדערע געלייגט אַ קראַנץ בלומען ביים מאָנומענט פון כאָסע מאַרטי, אין פּאַרק צענטראַל.

דעם 19־טן מאַי אין אָוונט איז אויך פאָרגעקומען אַ יובל־פייערונג צום פופציקסטן יובילעי פון דער קובאַנער רעפּובליק, אין „שבת אחים", די צענטראַלע אינסטיטוציע פון די ספרדישע אידן. אַלס הויפּט רעדנע־

דין איז דאָרט אויפגעטראָטן דרא. אָפּעליאַ דאָמינגעז.

די אויסנאַמע שולע פון אידישן צענטער האָט דורכגעפירט א ספּע־ציעלן אקט געווידמעט דעם יובל פון דער קובאנער רעפּובליק — דעם 20־טן מאי.

די ראַדיאָ שעה פון דער ציוניס־טישער פאַריייניקונג האָט געווידמעט א ספּעציעלע טראנסמיסיע דער דאָ־זיקער דאטע.

די בני ברית לאָזשע האָט אין שיי־כות מיט דער דאטע באשלאָסן אויפ־צושטעלן א מאָנומענט, וואָס זאָל פאראייביקן דעם אָנטייל פון אידן אין קובאנער פרייהייטס־קאמף.

## באַטייליקונג פון ישראל אין די פייערונגען פון 50 יאָר קובאַנער רעפּובליק

צו די וויכטיקסטע געשעענישן פון אידישן לעבן אין פארגאנגענעם יאָר געהערט בלי שום ספק די באַטייל־קונג פון ספּעציעלן ישראל אמבאסא־דאָר אין די פייערונגען פון פופציק יאָר קובאנער רעפּובליק, וואָס איז פאָרגעקומען צווישן 14־טן און 20־טן מאי.

אַמבאַסאַדאָר ארטור לוריע האָט פאַרטראָטן די ישראל רעגירונג צו די פייערונגען. ער איז אָנגעקומען אין האוואנא, אין באַגלייטונג פון זיין חשובער פרוי דעם 13־טן מאי. אין לופט פאַרט איז ער אָפּגעוואַרט גע־וואָרן דורך א פאַרשטייער פון קובאַ־נער אויסלאַנדס מיניסטעריום און א מיליטערישן עדעקאַן. אויך פאַרשטיי־ער פון אלע אידישע אינסטיטוציעס זענען געקומען מקבל פנים זיין דעם אַמבאַסאַדאָר פון ישראל.

אַמבאַסאַדאָר ארטור לוריע האָט פּרעזענטירט זיינע קרעדענציאַלן פאַרן פּרעזידענט פון דער רעפּובליק, גענע־ראַל פולכענסיאָ באַטיסטאַ און זיך באַטייליקט אין אלע אָפיציעלע אקטן און אויפנאַמעס, וואָס זענען דורכגע־פירט געוואָרן במשך פון דער גאַנצער וואָך פון פייערונגען.

אויסנוצנדיק זיין באַזוך אין האוואַ־נאַ, האָט דער ציוניסטישער פּלענום ראַט אָרגאַניזירט לכבוד דעם אַמבאַ־סאַדאָר ארטור לוריע און פרוי א פיי־ערלעכע רעספּשאָן אין „האָטעל נאַ־סיאָנאַל". זונטיק דעם 18־טן מאי, ביי דער אָנוועזנהייט פון די עקזעקו־טיוו מיטגלידער פון אלע אידישע אינסטיטוציעס.

אַמבאַסאַדאָר לוריע איז אויך אויפ־גענומען געוואָרן אין לאָקאַל פון דער ציוניסטישער פאַריייניקונג, ביי דער אָנוועזנהייט פון אלע אַקטיוויסטן.

## דערעפענונג פון ישראל קאָנסולאַט אין קובאַ

צום סוף פון תשי"ב איז אויף א פייערלעכן און אָפיציעלן אופן דער־עפנט געוואָרן דער ישראל קאָנסולאַט אין קובאַ. אין שייכות מיט דער וויכ־טיקער געשעעניש זענען פאָרגעקומען צוויי באַזונדערע אונטערנעמונגען. מיטוואָך דעם 10־טן סעפּטעמבער האָט דער ציוניסטישער פּלענום ראַט אָרגאַניזירט אין לאָקאַל פון אידישן צענטער א האָמענאַכע לכבוד דעם

קאָנסול פון ישראל ה׳ ס. מ. קאפלאן. מער ווי פינף הונדערט מענטשן האָבן זיך באטייליקט אין דעם יום טוב. עס איז געווען א אָפיציעלע טייל פון רעדעס און באגריסונגען און צום סוף האָט מען זיך הארציק משמח גע־ווען ביי א רייכן בופעט פון געטראַנקען און צובייסעכץ, ביז אזייגער איינס פארטאָג.

זונטיק דעם 14־טן סעפטעמבער, 11 פארמיטאָג, האָט דער קאָנסול פון ישראל און זיין חשובע פרוי, אָרגאַניזירט אן אויפנאַמע לכבוד די פאָרשטייער פון אידישע אינסטיטוציעס, רבנים, אידישע שרייבער און די פערזאָנען וואָס האָבן בייגעטראָגן צום פאָנד אויף צו עטאבלירן די קאָנסולארע אָפיסן פון ישראל אין האוואנא. ביי דער געלעגנהייט זענען דורכגעפירט געוואָרן איינציקע צערעמאָניעס, וואָס האָבן איבערגעלאָזן א געוואַלדיקן איינדרוק אויף אַלע אַנוועזנדע, ווי די צערעמאָניע פון ארויפקלאַפן די מזוזה; איבערשניידן די סימבאָלישע באנד; אויפהיינגען די ק. ק. פושקע, און דאָס ארויפציען פון דער ישראל פאָן, וואָס איז באגלייט געוואָרן מיט דעם געזאַנג פון „התקוה". ביז צוויי אזייגער נאָכמיטאָג האָט דער עולם פארבראַכט זיך ווינטשנדיק מזל־טוב.

דעם זעלבן טאָג, אזייגער פיר נאָכמיטאָג, זענען די קאָנסולאַרע אָפיסן געעפנט געוואָרן פאר אַלע אידן. און ווידער זענען הונדערטער אידן געקומען באזוכן דעם ישראל קאָנסולאַט. דער קאָנסול און זיין חשובע פרוי האָבן פערזענלעך אויפגענומען און באגריסט אַלע געסט.

1952 — 1953     5713 — תשי"ג

FELICITAMOS SINCERAMENTE A NUESTROS CLIENTES Y AMIGOS DE LA COLONIA HEBREA DE CUBA EN LA FECHA DE SU AÑO NUEVO Y HACEMOS VOTOS POR SU FELICIDAD Y PROSPERIDAD




**SUCESORES DE CARDIN Y CIA.**

**Almacenistas de Papelería en General**

**MURALLA 212**     **TELEFONO M-3553**

**HABANA**

אַ גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן
מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און
דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובא

לשנה טובה תכתבו!



# דער אייביקער אַפּגרונט

(דערציילונג)

פון א. י. דובעלמאַן

— 1 —

— דו גייסט? — האָט אַנטאָניאָ אַ שטעק געטאָן דעם קאָפּ צו די גראַטעם פון מיין פענסטער. די שפּרענקעלעך פון יונגן געזיכט האָט זיך ביי אים געבלעטלט, זיך אָפּגעשלאָגן אין גלאַנציקייט פון שוויים אויפן טונקל־הויטיקן פּנים.

— דו גייסט אויפן „וועלאָריאָ”? מערסעדעס איז שוין געשטאָרבן. קום! מען דאַרף צוגיין אונטערזיצן אין דער נאַכט. קום, דו האָסט דאָך נאָך ניט געזען קיין „וועלאָריאָ”! עס וועט דיר אינטערעסאַנט זיין! מען גיט קאַווע און ציגאַרן! און אַז עס וועט זיין מזל'דיק, גיט מען נאָך געבראָטן פלייש אויך! מען זאָגט, אַז מערסעדעס טאַטע האָט אַן אָקס געלאָזט קוילענען פאַר די אַלע וואָס קומען מנחם אבל זיין . . .

אַ גרופּע חברים זענען צוגעקומען, גאַרסיאַ, ראָדריגעז, גוטיערעס.

— דו גייסט, פּאָלאַקאָ? דו האָסט דאָך איר אויך געקענט מערסעדעס'ן! די פאַמיליע האַלט זיך דאָך זייער גוט מיט דיר! איז וואָס שטייסטו נאָך און טראַכסט? מען דאַרף צוגיין! עס איז ניט שיין!

איך האָב אַ טראַכט געטאָן: מען לעבט זיך זייער גוט אין דעם קובאַנער פּראָווינץ שטעטעלע. שוין אַזויפיל יאָרן אַז מען קען זיך! די צוועלף יעריקע מערסעדעס איז אָפּטמאָל אַריינגעקומען עפּעס קויפן, זיך געדונגען ווי אַ גרויסער מענטש און געזאָגט: דו פאַרקויפסט ניט אַזוי ביליק ווי מען זאָגט, פּיילישער!... עס איז באמת אַ רחמנות וואָס מערסעדעס איז געשטאָרבן! אַזאַ יונג קינד! יאָ, מען דאַרף צוגיין אונטערזיצן אַ פּאָר שעה. מ'וועט אויך דאַרפן גיין אויף דער לויה מאָרגן!

איך האָב זיך אַ לאָז געטאָן מיט דער גרופּע באַקאַנטע. אויפן וועג האָבן זיי אַפילו געמאַכט פאַרשיידענע שפּאַסן וואָס האָבן מיר שטאַרק שאָקירט. איך האָב אַ טראַכט געטאָן: מען גייט מנחם אבל זיין און עס זעט זיך ניט דער טרויער . . . ווי קען מען עס זיין אַזוי? ...

מיר האָבן אַריבערגעשפּרייזט די באַן ליניע, פון ווייטנס האָט זיך שוין אָנגעזען די הייזקע, וואָס האָט אַרויסגעלויכטן אין דער פינסטערקייט צווישן די צוקער־פעלדער. אויפן הימל האָט אַלע ווײַלע אַ בליץ געטאָן, זיך אָפּגע־שלאָגן אין דער הייסער לופט און ווידער איז אַ טיפע פינסטערניש אויפגעקומען.

— היט דיר, פּוילישער, דאָ איז אַ גרוב! — האָט אַנטאָניאָ צו מיר אַ זאָג געטאָן. צו די איבעריקע האָט ער אויך אַ זאָג געטאָן מיט אַ וואָרנונג:

— הערט שוין אויף דאָרט צו פּלאַפּלען פון דעם עסן, מיר שטייען דאָך שוין בײַ דער שטוב! לאָזט שוין אָפּ דאָס געבראָטנס! קאַוועליין איז פאַר אייך ווייניק? ...

מען איז צוגעקומען צו דער שטוב, אַלע זענען געוואָרן זייער ערנסט, די פּנימער האָבן אָנגעהויבן אויסדריקן דעם מיטלייד וואָס עס פאָדערט זיך אין אַזעלכע מאָמענטן. מען האָט אָנגעהויבן דריקן די הענט פון די קרובים, זאָגנ־דיק דערבײַ, אַז מען נעמט אָנטייל אין דעם טרויער. מען קלאַפּט זיך דערבײַ אין די פּלייצעס. דאָס אַלץ קומט פאַר זייער שטיל, דערנאָך גיט מען אַ קוק אויפן ארון און מען טוט אַ קרעכץ.

אַרום די ווענט שטייען אויסגעשטעלט אַ סך שטולן. אַלעווײַלע האַלטן אין איין צוקומען נײַע געסט. מען זעצט זיך אויס אַרום די שטולן, אַ טייל שטייען שוין אויף דער גאַס, אַנדערע גייען דערווײַל אַוועק און קומען ווידער. עס פאַרבינדן זיך פאַרשיידענע שמועסן צווישן די געסט. מען רעדט פון פּאָלי־טיק, פון פאַרשיידענע קראַנקהייטן, אַנדערע דערציילן אויסטערלישע מעשׂות. מען הערט אַפילו פון צײַט צו צײַט פאַרשיידענע וויצן, וואָס ווערן דערציילט אַזוי שטיל און נאָך מער שטילער אויפגעכאַפּט. עס באַווייזט זיך בײַ אַ טייל אַ שטילער קוים אײַנגעהאַלטענער שמייכל. מען פאַרגעסט אינגאַנצן, אַז מען זיצט בײַ דער באַוואַכונג פון אַ טויטן.

מערסעדעס ליגט אין קאַסטן שיין אויסגעפּוצט, עס זעט זיך ניט קיין סימן פון טויט. דאָס פּנים איז באַדעקט פון פּודער, די בעקלעך זענען מיט רויטער קראַסקע אָנגעשמירט וואָס מאַכן די באַקן פול בלוטיק, די ליפּן זענען מיט אַ העל־רויטער שמינקע אָנגעשמירט. די בחורים ווארפן אַלעווײַלע בליקן צום ווייס באַפּוצטן קאַסטן, דער ריח פון פרישע בלומען שלאָגט אין די נאָזלע־כער. די בחורים האַלטן זיך אין איין שושקעווען צווישן זיך, אַז מערסעדעס זעט איצט אויס ווי אַ גאַנצע פריילין ... ווען זי וואָלט איצט געלעבט? ...

די אויגן גלאַנצן מיט גלוסטעניש, ווארפן זיך פון קאַסטן צו די שטוביקע פרויען וואָס זיצן אויסגעזעצט אויף די בענקלעך און הויבן אָן אינסטינקטיוו צו ציען די שמאָל־ענגע קליידלעך ... די פרויען זענען אין דעם פאַל מער סענ־טימענטאַל, זיי כאַפּן אויף די בליקן פון די הונגעריקע בחורים, וואָס עסן זיך איין אין זייער לײַב דורך די קליידער. אַ שטילער פאַרדראָס וויגט זיך דורך די מחשבות: אין אַזאַ צײַט ליגט זיי אינזינען אַזעלכע זאַכן! ... ווי מאָדנע די מע־נער זענען !... אינצווישנצײַט וואַרפט זיך אַדורך בײַ די פרויען אַ פּילבאַרע אומרואיקייט, וואָס טוט אויך ערגעץ אַ צי בײַ דער נשמה און איז אַזוי אָנגע־

נעם ... נאָר די דאָזיקע געדאַנקען זוכן די פרויען פון זיך צו פאַריאָגן ווי מען פאַריאָגט אַ שלעכטן גייסט ... אויגן באַגעגענען זיך, פאַרשעמען זיך נאָך דעם ווי איינער לייענט איבער ביי דער צווייטער די געדאַנקען. מען הויבט זיך אָן רויטלען, דאָך ווערן די מענער פרעכער און צודרינגלעכער, עס בלייבט ניט מער ווי ווידער אַ צי צו טאָן דאָס קליידל וואָס האָט זיך ווידער אַ קאָטשע גע־טאָן. עס שפּילט זיך אָפּ די שטילע אונטערדריקטע ליבע פון מאַן צו פרוי, פון פרוי צו מאַן, וואָס בלויז די טויטע מערסעדעס שטערט און רייצט צו דער זעלבער צייט מיט איר הערלעכן ליאַלקישן אויסזען, וואָס ניט קוקנדיק אויף איר יוגנטלעכקייט, מאַכט עס איר איצט אויסזען ווי אַ פּולקאָמע פרוי וואָס בלישטשעט מיט איר אומשולד ...

פון צייט צו צייט, הערט זיך פון אַ זייטיקן צימער אַ פאַרשטיקטער גע־וויין פון די פאַמיליאַרן, וואָס דערמאָנט אומדירעקט אַלעמען, אַז זיי געפינען זיך אויף אַ „וועלאַריאַ". קאַווע טיילט מען שוין צום ווייפלטן מאָל. ציגאַרן האָט מען שוין אויך פאַרטיילט. בלויז דאָס געבראָטענע פליייש איז געוועזן אַ ליגן. דאָס האָט עמיץ אויסגעטראַכט און אַזוי האָט זיך עס פאַרשפּרייט. ווען עס וואָלט געוועזן געבראָטן פליייש, וואָלט עס שוין לאַנג צוריק געדאַרפט גע־טיילט ווערן. עס איז שוין צוועלף ביינאַכט. אַ טייל מענטשן האָבן שוין אָנגע־הויבן אַוועקגיין, עס זענען אויך דאָ אַנדערע וואָס קומען גראַד צו זיצן אין דער שפּעטער שעה.

מיט איינמאָל איז אַריינגעקומען איינער פון די בחורים, ער האָט אַוועק־גערופן אַנטאָניאָ'ן מיט אַ בלויזן וואונק פון אויג. זיי האָבן זיך עפּעס אַזוי שטיל און געהיימניספול אַ סודה געטאָן, ביסלעכווייז האָט דער זעלבער סוד אָנגעהויבן אַרומשוועבן צווישן גאַרסיאַ, ראָדריגעז, גוטיערעס ... יעדער איי־נער פון זיי האָט עפּעס אַ שמייכל געטאָן, אַזוי שטיל, ממש ניט אויפצוכאַפּן. בלויז זיי אַליין פאַרשטייען די באַדייטונג ...

גוטיערעס האָט זיך אויך צו מיין אויער צוגעבויגן און איינגערוימט.

— דו גייסט אַרויס אויפן גאַס כאַפּן אַביסל לופט? עס איז דאָ אַ גוטע זאַך! אַ נייעס ... פרעג ניט! קום אַרויס פאַרן טיר.

איך בין אַרויס פאַרן טיר, מיר זענען אָפּגעגאַנגען עטלעכע טריט אין דער פינסטערניש. ראָדריגעז האָט אַ פרעג געטאָן:

— האָסט אים שוין געזאָגט?

— נאָך ניט!

— איז וואָס שווייגסטו? דו קענסט ניט דעם „פּאָליאַקאָ"? ער קען דאָך קאַליע מאַכן! אין די זאַכן איז ער דאָך אַ נאַר ... זיי זענען דאָך גאַנץ אַנ־דערש די פּוילישע ...

אַנטאָניאָ האָט איבערגעשלאָגן:

— וואָס גייט איר, און וואָס דרייט איר אַ קאָפּ מיט רעדערדן.

— פּאָליאַקאָ, גייסטו מיט? דו ווייסט וואו מיר גייען? מיר גייען צו אַ שקאַפּע !...

— אַ מיידל? ...

— גיין, טאקע צו אַן אמת'ער שקאַפּע! ... העט ווייט אריבער דער ליניע וואו די רעלסן גייען זיך פאַנאַנדער האָט פאַרבלאָנדזשעט פערנאַנדעזעס קליאַטשע, קוקאַראַטשע הייסט זי, זי פּאַשעט זיך דאָרט מיט דער ראַסיקער גראָז. קום פּוילישער, ביי דיר דאָרט ווייסט מען ניט פון אַזעלכע זאַכן ...

איך האָב זיך אינסטינקטיוו אַ רוק געטאָן אויף צוריק און אויסגעשפּיגן.

— דאָס בעסטע שפּייסטו אויס ... וואָס ווייסטו?

— אַ שקאַפּע גאָר? ...

— נו וואָס איז? עס איז ניט דאָס ערשטע מאָל! ... נו וואָס וואַרטן מיר? מיר וועלן נאָך צוליב אים פאַרלירן די געלעגנהייט! עס וועט ליכטיקער ווערן ... איר זעט ניט, אַז דער פּוילישער איז אינגאַנצן קיין מענטש ניט? ...

— נו, וואָס טראַכסטו כאָסע? וועסט זיך איצט גיין צוריקציען? מיר שטייען דאָך שוין ביים וועג!

— איך וועל ניט גיין! ניט שיין! ...איר מעגט זיך שעמען!

— אָט האָסטו דיר! דער פּוילישער זאָגט אונז מוסר! ... ניט געדאַרפט אים אפילו רופן; דו קענסט אַזעלכן אפילו קיין טובה ניט טאָן! אַזוי זענען זיי די אויסלענדער ...

— איז וואו גייסטו, פּוילישער?

— איך וועל צוריקגיין צום „וועלאַריאַ“!

— זאָג דאָרט קיינעם גאָרניט! ...

— האָב ניט קיין לאַנגע צונג, פּאַלאַקאָ! ...

— מיר וועלן באַלד זיין צוריק, וואַרט אויף אונז!

— 2 —

איך בין אריין צוריק אין דעם צימער וואו מערסעדעס איז געלעגן, דער רויך פון אָנגערויכערטע פּאַפּיראָסן און ציגאַרן האָט זיך געלאָזט פּילן אין אַלע ווינקעלעך. דער עולם איז שוין געווען אביסל מיד פון ריידן, זענען זיי געזעסן און זיך צוגעהערט צו אַן אַלטן קובאַנער, וואָס האָט געהאַלטן אין דערציילן עפּעס אַ געשיכטע מיט אַ פאַרבאָרגענעם אוצר. אַלעווייל האָט ער זיך פאַרהוסט, אויסגעשפּיגן אַ שטיקל טאַבאַק וואָס ער האָט מער געקייעט ווי גערויכערט, און ווידער פאַרגעזעצט:

— האָט מיין פאָטער ווידער אַ גראָב געטאָן אין דער ערד, און עס האָט אַ בלישטש געטאָן. ביי גאָט! גאָלדענע רענדלעך! ער הויבט אויף דעם רידל, טוט אים ווידער אַ זעץ אריין פון אַ זייט, אָבער אַ סך טיפער, גאַנצע גרודעס גאָלדענע רענדלעך ... ער הויבט אָן אריינלייגן אין די קעשענעס, קוקט זיך ארום צו קיינער זעט ניט. גאָרניט! אפילו אַ הונט זעט מען ניט פאַר די אויגן! דער טאַטע איז אינגאַנצן צעטומלט געוואָרן ... ער האָט צוריק אויסגעליידיקט די קעשענעס. עס איז אַ געפאַר צו גיין מיט די קלינגענדיקע קעשענעס. ער וועט גיין ברענגען אַ זאַק, וועט אים אָנפילן, וועלן מענטשן זען, אַז ער טראָגט אַ זאַק, וועלן זיי מיינען, אַז דאָס זענען פּרוכטן פון דער ערד און אַזוי וועט ער ביסלעכווייז אַהיימטראָגן דאָס גאַנצע גאָלד.

ער האָט זיך ווידער שטאַרק פאַרהוסט. די נייגעריקע האָבן אומגעדולדיק אָנגעהויבן פרעגן, כאָטש די געשיכטע איז זיי טיילווייז שוין געווען באַקאַנט.

— וואָס עס איז געשען? ער איז צוריקגעקומען אויפן פּלאַץ און מער דעם אוצר ניט געקענט געפינען! ער איז אויסגערונען געוואָרן! א גאַנצע טאָג געזוכט דעם פּלאַץ, אויך ביינאַכט איז ער ניט אַהיימגעקומען שלאָפן, די גאַנצע ערד אַדורכגעגראָבן, מיט די פינגער אפילו גענישטערט. אָט שטייט ער דאָך ביים זעלבן פּלאַץ: דער סימן איז דאָ, נאָר דער אוצר איז פאַרשוואונדן געוואָרן, בלויז איין גאָלדן רענדל האָט ער געפונען אין בלישטשענדיקן אָפּשיין פון דער לבנה ... ער איז געוואָרן אויסער זיך: וואָס קען עס באַדייטן? אויסער זיינע טריט באַמערקט זיך ניט, איז ווי אַזוי האָט עס דער אוצר געקענט פאַרשווינדן? ניט אַנדערש ווי די שדים האָבן אים געקענט אָפּטאָן אַזאַ מין זאַך! מיר האָבן אים אַרומגעזוכט, שוין ניט געוואוסט וואָס איבערצוטראַכטן. ווען מיר האָבן אים אויפן צווייטן טאָג געפונען, האָט ער אַ פאַרצווייפלטער דערציילט די געשיכטע און געבעטן רחמים מיר זאָלן העלפן זוכן דעם אוצר. מיר האָבן אַלע גענומען זוכן, ביסלעכווייז זענען אויך אַנדערע פון דאָרף געקומען, גענומען זוכן אויפן פעלד און אָנגעהויבן זאָגן מוסר מיין פאָטער, אַז ווען מען געפינט אַן אוצר, טאָר מען פון אים ניט אַוועקגיין! מען ווערט דערפאַר באַשטראָפט פון הימל און דער אוצר ווערט אויסגערונען! ... ווי ווייסט עס אַ מענטש ניט פון אַזעלכע זאַכן? האָסט געהערט אַ מעשה? אַ מענטש האָט שוין אָנגעשטופּט פולע קעשענעס און ליידיקט עס צוריק אויס, גייט גאָר אַ זעקל ברייגנען! לאַכן דאַרף מען דאָך! ווי איז עס אַ מענטש אַזאַ מין נאַר?

— אַלע קוקן אויפן טאַטן ווי ער שטייט מיט די צעשויבערטע האָר, די אויגן קוקן עפּעס אַזוי מאָדנע, די מענטשעלעך טאַנצן אים אַרום, אָט גלאָצן זיי און ווערן גרויס און אָט ווערן זיי גאָר איינגעשרומפּן. אונטער די אויגן איז טיף אונטערגעהאַקט, אַ רעגנבויגן פון אַ שוואַרצן צייכן האַלט זיי עפּעס אַרומגערינגלט, אַ מאָמענט בלויז שטייט ער אין אַ פאַרלעגנהייט און פּלוצלינג פאַרגייט ער זיך אין אַ הילכיקן געלעכטער און הויבט אָן שרייען מיט אַ מאָדנער שטימע: איך האָב אים געפונען! אָט איז ער! נעמט ניט! קיינער זאָל ניט דערוועגן זיך אַראָפּצובויגן! איך וועל דערשטעכן! ער הויבט אָן לייגן פולע הענט ערד און שיט אין די קעשענעס אַריין! וואָס שטייט איר, דעם זאַק גיט אַהער! גולמ'ס וואָס איר זייט! דער אוצר! גאָלד! ... ניט רירן! כ'וועל דערהרגענען! עס האָט ווער זיך אַראָפּגעבויגן, דער פאָטער האָט פלינק אַ וואָרף געטאָן דאָס מעסער, אַ שכן איז אומגעפאַלן. בלוט און ערד האָט זיך אָנגעהויבן אויסמישן ... מען האָט דעם טאַטן געבונדן, אַוועקגעפירט אין אַ משוגעים הויז. שוין נעבעך קיינמאָל צו זיך ניט געקומען! ביז אין טויט אַריין האָט ער ניט אויפגעהערט רעדן פון דעם אוצר.

דער אַלטער האָט זיך ווידער גוט אויסגעהוסט, אַ שפּייז געטאָן אַ שטיקל צעקייעטן טאַבאַק וואָס האָט שוין כמעט געבריט אין די ליפּן. אַ צווייטער האָט אינצווישנצייט אַריינגעוואָרפן אַ וואָרט:

— נו געוויס, מיט קיין אוצר שפּילט מען זיך ניט! געדאַרפט נעמען ווי עס

לאָזט זיך אין אַלע קעשענעס! דאָס איבעריקע זאָל דער טייוול נעמען! זאָל די ערד צוריק איינשלינגען!

אַ פרוי האָט צווישן די ליפּן געפּרואווט אַרויסברענגען:

— אפשר איז עס אינגאַנצן געווען אַן איינגערעדעטע זאַך? אפשר האָט זיך אייער פּאַטער בלויז אויסגעוויזן? עס קען דאָך זיין, אַז עס איז ניט אמת?

— מיין פּאַטער איז ניט געווען קיין ליגנער! ער וועט ניט אָפּנאַרן!

— ווייבער דאַרפן אינגאַנצן ניט רעדן ווען מענער רעדן!

— פּאַר דיאָס! ביי גאָט! גאָרניט געמיינט חלילה! ניט געוואָלט באַליידיקן! געוואָלט בלויז זאָגן, עס איז דאָך מעגלעך, אַז אייער פּאַטער איז שוין געווען געדירט פון זינען פון פריער ...

— צום טייוול מיט די ווייבער! וואָלסטו שוין אַ מאַן געווען וואָלט איך זיך מיט דיר געשלאָגן! ... אָט זיך צוגעטשעפּעט! האָסט געקענט מיין טאַטן? איז וואָס באַלאַקאַטשעסטו דאָרט? !... הערסט דאָכט זיך גאַנץ גוט די געשיכטע: דער טאַטע האָט אָפּגעגעסן, געגאַנגען אויפן פעלד אַרבעטן, פּונקט ווי יעדן טאָג. איז עס דען דאָס ערשטע מאָל וואָס מענטשן געפינען אוצרות? דער טאַטע האָט בלויז ניט געוואוסט, ווייזט אויס, אַז מען געפינט אַן אוצר, טאָר מען אים ניט איבערלאָזן!

— אָבער ...

— וואָס דרייסטו דאָרט אַ קאָפּ? ווען מיר וואָלטן איצט ניט געזעסן אויפן „וועלאָריאַ" וואָלט איך דיר עפּעס געזאָגט! נאָר פּאַר אַ טויטן דאַרף מען האָבן דרך ארץ! דו ...

אַ צווייטער רייסט איבער די אומאָנגענעמע סיטואַציע. ער הויבט אָן צו דערציילן די געשיכטע פון זיינס אַ פעטער.

— אנטקעגן דעם וואָס איר זאָגט אַן אוצר. ניט שטענדיק ברענגט געלט גליק! מיין פעטער גייט איינמאָל צווישן די בערג, ער טוט אַ קוק צווישן די בערג, פון איינעם זעט זיך אַרויס גרידקעלעך ערד וואָס אין איינעם פאָרמירן זיי דאָס בילד פון דער הייליקער „קאָרידאָד דעל קאָברע". ער גייט צו, הויבט זיך אָן צלמען, לאָזט זיך אַראָפּ אויף די קני, עס הויבט אים אָן בריען ווי מען וואָלט אים פייער אונטערגעלייגט. ער שפּרינגט אויף, טוט ווידער אַ קוק, דער סאַנטאָ ווײנט! — יאָ טרערן רינען פון דעם פּלאַץ ... ער האָט דאָך עפּעס געבעטן ביים סאַנטאָ. עס האָט אים עפּעס אַ קלאַפּ געטאָן אין מח ... דו האָסט געוואונען! 15027! דאָס איז דאָך דער נומער פון דער לאָטעריי! צען טויזנט דאָלער! היינט שפּילט דאָך די לאָטעריי! דער פעטער לויפט אהיים, טוט אַ קוק! עס איז ריכטיק! טאָקע געוואונען צען טויזנט דאָלער!

די אַנוועזנדע הויבן זיך אָן איבערצלמען. מיט אַ פאַרכאַפּטן אָטעם הערן זיי ניט אויף זיך צו וואונדערן:

— כעסום!

— סאַנטאַ מאַריאַ!
— אַן אמת'ער מילאַגראַ! אַ גאַר גרויסער נס.
— עס איז נאָך ניט דאָס! — זעצט פאָר דער דערציילער. — דער פּעטער ברענגט די געלט, האַלט דאָס באַהאַלטן און טרעט ניט אַרויס פון שטוב ביז ער וועט עפּעס אויסטראַכטן וואָס צו קויפן פאַר דעם געלט. ער שלאָפט אומרואיק ביינאַכט, ווי ער וואָלט עפּעס געהאַט אַ פאַרגעפּיל ... עס איז שפּעט ביינאַכט, ער הערט עפּעס ווי די ווייב שושקעט זיך מיט עמיצן ... אַ מענער שטימע. יאָ, עס איז כוליאַן! ... ער טוט זיך אַ ריר פון בעטל, די ווייב טוט אַ פּליסטער: אַנטלויף כוליאַן! ער גיט אַ פרעג: און דאָס געלט? אָט איז דאָס געלט! ... דער פּעטער שפּרינגט שנעל אַראָפּ פון בעט, כוליאַן כאַפּט עפּעס אין דער האַנט אַריין, נאָר דער פּעטער איז פלינקער. — אָט האַסטו בעסטיע! ... עס פאַלט אַרויס דאָס פּעקל געלט און טונקט זיך אין אַ ריטשקעלע בלוט ... דעם פּעטערס ווייב הויבט אָן לויפן און שרייען, דער פּעטער יאָגט זיך נאָך איר מיט אַ גלאַנציקער „מאַטשעטע" (אַ מין קאַסע). די שכנים ראַטעווען איר. עס האָט זיך דערנאָך אַרויסגעוויזן, אַז דעם פּעטערס ווייב האָט געהאַט אַ געליבטן און זיי זענען געקומען אים באַ'גנב'ענען די געלט און אַנטלויפן. דער פּעטער האָט דערנאָך די גאַנצע געלט פאַרשיכורט ... ווי האָט ער זיך גאַר געקענט פאָרשטעלן, אַז די ווייב זיינע זאָל גאָר האָבן אַ געליבטן? ... דער אומגליקלעכער פּעטער.

— כעסוס!
— סאַנטאַ באַרבאַראַ!
— ווירכען דע לאַ קאַרידאַד!
— ווי עס געשעען אַלע זאַכן!...
אַן אַלטיטשקער האָט אָנגעהויבן פילאָזאָפירן:
— אַז מען לעבט דערלעבט מען זיך! ... בלויז ביי לעבעדיקע מענטשן געשעען די אַלע זאַכן!

ער האָט מיט אַ פינגער אָנגעוויזן אויפן ווייסן אָרן וואו מערסעדעס איז געלעגן און ווייטער פאַרגעזעצט:
— ביי איר קען שוין קיין זאַך ניט געשען! עס איז די אומשולד אַליין! קיינער קען איר שוין קיין שלעכטס ניט טאָן און זי וועט שוין אויך קיינעם קיין שלעכטס ניט טאָן! דער מענטש געפינט זיך אין אייביקן אָפּגרונט! ... אַך די וועלט! וואָס פאַר אַ וועלט עס איז! ...
— די וועלט ניט! די וועלט איז גוט! די מענטשן! ...
— נו יאָ, די מענטשן! ... אָט איצט די מלחמה! היטלער! ... מ'זאָגט, אַז ער האָט אויסגעראָטן, פאַרגאַזט און פאַר'סמ'ט מיליאָנען כודיאָס (אידן)!
— פאַרוואָס?
— אַ דאַגה פאַרוואָס! ...
— אָבער די אידן זענען דאָך ווערט געוועזן! זיי זענען דאָך שולדיק אין אַלע אומגליקן!

— פארוואָס זענען זיי שולדיק?

— זיי האָבן ארייננעכאפּט דעם גאַנצן וועלט קאַפּיטאַל!

— ניין ניט פאר דעם! זיי זענען אַלע קאָמוניסטן!

— עס איז נארישקייטן! אז מען דארף האָבן אויף וועמען צו ווארפן די שולד! זיי דארפן די מלחמות צוליב אַנדערע צוועקן! אַ מענטש צו אַ מענטש איז אַ וואָלף! ... אַזוי איז עס!

דאָס לעצטע האָט ארייננעוואָרפן פימענטאַן, אַ מאַן פון עטלעכע פערציק יאָר, וואָס האָט אמאָל שטודירט אין אוניווערזיטעט. ער האָט נאָך מער צוגעגעבן:

— דאָ אין קובאַ זענען אויך דאָ כודיאָס! ...

ער האָט פון אַ זייט אַ קוק געטאָן צו מיר, נאָר מיר האָט זיך ניט געוואָלט אַרייננצוגיין אין אַ שמועס אין דער אַנוועזנהייט פון דער געשטאָרבענער מערסעדעס, הגם די ווערטער האָבן זיך אָנגעהויבן אַרויסרוקן אויף דער צונג ...

עמיץ האָט אַ קוק געטאָן צום סטודענט מיט אַ פראַגע.

— דו זאָגסט אז אויך דאָ אין קובאַ זענען פאַראַן כודיאָס?

— נו געוויס! מען רופט זיי פּאָלאַקאָס! ...

— די פּאָלאַקאָס? ...

אַלעמענס פּנימער האָבן זיך אַ וויג געטאָן צו מיין זייט. ביי מיר האָט די האַלז קנאַפּקע אָנגעהויבן שטיקן. דער מענטש וואָס האָט פריער גערעדט שלעכטס אויף די כודיאָס האָט זיך געפילט ווי שולדיק קעגן מיר. ער האָט אַרויסגענומען אַ פּעקל ציגאַרעטן און עס אויסגעשטעקט צו מיר:

— דו וועסט פאררויכערן, כאָסע! איך האָב דיר ניט געמיינט! מיר האָבן צו דיר גאָרניט! ... איך האָב געלייענט פון דאָרט! ... די אַנדערע ... כ'מיין ...

ביי מיר האָט אָנגעהויבן עפּעס נאַס ווערן אין די אויגן. עס האָט זיי אַלע־מען אין דעם מאָמענט אַ נעם געטאָן. עס האָט זיך מיר אין דעם מאָמענט אויסגעוויזן אז די אַלע וואָס זיצן איצט דאָ, זיצן ניט צוליב דער יונג פאַר־שטאָרבענער מערסעדעס, נאָר צוליב מיר דעם פרעמדן פון ווייטע לענדער. איך האָב אפילו געפּרוּווט אויספּלאַסטערן אַ געצוואונגען שמייכעלע, וואָס האָט זיך מיר מסתמא ניט איינגעגעבן, ווייל מען האָט מיר אָנגעהויבן פאַר־ווארפן מיט מיטלייד פראַגן:

— מיינע עלטערן האָט ער אויך אומגעברייננגט, דער מערדער?

— די מוטער!

— אַ מוטער! אַ מוטער! פּאָברעסיטאַ! (אַ רחמנות נעבעך)

— דעם ברודער אויך!

— אַזוי? אַזוי! שרעקלעך!

— אַ גאַנצע פאַמיליע?

— וואָס פאר א וועלט! אָבער פארוואָס? ...
— נו טאָקע, פאַרוואָס?
דער געוועזענער סטודענט האָט ווידער אריינגעוואָרפן אַ פּאָר ווערטער.
— ביז די מענטשן וועלן זיך ניט פארשטיין, ביז די מענטשן וועלן ניט אַנדערש ווערן, וועלן נאָך א סך זאכן געשען! עס איז דער אָפּגרונט! ... די פּאָליטיקער וואָס האלטן אין איין פארפירן ... מען לעבט אין כסדר'דיקע אינ־טריגעס. אָט האָט דאָ פריער סעניאָר סאנטשעס, גערעדט אז די אידן זענען ווערט געוועזן מען זאָל זיי אויסראָטן! אז די אידן זענען דאָס אומגליק פון דער וועלט! די וואָס האָבן אים געהערט, זענען דאָך שוין באלד גרייט געוועזן צו גלויבן אין דעם! א טייל פון אייך האָט דאָך שוין אפילו צוגעשאָקלט מיטן קאָפּ, אז זיי זענען מסכים, אז עס איז אמת ... ניט אַזוי? איך וועל אייך זאָגן, אז די אידן האָבן גאָר א טובה געטאָן אונזער לאַנד! זייט די כודיאָס זענען געקומען אין קובא, האָט זיך אָנגעהויבן א בעסער לעבן! מיר האָבן היינט איי־גענע אינדוסטריעס! פריער אז מיר האָבן געדאַרפט עפּעס קויפן, האָט עס געמוזט זיין אימפּאָרטירט און מען האָט געדארפט באַצאָלן א סך געלט דער־פאַר! היינט באקומען מיר עס אויפן פּלאַץ און א סך ביליקער!
— טאָקע ריכטיק!
און ווידער האָבן די בליקן זיך א קער געטאָן אין מיין זייט ...
— וואָס שווייגסטו, כאָסע!
— עס ווילט זיך מיר ניט רעדן בשעת עס ליגט אַ טויטער! אוים רעס־פּעקט! אַזוי פירט זיך ביי אונז ... מען רעדט ניט פון קיין אַנדערע זאַכן! יעדע זאַך האָט איר באַשטימטע צייט!
— טאָקע גערעכט! ...
אַ שטילשווייגעניש האָט אויף אַ מאָמענט אַרומגענומען די אַנוועזנדע, א טייל האָבן אָנגעהויבן אונטערשאָקלען נערוויאיש מיט די קני, ניט געקענט אויסהאַלטן די שטילקייט. אַלעוויילע האָט זיך געקענט הערן אַ פרויען קרעכץ פון א גאָר נעאָנטן פאַמיליאַר פון דער פארשטאָרבענער.
די בהורים, גאַרסיאַ, גוטיערעז און ראָדריגעז האָבן זיך איינציקווייז אָנגע־הויבן אַריינשאַרן, די בעקעלעך האָבן געבליט מיט רויטקייט, פון די לייבער זייערע האָט זיך געפילט אַ מאָדנער ריח פון שוויים. אַנטאָניאָ האָט זיך צוגע־שאַרט צו מיר און שטיל אַ פרעג געטאָן:
— מען האָט שוין לאַנג ניט געטיילט קיין קאַווע?

איך האָב זיך אינסטינקטיוו פון אים א רוק געטאָן און ניט געענטפערט. פון ווייטן האָט זיך געהערט דער פייף פון א אָנקומענדער באַן, וואָס האָט מיר דערמאָנט אין עפּעס וואָס איך האָב שוין באלד געהאַט פארגעסן ...
אַנטאָניאָ האָט ווידער אַ פליסטער געטאָן:
— דו גייסט שוין, פּוילישער? עס איז שוין שפּעט!
— ניין, איך גיי ניט! איך וועל נאָך בלייבן!
איך האָב ניט געפילט ווי צו גיין מיט זיי ... איצט געוויס ניט. איך האָב זיך געשעמט מיט זיי דעם ערשטן טריט אַרויסצושטעלן.

עס איז שוין געווען שפעט אין דער נאכט, ווען איך בין אהיימגעקומען פון „וועלאריא". די אויגן האבן זיך געקלעפט און דאך האב איך ניט געקענט איינשלאפן. פארשיידענע מחשבות האבן זיך געפלאנטערט: וואס דער מענטש איז? גארסיא, גוטיערעז, ראדריגעז ... זייער לעכצן און באגערן צו דער פרוי ... אלץ איז פרוי! ... דער אייביקער אפגרונט ...

פלוצלינג וואכט אויף פאר מיר א בילד וואס איז פארבונדן מיט דער אלטער היים. עפעס פון דעם ווען איך בין נאך א קליינער אינגל געווען, וואס איז מיר ניט געווען פארשטענדלעך, פול מיט נעפל. איצט הויבט עס אן פאר מיר קלאר ווערן ... פון קליינערהייט אן האט מיר געמאטערט עפעס וואס איך האב אויפגעכאפט און ניט באגריפן. שוכן בהימה מות ימת. אז מען שלאפט מיט א בהימה קומט טויט שטראף, האב איך געלערנט אין די הייליקע ספרים. ניט איך און ניט מיינע חברים האבן עס באנומען. בפרט נאך ווען מיר האבן אלע געוואוסט אז עליע באלעגאלע שלאפט אין שטאל.

מיט איינמאל האט זיך עפעס גענומען רודערן ביי אונז אין שטעטל. מיר האבן עפעס אויפגעכאפט און ניט פארשטאנען ... ביי ר' שמואל תבואה סוחר איז עפעס געשען מיטן זון דעם לערנער ... דער פאטער האט אים אזוי שטארק געשלאגן אז ער ליגט קראנק. פארוואס, האבן מיר ניט געוואוסט. צו דער דאזיקער געשיכטע האט זיך אויך פארבונדן, אז ר' שמואל האט ביי זיך אויפן הויף א לעבעדיק קעלבל באגראבן ... מען טאר מער דאס קעלבל ניט שחטן ... מען טאר מער ניט מאכן קיין ברכה בעת שחיטה ...

ניט באנומען האב איך עס דאן, עס איז פארבליבן אין נעפל. ניט שיין איז אפילו וועגן דעם צו רעדן. ר' שמואלס זון האט מען א שטיק צייט אפילו פאר די אויגן ניט געזען. ווען ער האט זיך דאס ערשטע מאל אין בית המדרש ווידער באוויזן, א נעם געטאן א ספר און זיך פארטיפט, מער אויף אפצוטאן די בליקן פון אים, האט ער זיך געפרואווט פארגיין אין א גמרא ניגן, האט א צווייטער יונגערמאן אים איבערגעשריגן אין א העכערן גמרא ניגן: בר שנגך את הפרה ... די בית המדרש בחורים האבן אויפגעריסן די אויגן פון די ספרים, א שטילער שושקעריי איז איבערגעגאנגען פון איינעם צום צווייטן:

— דאס קעלבל איז דא! ...

ער האט עפעס דערפילט, זיך אויפגעהויבן פון פלאץ צוגעגאנגען צום ארון קודש און ארייגעשטופט דעם קאפ. עס האט זיך דערהערט א שטילער געוויין.

—שטיל זאל זיין! ער טוט תשובה! — האט איינער פון די בחורים א געשריי געטאן צו די איבעריקע.

מען האט אנגעהויבן צו מאכן קאמענטארן:

— דער יצר הרע האט אים באוועלטיקט!

— די זינד ווערט אפגעווישט, אויב ער טוט תשובה!

— מען קען ניט וויסן! עס קען מעגלעך זיין אז ער איז דאן געווען אין געפאנגענשאפט פון די שדים ...
אַ צווייטער האָט אַריינגעוואָרפן:
— מען האָט גאָר אפשר געדארפט איבערקוקן ביי זיי די מזוזות! ...
— אויף ימים נוראים, שמועסט מען, וועט דער פאָטער מיט אים פאָרן צום רבי'ן!
— ער וואָלט געדארפט צוטיילן א סך צדקה!
— שמועסט מען טאקע וועגן דעם. ווי דער רבי וועט הייסן.
— מען וואָלט אים געדארפט מקרב זיין!

— אזוי גיך? פאר זינד דארף מען אָפּקומען! אז מען קומט אָפּ גענוג גלוסט זיך מער ניט צו זינדיקן!

דער בחור הלל ר' שמואלס האָט א קוש געטאָן דעם פּרוכת און איז צוריק אַרויסגעגאנגען פון בית המדרש. ער איז געגאנגען און געטראַכט. אין די שלייפן האָבן ניט אויפגעהערט קלאַפּן די אויפגעכאַפּטע ווערטער וואָס האָבן אים געקאטעוועט דאָס לייב: דאָס קעלבל! עס האָט זיך אים אָנגעהויבן אויס־ווייזן, אז מען האלט אים אויפן וועג אין איין שפּייען אין פּנים און שרייען: דאָס קעלב גייט! דאָס קעלב! דאָס קעלב! ...

מיט איינמאָל האָט ביי אים אויפגעבליצט א געדאנק. ער וועט אוועק־גיין פון שטעטל! ער וועט גיין אָפּריכטן גלות! ניין, אויך דאָס ניט! ער מוז אוועק אינגאנצן, ניט נאָר פון שטעטל, נאָר פון לאַנד! משנה מקום משנה מזל! ... ער טאָר זיך מער ניט געפינען דאָ! ... עס וועט אים נאָכגיין די שרעק און די בושה. ער קען מער דעם פאָטער אין די אויגן ניט קוקן! פון דער מוטער געוויס ניט! זי האָט דאָך שוין באקומען רויטע אויגן פון וויינען! ער מוז אוועק פון דעם דאזיקן גהינים! ער דארף אָנהויבן א ניי לעבן אין א ניי לאַנד! ס'וועט בעסער זיין פאר אים און פאר זיי! ... די סביבה איז צו ענג, ממש דערשטיקט צו ווערן. מען וועט דאָך אפילו ניט קענען טאָן קיין שידוך! ...

הלל האָט אַ צוף געטאָן א האָר פון בלאָנדן בערדעלע וואָס האָט ביי אים געשפּראָצט ווי ווילד גראָז. די האָר האָט אים ווי עדות געזאָגט, אז דער באשלוס איז א באשלוס און קיין זאך וועט עס מער ניט איבערבייטן. מיט דעם מאָמענט אָן, האָט ער זיך דערפילט א געזיכערטער, א געראַטעוועטער. ער האָט זיך אליין צוריק געפונען. ער איז געווען ביי זיך זיכער, אז דער פּלאַן וועט אויך געפעלן ווערן די עלטערן. ווי אַזוי איז עס אים גאָרניט פריער איינגעפאלן? ווי אַזוי איז ער גאָר צוריקגעגאנגען אין בית המדרש אַריין? אך, ווי די אויגן פון די חברים האָבן עס אויף אים געקוקט? מיט מע־סערס, האָבן זיי דאָך אים געשניטן שטיקער פלייש ... מיט נאָדלען געשטאָכן ביז די טיפענישן פון דער נשמה ... ער איז מער ניט גרייט זיך צו לאָזן פּיי־ניקן! גענוג שוין אָפּגעקומען פאר עפּעס וואָס ער שעמט זיך איצט אליין אפילו

אין די רעיונות צו דערמאָנען, גענוג! ... חרטה אליין היילט ניט! ... מענטשן לאָזן ניט פארגעסן! דאָס מענטשלעכע אויג ווייסט ניט פון פארגעבן! עס לעבערט דורך ווי א קויל פון א ביקס! ... זיי באהאלטן דורך דעם זייערע אייגענע שוואכקייטן! ... נאָר אזוי איז עס! פינגער טייטלען זיך: אותו האיש! ... דאָס איז דער מענטש ... איך וועל מער ניט קעמפן קעגן זיך; איך וועל גיין מיט מיר ... דער מענטש טאָר זיך אליין ניט אומברענגען! ניט פאר דעם איז ער באשאפן געוואָרן! פון היינט אָן, פיר איך זיך אליין ... איך וועל דערגרייכן! עס איז מיינס א סוד וואָס וועט איינגעשלאָפן ווערן. איינער שליסט איין פארמעגנס און איינער זיין סוד.

אין עטלעכע טעג ארום האָט מען אין שטעטל אָנגעהויבן דערציילן אז ר׳ שמואל האָט אוועקגעשיקט הלל׳ן ערגעץ אין דער וועלט אריין. קיינער האָט ניט געוואוסט וואוהין. מען האָט בלויז געוואוסט צו דערציילן אז איבער ים׳ען איז ער געפאָרן. אינצווישנצייט האָט ר׳ שמואל אליין אויך אויספארקויפט די געשעפטן און זיך איבערגעצויגן אין א גרעסערער שטאָט.

— 4 —

א צירק איז געקומען אין שטעטל. בלויז עטלעכע שעה נאָך דעם ווי מערסעדעסעס לויה איז פארביי געגאנגען, האָט מען אָנגעהויבן אדורכפירן איבער דער לענג און ברייט פון שטעטל די פארשיידענע חיות וואָס דארפן אָנטיילנעמען אין דער בייגאכטיקער פאָרשטעלונג. א טראָמפייט מיט א פויקער זענען נאָכגעפאָרן און כסדר געצויגן די אויפמערקזאמקייט פון די שטעטלדיקע. עס איז באמת געווען א געשעעניש אין דעם שטעטל, פון וועלכן מען האָט געהאלטן אין איין רעדן. מען האָט דערציילט אז אין איינעם פון די נומערן ווייזט זיך ווי מען צעשניידט א פרוי אויף צוויי העלפטן, דאָך קומט זי דערנאָך ארויס א לעבעדיקע. אַנדערע האָבן געוואוסט צו דערציילן, אז דער העלפאנט טאַנצט א וואַלץ און אז דער דאמאדאר שטעקט אריין דעם גאנצן קאָפּ אין מויל אריין פון א ווילדן לייב פון אפריקע.

אויך איך האָב זיך געגרייט צו דער גרויסער געשעעניש, וואָס איז אַזוי זעלטן אין דעם קליינעם פארוואָרפענעם שטעטל. דער צירק האָט אזוי ארום שנעל געמאכט פארגעסן אין דעם נעכטיקן „וועלאַריאַ״, וואָס איז בלויז אַן ענין פון דער נאָענטער פאַמיליע.

די צירק ארבעטער זענען געשטאַנען אויפן ליידיקן פּלאַץ און אָנגעהויבן פארוואַרפן די שטאַנגען. ריזיקע פלאַנדעקעס האָבן זיך אָנגעהויבן אויסלייגן און זענען פארצויגן געוואָרן מיט ריזיקע שטריק. פארנאכט האָט זיך אָנגעהויבן באווייזן אַן א שיער ליכט וואָס האָט געהאלטן אין איין אָנזאָגן די שטעטלדיקע קובאנער אז אַלץ איז פארטיק און מען ווארט בלויז אויף דעם חשובן פובליקום וואָס דארף קומען פון שטעטל און ארום דעם שטעטל.

דער אָרקעסטער האָט געהאַלטן אין איין שפּילן לעבעדיקע מארשן וואָס האָבן אָנגעוואָרפן אַ שטאַרקן חשק צו זען וואָס גיכער די פאָרשטעלונג. אין אַ קורצער צייט ארום איז שוין דער גאַנצער צירק געווען אויסגעפילט. אלעווייַלע איז מיט שנעלע טריט אַדורכגעלאָפן אַ בלאָנדער מאַן פון אַ יאָר פערציק און אפשר עפּעס וויניקער נאָך. ער האָט געהאַלטן אין איין געבן אָרדערס. צווישן פובליקום האָט מען געשמועסט אז ער איז דער גאַנצער באַלעבאָס פון צירק. ער איז ווייזט אוים אַן אַמעריקאַנער, אָדער פון אַן אַנדער לאַנד! ער רעדט אפילו א גוטן שפּאַניש, נאָר מיט אַן אויסלענדישן אַקצענט.

ער האָט אַ מאַך געטאָן מיט דער האַנט צו איינעם. דער איינער האָט געגעבן אַ פייף. עס איז געווען דער סימן אז די גרויסע פאָרשטעלונג גייט שוין אָנפאַנגען. דער באַלעבאָס פון צירק איז דער ערשטער אַרויסגעגאַנגען און אָנגעהויבן שמייכלען צום פובליקום, לאָזנדיק וויסן דורך זיין אויסלענדישן אַקצענט, אז דאָס איז דער גרעסטער צירק אין דער וועלט. און אז בלויז דריי טעג וועלן זיי דאָ שטיין, צו געבן אַ געלעגנהייט אלע שטעטלדיקע צו זען דאָס גרעסטן צירק. ער בעט אויך אז קיינער זאָל זיך ניט שרעקן און לאָזן אַדורכפירן די נומערן אין וועלכע עס נעמען אָנטייל די גרעסטע קינסטלער.

דער באַלעבאָס האָט געהאַלטן אין רעדן. מיינע אויגן האָבן זיך פון וווייטנס איינגעגעסן אין אים. עפּעס איז ער מיר געווען קענטלעך, כ'וואָלט געשוואוירן אז איך האָב אים ערגעץ געזען. איך האָב אים וואו באגעגנט! נאָר איך קען זיך בשום אופן ניט דערמאָנען. דאָס פּנים, די גרויסע אויגן ... עפּעס פּלאָנטערט זיך אין די געדאַנקען: ער איז געווים אַ אידל! ער האָט דאָך אינגאַנצן א אידישן אויסזען. אָבער זיין נאָמען? עס שטייט דאָך אָנגעשריבן קלאָר און דייטלעך: הענלא בעמקאַ! ווער ווייסט פון וואַנען דער דאָזיקער נאָמען איז? ניטאָ אזא מין אידישער נאָמען!

עס באַווייזן זיך די אקראבאַטן, זיי הויבן אָן קלעטערן ביז דעם שפּיץ, וואַרפן זיך איינע צום אַנדערן, כאַפּן זיך אַזוי פלינק, אז עס פאַרכאַפּט אַזש דעם אָטעם. דער מענעדזשער שטייט אין אַ זייט ווי אונטער אַ פאַרהאַנג. ער קוקט אינגאַנצן ניט צו די אקראבאַטן, נאָר צום פובליקום. יעדעם מאָל ווען עס קומען די ריזיקע אַפּלאָדיסמענטן פון עולם, טוט ער פאַר זיך אַ שמייכל. אָפּטמאָל דאַכט זיך מיר, אז ער שמייכלט אויך צו מיר, כאָטש ער זעט מיר אינגאַנצן ניט. עפּעס אַן אומרואיקייט לאָזט מיר ניט רואיק צוזען די פאָרשטעלונג. עס מאַטערט מיר דער געדאַנק: עס איז א איד! ... עפּעס איז ער מיר אַזוי קענטלעך! כ'וואָלט געשוואוירן ... עס האָט מיר פּלוצלינג א קלאַפּ געטאָן אין קאָפּ ... ער איז דאָך אַזוי ענלעך צו אים, צו הלל'ן, צום קעלבל ...

עס האָט מיר אַ הויב געטאָן פון פּלאַץ:

— וואָס זיצסטו ניט רואיק, פּוילישער! לאָז זען! ... האָבן זיך געהערט

טײלװײז שטימען פון פובליקום, װאָס זענען װײזט אױס געשטערט געװאָרן דורך מײן באַװעגן זיך.

איך האָב געפּרוּװט אײנזיצן, זיך פאַראינטערעסירן אין די פאַרשײדענע נומערן, נאָר גלײך האָט װידער דער געדאַנק מיר ניט געלאָזט זײן רואיק.

— יאָ, דאָס איז ער! אָן צװײפל! עס קען דאָך ניט זײן אזא מין ענלעכקײט! שױן ניט געזען אים פופצן יאָר ... אָבער װאָס מאַכט עס אױס? ער האָט זיך געענדערט, אָבער דאָך? ער איז עס!

אײדער נאָך די פאָרשטעלונג האָט זיך געענדיקט, האָב איך זיך אָנגעהױבן אַרױסרוקן, זוכנדיק א װעג װי אזױ צוצוקומען נאָענטער צום מענעדזשער. איך האָב אזױ געמאַניעװרירט איך זאָל שטײן אנטקעגן אים, ער זאָל מיר אָנקוקן. אפשר װעט ער אױך מיר דערקענען. אונזערע בליקן האָבן זיך ענדלעך באַגעגנט, ער האָט זײ אָבער צוריק אװעקגענומען װי עפּעס א צופעליקײט. איך האָב געפּרוּװאַט אױסדריקן מײן באַקאַנטשאַפט צו אים דורך א שמײכל, ער האָט צוריק געשמײכלט, פּונקט אזױ װי ער טוט עס צו יעדן אײנעם פון נײגעריקן פובליקום. איך בין צוגעגאַנגען נאָענט צו אים, אײנגעגעסן זיך אים אין די אױגן און שטיל א זאָג געטאָן:

— הלל! ...

ער האָט א צי געטאָן מיט די אױגן. אױף א מאָמענט האָט ער אפילו זיך א דרײ געטאָן מיט פאַרװאונדערונג. איך האָב אין שפּאַניש א זאָג געטאָן:

— איך קען אײך!

— נו געװױס! װער קען מיר נים?

— נײן, כ'מײן ... ביסט א איד ...

— װאָס זאָגסטו? ...

— א איד! דו ביסט הלל! ...

— איך פאַרשטײ דיר נים, לאָז צורו! ...

די לעצטע װערטער װאָס ער האָט אַרױסגעזאָגט זענען געקומען מיט א באַװעגונג, װי ער װאָלט פון זיך א פליג א טרײב געטאָן.

איך האָב זיך אױף א מאָמענט פאַרלאָרן, דאָך האָט מיר די נײגעריקײט געשטױסן און איך האָב א געשרײ געטאָן:

— קעלבל! הלל קאַלב! ...

ער איז רױט געװאָרן און געמאַכט א באַװעגונג מיט דער האַנט, װאָס ער האָט גלײך צוריקגעכאַפּט און שטיל א פליסטער געטאָן שױן אױך אין אידיש:

— װי קומסטו אַהער? דו ביסט יאָסל האַכט זיך! ... פריער דיר ניט דערקענט! ... דו האָסט מיר דערקענט! א גוטן זכרון האָסטו! אָבער לאָז מיר אַרױסענדיקן, דערנאָך װעלן מיר זיך אָפּזונדערן און שמועסן. עס לױנט מיר ניט אז די אַרבעטער מײנע זאָלן װיסן אז איך בין א פּױלישער ... דו פאַרשטײסט מיר? ...

איך האָב אָפּגעענטפערט:

— װי דו װילסט! אױב דו װילסט, קען איך שױן אינגאַנצן אװעקגײן. עס האָט מיר בלױז געמאַטערט די נײגעריקײט.

— ניין! בלייב! אויב מיר האָבן זיך שוין יאָ באַגעגנט, איז ווילט זיך אַ שמועס טאָן מיט אַ לאַנדסמאַן. די נייגעריקייט איז טאַקע גרויס ... עפּעס האָט זיך אין מיר שוין געביטן ביי דער דאָזיקער געשעעניש ...

טיף אין דער נאַכט האָבן מיר אַרומגעשפּאַצירט. ער האָט מיר אויסגעפרעגט וועגן אונזער שטעטל אין דער אַלטער היים. ער האָט אויך דערציילט ווי ער האָט זיך געמאַטערט ביז ער האָט דערגרייכט צום צירק. ער האָט גענומען אויספרעגן פאַרשיידענע עפּיזאָדן און דעראינערונגען. נאָך מער פון אַלץ האָט ער געוואָלט וויסן וואָס מען האָט גערעדט אין שטעטל פון אים, נאָך דעם ווי ער איז נעלם געוואָרן ... איך האָב אים דערציילט אַז איך האָב דאָן ניט פאַרשטאַנען די גאַנצע געשיכטע מיטן קעלבל ... בלויז אויפגעכאַפּט קלאַנגען און ווערטער ... קלאָר געוואָרן איז עס ערשט פאַר מיר נעכטן ביינאַכט. איך האָב אים דערציילט די געשיכטע פון „וועלאַריאַ". וועגן גאַרסיאַ, ראָדריגעז, גוטיערעז און די שקאפּע ...

ער האָט אויסגעשפּיגן מיט עקל און אָנגעהויבן פּליסטערן מער צו זיך ווי צו מיר.

— דער אייביקער אָפּגרונט! ... אַ זומפּ ... דער אייביקער אָפּגרונט ... פּו פּו ... פּו ... זאָל עס ווערן ...

ער האָט ווידער אויסגעשפּיגן.

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן
מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און
דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

לשנה טובה תכתבו!

—o—

# COMPETIDORA GADITANA

## EL CIGARRO INIGUALABLE

DESEAMOS A LA COLONIA HEBREA UN FELIZ

Y PROSPERO AÑO NUEVO

# לידער...

פון אליעזר אראָנאָווסקי

## דער פּאַסטוך...

ווייסע, געקרויזטע, סטאַדעס פון שאָף
ציען איבער די פעלדער פון הימל;
מען זעט ניט קיין פּאַסטוך! —
איך זע — די שאָף ווי ער טרייבט...

שטילע זיך פּאַשן, פון באַגינען ביז אָוונט,
פון מזרח צום מערב געפירט;
מען זעט ניט קיין פּאַסטוך! —
איך הער — אויף דעם פייפל ער שפּילט...

סטאַדע נאָך סטאַדע געטריבן פון ווינטן
ערגעץ פאַרשווינדן אין נאַכט-האָריזאָנט;
מען זעט ניט קיין פּאַסטוך! —
איך הער — אַ פאַרבייגקטער ער זינגט...

נאַכט איז אַריבער און ווידער איז טאָג,
די שאָף ווי געצוואָגן אין ליכט זיך שפּרייט.
מען זעט ניט קיין פּאַסטוך! —
איך זע — אין געבלענד ווי ער גייט...

# דו ביזט אין ערגעץ דאָ

דו ביזט אין ערגעץ דאָ,
איך זוך דיך ניט אַרום.
איך ווייס, אז אויך פון מיר
זינגסטו — כאָטש איך בין שטום...

און ניט פון מיר אַליין —
נאָר פון אַלץ אין וועלט;
ווער עס קען פאַרשטיין —
בינסט אים ניט פאַרשטעלט...

ער פילט אין יעדער זאַך,
אין דעם קלענסטן שטויב,
דעם געטלעכן באַריר
פון דעם מינדסטן דרויב...

און ווער עס זוכט דיך אום —
דער געפינט דיך ניט!...
ווייל אין דעם שורש ליגט
פאַרבאָרגן שוין דער צוויט...

און דער וואָס לעבט און ווייס
הויבט ער אָן פון זיך;
און ער פילט דיין זיין
אין זיין אייגן דיך...

און ער לעבט מיט דיר,
עס שרעקט אים ניט דער טויט;
ווייל דו, אַ טייל פון אים,
אין דער אייביקייט זיך שפּרייט...

# פרילינג ווינטן

פרילינג-ווינטן, פון בליטן פֿאַרשיכורט,
פון פֿאַרבן פֿאַרכישופֿט טאַנצן אַרום,
שפּילן אויף פּייפֿלאַך פון אויסגעהוילטע צווייגן
אַזוי ווי דער פֿאַסטוך — פֿאַר׳חלומ׳ט, פֿרום...

דאָס איז די תּפֿילה צו דעם באַשעפֿער
וואָס קיינער אים זעט ניט, קיינער אים הערט,
נאָך פֿלוצלינג דערפֿילט מען אין זיך אַזאַ ביינקשאַפֿט —
די האַרץ זי ציטערט, און אויג — זי טרערט...

און ליפּן זיי שעפּטשען, קוים צו באַמערקן,
אַ תּפֿילה בלחש צום בורא פון וועלט;
און נאָך דעם דערשפּירסטו זיך לייכט, ווי געטובל׳ט
אין קוואַלן פון קדושה, לויטער, באַזעלט...

און אַלע די בייזע מחשבות, די שווערע,
ווי זיי וואָלטן דיך קיינמאָל געדריקט און געמאַטערט;
און אַלץ אַרום דיך — אַ טרוים, אַ כימערע...
שטיל ווי אַ טויב אין זון-ליכט פֿלאַטערסט...

פרילינג-ווינטן פון בליטן פֿאַרשיכורט,
פון פֿאַרבן פֿאַרכישופֿט דערפֿרישן דער וועלט;
עס עפֿענען זיך קוואַלן פון נייע ניגונים,
וואָס זענען ביז איצטער געוועזן פֿאַרשטעלט...

# אונזער טאָג איז יונג און שיין

אונזער טאָג איז יונג און שיין!
בלאָנדע שטראַלן אויסגעצוואָגן;
וויפל טעג איז מיר באַשערט
אָט אַזוינע צו פאַרמאָגן?

איבער וויטן, הימל־בלאָ —
ווייסע־טויבן פלאַטער;
און דו זעסט זיך ניט אַרום —
אָוונט זינקט אַ מאַטער...

וואָלט זיך וועלן. אָט דעם טאָג
לייגנער צו פאַרהאַלטן;
פאַרשפּילסטו זיך מיט אים — און אוים! —
די זון האָט זיך פאַרבאַהאַלטן...

איך זע פון וויט דעם פאַווע־קרוין,
דעם אָפּגלאַנץ פון איר פאַרבן־עק;
אַלץ וואָס איך האָב נאָר געטרוימט
איז מיט איר פון מיר אַוועק...

אונזער טאָג איז יונג און שיין,
בלאָנדע שטראַלן אויסגעצוואָגן.
וויפל טעג איז מיר באַשערט
אין מיין לעבן צו פאַרמאָגן?

# נעפּטונא

כוואַליעס לעבעדיקע בלומען —
בלאָנד, ברונעט, סאַטין, מולאַטע,
קערפּערס — שלאַנקע טוליפּאַנען,
קעפּ — קנאָספּען אויפגעריסן,
פיסלעך — וויגנדיקע שוואַנען.

אויגן — פייער־פונקען, פלאַמען,
ליפּן — צייטיקע צום קושן,
בריסט, ווי טויבן צו דעם הימל
רייסן זיך אַרויס צו פליען,
פרויען־שטערן אין געווימל...

מענער שטייען אויף די ראָגן,
ווי די הונגעריקע וועלף,
פאַרוואַרפן זיי מיט קאָמפּלימענטן
אין אַ בלומען שפּראַך פון ליבע,
פון פאַרצויבערטע מאָמענטן...

ציען פערדים זיך פון בליקן,
שפּינען־אויס דעם בלויען חלום
פון פאַרכישופטע דיוואַנען,
וועלכע שוועבן אין די הימלען,
ווי פאַרליבטע קאַראַוואַנען...

אָונט ביינקשאַפט, הימל שקעה׳ט,
זון און אויגן זיך באַגעגנט. —
וועמעס פייער איז דאָ שטאַרקער,
וועלכע שטראַל איז מער צעגליטער
אין דעם פאַרביקן געוויטער?

פרויען-דרייץ און יונגע-בלוטן,
אַ פאַרפלייץ פון טראָטואַרן.
ס'האָט די זון אַראָפגענידערט
אויסצוגליען זיך מיט אַלע,
ווי דער חתן מיט דער כלה...

ווי אַ כוס די זון אין מערב,
אָנגעגאָסן פול מיט ווייז,
גאָט אין הימל איז מקדש
די וועלט פון די פאַרליבטע,
און פאַרשפּרייט אויף איר זיין שיין...

---

# שיינקייט - איז אמת פון קערפּער

שיינקייט — איז אמת פון קערפּער,
אמת — איז שיינקייט פון גייסט;
פון ביידן איין געטלעכער פונק
פון אַל-דעם באַשאַף זיך באַווייזט...

שיינקט ער די פרוי אַ פּאָר אויגן
וואָס זענען פון הימל די פענסטער, —
בלענדעט ביי טאָג דאָרט די זון,
ביינאַכט — דער שטערן, דער גרעסטער...

טאָקט ער איר אויס אַזאַ קערפּער,
פון ווייסינקע מאַרמאָר — אַ פּראַכט! —
און פורעמט איר אויס אַ פּאָר בריסט,
וואָס האָט נאָך קיין קינסטלער פאַרטראַכט.

גיסט איר אָן פייער אין בלוטן,
שפּרייזט זי מיט פונקען אין טראָט,
און אַ מויל פון פּערלנע ציינער,
וואָס נאָר דער ים אין זיך האָט...

שמייכלט — איז וועלט אין באַגינען,
לאַכט — איז אין מיטן פון טאָג,
אומעטיק — אָוונט-געשפּינען...
טרויערט — נאַכט און געקלאָג.

בליט אויף דער פרילינג אין איר —
ווערט וועלט פון איר שיינקייט פאַרבלענדט,
וואו דופט, וואו בלום און געזאַנג
צו איר נאר, צו איר נאר געווענדט...

שיינקייט — איז אמת פון קערפּער,
אמת — איז שיינקייט פון גייסט,
דאָס איז די קראַפט פון דעם מענטשן,
וואָס צו די הימלען אים רייסט...

# אידן און אידישקייט אין דרום אמעריקע

## (אַ פּאָר פונדאַמענטאַלע באַמערקונגען)

פון דר. אריה טארטאקאָווער

---

איך האָב ניט בדעה אין איצ־טיקן ארטיקל אריינצוגיין אין פּר־טים פון אידישן לעבן אין דרום אמעריקע; דאָס לאָזט זיך אודאי ניט טאָן אין ראמען פון איין ארטיקל. איך וועל זיך אפילו ניט אָפּשטעלן אויף יענע דערשיינונגען, וואָס זע־נען אַמשטאַרקסטן כאראקטעריסטיש פאר דעם א ו י ס ע ר ל ע כ ן ראם פון דאָזיקן לעבן און וואָס זע־נען מער אָדער ווייניקער באקאנט אין דער אידישער וועלט, הגם ניט תמיד ווערן זיי ווי געהעריק אָפּגע־שאצט, ווי צ. ב. דער גאָר יונגער עלטער פון די דאָזיקע ישובים, די אומזיכערקייט פון זייער פּאָליטישער און עקאָנאָמישער סיטואציע, זייער אויסגעשפּראָכן גרוים שטאָטישער כאראקטער א. א. וו. וועגן דעם וואָלט זיך אודאי געלאָזט נאָך א סך זאָגן, ווייל ניט אַלץ וואָס איז ביז איצט געזאָגט און געשריבן געוואָרן, איז געטאָן געוואָרן מיט אַ געהעריי־קער פארשטענדעניש פאר די ענינים. אָבער ווי געזאָגט ניט דאָס בין איך איצט אויסן; לאָמיר מאכן א פּרואוו אריינצודרינגען עפּעס מער אין די טיפענישן פון א י נ ע ר ־ ל ע כ ן לעבן פון די דרום אַמע־ריקאנער אידן און אַרויסגעפינען אין וואָס באשטייט דער מהות פון דאָזיקן אידנטום און זיין פּאָזיציע אין דער היינטיקער אידישער וועלט. די באַ־מערקונגען מיינע נעמען אין אכט אין ערשטער ריי דעם ארגענטינער אידנטום, וואָס איז נומעריש און אויך פּסיכאָלאָגיש דער שטאַרקסטער טייל פון דאָזיקן ציבור, אָבער אַלץ אָדער כמעט אלץ וואָס וועט דאָ גע־זאָגט ווערן, איז ריכטיק אויך פאר אַנדערע ישובים אויף דעם דאָזיקן קאָנטינענט און, הגם עס מעג אויס־זען פּאראדאָקסאל, איז עס א סך מאָל ריכטיקער דווקא פאר די קלע־נערע ישובים, איידער פאר די רע־לאַטיוו גרויסע.

לאָמיר אָנהויבן מיט דעם פונדאַ־מענטאַלן פּראָבלעם פון אידישקייט אין דאָזיקן קאָנטינענט. אידישקייט

אין טאָפּלטן זין: אין זין פון צונויפּ־
געבונדנקייט מיט דעם אידישן פאָלק
אין גאַר דער וועלט און אין זין
פון צונויפגעבונדנקייט מיט דער אי־
דישער קולטור. און דוקא דאָ שטויסן
מיר זיך אָן אויף דער ערשטער כאַ־
ראַקטעריסטישער דערשיינונג אין
דרום אַמעריקאַנער אידישן לעבן —
אין דרום אַמעריקע איז אזא טאָפּלט־
קייט כמעט ווי ניט באַקאַנט. ביידע
טיילן פון אידישקייט זענען דאָ אַזוי
צונויפגעפלאָכטן איינער מיט דעם
אַנדערן, אז ניט נאָר דער דורכשניט־
לעכער מענטש, נאָר אפילו דער פאָר־
שער פון סאָציאַלן לעבן וועט ניט באַ־
ווייזן זיי פאַנאַנדערצוטרייסן. אין אי־
דישער געשיכטע און אויך אין היינ־
טיקן אידישן לעבן זענען דאָ גענוג
פאַלן — היינט זענען זיי כמעט ווי
געוואָרן א כלל — פון שטאַרקער סאָ־
לידאַריטעט מיט אנדערע טיילן פון
פאָלק, ניט געקוקט אויפן פּראָצעס פון
מעכאַנישער אַסימילאַציע און פון אַלץ
גרעסערע אידישער עם הארצישקייט.
עס זענען פאַרקערט דאָ פאַלן, א סך
זעלטענערע, פון טיפער צונויפגע־
בונדנקייט מיט אידישן וויסן, אָבער
אָן אידישער פאָלק סאָלידאַריטעט
אָדער אפילו אין קעגנערשאַפט צו איר.
דער באַקאַנטסטער פאַל פון דעם מין
איז דאָס דייטשישע אידנטום אין פּער־
יאָד פון „וויסנשאַפט פון אידנטום“,
אָבער פאַראַן ביישפּילן גענוג אויך
אין אַנדערע, דער עיקר מערב איירא־
פּייאישע לענדער.

אין דרום אַמעריקע איז אזא אויס־
וואַל כמעט ווי ניט באַקאַנט. מ'האָט
ליב אידן אין גאַר דער וועלט, אָבער
די דאָזיקע ליבשאַפט איז אין דער
זעלבער צייט א ליבשאַפט פון אידישן
וואָרט און פון אידישן גייסט. אביסל
סכעמאַטיש ווי אין אַלע קורצע פאָר־
מולירונגען, וואָלט מען געקענט זאָגן:
אין די מייסטע לענדער פון דער
וועלט קען מען ריידן היינט וועגן
אידישער פאָלקס סאָלידאַריטעט (ניט
וועגן סאָלידאַריטעט סתם; דער פּער־
יאָד פון רחמנות סאָלידאַריטעט האָט
זיך ברוך השם שוין געענדיקט), אין
דרום אַמעריקע דאַרף מען ריידן וועגן
אהבת ישראל. פון דעם איז אודאי
ניט געדרונגען, אז א יעדער דרום
אַמעריקאַנער איד איז א תלמיד חכם,
גאַר ווייט פון דעם. אָבער אַ יעדער
אָדער כמעט אַ יעדער ווייס וואָס
הייסט אידישע קולטור און איז גרייט
אונטערצושטעלן די פּלייצע כדי זי
צו פאַרשפּרייטן. אין דעם זין איז דער
אידישער ציבור דאָ אַ יורש פון די
מזרח אייראָפּייאישע אידן — דער
איינציקער יורש ווען מען רעדט
וועגן דעם פאָלק אין גלות — הגם
מיט זייער קולטור ניוואָ לאָזט ער
זיך אודאי ניט פאַרגלייכן.

פון דעם נעמט זיך אויך דער
צווייטער כאַראַקטעריסטישער סימן
פון דאָזיקן אידנטום: **די זעלבסט־
פאַרשטענדלעכקייט פון זייער אידיש־
קייט.** די דרום אַמעריקאַנער אידן
האָט מען ניט געדאַרפט צוריקרופן
צו זייער נאַציאָנאַלער באַוואוסטזי־
ניקייט מיט ציוניסטישער צי אידיש
נאַציאָנאַלער פּראָפּאַגאַנדע, זיי האָבן
די דאָזיקע באַוואוסטזיניקייט קיינ־
מאָל ניט פאַרלוירן, לכל הפחות ניט
די וואָס זענען געקומען פון מזרח־
אייראָפּע, זיי און זייערע קינדער.

אַסימילאַציע אין זין פון וועלן
אוועקלויפן פון אייגן פאָלק אָדער

אפילו פון זיין גלייכגילטיק צו אידישע ענינים, איז דאָ ניט באקאנט; אפילו שפּראכלעך - אַסימילירטע, גרויס בירגערלעכע און אינטעלעקטועלע עלעמענטן, וואָס אין אנדערע לענדער רעקרוטירט זיך פון זיי די מחנה פון גאנצע און האלבע אַסימילאטאָרן, בלייבן דאָ אין אידישן לעבן און אידישער אקטיוויטעט. דאָס זעלבע איז חל אויף די „פּראָגרעסיווע", וואָס היטן דאָ א סך שטאַרקער אָפּ זייער אידישן כאראקטער איידער אין אנדערע לענדער. צוליב דעם קען גאָרניט געמאָלט זיין, ביי די באַדינגונגען פון דרום אַמעריקאנער אידישן לעבן, די פּלוגתא וועגן יאָ גלות אָדער, ניט גלות, מיט וועלכער מען קערט איצט וועלטן אין נאָרד אַמעריקע. גלות־באוואוסטזיין איז פאר די דרום־אַמעריקאנער אידן פּונקט אזוי זעלבסט־פארשטענדלעך, ווי זייער אידישקייט. דאָס נעמט זיך ניט פון א שוואכער צונויפגעבונדנקייט מיט זייערע איצטיקע וואוין־לענדער; די אידן דאָ זענען — בפרט אין עלטערע ישובים — ניט ווייניקער צונויפגעבונדן מיט זייער לאנד, איידער אין נאָרד־אמעריקע, הגם דער אמאָל גאַמירנדער כוח פון דער לאטיין־אַמעריקאנער קולטור איז ניט אַזוי גרויס ווי פון דער אנגלאָ־אַמעריקאנער, וועגן וואָס עס וועט נאָך שפּעטער זיין די רייד. אָבער דאָס האָט גאָר קיין שייכות ניט צו זייער גלות־באוואוסטזיין. די דיסקוסיע וועגן דעם, צי איז נאָרד־אַמעריקע (אָדער אן אנדער לאנד) יאָ גלות אָדער ניין, איז א פועל יוצא, צי וויל מען עס אנערקענען אָדער ניט, פון דער אָפּשוואַכונג פון אידישן פאָלקס־געפיל, אָדער בעסער געזאָגט פון אידישן פאָלקס־אינסטינקט, אין וועלכן די דערקענטעניש אז מיר זענען אין גלות — אפילו ווען די אויסערלעכע באַדינגונגען זענען געווען גאנץ גוטע ווי צ. ב. אין אראבישן שפּאניע — איז תמיד געווען א אינטעגראלער באַשטאַנדטייל און ווייל דער דאָזיקער פאָלקס־אינסטינקט איז געבליבן גאנץ אין דרום־אַמעריקע, איז דאָרט ניטאָ קיין פּלאץ פאר אזעלכע חילוקי דעות. עס איז אויך כאראקטעריסטיש פון דעם דאָזיקן שטאַנדפּונקט, אז אויך יענע ק ר יי ז ן פון אינטעלעקטואלן אין די דאָזיקע לענדער, וואָס שפּילן א באדייטנדע ראָלע אין אלגעמיינעם קולטור־לעבן, זענען דאָ אין די מייסטע פאלן — אין קעגנזאץ צו דער סיטואציע אין אַנדערע לענדער — געבליבן געטריי צו אידן און אידישקייט. ס'איז גענוג צו דערמאָנען נעמען ווי אלבערטאָ גערשונאָוו, צעזאר טיעמפּאָ, שמואל אייכעלבוים א. א. אין אַנדערע לענדער האָט אזעלכע מענטשן צוריקגעפירט צו אידישקייט — אויב זיי האָבן בכלל צוריקגעפונען דעם וועג — דער אומגליק פון זייער פאָלק אָדער זייערע פּערזענלעכע טראגעדיעס. אין דרום־אַמעריקע איז דאָס ניט געווען נויטיק, די פארבונדנקייט מיט דעם פאָלק האָט דאָ עקזיסטירט פון סאמע אָנהויב אָן, אויב אפילו מען האָט געשאפן אין ניט קיין אידישער שפּראך און פאר ניט קיין אידישער קולטור.

ווי א דריטער כאראקטעריסטישער סימן פון דרום־אַמעריקאנער אידנטום דארף באצייכנט ווערן זיין אָרגאניזירטקייט און זיין אקטיוויטעט. ניטאָ א סך לענדער, וואו אידן זאָלן זיין

אַזוי גוט אָרגאַניזירט, ווי אין דרום־אַמעריקע. אודאי האָבן זיי שטאַרקע „קאָנקורענטן" אויף דעם דאָזיקן געביט אין ענגלאַנד און נאָך מער אין די בריטישע דאָמיניעס, ווי קאַנאַדע, דרום־אפריקע און אויסטראַליע; פאַראַן אָבער פאָרט ניט קיין קלענער פּסיכאָלאָגישער חילוק צווישן די ביידע פאַלן. אין יענע לענדער האָט דעצידירט, אין פּראָצעס פון אָרגאַניזירונג, דער בריטישער חוש פון אָרדענונג און דיסציפּלין; דאָס אידישע לעבן איז דאָרט פּונקט אַזוי אָרגאַניזירט ווי דאָס לעבן פון דער אַרומיקער באַפעלקערונג.

אין דרום־אַמעריקע קען וועגן אַזאַ השפּעה ניט זיין קיין רייד, ווייל די דאָרטיקע באַפעלקערונג צייכנט זיך גאָרניט אויס מיט אַ ספּעציעלן חוש פון דיסציפּלין; די אָרגאַניזירונג איז דאָ אַרויסגעוואַקסן פון דעם ווילן פון דער אידישער באַפעלקערונג צו דערהאַלטן איר נאַציאָנאַלן קיום. זי פּולסירט צוליב דעם אַ סך מער מיט לעבן, איידער אין די ענגליש־ריידנדע לענדער און זי איז אַ מאַסן־אָרגאַניזאַציע מיט אַלע אירע מעלות און חסרונות, מיט אַ סך קאָנפּערענצן און זיצונגען און פאַרזאַמלונגען און פון צייט־צו־צייט אויך קריגערייען. אַ ניט־געזעלשאַפטלעכער מענטש איז אַ זעלטנקייט אין דרום־אַמעריקאַנער אידישן לעבן. דאָ איז אויך אַרויסגעוואַקסן דער ספּעציעלער טיפּ פון אַ אידישן עסקן, וואָס ער און ניט דער באַאַמטער, ווי אין נאָרד־אַמעריקע אָדער אין די בריטישע לענדער, פירט אָן מיט די אינסטיטוציעס. ניט תמיד איז דאָס גוט פאַר די פּראַקטישע אינטערעסן פון דער זאַך, ווייל ניט תמיד האָט אַזאַ עסקן די אינטעליגענץ און די פאַכקענטעניש, וואָס איז נויטיק פאַר דער טאָג־טעגלעכער אַרבעט, אָבער אַ באַווייז איז דאָס פאַר דעם כח פון אידישן געזעלשאַפטלעכן לעבן אויף דעם דאָזיקן קאָנטינענט. צוליב דעם האָט זיך אויך אַנטוויקלט אין דרום־אַמעריקע — אין ערשטער ריי אין אַרגענטינע — פון דאָסניי דער אַלטער אייראָפּייאישער שטייגער פון אַ אידישער קהילה, וואָס נעמט אַרום דאָס גאַנצע געזעלשאַפטלעכע לעבן, איינשליסנדיק אויך פראַגן פון קולטור און דערציאונג, זייענדיק אָבער באַזירט אין דעם פאַל ניט אויף די פאָרשריפטן פון דער מאַכט, נאָר אויף דעם פרייען ווילן פון דער אידישער באַפעלקערונג.

פון וואַנעט נעמען אויך זיך די דאָזיקע אַזוי כאַראַקטעריסטישע סימנים פון דרום־אַמעריקאַנער אידישן לעבן? כדאי צו געבן אַ קלער וועגן דעם, ווייל אויך דאָס איז אַ אינטערעסאַנט קאַפּיטאַל אין אידישער סאָציאָלאָגיע. אודאי האָבן אויסערלעכע פאַקטאָרן געשפּילט דאָ ניט קיין קליינע ראָל. די לאַטיין־אַמעריקאַנער פעלקער צייכענען זיך אויס מיט זייער ספּעציעלער פּסיכאָלאָגיע און קולטור, וואָס איז אַמעטראַל פאַרשיידן פון די אַנגלאָ־זאַקסישע פעלקער. די קולטור פון לאַטיין־אַמעריקע הגם אויך הויך גענוג, לאָזט זיך ניט פאַרגלייכן מיט דעם עלטער און דער אינטענסיוויטעט פון דער אַנגלאָ־זאַקסישער, וואָס באַהערשט אַלץ, ניט מיט איר פיזישן כח, ווייל פון דעם האַלטן די אַנגאָ־זאַקסן ווייניק, נאָר מיט איר געוואַלטיקער אי־

נערלעכער פּאַטענץ. פּונקט פאַרקערט איז די פּאַטענץ פון דער לאַטיין־אַמעריקאַנער קולטור א קלענערע, אָבער דער יצר צו מאַכן פון איר די א יי נ צ י ק ע קולטור פון דער גאַנצער באַפעלקערונג, אפילו מיט געזעצלעכע אָדער אַדמיניסטראַטיווע צוואַנגס מיטלען, איז גאָר א גרויסער. די אידן האָבן אַלזאָ ריין פּסיכאָלאָגיש די פייאיקייט אָפּצוהיטן זייער אייגענע קולטור און אין ערשטער ריי טאַקע זייער אייגענע שפּראַך, בשעת די פּרוּוון צו צווינגען זיי מיט געוואַלד זיך צו באַנוצן נאָר מיט דער שפּראַך פון לאַנד, האָבן אויך דאָ ווי אין אַנדערע פאַלן, כמעט תמיד א קנאַפּע השפּעה.

אָבער א סך וויכטיקער איידער די דאָזיקע אויסערלעכע גורמים, זענען פונדעסטוועגן די וואָס וואַקסן ארויס פון אידישן לעבן. דער ערשטער צווישן זיי איז דער אָפּשטאַם פון די דרום־אַמעריקאַנער אידן. דער גרויסער רוב זייערער זענען מזרח־אייראָפּייאישע, אין די מייסטע פאַלן פּוילישע און בעסאַראַבישע אידן, וואָס האָבן מיטגעבראַכט מיט זיך די ספּעציפישע מענטאַליטעט פון יענעם ציבור און קודם כל די גרויסע גייסטיקע רירעוודיקייט און די געוואַלטיקע אידישע ליבשאַפט. אָבער ריידנדיק וועגן אָפּשטאַם דאַרפן מיר דערמאָנען נאָך צוויי אַנדערע סימנים, וואָס קענען אויסזען אביסל פאַנטאַסטיש אין ערשטן מאָמענט, אָבער שפּיגלען פונדעסטוועגן אָפּ אין ניט קיין קלײנער מאָס די ממשות'דיקע סיטואַציע. ערשטנס דאַרף דערמאָנט ווערן די גאָר אַלטע געשיכטע פון דרום־אַמעריקאַנער אידנטום, וואָס האָט זיך אָנגעהויבן אין אמת'ן ניט מיט א פּאָר יאָרצענדליקן, נאָר מיט א פּאָר יאָרהונדערטן צוריק, ווען עס האָבן זיך באַוויזן אויף דעם דרום־אַמעריקאַנער באָדן די ערשטע מאַראַנען. פיזיש איז פון זיי היינט קיין זכר ניט געבליבן און ניטאָ קיין דירעקטער צוזאַמענהאַנג צווישן זיי און דעם היינטיקן אידישן ציבור. דער ברוטאַלער כוח פון דער אינקוויזיציע האָט זיי דערגרייכט אויך דאָ. און די וואָס זענען ניט פאַרברענט געוואָרן אויף שייטערהויפנס, זענען פאַרשוואונדן אין גאַנצן אין דער ארומיקער באַפעלקערונג. אָבער אויב דער גוף פון די מאַראַנען איז ניט געבליבן, איז געבליבן זייער ג יי ס ט, דער שטאָלצער קעמפערישער אידישער גייסט, וואָס איז איבערגענומען געוואָרן דורך די נייע אידישע אימיגראַנטן.

פּונקט אזוי ניט באַוואוסטזיניק, אָבער אויך אזוי שטאַרק ווירקט, בפרט אין ארגענטינע, דער קאָלאָניסטישער אָפּשטאַם פון א גרויסן טייל פון דער אידישער באַפעלקערונג. די פּראַקטישע רעזולטאַטן פון דער אידישער קאָלאָניזאַציע זענען ניט קיין גרויסע און אַלץ מער און מער פאַרקלענערט זיך די באַפעלקערונג פון די דערפער. אָבער אויך דאָ איז געבליבן דער גייסט, ניט אומזיסט רעקרוטירט זיך א גרויסער טייל פון דער אידישער אינטעליגענץ אין ארגענטינע פון קאָלאָניסטישע זין; דער דאָקטאָר, צי דער אַדוואָקאַט אָדער דער שרייבער וואָס איז געבאָרן אָדער דערצויגן געוואָרן אין דער קאָלאָניע, וועט נאָר אין די סאַמע זעלטנסטע פאַלן אוועקגיין פון אידישקייט. דאָס איז חל אויך אויף טויזנטער און

צענדליקער טויזנטער, וואָס האָבן
אַמאָל געלעבט אין קאָלאָניעס אָדער
האָבן זיך לכל הפחות געפונען אונ־
טער זיין השפּעה. דאָס האָט אגב א
באַדייטונג ניט נאָר פאַרן אידישן
תוכן פון לעבן, נאָר אויך פאַר דער
צונויפגעבונדנקייט פון מענטש מיט
מענטש, די טיפע פויערשע סאָלידאַ־
ריטעט, וואָס דער דייטשער סאָציאָ־
לאָג פערדינאַנד טעניעס האָט אמאָל
געשריבן וועגן איר אין אָנהויב פון
יאָרהונדערט, זעענדיק אין איר איינע
פון די צוויי הויפּט פאָרמען פון
מענטשלעכן צוזאַמענלעבן, איז צו־
ליב דעם געבליבן כאַראַקטעריסטיש
פאַר גרויסע טיילן פון דרום־אַמערי־
קאַנער אידנטום, אויך ווען די מענטשן
זענען שוין אוועק פון דאָרט.

און נאָך איין מאָמענט שפּילט דאָ
א ראָל, הגם אויך ער איז ניט תמיד
גאַנץ קלאָר אין באַוואוסטזיין פון די
דרום־אַמעריקאַנער אידן: דאָס איז די
זאָרג פאַר זייער נאַציאָנאַלן קיום
און דער אומבאַדינגטער ווילן אים
אָפּצוהיטן ווי שווער עס זאָלן ניט
זיין די אויסערלעכע באַדינגונגען. די
אידן אין דרום־אַמעריקע זענען אַ
קליינער מיעוט אין דער באַפעלקע־
רונג און וועלן, זעט אויס, שוין ניט
ווערן גרעסער, זיכער ניט אין די
נאָענטע יאָרן. די אימיגראַציע האָט
זיך פּאַקטיש כמעט ווי אָפּגעשטעלט,
סיי צוליב דעם ווייל די לענדער
האָבן זיך פאַרמאַכט — בעיקר האָבן
זיי זיך פאַרמאַכט פאַר א י ד י ־
ש ע ר אימיגראַציע — און סיי
צוליב דעם ווייל די צאָל קאַנדידאַטן
איז היינט ניט קיין גרויסע; און די
נאַטירלעכע פאַרמערונג פון דער אידי־
שער באַפעלקערונג איז גאָר א קליי־
נע, א סך קלענער איידער פון דער
אַרומיקער באַפעלקערונג. אָן א גרוי־
סער און כסדר'דיקער אָנשפּאַרונג פון
נאַציאָנאַלן ווילן וועט זיך ביי
אַזעלכע באַדינגונגען ניט ראַטעווען
דער אידישער ק י ו ם . וועגן
ז ע ל ב ס ט ־ פ אַ ר ש ט ע נ ד ־
ל ע כ ק יי ט פון א אידיש לעבן,
ווי זי עקזיסטירט צווישן די מיליאָ־
נען נאָרד־אַמעריקאַנער אידן, ניט גע־
קוקט אויפן פּראָצעס פון זייער
שפּראַכלעכער און קולטור־אַסימילאַ־
ציע, קען אין דרום־אַמעריקע ניט
זיין קיין רייד, אפילו ניט אין אַר־
גענטינע. דאָס דערקלערט אונז אין א
גרויסער מאָס די אינטענסיווקייט פון
אידישן געפיל און אידישער געזעל־
שאַפטלעכער ארבעט, ניט נאָר אין די
רעלאַטיוו גרויסע, נאָר אויך אין די
סאַמע קלענסטע ישובים אויף דעם
דאָזיקן קאָנטינענט. דאָס וואָס די
קליינטשיקע אידישע קהילות אין באָ־
ליוויע אָדער אין פּערו טוען היינט
אויף, איז א סך מאָל איינציקאַרטיק
אין אידישן לעבן. זיי טוען דאָס ווייל
זיי ווייסן אָדער פילן אז א ניט וועט
אַלץ צוזאַמענברעכן. דאָס דערקלערט
אויך די שטאַרקע צונויפגעבונדנקייט
פון די אַלע ישובים סיי מיט ציוניזם
און סיי מיט דעם אידישן וועלט־
קאָנגרעס. ווייל קיין זעלבסט־פאַר־
שטענדלעכקייט פון אידישן קיום איז
ניט פאַראַן אין די דאָזיקע לענדער,
קומט די זעלבסטפאַרשטענדלעכקייט
פון זייער צונויפגעבונדנקייט מיט דעם
אָרגאַניזירטן אידישן פאָלק אין דער
וועלט.

אודאי איז די דיאַגנאָזע פון איצ־
טיקן ארטיקל חל נאָר אויף דער
איצטיקער שעה און נאָר אויף דעם

דערוואקסענעם אידישן דור. קיינער קען היינט קיין נביאות ניט זאָגן וועגן דעם וואָס וועלן ברייגנען די קומענדיקע יאָרן. פּונקט ווי עס איז שווער אַרויסצוזאָגן דעם ענטגילטיקן פּסק וועגן דעם יונגן דור וואָס וואקסט דאָ ארויס, אין א סך פאלן אָן אידישער דערציאונג און אָן אידישער סביבה. וועגן דעם שווערן, גאָר שווערן פּראָבלעם פון דער צווייטער אידישער גענעראציע, איז א סך שוין געשריבן געוואָרן און איך וועל זיך ניט אָפּשטעלן אויף אים אין מיין איצטיקן ארטיקל. לאָמיר דאָ נאָר אונטערשטרייכן, אז אויך אין דער דאָזיקער באַציאונג איז די סיטואציע אין דרום־אַמעריקע, ווי שווער זי זאָל ניט זיין אָביעקטיוו, א סך בעסער איידער אין די מייסטע אַנדערע לענדער און אז דער פּראָצענט פון דער ציוניסטיש אָרגאַניזירטער און בעיקר פון דער חלוצישער יוגנט איז דאָ אָן א שיער גרעסער, איידער אין נאָרד־אַמעריקע, הגם אויך ער איז ווייט ניט קיין גענוגנדער. דער הויפּט פּראָבלעם איז נאַטירלעך, ווי אַזוי זאָל מען אריבערפירן די מענטאַליטעט, וואָס איז ביז איצט געשילדערט געוואָרן, אויף דער יונגער גענעראַציע. דאָס איז אן ערשטקלאַסיקער דערציערישער פּראָבלעם, וואָס פאַרלאַנגט זייער א טיפן און זייער אחריות׳פולן אַנאַליז. איך וועל זיך אפשר אָפּשטעלן אויף אים א צווייט מאָל.

# *Industrias*
# HORMIGON CUBANO, S. A.

Se complace en ponerse a la disposición de los señores Propietarios, Arquitectos, Ingenieros y Contratistas, brindándoles su más completa cooperación técnica, en la fabricación y entrega de hormigón pre-mezclado.




*Industrias*
**HORMIGON CUBANO, S. A.**

Carretera de Rancho Boyeros, km. 3 Tel. I-8558

CALIDAD Y CANTIDAD
GARANTIZADAS

1H-3-52

# ימים נוראים

פון ז. ברושי

* * * *

דער יום טוב ראש השנה — ווי אויך יום כפור — האָט געשפּילט אַ וויכטיקע ראָל אין נאַציאָנאַל רעליגיעזן אידישן לעבן. ער האָט פאַרשטאַרקט דאָס אחדות געפיל ביים פאָלק, דערנענטערט יחיד צו יחיד און האָט געלערנט דעם איד, אז מאָראַליש איז ער פאַראַנטוואָרטלעך — ווי א טייל פון מענטש־לעכן מין — פאר די שלעכטס וואָס דער מענטש באַגייט לגבי זיין חבר. אין דעם טאָג פון „הרת עולם" — ביים געבורט פון דער וועלט — מאַכט דער איד א חשבון הנפש וועגן לעבן און תכלית פון באַשאַף. ער זעט: די וועלט האָט פּגימות, מען דאַרף זי מתקן זיין און אָנהויבן מוז מען פון זיך גופא: מאַכן דאָס לעבן טיפער און עטיש מאָראַלישער.

## דער נאָמען

די אור־שפּרון פון ראש השנה, זענען אומבאַקאַנט. אין חומש געפינען מיר צוויי שטעלן: „אין זיבעטן חודש אין ערשטן טאָג פון חודש זאָל זיין ביי אייך א רואונג, א דערמאָנונג דורך שאַלונג" — זכרון תרועה (ויקרא כג׳, כד׳), „און אין זיבעטן חודש אין ערשטן טאָג פון חודש זאָל זיין א הייליקע צונויפרופונג ביי אייך, א טאָג פון שאַלונג זאָל עס זיין — יום תרועה (במדבר כט׳, א). שפּע־טער האָבן די חכמי התלמוד א נאָמען געגעבן דעם טאָג „פון דערמאָנונג און שאַלונג" — ראש השנה.

אין תנ"ך ווערט ניסן באַצייכנט ווי דער ערשטער חודש אין יאָר, ווייל אין דעם חודש זענען אידן אויסגעלייזט געוואָרן פון מצרים. פון דעמאָלט אָן ווערן די חדשים געציילט לויט דער דאָזיקער אָרדענונג. תשרי איז בכן דער זי־בעטער חודש און אין אים פאַלט אוים ניי יאָר.

לויט אַ מסורה האָבן אידן זיך אומגעקערט אין דעם חודש פון בבל קיין ארץ ישראל. די אַ וויכטיקע געשעעניש האָט געמוזט פאַרהייליקט און אָפּגע־היט ווערן אין פאָלקס זכרון און מען האָט עס פאַרבונדן מיטן באַשאַף: נאַציאָ־נאַלע דערלייזונג מיט וועלט געבורט!

## יום הדין

אויב אין תשרי איז באַשאַפן געוואָרן די וועלט, האָט דער טאָג ניט גע־קענט זיין קיין געוויינלעכער. די רבנים האָבן דעריבער דערהויבן ראש השנה צום סימבאָל פון יום הדין. „ווען איז ראש השנה?" — פרעגט די פמליא של מעלה דעם רבונו של עולם.

— איך פרעגט מיך? לאָמיר בעסער פרעגן דעם בית הדין של מטה. ווען זיי אויף דער ערד וועלן אויסרופן דעם אָנקום פון ראש השנה, וועלן מיר, די דרי מעלה, באַשטימען א בית דין פאַרן יום הדין" (ירושלמי, ראש השנה, א).

## די הכנות

היות ווי ראש השנה איז אַ יום הדין האָט מען פאַרוואַנדלט דעם לעצטן חודש פון יאָר — אלול — אין א צייט פון תשובה טאָן. דאָס שופר בלאָזן יעדן טאָג אין די בתי מדרשים האָט באַצוועקט אויפצואוועקן דעם איד ער זאָל מפשפש במע־שים זיין, ער זאָל מאכן אַ שטיקל חשבון הנפש, וואַרפן אַ בליק אין דער איי־גענער נשמה און זען צי ער איז ריין מיט זיין אייגענעם געוויסן.

## תשובה

לויט דער רעליגיעזער אידישער אויפפאסונג איז תשובה איינע פון די העכסטע מדרגות, וואָס א בשר ודם קען דערגרייכן. וואָרום דורך איר באַווייזט דער מענטש, אז ער קען זיך אַרויסהויבן פון זיין מאָראַלישער ירידה, איז בכח זיך צו באַפרייען פון די בלינדע אינסטינקטן און אַרויפצווינגען אויף זיי זיין רצון. אויפן גרונט פון דער מענטשלעכער נשמה הויערן אוממאָראַלישע עלעמענטן, וואָס קענען זיך אַנטפּלעקן אין א גראָבער פאָרם. יעדער צדיק בפועל איז א רשע בכח און יעדער רשע בפועל איז א צדיק בכח. אָבער די טויערן פון תשובה זענען תמיד אָפן. דער זינדיקער איז קיינמאָל ניט קיין פאַרפאַלענער. אלע וועגן פירן צו גאָט דורך דעם מענטש.

## סליחות זאָגן

ווען די לעצטע וואָך פון חודש אלול דערנענטערט זיך, שטייט דער איד אויף באַגינען און גייט אין שוהל זאָגן סליחות.

סליחות זענען הארציקע תפילות, וואָס אידישע דענקער האָבן געשריבן מיט בלוט און טרערן. עס איז דאָס ליד פון אונזער פיין געטראָגן איבער דער גרויסער פיינטלעכער וועלט. אין דער נאכט שטילקייט הערט זיך דער שטומער וויטאָק פון נאַציאָנאַלן אומגליק, דער שטילער צער פון מענטשלעכן עלנט און אומבאַ־האָלפנקייט, וואָס האָט אָבער אין זיך גרויס רחמים און טרייסט.

**„...וואַרף אונז ניט אַוועק פון דיר**
**און דיין הייליקן גייסט טו ניט אָפּ פון אונז.**
**אויף דער עלטער פאַרלאָז אונז ניט,**
**ווען דער כוח אונזערער גייט אויס —**

דערווייטער זיך ניט פון אונז.
„...פרייד איז פון אונז פֿאַרטריבן,
אונזער שטרעבונג איז צו ניט געוואָרן,
אונזער גלאַנץ איז פֿאַרטונקלט.
אונזער בית המקדש — צעשטערט,
אונזערע פּאַלאַצן — פֿאַרוויסט,
די שיינע ערד אונזערע — אין פרעמדע הענט״.

(פון די תפילות)

## ראש השנה

נאָך א חודש הכנות קומט ראש השנה. דער איד ווייסט, אז ער מוז אָפּגעבן א חשבון פאר זיינע מעשים. ער קען גאָרניט פארלייקענען, ווייל דער ריכטער איז גאָט אַליין, וואָס איז א יודע מחשבות און ער משפט מיט גערעכטיקייט. יעדער איינער באגרייפט ווי נישטיק ער איז אויף דער ערד: „ווי אַ גראָז וואָס פארדארט, ווי א בלום וואָס וועלקט, ווי א שאָטן וואָס פליט אוועק, ווי א חלום וואָס פארשווינדט״. דאָס לעבן פון א איד איז נאָך מער אומזיכער. ער איז שוואַך ווי אַ מענטש און נאָך שוואַכער ווי אַ איד.

## דער מחזור

דער מחזור פון ראש השנה און יום כפור אַנטהאלט אַן אוצר פון תפילות אין וועלכע עס קומען צום אויסדרוק די פונדאַמענטאַלסטע מענטשלעכע און רעליגיעזע אידייען. עס ווייעט פון צווישן די שורות השתפכות הנפש און פילאָזאָפישע באַטראַכטונגען. זיי רופן אַרויס טיפע שטימונגען און מאָראַלישע מעדיטאַציעס. דאָ ווערט פייערלעך דערקלערט, אז אַלע מענטשן זענען קינדער פון גאָט.

„וואַרף דיין פחד איבער אלע דיינע מעשים,
און דיין אימה איבער אלץ וואָס דו האָסט באַשאפן,
און אַלע צומאָל זאָל ווערן אַ בונד,
אום צו טאָן דיין רצון מיט א גאַנץ האַרץ״.

(ובכן תן פחדך)

אין דעם יום הדין ווען דער איד איז מתפלל, אז דער מעכטיקער זאָל זיין רעכטפארטיק און דער רעכטפארטיקער זאָל זיין מעכטיק, פארגעסט ער ניט זיין באזונדער גורל צווישן די פעלקער. ער דערמאָנט זיך אין טאָג פון וועלט באַשאַף, אז זיין אידישע וועלט איז צעבראָכן. קען די וועלט באקומען א תיקון כל זמן זיין וועלט איז חרוב? קען אַ יחיד זיין גליקלעך ווען דאָס פאָלק צו וועלכן ער געהערט איז ניט פריי? קען אַ פאָלק זיין צופרידן ווען אַן אנדער פאָלק איז פארשקלאָפט? קען דער מענטש געניסן פון פרייד בעת זיין חבר שמאַכט אין הונגער? דעריבער טאקע קוואלט זיין געלייטערטע תפילה:

קער אום דעם כבוד צו דיין פאָלק,
שמחה צו דיין לאנד און פריידן צו דיין שטאָט,

**און זאָלסט אויסשפּראָצן די הערשאַפֿט פון דוד דיין קנעכט,**
**און אָנצינדן דאָס ליכט פון בן ישי — דיין געזאַלבטן.**
**און די רשעות וועט ווי אַ רויך פאַרשווינדן**
**ווען דו וועסט געוואַלט פאַרטיליקן פון דער ערד.**
**בלאָז מיט אַ גרויסן שופר און זאָג אָן אונזער דערלייז**
**און הייב אויף אַ פאָן צונויפקלייבן די פאַרטריבענע פון אונז.**
**נעם צוזאַמען אונזערע פאַרשטויסענע פון צווישן די פעלקער,**
**און אונזער פאַרשפרייט זאַמל איין פון אלע עקן וועלט,**
**און ברענג אונז אין ציון דיין שטאָט מיט געזאַנג,**
**און צו ירושלים — וואו דיין בית המקדש איז — מיט אַן**
**אייביקער פרייד".**
(תקע בשופר גדול)

## ניי יאָר וואונטשן

די טראַדיציאָנעלע ברכה „לשנה טובה תכתבו" איז באַזירט אויפן תל־מוד: „ר' יוחנן האָט געזאָגט: דריי ספרים ווערן אויפגעעפנט ראש השנה — איינער פון די פולשטענדיקע רשעים, איינער פון די פולשטענדיקע צדיקים און איינער פון די מיטלמעסיקע. די פולשטענדיקע צדיקים ווערן פאַרשריבן און גע־חתמ'ט גלייך אויפן אָרט צום לעבן, די פולשטענדיקע רשעים ווערן פאַר־שריבן און גע'חתמע'ט באַלד צום טויט און אויף די מיטלמעסיקע וואַרט מען ביז יום כפור".

(ראש השנה, טז)

## דאָס שופר בלאָזן

חכמים און מקובלים האָבן פאַרשידנאַרטיק געפּרואווט דערקלערן די כוונה פון שופר בלאָזן. ר' סעדיה גאון אַליין גיט אָן צען מאָטיוון צווישן זיי געפינען מיר די פאָלגנדיקע פיר:

א. היות ווי ראש השנה איז דער טאָג פון באַשאַף און גאָט איז גע־וואָרן מלך אויף דער וועלט, און דער שטייגער פון מלכים איז מכריז צו זיין ווען זייער מלכות מיט האָרנס און טרומייטן.

ב. אין אָנדיינק פון עקידת יצחק.

ג. דער שופר דערמאָנט אונז חורבן ירושלים.

ד. משיח וועט מיטן האָרן אָנזאָגן וועגן גאולת ישראל.

## יום כפור

דער הויך פּונקט פון די עשרת ימי תשובה איז יום כפור, וואָס פאַלט אויס דעם 10־טן טאָג אין חודש תשרי און ווערט באַצייכנט אין דער תורה מיט „שבת שבתון". יום כפור מיינט: דער טאָג פון פאַרגעבן, פון מוחל זיין די זינד.

## זינד

פילאָזאָפן און פסיכאָלאָגן זענען אין דער מיינונג, אז איטלעכער מענטש איז באַהערשט פון צוויי קעגנערישע כוחות: דער אימפּולס צו טאָן גוטס און דער אימפּולס צו טאָן שלעכטס. די חכמי התלמוד האָבן די ביידע כוחות באַצייכנט מיט די ווערטער יצר טוב ויצר רע, צווישן וועלכע עס קומט פאָר אַ געראַנגל. דער מענטש איז מחויב צו העלפן דעם יצר טוב. אָבער אַ מענטש איז דאָך מער ניט ווי אַ מענטש, ער האָט זיינע שוואַכקייטן, ליידנשאַפטן, שטימונגען. ניט תמיד קען מען זיך אָפּהיטן פון די אויסגעשפּרייטע נעצן און מיר פאַלן אריין...

## חרטה

חרטה אַליין איז ניט גענוג. ס׳פאָדערט זיך תשובה — זיך אומקערן פון פאַלשן וועג און דורך מעשים זיך באַנייען. פאַר אַ פרומען איד איז יעדער טאָג אַ יום הדין, אין וועלכן ער מאַכט אַ חשבון הנפש צי ער לעבט וועדליק די פאָרשריפטן פון דער אידישער מאָראַל — די תורה. אָבער פאַרן רוב פון פאָלק איז באַשטימט געוואָרן אַ טאָג אין יאָר פאַר דעם קאָלעקטיוון חשבון הנפש.

## עבירות שבין אדם למקום ובין אדם לחברו

עבירות ווערן איינגעטיילט אין צוויי טיילן: לגבי גאָט און לגבי אונזער מיט־מענטש. די חכמים — וואָס האָבן אין יעדן רעליגיעזן צערעמאָניאַל תמיד אונטערגעשטראָכן דעם סאָציאַלן, מאָראַלישן און מענטשלעכן עלעמענט — האַלטן אז יום כפור איז מכפר אויף רעליגיעזע זינד. אויב אָבער מיר האָבן עמיצן באַליידיקט, אָפּגענאַרט, באַרויבט, פאַרפאָלגט — מוזן מיר זיך אַנטשולדיקן, בעטן מחילה. אין אונזערע אַלטע ספרים געפינען מיר אַזאַ אויסטייטש: אין פאַל פון רעליגיעזע עבירות איז גאָט דער באַשולדיקער און ריכטער. ער קען זיין מילד און מוחל זיין. אין פאַל פון אַן אומרעכט וואָס איינער איז באַגאַנגען לגבי אַ צווייטן איז גאָט בלויז דער ריכטער. אויב דער ריכטער וועט זיין גענאַדיק און מילד וועט זיין משפט ניט זיין יושר׳דיק לגבי דעם באַ׳עוולה׳טן.

## דער תענית

דער תענית איז באַשטימט געוואָרן ווי אַ פּרואוו שטיין פון זעלבסטבאַהערשט: דער מענטש זאָל קענען גובר זיין מיט זיין רצון דעם פיזישן באַראַנג צו עסן און טרינקען. אָבער כדי דער תענית זאָל ניט שלעכט אויסגעטייטשט ווערן פון פאָלק, ווי אויך די תפילה זאָל ניט ווערן אַ מצוות אנשים מלומדה, האָבן תמיד אונזערע חכמים געלערנט, אז תענית, תפילה און חרטה האָבן ניט קיין האַפט אויב זיי ווערן ניט באַגלייט דורך מעשים טובים. ס׳מבאָליק און ריטואַל מוזן פאַרקערפּערט ווערן אין ממשות׳דיקע ווערטן. דער וועג צו גאָט — צו אַ מאָראַליש לעבן — פירט דורך דעם מענטש.

אין דעם טאָג וואָס מיר בעטן מחילה ביי גאָט מוזן מיר אויך מוחל זיין

פאר די עוולות וואָס זענען באגאנגען געוואָרן צו אונז. מיר דאַרפן עס אַרויס־רייסן פון האַרץ און פאַרגעסן. מיר דאַרפן פאַרשטיין מענטשלעכע שוואַכקייטן, און פאַרשטיין הייסט מוחל זיין. די תורה האָט אונז אָנגעזאָגט: „דו זאָלסט ניט האַסן דיין חבר אין דיין האַרץ" (ויקרא י"ט, י"ז) עס איז גוט, אז מען האָט ניט קיין שונאים אָבער ס'איז אפשר ערגער צו זיין א שונא און האַסן אונזער מיט־מענטש. דאָס געפיל פון שנאה פאַר'סמ'ט אונזערע נאָבעלע געפילן.

## כל נדרי

ערב יום כפור. אין דער אידישער היים הערשט א הייליקע פייערלעכקייט. טרערן אויסגעמישט מיט פרייד. טאַטע־מאַמע זענען נאָרוואָס געקומען פון מנחה, זיך מתוודה געווען מיט א געבראָכן געמיט. די קערות פאר פארשיידענע צדקות, די באַזונדערע קערה פאר ישוב ארץ ישראל — דאָס זענען געווען סימבאָלן, וואָס האָבן געדעגט די פאַנטאַזיע פון אידישן קינד. איצט זיצט מען ביי דער סעודה המפסקת. איטלעכער איז שטיל פארטראַכט. מען פארשטייט זיך אויפן וואונק. די טריט געמאָסטן, די ווערטער — געוואויגן. זיי ווערן אַרויסגעשעפּטשעט מיט צאַרטקייט. איטלעכער איז פאַרנומען מיט זיינע מחשבות. מען דערוואַרט דעם הייליקסטן טאָג, אין וועלכן עס ווערט באַשטימט דער גורל פון אַלע באַשעפענישן. וועט די גאַנצע משפּחה איבעראַיאָר אויך זיצן צוזאמען ביי איין טיש? דאָס לעבן אין גלות האָט נאָך שאַרפער געמאַכט די דאָזיקע אומעטיקע געדאַנקען. וועט מען ניט דאַרפן נעמען דעם וואַנדער שטאָק און זיך לאָזן אויפן וואָגל וועג צו זוכן א שטיקל נייעם מקום מקלט?

די סעודה המפסקת איז געענדיקט. טאַטע־מאַמע צוקושן זיך מיט די קינדער, מ'בענטשט זיי, אז זיי זאָלן זיך אויסבעטן א גוט יאָר. מען געזעגנט זיך מיט שכנים און מען בעט מחילה, דערביי ווערן פאַרגאָסן הייסע טרערן.

די לעצטע זונען שטראַלן פאַלן אויף די בוימער, אין די פענסטער, און מישן זיך אוים מיט דעם שטילן שיין פון די לאַנגע וועקסענע ליכט. אידן שטייען איינגעוויקלט אין טלית און קיטל און מ'זאָגט שטיל די „תפילה זכה". פון ארון קודש ווערן אַרויסגענומען אַלע ספרי תורה'ס. דער חזן מיט די זקני העיר מאַכן הקפות אַרום דער בימה זאָגנדיק דערביי: „א ליכט איז אויסגעשפּרייט פאַרן צדיק און פאר די גראַד האַרציקע פריידן". די דיינים זאָגן דריי מאָל: על דעת המקום — אין נאָמען פון גאָט און אין נאָמען פון דער עדה, מיט דעם צושטים פון בית דין של מעלה און מיט דעם צושטים פון בית דין של מטה זענען מיר מתיר מתפלל צו זיין מיט די אַלע וואָס זענען עובר אויפן געזעץ". נאָכדעם זאָגט מען דריי מאָל „כל נדרי".

די דאָזיקע תפילה אָדער ריכטיקער: עפּנטלעכער דערקלער איז געשריבן אין אַראַמיש. אין דעם סידור פון ר' עמרם איז זי פאַרפאַסט אין העברייאיש: כל נדרין ואיסורין ושבועות... דער אינהאַלט פון כל נדרי איז, אז אַלע נדרים, שבועות אָדער צוזאָגן וואָס א איד האָט גענומען אויף זיך זאָלן ווערן בטל.

ס'איז ניט אינגאנצן קלאָר דער מקור פון דעם דאָזיקן דערקלער. ווייל ווי אזוי האָט מען עס דערלויבט אין אזא הייליקן טאָג זיך צו באַציען מיט אזא לייכטזיניקייט צום אייגענעם וואָרט און לכתחילה אנולירן אַ נדר וואָס מען האָט בדעה צו טאָן אין משך פון קומענדיקן יאָר? די גאונים ר' נטרונאי, ר' האי און דער כלבו האלטן, אז מען דאַרף בכלל ניט זאָגן כל נדרי. ביי ר' עמרם גאון איז דער נוסח אַזוי: **מיום כפורים שעבר עד היום הכפורים הזה הבא עלינו".**

די אָנגענומענע מיינונג איז, אז כל נדרי איז אנטשטאַנען אין באַזונדערע שווערע אומשטענדן פארן אידישן פאָלק. אין די קריסטלעכע לענדער זענען אידן געוואָרן געצוואונגען זיך אָפּצוזאָגן עפנטלעך פון אידישקייט. אין געהיים זענען זיי געבליבן אידן. יום כפור זענען די דאָזיקע מאַראַנען דערשינען אין די געהיימע קעלערן וואו מען פלעגט אָפּריכטן די תפילות צוזאמען מיט אַי־בעריקע אידן, וואָס זענען געבליבן ביי דער אידישער אמונה. עס איז אויפגע־קומען א געוויסן פראגע: צי דערלויבן די דאָזיקע עברינים זיך אָנשליסן אין כלל? אָדער מוזן מיר זיך תמיד האלטן ביי דער נאָרמע פון „יהרג ואל יעבור"? דער רב און די דיינים האָבן דערקלערט, אז אידן וואָס האָבן אונטערן צוואַנג אָנגענומען אַן אַנדער גלויבן קען מען יאָ מצרף זיין צום כלל ישראל.

אַ באַזונדער כח פאַרמאָגט דער ניגון פון „כל נדרי". ווער עס האָט אים אַמאָל געהערט וועט אים ניט פארגעסן, אידן וואָס זענען שוין געווען ווייט פון אידישקייט, משומדים און קאַנטאָניסטן — די אידישע קליינע קינדער, וואָס מען האָט פארשיקט פאַר סאָלדאַטן אין רוסלאַנד אָנהויב 19־טן יאָרהונדערט — האָבן דורכן ניגון פון כל נדרי אָדער פון קול שופר זיך דער־מאָנט זייער פאַרגאַנגענהייט און געפונען דעם וועג צוריק.

## נעילה

די לעצטע זונען שטראַלן וואַרפן אַ מאַטן אָפּשיין אויף די פארבלייכטע פּנימער פון די מתפללים. דער ארון קודש איז אָפן. א גאנצע עדה אידן שטייט און איז מתפלל, אז גאָט זאָל ניט שליסן די טויערן פון רחמים. עס איז א שטימונגספולע שעה. און אָט שטייגט אויף די תפילה:

**ס'ברויזט אויף דאָס האַרץ אין מיר, ווען איך דערמאָן מיין גאָט,**
**כ'זע אויפגעריכט און שטאָלץ און רייך איז יעדע שטאָט;**
**נאָר דיין שטאָט ליגט אין אָפּגרונט טיף, אין טיפן שטויב,**
**און דאָך, אויף דיר נאָר קוק איך אויס און האָף און גלויב...**

ס'הערט זיך דער לעצטער בלאָז פון שופר. דער איד פּראָקלאַמירט אחדות הבורא און פארענדיקט מיט לשנה הבאה בירושלים. מיט א באַנייטן מוט און מיט אַ ריין האַרץ טרעט ער אַריין אין דעם נייעם יאָר.

# וועגן דער פּרעסע אין ישׂראל

פון **שמחה גינוסר**

די העברייאישע פּרעסע אין א"י הויבט אָן איר געשיכטע מיט דער דערשיינונג פון „הלבנון" צוריק מיט איבער 90 יאָר. דער „הלבנון" האָט זיך באַצייכנט: „במקשר שלום ירוש־לים משמיע חדשות מהארץ הקדושה בכללה מודיע נעלמות — — — וכל דבר אשר ישתוקק איש ישראל לדע־תו" (אלס פאַרבינדער (מיטן גאַנצן פאָלק) איבערן וואוילזיין פון ירוש־לים, מאַכט הערן נייעס פון הייליקן לאַנד אין אַלגעמיין, מעלדעט אומבאַ־קאַנטהייטן און יעדע זאַך וואָס א איד גלוסט צו וויסן"). אָבער דער „הלבנון" איז ניט געווען קיין טעגלע־כע צייטונג און אויך זיין ערשטער זייט האָט זיך געזאָגט: „יוצא לאור, לע"ע, פּעם אחת בחודש וכל איש אשר יחפוץ לאספו אל תוך ביתו, לדעת משלום ירושלים יוכל להשיגו על ידי כל פּאָסטאַמט" (דערשיינט צייטווייליק, איינמאָל אין מאָנאַט און יעדער מענטש וואָס וועט אים וועלן אַריינגעמען צו (האָבן ביי) זיך אין שטוב כדי צו וויסן וועגן וואוילזיין פון ירושלים וועט אים קענען קריגן דורך יעדן פּאָסטאַמט"). אין די באַ־דינגונגען פון יענע צייטן אין ירוש־לים, איז דער עצם דערשיינונג פון דעם „הלבנון" געווען א גרויסע נייעס, און אויך א וויכטיקער פאַק־טאָר פאַר דער פּראָפעסיאָנעלער און עקאָנאָמישער אַנטוויקלונג פון דער שטאָט.

זייט דער דערשיינונג פון „הלבנון" ביז היינט איז פיל וואַסער געפלאָסן אין ירדן...

אין ישראל דערשיינען היינט 20 טעגלעכע צייטונגען, 46 וואָכן בלע־טער, און מער ווי 200 פּעריאָדישע אויסגאַבן, פון זיי די מערהייט מאָ־נאַט־שריפטן און דריי - מאָנאַט שריפטן, און א צאָל צוויי און דריי טעגלעכע צייטונגען אין אידיש, פּוי־ליש, פראַנצויזיש און אַנד. שפּראַכן. די צאָל פון די לעצטע צייטונגען איז דעם שרייבער פון די שורות ניט באַקאַנט.

אין דעם קורצן אַרטיקל און זייענ־דיק ווייט פון די קוועלן וועט זיך נאָר ריידן וועגן דער טעגלעכער פּרעסע און דאָס אויך נאָר זייער קורץ.

די אַנטוויקלונג פון דער העברייאי־שער טעגלעכער פּרעסע הויבט זיך אָן באַלד נאָכן ערשטן וועלט קריג מיט דער דערשיינונג פון „חדשות מהארץ" אונטער דער רעדאַקציע פון ב. בינה, אַרויסגעגעבן דורך דער ענג־לישער אַרמיי הויפּט קוואַרטיר אין קאַירא, מיט זאַץ און אַרבעטער וואָס זענען געבראַכט געוואָרן פון א"י. אין

יוני 1919 איז די צייטונג אריבערגעפירט געווארן קיין ירושלים און גענענדערט איר נאמען אויף „חדשות הארץ" (אן דער באטייליקונג פון דער ענגלישער הויפט קאמאנדאטור...) און שפעטער אויף „הארץ". (עס איז כדאי צוגעבן, אז אין דעם נאמען פון דער צייטונג און אין זיינע ענדערונגען איז איינגעוויקלט א טייל פון לאנגן און היסטארישן געראנגל פון דער ציוניסטישער באוועגונג און א"י ישוב מיט דער ענגלישער מאכט וועגן דעם גורל פון א"י. די אידישע פירנדע אינסטאנצן אין א"י האבן געוואלט פון אנפאנג, אז די צייטונג זאל זיך רופן „ארץ ישראל". די ענגלענדער האבן אין דעם געזען א פאליטישע געפאר... די ענדערונגען אין נאמען פון דער צייטונג שטעלן מיט זיך פאר דעם פערמאנענטן געראנגל קעגן דער ענגלישער מיליטערישער מאכט, וואס האט געהערשט אין א"י ביזן יאר 1922, און דאן אויך קעגן דער ענגלישער „ציווילער" מאנדאטארישער מאכט ביזן 14־טן מאי 1948...)

א טייל פון די ערשטע דרוק־ארבעטער און זעצער פון „הארץ" ארבעטן אין דער צייטונג זייט איר ערשטער גרינדונג אונטערן נאמען „חדשות מהארץ" ביזן היינטיקן טאג.

די טעכנישע באדינגונגען פארן ארויסגעבן א העברייאישע צייטונג אין ארץ ישראל גלייך נאכן ערשטן וועלט קריג זענען געווען שרעקלעך שווערע. עס האבן געפעלט פאסיקע מאשינען און אפילו קיין פאסיקער זאץ האט זיך נאך דאן ניט געפונען. די ערשטע דרוק מאשין פאר דער צייטונג האט מען אפגעקויפט פון א גריכישן מאנאסטיר. די דרוק מאשין האט ניט געהאט קיין מעכאנישן און ניט קיין עלעקטרישן מאטאר. די ראד פון מאשין האט מען געדרייט מיט דער האנט... און כדי דער „דרייער" זאל ניט פאלן פון די פיס, האבן אים פון צייט צו צייט פארביטן די האנטזעצער און אפילו די רעדאקציע מיטגלידער... יעדן צייטונגס בויגן האט מען געמוזט אריינלאזן אין מאשין מיט די הענט, און אויף דער גאס, לעבן רעדאקציע, זענען געשטאנען הונדערטער מענטשן און געדולדיק געווארט אויף דער געלעגנהייט צו „כאפן" א צייטונג. דאס דרוקן די צייטונג האט געדויערט 4 שטונדן! און יעדע „קעפל" אין דער צייטונג, צוליב דעם וואס עס איז נאך ניט געווען קיין צינקאגראפיע אין לאנד, האט מען געמוזט האבן אויסגעשניצט אין האלץ.

היינט האט ישראל, ווי געזאגט, 20 טעגלעכע צייטונגען, פון זיי 17 פרימארגן צייטונגען און 3 אוונט צייטונגען. צווישן די פרימארגן צייטונגען זענען פאראן 11 אין העברייאיש און 6 אין אנדערע שפראכן. די אוונט צייטונגען זענען אלע אין העברייאיש. די מארגן צייטונגען זענען: (לויט זייער טיראזש) „דבר", „הארץ", „אומר", „הבוקר", „על המשמר", „הצפה", „חרות, „קול העם", „המודיע", „שערים", „הקול". די העברייאישע אוונט צייטונגען זענען (לויט זייער טיראזש): „מעריב", „ידיעות אחרונות", „הדור". די זעקס פרעמד שפראכיקע צייטונגען זענען: „יערוזאלעם פאסט" (ענגליש), „ידיעות חדשות" (דייטש), „ידיעות היום" (דייטש), „אוי קעלעט" (אונגאריש),

„ל'עקו ד'ישראל" (פראנצויזיש), „אל יום" (אראביש). אין אידיש זענען פאַראַן צוויי צייטונגען, וועלכע דערשיינען אָבער ניט טעגלעך נאָר דריי מאָל א וואָך („לעצטע נייעס" און „אונזער היינט") ווייל זיי האָבן ניט גענוג לעזער.

אַלע צוואַנציק טעגלעכע צייטונגען ווערן פאַרקויפט טעגלעך צוזאַמען אין דריי הונדערט טויזנט עקזעמפּלאַרן, אומגעפער. פון די 300.000 טעגלעכע געקויפטע צייטונגען זענען 240.000 אין העברייאיש און א 60.000 אין פאַרשיידענע פרעמדע שפּראַכן.

דעם גרעסטן טיראַזש האָט די אָוונט צייטונג „מעריב": א 48-45 טויזנט אין די וואָכן טעג און א 60-55 טויזנט, ערב־שבת און ערב די ימים טובים. דעם קלענסטן טיראַזש פון די דריי אָוונט צייטונגען האָט „הדור" מיט 10.000 טעגלעך פאַרקויפטע קאָפּיעס.

צווישן די פרימאָרגן צייטונגען האָט דאָס ערשטע אָרט דער „דבר" מיט א — 40.000 קאָפּיעס און דאָס צווייטע אָרט פאַרנעמט דער „הארץ" מיט כמעט דעם זעלבן טיראַזש און ערב־שבת און ערב־יום־טוב, מיט אַפילו א גרעסערן טיראַזש פון „דבר". דער „דבר" האָט אַ גרעסערע צאָל אַבאָנענטן פון „הארץ", אָבער דער „הארץ" ווערט פיל מער פאַרקויפט אין די קיאָסקן.

דאָס לעצטע אָרט צווישן די פרימאָרגן - צייטונגען פאַרנעמט דער „הקול" מיט אומגעפער 1.000 קאָפּיעס א טאָג.

דער דורכשניט פון די צייטונגען אין ישראל אין הינזיכט פון טיראַזש איז אומגעפער 15.000 קאָפּיעס, אָבער די מערהייט צייטונגען דערגרייכן אַפילו ניט דעם דורכשניט.

העכער פון אויבנדערמאָנטן דורכשניט האָבן: „דבר", „הארץ", „הדור", „הבקר", „על המשמר" — פון די העברייאישע פרימאָרגן צייטונגען, און „מעריב", „ידיעות אחרונות" — פון די אָוונט צייטונגען.

פון די פרעמד שפּראַכיקע צייטונגען האָבן העכער פון דעם דורכשניטס טיראַזש: „יערוזאַלעם פּאָסט" (ענגליש — 25.000 טעגלעך פאַרקויפטע קאָפּיעס) און „ידיעות חדשות" (דייטש — מיט 18.000 טעגלעך פאַרקויפטע קאָפּיעס).

דעם קלענסטן טיראַזש צווישן די פרעמד שפּראַכיקע צייטונגען האָט די פראַנצויזישע צייטונג „ל'עקו ד'ישראל" מיט 1.500 טעגלעכע קאָפּיעס. די אַראַבישע צייטונג „אל יום" שטייט פאַר לעצטן אָרט צווישן די ניט העברייאישע צייטונגען מיט 6.500 טעגלעך פאַרקויפטע קאָפּיעס. „אל יום" ווערט געלעזן דורך אַראַבער אָבער אויך דורך א טייל אָריענטאַלע אידן. א טייל אַראַבער לייענען העברייאישע צייטונגען. די פרעמד שפּראַכיקע פרעסע געפינט זיך אין א שטענדיקן מצב פון אַרונטערגאַנג. פון די 20 טעגלעכע צייטונגען דערשיינען 17 אין תל אביב און דריי („יערוזאַלעם פּאָסט", „המודיע" און „הקול") אין ירושלים.

א טייל פון די צייטונגען אין ישראל געהערן צו פּאָליטישע פּאַרטייען אָדער צו געזעלשאַפטלעכע קערפּערשאַפטן און א טייל געפינען זיך אין פּריוואַטן באַזיץ.

„דבר“ איז דער אָרגאַן פון דער „הסתדרות“.

„הארץ“, איז א פּריוואַטע צייטונג, געהערט צו דער שאָקען פאַמיליע, און ווערט באַטראַכט ווי דער ישראל „טיימס“...

„אומר“ — ווערט אַרויסגעגעבן דורך דער הסתדרות, מיט נקודות, ווערט געדרוקט אין „דבר“ און איז ספּעציעל געמאַכט פאַר די נייע עו־לים און פאַר אַלע די וואָס קענען נאָך ניט גוט העברייאיש.

„הבקר“ איז דער אָרגאַן פון דער פּאַרטיי: „צענטרום — אַלגעמיינע ציוניסטן“.

„על המשמר“ איז דער אָרגאַן פון „מפּ“ם.

„הצפה“ איז דער אָרגאַן פון „מזרחי“ און „הפועל המזרחי“.

„חרות“ איז דער אָרגאַן פון דער חרות פּאַרטיי.

„קול העם“ איז דער אָרגאַן פון דער קאָמוניסטישער פּאַרטיי אין ישראל, איר טיראַזש 0.9% פון דער גאַנצער טעגלעכער פּרעסע אין יש־ראל.

„המודיע“ איז דער אָרגאַן פון „אגודת ישראל“ (הרב יצחק מאיר לעווינ׳ס טייל).

„שערים“ איז דער אָרגאַן פון „פועלי אגודת ישראל“.

„הקול“ איז דער אָרגאַן פון א שפּליטער גרופּע פון „אגודת ישראל“ אין ירושלים.

„מעריב“ איז א פּריוואַטע צייטונג, געהערט צו א קאָאָפּעראַטיוו פון זשור־נאַליסטן און דרוק אַרבעטער, ווערט רעדאַגירט פון דר. עזריאל קאַרל־באַך, האָט ניט קיין באַשטימטע ליניע און ענדערט אָפט אירע מיינונגען און שטעלונגען אין פאַרשיידענע פראַגן.

„ידיעות אחרונות“ — געהערט צו דער פאַמיליע מאָזעס, און אין איר איינשטעלונג איז זי ענלעך צו „מע־ריב“.

„הדור“ איז דער אָרגאַן פון מפּא“י. דערוויי מוז מען אָבער גע־דיינקען, אז מפּא“י איז אן אבסאָלו־טע מערהייט אין „הסתדרות“ און „דבר“ איז דער אָרגאַן פון דער „הסתדרות“.

אַלע פרעמד שפּראַכיקע טעגלעכע צייטונגען, מיטן אויסנאַם פון „יע־רוזאַלעם פּאָסט“ און „אל יום“, זע־נען פּריוואַטע צייטונגען. „אל יום“ ווערט אַרויסגעגעבן מיט דער הילף פון דער „הסתדרות“ און „יערוזאַ־לעם פּאָסט“ ווערט באַטראַכט אין א גרויסער מאָס ווי א מפּא“י צייטונג, כאָטש זי געהערט נים צו מפּא“י, נאָר צו א געזעלשאַפט, וועמענס מערהייט אקציעס געהערן צו פאַרשיידענע „הסתדרות“ קערפּערשאַפטן. דער גרינדער פון דער צייטונג איז גרשון אגרון וועלכער רעדאַגירט זי ביז היינט.

די גרעסערע העברייאישע צייטונ־גען פאַרעפנטלעכן אויך פיל אַנדערע אויסגאַבן.

אַזוי למשל ווערן געדרוקט אין „דבר“: „אומר“, „דבר לילדים“, „דבר השבוע“, „דבר הפועלת“, „במחנה“, ביכער א. א. וו.

אין „הארץ“: „הארץ שלנו“ (א קינדער וואָכן בלאַט), ביכער א. א. וו.

אין „על המשמר“ — „על המשמר לילדים“, אַנדערע וואָכן בלעטער און ביכער.

אין „הבקר" — „הבקר לילדים",
און אַנדערע פּריוואַטע דרוק אַרבעטן.
אין „הצפה" — „הצפה לילדים",
און ביכער.

די גרעסערע צייטונגען האָבן גרויי־סע דרוקעריייען און דרוקן אויך פיל פּריוואַטע אַרבעטן און ביכער.

אין פאַרגלייך מיט 30 יאָר צוריק איז די ישראל פּרעסע וואונדערבאַר אויסגעשטאַט. פיל פון די צייטונגען האָבן די מאָדערנסטע און בעסטע מאַשינען און אַ טייל אויך אייגענע געביידעס. אַזוי למשל האָט „דבר" אַ גרויסע געביידע פון דריי שטאָק, מיט די מאָדערנסטע איינריכטונגען: גוטע ליכט פאַר די אַרבעטער, און אַ עס זאַל שוין איינגעאָרדנט, טישן, גוטע פּלע־צער פאַר בייטן די קליידער א. א. וו. אויך „הארץ" האָט אַן אייגענעם בנין מיט די מאָדערנסטע איינריכטונגען.

די גרעסערע צייטונגען זענען איינ־געריכטעט מיט די בעסטע און מאָ־דערנסטע לינאָטיפּן, אונטערטיפּן, פלאַכע דרוק מאַשינען, דופּלעקסן, ר אָ ט א צ י אָ נ ס מאַשינען, וואָס דרוקן 30.000 קאָפּיעס פון דער צייטונג אין איין שעה, — מאָנאָ־טיפּן, לאַדלאָו מאַשינען, אַפּסעט מאַשינען, הידראַלישע פּרעסן א. א. וו.

כמעט אַלע גרעסערע צייטונגען (מאָרגן און אָוונט צייטונגען) האָבן אייגענע טעלעפּרינטער אין ירושלים, חיפה און תל אביב און די ידיעות ווערן איבערגעגעבן פון אָרט צו אָרט מיט דער גרעסטער שנעלקייט, ממש אין משך פון סעקונדן. אַזוי למשל זיצט דער מיטאַרבעטער פון אַ צייי־טונג אין ירושלים'ער אָפיס און שרייבט אויף דעם טעלעפּרינטער ווי אויף אַ שרייב מאַשינקע און די ידיעות קומען אַרויס אין דער הויפּט רעדאַקציע פון דער צייטונג אין תל אביב אויף אַ שמאָל פּאַפּיר, אַזוי ווי אין טעלעגראַף.

אַלע צייטונגען האָבן קאָרעספּאָנ־דענטן איבערן גאַנצן לאַנד און אויך אין די וויכטיקע צענטערן פון דער וועלט, ווי: ניו יאָרק, וואַשינגטאָן, לאָנדאָן, פּאַריז א. א. וו. אַלע צייי־טונגען קריגן די ביולעטינען פון „יונייטעד פּרעס", „אַסאָסייטעד פּרעס", „איטאַ", „רויטערס, פראַנצויי־זישע טעלעגראַפן אַגענטור, און אחרון אחרון פון עתי"ם, — אַ ישראל נייעס אַגענטור וועלכע געהערט צו די צייי־טונגען אַליין און אַרבעט אויף דעם זעלבן סיסטעם ווי „יונייטעד פּרעס", כאָטש זי „דעקט" דערווייל נאָר יש־ראל אַליין.

היינט האָבן „דבר", „הארץ", און די אַנדערע גרעסערע צייטונגען די מעגלעכקייט דרוקן 30.000 קאָפּיעס פון זייער צייטונג אין איין שעה... און דערפאַר קען דער נאַכט רעדאַק־טאָר „שליסן" די צייטונג אַזוי שפּעט ווי 2 אַזייגער פאַרטאָג, און ערשט דאַן זי לאָזן אין די דרוק מאַשינען...

„דבר" באַשעפטיקט 270 מענטשן, פון זיי 92 אין רעדאַקציע איבערן גאַנצן לאַנד און די אַנדערע אין אַד־מיניסטראַציע א. א. וו.

„הארץ" באַשעפטיקט 242 מענטשן פון זיי 77 אין רעדאַקציע איבערן גאַנצן לאַנד.

„הדור" — 179 (74 אין רעדאַק־ציע.)

„יערוזאַלעם פּאָסט" 143 — (51 אין רעדאַקציע).

„ידיעות אחרונות" 124 (71 אין רעדאקציע).
„הצפה" 106 (39 אין רעדאקציע).
„חרות" 93 (44 אין רעדאקציע).
„מעריב" 87 (53 אין רעדאקציע).

ישראל רעכנט זיך פאר א זייער אנטוויקלט לאנד אויפן געביט פון צייטונגס וועזן. עס האט אויך פאר־העלטניסמעסיק א גאר הויכן פראַצענט פון צייטונגס לעזער. ווען מען געדיינקט, אז ישראל האט א באַפעלקערונג פון 1.700.000 נפשות, פון זיי פיל נייע עולים, וואס לייענען נאך בכלל ניט קיין צייטונגען, א טייל אנאלפאבעטן, און די אראבער וועלכע לייענען זייער ווייניק און דאן קינדער, גאר אלטע און קראנקע א. א. וו. — און דאך ווערן טעגלעך פארקויפט 300.000 קאפיעס איז דאס א צייכן פון א זייער הויכן קולטור ניווא.

עס קומט אויס אז אויף יעדע 1.000 נפשות פון דער באפעלקערונג ווערן געקויפט 180 צייטונגען!

כדי צו פארשטיין ריכטיק די אלע ציפערן איז כדאי זיך אריינצוטראכטן אין דער פאלגנדער טאבעלע, וואס איז פארבערייטערט געווארן דורך „אונעסקא" אין 1951:

| | טעגלעכע צייטונגען |
|---|---|
| אין די פאראייניקטע שטאטן ווערן געקויפט אויף יעדע 1.000 נפשות | 354 |
| | 354 |
| ענגלאנד | 596 |
| יאפאן | 224 |
| פראנקרייך | 259 |
| אויסטראליע | 455 |
| ארגענטינע | 209 |
| קאנאדע | 245 |
| אבער, אין: | |
| איטאליע | 98 |
| פוילן | 122 |
| רומעניע | 141 |
| אינדיע | 6 |
| שפאניע | 56 |
| בראזיל | 30 |
| מעקסיקע | 48 |
| גריכנלאנד | 102 |
| טשילע | 80 |
| קובא | 87 |
| עגיפטן | 17 |
| פערו | 39 |
| טערקיי | 16 |
| פאקיסטאן | 2 |
| בולגאריע | 102 |
| יוגאסלאוויע | 81 |
| אונגארן | 108 |
| קאלומביא | 55 |
| פארטוגאל | 58 |
| איראק | 10 |
| סיריע | 19 |
| לבנון | 81 |

און ווען ישראל האט איצט 180 געקויפטע טעגלעכע צייטונגען אויף יעדע 1.000 איינוואוינער איז דאס א זייער שיין פלאץ, וואס וואלט נאך געווען פיל העכער ווען מען נעמט אין באטראכט נאר די אידישע באפעלקערונג פון לאנד.

אויסער דעם מוז מען נאך נעמען אין באטראכט, אז ישראל ליידט, ווי אויף פיל אנדערע געביטן, אויך פון א גרויסן מאנגל אין פאפיר. די פרי מארגן צייטונגען האבן אין די וואכן טעג נאר 4 זייטן און ערב־שבת און יום־טוב פון 8 ביז 10 זייטן. די

אָונט צייטונגען דערשיינען אין א קליינעם פאָרמאַט, 4 זייטן אין וואָכן טעג און 8 ביז 10 זייטן ערב שבת און יום טוב. כמעט אַלע וויכטיקערע צייטונגען דרוקן זיך אין „פּעטיט", כדי אַריינצופּרעסן אין זיי וואָס מער מאַטעריאַל.. די רעדאַקציעס, ספּעציעל אין די ערנסטערע צייטונ־גען, האָבן די שווערסטע פּראָבלעם פון אָפּוואַרפן מאַטעריאַל, אָפּטמאָל זייער גוט מאַטעריאַל, צוליב מאַנגל אין פּלאַץ...

די גרעסערע צייטונגען, ווי „דבר" און „הארץ" האָבן פון 7 ביז 8 טויזנט אינטש א מאָנאַט אַנאָנסן, מער קענען זיי ניט אָננעמען, ווייל זיי האָבן קיין פּלאַץ ניט. אין יעדער צייטונג גייט אָן א שטענדיקער גע־ראַנגל פאַר פּלאַץ. דער מאַנגל אין פּאַפּיר און די באַגרענעצטע צאָל זייטן ווי אויך די העכערע פּרייזן פון פּאַפּיר, האָבן גורם געווען, אז די צייטונגען אין ישראל זענען זייער טייער, אין פאַרגלייך מיטן לעבנס ניוואָ און מיט די פּרייזן פון לעבנס מיטל. א וואָכן טאָג צייטונג קאָסט 70 פּרוטות, וואָס איז אין ישראל פיל מער ווי 7 סענט, און א ערב שבת אָדער ערב יום טוב נומער פון א צייטונג קאָסט 100 פּרוטות! און דאָך האָט ישראל 180 קויפער (איינ־שליסנדיק די אַראַבישע באַפעלקע־רונג און די נייע עולים!) פון ציי־טונגען אויף יעדע 1.000 נפשות פון דער באַפעלקערונג.

אין דער ישראל פּרעסע באַטייליקן זיך, אויסער די זשורנאַליסטן און פּוב ליציסטן אויך די בעסטע פּאָעטן און שריפטשטעלער ווי: ג. שופמאַן, א. שלאָנסקי, ז. שניאור, ג. שיינ־בערג, ד. שמעונוביץ, נתן אַלטערמאַן, מאַקס בראָד, א. צ. גרינבערג א. א. וו. און אויך די בעסטע ליטעראַטור און קונסט קריטיקער.

די ישראל פּרעסע, שטייט, ניט קוקנדיק אויף דער שאַרפער פּאָליטי־שער פּאָלעמיק, אויף א זייער הויכן ניוואָ און האָט געווענלעך ניט קיין שונד אָדער „רייץ" מאַטעריאַל. איינ־מאָל אין וואָך, ערב שבת, ווידמען די פּרימאָרגן צייטונגען א גאַנצע זייט פאַר איבערדרוקן געקליבענע אַרטיק־לען, די בעסטע, פון דער גאַנצער וועלט פּרעסע. פאַרשטייט זיך, אז יעדע צייטונג האָט מער ווייניקער איר פּאָליטישע איינשטעלונג און איר „געשמאַק" און יעדע צייטונג זעצט איבער און דרוקט די אַרטיקלען וואָס זענען איר אויס צו זיין די בעסטע.

די פּרעסע אין ישראל איז געווענלעך פריי. עס איז נאָר דאָ א צענזור אויף מיליטערישע זיכערהייטס אַנגעלעגנ־הייטן. לויטן פּרעסע געזעץ מוז אויך יעדע צייטונג זיין זייער פאָרזיכטיק (אַזוי ווי אין ענגלאַנד), ספּעציעל שרייבנדיק וועגן פּערזאָנען און קער־פּערשאַפטן. דאָס אַזוי גערופענע אין ענגליש „לייבל" געזעץ ווערט שטאַרק אָפּגעהיט.

אין אַלגעמיין קען מען זאָגן, אז נאָכן זען די פּרעסע אין פאַרשיידענע לענדער, שטייט די ישראל פּרעסע אויף א זייער הויכן מאָראַלישן ניוואָ, און דאָס, פאַרשטייט זיך, האָט א דערציערישן איינפלוס אויף דער גע־זעלשאַפט ווי אויפן פּרט. קיין „גע־קויפטע" פּרעסע איז אין ישראל ניטאָ!

# דער קאַמף פאַר דעם גענאָסיד־געזעץ

## (אַ קאַפּיטל פון מיינע זכרונות)

פון **דר. רפאל לעמקין**

---

### פון אַרטיקל 2, פון גענאָסיד - אָפּמאַך:

„גענאָסיד באַדייט די פּלאַנמעסיקע פאַרניכטונג פון נאַציאָנאַלע גרופּן, ראַסן־און־רעליגיע גרופּן דורך אַזעלכע מעשים ווי: הרוגה, פאַרקריפּלונג, צעשטערן דעם פאַרשטאַנד, שאַפן לעבנס באַדינגונגען וועלכע פאַרניכטן אַזעלכע גרופּן, אָפּשטעלן געבורטן און גנב'ענען קינדער פון די אויבנדערמאָנטע גרופּן.

---

דאָס אַרטיקל וואָס מיר פאַרעפנטלעכן דאָ איז אַן אַריינפירקאַפּיטל צו דר. רפאל לעמקין'ס אויטאָביאָגראַפיע, אין וועלכן דער וועלט־באַרימטער יוריסט רעדט זיך אַראָפּ פון האַרצן, וועגן דעם אומדערמידלעכן קאַמף, וואָס ער האָט אָנגעפירט צו שאַפן אַן אינטערנאַציאָנאַלן געזעץ קעגן דער אויסשלאַכטונג פון פעלקער (גענאָסיד).

דאָס איז ניט נאָר דאָס ערשטע מאָל, וואָס אַזאַ אַרטיקל ווערט פאַרעפנטלעכט אין אידיש, נאָר דאָס איז דאָס סאַמע ערשטע מאָל, וואָס דר. לעמקין באַקענט די וועלט מיט דעם הינטער־קוליסן קאַמף אַרום דעם גענאָסיד־געזעץ, און מיט די האַרצווייטאָקן און ענטוישונגען וואָס אים איז אויסגעקומען אָנצוטרעפן אויף דעם שווערן באַרגאַרויף, אין זיין פאַרזוך איבערצוצייגן די וועלט, אז מען מוז זיך באַוואָרענען קעגן א ווידערהאָלונג פון די גרוילטאָטן, וואָס די וועלט האָט דורכגעלעבט אין די שווידערלעכע היטלער יאָרן.

דר. לעמקין איז געווען פּראָפעסאָר פון געזעץ אין אַזעלכע וועלטבאַקאַנטע אוניווערזיטעטן, ווי דיוק, יעיל און שטאָקהאָלם. דאָס וואָרט גענאָסיד האָט ער געשאַפן און עס אַריינגעבראַכט אלס א יורידישן באַגריף אין אינטערנאַציאָנאַלן געזעץ, ביז איצט האָבן שוין 38 פעלקער ראַטיפיצירט דעם גענאָסיד־אָפּמאַך.

דר. לעמקין האָט פאַר זיינע פאַרדינסטן לטובת דער מענטשהייט געקראָגן דעם סטיפען־ווייז פּרייז פון אַמעריקאַנער אידישן קאָנגרעס פאַר 1950. ער איז נאָמינירט געוואָרן אלס קאַנדידאַט פאַר דעם 1952 נאָבל־פּרייז פאַר פרידן.

**רעד.**

פון מיין פריסטער יוגנט אָן, האָב איך זיך אינטערעסירט מיטן גורל פון נאַציאָנאַלע, ראַסן און רעליגיע־מינדערהייטן, און איך האָב כסדר געטראַכט, ווי אַזוי זיי צו שיצן קעגן אויסראָטונג.

פון דער וועלט געשיכטע זענען מיר געווען באַקאַנט גענוג ביישפּילן פון אַזעלכע אויסראָטונגען. חורבן ירושלים, אין וועלכן עס איז ניט נאָר פאַרניכטעט געוואָרן די אַרמיי און אָפּגעווישט געוואָרן די רעגירונג, נאָר עס איז אויך פאַרטיליקט געוואָרן א גרויסער טייל פון דער באַפעלקערונג, איז געווען איין מורא'דיקער ביישפּיל. נאָך א ביישפּיל איז געווען די פאַרניכטונג פון קאַרטאַגען דורך די רוימער, און זייער פאַרזוך אויסצוראָטן די ערשטע קריסטן. די געשיכטע פון מיטלאַלטער און פון אונזערע אייגענע פינסטערע צייטן איז פאַרשריבן מיט אידיש בלוט און טרערן. אָבער איז עס דען בלויז אַן ענין פון אידן, אַראַבער, קאַטאָליקן, פּראָטעסטאַנטן, אָדער בודיסטן? עס האַנדלט זיך אין גורל און אין דער זיכערקייט פון אַלע רעליגיעס און אַלע נאַציאָנאַליטעטן. ווער געדיינקט ניט די צאַרישע פּאָגראָמען? די אויסראָטונג פון א מיליאָן און 200 טויזנט אַרמענער, אין 1915? און ווער וועט זיך דערוועגן צו פאַרגעסן היטלער'ס פאַרניכטונג פון 6 מיליאָן און זיבן הונדערט טויזנט אידן?

דער לעצטער ביישפּיל איז א דערשיטערנדיקער באַווייז, אַז גענאָסיד (פעלקער מאָרד) איז א סך געפערלעכער פון מלחמה. נאָך א פאַרלוירענער מלחמה קען א פאָלק צוריק אויפבויען אירע טעכנישע און פינאַנציעלע אַפּאַראַטן און קען באַווייזן זיך צוריקצושטעלן אויף די פיס. אָבער די וואָס זענען אָפּגעווישט געוואָרן, אין אכזריות'דיקן פעלקער־מאָרד, זענען פאַרלאָרן אויף אייביק. מלחמה פאַרלוסטן קענען צוריקגעשטעלט ווערן, אָבער קען מען דען גוטמאַכן די שוידערלעכע פאַרלוסטן פון גענאָסיד?

אין 1933, ווען היטלעריזם איז נאָך געלעגן אין די וויקעלעך, האָב איך ביי א קאָנפערענץ פון עקספּערטן, איבער אינטערנאַציאָנאַלן געזעץ, וועלכע האָבן געאַרבעט האַנט אין האַנט מיט דער פעלקער־ליגע, צוגעשטעלט אַן אויסגעאַרבעטן פּלאַן, וואָס האָט פאָרגעשלאָגן צו דערקלערן פאַר אַן אינטערנאַציאָנאַלן פאַרברעכן די פאַרניכטונג פון נאַציאָנאַלע, ראַסן און רעליגיע גרופּן. איך האָב זיך גלייך גענומען צו טאָן אויפקלערונג אַרבעט פאַר מיין פּלאַן אין פיל אייראָפּייאישע הויפּט שטעט. פון דעם מאָמענט ווען היטלער איז געקומען צו דער מאַכט, האָט מיין פּלאַן פאַר א גענאָסיד־אָפּמאַך געוואונען מער און מער אָנהייגערס, אָבער עס האָבן זיך אויך אָפּגערופן א סך יוריסטן, וואָס זענען פּלוצלינג געשלאָגן געוואָרן מיט א געוואַלטיקן אָפּטימיזם. זיי האָבן געטענה'ט, אַז אַזעלכע געזעצן זענען אַבסאָלוט אומנויטיק, אַז היטלער נוצט בלויז אויס זיין האַס־פּראָפּאַגאַנדע פאַר פּאָליטישע צוועקן, כדי צו באַפעסטיקן זיין אייגענע פּאַרטיי; אַז ער האָט אפילו ניט בדעה צו פאַרניכטן די אידן.

מען האָט גענומען גיסן קאַלט וואַסער אויף מיין פּלאַן און מען האָט

מיר גע'עצה'ט, אז איך זאָל זיך
אַרויסשלאָגן פון קאָפּ די אַלע מורא'־
דיקע און פאַנטאַסטישע שרעקן, ווייל
אין היינטיקע „פאַרגעשריטענע" צייטן
זענען אַזעלכע „אַלטפרענקישע" גע־
זעצן אינגאַנצן ניט נויטיק, ווייל
אַזעלכע פאַרברעכנס פון טאָטאַלע
פאַרניכטונגען און אויסראָטונגען פון
גאַנצע פעלקער זענען אַ זאַך פון
דער ווילדער פאַרגאַנגענהייט און זיי
געשעען זייער זעלטן אין דער גע־
שיכטע.

אין 1939, ווען די ערשטע באָמ־
בעס האָבן גענומען פאַלן אויף וואַר־
שע, די שטאָט וואו איך האָב גע־
וואוינט, האָב איך גלייך איינגעזען, אז
דאָס איז מער ווי גלאַט אַזוי אַ מל־
חמה, אז עס איז דער אָנהויב פון
פעלקער־מאָרד אויף אַ ברייטן און
שווידערלעכן מאַסשטאַב. מיר איז
אויסגעקומען צו שטיין עטלעכע חד־
שים פּנים אל פּנים מיטן טויט, ביז
איך האָב זיך דערקליבן קיין שוועדן
און פון דאָרט קיין אַמעריקע.

אין שוועדן האָב איך געזאַמלט אַ
סך דאָקומענטן, וועלכע זענען אַרויס־
געשמוגלט געוואָרן פון טעריטאָריעס
וואָס די דייטשן האָבן אָקופּירט. דאָס
זענען מייסטנס געווען אָקופּאַציע גע־
זעצן. פון די ערשטע, רויע געזעצן
איז שוין קלאָר געווען, אז עס איז
צוגעגרייט געוואָרן אַ טייוולישער
פּלאַן צו פאַרניכטן אינגאַנצן אָדער
טיילווייז פעלקער, וועלכע זענען
אַריינגעפאַלן צו היטלערן אין די
הענט אריין. איך האָב געהאַלטן, אז די
דאָקומענטן, וועלכע היטלער אָדער
זיינע ראַטגעבערס האָבן פערזענלעך
אונטערגעשריבן, וועלן מיט זיך פאַר־
שטעלן אומבאַשטרייטבאַרע באַווייזן,
און קיינער וועט ניט קענען זאָגן, אז
איך פאַרנעם זיך מיט טרייבן גרויל
פּראָפּאַגאַנדע.

אַזוי גיך ווי איך בין געקומען
קיין אַמעריקע, האָב איך צוגעשטעלט
די דאָקומענטן צום קריגס דעפּאַר־
טאַמענט און אַנדערע רעגירונגס אַגענ־
טורן, אונטערשטרייכנדיק כסדר, אז
דאָס וואָס עס קומט פאָר אין איי־
ראָפּע איז ניט בלויז מלחמה נאָר עס
איז גענאָסיד. אַ יאָר שפּעטער בין
איך באַשטימט געוואָרן אַלס ראַטגע־
בער איבער אויסלענדישע ענינים,
ביים אַמעריקאַנער קריגס דעפּאַר־
טאַמענט, און אין דעם אמט האָב
איך אויפגעפּאָדערט די אַמעריקאַ־
נער רעגירונג צו נעמען שריט קעגן
גענאָסיד. אין 1945 בין איך דעלע־
גירט געוואָרן דורכן קריגס דעפּאַר־
טאַמענט קיין לאָנדאָן, אַלס יורידי־
שער יועץ צו ריכטער דזשעקסאָן, צו
העלפן שרייבן די אָנקלאָגע שריפט
קעגן די נאַציס.

כ'בין געשטאַנען אין פאַרבינדונג
מיטן אידישן וועלט קאָנגרעס, ספּע־
ציעל מיט זיין פּרעזידענט דר. סטי־
פען ווייז, וועלכער האָט ענטוזיאַס־
טיש געשטיצט דעם עטישן באַגריף
פון מאָנען אחריות פאַר גענאָסיד.
איך בין אויך געשטאַנען אין קאָנ־
טאַקט מיט דעם דעמאָלטדיקן יורי־
דישן פאָרשטייער פון אידישן וועלט־
קאָנגרעס אין לאָנדאָן, דר. יעקב ראָ־
בינזאָן. ביידע, דר. ווייז און דר. ראָ־
בינזאָן, זענען מיר געווען זייער באַ־
הילפיק, ביים קריגן די שטיצע פון
דער ענגלישער רעגירונג, בנוגע דער
איינגלידערונג און באַטאָנונג פון דער

גענאָסיד קלאַגע ביי די נירנבערגער פּראָצעסן. אַלץ האָט אויסגעזען צו גיין פּאָרויס זייער דערפאָלגרייך, מיט דער גענאָסיד קלאַגע קעגן די נאַצי־פאַרברעכערס, ביז עס האָט פּלוצלינג גענומען גיין באַרג אַראָפּ.

דער טריבונאַל האָט נאָך אַ לאַנגער און פאַרצויגענער זיצונג באַשלאָסן, אַז פאַרברעכנס, וואָס קענען אָנגע־רופן ווערן גענאָסיד, קענען באַ־שטראָפט ווערן בלויז, אויב זיי זענען אַ פּועל יוצא פון אַן אַגרעסיווער מל־חמה. פּשוטער גערעדט, גענאָסיד איז פאַר זיך אַליין ניט קיין פאַרברעכן, נאָר עס איז געוואָרן אַ צוגעטשעפּע־טער טייל פון מלחמה. וויבאַלד גע־נאָסיד מוז צוגעטשעפּעט ווערן צו מלחמה, האָט שוין דערפון געפאָלגט, אַז פאַרברעכנס וואָס היטלער איז באַ־גאַנגען פאַרן קריג זענען ניט באַ־טראַכט געוואָרן פאַר גענאָסיד. אָבער דאָס איז נאָך ניט אַלץ. דער גאַנצער באַגריף פון אַגרעסיע, אָדער וואָס עס איז אַזוינס אַן אַגרעסיווער קריג, איז קיינמאָל ניט קלאָר אויסגעטייטשט געוואָרן דורך דעם נירנבערגער טרי־בונאַל. ביזן היינטיקן טאָג האָבן יו־ריסטן פון די פאַראייניקטע פעלקער און אַנדערע אינטערנאַציאָנאַלע קער־פּערשאַפטן נאָך אַלץ ניט באַוויזן צו דעפינירן, וואָס מען מיינט אַזוינס מיט אַגרעסיע.

לאַנג און שווער האָב איך געאַר־בעט, כדי צו איבערצייגן די וועלט, אַז גענאָסיד איז בפירוש אַן אינטער־נאַציאָנאַל פאַרברעכן, הן אין קריג און הן אין פרידן. אָבער אין נירנ־בערג האָט דאָס גאַנצע פּראָבלעם, ווי אויבן געזאָגט, בלויז געקראָגן אַ טיילווייזע באַהאַנדלונג. דער רעזול־טאַט פון זייער ענטשיידונג איז גע־ווען, אַז פאַר פאַרברעכער אַקטן פון פעלקער מאָרד, אין צייט פון פרידן, זענען אינטערנאַציאָנאַלע מערדער ניט פאַראַנטוואָרטלעך, און זיי זענען בלויז טיילווייז פאַראַנטוואָרטלעך פאַר פאַרברעכנס אין מלחמה צייט. אויב מען קען קלאָר אָנווייזן און איבער־צייגן, אַז די פאַרברעכנס זענען באַ־גאַנגען געוואָרן, אין פאַרבינדונג מיט אַן אַגרעסיוון קריג. דער ענין אַגרע־סיע איז אָבער געוואָרן אַזוי פאַר־פּלאָנטערט, אַז מען האָט באַדאַרפט זיין גאָר אַ גרויסער חכם צו טרעפן וואָס עס באַדייט.

עס איז גאָרניט אַזוי שווער איינ־צוזען, אַז רעגירונגען קענען כסדר טענה'ן, אַז אין צייט פון מלחמה האָבן זיי געמוזט האַנדלען אין זעלבסט פאַרטיידיקונג, אפילו אויס־שלאַכטנדיק גאַנצע פעלקער. די גע־שיכטע איז פול מיט ביישפּילן, אַז דוקא די רעגירונגען, וועלכע האָבן דערקלערט קריג, האָבן שטענדיק גע־האַט אַ גרייטן תירוץ, אַז זיי זענען נעבעך אַטאַקירט געוואָרן און זענען חלילה ניט געווען די אָנפאַלערס נאָר די קרבנות.

אין אָט דער פאַרלעגנהייט מיינער האָב איך מיין גאַנצע אויפמערקזאַמ־קייט געווענדעט אויף די פאַראייניקטע פעלקער. איך בין גיך צוריקגעקומען פון נירנבערג קיין ניו יאָרק, און איך האָב אין משך פון עטלעכע טעג גלייך געקראָגן די גוטהייסונג פאַר דעם גע־נאָסיד פאָרשלאַג פון קובאַ, אינדיע, און פּאַנאַמאַ. זיי האָבן געשטיצט מיין רעזאָלוציע, אַז גענאָסיד דאַרף באַ־

טראַכט ווערן אלס אן אינטערנאַציאָ־
נאַלער פאַרברעכן אָן שום קוואַליפי־
קאַציעס פון מלחמה אָדער פרידן. און
אז אַ ספּעציעלער אָפּמאַך זאָל גע־
שאַפן ווערן.

דער וועג צו דערפאָלג איז געווען
אַ לאַנגזאַמער און אַ שווערער. אויב
דער פּלאַן פאַר אן אינטערנאַציאָנאַלן
גענאָסיד אָפּמאַך האָט געהאַט מזל
ביי איין רעגירונג, האָט ער אָנגע־
טראָפן שוועריקייטן ביי אַנדערע.
אָבער איין רעגירונג האָט עקשנות'־
דיק באַקעמפט דעם געדאַנק פון אַ
גענאָסיד אָפּמאַך, ניט געקוקט אויף
דעם מערקווירדיקן פאַקט, וואָס יענע
רעגירונג האָט געשטימט פאַר דעם
תוך פון דער גענאָסיד רעזאָלוציע,
ביי דער אַסעמבלי זיצונג פון 1946.

די דאָזיקע רעגירונג איז געווען
ענגלאַנד. די ענגלישע דעלעגאַטן
האָבן שטענדיק געהאַלטן אין איין
באַטאָנען, אַז זיי זענען ממש אויפ־
געשווידערט פון פעלקער־מאָרד פאַר־
ברעכנס, אָבער דער ענגלישער דעלע־
גאַט וועלכער איז געווען דער עפנט־
לעכער אָנקלעגער ביי די נירנבערגער־
פּראָצעסן, האָט קאַטעגאָריש דער־
קלערט, אַז מען דאַרף ניט קיין גענאָ־
סיד־אָפּמאַך, וויבאַלד מיר האָבן די
נירנבערגער אַנטשיידונגען.

איך האָב גיך איינגעזען, אַז איך
בין מאַכטלאָז צו האַנדלען מיט ענג־
לאַנד, און איך האָב זיך געווענדעט
נאָך הילף צו אויסטראַלישן אויסערן
מיניסטער דר. הערבערט עוואַט. מיר
האָבן זיך באַגעגנט אין זשענעווע, אין
1948, בעת אַ זיצונג פון עקאָנאָמישן
און סאָציאַלן ראַט פון יו־ען. ער האָט
מיר גלייך פאַרשטאַנען, און 3 טעג
נאָך אונזער צוזאַמענטרעף האָט דר.
עוואַט געהאַלטן אַ שטאַרקע רעדע,
ביים עקאָנאָמישן און סאָציאַלן ראַט,
און געפאָדערט, אַז די דאָזיקע קער־
פּערשאַפט זאָל רעקאָמענדירן צום גע־
נעראַל אַסעמבלי פון דער יו־ען, די
אַקצעפּטירונג פון גענאָסיד־אָפּמאַך.

כ'וויל זיך דאָ ניט אַריינלאָזן אין
די פּרטים פון דער אַרבעט, ביי דער
אַסעמבלי אַרום דעם גענאָסיד־אָפּ־
מאַך. עס איז גענוג צו זאָגן, אַז עס
איז ניט געווען פון די לייכטע זאַכן
זיך צו זען מיט באַזונדערע דעלע־
גאַטן, צוצוגרייטן פאַר זיי מעמאָראַנ־
דומס און אויפקלערן יעדן פּונקט פון
געפּלאַנטן אָפּמאַך. איך בין געווען
איינער אַליין, אָן אַ סעקרעטאַר און אָן
פינאַנציעלער הילף. כ'האָב כסדר גע־
מוזט שטיין אויף דער וואַך און זען,
אַז מען זאָל אין דעם אָפּמאַך ניט
אַריינשמוגלען קיין פּאַסטקעס, וואָס
זאָלן אויטאָמאַטיש שטערן די ראַטי־
פיצירונג, אָדער צונישט מאַכן דעם
גאַנצן פּלאַן. אַ סך געפאַרן זענען
אויסגעמיטן געוואָרן, אָבער די ענגלי־
שע רעגירונג האָט פאַרט באַוויזן
איינצושליסן אין דעם אָפּמאַך אן אַר־
טיקל 16, וועלכער באַשטייט דער־
רויף, אַז יעדער מיטגליד פון אָפּמאַך
האָט אַ רעכט צו פאָדערן אַ רעוויזיע
פון אָפּמאַך, אויב ער ווענדעט זיך,
מיט אַזאַ פאָדערונג צום גענעראַל
סעקרעטאַר פון די פאַראייניקטע פעל־
קער. דאָס שטעלט מיט זיך פאַר אַן
ערנסטע געפאַר פון דעם גאַנצן אָפּ־
מאַך. אונטער נאָרמאַלע באַדינגונגען
וואָלט עס ניט אויסגעמאַכט, אָבער
אַזאַ פּונקט קען אויסגענוצט ווערן
אויף אַ כיטרען אופן דורך דער אַפּאַ־

זיציע.

אין משך פון די לעצטע וואכן פון דעם גענעראל אסעמבלי פון 1948, איז פלוצלינג אנטשטאנען א נייע געפאר, פאר דעם גענאָסיד־אָפּמאַך פון אן אנדער ווינקל. א קליינע אָבער איינפלוסרייכע גרופּע פאָרשטייער פון געוויסע אָרגאניזאציעס, וועלכע זענען געווען אינטערעסירט אין די מענטשן־רעכט פּראָיעקטן פון יו־ען, האָבן פּלוצלינג גענומען אַרויסווייזן אָפּאָזיציע צום גענאָסיד־אָפּמאַך. זיי האָבן צוגעגרייט אַ רעזאָלוציע, וועלכע איז קעגנעריש צום גאנצן פּלאַן און געזוכט די אינדאָסירונג פון פיל אָרגאַניזאַציעס, כדי די שעדיקערישע רעזאָלוציע זאָל קענען צוגעשטעלט ווערן צו די דעלעגאַטן. צום גליק האָב איך זיך באצייטנס דערוואוסט פון די אלע צעשטערערישע פּלענער און איך בין געווען דערפאָלגרייך זיי צו באַקעמפן.

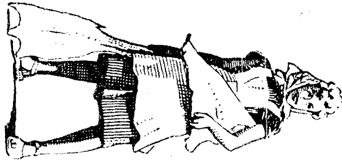
כ'האָב גלייך איינגעזען, אַז איך מוז האַלטן אַן אויג אויף די פאַרשיידענע הינטער־קוליסן טעטיקייטן פון געוויסע אָרגאַניזאַציעס. אין פּאַריז בין איך געוואָר געוואָרן, אַז געוויסע ענגלישע אָרגאַניזאַציעס אַרבעטן מעשים און זוכן צו מאַכן יד אחת מיט געוויסע אַמעריקאַנער אָרגאַניזאַציעס, וועלכע זענען זיך משתדל פאַר מענטשן רעכט, אַז דער גענאָסיד־אָפּמאַך זאָל ניט ראַטיפיצירט ווערן, נאָר זאָל צעפּיצלט ווערן אויף צוויי פּראָיעקטן.

די אַסעמבלי אין פּאַריז האָט גלייכצייטיק אָנגענומען דעם גענאָסיד־אָפּמאַך. איבער דער גאַרער וועלט איז עס באַגריסט געוואָרן אַלס אַ טריאומף פאַר אינטערנאַציאָנאַלן גערעכטיקייט און מענטשלעכקייט. ווען איך האָב זיך געזעגנט מיטן פּרעזידענט פון דער אַסעמבלי אין פּאַריז, האָט ער מיר געזאָגט: „אייך שטייט נאָך פאָר אַ שווערער קאַמף פאַר דער ראַטיפיקאַציע. איידער איר וועט פאַרטיק ווערן, וועט אייך נאָך אויסקומען צו קעמפן מיט אַ האַלבער וועלט". מיך האָט קיינמאָל ניט געשראָקן קיין קאַמף. אָבער אַ מענטש איז ניט אַלעמאָל גענוג באַוואָפנט פאַר אַלע מינים געראַנגלען, ספּעציעל ווען די קעגנערשאַפט איז אַ באַהאַלטענע, און דער קאַמף נעמט אָן דעם כאַראַקטער פון אַ פּאַרטיזאַנער מלחמה. אָבער דאָס, וואָס איז אויף אַן אמת פאָרגעקומען, האָט איבערגעשטיגן מיין פאַנטאַזיע. אַ קאָמיטעט פון אָרגאַניזאַציעס, וועלכע איך האָב געהאָלפן אויפבויען אין אַ געוויסן לאַנד לטובת דער ראַטיפיקאַציע, האָט גאָר גענומען אַרבעטן מעשים און לייגן שטיינער אויפן וועג פון ראַטיפיקאַציע. אין אַנבליק פון אָט די אַלע שוועריקייטן האָב איך באַשלאָסן צו ענדערן מיין סטראַטעגיע. איך האָב פאָרגעזעצט מיינע באַמיאונגען פאַר דער ראַטיפיקאַציע, דאָ אין אַמעריקע. אָבער איך האָב קאָנצענטרירט אַלע מיינע אָנשטרענגונגען אין דער ריכטונג פון דערגרייכן ראַטיפיקאַציע ספּעציעל אין אַנדערע לענדער, כדי צו שאַפן אויף אַזאַ אופן אַ דרוק פון דער עפנטלעכער מיינונג פון דער וועלט, אַרום דעם דאָזיקן ענין. מיט קליינע אויסנאַמען האָט זיך די סטראַטעגיע אַרויסגעוויזן פאַר ריכטיק.

דער גענאָסיד־אָפּמאַך האָט געשפּרייזט פאָרויס. ער איז פאַקטיש געוואָרן אַן עקזיסטירנדיקער אינטער־

נאַציאָנאַלער געזעץ, און עס האָט אויסגעזען אַז מען קען עס מער ניט צוריקהאַלטן. אָבער גאָר גיך האָב איך אויסגעפונען, אַז עס ווערט געמאַכט א פּאַרמעסט אָפּצושטעלן די גענאָסיד־אָפּמאַך. פּוילן, טשעכאָסלאָוואַקיע, אונגאַרן, רומעניע, בולגאַריע, האָבן ראַטיפיצירט די גענאָסיד־קאָנווענץ מיט געוויסע באַשרײַנקונגען. אונטער נאָרמאַלע אומשטענדן איז א ראַטיפיקאַציע מיט תנאים ניט קיין וויכטיקער פּראָבלעם פאַר דער עקזיסטענץ פון טראַקטאַטן. די מלוכות, וועלכע ראַטיפיצירן א פולן אָפּמאַך, אונטער נאָרמאַלע באַדינגונגען, דאַרפן בלויז אויסדריקן זייער הסכמה צו די רעזערוואַציעס. וואָס ווערן פאָרגעשלאָגן דורך אַנדערע צדדים פון דעם טראַקטאַט. אָבער, אין דעם געגעבענעם פאַל, האָט די בריטישע רעגירונג אַרײַנגעטראָגן צו דער יו־ען א מעמאָראַנדום, אין וועלכן זי לייגט פאָר א נייע יורידישע פּראָצעדור פאַר דער באַהאַנדלונג פון די רעזערוואַציעס. מיטאַמאָל האָבן א סך רעגירונגען אָנגעהויבן צו דערלאַנגען אײַנווענדונגען קעגן די רעזערוואַציעס, אַזוי אַרום איז דער ענין אויף א קינסטלעכן אופן קאָמפּליצירט געוואָרן. ענגלאַנד, די פאַרייניקטע שטאַטן, דער סאָוועטן פאַרבאַנד און אַנדערע פעלקער האָבן געשטימט פאַר א רעזאָלוציע צו פאַרלאַנגען פון דעם אינטערנאַציאָנאַלן טריבונאַל פאַר גערעכטיקייט אין האַג, אַרויסצוטראָגן א מיינונג וועגן דעם ענין רעזערוואַציעס.

איך האָב אומזיסט אַפּעלירט קעגן דעם דאָזיקן שריט. מחמת דער גרויסער אָנשטריינגונג האָב איך צוזאַמענגעבראָכן אויף דער זיצונג פון דער אַסעמבלי, און מען האָט מיר אַוועקגעפירט אין א שפּיטאָל, וואו איך האָב דורכגעמאַכט אַן ערנסטע אָפּעראַציע. אין דער נאַכט פאַר דער אָפּעראַציע, האָב איך אַרויסגעשיקט טעלעגראַמעס צו וואָסערע 40 דעלעגאַציעס און צום גענעראַל סעקרעטאַר, בעטנדיק צו רעווידירן דעם באַשלוס, אָבער מײַן מי איז געווען אומזיסט. (איך האָב זיך שפּעטער דערוואוסט, אַז די טעלעגראַמעס זענען אָנגעקומען צו שפּעט) ווען איך האָב פאַרלאָזן דעם שפּיטאָל אין עטלעכע חדשים אַרום, בין איך נאָך אַלץ געווען צו שוואַך, כדי אָנצוגיין מיטן קאַמף אין פולן פאַרנעם. וועלנדיק שאַנעווען מײַנע כוחות, האָב איך זיך באַמיט ניט צו לאָזן זיך אויסשעפּן אין די נייע ראַנגלענישן, ביז וואַנען איך וועל ניט קומען אינגאַנצן צו די כוחות. גלײַכצײַטיק, אָבער, האָב איך פאָרגעזעצט צו אַרבעטן אין דער ריכטונג פון ווייטערדיקע ראַטיפיקאַציעס. דאָס האָב איך געטאָן אויף א מער פּאָרזיכטיקן אופן ווי פריער. דאָס מאָל האָב איך שוין אינפאָרמירט מײַנע פרײַנט אין אויסלאַנד וועגן די ספּעציפישע שוועריקייטן און דעם אופן, ווי אַזוי די גענאָסיד־קאָנווענץ ווערט באַקעמפט. דער מעטאָד האָט זיך אַרויסגעוויזן צו זײַן זייער באַהילפיק, און די צאָל ראַטיפיקאַציעס איז דערגאַנגען ביז 38. די נײַסטע ראַטיפיקאַציע איז פאָרגעקומען אין איטאַליע, דעם 4־טן יוני. עטלעכע אָרגאַניזאַציעס זענען מיר געווען באַהילפיק, ספּעציעל דער אידישער וועלט קאָנגרעס, און די וועלט אָרגאַניזאַציע פון די פרויען. דער קאַמף איז, אָבער, נאָך ניט פאַרענדיקט.





יעדער טאָג בריינגט נייע מניעות, אָבער גלייכצייטיק ווערן פאַרצייכנט נייע דערפאָלגן. די יו״ען מענטשן רעכט קאָמיסיע, וועלכע גרייט איצט צו א קאָנווענץ - פּראָיעקט איבער מענטשן־רעכט, האָט פאָרמולירט אר־טיקל 3, וועגן רעכט אויף לעבן, אין אַזעלכע ברייטע טערמינען, אז דאָס איז עלול צו פארטומלען דעם ענין פון גענאָסיד. דעם 25־טן מאי האָב איך אַפּעלירט צו דער יו״ען קאָמי־סיע, מען זאָל אַריינבריינגען קלאָר־קייט אין ארטיקל 3, אָבער דאָס איז מיר בלויז טיילווייז געלונגען.

דער איצטיקער ארטיקל איז בשום אופן ניט קיין אויסשעפנדיקער באַ־ריכט וועגן דעם גענאָסיד־אָפּמאַך. דאָס שאַפן פון א געזעץ ווי דער גע־נאָסיד־אָפּמאַך, אין א וועלט וואָס איז צעריסן פון פּאָליטישע קאָנפליקטן, איז ניט קיין לייכטע זאַך. מיר האָבן דאָ צו טאָן מיט אַן ענין, וואָס אָן אים היינגט אָפּ דער סאַמע מהות פון אונזער ציוויליזאַציע. דער ענין איז אָבער אַזוי דראַמאַטיש, אז ניט געקוקט אויף די פּאָליטישע קאָנ־פליקטן, וועלן אַלע רעגירונגען זיך מוזן אונטערוואַרפן דעם דאָזיקן גע־זעץ, וועלכער איז געשריבן געוואָרן מיט בלוט און טרערן פון אַזויפיל מיליאָנען מענטשן. דער זייגער פון דער וועלט געשיכטע קען ניט צוריק־גערוקט ווערן, און דעריבער וועט דער גענאָסיד־אָפּמאַך, ניט געקוקט אויף אַלע געשילדערטע שוועריקייטן און שטערונגען, ענדלעך באַזיגן די גלייכ־גילטיקע וועלט און וועט אויסשפּרייטן זיינע וואַכזאַמע פליגלען איבער די שוואַכע און ליידנדיקע פעלקער און מינדערהייטן פון דער וועלט.

Saludamos sinceramente a nuestros clientes y amigos de la Colonia Hebrea de Cuba en la fecha de su Año Nuevo y hacemos votos por su progreso, bienestar y propsperidad.

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע
קלינטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ, און ווינטשן אַלעמען

א כתיבה וחתימה טובה!

# דער אידישער שול-וועזן אין מעקסיקע

פון קלמן שווארצאפּל



קיין מעקסיקע בין איך געקומען מיטן געדאנק זיך אפּצורוען. איך וועל זען, הערן און שווייגן.

אין מעקסיקע געפינט זיך אָבער אונזער אַלטמענטש פון קובא אלטער פריינט, הרב דוד ראפאלין. טאַ ווי גייט מען ניט זען אזא חשובן פריינט?

רעד איך מיט הרב ראפאלין און פון זיין סאמעט־ווייכער שטימע פיל, איך, אז ער איז זייער שטאָלץ מיטן מעקסיקאנער שול וועזן ספּעציעל מיט דער „יבנה" שולע.

דעם נעקסטן טאָג אינדערפרי האָב איך אַריינגעשפּאַצירט אין א גרויסער געביידע. הרב ראפאלין האָט מיך אָנגעפאנגען ארומפירן איבער די שול צימערן, וואו עס געפינען זיך דער קינדער גאָרטן, די פאָלקס שולע קלאסן, מיטל שולע און פּרעפּאַראַ־טאָריע. מיט יעדער שטאָק וואָס מיר שטייגן העכער פיל איך, ווי מיין ענטוזיאזם שטייגט און איידער איך גיב זיך רעכענונג, האלט איך א פען אין האנט און פארצייכן געוויסע דאטעס:

מיט 10 יאָר צוריק האָט זיך גע־גרינדעט די „יבנה" שולע ביי דער רעליגיעזער גרופּע אידן אין מעקסי־קע „נדחי ישראל". הרב ראפאלין איז שוין דאן געווען מיט דער אָרגאַניזאַ־ציע און עס איז איבעריק צו זאָגן, אז די שולע האָט גלייך פון אָנפאנג גע־האַט א גוטן וועג־ווייזער. דערצו האָט די שולע ניט געדאַרפט דורכ־גיין די פינאנציעלע שוועריקייטן וואָס אַנדערע שולן האָבן אין די פּריי־ערדיקע יאָרן אַדורכגעלעבט.

„נדחי ישראל" האָט געקויפט א הויז אויף יוקאַטאַן 15 און אָנגעפאַנ־גען די „יבנה שולע" מיט 40 קינדער. צוויי יאָר שפּעטער האָט די „יבנה שולע" שוין געדאַרפט מער פּלאַץ.

צו יענער צייט האָט א קיעווער איד, ביי דעם נאָמען מאשינסקי, גע־ווען אַריינגעטאָן אין דער שולע מיט לייב און לעבן. האָט די פאַמיליע מאַ־שינסקי געגעבן אלס געשאנק די ער־שטע הונדערט טויזנט פּעזאָס צום בויען א נייע שולע און די אלטע גע־ביידע איז פארוואַנדלט געוואָרן אין א שול צום דאווענען.

די נייע היים פאַר דער שולע איז אַ פּראַכטפולע דריי שטאָקיקע געביידע וואָס טראָגט דעם נאָמען „מאַשינסקי“. דאָס פּלאַץ אויף וועלכן די געביידע שטייט איז אַרום 5.000 סקוועער מעטער גרויס. פאַראַן אַ גרויסער שפּיל פּלאַץ און אַ קיך פאַר וואַרעמע מאָלצייטן פאַר די קינדער. זיי האָבן אויך 6 באַסעס צום ברייגגען און צוריקפירן די קינדער.

— — וואָס זענען די „א“ און „ב“ צייכנס צום אַריינגאַנג פון די קלאַסן
— האָב איך געפרעגט.

— דאָס זענען פּאַראַלעלע גרופּן — ענטפערט דער רב. עס זענען דאָ פּאַראַן צוויי און אין מאַנכע קלאַסן דריי פּאַראַלעלע גרופּן.

די קלאַסן ווערן פאַרטיילט ווי פאָלגנד:

שפּאַניש: קינדער גאָרטן, פּאָלקס שולע, מיטל שולע און פּרעפּאַראַטאָריע.

די שולע איז אַנערקענט פון דער רעגירונג. נאָכן ענדיקן די „יבנה“, אָדער די „אידישע שולע“, קען דער שילער מיט זיין דיפּלאָם גלייך אַריינטרעטן אין אַ מעקסיקאַנער אוניווערזיטעט פאָרצוזעצן זיין שטודיום.

אין די פאָרגעשריטענע קלאַסן לערנט מען: 1) פילאָזאָפיע און לעטראַס. 2) כעמיע. 3) פיזיק און מאַטעמאַטיק (אינזשענעריע). 4) וויסנשאַפט און ביאָלאָגיע (מעדיצין).

די צאָל שילער ווערן איינגעטיילט ווי פאָלגנד:

איבער 100 שילער אין קינדער גאָרטן; 400 — פּאָלקס שולע; 120 — מיטל שולע; 20 — פּרעפּאַראַטאָריע. צוזאַמען לערנען איבער 640 קינדער.

רעליגיעזע נאַציאָנאַלע לימודים:

העברעייאיש, אידיש, געשיכטע, חומש מיט רש"י, גמרא, דינים, מוסר היהדות.

עס לערנען 60 שפּאַנישע און 10 אידישע לערער. אידישע און רעליגיעזע לימודים לערנט מען פון 2 ביז 3 שעה אַ טאָג.

די „יבנה“ האָט צוויי יוגנט אָרגאַניזאַציעס. די גרעסערע גרופּע רופט זיך „בני עקיבא“ און ציילט 200 חברים, באַלאַנגען צום הפועל המזרחי און שבת האָבן זיי אַן אייגענעם מנין. די שולע האָט אויך אַ פאַך קורס צוזאַמען מיטן „אָרט“. דאָס איז אַ קורס אויסער די רעגולערע לערן שטונדן פון שולע און ווערט באַזוכט פון אייגענע שילער און פון קינדער אויסער דער שולע.

פּאַרלויפיק לערנט מען זיי צוויי פאַכן, וואָס זענען ענלעך אין די פונדאַמענטאַלע פּרינציפּן: עלעקטריציטעט און טעלעפאָן.

איך בין ניט אין גאַנצן זיכער, אָבער, אויב איך געדיינק ריכטיק, איז אויך פאַראַן אַן אָוונט קורס, וואָס הייסט „ישיבה אור ישראל“ וואָס ווערט באַזוכט פון אייגענע שילער וואָס האָבן געענדיקט די שולע און אויך פון אַנדערע.

מען האַלט איצט אין איינאָרדענען צוויי לאַבאַראַטאָריע צימערן. איך האָב געזען די רעכענונגען וואָס האָבן זיך גוראַדע געפונען אין אָפיס אין באַטרעף פון קרוב צו הונדערט טויזנט פּעזאָס.

ביים געזעגענען זיך האָב איך גע־מוזט געבן מיין וואָרט צום הרב ראפאלין, אז איך וועל באשטימט באזוכן אויך די אידישע שולע. הרב ראפאלין רעדט ניט בלויז פאר דער „יבנה" שולע, ער רעדט מיט באגייס־טערונג וועגן שול וועזן אין מעק־סיקע, דאָס הייסט וועגן אלע אידישע שולן.

צוזאמען זענען פאראן אין מעקסי־קע 4 שולן: די אידישע שולע, יבנה, תרבות וואָס איז בלויז העברייאיש און די „נייע אידישע שולע".

0 0 0

נעקסטן טאָג, זענען מיר, דאָס הייסט, מיין פרוי, איך און א אידיש אַמעריקאנער לערער אין ענגלישער שולע, באזוכט די אידישע שולע. דער דירעקטאָר פון שולע דר. ב. שולגאסער, וואָס איז אין דעם אָ־מענט געווען באשעפטיקט מיט אנ־דערע געסט, וואָס זענען געקומען בע־פאָר, האָט אונז פריינטלעך באגריסט און אונז געגעבן איינעם פון די לע־רער ה' ישראל סענדלער, וואָס האָט אונז געוויזן אלע אָפטיילונגען פון דער שולע.

די פּלאַנירונג פון דער אידישער שולע איז אין מאָדערנעם סטיל, אויס־געלייגט אין דער פאָרם פון א גע־דרוקטן „בית" אזוי, אז די צימערן פון אלע דריי זייטן קריגן אַזוי פיל ליכט ווי מעגלעך און פון דער אָפענער זיים געפינט זיך אַ ריזיק שפּיל פּלאַץ פאר די שילער און א גרויסע פּיסינא צום שווימען.

דאָ האָבן מיר אויך אָנגעהויבן מיטן קינדער גאָרטן, וואו די לערערין האָט געהאט א רייע צייכענונגען אויף א שווארצן טאָוול, אילוסטרירנדיק די העלדן פון דער פורים געשיכטע פאר די קינדער.

אויך דאָ איז דער אַריינגאנג צו יע־דער קלאס געווען באצייכנט מיט א ב און ג. דאָס זענען די פאראלעלע גרופּן. (אין פּעדאַגאָגיע איז אָנגענומען אז אום כדי א לערער זאָל קענען געבן גוטע אויפמערקזאמקייט צו זיי־נע שילער, מוז א קלאס האָבן א באשריינקטע צאָל שילער. אין פאל עס זענען פאראן מער ווי די באשטימ־טע צאָל, שאפט מען פאראלעל גרופּן).

א גרויסע זאָל מיט אַ בינע פאר פאָרשטעלונגען, לאבאראטאָריעס און אַנדערע איינריכטונגען. צו ענדע האָט ה' סענדלער אונז פאָרגעשטעלט דעם פארוואלטער ה' עליעזר פיינזיל־בער אן אינטעליגענטער יונגערמאַן, וואָס איז ערשט אַרום 4 יאָר אין לאנד.

ה' פיינזילבער האָט מיר געגעבן מערערע אינפאָרמאציע:

אין דער אידישער שולע זענען באַ־שעפטיקט 92 שפּאנישע לערער און 23 אידישע. אין דער שולע לערנען קרוב צו 1.000 קינדער. ס'זענען פּא־ראן פילע פּאראלעלע גרופּן אַזוי צום ביישפּיל זענען פאראן אין פּאָלקס שולע אליין 20 פּאראלעל גרופּן. ענ־לעכעס איז פאראן אין קינדער גאָרטן, אין דער הויך שולע און אין דער פּרעפּאראטאָריאַ. עס זענען אויך פּא־ראן ספּעציעלע קלאסן פאר קינדער, וואָס האָבן זיך נאָך ניט אַריינגע־

פאַסט אין דעם נאָרמאַלן פּראָגראַם פון דער שולע. די ספּעציעלע קלאַסן באַשטייען פון קינדער, ערשט אריבערגעקומענע פון אויסלאַנד, וואָס קענען נאָך ניט קיין שפּאַניש, אָדער פון קינדער פון דער פּראָווינץ, וואָס זענען פאָרגעשריטן אין שפּאַניש, אָבער זיי זענען הינטערשטעליק אין די אידישע לימודים.

די צייט פאַר אידישע לימודים און די פּראָגראַם איז ענלעך צו דער „יבנה" שולע, נאָר אַזוי ווי די אידישע שולע האָט ניט קיין רעליגיעזע אָפּטיילונג, קען די עקסטראַ צייט אויסגענוצט ווערן פאַר אַ מער אינטענסיווער, מאָדערנערער, העברייאיש אידישער דערציאונג.

עס זענען פאַראַן 45 שול צימערן, קאַלטע און הייסע מאַלצייטן און באָסעס פאַר טראַנספּאָרטאַציע.

איצט ווערט פּראָיעקטירט אַ „ועד החינוך", וואָס וועט באַשטיין פון די דירעקטאָרן פון דריי אידישע שולן: „די אידישע שולע", „יבנה" און „תרבות" אונטער דער פאָרזיצערשאַפט פון הרב דוד ראַפאַלין. דער „ועד החינוך" וועט דאַרפן אָרגאַניזירן און אָנפירן מיטן סעמינאַר, וואָס וועט דאַרפן ערציען אידישע לערער אין דער נאָענטער צוקונפט, פאַר דעם אידישן שול וועזן אין מעקסיקע.

עס איז מעגלעך אַז מאַנכע איינצלהייטן זענען אויסגעלאָזט געוואָרן צוליב דעם, ווייל יעדע מינוט זענען אַנדערע שילער אַריינגעקומען, ווער צו קויפן אַ אידיש בוך און ווער צו מאַכן איינצאָלונגען, אונטערברעכנדיק מיין געשפּרעך מיט ה' פיינזילבער.

באַמערקנדיק אַז איך בין, וואַרשיינלעך, ניט געקומען אין דער ריכטיקער צייט, האָב איך געפרעגט ה' פיינזילבער'ן, צו ער האָט עפּעס אַ געדרוקטן מאַטעריאַל פון וועלכן איך וואָלט מיר אַליין געקענט שאַפן אַ באַגריף וועגן דער שולע. ער האָט מיר גלייך דערלאַנגט דריי ביכער, פאַר וואָס איך בין זייער דאַנקבאַר ה' פיינזילבער'ן, ווייל איך האָב ווירקלעך געקראָגן גענוג מאַטעריאַל און וואָס איז אוממעגלעך צו דרוקן אין אַ צייטונגס אַרטיקל.

איך גלויב, אַז פאַר דעם קובאַנער אידישן לייענער וועט זיין אינטערעסאַנט צו באַקענען זיך מיט דער אַנטוויקלונג פון דער איצט גרעסטער אידישער שולע אין מעקסיקע און איך גלויב, אויך די גרעסטע פון דעם מין אויף דעם אַמעריקאַנער קאָנטינענט:

דעם 25־טן דעצעמבער 1924 האָבן אַ גרופּע אידן זיך פאַרזאַמלט אין „נדחי ישראל" צו דיסקוטירן די פראַגע וועגן אַן אידישער שולע. אויף יענער פאַרזאַמלונג איז באַלד אָרויסגעשוואומען די פונדאַמענטאַלע פראַגע: איז מעקסיקע אַ טראַנזיט פּלאַץ פון וואַנען די אידן וועלן דאַרפן פאָרזעצן זייער עמיגראַציע ערגעץ ווייטער, אָדער איז דאָס די צוקונפטיקע היים פאַר דעם ישוב...

בדעה אחת איז באַשטימט געוואָרן, אַז די שולע מוז זיין ניט קיין פּריוואַטע אונטערנעמונג, נאָר מוז געבויט ווערן אויף געזעלשאַפט־

לעבע יסודות.

אויף די נעקסטע פארזאמלונגען פון עלטערן און לערער האט מען זיך ניט געקענט אייניקן צו די שולע זאל זיין א חדר, א מאדערנע שולע, א תלמוד תורה, וועלטלעך־העברייאיש אדער אידיש.

געזיגט האט די העברייאיש־רעלי־גיעזע גרופע, אבער שפעטער זענען זיי איינגעגאנגען אויף א קאמפראמיס מיט דער מינדערהייט און האבן אריינגענומען אין זייער פראגראם אויך אידיש און ענגליש.

הגם די שולע האט געהאט א רע־ליגיעזע נאציאנאלן פראגראם, דאך בינדט זי ניט שטארק צו צו זיך „נדחי ישראל״, די פאקטישע גרינ־דער אידע. נאך פיר חדשים, צוליב מאנגל אין מאטעריעלע מיטלען, לאזן זיי איבער די שולע אויף גאטס באראט.

די ערשט ארגאניזירטע ציוניסטי־שע ארגאניזאציע, נעמט איבער די שולע אונטער איר אויפזיכט, אבער א מאנאט שפעטער, גיט זי איר אויך אויף, צוליב די זעלבע מאטיוון.

אין יוני 1925, אויף אן אלגעמיינער עלטערן פארזאמלונג, שאפט זיך א שול קאמיטעט מיטן ה׳ טאפעלאוו אלס פארזיצער און עס פאנגט זיך א ניי קאפיטל אידיש שול וועזן אין מעק־סיקע. באלד נאך דעם הויבט די שולע ווידער אן ליידן עקאנאמיש און עס גייט פון שלעכט צו ערגער. אויסער דעם ווערט די שולע באקעמפט פון אסימילאטארישע און ראדיקאלע עלע־מענטן און דער לערן יאר פון 1926 פאנגט זיך אן מיט 23 קינדער.

די שולע קריגט אן איינמאליקע שטיצע פון ניו יארקער היאס פון 200 דאלער און עטלעכע פופציקער פעזאס פון בני ברית. עס ווערן גע־שאפן רעטונגס אקציעס, אבער די שולע גייט אלץ בארג אראפ.

דעם 1־טן נאוועמבער 1927 ווערט גערופן א פאלקס מיטינג. די ראדי־קאלע עלעמענטן קריטיקירן די שול אומב׳רחמנות׳דיק. עס קומט צו פער־זענלעכע באליידיקונגען און שיער ניט צו געשלעגן. צוליב די טעמים איז קיין אויספירלעכער פראטאקאל ניט פארצייכנט געווארן און אין 1928 לערנען אין שולע 88 קינדער. אין 1929 פאלט די צאל ווידער צו 63 קינדער. אין סעפטעמבער חודש ווערט ארויסגעגעבן אן אויפקלערונגס בולעטין און די צאל קינדער פארגרע־סערט זיך ווידער. אין 1930 הויבט די שולע גיין בארג ארויף ניט מיט ווייניק שטערונגען.

ה׳ סעם ראזען — אן אקטיווער מיטגליד פון דעם שול קוראטאריום פאראינטערעסירט מיט דער שול אר־בעט די צוויי אידישע מנדבים די ה״ה מאיר קאץ און צבי באררי און זיי דריי בויען אויס, א וואונדערבארן בנין פאר דער אידישער שולע, אלס מתנה פאר דעם ישוב.

דעם 11־טן אויגוסט 1935 איז גע־לייגט געווארן דער ווינקל שטיין פאר דעם בנין.

פון די עטלעכע פאקטן געדרוקט אין דעם שול באריכט צום 20 יאריקן יובילייאום פון דער אידישער שולע אין מעקסיקע, זעען מיר, אז דער

מעקסיקאנער אידישער ישוב, האָט
אין דעם ערשטן צענדליק יאָר פון זיין
עקזיסטענץ, דורכגעלעבט א גרויסע
געזעלשאפטלעכע צעשפליטערונג, א
ישוב, וואָס האָט אימער געציילט
דאָפּלט די צאָל אידן ווי קובא און
וואָס האָט פינאנציעל, פיל שנעלער
זיך סטאביליזירט ווי דער קובאנער
אידישער ישוב, דאָך איז אין דעם
קובאנער שול וועזן, קיינמאָל ניט
געווען אזא י ר י ד ה אין די
ערשטע צענדליק יאָר פון זיין עקזיס־
טענץ. פארקערט, אין דעם ליכט פון
מעקסיקאנער אידישער שול געשיכטע,
האָט דער קובאנער קלענערער ישוב
אפילו א בעסערן רעקאָרד. טאָ ווי
קומט עס, וואָס דער קובאנער אידי־
שער ישוב האָט ניט פארגעזעצט זיין
גוטן רעקאָרד און ניט דערהויבן די
אידישע שולע צו א העכערער שטופע
אויף וועלכער זי שטייט היינט.

האוואנא האָט א גאנץ גוטע אי־
דישע שולע, אָבער די מעקסיקאנער
אידישע שול סיסטעם, ווי געזאָגט,
איז א מוסטער אפילו פאר די פאריי־
ניקטע שטאטן פון אמעריקע.

די הויפט צוויי מעקסיקאנער אי־
דישע שולן זענען געקומען צו דער
גוטער שטופע א דאנק דעם אינטערעס
פון איינצלנע פערזאָנען פון גוטן
עקאָנאָמישן שטאנד.

אין קובא זענען היינט פאראן א
גאנץ גוטע צאָל אידן, וואָס קענען
זיך ערלויבן צו באשטייערן גרעסערע
סומעס פאר געזעלשאפטלעכע און קול־
טורעלע צוועקן, ווי עס זעט אויס, איז
נאָך ניט געקומען צו דער אויבערפלאך
פון געזעלשאפטלעכן לעבן די פערזענ־
לעכקייט, וואָס זאָל קענען ערוועקן
אין די דאָזיקע מענטשן דעם ענטוז־
יאזם פאר עפּעס גרויסעס און בכבו־
דיקעס.

# די דריי צוויבער - קעניגן...

## (דערציילונג)

פון **אשר שטשוטשינסקי**

כילבערטיקאָ איז א ברוינינקער; ברוין ווי געברענטע קאפע, ניט ווייל די זון האָט אים אָפּגעברענט, נאָר ווייל ער איז אַזוי געבאָרן געוואָרן. ווען ער וואָלט ניט אָנגעהויבן אַרויסגיין אין גאַס, זיך דערשלעפּן ביז צום ראָג און אַמאָל פאַרקריכן ביז צום שפּיטאָל פאַרק, וואָלט ער דאָס גאָרניט געוואוסט. אין גרויסן סאָלאר, אוואו ער וואוינט מיט זיין טאַטן און מאמען, זענען אַלע קינדער ברוינע, פאַראַן נאָך טונקעלערע ווי ער... פאַראַן נאָר איין מיידעלע דאָרטן אַ ווייסערע, האָט ער שוין א פּאָר מאָל געפרעגט זיין מאמען פארוואָס ראָסיטע האָט א קאָליר פון געקאָכטע קאַרטאָפל...

— ווייל זי איז אַזוי געבאָרן געוואָרן! — האָט די מאמע אים קורץ געענטפערט.

אויף די עלטערע איז אים גאָרניט איינגעפאלן צום פרעגן...

כילבערטיקאָ איז אונטערגעוואָקסן און זיך אָנגעהויבן אַרומשלעפּן איבערן דורכגאנג פון סאָלאר, אַרויסקריכן פון טיר. ער איז שוין אלט געווען אַ יאָר זיבן, כאָטש ער האָט נאָך אַויסגעקוקט פון פינף. די קורצע פיסעלעך אונטערן גראָבן בייכעלע האָבן אלע מאָל זיך פארטשעפּעט אָן די אויסגעריסענע שטיינער פון גרויסן הויף און אים אומגעוואָרפן אויף דער ערד. ער פלעגט א קרעכץ טאָן און זיך רוקן ווייטער. אז דער ווייטאָק איז געווען גאָר שטאַרק, פלעגט ער זיך אַרומקוקן צו קיינער זעט ניט, א וויש טאָן מיט די שמוציקע פינגערלעך אונטער די רויטינקע אויגן. די הענטל איז געוואָרן פייכט און ער האָט זיך געשארט ווייטער, אבי קיינער זעט ניט. מער פאר אלץ האָט ער מורא געהאט טאָמער דערזעט די מאמע, זי וועט אים נאָך גוט אָנקלאפּן און ניט לאָזן מער ארויסגיין פאר דער טיר. פאר דער מאמעס קלעפּ האָט ער געציטערט, זי שלאָגט שטאַרק און שרייט נאָך שטאַרקער... ווען די מאמע שלאָגט אים בעט ער גאָט, אז דער טאַטע זאָל שוין גיכער אָנקומען. דערהערט זי נאָר דעם טאַטנס טריט, הערט זי אויף צום שלאָגן און פארענטפערט זיך. דער טאטע האָט זיך שוין ניט איינמאָל אָנגענומען פאר אים און געשלאָגן דער מאמען, ווייל ער האָט געטראָפן ווי ס'גיסט זיך בלוט פון כילבערטיקאָ'ס מויל.

שטייענדיק לעבן טיר פון סאַלאָר איז כילבערטיקאַ'ן פלוצלינג ווי פון דער העלער הויט אַריין אַ געדאַנק. ער האָט אַ הויב געטאָן די הענטלעך צו די אויגן:

זע נאָר, איך בין אַ טונקעלער. דאָס אינגעלע וואָס איז פאַרבייגעגאַנגען איז אַנדערש, אַזוי ווי מען וואָלט אים אָפּגעבאָדן אין מילך, נאָך ווייסער פון ראָסיטען. ער האָט אַ קוק געטאָן אויף זיינע באָרוועסע פיסלעך, וואָס זענען געווען שטאַרק שמוציק און זיך אַראָפּגערוקט פון שוועל צוריק אויף אינעווייניק אין סאַלאָר.

כילבערטיקאַ איז צוגעקומען צום טיר פון ראָסיטעס צימער און דאָרט אַריינגעקוקט. ראָסיטעס מאַמע איז געשטאַנען און געפּרעסט. אויף אַ קעסטל דערנעבן איז געלעגן אַ באַרג מיט אויסגעוואַשענע צעקנייטשטע וועש, זי האָט זיך אַ בויג געטאָן צום טיר און איבערגעביטן דעם אייזערנעם פּרעסל אויף אַ צווייטן, וואָס האָט זיך געוואָרעמט אויף צעפלאַמטע קוילן אין אַ גרויסער פּיר־קאַנטיקער פּייערקע, וואָס איז געשטאַנען אויף אַ פּוס אויף דער ערד.

כילבערטיקאַ איז אַדורך אַ געדאַנק: „זי איז דאָך אויך אַזאַ ווייסע ווי ראָסיטאַ“. די פרוי האָט אים דערזען אַנטקעגן טיר און פריינטלעך געפרעגט:

— וואָס ווילסטו שוואַרצינקער?

— גאָרניט... האָט ער געענטפערט ווי פון חלום און זיך אָוועקגעשאַרט ווייטער צום לעצטן צימער. גייענדיק האָט זיך אים געפלאָנטערט אין קינדערשן מוח'ל: „איך בין אַ שוואַרצינקער... ראָסיטע איז אַ ווייסע“...

כילבערטיקאַ איז אַריין אין צימער און זיך אַוועקגעזעצט אויף זיין ביינקעלע — אַ פּירקאַנטיקע הילצערנע קעסטעלע. אויפן קאָלירטן פּאַפּיר וואָס האָט פאַרדעקט איין זייט, זענען געווען אויסגעמאָלן עטלעכע גרויסע עפּל, פון קעסטעלע האָט געשלאָגן אַ ריח פון פרוכט, ער האָט געלאָזן באַטראַכט זיינע הענט, אַראָפּגעקוקט צו די באָרוועסע פיסלעך און געטראַכט וועגן זייער קאָליר...

אין טיר האָט זיך באַוויזן דער טאַטע.

— וואָס זיצסטו אַזוי? מען האָט דיר געשלאָגן?

— ניין, טאַטע! ניין! קיינער האָט מיר ניט געשלאָגן, די מאַמע איז ניטאָ. ער האָט שטאַרק צעעפנט די רויטינקע אויגעלעך און אָנגעקוקט דעם טאַטן... אין קינדערשן מוח'ל האָבן זיך געפלאָנטערט דער מאַמעס רייד: „מיר זענען אַזוי געבאָרן געוואָרן“...

* * * *

יום טוב'דיקע טעג האָבן זיך אויסגעלייגט אין די טונקעלע, פייכטע צימערלעך פון אַלטן סאַלאָר. עפּעס האָבן די רייד געמאַכט העלער די גרויע ווענט פון וועלכע עס האָט זיך אומאויפהערלעך געשאָטן דער צעטריקנטער זאַמד און ליים. עמיצער האָט אויפן זונטיק־פרימאָרגן אָפּגעקאַלכט די שטיקל

וואנט ארום דער טיר. האָבן אים די שכנים געבעטן אַנטלייען דעם עמער און דעם פּענזעל, וועלן זיי אויך קויפן אַביסל וואַפּנע און אים נאָכטאָן.

צימער נאָך צימער, האָט יעדער פאַרקאַלכט די גאַנץ יאָריקע גרויקייט אַרום די טיר לעבער. אָבער די צעברענטע ברוינע פאַרב אויף די צעטריקנטע אַלטע טירן איז געוואָרן נאָך גרויער, נאָך שוואַרצער, ווי עס וואָלט אויף זיי אַרויפגעשאָטנט די עלטער און זיי נאָך מערער צעקראַצט און צעקאַרבט.

א סוף יאָריקע זון האָט א לייכט געטאָן אויף די פאַרפאַרבטע שטיקער ווענט איבער דעם ווייסן קאַלך און אויסגעגאָסן די פרייד פון אַן אָפּגעלעבטן, איבערגעקומענעם יאָר און די האָפענונג אויף א בעסערן...

די קולות פון די שכנים האָבן געקלונגען פריילעכער. דאָס „ניי יאָר“ וואָרט האָט זיך געפלאָכטן אין אַלע רייד און זיי געמאַכט היציקער, הייסער.

פון מאָל צו מאָל האָט מען געזען עמיצן אַריינטראָגן א פּעקעלע אין הויף איינגעוויקלט אין פרישן פּאַפּיר. קיינער האָט ניט געדאַרפט פרעגן — אַלע האָבן געוואוסט, דאָס איז אויף ניי יאָר.

ערב ניי־יאָר פרימאָרגן איז דער הויף געוואָרן א בינשטאָק. קיינער איז ניט איינגעשטאַנען אויף אַן אָרט, אַריין און אַרויס, דער אַלטער סאָלאַר איז אָנגעפילט געוואָרן מיט זיסע ריחות, ווי עס וואָלט דאָרטן געוועזן א בעקעריי אָדער גאָר א בשמים קראָם. עס האָבן געשלאָגן ריחות פון צעווירענעם וויין, פון געפילטן כאַלוואַ, פון געמאָלענע ניס, פון אַלץ וואָס דער גומען קען זיך גאָר דערמאָנען.

כילבערטיקאָ האָט זיך אַרומגעדרייט איבערן אָפּגעפרישטן הויף און גע־מאָסטן מיט די באָרוועסע פיסלעך די שטיינער וואָס א גוטער שכן האָט אַריינגעפּאַסט צוריק אויף זייער אַמאָליקן אָרט און האָט אַריינגעאָטעמט די גוטע ריחות אַלץ טיפער...

אויפן קליינעם טישעלע אין זייער צימער זענען שוין אויך געלעגן עט־לעכע פּעקעלעך, גוט אַרומגעבונדענע. כילבערטיקאָ האָט זיך צוגערוקט, זיי א טאַפּ געטאָן מיט די שוואַרצע פינגערלעך, געקלאַפּט מיט די שפּיצן פון די פינגער אין פּאַפּיר, אָן א טאָווּלנער קעסטעלע, צוגערוקט דעם פּלאַטשיקן נע־זעלע צום פּעקל, א פאַרצי געטאָן דעם אָטעם און געטראַכט: ס'איז פאַר אונז...

— כילבערטאָ! כילבערטאָ! האָט אים גערופן ראַמאָנסיטאָ, דעם שכנ'ס אינגעלע — קום אַרויס וועסטו עפּעס זען א זאַך!...

כילבערטאָ איז אַרויסגעלאָפן פון צימער.

ראַמאָנסיטאָ איז געשטאַנען מיט א פאַריסענע קאָפּ און אויסגעקוקט העכער ווי שטענדיק. ווען ער זעט ניט זיין פּנים וואָלט ער אים געוויס ניט דערקענט... ער האָט געטראָגן א פּאָר בלויע מעקאַניקער הויזלעך מיט שלייקעס פון דער זעלבער סחורה איבערגעקרייצט איבער די אַקסלען.

— מען האָט דאָס דיר געשאָנקען, ראַמאָנסיטאָ?

— מען האָט דאָס מיר געקויפט, כילבערטאָ, און שיך אויך... מאָרגן איז דאָך ניי יאָר. מיין טאַטע זאָגט, אז די „רעיעס“ וועלן מיר ברענגען נאָך א סך זאַכן וואָס איך וועל בעטן...

ראמאנסיטא האט זיך געשטויסן צום ריידן נאך, אָבער כילבערטיקאַ האָט זיך אויסגעדרייט — ווי ער וואָלט מער ניט קענען אויסהערן — און זיך אַריינגעדרוקט אין צימער. ער האָט נאָך אַמאָל באַטראַכט די פּעקלעך אויפן טיש און צו זיך געקלערט: „וואָס קען דאָרטן זיין? אפשר שיך פאר מיר... באלד וועט קומען די מאמע"... ער האָט זיך אוועקגעזעצט אויפן קעסטעלע — זיין ביינקעלע, געקוקט אויף זיינע באָרוועסע פיסלעך, אויף די צוויי ברוינע לאַטעס אין די קני פון די גרויע הייזלעך, געקוקט און גע־שוויגן. אין די אויערלעך האָט אים נאָך אַלץ געקלונגען: „מען האָט דאָס מיר געקויפט"!

כילבערטיקאַ האָט דערהערט האסטיקע טריט איבערן שטיינערנעם הויף, ער האָט זיך א הויב געטאָן פון קעסטעלע און געלאָפן צום טיר.

פון הויף האָט זיך געהערט דער מאמעס קול:

— כילבערטיקאַ! וואו ביסטו? קום אהער! קום וועל איך דיר אָנמעסטן די נייע שיך...

כילבערטיקאַ איז געוואָרן ווילד. ער האָט א כאַפּ געטאָן דעם איינגע־וויקלטן שאַכטל און זיך ווילד פאַנאַנדערגעשריגן:

— ראַמאַן! ראַמאַנסיטאַ! וואו ביסטו? קום, וועסטו זען... מיינע נייע שיך!

ער איז נאָכגעלאָפן דער מאמען ביז צום טיר, געשפּרונגען שרייענדיק און רופנדיק...

ראַמאַן — זיין חבר — איז אים נאָכגעלאָפן און גערעדט:

— און די „רעיעס" וועלן דיר ברענגען נאָך זאַכן? וואָס האָט געזאָגט דיין טאַטע?...

* * * *

— מיר וועלן די „רעיעס" ברענגען שיך! — האָט ראַסיטע דורך די איי־זערנע גראַטעס פון נידעריקן פענסטער אַרויסגערעדט צו די אינגלעך וואָס זע־נען געשטאַנען אויפן הויף און זיך דערציילט איינע די צווייטע וואָס זיי וועלן בעטן ביי די „רעיעס מאַגאָס" (צויבער קעניגן).

— הע, איך דאַרף ניט קיין שיך! מיר האָט מען שוין געקויפט שיך אָן די רעיעס. איך וועל זיי בעטן א פּאָר „פּאַטינעס". און אויב זיי וועלן האָבן... פאר מיר א ביסיקלעט. אי, וואָלט איך דאָס געוואָלט!... נאָך בעסער ווי די פּאַ־טינעס. מען טאָר אָבער ניט בעטן צופיל... מיינסט טאַקע, אז זיי זענען גוטע... זיי ווערן אַמאָל אין כעס ברענגען זיי גאָרניט. כ'וועל בעסער בעטן „פּאַטי־נעס" אליין, וועל איך זיין זיכערער...

— ווער האָט דיר געזאָגט ראַמאַנסיטאַ, אז ווען די רעיעס ווערן אין כעס ברענגען זיי גאָרניט? איך קען דאָס ניט גלויבן. עפּעס ברענגען זיי דאָך פאר יעדן קינד... ווען ניט וואָלטן דאָך א סך קינדער געוויינט... — האָט כילבער־טיקאַ מיט אן אומזיכערער שטים געזאָגט.

— מיין טאַטע האָט דאָס מיר געזאָגט. דו מיינסט, אַז ער ווייס ניט?

— מיין טאַטע האָט מיר גאָרניט געזאָגט, — האָט כילבערטיקאַ ווי זיך פאַרענטפערט און זיך געקליבן אוועקגיין.

— גייט ניט אוועק! שטייט בעסער דאַ, מיין מאַמע האָט אוועקגעטראָגן אַ פּעקל וועש האָט זי פאַרמאַכט די טיר... שטייט בעסער דאַ... האָט ראַסיטאַ געזאָגט צו די קינדער דורך די גראַטעס.

— פאַרוואָס פאַרמאַכט מען דיר שטענדיק אין שטוב, ראַסיטאַ?

— איך ווייס ניט... מיין מאַמע זאָגט, אַז מען דאַרף זיך ניט וואַלגערן אויפן הויף. מיר האָבן געוואוינט אין אַן אַנדער שטוב, אין אַ גרויסער. איך געדיינק דאָס, נאָר מיין טאַטע איז אוועקגעפאָרן, דאַרפן מיר וואוינען דאַ...! וואָס וועלן דיר ברענגען די רעיעס? כילבערטאַ!

— איך ווייס ניט...

— דיין טאַטע האָט דיר ניט געזאָגט? וואָס וועסטו בעטן?

— גאָרניט, זאָלן זיי ברענגען וואָס זיי ווילן...

—דו ביסט גערעכט כילבערטאַ, בעסער ניט בעטן, זאָלן זיי ברענגען וואָס זיי ווילן. טאָמער ברענגען זיי גאָרניט...

אין דער אָפענער טירל פון גרויסן הילצערנעם טויער האָט זיך באַוויזן ראַסיטעס מאַמע מיט אַ פּעקל וועש אונטערן אָרעם. די קינדער האָבן זיך אָפּגערוקט פון פענסטער און זיך פאַנאַנדערגעגאַנגען אין די צימערן.

* * * *

אַ קאַלטער, פייכטער ווינט האָט געבלאָזן אין דער אָפענער טיר פון אַלטן סאַלאָר, געוויקט די צעהאַנגענע וועש אויף די פאַרצויגענע שטריקלעך ביי די אַריינגענג פון די צימערן, פאַנאַנדערגעבלאָזן די קוילן אין דער פייערקע וואו עס האָבן זיך געוואַרעמט די פּרעס אייזנס, וואָס ראַסיטעס מאַמע האָט יעדער ווייל געטווישט אויף אַ הייסערן.

כילבערטאַ איז ווי מיטן ווינט אַריינגעפאַלן אין טיר און געבליבן שטיין. ער האָט זיך אַרומגעקוקט און אוועקגעשפּאַנט מיט זיינע האַרטע שיך צו ראַמאָנס צימער. ראַמאָן איז אים אַנטקעגנגעקומען.

— ראַמאָן! קום אהער! — האָט כילבערטאַ אים אַ שלעפּ געטאָן ווייטער פון דער טיר, — דו האָסט שוין אַמאָל געזען די צויבער קעניגן?

— פאַרוואָס פרעגסטו דאָס?

— אַזוי, ווייל כ'וויל וויסן...

— ניין כ'האָב ניט געזען... און דו?

— יע, איך האָב זיי געזען... ווילסט זיי זען? ווייסט אוואו?

— זאָג מיר...

— גיי אַריבער דעם פּאַרק, אויף יענער זייט גאַס איז דאַ אַ געשעפט פון שפּילצייג, אין פענסטער שטייען זיי... ראַמאָן...! איינער איז אַזאַ ווי איך... אַזאַ ווי דו... ער ברענגט אויך... ער וועט ברענגען פאַר אונז...

— אלץ פרעגסטו ביי מיר, היינט ביינאכט קומען זיי, מיינע „פּאַטי־נעס“... זיי וועלן ברענגען? וואָס האָסטו געבעטן?

— ראַמאַן, די ווייסע קומען אויך צו אונז?

— וואָס האָסטו געבעטן האָב איך דיר געפרעגט, וועסט ניט בעטן וועלן זיי דיר גאָרניט ברענגען...

— איך האָב נאָך גאָרניט געבעטן... ווי בעט מען? מיין טאַטע האָט מיר גאָרניט געזאָגט.

— דיין מאַמע גייט! האָט ראַמאַן א זאָג געטאָן צו כילבערטאָן און זיך אַריינגערוקט אין טיר פון צימער.

— מאַמע! ראַמאַן זאָגט, אז היינטיקע נאַכט קומען די „רעיעס“. איך דאַרף זיי עפּעס בעטן?

אירע רויטע דיקע ליפּן האָבן זיך עטוואָס צעעפנט און אַרויסגעשטעלט ווייסע לאַנגע ציין, דער לשון איז אָבער געבליבן שטעקן אין האַלז. זי האָט זיך צוגעבויגן צום קינד און אים געקושט איבערן ברוינעם שטערן:

— דער טאַטע וועט דיר זאָגן... ווען ער וועט קומען...

זי איז א ווײַלע געבליבן שטיין, געקוקט אויפן קינד און געטראַכט: — וועד ווייס וואָס וואַלעריאַן וועט היינט ברענגען. די טעג נאָך די יום טובים זענען אַזעלכע שלעכטע, קיינער פאַרט ניט קיין „קאַררעראַ“, אַלע האָבן זיך אויסגעליידיקט... די רייכע האָבן אייגענע מאַשינען... ווען עס מאַכן זיך עטלע־כע „קאַררעראַס“ וואָלט דאָס קינד אויך געמעגט בעטן ביי די „רעיעס“.

— כילבערטאָ! — האָט זי ניט ווילנדיק אים א פרעג געטאָן, — וואָס וועסטו בעטן?

כילבערטאָ איז אויפגעשפּרונגען:

— אָבער איך מעג בעטן?

אַלגע האָט זיך א וואַקל געטאָן אויף אירע פיס, פאַר אירע אויגן האָט א שוועב געטאָן די געשטאַלט פון איר טאַטן. ער שטייט און שניצט פון א ברעטל א קאָפּ פון א פערדל אַרויפגעזעצט אויף א לאַנגן שטעקן. דאָס וועט זיין די מתנה וואָס עס וועלן ברענגען די „רעיעס“ פאַר איר... פאַר אַלגען. אַזעל־כע מתנות ברענגען די צווייבער קעניגן צו די אָרעמע קינדער אין די פּראָוואַר־פענע דערפלעך, אוואו עס וואוינען אין איינגעפאַלענע כאַלופּעס, די קאַניע שניטער. אַט דערמאָנט זי זיך, שלעפּט איר די מומע פאַרן האַנט: קום! קום! וועל איך דיר קויפן שיך און אוועקפירן אַרבעטן, א מויד פון צוועלף יאָר! אין דיין עלטער האָב איך שוין געהאָדעוועט דער מאַמעס פינף קינדער.

אין צימער איז שוין געוועזן גאַנץ פינסטער, איבערן פאַרצויגענעם פאָר־האַנג מיט אָפּגעקראַכענע בלומען האָט זיך געטונקלט א פייכטער פאַרנאַכט וואָס האָט געשמעקט מיט רעגן.

— „נעמט אַריין די וועש“! „נעמט אַריין די וועש“! — האָט זיך געהערט איבערן גאַנצן הויף א רופעריי. „ס'גייט רעגענען“, „ס'רעגנט שוין“... פון

דער דערבייאיקער טיר האָבן זיך געהערט ביטערע רייד: „געקלערט נאָך היינט אויספרעסן די וועש און אוועקטראָגן. אויס רעיעס, האָט ראָסיטעס מאמע — מיט אַ זיפצן געברומט צו זיך אליין. „אויס רעיעס", זע אַ מזל".

גראָבע טראָפּנס רעגן האָבן זיך אָפּגעשלאָגן אָן שטיינערנעם הויף און זיך צעשפּריצט אַרום מאכנדיק אלץ נאַס... אלץ נאַסער...

אָלגע האָט צוגעצויגן דאָס קינד צו זיך, אים צוגעטוליעט צו איר פלאכער ברוסט און שטילערהייט אים איינגערוימט:

— „מעגסט בעטן! כילבערטאָ, מעגסט בעטן".

— מאמע! איך וויל א ביינקעלע, אזא ווי ראָסיטעס... זיך צום קענען וויגן און מער וויל איך גאָר... „פּאטינעס", ווי די וואָס די רעיעס וועלן ברייגגען פאר ראמאָנסיטאָן...

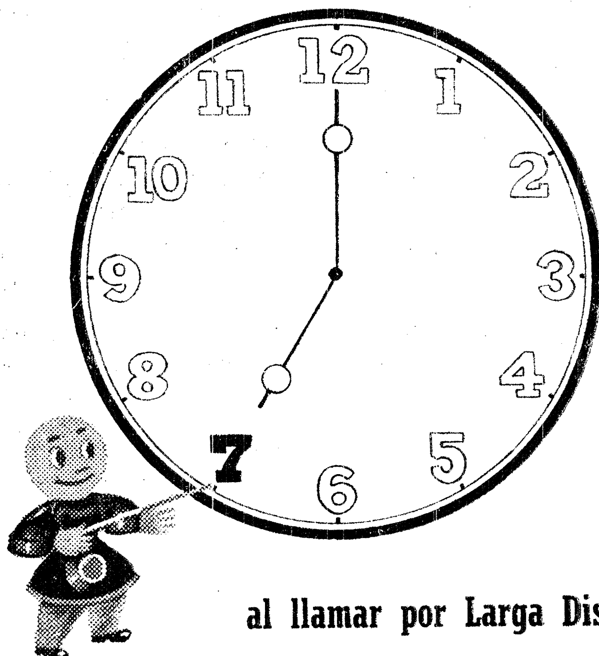
דער רעגן איז געוואָרן שטאַרקער, דורך דער טיר אונטערן פאָרהאנג האָט ארייגגעשפּריצט אין שטוב און פייכט געמאכט די צעראצטע פאָדלאָגע.

כילבערטאָ האָט זיך א הויב געטאָן פון דער מאמעס שויס, א שפּרונג גע־טאָן צוט טיר און מיט צער אויסגעשריגן:

— „מאמע! פארוואָס האָבן זיי געמאָכט אַ רעגן?... ווי וועלן זיי קומען, די רעיעס?"

— קינד מיינס, ווייל ס'רעגנט וועלן זיי צו אונז אויך קומען...

# Esté al tanto de la hora...



**al llamar por Larga Distancia...**

Desde las 7 P. M. cada día de la semana y durante todo el día del domingo las tarifas de Larga Distancia son más económicas.

Durante esos periodos, en que recesan las actividades comerciales, los circuitos están más expeditos.

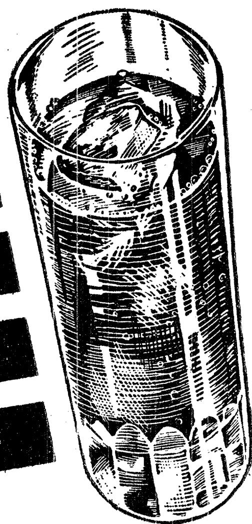
Desde su casa, de su finca, de la playa o de cualquier otro lugar donde usted se encuentre, puede obtener la comunicación deseada con rapidez y economía.

L DN-18
12-49

*Cuban Telephone Company*

¡QUE SUERTE TIENE el CUBANO!

Un
Highball
Sabroso
Noble
Perfecto






añejo BACARDI
Unico en
el Mundo

# נאַפט אויסזיכטן אין ישראל

פון ש. אבראַמסקי



דער נאַפט געזעץ, וואָס איז אַריינגעטראָגן געוואָרן אין דער כנסת פירט אונז אַריין — על כל פנים טעאָרעטיש — אין דעם נאַפט קרייז פון מיטעלן מזרח. דערמיט זענען פאַרבונדן א סך פּראָבלעמען: 1) די עקאָנאָמיש רענטאַבלע עקספּלאָטאַציע, 2) די באַציאונגען צווישן די פרעמדע געזעלשאַפטן און דער מדינה, 3) נוצן פאַר דער מדינה און עקספּאָרט קיין אויסלאַנד, 4) פּאָליטישע און אפשר אפילו מיליטערישע פּראָבלעמען, מיט וועלכע עס איז ביי היינטיקן טאָג פאַרבונדן די מעגלעכקייט פון נאַפט עקספּלאָטאַציע אין אַזאַ עמפּפינדלעכן געביט, ווי עס איז דער געביט פון מיטללענדישן ים. יעדנפאַלס זענען מיר אַרויס פון דער תקופה פון סענסאַציעס און פּוסטע קלאַנגען. די באַמיאונגען צו געפינען נאַפט אין ישראל האָבן באַקומען אַן אָפיציעלן שטעמפּל, זענען פאָרמולירט געוואָרן מיט פּראָפעסיאָנעלער עקזאַקטקייט אין יורידישע פּאַראַגראַפן.

## די באַדייטונג פון דעם „נאַפט געזעץ"

דער געזעץ פאָרשלאַג אנטהאַלט בערך 80 פּאַראַגראַפן, וואָס זענען נוגע קאָנצעסיעס פון פּאַראינטערעסירטע געזעלשאַפטן. פּאָרלויפיק האַנדלט עס זיך, אַז די קאָנצעסיעס וועלן פאַרטיילט ווערן אין דריי קאַטעגאָריעס: 1) דערלויבעניש אויף א געאָלאָגישן איבערזיכט; 2) דערלויבעניש אויף עקספּערימענטאַלע גראָבונגען; 3) דערלויבעניש אויף עקספּלאָטאַציע ממש. די דאָזיקע פאָרמולירונג איז אַן און פאַר זיך גענוג, כדי צו באַווייזן, אַז מיר שטייען נאָך אין אָנהויב פון דעם נאַפט קאַפּיטאַל אין ישראל. נאָך אַלע ביז איצטיקע פאָרשונגען איז נאָך פאַראַן א גרויסער אָרט פאַר געאָלאָגישע און געאָפיזישע אונטערזוכונגען. עס איז אָנגענומען אין דער וועלט, אַז די דאָזיקע פאָרשונגען בילדן אַן אינטעגראַלן טייל פון די נאַפט זוכונגען און זייערע הוצאות זענען לכתחילה איינגעשלאָסן אין דעם בודזשעט פון די נאַפט געזעלשאַפטן. מען קען זיך שווער פאָרשטעלן, אַז א וועלכע ניט איז געזעלשאַפט וועט קענען אָנהויבן אַרבעטן אָן א גענוגנדיקן פינאַנציעלן רעזערוו.

דאָס גאַנצע לאַנד וועט פאַרטיילט ווערן אויף 4 געאָגראַפישע באַצירקן,

וואָס וועלן איינגעטיילט ווערן אין סוב באַצירקן. אין איין באַצירק וועט אַ קאָנצעסיאָנער קענען באַקומען גראָבונג דערלויבענישן נאָר אין דריי סוב באַצירקן, און אין יעדן סוב באַצירק ניט מער ווי 400.000 דונאם. אויב א קאָנצעסיאָנער וועט אנטדעקן נאפט, וועט ער דארפן איבערגעבן 150.000 דונאם דער רעגירונג און וועט קענען פאָרזעצן גראָבן נאָר אויף דעם איבעריקן שטח. די קאָנצעסיעס וועלן געגעבן ווערן ניט מער ווי אויף 30 יאָר, מיט אַ מעגלעכקייט צו פארלענגערן זיי אין באַשטימטע פאלן אויף ווייטערדיקע 19 יאָר. די אָפּצאָלונגען פאר דער רעגירונג — „ראיאלטים" — וועלן דערגרייכן 12½ % פון דעם ווערט פון דעם פּראָדוצירטן נאפט, אויסער הכנסה שטייערן און ספּעציעלע אָפּצאָלונגען פארן געפּאכטעטן באָדן. די ספּעציעלע אָפּצאָלונגען וועלן יעדעם יאָר פארגרעסערט ווערן, כדי ניט צו קאָנצענטרירן באָדן שטחים אין די הענט פון פּעכטער אין משך פון א צו לאנגער צייט. די רעגירונג וועט האָבן פּרייאריטי רעכט ביים קויפן נאפט פאר די באַדערפענישן פון אינערלעכן מאַרק.

מען קען געווים א סך דיסקוטירן אַרום דעם פּאָליטישן זין פון דעם געזעץ. אָבער יעדער אָביעקטיווער דענקער ווייסט, אז כדי היינט צו געפינען און גראָבן נאפט איז נויטיק א סך געלט. אלע קליינע מדינות, וואָס איז זייער באָדן איז פארבאָרגן נאפט, דארפן אָנקומען צו פרעמדע קאַפּיטאַליסטישע געזעלשאפטן. דאָס פּראָבלעם איז — ווי אַזוי אָפּצוהיטן די אינטערעסן פון דער מדינה אין די דאָזיקע אָביעקטיווע אומשטענדן.

די באַגרענעצונגען, אַזוי ווי זיי זענען פאָרמולירט אין דעם געזעץ פאָרשלאג, זענען קלאָר: 1) געאָגראַפישע באשריינקונג פון דעם גראָבונגס שטח; 2) פארפאכטונג אויף א באַגרענעצטער צייט; 3) זיכערונג פון אַ געהעריקן ריווח פאר דער מדינה; 4) סטימולירונג פון קאָנקורענץ צווישן די קאָנצעסיאָנערן; 5) זאָרג פאר אינערלעכן מארק. זעלבסטפארשטענדלעך אנולירט דעם נאפט געזעץ אלע קאָנצעסיעס, וואָס זענען זיינערצייט געגעבן געוואָרן פארשיידענע געזעלשאפטן דורך דער מאנדאט רעגירונג.

די כוונה פון דעם געזעץ איז ניט אַזוי די הויך פון די „ראיאלטים", ווי פארקירצן די צייט פאר זוכן און פאָרשן. די דערלויבענישן פון דער צווייטער קאטעגאָריע — עקספּערימענט גראָבונגען — זענען באַשריינקט אויף בלויז דריי יאָר און באַצוועקן צו פארשנעלערן דעם טעמפּאָ פון דער ארבעט און איר פארנעם. אויך די סטימולירונג פון דער קאָנקורענץ צווישן די קאָנצעסיאָנערן באצוועקט א פארשנעלערונג פון דער ארבעט; דאָס ניט צולאָזן פון מאָנאָפּאָליסטישע קאָנצעסיעס באצוועקט צו סטימולירן די פארשיידענע אָנשויאונגען אויפן געאָלאָגישן געביט, כדי צו פארגרעסערן די אויסזיכטן פאר נאפט אנטדעקונג.

## די באָדן סטרוקטור

עס בלייבט אָבער די עיקר'דיקע פראגע: וואָס פאר א אויסזיכטן זענען פאראַן צו אנטדעקן נאפט, ריכטיקער געזאָגט, פאר א רענטאבלער נאפט עקספּלאָאַטאַציע אין ישראל?

דער ענטפער פון די געאָגראַפן און געאָפיזיקער איז באַקאַנט: עס איז ניטאָ קיין שום גרונט, פאַרוואָס עס זאָל זיך ניט געפינען קיין נאַפט אין ישראל... פאַרלויפיק קען מען מער ניט זאָגן.

גלייכצייטיק עקזיסטירן געוויסע פאַרבאַדינגונגען, אַז מען זאָל יאָ קענען דאָ געפינען נאַפט. ארץ ישראל געהערט צו איינעם פון די רייכסטע נאַפט געביטן אין דער וועלט. אין צפון פון איר געפינט זיך דער קאַווקאַז; אין מזרח און דרום — פערסיע, סאַאודיע, קאַוווייט און באַהריין. מען דאַרף אָבער געדיינקען, אַז לגבי דעם געוואַלדיקן שטח געפינט מען נאַפט נאָר אין באַשריינקטע באַצירקן. די האָפענונג פאַר ישראל קען פאַרשטאַרקט ווערן דורך דעם פאַקט, וואָס לעצטנס זענען געפונען געוואָרן נאַפט מקורות אויך אין מזרח פון מיטללענדישן ים, וואָס ווערט באַטראַכט אַלס אַ פאַרהעלטניסמעסיק אָרעמער געביט. דער נאַפט אויף דעם סינישן האַלב אינזל קען דערמוטיקן די אויסזיכטן פאַר ישראל אין צוויי הינזיכטן: אַ) די געאָגראַפישע שכנה'שאַפט און ב) די ענלעכקייט צווישן די געאָלאָגישע שיכטן אויפן סינישן האַלב אינזל און אין ישראל.

די באָדן שיכטן אין נגב זענען געפּאָלדעוועט. אין די שכנות'דיקע לענדער, איראַק, פערסיע אויפן אַראַבישן און סינישן האַלב אינזל — וואָס זענען געבויט אויף אַן ענלעכן אופן האָט מען אַנטדעקט גרויסע נאַפט אוצרות. דייטלעכע פאַלדן פון דעם מין זענען אַנטדעקט געוואָרן בעיקר אין דער סביבה פון ממשית־קורנוב, אין דער סביבה פון דעם גרויסן שטויסל און פון דעם רמון שטויסל.

נאָכמער, די פאַלדן אין סיני זענען אייגנטלעך אַ פאַרזעצונג פון די פאַלדן אין נגב.

עס עקזיסטירט טראָץ דעם אַ געוויסע שוועריקייט. דורך אַ נאַטירלעכן פּראָצעס שטייגט דער נאַפט צוזאַמען מיט די מינעראַלן, וואָס באַגלייטן אים, אין די אויבערשטע שיכטן פון די פאַלדן. אָבער אין ארץ ישראל זענען די פאַלדן צעבראָכן און צעברעקלט, אַ טייל פון זיי איז צעשטערט געוואָרן דורך די ווירקונגען פון ווינט, רעגן און וואַסער. עס קען, דעריבער, זיין, אַז די אויל שיכטן זענען אין משך פון דער צייט פאַרלאָרן געגאַנגען. מען דאַרף יעדנפאַלס נעמען אין באַטראַכט, אַז אין די באַדינגונגען זענען די נגב פעלזן ווייניקער פּאַסיק פאַר אַנטהאַלטן ערד אויל, ווי די פעלזן פון פערסיע און אַראַביע. עס קען אָבער אויך זיין, אַז דוקא אין ברעג ים פּאַס זענען פאַראַן בעסערע אויסזיכטן. דער געאָלאָג ל. פּיקאַרד האַלט, אַז עס קען זיין, אַז די אויל אוצרות אין ברעג ים פּאַס האָבן זיך אַראָפּגעלאָזן טיפער, ווען דער טאָל האָט זיך אַראָפּגעלאָזן, זענען אַריינגעדרונגען אין אינגערע שיכטן און אָפּגעראַטעוועט געוואָרן פון צעשטערונג. עס זענען ווירקלעך געפונען געוואָרן צייכנס, אַז אין ברעג ים פּאַס געפינט זיך נאַפט; מען האָט אפילו געפונען קליינע כמותן נאַפט, באַזונדערס אין דער סביבה פון כרכור.

## אויסערלעכע סימנים

עס עקזיסטירן אויך נאָך דייטלעכערע אויסערלעכע סימנים, וואָס זאָגן עדות וועגן באַשטימטע נאַפט פאַר־

מען אין ישראל'דיקן באָדן. אין א ברונעם, וואָס איז געגראָבן געוואָרן אויפן ברעג ים פּאָס, איז געפונען געוואָרן ערד גאַז. ערד גאַז האָט מען געפונען אויך ביי עזה און אין דער סביבה פון ים המלח. עס איז באַקאַנט, אז דער דאָזיקער גאַז באַגלייט אין א סך ערטער נאַפט מקורות און איז א סימן, אז עס איז דאָ נאַפט. נאָכמער, מיט א שטיקל צייט צוריק פלעגט מען די גאַזן פאַרברענען אין די ראַפינעריעס, ווייל מען האָט זיי געהאַלטן פאַר ווערטלאָז; היינט בילדן זיי א ווערטפולן מאַטעריאַל פאַר סינטעטישע שטאָפן, וואָס זענען אַזוי וויכטיק אין דער מאָדערנער אינדוסטריע. ווי באַקאַנט, געפינען זיך מזרח צו פון עזה אויפן מצרישן גרענעץ שוועבל גרובן. אויב דער שוועבל איז אויף דעם דאָזיקן געביט פאַרבונדן מיט ביטומען, איז עס ווידער א סימן, אז אין דעם דרום'דיקן ברעג ים פּאַס געפינט זיך א געוויסע נאַפט פאָרמאַציע.

בולטע סימנים פון מינעראַלן, וואָס זענען פאַרבונדן מיט נאַפט, געפינען זיך ביים ים המלח. אויפן גאַנצן שטח זענען פאַרשפּרייט ביטומען און אַספאַלט. אַספאַלט טרעט אויף בעיקר אין דער פאָרם פון בלאָקן, וואָס שווימען אין דרום'דיקן טייל פון ים המלח נאָך אן ערד ציטערניש. אַספאַלט איז, אייגנטלעך, ניט מער ווי קאָמפּאַקטער ביטומען; ער האָט א ריח פון רוי נאַפט און א גלענצנדיקן שוואַרצן קאָליר. עס איז ניט באַקאַנט, פון וואַנען דער אַספאַלט נעמט זיך — פון שיכטן אונטערן ים גרונט אָדער אַספאַלט שטיינער אויפן מערב'דיקן ברעג פון ים המלח. צאָלרייכע אַספאַלט בלאָקן זענען געפונען געוואָרן ביים אויסגוס פון טייך ארנון און אין דער סביבה פון עין גדי. יעדנפאַלס, איז עס א דייטלעכער סימן, אז עס איז פאַראַן ערד אויל. י. בראַסלאַווסקי ווייזט אָן אין זיין ווערק „הידעת את הארץ" אויף פאַקטן, ווען אַספאַלט איז דייטלעך אויפגעטראָטן. נאָך אין יאָר 1874 האָט א טוריסט אַנטדעקט א פּעטע ברוינע פליסיקייט דרום צו פון טייך ארנון. די אַראַבער האָבן גערופן דעם אָרט „ביר אל חמר" — אַספאַלט ברונעם. אן אַנדער רייזע פאָרשער האָט געזען אין צפון פון טייך זערקא אן אויל קוואַל, וואָס טריפט פון די פעלזן. אויך אין עין אמה דרום צו פון טייך ארנון איז אַנטדעקט געוואָרן אן אַספאַלטישער אויל. אָבער די אַלע דערשיינונגען דאַרפן פאָרלויפיק באַטראַכט ווערן בלויז אַלס עפּיזאָדן, וואָס זענען באַשריינקט נאָר אויף א קליינעם שטח. דאָס זענען צייכנס פון נאַפט, אָבער מען קען גאָרניט זיין זיכער, אז מען וועט ווירקלעך געפינען נאַפט אוצרות אין דעם דאָזיקן געביט. עס קען זייער זיין, אז די גראָבונגען וועלן פירן צו אַספאַלט אוצרות... א קאָמפּאַקטער נאַפט פאָרמאַציע.

## געאָפיזישע פאָרשונגען

מען האָט לעצטנס דערמאָנט די רעזולטאַטן פון די געאָפיזישע פאָרשונגען בנוגע נאַפט אין ישראל. די עיקר'דיקע געאָפיזישע ארבעט איז דורכגעפירט געוואָרן דורכן וויצמאַן אינסטיטוט. לויט דער מיינונג פון ח. פעקערים זענען אַנטדעקט געוואָרן געאָלאָגישע שיכטן, „וואָס זענען פּאַסיק פאַר דער אקומולאַציע פון

נאַפט״. לויט דער מיינונג פון עקספּערטן, זענען די ארץ ישראל׳דיקע באָדן שיכטן באַקוועמער פאַר סייסמישע פאָרשונגען, ווי די נאַפט רייכע באָדן שיכטן אין מצרים, אָבער אין דער ווייסנשאַפטלעכער וועלט זענען נאָך עד היום פאַראַן חילוקי דעות וועגן דער עקזאַקטקייט פון די געאָפיזישע קאַלקולאַציעס. יעדנפאַלס, זענען די נבואות געווים ניט אַבסאָלוט ריכטיק.

די באַריכטן פון די עקספּערטן זענען בדרך כלל אָפּטימיסטיש. לויט דער מיינונג פון דר. וואָלטער פּעהר, דעם באַקאַנטן שווייצארישן געאָלאָג, וואָס האָט גרויסע דערפאַרונג אין גראָבונגען און פאָרשונגען אין מיטעלן מזרח, דאַרף ישראל צעטיילט ווערן אויף 9 נאַפט באַצירקן. די גראָבונגען דאַרפן זיך ניט באַשריינקען בלויז אויפן נגב, נאָר דאַרפן געמאַכט ווערן אויך אויפן ישראל׳דיקן ברעג פון מיטללענדישן ים אויף א לענג פון 188 קילאָמעטער. היות אָבער די גראָבונגען אויפן ברעג ים פּאַס זענען פאַרבונדן מיט הוצאות, וואָס זענען 6 מאָל אַזוי גרויס, ווי די גראָבונגען אין נגב, דאַרפן זיי געמאַכט ווערן שפּעטער. לויט דער מיינונג פון דר. פּעהר, קען מען באַטראַכטן די נאַפט כמותן אלס לוינענדיק אין ווירטשאַפטלעכער הינזיכט, מען קען אָבער ניט דערוואַרטן קיין פּאָזיטיווע רעזולטאַטן פאַר 1954. מען וועט ביי די גראָבונגען דערגייען אפשר ביז צו 10.000 פוס די טיף.

אויך דער באַקאַנטער געאָלאָג באַל, וואָס האָט פאַרבראַכט אין ישראל אויף דער איינלאַדונג פון דער רעגירונג, איז גענייגט צו א פאָרזיכטיקער פּאָזיטיווער מיינונג. אין דער העלפט פון די געאָלאָגישע באַצירקן, וואָס אנטהאַלטן נאַפט, זענען די אויסזיכטן גוטע, אין 25% פון זיי — נעפּלדיקע און אין די איבעריקע 25% — קליינע. לויט באַל׳ס מיינונג פאַרגרעסערן זיך די אויסזיכטן פון דרום צו צפון און פון מערב צו מזרח. זייער קליינע אויסזיכטן זענען אין דער סביבה פון אילת: עס זענען פאַראַן האָפענונגען צו געפינען נאַפט סיי אין נגב, סיי אין גליל, אין די בערג און אין די טאָלן.

## ענגליש
## אַמעריקאַנער קאָנקורענץ

עס איז אינטערעסאַנט צו באַצייכענען, אז די געשיכטע פון נאַפט גראָבונגען אין ישראל איז גאָרניט אזוי „מאָדערנע״. שוין אין סוף פון 19־טן יאָרהונדערט מערקט מען א קענטיקע פאַראינטערעסירונג אין דער נאַפט עקספּלאָטאַציע אין ארץ ישראל. דייטשן, טערקן, ענגלענדער און אַמעריקאַנער האָבן אַרויסגעזאָגט זייער מיינונג וועגן די נאַפט אויסזיכטן אין לאַנד. ענגלישע אינזשעניערן האָבן נאָך פאַר דער ערשטער וועלט מלחמה געפּרואווט גראָבן נאַפט אין ירמוק טאָל. די אַמעריקאַנישע „סטאַנדאַרט אויל קאָמפּאַני״ האָט געפּרואווט צו גראָבן אין יאָר 1914. עס זענען געמאַכט געוואָרן אַלע הכנות פאַר גראָבונגען אין דער סביבה פון ממשית־קורנוב. אָבער די ערשטע וועלט מלחמה האָט געמאַכט א סוף צו אָט די ערשטע עקספּערימענטן.

נאָך דער ערשטער וועלט מלחמה האָט אן אַמעריקאַנישע געזעלשאַפט ווידער געפּרואווט באַקומען א קאָנ־

צעסיע פון דער מאַנדאַט רעגירונג, זי האָט אָבער ניט געהאַט קיין דערפאָלג. אין די דאָזיקע יאָרן האָט זיך שוין אָנגעהויבן די קאָנקורענץ צווישן ענגלאַנד און אַמעריקע אויף די נאַפט מקורות אין דער וועלט. אין יאָר 1920 אי באַקאַנט געוואָרן די ענגלישע באַהערשונג פון די איראַקישע נאַפט פעלדער. נאָך ענערגישע באַמיאונגען מצד די אַמעריקאַנער אין משך פון לאַנגע יאָרן זענען די ענגלענדער געווען געצוואונגען נאָכצוגעבן און אין יאָר 1927 האָבן זיי מסכים געווען צו באַטייליקן די אַמעריקאַנער אין דער איראַקישער נאַפט געזעלשאַפט מיט 23.75%.

אינצווישן זענען די אַמעריקאַנער אין די 30־קער יאָרן אריינגעדרונגען אין די וויסטענישן פון אַראַבישן האַלב אינזל. אין יאָר 1941 האָבן די אַמעריקאַנער געפּלאָגן מיטגעטיילט, אַז די נאַפט רעזערוון אין סאַאודיע דערגרייכן ביז צו 22 מיליאַרד פעסער, דאָס הייסט אַ כמות, וואָס איז גלייך צו די רעזערוון אין אַלע איבעריקע טיילן פון דער וועלט, אויסער אַמעריקע. טראָץ דעם אַמעריקאַנישן דרוק אין מיטעלן מזרח, האָט ענגלאַנד אויך געפּרואווט צו האַלטן זיך ביי די אוצרות פון דעם „שוואַרצן אויל" אין דעם דאָזיקן וועלט טייל. די איראַקישע נאַפט געזעלשאַפט האָט אין די דאָזיקע יאָרן באַקומען קאָנצעסיעס אין סיריע, לבנון, קפּריסין, אַדען און ארץ ישראל. די קאָנצעסיעס פון די ענגלישע געזעלשאַפטן אין ארץ ישראל אין סוף פון די 30־קער יאָרן שטייען, אַלזאָ, אין צוזאַמענהאַנג מיט דער ענגליש אַמעריקאַנישער קאָנקורענץ אויף נאַפט אין מיטעלן מזרח.

## קאָנצעסיעס

# אין דער צייט פון מאַנדאַט

דעם 24־טן דעצעמבער 1937 איז געגרינדעט געוואָרן אַ ספּעציעלע געזעלשאַפט, וואָס האָט געהייסן „ארץ ישראל'דיקע געזעלשאַפט פאַר נאַפט אַנטוויקלונג", מיט אַ קאַפּיטאַל פון 1.620.000 פונט. דאָס איז געווען אַ טאָכטער געזעלשאַפט פון דער איראַקישער נאַפט געזעלשאַפט. נאָך אין יאָר 1933 האָט די איראַקישע נאַפט געזעלשאַפט באַקומען אַ דערלויבעניש צו פאָרשן דעם דרום'דיקן ברעג ים פּאַס. אין יאָר 1938 האָט די מאַנדאַט רעגירונג פאַרעפנטלעכט אַ געזעץ וועגן אויל גראָבונגען. אין משך פון דער גאַנצער צייט פון מאַנדאַט רעזשים האָט די רעגירונג ניט דערלויבט צו זוכן נאַפט אין ארץ ישראל. איצט האָט זיך דער שטיין גערירט פון אָרט. אין יאָר 1939 האָט די איראַקישע נאַפט געזעלשאַפט באַקומען 11 קאָנצעסיעס און די ארץ ישראל'דיקע געזעלשאַפט פאַר נאַפט אַנטוויקלונג — 18 קאָנצעסיעס אויף נאַפט זוכונגען. די באַצירקן, וואָס זענען געשטאַנען אין רשות פון דער איראַקישער געזעלשאַפט, האָבן אַרומגענומען די סביבה פון עזה, באר שבע און דעם ברעג ים פּאַס ביז עכו; צו דער טעריטאָריע פון דער ארץ ישראל'דיקער געזעלשאַפט פאַר נאַפט אַנטוויקלונג האָט געהערט דער גאַנצער נגב, אויסער דער סביבה פון דער אילת בוכטע. צוויי ווייטערדיקע קאָנצעסיעס זענען אין דעם זעלבן יאָר געגעבן געוואָרן דעם „ארץ ישראל'דיקן גרובן סינדיקאַט", וואָס איז געווען פאַרבונדן מיט דער

פאַטאַש געזעלשאַפט. ווי באַקאַנט, האָבן זיך בעת דער צווייטער וועלט מלחמה פאַרייניקט דריי געזעלשאַפטן: די עלעקטריציטעט געזעלשאַפט, פּאַטאַש געזעלשאַפט און „נשר" אין דער געזעלשאַפט „הירדן" פאַר נאַפט זוכונגען אין ארץ ישראל. די צוויי קאָנצעסיעס אין דעם גרובן סינדיקאַט זענען געווען חל מערב צו פון ים המלח אויף א שטח פון 980 קו. קמ. דער סינדיקאַט האָט איבערגעגעבן די קאָנצעסיעס דער געזעלשאַפט „הירדן".

אויפן געביט פון מערב ארץ ישראל האָט די מאַנדאַט רעגירונג אַרויסגעגעבן 31 קאָנצעסיעס. עס איז קלאָר, אז דער געזעץ פאַרשלאָג פון דער ישראל רעגירונג שאפט אָפּ די אַלע קאָנצעסיעס.

## די רעזולטאַטן פון די גראָבונגען אין דער מאַנדאַט צייט

די געזעלשאַפטן, וואָס האָבן באַקומען די קאָנצעסיעס, זענען צוגעטראָטן צו פּראַקטישער ארבעט. דעם 25־טן סעפּטעמבער 1947 האָט מען אָנגעהויבן גראָבן אין כולייקאַט אויפן וועג קיין נגב. צוערשט איז מען געקומען צו א קאַלך שטיינער שיכט, דערנאָך צו א פּומפּ שיכט. 416 מעטער די טיף אין א טאָל פאַרפלייצט מיט וואַסער. נאָך דעם, ווי מען האָט גובר געווען אַלע שוועריקייטן, האָט מען אָנהויב 1948 דערגרייכט א טיפעניש פון 1.500 מעטער. די ארבעט איז אָבער איבערגעריסן געוואָרן צוליב דער באַפרייאונגס מלחמה. עס זעט אויס, אז די דאָזיקע גראָבונג האָט ניט געבראַכט קיין שום ממשות'דיקע רעזולטאַטן.

אַנדערע גראָבונגען זענען דורכגעפירט געוואָרן ביי ממשית־קורנוב און אין דער געגנט פון דעם גרויסן שטויסל. די רעזולטאַטן פון די דאָזיקע גראָבונגען זענען ניט פאַרעפנטלעכט געוואָרן. די ארץ ישראל'דיקע געזעלשאַפט פאַר נאַפט אנטוויקלונג האָט זיך, זעט אויס, געגרייט אויף גראָבונגען אין משך פון א לאַנגער צייט אין דער דאָזיקער געגנט: מען האָט אויפגעשטעלט א קעמפּ און אפילו אָנגעזאַמלט וואַסער אין דעם טייכל ממשית.

פון די דאָזיקע גראָבונגען זענען איבערגעבליבן 2 שרידים. ביז צום היינטיקן טאָג שטייט נאָך אין כולייקאַט דער גראָבונגס טורעם. דער צווייטער שריד איז דער „נאַפט וועג" צווישן אסלודזש און דעם גרויסן שטויסל, וואָס די געזעלשאַפט האָט אויסגעבויט נאָך דער צווייטער וועלט מלחמה אויף א לענג פון 25 קילאָמעטער. ערשט אין מדינת ישראל איז דער וועג אויסגעבעסערט און אספאַלטירט געוואָרן.

אויך די גראָבונגס עקספּערימענטן אין דער סביבה פון הר־סדום זענען געבליבן אָן דערפאָלג.

וואָס קען מען לערנען פון די דאָזיקע ערשטע עקספּערימענטן? מען קען צוגעבן צו זיי נאָך א נעגאַטיווע דערשיינונג. אין די טויזנטער וואַסער ברונעמס, וואָס זענען געגראָבן געוואָרן אין ארץ ישראל, זענען ניט געפונען געוואָרן קיין סימנים פון נאַפט ממש. און טראָץ דעם זענען די אַלע פאַקטן ניט אנטשיידנדיק.

די ביז איצטיקע גראָבונגען אין

ארץ ישראל זענען ניט געווען אזוי טיף, ווי מען איז זיך נוהג ביי נאפט גראָבונגען אין אַנדערע לענדער. די גראָבונג אין קוליקאט האָט דער־גרייכט ביז צו 1.000 מעטער. כדי צו דערגרייכן דעם געוואונטשענעם רעזולטאַט, דאַרף מען גראָבן צוויי מאָל אַזוי טיף. אין סיני האָט מען אַנטדעקט נאפט אין דער טיף פון 2.000 מעטער: די רייכסטע נאפט מקורות אין דער וועלט, אין סאַאוד־יע, זענען אנטדעקט געוואָרן אין דער טיף פון 2.200 מעטער. די עקספּערי־מענטן אין הר־סדום זענען, לויט דער מיינונג פון די געאָלאָגן, דורכגע־פירט געוואָרן דוקא אין ערטער, וואו עס זענען פאראן קליינע אויסזיכטן אויף ערד אויל.

## אויפן הינטערגרונט פון מיטעלן מזרח

דאָס איז א פראגע פון געניטער פאָרשונג, זוכונגען און עקספּערי־מענטן. דאָס הייסט: א סך הוצאות. אין הינזיכט פון הוצאות ווערט דער נגב באטראכט אלס א זייער ביליקער באַצירק. עס האַנדלט זיך וועגן אויס־געבן מיליאָנען פונטן, און אבסאָלו־טער זיכערהייט, אז עס וועט געפונען ווערן רוי נאַפט. דאָס איז די נאָרמאַ־לע ריזיק ביי די נאפט געזעלשאפטן אין דער וועלט. דער דורכשניט איז — איין געלונגענע גראָבונג אויף 9 ניט געלונגענע. אָבער די דאָזיקע איינציקע געלונגענע גראָבונג קען קאָמפּענסירן פאר די דורכפאלן און אפילו נאָכמער...

עס בלייבן באשטיין צוויי פאקטן: ארץ ישראל געהערט צו דעם גרויסן נאפט פעלד, וואָס הייסט „מיטעלער מזרח". עס האַנדלט זיך ניט וועגן אַזעלכע ווייטע לענדער, ווי איראק און סאַאודיע; נאפט איז אנטדעקט געוואָרן אין מצרים ניט נאָר אין הורכאדא, ראסאריב און ביים ים סוף, נאָר אויך אויפן סינישן האלב אינזל, וואָס איז נענטער צו ישראל. עקספּערימענט גראָבונגען ווערן גע־מאכט אויך אין דעם שכנות'דיקן לבנון. די איראקישע נאפט געזעל־שאפט האָט באקומען א קאָנצעסיע אויף 75 יאָר, כדי צו זוכן נאפט אין סיריע אין צפון פון דמשק. „די ארץ ישראל'דיקע געזעלשאפט פאר נאפט אנטוויקלונג" פאָרשט און זוכט נאפט אין עבר הירדן.

מען דאַרף באצייכענען, אז אויך אין מצרים זענען נאפט זוכונגען געפירט געוואָרן אין משך פון א לאנגער צייט אָן קיין שום דערפאָלג צוליב דער קאָמפּליצירטער סטרוק־טור פון די געאָלאָגישע שיכטן. אין אָנהויב זענען אנטדעקט געוואָרן בלויז 4 נאפט פעלדער; צוויי אַנדערע זע־נען פארלאָזן געוואָרן צוליב דער קליינער פּראָדוקציע און ווירטשאפט־לעכער ניט רענטאַבילימעט. ביי היינ־טיקן טאָג טרעט מצרים אויף וואָס ווייטער אלץ מער אלס א נאפט פאַק־טאָר אין מיטעלן מזרח. דורכפאלן אין אָנהויב זענען נאטירלעך ביי נאפט גראָבונגען אין דער גאנצער וועלט.

געביטן מיט נאפט אויסזיכטן אין מיטעלן מזרח ציען צו די נאפט גע־זעלשאפטן. דער מיטעלער מזרח פארנעמט דעם צווייטן אָרט נאָך די פאריייניקטע שטאטן אלס נאפט רע־זערוואואר אין דער וועלט. אין די פּלענער פון די געזעלשאפטן צו אנטדעקן נייע נאפט מקורות אין דעם

דאָזיקן געביט פארנעמען דעם אויבן אָן דריי לענדער: ישראל, סיריע און לבנון. די מקורות אין מיטעל מזרח בילדן 42% פון די וועלט רעזערוון. דער נאפט פון מיטעלן מזרח האָט אפילו מעלות לגבי דעם נאפט אין די פאריייניקטע שטאַטן. דער גאנצער נאפט אין מיטעלן מזרח ווערט געשעפט פון 250 ברונעמס, און פון די פאריייניקטע שטאַטן — פון 500.000 ברונעמס. מיט אַנדערע ווערטער: יעדער ברונעם אין מיטעלן מזרח ליפערט דורכשניטלעך 1.400.000 פעסער נאפט אַ יאָר, און יעדער ברונעם אין די פאריייניקטע שטאַטן — בלויז 4.660. אין צענטראל אַמעריקע — 59.000 פעסער אַ יאָר. די פּראָדוקציע הוצאות אין מיטעלן מזרח זענען דעריבער קלענערע און די עקספּלאָטאַציע איז רענטאבלער.

די סיבות פון דער נאפט קאָנקורענץ אין מיטעלן מזרח זענען פארשטענדלעך; די דאָזיקע קאָנקורענץ פארשארפט זיך פון יאָר צו יאָר. אלע שאצונגען וועגן די נאפט אוצרות אין מיטעלן מזרח ווערן שנעל ניט אקטועל. אויך די פּראָדוקציע וואקסט אין א געוואלדיקן טעמפּאָ. די מערב לענדער באַטראכטן דעם מיטעלן מזרח אלס דעם עיקר'דיקן נאפט מקור פאר זייערע עקאָנאָמישע און סטראטעגישע באַדערפענישן.

מדינת ישראל געפינט זיך אויך אין דער דאָזיקער ראם. די עקאָנאָמישע רענטאַביליטעט פון דעם נאפט, וואָס וועט געפונען ווערן אין ישראל, וועט זיך באזירן אויף 2 פאקטאָרן: די ראפינעריעם אין חיפה, און די נאָענטקייט פון מיטללענדישן ים, ד. ה. איינשפּאָרן טראנספּאָרט הוצאות און טויזנטער טאָן שטאָל אויף רערן. אָבער ביז צו יענער צייט וועלן זיך זיכער דערוועקן ווירטשאפטלעכע, פּאָליטישע און סטראטעגישע פראגן, אויף וועלכע עס איז נאָך צו פרי זיך אָפּצושטעלן.

# נאַצים קוקן דיך אָן!

פון לייזער ראַן



נאָכן ערשטן טרויעריקן ראַנדעוואו מיטן חורבן אין אונזער אויסגעאידיש־טער שטאָט, איז דער שווערסטער אומדערוואַרטסטער סיורפּריז; דער פּלוצ־לינגדיקער באַגעגן מיט די מערדער. די געפאַנגענע דייטשישע זעלנער־קאָמאַנ־דעס, וואָס איילן זיך פאַמעלעך מיט בראָנע דייטשישע לידער פון און צו דער רוים און בוי־אַרבעט אין שטאָט.

ווען כ'האָב דערזען די ערשטע נאַצישע זעלנער־קאָלאָנע מיט דעם טונ־קעלן שאָטן פון אַראָפּגענומענעם אויגן־שטעכיקן האַקנקרייץ, וואָס זעט אויס ווי אַ פאַרבאָרגענער סקאָרפּיאָן אין די פאַלבן פון דייטשישן מונדיר, האָט מיר פאַרפעלט אָטעם.

זיי זענען דאָ!

זיי, וואָס האָבן נעבעך פאַרשפּילט דעם קריג און געבליבן — אַז וואויל איז זיי — מיט זייערע קריגער.

און מיר, וואָס האָבן פאַרלאָרן דאָס פאָלק אויף דער עקידה פון קריג און ניטאָאיק דערגאַנגען צום זיג — אַז ווי איז אונז — צווישן די מעכטיקע זיגער.

דעם 13־טן יולי 1944, האָט מען די פאַרכאַפּער ענדגילטיק פון ווילנע פאַרטריבן, און — עס איז פול די שטאָט מיט זייער נאַצישער לופט, מיט אונזער אידישן בראָך און מיט זייערע האָפענונגספולע רויטשישע לידער.

ווען איך ווייס ניט, אַז דאָס ווערן שוין די דייטשן באַשטראָפט און עקספּלאָאַטירט ביי דער אָפּראַמונג און אָפּבויאונג פון דער דורך זיי צושטער־טער שטאָט, וואָלט איך געווען זיכער, אַז דאָס איז אַ פאַראָדיע דערויף, אַזאַ מין דייטשישע פּורים שפּיל.

פיר געזונטע דייטשוקעס טראָגן אַ הילצערנע טראָג ברעטל אויף וועלכע עס ליגן פיר־פינף ציגל שטיקער. אַ דייטשישער בריגאַדיר גייט פאָרויס און צוויי דייטשן מיט לאָפּעטעס שלעפּן זיך פון הינטן — דויטשישע פאַסטנאַכט־שפּילן אין ווילניוסער געפאַנגען לאַגער.

עך, וואו נעמט מען דעם גרעסטן אידישן פוילענצער — אָבער טאַקע דעם גרעסטן! — וואָס איז געפאַלן אונטער דער לאַסט, אָדער פאַרקאַטעוועט געוואָרן אויף דער דייטשישער קאַטאָרגע. ער זאָל אַריינקנעלן מיט די

דייטשן די תורה פון אידישער פוילענצערייי אונטערן נאציישן ביימוש. די דייטשישע וואוין געטאָ אין ווילניוס איז אויטאָנאָם אין איר אינערלעכער אַדמיניסטראַציע. די געפאַנגענע זענען קאַשאַרירט אין זייער מיליטערישער אָרדענונג. די זעלנער זענען ווידער זעלנער און זייערע אָפּיצערן קאָמאַנדע־ווען ווידער מיט זיי. בראש פון לאַגער שטייט אַ דייטשישער פּאָלקאָווניק. דער איינציקער פון זיי אַלע, וועלכער האָט ניט דאָס רעכט פון באַוועגונג אויסערהאַלב דעם געפאַנגענעם לאַגער. אָבער, דאָס האַרץ זיך אַפּצועסן דערפון דאַרף ער ניט, דער אומגליקלעכער דייטשישער פּאָלקאָווניק. די אונטער־אָרדנטע ארבעטס קאָמאַנדעס באַזאָרגן און פאַרזאָרגן שוין זייער פיורער מיט אַלעם נויטיקן. טאָמער די פרעמדע פאַרזאָרגונג איז אים וויניק מאכט ער אַליין קונקל מונקל געשעפטן מיט די ציווילע באַאַמטע, וואָס קומען נעמען אַרבעטס קראַפט פאַר פאַרשיידענע אַרבעטן אין שטאָט, אָדער פירן אַן מיט די אינערלע־כע אַרבעטס וואַרשטאַטן אין לאַגער גופא.

עטלעכע אידלעך, זענען שוין אויך דאָ צווישן די פאַרזאָרגער, וואָס פירן דורך פאַרשיידענע וואַליוטע טויש־טראַנזאַקציעס פאַר די דייטשן מיט גרויס רווח. ווי שנעל, די אידליקעס האָבן שוין באַוויזן צו פאַרגעסן די אַנטוועורטונגען אין געטאָ. פון וואָס פאַרא „קוועלן" זיי שעפּן זייערע גאָלדענע פאַרדינסטן און נאָך אַלע פאַרדינסטן, פאַר וועמען זיי שטעלן זיך ווידער אין פּריוויליקן דינסט.

טעגלעך האָב איך זיי געזען און טעגלעך האָב איך געמוזט אויפסניי אָנקוקן די גרויסע דייטשישע אַרבעטס קאָלאָנעס אויפן גאָס, אָדער קלענערע אויף די טראָטוארן, ווי זיי מאַרשירן מיט געזאַנג אין דער דייטשישער געטאָ געפאַנגענען לאַגער. און פאַרוואָס זאָלן זיי ניט זינגען, אז פון קיין אַקציע אין פּאָנאַר, ווייסן זיי ניט. אַלע טראָגן גרויסע לאַבנס ברויט און פאַרשיידענע שפּייז פּאַ־קעטן אונטערן אָרעם. פּאַפּיראָסן שאַכטלען שטעקן פריי פון קעשענעס אַרויס און — וואונדער איבער וואונדער: קיינער פון זיי האָט ניט מורא, אז אַ מורער וועט שמיין ביים געטאָ גרייט מיט זיין אויטאָ, צו פירן די שפּייז שמוק־לער קיין פּאָנאַר. אָדער, אז זייערע אייגענע פּאָליצייאישע הינט מיט אַ לעוואַס־אויסוואורף בראש, וועלן זיי באַגעגענען ביים טויער אַרומטאַפּן און קאָנפיס־קירן די מיט מסירת נפש איינגעשאַפטע פּראָדוקטן און נאָך צוצאָלן מיט אַ פּאַרציע שענדלעכע שמיץ.

ווען איך האָב געזען דאָס בילד, ווי די דייטשן גייען אין לאַגער, האָב איך פאַרשטאַנען דעם טרויס, מיט וועלכן די לעבנגעבליבענע ווילנער געטאָ אידן באַגלייטן די דייטשן אין זייער ווילנער געטאָ:

עך, ווען זיי וואָלטן דאָס אונז געפירט צו אַזעלכע אויך־מיר־מלאכות און געלאָזן, אַזוי באַלאָדן מיט כל טוב פון דער אַרבעט צו קומען אהיים, וואָלט דאָך אונזער גאַנצע געטאָ דערלעבט צו גיין אויף היטלערס לויה.

די געציילטע פאַרבליבענע חסידים פון סאָוועטישן רעזשים זענען צופרידן דערמיט, וואָס די דייטשישע וואוין געטאָ אין ווילניוס איז — ווי זיי זאָגן — צו באַווייזן די שטראָפנדע האַנט פון דער גערעכטיקייט, איינגעקוואַרטירט דוקא אין איינעם פון די פיר לעצטע אידישע אַרבעטס לאַגערן אין ווילנע.

וואָס זיי מאַכן זיך נעבעך פאַרגעסן דערביי, איז, אַז: צו ווייט איז די שטראָפנדיקע גערעכטיקייט ניט געקראָכן. ניט אין די שמוציקע, פאַרוואָרלאָז־טע הייזלעך פון אידישן וואוין געטאָ, וואו די אויפגעיאָגטע אידישע באַפעלקע־רונג האָט זיך געדריקט און געשטיקט, געמאַטערט און געפּלאָגט אין ענגשאַפט, דחקות, הונגער, נויט און טאָג טעגלעכע טויט אקציעס, האָט מען באַזעצט די געפאַנגענע מערדער פון הערנפאָלק. נאָר אין די געמויערטע 7 שטאָקיקע בנינים פון די געוועזענע אידישע „ביליקע הייזער" אויף סובאַטש 37. אין בעסטן אי־דישן ארבעטס לאַגער ה. ק. פּ. וואו די לעצטע אַנדערהאַלבן טויזנט ווערטע יודישע ארבעטס קרעפטע, האָבן נאָך דערשקלאַפּט געציילטע עטלעכע חדשים נאָך דער געטאָ ליקווידאַציע. און — 10 טעג פאַרן אריינמאַרש פון דער רויטער אַרמיי (דעם 2־טן און 3־טן יולי) אויסגעשאָסן געוואָרן ביזן לעצטן.

ווער עס וויל געבן אַביסעלע אַ טראַכט, קומט לייכט צו גאַר אַנדערע מס־קנות פון לאַגער אויסוואַל, אַז ניט קיין „אידישע מאַטיוון" האָבן דאָ געשפּילט אַ וועלכע עס איז ראָל, נאָר אויסשליסלעך סאָוועטישע. דאָ אין די „ביליקע הייזער", איז במשך פון דער דייטשישער אָקופּאַציע, געווען דער געפאַנגען לאַגער פון די משפחה מיטגלידער פון די סאָוועטישע מיליטער לייט און באַאַמטע. און זיי און בלויז זיי, האָבן געקענט זיין דער מקור פאַר דער סימ־באָלישער שטראָפנדער גערעכטיקייט.

מיר זאָגן, סימבאָלישע, ווייל דער דייטשישער וואוין און טיילווייז אר־בעטס לאַגער, איז בלויז אויסערלעך ענלעך צו דעם געוועזענעם רוסישן גע־פאַנגען לאַגער אָדער דעם לעצטן אידישן ה. ק. פּ. דער זעלבער הויכער פּאַרקאַן מיט די פאַרראָסטע שטעכל דראָט פון אויבן. די זעלבע קאָנטראָל ביידל ביים אריינגאַנג. ווייטער, הויבט זיך אָן דער פורים שפּיל פון דער דייטשישער לאַגער אויטאָנאָמיע. דער פורים שפּיל וואָס פירט און מוז דערפירן צום באַ־קאַנטן טראַגישן פון „דויטשלאַנד איבער אַלעם" — פינאַל.

ווען מען פירט איין די א ו י ס נ אַ מ י ק ע לאַגער אָרדענונג וואָס ווערט אָנגעווענדעט לגבי דעם פאַרהאַסטן בלוטיקן פאָלקס שונא און לאַנד פאַרכאַפּער, און די געוויינלעכע סאָוועטישע ארבעטס לאַגערן און קאָלאָניעס, פאַר די היימישע פאַרזינדיקטע בירגער, וואָלט די גרויסע מערהייט פון די סאָוועטישע לאַגערניקעס, אויפגעהערט צו דאגה'נען אויף זייער פאַרלאָרענער סאָוועטישער פרייהייט. און אַ גענוג גרויסער פּראָצענט, וואָלט נאָך באמת געדאַנקט און געלויבט דעם טאַטן פון די פעלקער, פאַר די איבערדערציאונגס מעטאָדן. ו ו ע ן — אַ סאָוועטישער ארבעטס לאַגער זאָל כאָטש צו דעם דייטשישן געפאַנגען לאַגער אין ווילניוס ענלעך זיין.

דער סוד פון דער אומפאַרשטענדלעכער סאָוועטישער האַנדלונג לגבי די דייטשישע פאַרניכטער פון רוסישן לאַנד, לעבן און דריי צענדליק יאָר אָנגע־שטריינגטע בויאונג, איז אין ווילניוס פאַר קיינעם קיין סוד ניט, פאַר די דייטשישע געפאַנגענע איינשליסלעך.

די אָפּגעקליבענע און קאָנטראָלירטע דייטשישע געפאַנגענע, זענען דאָס באַשטימט אַלס ערשטע קאַנדידאַטן אויף אומצוקערן בויען אַ דעמאָקראַטישן

דייטשישן רייך אונטער סטאַלינס השגחה. דורך זייערע דייטשישע מיילער, דאַרף אין פאָטערלאַנד אַריינקומען לויב און דאַנק צו דעם לעבנס וואויל אין רוסלאַנד און באַוואונדערונג פאַרן מילדן, דעמאָקראַטישן מלוכה פיר, אפילו לגבי געפאַנגענע שונאים.

די דייטשן לויפן ניט און אַנטלויפן ניט פון געפאַנגען לאַגער. זיי ווייסן גוט, אז עס דערוואַרט זיי ניט קיין בעסערס אין צעוואָרפענעם פאָטערלאַנד. און דאָס וואָס זיי האָבן צו דערוואַרטן, קען זיי נאָר א דאַנק דעם חסד פון גוט־האַרציקן נעכטיקן שונא און מאָרגנדיקן פאַרבינדעטן.

די רעזולטאַטן פון דער גוטפריינטשאַפט פּאָליטיק מיט די דייטשן?

אומשולד — פאַרוואַנדשאַפט און נאַציִשע חוצפה, דאָס זענען די גרונט שטריכן פון די סטאַציאָנירטע דייטשישע געפאַנגענע אין ווילניוס.

שטריכן פון די סטאַציאָנירטע דייטשישע געפאַנגענע אין ווילניוס.

א ו מ ש ו ל ד —

איך האָב נאָך ניט באַגעגנט דעם יעניקן, וואָס זאָל דאָ האָבן אָנגעטראָפן אויף א שולדיקן דייטש.

די זעלנער, זענען געווען נ י ט מ ע ר ווי זעלנער.

די אָפיצערן — אָפיצערן און — נ י ט מ ע ר .

קיינער פון זיי, איז ביזן געפאַנגען לאַגער ניט געווען אין ווילניוס. מאָרד אַליבי: זיי האָבן גערויבט און געמאָרדעט ערגעץ אנדערש, אין פראַנקרייך, בעלגיע, האָלאַנד, אַפריקע, הכלל — אומעטום וואו די נאַציִשע לאַפּע האָט געגרייט. זיי האָבן „געקעמפט און אָפּגערוט אין פאַרשיידענע געגנטע, ראַיאָנע אונד שטעדט".

אפילו אין געפאַנגענשאַפט זענען זיי אויך כ מ ע ט פּרייוויליק געקומען. זיי האָבן שוין א פּאַרטיקע געפאַנגען פּאַבל, די בעזיגער פון אייראָפּע, צו וועלכן זיי דאַרפן בלויז צופאַסן א באַליבטן דויטשישן ניגון, א שטייגער פון האַרסט וועסעל ליד, און — זיי וועלן דעם העלדן פינאַל פון זייער נאַציִשער ניבעלונגען עפּאָפּייע, קענען זינגען און באַזינגען אין א געמיטלעכער שטונדע ביי א קופל ביר.

אַלס אונזערע גרופּע
וואַר אים קעסעל איינגעשלאָסען,
האַבען וויר ניכט מער געקעמפּפט
אונד ניכט מער געשאָסען.
וויר קאַמען זאָפאָרט
צום געמיינזאַמען בעשלוס:
ה י ט ל ע ר ק אַ פּ ו ט !
אונד הענדע האָך —
זיך ערגעבען דעם רוסס.
זאָ קאַם דער פאַרפלוכטע קריג,
צום גליקליכן שלום.
און די מאָראַל, — זאָגט משה נאַדיר: —
אונד וויר בליבען אם לעבען"...

ווער זשע, האָט דאן געמאָרדעט און צעתוהו ובוהוט די וועלט? שאָוען זי מאָל רונד אונד רום, ני?

אך אום גאָטעס ווילען, פילן זיך די פרייסן געטראָפן אין זייער נאַציִשער אומשולד, וויר זינד ניכט קיינע פיראטן נאָר זאָלדאטען. דאָס איז דאָס ווערק דער פעררזיקטען געסטאפּאָ לײטע אונד די פערפלוכטע עס־עס שטורם טרופּער.

ניט איך! זאָגט ושתי, ס׳איז קלעצל. קלעצל זאָגט: עס איז קאָטער. און קאָטער, ווייזט אויף שמיר־מיר־נאָך — —

אַלץ שטימט געגוי, לויט מאָטל פּייסי דעם חזנ׳ס באשרייבונג. עס פעלט ב ל ו י ז, אונזער גוטער שכן משה דער איינבינדער, וואָס זאָל אָוועקלייגן אַלע קונדסים און אריינטשאָכטשענען מיטן פאַרבליבענעם הארטן טאָוול פון אונזער מחזור, וואָס זיי האָבן צעריסן און פאַרברענט. אז זיי זאָלן איינמאָל פאַר אַלעמאָל, פאַרלירן דעם חשק צו פראוווען זייערע שקצישע שטיק מיט אַ יתום. אי, וואו נעמט דעם קלוגן שכן משה דעם איינבינדער, אין דער וועלט פּאָליטיקע?!

פ א ר וו א נ ד ש א פ ט —

די פאַרבליבענע שכנים — די גרויסע מערהייט פון דער ליטווישער באַפעלקערונג — זענען גאָר די דייטשישע הערצנסטרויע פערוואנדטע, וואָס לאָזן זיי ניט פאַלן אין דער נויט.

ווי נאָר דער דייטשישער ארבעטס טאָג פאַנגט זיך אָן, הויבט זיך אָן די טעגלעכע ליטווישע הילפס דינסט.

יעדע דייטשישע ארבעטס איינהייט האָט שוין אירע בעזאָרגונגס אַדרעסע, אין שכנות פון זייער ארבעטס פּלאַץ, אָדער אויפן וועג אהין, וואוהין זיי כאַפּן זיך אריין אין דער נויטיקער צייט. ז יי, דארפן נ י ט אַראָפּנעמען די דייטשישע מאָרד לאַטע פון זיך און שטעלן דאָס לעבן אין קאָן. ניין, ז יי דארפן זיך ניט פארשטעלן אויף דער ליטווישער זייט; זיי דאַרפן זיך ניט גנב׳ענען דורך לעבער, בוידעמער, מאַלינעס קיין סדום. און ציטערן פאַר עס־עס מענער, געסטאַפּאָ, איפּטאניגא, כאַפּונעס, מוסרים, פאַר א גאנצע שטאָט מיט מערדער און שמאַלצאָווניקעס־שאַנטאַזשיסטן.

פ ר אַ נ ק א ו ן פ ר יי — די נאַציִשע פארוואנדשאפט ג יי ט איבער אַ ל ע ברעגן און גיסט זיך אַריבער אין איר דעמאָנסטראַטיווער קריסטלעכער גוטסקייט אין אָפענעם דרויסן ארוים.

אויף א ראָג פון דער טויטער רודניצקער גאס קלאַפּט א במורנער דייטשוק אין א טרויב, צוויי מאָל לאַנג און איין מאָל קורץ. אָפּגעוואַרט און ווידער: צוויי מאָל קורץ און איין מאָל לאַנג. ביז — עס עפנט זיך א פענסטערל און ס׳וואַכט אויף סאַלטע הייזעלע. און אַ שטריק מיט אַ פּעקעלע שנירלט זיך אַראָפּ צו אים. דאנקע שוין, פראו פאַרסיוקאוסקאַס! אויף ווידערזען; — אויף ווידערזען!

אַ יונגער זעלנער מאַרשירט הין און צוריק ביי דעם קעגנאיבער דעם שול הויף גאַנצן הייזער און קירכע בלאָק פון דער דייטשישער גאַס און פייפט זיך אונטער א זעלנער ליד.

— פסס... פסס... א יונגע ליטווישע מיידל שפּאַנט צו אים מיט אַ פּעקעלע און — צעזעגנט זיך מיט אַ קניקס...

ליטווישע באַאמטע איילן צו דער אַרבעט אין די סאָוועטישע אַנשטאַלטן. אויף ראָג ווילנער און טראָקער איז אַן אויפגעלאָף פון דייטשישע זעלנער. ווי מען וואָלט געפּאַקט אַ איד אָן אַ לאַטע אויף דער פאַרבאָטענער אַרישער זייט. די באַאמטע, האָבן מסתמא באַמערקט אַזאַ סצענע פון נאַציישער פאַר־וואַנדשאַפט און תיכף רעאַגירט, קאָנטראָלירט און אַרעסטירט. לויף איך אָנ־קוקן דעם וואונדער.

טעות'ן זענען מענטשלעך: אַ פּאָר אָפּגעפּרעסענע בייכער, פּאָרטפעלן אונטערן אָרעם און גלות'דיקע פּנימער פון וואַזשנע שיקסעס, פאַרטיילן פּאַפּי־ראָסן צווישן די דייטשישע געפאַנגענע און שמייכלען פריינטלעך פון עפּעס אַן אָנגענעמען דאַנק אויסדרוק.

און איך, איך זויג איין אין זיך דעם נומער פון פענסטער פון וואַנען דער שפּייז פּאַקעט מיטן ליבלעכן שמייכל איז גרייט צו יעדן ווידערזען. איך פאָלג נאָך דאָס יונגע מיידל, וואָס האָט אויף מיין וואוין גאַס אירע טעגלעכע שפּייז ראַנדעוואוען מיטן שונא. איך פאַרהאַלט זיך און גיי נאָך ווי אַ שאָטן די הויכע סאָוועטישע באַאמטע און דערגיי ביז זייער אַרבעטס שטעלע אין שטאָטישן קאָמיטעט פון דער באָלשעוויסטישער פּאַרטיי.

צוריק — צוויי דייטשן טראָגן פרישע לעבלעך ברויט אַרויס פון אַ טויער אַנטקעגן די פאַרשלאָסענע טירן פון געוועזענעם אידישן פאָלקס טעאַטער. ביים אַריינגאַנג פון דעם צאָן דר. גירשאָוויסקי, געזעגענען זיך צוויי שמייכלענדיקע דייטשן, ניט מיט דר. גירשאָוויסקיס פרוי. מען וואַרט שוין אויף זיי. מען טראָגט זיי די הילף אַנטקעגן. מען באַזאָרגט און פאַרזאָרגט זיי, די טעוטאָנישע אָקופּאַנטן, די אייביקע שונאים פון ליטווישן שטאַם און מלוכה.

שלעפּ איך זיך אַ נאַרישער, איינזאַמער איד, אויף דער אַרישער זייט אַ הילפלאָז רעזיגנירטער, באַהאָגלט מיט דער אומבאַשעדיקטער נאַציישער פאַר־וואַנדשאַפט צווישן די ליטווישע און דייטשישע מערדער שותפים פון מיין פאָלק.

שפּעטער, אַ סך שפּעטער, פּרוּאוו איך אַרויסבאַקומען ביי די „פאַרזעסענע אידן", ענטפערס אויף די מאַטערנדע פראַגן.

— פּרוּאוּוט די סאָוועטנמאַכט טאַקע גאָרניט פאַרנעמען, קעגן דער פּערמאַ־נענטער פאָלקס דעמאָנסטראַציע פון נאַצי פאַרוואַנדשאַפט?

— כּ מ ע ט גאָרניט. דעם גאַנצן ליטווישן פאָלק, קען מען דאָך נאָך דער „געמיינזאַם" געוואונענער מלחמה, קיין מלחמה ניט דערקלערן.

— און אידן, אידן האָבן אויך גאָרניט געפּרואווט רעאַגירן?

— א שאלה אביסל, אויב מען האָט געפּרואווט, ביז — מען האָט א ו נ ז זיך געהייסן באַרואיקן...

ווען דער דעמאָביליזירטער רויט אַרמייער ש. ב. האָט זיך צום ערשטן מאָל אויפגעטראָפן אויף אַ סצענע, ווי אַ יונגע, שמייכלענדיקע ליטווישע מיידל האָט צוגעטראָגן אַ דייטשישן זעלנער אַ פולן קעסטל פּאַפּיראָסן אויפן מיטן

גאס, איז ש. ב. אַזוי ארויס פון די כּלים, אַז ער האָט אַרויסגעריסן דאָס שאַכטל ביים דייטש צעטראָטן מיט די פיס און געוואָרפן די פּאַפּיראָסן דער מיידל אין פּנים, צוזאַמען מיטן זידל אויף די העכסטע אָקטאַוועס:

— דיין קורווישן הינטן גיב אים, דו נאַצישע צויג, אָבער ניט קיין סאָוועטישע פּאַפּיראָסן! וואָן! — האָט ער איז דערלאַנגט מיטן פוס, ביז איך צעשפּאַלט אייך ביידן ניט די קעפּ. דער סוויניעמונדער העלד, האָט זיך אָפּגעטראָגן דער ערשטער.

די פּוריע, און דער רויטאַרמייאישער שינעל, וואָס האָט זיי פאַריאָגט האָט אים אַ צעהיצטן געטראָגן, וואו מען דאַרף אויפקלערן די זאַך:

— איר ווייסט חברים, וואָס פאַרא שענדלעכע סצענעס עס שפּילן זיך אָפּ אויף די גאַסן פון אונזער באַפרייטער שטאָט, פון אָפענער פאַרברידערונג מיטן שונא?

— וואָס איז געשען, זעצט זיך, באַרואיקט זיך און דערציילט...

— אָך בלויז, דאָס, מיר ווייסן. די סאָוועטישע זיכערהייטס מאַכט קאָנטראָלירט און דיסקאָנטירט די פאַקטן.

— ווי קען מען אָבער לאָזן אַזאַ אָפענע, נאַצישע חוצפּה ניט רעאַגירט, האָט ש. ב. געזוכט יושר. מיט וואָס, ווען און ווי אַזוי צו רעאַגירן, דאָס געהערט אינגאַנצן צו דער סאָוועטישער זיכערהייטס מאַכט. און אייך חבר דעמאָביליזיטרער, וואָרענען מיר, דערוועגט זיך ניט מער איבערצוחזרן די נאַרישקייטן, דאָ איז ניט דער פראָנט, פאַרשטאַנען?

דאָס איינציקע וואָס ער האָט פאַרשטאַנען, איז — אַז מען מוז פאַרשטיין, קוקן און שווייגן.

די לעצטע האָפענונג איז געבליבן אויף דער שוין פיל מאָל אויסגעפּרוווטער נ. ק. נ. ב.'שער דיפּלאָמאַטיע, פון דורך כּלומרשט פאַרקוקן, נאָכקוקן און אריינגנאַרן איר אומפאַרזיכטיקן קרבן אין זאַק. די נ. ק. ג. ב. וואָס קוקט מיט טויזנט אויגן, זעט און פאַרשרייבט. און — פאַרשווייגט קיינעם קיינמאָל ניט, זיינע עלטסטע עבירות קעגן דער ראַטנמאַכט. אַז די פּאַסיקע צייט וועט קומען דערצו, טרייסטן זיך אידן אין ווילניוס, וועלן „יענע" באַצאָלן פאַר אַלץ כּפל כּפלים. ווער, עס קען ניט וואַרטן אויף יענער גוטער צייט און דערווייל קוקן און שווייגן, אַנטלויפט וואו די אויגן טראָגן.

די אונטערשטע שורה פון סאָוועטיש ליטווישן גוט פריינטשאַפטלעכן באַציאונגס באַלאַנס מיט די דייטשן, איז: נאַצישע חוצפּה!

אין גאַס, אין מאַרק, ביי זייערע אַרבעטס שטעלן, ווייזן די געפאַנגענע שוועלבעלעך אַ פאַרטוליעטן שפּיץ פון זייערע שפּאַרבערשע נעגעלעך.

מיט דער חוצפּה, קומט דער אַפּעטיט. זיי ווענדן זיך שוין נאָך הילף אַפילו צו אידן.

אַכט פרי, וועקט אונז אויף אַ קלאַפּעריי אין טיר.

אַ דייטש איז אויף דער שוועל. ער באַטראַכט מיין אידישן נאָז און פאַר־

וואונדערטע אויגן און באשטייט אנטשלאסן אויף דאס אים נויטיקע: ערלאובן זי, איין צינדהאלץ, ווייר וואלען אנראובען. א צווייטן מאל לאזירט זיך אריין א יעקע, נאך „איין טעפכען ריינעם וואסער". און מיר, דער עם קשי עורף, דער־צויגענע אויף דער שרעקלעכער תורה פון עין תחת עין ושין תחת שין, וואס האבן אזא גרויסן רעכענונג פון נקמת דם, טראגן זיי אנטקעגן פייער צום פארויכן און ניט פארברענט צו ווערן, וואסער צו שטילן דעם דארשט און ניט דער־טרונקען צו ווערן. אלע מיינע פעסטע באשלוסן, אנצושפייען אין חזר'שן פר־צוף און אוועקצוויאגן ווי א קרעציקן הונט, זענען צערונען ווען נאר איך בין געשטאנען פנים אל פנים מיט א געשלאגענעם דייטש מערדער אין לבוש פון א געפאלענעם מענטשן, דער פארשאלטענער אידישער רחמנות, האט איבער־געלעבט פאנאר!...

אויף ווינגרי 12, אין גאנץ געבליבענעם מויער וואו עס האט געוואוינט מיין שוועסטער זענען אצינד „רעפאראציאנס ווערקשטעטע" פון טופיצעריי.

צענדליקער, הונדערטער מעבל שטיק צעקאליעטשעטע בשעת אנטי אי־דישע אקציעס, זענען דא אויפגעזאמלט געווארן פון אפגערייניקטע אידישע וואוינונגען וועלכע דייטשן האבן פאר דער צייט גענוצט געבראכט אהער, וואו זיי ווערן אויסגעפאריכט דורך דייטשישע געפאנגענע און איבערגעגעבן צום באנוץ פאר די אנקומענדע רוסישע באאמטע.

די רויטארמייאישע וועכטער זיצן רעכטס אין פארטער וואוינונג וואס האט איר ארייגאנג אין טויער דורכגאנג, און היטן ד'עם ארויס און אריין.

— וואוהין? באטראכט מיט אפשיי דער שינעל מיין לאנגן לעדער מאנטל.

— אין מיין געוועזענער פאר'מלחמה'דיקער וואוינונג.

— ליידער בירגער, איז דארט קיינער און קיין זאך ניט געבליבן פון יענער צייט.

— איך שטעל מיר פאר. איך וויל בלויז אנקוקן א לעצטן מאל פארן אפפארן.

— אבער, דארטן ארבעטן געפאנגענע און עס איז מיט זיי פארבאטן יעדער פארקער.

— איך וויל זען די וואוינונג און ניט די הינטישע זין.

— לאדנא, זאגט ער ענדלעך נאך א היפשער קווינקלעניש, אבער מאכט דאס שנעל.

טרעט איך אויף די מיט גלאז און ים האר פארשאטענע טרעפ פון די אויסגעליידיקטע אידישע וואוינונגען.

דעם לעצטן חודש אין מיין היימשטאט, האב איך דא געוואוינט הינטער א כלומרשט פארשלאסענע טיר. אט עפן איך זי ווידער אויף. אין עס צימער הובלט א יונגער זעלנער א ברעטל און פייפט צו וואגנערס א טראמ־פייטן מארש.

אין קיך, פארעט זיך א דייטש ביי קליי פארקאבן. א צווייטער קלעפט

א פוס צו פון א ווייכן שטול. אין דורכגאנג גייען צוויי עלטערע זעלנער א וואנט פון א דיוואן.

איך קוק אָן שטאַרק די יורשים פון מיין שוועסטערס הויז.

— גוט מאָיען — רייסט דער יונג ביים הובל טיש איבער מיט זיין טמאָ־דיקן וואונטש דעם טרויעריקן בילד. די אַנדערע ארבעטן פלייסיק און קוקן פון דער זייט אָן מיין אידישן נאָז אין קאָמיסארישן מאנטל.

פ א ר ב י י.

אין שלאָף צימער ליגן ברעטער פון צענומיענע מעבל. אן ארבעטס טיש און אן אומעט פילן אָן דעם חדר'ל.

איך קוק אַרויס דורכן פענסטער אין גאָרטן וואָס איז פארבליבן אזוי ווייניק געענדערט פון יענע טעג, ווען איך בין דאָ אין דער לעצטער שעה געשטאַנען ערב דעם צעזעגן אויף אייביק.

איז דאָס, דער איינציקער צייכן פון דער אָפגעווישטער אידישער היים?

מיין האַנט טאַפּט אָן אַ קנאָפּ אויפן פענסטער. א גרינער קנאָפּ פון א דייטשישן שינעל מיט א קייזערשן אָדלער. אפשר איז דאָס, דער לעצטער צייכן?

אַצינד ליגט ער אויף מיין טיש, דער לעצטער גרוס פון מיין שוועסטערס חרובער היים: דער נאַצישער אָדלער שפייט מיט גרינער גאַל אין פנים און לאָזט ניט פארגעסן: נ אַ צ י ם ק ו ק ן מ י ר אָ ן!

א קאַפּיטל פון בוך: „אַש פון ירושלים ד׳ליטע״



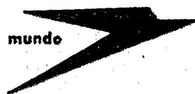


# B·O·A·C *cuida bien de usted...*

אין האַוואַנאַ און אין פּאַריז, אין מעלבורן און אין מאַדריד, אַזוי אויך אין ניו־יאָרק און אין ריאָ — איבעראַל צייכענען זיך אויס די מאַנשאַפטן פון **באָאַק** מיט זייער לייסטונגס פיייקייט און העפלעכקייט צו די פּאַסאַזשירן. האָט דאָך שוין **באָאַק** אַ רעקאָרד פון 34 יאָר פון אינטערנאַציאָנאַלע פליען. און די 34 יאָר פון דערפאַרונג לאָזן זיך דער שפּירן אין דער פיייקייט פון די מאַנשאַפטן און אָנגעשטעלטע אין אַלע ליניעס פון די 51 לענדער, וואָס דעקט די **באָאַק**.

פאָרן מיט דער **באָאַק** איז געניסן פון אַנגענעמע מאָמענטן: די ספּעציעלע אויפמערקזאַמקייט בעת דער גאַנצער רייזע, אויסגעקליבענער לייען מאַטעריאַל, ערשטקלאַסיקע שפּייזן, פיינע געטראַנקען ווי אַ געשאַנק פון דער קאָמפּאַניע... און די שוין באַקאַנטע ענגלישע העפלעכקייט — דאָס אַלץ פאַרוואַנדלען די רייזע דורך **באָאַק** אין אַן אַנגענעמען צייט פאַרטרייב.

**B·O·A·C** **1,000 rutas alrededor del mundo**



**Para reservaciones e informes,**
**visite a su agente de pasajes, o a**

**BRITISH OVERSEAS AIRWAYS CORPORATION**

**Trocadero 55, bajos del Hotel Sevilla - La Habana**
**Telfs. W-4944 y W-5260**

CUBA MAIL Line

(WARD LINE)

Servicio Rápido Semanal
entre
NEW YORK y La HABANA
en ambas direcciones

ניו־יאָרק — האַוואַנאַ

אין יעדער ריכטונג. פרייז: $90.00
(פלוס שטייערן)
צימערן מיט באָד: $10.00 (עקסטראַ)

באַלטימאָר — האַוואַנאַ — וועראַקרוז

באַלטימאָר־האַוואַנאַ: $90.00
האַוואַנאַ־וועראַקרוז: $82.50
(פלוס שטייערן)
צימערן מיט באָד: $10.00 (עקסטראַ)

CM-1-49

Agentes Generales para Cuba:
COMPAÑIA TERMINAL CUBANA AMERICANA
Desamparados y Compostela - Tel. M-8301

FELICITAMOS SINCERAMENTE A NUESTROS CLIENTES Y AMIGOS DE LA COLONIA HEBREA DE CUBA EN LA FECHA DE SU AÑO NUEVO Y HACEMOS VOTOS POR SU FELICIDAD Y PROSPERIDAD.

לשנה טובה תכתבו!

# מיטן פּנים צום נײעם יאָר

פון **דוד וו. אוטיאַנסקי**



האָבן מיר דען אַן אַנדער ברירה, ווי האלטן אין איין ציילן די יאָרן? מיט אַ קרעכץ און בײנקשאַפט באַגלײטן מיר דאָס אַלטע יאָר און מיט אַ שרעקנדיקן שמייכל און ברוך הבא גײען מיר דעם נײעם יאָר אַנטקעגן.

יעדעס נײע יאָר איז עלטער פאַר דאָס אַלטע יאָר. אַ מאָדנער פּאַראַדאָקס: דאָס נעכטיקע איז אינגער פאַר דאָס הײנטיקע, פאַרן מאָרגן.

אויך מיר, מענטשן, פון נעכטן און הײנט, און די פון אויפמאָרגן נאָך אונז, לויפן דעם זעלבן פּאַראַדאָקסאַלן שטײגער און אמת. ווי עס ווײזט אויס איז דאָך טאַקע מענטש און צײט אומטײלבאַר אין באַגריף און פּראָפּאָרציע.

קובא, די אידישע קובא, רײסט אויך אַראָפּ יעדן ראש השנה דעם לעצטן בלעטל פון אַן אַנטלאָפענעם יאָר. ווי דער שטײגער אומעטום, אַזוי אויך אין קובא, ווערט אין די דאָזיקע טעג אונטערגעצויגן אַ סך הכל.

עס וועלן אַנדערע אויך היי יאָר זיך אַ גריבל טאָן אין די נעכטיקע טעג; מען וועט באַלאַנסירן, מיט גרויסע ציפערן; סומירן דאָס אויפגעטאָנע, דאָס דערגרײכטע; מען וועט אַביסל אויפבלאָזן און פאַרגרעסערן דעם חשבון; מען וועט שוין מיט גאָטס הילף זיך באַמיען צוצוגעבן דעם פאַרשטאָרבענעם יאָר (זאָל ער האָבן אַ ליכטיקן גן עדן) גענוג חשיבות און אימפּאָרטאַנץ, אַלץ צוליב דעם, אַז מיר אַלײן זאָלן פון דעם באַלאַנס אַרויס מיט אַ ניט פאַרשעמטן פּנים.

איך אויך, אײנער פון אַלע, פון אַלע טאָג, אַן עודת ווי אַנדערע פון אַ גאַנצן יאָר, וועל דעם באַלאַנס פון נעכטן אָבער ניט מאַכן. איך וועל ליבער אויפן סמך פון דאָס געזעענע, אַדורכגעמאַכטע און מיטגעלעבטע פון אַ גאַנצן פאַרגאַנגענעם יאָר, מיר פּרובירן מאַכן אַ בילד, ווי וועלן מיר אויסזען מאָרגן?

איז עס חלילה בײ מיר ניט דער דראַנג צו נביאות, ניט קײן משוגה'נע עגאָ־זוכענײש פון שטעלן זיך אויף אַ בערגל און קוקן צו וועלט אַראָפּ און פאַרויסזאָגן ווי וועט געבוירן ווערן דער מאָרגנדיקער טאָג.

איז עס אַ סימן פון אַלטקײט? פון פּחדנות? וועלן וואָס שנעלער פאַרגעסן און אַנטלויפן פון דעם נעכטן?... אָדער איז דער נעכטן פון הינטער דער פּלײצע אַזאַ אָרעמער? און פון

אָרעמקייט ווייל מען דאָך טאַקע וואָס שנעלער אַנטלויפן און פאַרגעסן...

אַלטקייט און אָרעמקייט. אָבער ניט מיינע אַליין. דער אוצר געהערט דעם גאַנצן ישוב. דאָס איז דאָס אָפּגעשפּאָרטע פאַרמעגן פון ישוב פאַר עפּעס מער ווי אַ פערטל יאָרהונדערט.

אונזער אידישקייט אין קובא: די אידישע געזעלשאַפטלעכקייט און געזעלשאַפטלעכע אידישקייט, איז פאַר אַ סך יאָרן געווען יונג און רייך. אין יענע ערשטע יאָרן האָט מען מיט אימפּעט, אחריות און געזעלשאַפטלעכן אויפריכטיקן דראַנג געפּלעגט און געהאָדעוועט אידישע קולטור אין קובא; נאַציאָנאַלן פּאָליטישן באַוואוסטזיין; דערציאונג; מיט איין וואָרט: געזאָרגט פאַר המשך ישראל. אין אַזוינע יאָרן איז לייכט געווען ראש השנה צו מאַכן באַלאַנסן פון דאָס אַלטע יאָר. די פעדער איז פאַר רחבות געשפּרונגען און געשטיפּט; עס האָט אַרויסגעזונגען פון די צווישן שורות דער געזאַנג פון רייכע פאַרגאַנגענע טעג.

איך וואַרף אַריבער אין מיין פאַרנעפּלטן זכרון אָט יענע אַמאָליקע יאָרן; בלעטער זכרונות; אַמאָליקע ראש־השנה'דיקע אַרטיקלען פון מיין פאַרגעלטן אַביסל פאַרשימלטן צייטונגס־אַרכיוו, און עס כאַפּט אָן אַ שרעק: כסדר'דיקער באַרג־אַראָפּ; וואָס אַ יאָר, ווייטער דער אָפּגרונט, די געזעלשאַפטלעכע אָרעמקייט אַלץ גרעסער און גרעסער...

און מיט דער ניכטערקייט, **חלילה** ניט פאַרצווייפלונג, זאָל מיר **דערלויבט** זיין אָנוואַרפן אַ בילד, ראַטש אַ בלייכע פּערספּעקטיוו, ווי אַזוי מיר וועלן מאָרגן אויסזען.

וועלכע זענען די געזעלשאַפטלעכע הויפּט־פאַקטאָרן, וואָס וועלן פירן אונזער אידישן לעבן דאָ אין לאַנד פאַרן קומענדן יאָר? וועלכע פון די אידישע אָרטיקע אינסטיטוציעס וועלן דעם כראָנישן געזעלשאַפטלעכן קריזיס גובר זיין און באַאיינפלוסן די קומענדיקע טעג פון נייעם יאָר?

איז מען ווידער ניט קיין אומ'רחמנות'דיקער אחזור, ווען מען נעמט צונויף אַ ריי אידישע אינסטיטוציעס; מען גיט זיי אַ וואַרעמע ברודערלעכע האַנט, ווינטשנדיק זיי **דערפאָלג און** מזל ברכה פאַרן קומענדן יאָר און פּטור... עס וועט וועלט ניט אונטערגיין, ווען טובערקולאָז קאָמיטעט, פרויען פאַריין, אידישע האַנדלס קאַמער; רעליגיעזע אינסטיטוציעס ווי: עדת ישראל, כנסת ישראל, די נייע קהילה שטאָט אויף צו להכעיס, לייקאַסע, דער האַלבער מנין ספרדישע אינסטיטוציעס און די פאָר פאַראַמעריקאַנישטע אידישע אינסטיטוציעס, אפילו ניט פאַרגעסנדיק אָן דעם חסד של אמת (אַ געזעלשאַפט אַזאַ, וואָס מיר אַלע וועלן נאָך הונדערט צוואַנציק יאָר באַנוצן — ווער פריער, ווער אַביסל שפּעטער) און נאָך אַנד. וועלן, ווי געזאָגט, אוועקגעשטעלט ווערן אָן אַ זייט פון די יערלעכע איבערזיכטן, אָפּשאַצונגען און קריטיקס און זיי לאָזן אָנגיין דעם פאַר יאָרן אויסגעטראָטענעם מאָנאָטאָנעם וועג. די אַלע דערמאָנטע געזעלשאַפטן און אינסטיטוציעס, ווי מען זאָל זיי ניט רופן, אונטערליגן ניט קיין דירעקטער געפאַר חלילה פון אונטערגאַנג, זיך שליסן און ליקווידירן, — פונקט ווי זיי וועלן מיט זייער עקזיסטענץ און לעבן אויף דער אידישער גאַס אויך ניט שטאַרק גורם זיין, אָדער באַאיינפלוסן דעם באַרג אַרויף אָדער דאָס

זינקען פון אונזער קולטור־געזעלשאפטלעכן לעבן.

בלייבט נאָך א ווינקל אין ישוב, וואָס מ'קען דערוויל אדורכלאָזן: דעם פאטראָנאט וואָס בויט די רעליגיעזע און געזעלשאפטלעכע געביידע. ניט צוליב איר ווייניק וויכטיקייט; נאָר ווייל עס איז נאָך דערוויל אומקלאָר און פשוט צוליב דעם, וואָס עס איז נאָך פאראנען צייט. איבעראיאָר ערב ראש השנה, ווען די געביידע וועט שוין זיין נאָענטער צום פארענדיקן, וועט נאָך צייט זיין איבער דעם ענין צו שמועסן און קאָמענטירן. דערוויל זאָלן מיר אים, דעם פאטראָנאט, נאָר ווינטשן דערפאָלג און א שנעלערן טעמפּאָ אין זיין ארבעט.

אידישער צענטער און ציוניסטישע פארייניקונג — דאָס איז די אקטועלע טעמע פון אונזער געזעלשאפטלעכן טאָג אָרדענונג. דאָס איז די אקס, אַרום וועלכער עס דרייט זיך אונזער נאַציאָנאַלע אידישקייט און אַן וואָס עס איז דירעקט און אומפארמיידלעך אָפּהענגיק אונזער קולטור־געזעלשאפטלעכער מאָרגן, אונזער דערנענטערונג צו ישראל'ס ווירקלעכקייט; דער וועג פון דער יוגנט, ווי בכלל דער המשך פון עפּעס אידישקייט.

דער אידישער צענטער האָט, לויט מיין מיינונג, דעם שווערסטן קריזיס פאר די אלע יאָרן פון זיין עקזיסטענץ דוקא דאָס יאָר גובר געווען בעת די לעצטע וואלן. עס איז געווען א פארנעם און ווילן פון א קליינער גרופּע, וועלכע האָט געהאלטן — איידער א גוסס'דיקן צענטער, וואָס יעדן טאָג שטאַרבט ער, בעסער איינגאנצן ניט אַזאַ צענטער. די דאָזיקע טענדענץ איז דורכגעפאלן. דער חוש פון פאָלקס־איד האָט באוויזן צו זיין עפעקטיווער, שטארקער און אידישלעך אחריותפולער. עס האָט שפּעטער אפילו ניט געהאָלפן א מין שטילער באַיקאָט קעגן אידישן צענטער מיטן אוועקנעמען די גראָשנדיקע מיטגלידס־אָפּצאָל, כדי כאָטש אַזוי אַרום דעם צענטער צו פארשילסן, אָדער... אָדער אין בעסטן פאל, אים, דעם אידישן צענטער, צו „טראנספּערירן" צו נייע משיחים... (דערוויל אַן א פּנים און אַן און אינהאלט).

אָט די דאָזיקע שטילע וואל־פּראָבע האָט באדארפט דינען ווי דער עקספּערימענט פאר דעם צענטערס וויטאַלן כח פון אויף ווייטער דינען ווי די איינציקע צענטראַלע אידישע פאָלקס־אינסטיטוציע פארן ישוב. עס איז אַזוי אַרום נאָך אמאָל אין אונזער באַלד דרייסיק יאָר געשיכטע ישוב קובא באשטעטיקט געוואָרן די פּאָטענציעלע מעגלעכקייט און אויטאָריטעט גלייכצייטיק פון דער ערשטער און ביז היינט איינציקער אידישער פאָלקס־היים — דער אידישער צענטער.

פארמאָגט דער אידישער צענטער אין פּערספּעקטיוו, פארן קומענדן יאָר א באַזע, א פּלאַטפאָרם פון אויסגעברייטערטער טעטיקייט? פארמאָגט די אינסטיטוציע, בעסער געזאָגט — גרופּירט אַרום זיך דער צענטער, מענטשן, קולטור־געזעלשאפטלעכע כוחות, שטאַרקע געניוג, מיט וועמען צו קענען אונטערנעמען א ווייט־פּאַרצווייגטע קולטור - געזעלשאפטלעכע טעטיקייט פארן קומענדן יאָר? דער אויספיר און ענטפער דאַרף זיין א צופרידנשטעלנדער. פריער אויף דעם צווייטן באדינג: אין דער היינטיקער פירערשאפט פון אידישן צענטער

שטייען גוט־אויספּרובירטע געזעלשאַפטלעכע פּאָלקס־מענטשן, וועלכע קענען, באַגלייט פון גוטן ווילן, אַרויסשלעפּן דעם צענטער פון די כראָנישע דעפיציטן, זענען פעיאיק צו מאָביליזירן די עפנטלעכע מיינונג לטובת דעם צענטער; זענען באַרופן גלייכצייטיק צו אָריענטירן און אָרגאַניזירן אונזערע צענטראַלע און וויכטיקסטע פּראָבלעמען פון ישוב און זענען, דוכט מיר, אין דער פולסטער מאָס באַרעכטיקט צו פּרעטענדירן אויף דעם צוטרוי און אַנערקענונג פון דער ברייטער עפנטלעכקייט.

אין דער זעלבער צייט גרופּירט זיך אַרום צענטער די אידישע קולטור־משפּחה: אידישע שרייבער, פּאָעטן, זשורנאַליסטן, דערציער, און אַנד. קולטור־כוחות. מעג די דאָזיקע קולטור משפּחה ווי קליין און אָרעם זיין, אָבער זי איז די איינציקע און קולטור־שעפערישע אין קובא און שטייט אין דוקא אין אידישן צענטער. איך מיין איינשטיין ניט אין באַדייט פון פיר אַרומגעצאַמטע ווענט, נאָר אין גייסט און עצם וועזן פון אידישן צענטער.

נו, און דער צווייטער באַדינג: די באַזע און פעלד פאַר א גאַנץ יאָר אַרבעט?... ליגט פאַר מיינע אויגן א פראַגמענט נאָר פון א פּלאַן און פון נאָר א קליין גרופּע קולטור־טוער ביים צענטער. זאָל נאָר א טייל פון דאָס אָנגעמערקטע פאַרווירקלעכט ווערן פאַרן נייעם קומענדן יאָר, וועט אויך שוין געגוג יום טוב'דיק זיין אין אונזער אידיש שטעטל.

עס דאַרף לויטן פּלאַן, אינערהאַלב דעם שוין לויפנדן פּרץ־יאַר, פּראָקלאַמירט ווערן א יאָר פייערונגען צו דער געלעגנהייט פון 30 יאָר אידישע מאַסן איינוואַנדערונג און 25 יאָר אידיש קולטור־געזעלשאַפטלעכער לעבן אין קובא.

די דאָזיקע פייערונגען דאַרפן אַריינגעמען א פּאָלקס ציילונג, (צענזוס). דער ערשטער אין קובא, דער ערשטער אידישער צענזוס נאַטירלעך. זאָלן מיר ניט בלאָנדזשן אַרום ציפערן פון 25 טויזנט אידן אין קובא אַמאָל, 15 טויזנט לויט מיינונגען פון יאָרן, און לעצטנס זיך אַרומטראָגן מיט אַן אמת אין קעשענע פון זיבן־אַכט טויזנט אידן.

אַן אויסגאַבע אין בוך־פאָרם, געווידמעט 25 יאָר קולטור־געזעלשאַפטלעכן שאַפן. א זאַמל בוך פון די בעסטע לידער, אַרטיקלען, עסייען, דערציילונגען און אַנדערע שאַפונגען פון די אידיש־קובאַנער שרייבער און דיכטער. אַן אויסגאַבע אין בוך־פאָרם וועגן כאָסע מאַרטי — איבערזעצונגען פון שפּאַניש אין אידיש פון די בעסטע קאַפּיטלען פון מאַרטי'ס שאַפונגען, און וועגן די שענסטע טעג און מאָמענטן פון זיין נאַציאָנאַלן פרייהייטס־קאַמף, וואָס כאָסע מאַרטי האָט געשריבן און דאָס בעסטע, וואָס איז איבער אים געשריבן געוואָרן.

אָרגאַניזירן אין לויף פון דעם יאָר, אויף א גרויסן נאַציאָנאַלן פאַרנעם, אַ ישראל אויסשטעלונג: ישראל'ס אויפקום, קאַמף און בויען.

מיטווירקן און סטימולירן די אויטאָנאָמע שול ביים צענטער און אירע שול־טוער איינצופירן אין די העכסטע צוויי אָדער דריי גראַדן א צופרידנשטעלנדן פּראָגראַם פון עברית און געשיכטע פון ישראל. זאָרגן גלייכצייטיק פאַר ספּעציעלע קורסן פאַר די שילער [illegible] ענדיקן די שול — פאַר די דערמאָנטע צוויי קענגשטאַנדן: עברית און געשיכטע פון ישראל.

איינפירן יערלעכע פרעמיעס פאר די בעסטע גראַדואירטע שילער פון די עקזיסטירנדע אידישע שולן פאר אידישע קענטעניש.

א יערלעכע פרעמיע פאר דאָס בעסטע ליד, דערציילונג און ארטיקל, פאַרעפנטלעכט אין דער אידישער פרעסע אָדער אין בוך־פאָרם.

א האָמענאַכע - אונטערנעמונג צו דער געלעגנהייט פון 20 יאָר „האַוואַנער לעבן".

א האָמענאַכע פאר אלע עקס־פּרעזידענטן, עקזעקוטיוו־מיטגלידער און דירעקטאָרן פון אידישן צענטער פאר דער צייט פון זיין עקזיסטענץ.

א ספּעציעלע האָמענאַכע פאר אלע עקס־שילער פון דער שול ביים צענטער און פאר דעם דירעקטאָר פון דער שול, פריינט עליאָוויטש.

א האָמענאַכע פאר די אידישע פּראָפעסיאָנאַלן, מיט דער באַמיאונג גלייכצייטיק, צו דערנענטערן די זעלבע צו אונזער אידישער געזעלשאַפטלעכקייט. אויסשטעלן אין אידישן צענטער א גאָלדענעם בוך פאר א גאַנץ יאָר, מיט דעם צוועק צו פאַראייביקן אין אים אונטערשריפטן פון אַלע אידן פון אונזער דור אין קובא.

רעאָרגאַניזירן די ביבליאָטעק און אָנפאַנגען דעם פּראָקלאַמירטן יובל־יאָר מיט א קולטור און פרעסע אויסשטעלונג און אַ פופצן טויזנט דאָלער קולטור פאָנד.

דאָס דערמאָנטע, אין אַלגעמיינע שטריכן, באַדאַרף זיין דער פונדאַמענט און קאַלענדאַר פון דעם צענטערס טעטיקייטן פאַרן קומענדן יאָר.

ס'איז ניט קיין אילוזיע און וויסטע אויסטראַכטעניש פון א קראַנקן געראַנק. די פּאָטענציעלע מעגלעכקייטן פאַר די דערמאָנטע טעטיקייטן לעבן און עקזיסטירן אין און ארום צענטער. עס פעלט נאָר אַביסל גלויבן און ווילן צו ארבעטן. סימנים פאר דעם האָט ד ע ר אידישער צענטער פאַרן אוועקגייענדיקן יאָר טעטיקייטן באַוויזן. דאַרף אונז דערפאַר די אָנגעצייכנטע פּערספּעקטיוו פאַרן צענטער צום נייעם יאָר ניט אָפּנאַרן.

אַזוי ווילן מיר האָפן!

דער צווייטער ניט ווייניק וויכטיקער פאַקטאָר איז די ציוניסטישע באַוועגונג. די ציוניסטישע באַוועגונג אומעטום, אויך אין קובא, איז, ספּעציעל פאר די לעצטע פינף יאָר, זייט דעם אויפקום פון מדינת ישראל, בכלל די וואָג־שאָל פון אידישן קיום אין גלות. ביי אונז אין קובא איז ניט אנדערש. דער טערמאָמעטער — פאר אידישקייט קען דינען די באַציאונג פון ישוב צו ישראל אין אלע הינזיכטן, ווייל נאָר א נאַציאָנאַל־באַוואוסטזיניקער ישוב מיט א געהעריקער מדרגה פון קולטור קען מיטלעבן מיט ישראל'ס ווירקלעכקייט און זיך שאַפן א פּערספּעקטיוו פון ישראל'ס מאָרגן.

אויב, און טאַקע ניט אנדערש ווי מעשים, דאַרפן זיין די עלעמענטן און סימנים פון די מאָרגנדיקע האָריזאָנטן פאר דער ציוניסטישער באַוועגונג דאָ ביי אונז, זענען די זעלבע פאַרן לעצטן יאָר עפּעס מער ווי צופרידנשטעלנדע. דער גענוג דערפאָלגרייכער במעט פאַרענדיקטער באַנד דרייוו און דער היי יאָר פּאַרייניקטער ישראל קאַמפּיין — באַלד הונדערט טויזנט דאָלער אין דריי מאָנאַטן, האָבן געטראָגן די כאַראַקטעריסטיק פון א פאָלקס מאָביליזאַציע. אויף א פאָלקסטימלעכן אופן וואָלט מען געקענט זאָגן: ישראל'ס אקציעס

און פרעסטיזש האָבן זיך געהויבן אין די אויגן פון אונזער ישוב.

דער זייער געלונגענער פּרואוו פון אָרגאַניזירן א באַדייטנדן טייל פון אונזער יוגנט אין ישראל'ס גייסט דורך דעם האַלב־יאָריקן וויילן אין קובא פון א יוגנט שליח ה. גפן; דער אויפטו פון השומר פון ברייננגען דעם אינסטרוקטאָר יהושע קציר און זיין פרוי, וועלכע ווײַלן שוין ביי אונז א פּאָר מאָנאַט; דאָס אַוועקשיקן דריי האַוואַנער אידישע יוגנטלעכע קיין ישראל פאר א ספּעציעלן אינס־טרוקטאָרן קורס, און צום סוף יאָר, דער גרויסער אויפטו און באַדייטונג הן פאר ישראל, הן פארן ישוב, פון איינשטעלן קעגנזייטיקע קאָנסולאַרע באַציאונגען צווישן ישראל און קובא, ווי אויך א דאנק דער באַמיאונג פון דער ציוניסטישער באַוועגונג, די פּראַקטישע דערמעגלעכונג און טעכ־נישע איינריכטונג פון די קאָנסולאַרע ישראל אָפיסן אין האַוואַנאַ; ווי אויך דאָס וויילן אין קובא פון ה' שמחה גינוסר, פאָרשטייער פון קרן היסוד — המגבית המאוחדת אין ירושלים, וועלכער דאַרף זאָרגן פאר דעם פּער־מאַנענטן קאָנטאַקט צווישן ישוב קו־באַ מיט ישראל, — דאָס אַלץ צוזאַ־מענגענומען זענען פאַקטאָרן, וועלכע זענען אימשטאַנד אָנצוצייכענען א, מער אָדער ווייניקער, פּערספּעקטיוו פאר א דערפאָלגרייכן נייעם יאָר אר־בעט, פאר דער היגער ציוניסטישער פאַרייניקונג. און בעת איך זאָג — פאר דער ציוניסטישער פאַריי־ני־קונג, פאַרבינד איך מיט איר אויף אַ נאַטירלעכן און אָרגאַנישן אופן דעם גאַנצן ישוב אלס אזעלכן ווייל אין תוך און עצם אינהאַלט פון די אַלע טעטיקייטן, בראש פון וועלכע עס שטייט די ציוניסטישע פאַרייניקונג, איז דער איין און איינציק אויסשלים־לעכער קאַרדינאַלער פאַקטאָר ישראל; און מיטן גורל פון ישראל זענען ניט נאָר אָרגאַניזירטע ציוניסטישע פּאָ־ליטישע גרופּירונגען פאַראינטערע־סירט, נאָר כל ישראל אָן אונטער־שייד און אויסנאַם.

זענען עס, ווי געזאָגט, אָט די צוויי אינסטיטוציעס: דער אידישער צענ־טער און די ציוניסטישע פאַריי־ני־קונג; — צוויי אינסטיטוציעס, וועלכע זענען ניט אין קאָנקורענץ אָדער ווי־דערשפּרוך צווישן זיך, נאָר פאַרקערט דערגענצן איינע דער צווייטער, — צוויי ברידערלעכע אינסטיטוציעס, וועלכע האָבן פאר זיך ברייטע האָרי־זאָנטן און צוהאַקערטן באָדן פאר א ים פון טעטיקייטן; און די פּערס־פּעקטיוון פאר דער רעאַליזירונג פון די זעלבע זענען ווייט ניט קיין אומעטי־קע און יאוש'דיקע, נאָר פרייליך־צו־זאָגנדע און דערמוטיקנדע.

דער שליסל צו א דערפאָלגרייכן יאָר פון אויפטו און באַרג־אַרויף אין אונזער אידישן לעבן אין קובא ליגט אין שוים פון די דערמאָנטע אינסטי־טוציעס: אידישער צענטער און ציו־ניסטישע פאַרייניקונג, און אין די הענט פון צוויי מנינים אידן — די פירערשאַפט פון ביידע.

זענען מיר אַ פאָלק פון גלויבן און האָפענונג. דערפאר מיין גלויבן אַזוי שטאַרק און זיכער, אז דער דרייסיק־סטער יאָר אידיש לעבן אין קובא וועט ניט זיין קיין יאָר פון זינקען און ליק־ווידאַציע, נאָר דורכאַוים פון באַרג־אַרויף און דערפאָלג פארן המשך ישראל אין גלות און פאר דער פאר־שטאַרקונג פון קיום ישראל — מדינת ישראל.

## אַ רעפריכעראַדאָר פאַר 20 יאָר

אין גלייכמעסיקער און פולשטענדיקער איינפריערונג, אין טעגלעכער עקאָנאָמיע במשך פון יאָרן, אין פּלאַץ פאר דערהאלטן וואָס מער שפּייז־פּראָדוקטן, פארלייכטערונגען אויף אָפּלאָזן די קעלט און אין דער גרויסער מאָס פון גאַראַנטיע **איז ניט פאַראַן אַ רעפריכעראַדאָר וואָס איז גלייך צו דזשענעראַל עלעקטריק**

אין 1927 האָט די **דזשענעראַל עלעקטריק** אַרויסגעלאָזן אויפן מאַרק דעם ערשטן רעפריכעראדאָר מיט א מאָטאָר אין אַ פאַרמאַכטער פאָרם. ביי וועמען עס איז ניט דערעסן געוואָרן צו נוצן דעם מאָדעל, פונקציאָנירט ער נאָך היינט.



**בלויז דזשענעראַל עלעקטריק גיט אייך דעם באַווייז פון ווידערשטאַנד און קוואַליטעט.**
**פינף יאָר פון גאַראַנטיע**

זעט אונזערע רעפריכעראדאָרן אין די אגענטורן פון דזשענעראל עלעקטריק, אָדער אין אונזער סאלאָן פון אויסשטעלונג און פארקויף, וואָס איז איינגעשטעלט מיט אקאנדיסיאָנירטער לופט, אויף פּראדאָ און אַנימאַס.

**GENERAL ELECTRIC CUBANA, S. A.**

EDIFICIO GENERAL ELECTRIC
Prado y Animas, La Habana

ESTRADA PALMA 556
Santiago de Cuba



**SERVICIO COMO PARA UN REY**




# ישראל

(דורך אַמסטערדאַם)

דער פֿאַסאַזשיר איז ווי אַ קעניג אויף דעם
פֿראַכטפֿולן לופֿט שיף קאָנסטעליישן פֿון דער
**קאַ. על. עמ.** ספּעציעל צוגעגרייטע מאָל-
צייטן, קאָקטיילס און ליקערן, אויסערדעם די
אויסערגעוויינלעכע אויפֿמערקזאַמקייט מיט וועל-
כער עם צייכנט זיך שטענדיק אויס די באַדינונג
פֿון דער **קאַ. על. עמ.**

*Para más informes diríjase a las Agencias de Viajes reconocidas o a KLM, Prado 251, Telf. W-5670*

LA PRIMERA LINEA AEREA DEL MUNDO
FUNDADA EN 1919



# מײן קאַלום

פון א. י. ד.

## דער 20-טער יובילײ פון „האַוואַנער לעבן"

מיט הײנטיקן נומער פון ראש השנה אַלמאַנאַך 5713 פאַרצײכענען מיר די דאַטע פון צען יאָר אַלמאַנאַכן. דאָס מײנט: צען ביכער וואָס זענען ערשינען יאָר אײַן, יאָר אױס. איז עס געוויס פאַר אונז די רעדאַקטאָרן און אַרױסגעבער אַ גרױסער יום טוב. מיר האַלטן אָבער, אַז דער יום טוב איז ניט אונזערער אַלײן, נאָר געהערט אױך צום אידישן ישוב וואָס האָט דערמעגלעכט, אַז אַזעלכע יום טוב ביכער זאָלן דערשײנען בײַ אונז אין ישוב. מיר האַלטן אױך, אַז דער יום טוב געהערט צו די אַלע זשורנאַליסטן און שרײַבער וואָס האָבן מיטגעווירקט מיט זײער פען אין דער דאָזיקער אונטערנעמונג.

דער „האַוואַנער לעבן אַלמאַנאַך", האָט דורך די אָרעמע כוחות, אָבער מיט גרױס אונטערנעמונגס-גײַסט באַוויזן אָפּצושאַצן, אָפּצושפּיגלען אונזער קולטורעלן מצב און געזעלשאַפט-לעכע איניציאַטיװ — זי זאָל אַרױס-געברײנגט ווערן דורך דעם געדרוקטן וואָרט, צו סטימולירן די ווײַטערדיקע אַרבעט אין אונזער אידישער קאָלאָניע. אונזער אַמביציע איז שטענדיק געוועזן צו גרופּירן די שאַפנדע אידישע כוחות אין ישוב, אין דער שרײַבער משפּחה פון „האַוואַנער לעבן", כדי אין אידישן ישוב זאָל געהערט ווערן דאָס אָריענטירטע וואָרט, וואָס בינדט זיך פּאַראַלעל צו דאָס געזעלשאַפטלעכע פון אונזער אינסטיטוציע לעבן.

יעדעס יאָר ווען דער אַלמאַנאַך דערשײנט, געפינען די לײענער אַ וועלט מיט פאַרשײדענע אינטערע-סאַנטע מאַטעריאַלן, לידער, דערצײ-לונגען און אַרטיקלען, וואָס גיבן דעם ליכטיקן אױסזען פון אונזער ישוב און ווײַזן אָן אױף די בלױזן. דער אַל-מאַנאַך גיט פּרעסטיזש דעם ישוב, ניט נאָר אין קובא, נאָר אױך אין אױסלאַנד.

קלײַבן מיר זיך הײַ יאָר צו פּײַערן דעם יום טוב פון 10 בענדער האַוואַ-נער לעבן אַלמאַנאַך, מיט אַ ספּע-ציעלן אָוונט און ספּעציעל גרעסערע אױסגאַבע און מיר פאַרבינדן עס מיט

נאָך א גרעסערע דאטע, דאָס איז 20 יאָר „האוואַנער לעבן".

דעם 11־טן נאָוועמבער 1952, ווערט צוואַנציק יאָר זינט עס איז דערשינען דער ערשטער נומער „האַ־וואַנער לעבן". 20 יאָר אין לעבן פון א אידישע צייטונג איז א גרויסער אָפּשניט, א גרויסע דערגרייכונג און א גרויסער אויפטו. דערפאַר ווען מיר די דאָזיקע פייערונג פאַרוואַנד־לען אין א יובילײ פון אידישן ישוב, וואו די צייטונג האָט דערלעבט די 20 יאָר פון שאַפונג, פון אָריענטאַ־ציע, פון באַלייכטן דאָס אידישע לעבן אין ישוב אין אַלע זיינע פאַזן. א ישוב דאַרף און מוז האָבן אַ פּרע־סע אָרגאַן און דער „האַוואַנער לעבן" איז געוועזן דער פּרעסע אָרגאַן צו דינסט דעם ישוב.

אַרויסגעבן א צייטונג איז איינע פון די שווערסטע זאַכן, ספּעציעל ווען מיר נעמען אין אָנבאַטראַכט, אַז עס האַנדלט זיך וועגן א אידישן ישוב וואָס איז יונג, האָט זיך ערשט אָנגעהויבן פאָרמירן, שטעלן די ער־שטע טריט, — איז דער „האַוואַנער לעבן" געוועזן פאַר די צוואַנציק יאָר דער גרעסטער געווינס פון ישוב.

די צוואַנציק יאָר וואָס זענען פאַריי־בער, איבער וועלכע עס וועט אונז אַלעמען נאָך אויסקומען א סך צו שרייבן, טאַקע אין דער ספּעציעלער אויסגאַבע וואָס מיר פּלאַנען אַרויסצו־געבן צו דער פייערונג פון דעם יובי־ליי, — דאָס זענען געוועזן יאָרן פון מוסר־נפש'דיקייט פאַר דער עקזיס־טענץ פון א פּערמאַנענטער פּרעסע אין ישוב. עס איז ניט געוועזן קיין פּרוואוו, נאָר א מוז, און אַלס אַזעל־כעס האָבן מיר עס אויפגעהאַלטן אונ־טער די שווערסטע באַדינגונגען, זיך ניט אָפּשטעלנדיק אויף קיין זאַך.

דער „האַוואַנער לעבן" איז די קול־טור אינסטיטוציע אויף דער אידישער גאַס. עס איז דאָס ליכטל וואָס טריפט מיט חלב און גיט דאָך ליכט צו דעם און דאָס וואָס נויטיקט זיך אין דעם... עס איז א מין נר־תמיד וואָס האַלט אין איין דערמאָנען, אַז מיר זענען דאָס „עם הספר", וואָס לאָזט זיך ניט פאַרשווייַנקען פון בלויז עולם הזה... עס איז דאָ ביי אונז דער גייסטיקער קולטור שוואונג וואָס האַלט אונז פאַרבונדן מיט די אידן איבער גאָר דער וועלט, און העלפט אונז שפּינען ווייטער אונזער אידיש לעבן, זוכן פאָרצוזעצן דעם גאַנג פון אונזערע עלטערן צו טראָגן דעם פאַקל פון אייביקן אידיש פאָלק, וואו מיר זאָלן זיך ניט געפינען.

מיר קומען אינקורצן צום ישוב מיט דער פייערונג פון 20 יאָר „האַ־וואַנער לעבן" און 10 יאָר יערלעכער אַלמאַנאַך און ווילן האָפן, אַז דער ישוב וועט עס אויפנעמען ווי געהע־ריק און אַלע אין איינעם וועלן מיר פייערן די וויכטיקע דאטע פון גאַנצן אידישן ישוב, צוואַנציק יאָר אידישע פּרעסע אויפן אינזעלע קובא, וואו אידן אימיגראַנטן האָבן אויסגעבויט זייער היים אין ברודערלעכער פריינט־לעכקייט מיטן קובאַנער פאָלק.

דער יובילײ פון אונזער צייטונג וועט געוויס ווערן דער יובילײ און יום טוב פון אידישן ישוב, ווייל די אידן פון קובא האָבן שטענדיק אָפּ־געשאַצט און אַרויסגעוויזן פאַרשטענ־דעניש צו זייער פּרעסע אָרגאַן ווי עס איז געוואָרן דער „האַוואַנער לעבן".

מיר געפינען זיך היינט אין יובילײ יאָר פון „האוואַנער לעבן". עס דאַרף איבעראל באטאָנט ווערן און אונטער־געשטראָכן ווערן די וויכטיקסטע דאטע פון 20 יאָר קולטור שאפונג און פּרע־סע וועזן אין ישוב.

---

## די אידישע שול ביים צענטער

די אידישע שול ביים צענטער האלט אין איר בלי עפּאָכע. ענדלעך האָבן אידן איינגעזען, אז די אויטאָ־נאָמע שול איז איינע פון די בעסטע דערציאונגס אנשטאלטן. פון טאָג צו טאָג, פון יאָר צו יאָר באקומט זי מער חשיבות. היי יאָר האָבן א סך עלטערן געהאט די געלעגנהייט זיך צום אי־בערצייגן אז ווען א קינד ענדיקט די אידישע, שול ווערט עס זייער לייכט אָנגענומען אין אינסטיטוט. דאָס אי־דיש לערנען שטערט ניט דאָס שפּאַ־נישע און דאָס גלייכן פארקערט. עס שטערט גיכער דער פּאָראורטייל וואָס א טייל אידן האָבן צו אידיש און אין אלגעמיין צו א אידישער שול. עס זענען דאָ ניט אידישע נעמען פון שולעס וואָס קלינגט זיי בעסער אין די אויערן. עס וועט זיי אמאָל באנג טאָן, דערפאר וואָס זיי פרעמדן פון זיך אָפּ זייער אייגן קינד.

די אויטאָנאָמע שול ביים צענטער, האָט גראד היי יאָר ארייננבאקומען מער אידישע קינדער. מ'קען נאָך ניט וויסן געגוי וויפל. די רעגיסטראציע איז אין פולן גאנג. אין פארגלייך מיט פארגאנגענע יאָרן, זעט זיך אַרויס, אז היי יאָר וועט די אידישע שול זיין א גרויסער דערפאָלג.

שעפּן מיר נחת פון דער אידישער שול. נאָר ניט דאָס בין איך אויסן. אז א איד אָדער א אידישע פרוי וועט אייך קומען מיט רכילות אויף דער אידישער שול, זאָלט איר וויסן, אז דאָס איז ניט אייערס קיין פריינט און נאָך וויייניקער פון דער אידישער שול. איז לאָזט זיך ניט באאיינפלוסן אָדער פארפירן. איר דארפט אינזינען האָבן איין זאך, און דאָס איז, אז איר דארפט זיך ניט שפּילן מיט דער דערציאונג פון אייער קינד.

א קינד וואָס באקומט א אידישע דערציאונג, איז נאָענט צו אייך, נאָ־ענט און פארשטענדלעך צו אייערע געפילן און אידישלעך טראַדיציאָנעל אין דער באנעמונג.

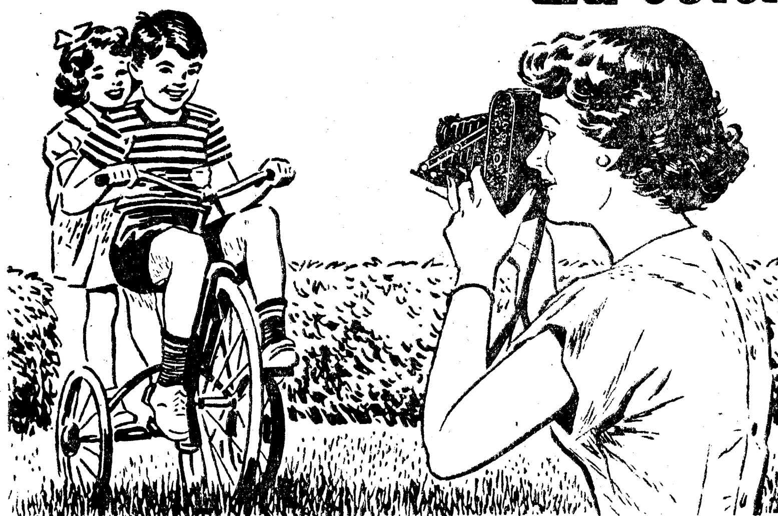
מאכט א שטיקל חשבון הנפש אין די טעג פון ימים נוראים. זיצנדיק ראש השנה און יום כפור אין שוהל, האָט איר צייט זיך ארייננצוטראכטן... פארטראכט זיך אין דעם וואָס עס רעדט צו אייך א אידישער שרייבער — אין דעם וואָס עס רעדט א איד צו א איד. איר דארפט ווירקן אויף אייערע אויסגעגעבענע קינדער, אז אויך זיי זאָלן שיקן די קינדער אין א אידישער שול. ווען דאָס קינד וועט אייך א רוף טאָן זיידעניו, וועט אייך אזוי אָנגענעם קלינגען אין די אוי־ערן דער זיסער רוף. איר וועט שעפּן פולע עמערס מיט נחת פון אייער אייניקל.

פון א גוי א איד צו מאכן איז א סך שווערער ווי פון א איד א גוי... אייערע עלטערן האָבן מיט פארגע־ניגן אויסגעטראָגן די שווערע לאסט פון אייער אידישקייט.

טוט א טראכט אין די טעג פון ימים נוראים.

Las fotos son inapreciables—

# SAQUE BUEN PARTIDO DE CADA EXPOSICIÓN



**Para máximo provecho de su película:**

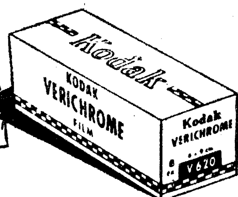
- Mantenga la cámara firme
- Centre la imagen en el visor
- Enfoque por lo menos a 2 metros
- Fotografíe al acercarse el sujeto.
- Enrolle después de cada exposición.

*Conserve la historia de los días en que sus hijos van creciendo... junto a sus padres, sus abuelos... captándola en instantáneas que merezcan elogios.*

*Cuando se trata de fotografías de acción rápida, sus instantáneas saldrán más claras si las toma cuando el sujeto viene hacia usted en vez de cruzar la escena.*

**Y asegúrese de que sea Película Kodak**






Verichrome para fotos en general
Super-XX para suma rapidez
Plus-X para ampliaciones de calidad

Kodak

# 50 יאָר קובאנער אומאָפּהענגיקייט

פון סעבאַסטיאַן קאַנאַ

* * * *

ס׳איז ניט מעגלעך אין א קורצן אַרטיקל צו געבן אן איבערזיכט, אפילו פון די גאָר סאמע וויכטיקסטע געשעענישן, איבער די פארגאנגענע 50 יאָרן פון דער קובאנער אומאָפּהענגיקייט. וואָס מיר באַצוועקן איז צו פאראינטערעסירן די אידישע בירגער פון אונזער לאנד קובא, די נאטוראליזירטע ווי די געבוירענע, מיט דער געשיכטע פון דעם לאנד, מיט וועלכן מיר זענען איינג פארבונדן און אין וועמענס אנטוויקלונג מיר האָבן אויך ביינעטראָגן אונזער הלק.

מיר ווייסן אז היינטיקע צייטן לעבט מען פון סענסאציעס. און די סענסאציעס איז דאָס לעבן ניט אינטערעסאנט... ס׳איז דערפאר פאר דאָס רוב מענטשן די געשיכטע א פּראָדוקט פון דעם טאָג, ניט אָבער ווי אַ געשעעניש אלס א רעזולטאַט פון יאָרן לאנגער אנטוויקלונג.

מיר גלייבן אָבער אז אונזערע לייענער, ווי קינדער פון דעם עלטסטן פאָלק אויף דער וועלט, דארפן זיך היטן פון קורצזיכטיקייט בנוגע דער געשיכטע פון דעם לאנד אין וועלכן זיי לעבן.

וועגן די קובאנער זאָגט דער באַקאנטער אינטעלעקטואל דאָקטאָר כ. מאַניאַטש, אז זיי ווייסן מער וועגן דער געשיכטלעכער אנטוויקלונג פון דעם פאָריקן יאָרהונדערט איידער וועגן די געשעענישן און זייערע סיבות פון דער צייט פון דער רעפובליק. צוליב פארשטענדלעכע סיבות טאָרן מיר אידן ניט אַרויסווייזן אזא גלייכגילטיקייט צו די פאקטן און געשעענישן אין דעם קובאנער לעבן. מיר דארפן אפילו באַנוצן אונזערע פייאיקייטן אויף אַריינדרינגען אין דער צוקונפט.

מיר ווילן דעריבער אָנווארפן איי־ניקע וויכטיקע מאָמענטן פון די פארגאנגענע 50 יאָרן און צום סוף באַרירן די פראַגע פון איד און קובאנער — די אלט באַקאנטע פּראָבלעם פון דאָפּלטער טריישאפט.

---

דעם יאָר איז דאָ געפייערט געוואָרן די דאטע פון 50 יאָר קובאנער אומאָפּהענגיקייט. די פייערלעכקייטן האָבן ניט געטראָגן דעם כאראקטער פון דער פולער מאָס פרייד ביי דער קובאנער באַפעלקערונג. מען איז נאָך

געווען אונטער דעם איינדרוק פון דער רעגירונגס איבערקערעניש פון דעם 10־טן מערץ, ווייל ווידער אמאָל באשטימט ניט דאָס פּאָלק זיין גורל, נאָר דאָס מיליטער. דאָס האָט געשאפן א שטימונג פון אָפּהענטיקייט און פון א געוויסן פּאַטאַליזם.

אין דעם לעבן פון א פּאָלק איז 50 יאָר ניט מער ווי אַ קליינער צייט באַגריף. אין א לאנד, וואו דאָס לעבן אנטוויקלט זיך נאָרמאל, קען מען במשך פון 50 יאָר גאָר א סך אויפטאָן. אין קובא, וואו די נאָרמאלע אַנטוויקלונג פון דער עקאָנאָמיע, יורידיספּרודענץ און פון דער קולטור איז כסדר געשטערט געוואָרן פון אינערלעכע אויפברויזן און פון דער אריינמישונג פון דער רעגירונג פון די פּאַריייניקטע שטאַטן, האָבן די 50 יאָרן ניט געקענט געבן דעם סאלדאָ, וואָס פילע האָבן דערוואַרט.

וואָס אָנבאלאַנגט די פּאָליטישע פּאַרטייען איז די לאַגע אפשר נאָך ערגער ווי זי איז געווען מיט 50 יאָר צוריק. די גרינדער פון דער רעפּובליק האָבן געהאט אידעאלן, וועלכע זיי האָבן געוואָלט דורכפירן אין דעם נייעם אומאָפּהענגיקן לאנד. די גלייכשטעלונג פון ווייסע און שווארצע איז יעמאָלט געווען איינע פון די סאָציאַלע יסודות פון דער נייער רעפּובליק. מען האָט זיך אויך געסטאַרעט אויסגלייכן אַלע פּאָליטישע דיפערענצן כדי געמיינזאם צו בויען דאָס לאנד.

[illegible] האָט אויך שלום געמאַכט מיט די שפּאַניער, וואָס זענען דאָ פּארבליבן ווי גוטע שפּאַנישע אונטערטאַנען, ניט ווי קיין בירגער, ווי מען איז היינט געוואוינט צו באצייכענען.

מיט שפּאַניע גופא האָבן די קובאַנער קיין שלום ניט געמאַכט, ווייל מען האָט זיך ניט גערעכנט מיט די פאָרשטייער פון דעם קובאַנער פאָלק. דעם 12־טן אויגוסט 1898 איז אין וואשינגטאָן אונטערגעשריבן געוואָרן דער פרידנס אָפּמאַך צווישן די פאַרייניקטע שטאַטן פון אַמעריקע מיט דער באַזיגטער שפּאַניע. קובא איז דאָרט ניט געווען פארטראָטן ווי אַ צד. קובא איז אויך ניט געווען פארטראָטן אויף דער פּאריזער קאָנפערענץ, וואו עס זענען אויסגעארבעט געוואָרן די באדינגונגען פון דעם שלום אָפּמאַך.

קובא איז געווען באזעצט פון דער אַמעריקאַנער ארמיי און פון א גרופּע באאמטע, וועלכע האָבן אָנגעפירט מיטן ציווילן לעבן פון לאנד. די אַמעריקאַנער אינטערווענץ רעגירונג איז במשך פון 1899 אָנגעפירט געוואָרן פון גענעראל ברוק און פון 20־טן דעצעמבער 1899 ביזן 20־טן מאי 1902 פון גענעראל וואוד.

במשך פון דער צייט האָבן די קובאַנער ניט געוואוסט וואָס זיי דערוואַרט אין דער צוקונפט. מען האָט זיך יעמאָלט אָפט געשטעלט די פראַגע: האָט עס געלוינט אזויפיל צו קעמפן קעגן שפּאַניע און איצט ווערן א טייל פון די פּאַרייניקטע שטאַטן? אין די אָפיציעלע קרייזן פון אַמעריקע זענען געווען אָנהייגער פאר אנעקסירן קובא און עס פארוואַנדלען ווי אַ טייל פון די שטאַטן. עס זענען אָבער אויך געווען אָנהייגער פון א פרייער אומאָפּהענגיקער קובא, וואָס די קובאַנער האָבן עס אויסגעקעמפּט.

קובא איז דעם 20־טן מאי 1902 איבערגעגעבן געוואָרן די קובאַנער.

די אַמעריקאנער פאַן האָט איבערגע־לאָזן דעם פּלאַץ דער קובאנער פאַן און מיט דעם איז פּראָקלאַמירט גע־וואָרן דער געבורט פון א ניי אומאָפּ־העגניק לאנד.

דאָס לאנד איז אָבער נאָך אַלץ ניט געווען אַזוי אומאָפּהעגניק ווי די קובאנער האָבן עס געוואָלט. מען האָט אַרויפגעצוואונגען דאָס אָננעמען אין דער קאָנסטיטוציע דעם אויסבע־סערונג געזעץ פון סענאַטאָר פּלאַט, וועלכער האָט דעם 25־טן פעברואַר 1901 אריינגעטראָגן אין סענאַט דעם פּאָרשלאַג פון אינטערווענץ אין קובא, ווען די פּאָליטישע לאגע ווערט דאָרט פארשארפט. דער פּלאַט אמענדמענט האָט געמוזט אָנגענומען ווערן פון די קובאנער, כדי ניט איינגאנצן צו פאר־לירן זייער רעכט אנצופירן מיט די אייגענע ענינים. דער יעמאָלטדיקער פּרעזידענט פון די פאר. שטאַטן מאַק־קינלעי האָט אָפן דערקלערט, אז ווען די קובאנער זאָגן זיך אָפּ אָנצונעמען דעם פּלאַט אמענדמענט, וועט קובא איינגאנצן אַריבערגיין אין רשות פון אַמעריקע.

פּאַטריאָטיזם און די בעסטע וואונטשן זענען ווייניק אויף אָנצו־פירן א לאנד. פאַר דעם נויטיקט זיך אַ באַשטימטע דערפאַרונג, וואָס די אָנפירער פון דער קובאנער רעוואָלו־ציע האָבן עס ניט געקענט האָבן. דאָס לאנד איז אויך איבערגענומען גע־וואָרן ביי זייער טרויעריקע עקאָנאָמי־שע באַדינגונגען. ביים ענדיקן די רע־וואָלוציע איז בלויז איין פּראָצענט פון דעם לאנד געווען באַארבעט. דער גרעסטער טייל פון לאנד באזיץ ווי אויך פון די שטעט זענען געווען פארהיפּאָטעקירט.

די ערשטע רעגירונג פון טאָמאָס עסטראַדאַ פּאַלמא האָט אָנגעהויבן מיט דער פולער אונטערשטיצונג פון דעם גאנצן פאָלק. עס זענען יעמאָלט געווען איבער איין מיליאָן מיט 700 טויזנט איינוואוינער. דער רעגירונגס בודזשעט איז איינגאנצן געווען נאָענט פון 18 מיליאָן דאָלער.

עס איז אָבער באַשערט געווען, אז שוין די ערשטע קובאנער רעגירונג האָט צוליב א פּארטיי קאַמף געמוזט בעטן דער אַמעריקאנער רעגירונג אַז זי זאָל אינטערווענירן. עס וואָלט יעמאָלט גלייכער געווען אז מען קומט צו א פארשטענדיקונג איידער ווידער אמאָל איבערגעבן דאָס לאנד אין פרעמדע הענט. אַזוי, אז פון דעם 29־טן סעפּטעמבער 1906 איז ווידער אמאָל קובא באַזעצט געוואָרן פון די אַמעריקאנער, וואָס האָט אָנגעהאלטן מער ווי 2 יאָר.

פאַר דעם אויפשטאַנד קעגן דעם ערשטן פּרעזידענט טאָמאס עסטראדא פּאלמא האָט געדינט דער פאקט וואָס ער האָט זיך געלאָזט דערוויילן אויף א צווייטן טערמין און מיט ווייט ניט קיין לעגאלע מיטלען. דאָס האָט שוין יעמאָלט באַוויזן, אז דאָס ווידערדערוויילן א פּרעזידענט ברייננגט דאָס לאנד צו שטאַרקע אויפברויזן און שטערט במילא דער נאָרמאלער אנטוויקלונג. אין דער קאָנסטיטוציע פון 1940 איז דערפאַר פאַראַן דער געזעץ אז א פּרעזידענט קען ערשט 8 יאָר נאָכן פארלאָזן זיין אמט ווידער אמאָל אַספּירירן אויף דעם פּאָסטן.

אין די צוויי יאָר מיט איבער דריי מאָנאטן פון דער אַזוי גערופענער אינטערווענציע פון די פאריייניקטע

שטאַטן איז דער גאַנצער רעגירונגס אַפּאַראַט אָנגעפירט געוואָרן פון טש. מאַגאַן. ער האָט פאַרשווענדט די מיליאָנען וואָס זענען איבערגעלאָזן געוואָרן פון עסטראַדאַ פּאַלמאַ און ער האָט אויך פאַרטאַכלעוועט די געלטער וואָס זענען געווען באַשטימט פאַר די וועטעראַנען און אויך אַנדערע דעפּאָזיטן, וואָס זענען געווען פאַר באַשטימטע צוועקן. מאַגאַן האָט אייגנטלעך געלייגט דעם פונדאַמענט פון קאָרופּציע און פאַרשווענדונג, וואָס האָבן אין א גרעסערער און אין א קלענערער מאָס אָנגעהאַלטן ביז צום יובל יאָר פון דער קובאַנער אומאָפּהענגיקייט.

דער נאָרמאַלער ריטם פון דער קובאַנער רעפּובליק הויבט זיך ווידער אָן דעם 28־טן יאַנואַר 1909, ווען דער צווייטער דערוויילטער פּרעזידענט, גענעראַל כאָסע מיגעל גאָמעז, נעמט איבער דעם אַמט. קובא האָט שוין יעמאָלט א באַפעלקערונג פון איבער צוויי מיליאָן מיט 200 טויזנט איינוואוינער. דער רעגירונגס בודזשעט איז שוין איבער 34 מיליאָן דאָלער. אַזוי ווי מאַגאַן האָט איבערגעלאָזן א פּוסטע קאַסע מיט גאָר א סך חובות, האָט שוין די נייע רעגירונג געמוזט מאַכן אַן הלואה פון איבער 16 מיליאָן דאָלער.

די אַנטוויקלונג פון לאַנד הויבט זיך ווידער אָן פונדאָסניי. אין זיין צייט איז אָנגעפירט געוואָרן די נאַציאָנאַלע לאָטעריי, וועלכע האָט פאַר דער גאַנצער צייט געבראַכט שאָדן דער נאַציאָנאַלער עקאָנאָמיק און שטענדיק געווען א קוואַל פאַר די זייטיקע איינקונפטן פון די רעגירונגס פּאָליטיקער.

מען מוז צוגעבן, אז גענעראַל גאָמעז האָט אַרויסגעוויזן א פעסטע שטעלונג אין דער אינטערנאַציאָנאַלער פּאָליטיק און עס זענען פאַר זיין צייט אויך צו פאַרצייכענען א גאַנצע רייע קולטורעלע אויפטוען, ווי די אַקאַדעמיע פאַר געשיכטע, די נאַציאָנאַלע אַקאַדעמיע פאַר קונסט און ליטעראַטור און אויך דער נאַציאָנאַלער מוזעאום, וואָס זענען געשאַפן געוואָרן אין זיין צייט. גענעראַל גאָמעז האָט אָבער גאָרניט געטאָן קעגן דער איינגעפירטער קאָרופּציע, וואָס האָט געשטאַמט פון דער צייט פון מאַגאַן.

---

גענעראַל גאָמעז האָט אויף א פרידלעכן אופן איבערגעגעבן דעם אַמט דעם נייַ דערוויילטן פּרעזידענט, גענעראַל מאַריאָ גאַרסיאַ מענאָקאַל.

גענעראַל מענאָקאַל האָט אָנגעהאַלטן זיין אַמט פון 1913 ביז 1917 איין מאָל און פון 1917 ביז 1921 נאָך אַמאָל. דאָס ווידערדערוויילן איז אויך דאָס מאָל פאָרגעקומען אַרויפגעצוואונגען מיט פאַרשיידענע געוואַלט מיטלען. עס האָט ווידער אַמאָל אַרויסגערופן אַן אויפשטאַנד אין לאַנד, וועלכן עס איז אים געלונגען צו אונטערדריקן.

אין זיין צייט זענען אויך צו פאַרצייכענען געוויסע דערגרייכונגען אויפן עקאָנאָמישן געביט ווי אויך קולטורעלע אויפטוען. די ערשטע וועלט מלחמה האָט באַזונדערס געווירקט אויף דער אַנטוויקלונג פון לאַנד. ווי עס האָט זיך שפּעטער אַרויסגעוויזן איז עס געווען א ניט נאָרמאַלער אויפשטייג, א דאַנק דער גרויסער פאָדערונג און הויכער פּרייז

פון דעם צוקער, וואָס האָט געפירט צו א געוואַלטיקן קריזיס אין דעם יאָר 1921.

עס זענען בעת דער רעגירונג פון מענאָקאַל געמאכט געוואָרן גרויסע פעלערן און עס זענען אויך צו פארצייכענען אויפטוען, ווי היסטאָריקער גיבן איבער. באקומט קובא אין יענער צייט איר רייפקייט אלס א זעלבסטשטענדיק לאנד. דער קובאנער צוקער איז במשך פון דער צייט געשטיגן פון קנאפע 2 סענט א פונט אויף 22 און א האלב סענט. די סאפרע האָט זיך כמעט פארדאָפּלט, אזוי דער סכום פון עקספּאָרט, וואָס האָט אין 1913 באטראָפן ארום 109 מיליאָן דאָלער איז געשטיגן אין 1920 אויף איבער טויזנט מיליאָן דאָלער. דאָס האָט געפירט צו א גאָר הויכן לעבנס סטאנדארט אין יענער צייט וואָס ווערט באצייכנט אונטערן נאָמען פון „מיליאָנען טאַנץ". אָבער שוין צום סוף פון 1925 איז דער צוקער ווידער געפאלן אויף דריי מיט דריי פערטל סענט דער פונט. דאָס האָט ארויסגערופן די גרויסע עקאָנאָמישע קאטאסטראָפע אין וועלכער א גאנצע רייע בענק האָבן פשוט באנקראָטירט. קובא האָט נאָך יעמאָלט ניט פארשטאַנען אויסצונוצן די הויכע קאָניוקטור און במילא אויך ניט אָנגענומען קיינע מיטלען קעגן אן עקאָנאָמישן קריזיס וואָס האָט געמוזט קומען. דער צוקער וואָס האָט אזוי פארזיסט דאָס לעבן האָט שפּעטער געגעבן דעם ביטערן נאָך־טעם. מענאָקאַל, דער פּאָליטיקער פון דעם גרויס קאפּיטאַל, אין יענער צייט דאָס רוב אן אויסלענדישער, האָט ניט ארויסגעוויזן די נויטיקע פעיִקייט צו זיכערן אן אייגענע נאַציאָנאַלע עקאָנאָמיק.

פון 1921 ביז 1925 פארנעמט דעם אמט אלס פּרעזידענט דער גרויסער פּאטריאָט אלפרעדאָ זאיאס. דעם ערשטן שריט וואָס זאיאס טוט אלס פּרעזידענט איז דאָס רופן צו זיך דעם גענעראַל קראודער פון די פאַרייניקטע שטאַטן כדי מיט אים צוזאמען רעגירן דאָס לאנד. פּאקטיש ווייסט מען ניט ווער עס פירט אָן מיט דער רעגירונג — דער דערווייל־טער פּרעזידענט זאיאס אָדער דער שליח פון וואשינגטאָן, גענעראַל קראודער.

די קאָרופּציע און דעמאָראַליזאציע שטייגן אין זיין צייט. עס ווארפן זיך אין די אויגן די פארשווענדונגען און די אומזיסטיקע אָנגעשטעלטע, באַקאנט אונטער דעם וואולגארן נאָמען „באָטעיאָס". אין אלגעמיין ווערט יענע רעגירונג באַטראַכט אלס די ערגסטע פאר די גאנצע צייט פון די יונגע יאָרן פון דער רעפּובליק. אין יענער צייט האָט שוין קובא געהאט ווידער 3 מיליאָן איינוואוינער מיט אָ רעגירונגס בודזשעט פון איבער 93 מיליאָן דאָלער.

אין יאָר 1925 פארנעמט דעם פּרעזידענטן אמט דער גענעראַל מאַטשאַדאָ, וועלכער ווערט נאָך היינט באַטראַכט ווי א פּאראדאָקס. ער האָט א סך געשאפן פארן וואוילזיין פון לאנד. ער האָט, ווי מען קען עס זאָגן, אויף א רעוואָלוציאָנערן שטייגער געלייגט דעם פונדאַמענט פאר דער נאַציאָנאלער עקאָנאָמיק. ער איז געווען דער ערשטער פּרעזידענט,

וועלכער האָט אויף א פּלאַנירטן שטייגער אוועקגעשטעלט די דריי הויפּט פּראָבלעמען: די עפנטלעכע ארבעטן, די עקאָנאָמיק און די ביל־דונג. אויסער דעם שאָסיי, וואָס פירט דורך גאַנץ קובא לויט זיין אויסער געוויינלעכן וויכטיקן באדייט, זענען א סך ארבעטן דורכגעפירט געוואָרן. עס זענען איינגעשטעלט געוואָרן אייגענע אינדוסטריעס און עס איז א סך געזאָרגט געוואָרן פאר דער אגרי־קולטור.

פון דער אַנדער זייט אָבער זיין גרויזאמער פּאָליטיק, באזונדערס ווען ער לאָזט זיך דערוויילן א צווייטן מאָל דורך ענדערן די קאָנסטיטוציע און דורך די שרעקלעכע בלוטיקע פארפאָלגונגען פון זיינע קעגנער, האָבן שפּעטער קעגן אים אַרויסגע־רופן אלע שיכטן פון דער קובאנער באפעלקערונג.

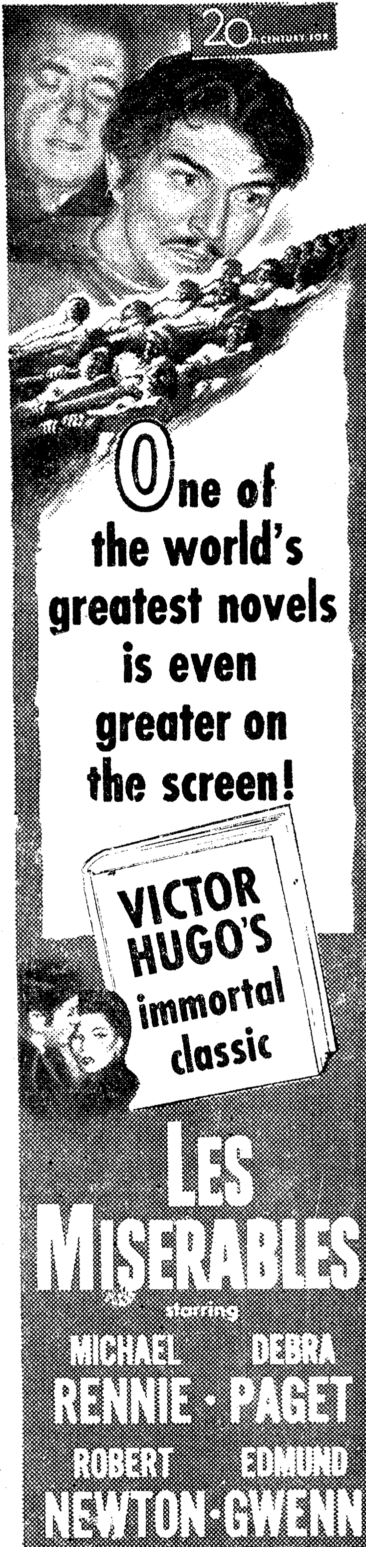
די רעוואָלוציע פון דעם גאנצן פאָלק מיט דער אינטערווענץ פון סומנער וועלס, דער שליח פון פּרע־זידענט רוזוועלט, און מיטן אויפ־שטאַנד פון דער ארמיי האָט יעמאָלט ווידער געטראָגן דעם כאראקטער פון דער באפרייאונג פון דעם קובאנער פאָלק פון זיין אונטערדריקער. עס האָט יעמאָלט געדארפט זיך אָנ־הויבן א נייע עפּאָכע פאר קובא.

וועגן די נאָך מאַטשאַדאָ יאָרן מיט זיינע פּראָוויזיאָנעלע רעגירונגען ביזן צונויפרופן די קאָנסטיטואירנדע פאר־זאמלונג, ווי אויך וועגן די שפּעטער־דיקע רעגירונגען ביז אויף היינטיקן טאָג ווילן מיר, צוליב מאנגל אין פּלאַץ, זיך ניט אָפּשטעלן. אלע זענען עדות פון דער לעצטער עפּאָכע, און עס איז גענוג ווען יעדער איינער וועט אין געדאנקען לאָזן דורכלויפן די אלע לעצטע געשעענישן, צו וועל־כע מיר געפינען זיך גאָר נאָענט.

ניט געקוקט אָבער אויף דעם וויט ניט נאָרמאלן וועג וואָס קובא איז דורכגעגאנגען במשך פון די פארגאנ־גענע 50 יאָרן, זענען צו פארצייכענען א סך דערגרייכונגען סיי עקאָנאָמיש, סיי אויף דעם געביט פון רעכט און סיי מאָראליש. אויב מיר שטייען היינט ווידער אויף א קרייץ וועג, איז פאראן די האָפענונג און גלויבן, אז דער קובאנער פאָלק וועט ווידער אַרויס אויפן ברייטן שליאך פון נא־ציאָנאלער אנטוויקלונג פון עקאָנאָ־מישן אויפשטייג און סאָציאלער גע־רעכטיקייט.

קובא פארמאָגט היינט אן איינ־וואוינער צאָל פון ארום 5 און א האלב מיליאָן מיט א רעגירונגס בודזשעט פון איבער 300 מיליאָן דאָ־לער.

איצט וויל איך אָנמערקן וועגן אונזער אידישן צוגאנג. אויב אין ער־געץ וועט נאָך דעבאטירט איבער דער פראגע וועגן דאָפּלטער טריי־שאפט: אלס געהעריקער צום לאנד און אלס מיטגליד פון דער גרויסער







אידישער וועלט משפּחה, איז אין קורבאַ ניטאָ אַזאַ פּראָבלעם. די קובאַנער, וועלכע האָבן אונז אויפגענומען מיט דער גרעסטער גאַסט פריינטשאַפט און געגעבן אונז די מעגלעכקייט זיך פריי צו אַנטוויקלען אויף אַלע געביטן, פאַרשטייען אונז און באַציען זיך מיט סימפּאַטיע צו אונזערע געפילן. זיי פאַרשטייען, אַז מיר קענען זיין גוטע און טרייע קובאַנער און אויך גלייכצייטיק אַרויסווייזן אונזער טריישאַפט צו דער נייער אידישער מלוכה ישראל.

ס'איז געווען נאַטירלעך בעת דער לויה פון דעם אויף דעם קאַרעאַנער פראָנט אומגעקומענעם העלד איסאַק באַנדאַר, אַ געבוירענער קובאַנער, אַז צוזאַמען מיט דער קובאַנער פאָן האָט באַדעקט זיין קאַסטן די פאָן פון ישראל. דאָס האָבן אַלע קורבאַנער פאַרשטאַנען, אַז ביזן טויט קען מען זיין טריי דעם לאַנד, וואו מען איז געבוירן, און אויך דעם לאַנד, וואָס באַפרישט אונזער נישמה.

איינער אַ קובאַנער לערער האָט דאָ געפרעגט אַ יונגן אידישן אינגל פון 8 יאָר, אַ קינד פון אינטעליגענטע באַלעבאַטישע עלטערן, וועמען ער גלייכט מער, קובאַ צו ישראל. אויף דעם האָט אים דאָס אינגל פּשוט געענטפערט: „און וועמען ליבט איר מער אייער פאָטער אָדער אייער מוטער?" דער לערער איז געווען דערשטוינט פון דעם קלוגן ענטפער. דער לערער, אַ גוטער קובאַנער, האָט געלויבט דעם אידישן אינגל, ווייל אויך ער פאַרשטייט, אַז מיר אידן קענען זיין גוטע געטרייע קובאַנער און אויך זיין איבערגעגעבן דעם אַלגעמיינעם אידישן אידעאַל, וואָס איז דער אויפבוי פון ישראל.

# פארט קיין ישראל
# דורך „עיר־פראַנס״

**ניט נויטיק קיין טראַנזיט וויזע.**



פאָרט קיין ישראל — אָדער אין וועלכן עס איז אַנדער לאַנד, וואָס אייך אינטערעסירט — אין די גלענצנדע קאָנסטעליישנס פון **עיר פראַנס**, אַ וועלט פאַרשפרייטע לופטנעץ פון לוקסוס מיט 33 יאָר דערפארונג אין פלי־ען איבער די אָקעאַנען. פון ערשטן מאָמענט פאָרט איר אין אַ ראַפי־נירטער אומגעבונג פון עכט פראַנצויזישן גע־שמאַק. די געשמאַקסטע שפייזן, אויפמערקזאַמע באַדינונג און אַלע באַ־קוועמלעכקייטן. פאָרט דורך עיר פראַנס און אייער רייזע וועט ביי אייך פארבלייבן ווי אַ שטענדיקע אָנגענעמע ערינערונג.




**AIR FRANCE**

Trocadero 59, casi esquina a Prado, Hábana
Tel. A-7094

**Su agente de viajes es su mejor consejero**

# יום־טוב׳דיקע טעג אין קובא

## (צו דער דערעפענונג פון ישראל קאָנסולאַט אין קובאַ)

פון וו. דוד

* * * *

עס וועט ניט זיין איבערטריבן צו באַהויפּטן, דאָס נאָך די נאָוועמבער־טעג אין 1947 און דעם 15־טן מאי 1948, זענען ביי אונז די פייערלעכסטע טעג, וועלכע האָבן אָנגענומען א ברייט־נאַציאָנאַלן כאראקטער, געווען צווישן 10־טן און 14־טן סעפּטעמבער, בעת עס איז דערעפנט געוואָרן דער ישראל קאָנסולאַט אין האַוואַנאַ.

איז עס אויך ניט צו באוואונדערן. צווישן ישראל און קובא ציט זיך א לאנגער וועג פון איבער זעקס טויזנט מייל, איבער ימים און אָקעאַנען, דורך אַמעריקע, אייראָפּע צו דער פאר׳חלומ׳טער אלטער אזיע פון זוניקן אויפגאנג. קוים א פּאָר מנינים אידן זענען פאר די באלד פינף יאָר פון מדינת ישראל דעם 6.000 מייל־וועג געגאנגען, כדי אונטער די פיס אייגענע מאמע־ערד צו דערפילן. אודאי פילט יעדער קובאנער איד טיף אין זיך א שטילע בייינקשאפט נאָך דעם „לשנה הבא בירושלים" כאָטש איין מאָל אין לעבן, אויב ניט אויף שטענדיק, כאָטש אויף א ווייל׳עטשקע זוכה צו זיין.

האָט דערפאר טאקע ניט געקענט זיין קיין גרעסערער יום טוב אין ישוב, ווי די טעג, בעת מען האָט דערלעבט צו זען א ישראל ווינקל אין דער ווייטער קובא — א ישראל קאָנסולאַט, אַן אידישן קאָנסולאַט, אַן אידישן קאָנסול, דערצו נאָך דעם ליבלינג פון ישוב, אונזער אלעמענס סענדער מ. קאפּלאַן.

פון דעם 10־טן סעפּטעמבער, מיטוואָך, ווען דער ציוניסטישער פּלענום ראט האָט געגעבן די האָמענאַכע דעם קאָנסול קאפּלאַן און אים איבערגעגעבן די שליסלען צו די קאָנסולאַט אָפּיסן, וועלכע זענען דורך אונז, קובאנער אידן, איינגעאָרדנט געוואָרן ווי א מתנה צום ערשטן ישראל פארטרעטער, — ביז זונטיק ביינאַכט, דעם 14־טן סעפּטעמבער — ביז נאָך דער ערשטער אויפנאמע, וואָס דער קאָנסול סענדער קאפּלאַן און זיין ליבע פרוי כוליא, האָבן געגעבן צו געזעלשאפטלעכע פארטרעטער, שרייבער און כל ישראל — האָט די אידישע האוואנא אדורכגעלעבט טעג פון פרייד און שמחה.

די עפּעס מער ווי 500 אידן אין די



די ווייס־בלויע ישראל פאָן ווערט אַרויפגעצויגן אין ישראל־קאָנסולאַט אין קובאַ, בעת דער פייערלעכער דערעפענונגס־צערעמאָניע, וואָס איז פאָרגעקומען דעם לעצטן זונטיק, דעם 14־טן סעפּטעמבער.

זאַלן פון אידישן צענטער, ביים באַערן דעם קאָנסול און זיין פרוי האָבן געשיינט יום טוב׳דיק, און פון דעם פּרעזידענטן־טיש איז אָנגעשלאָגן געוואָרן דער טאָן און קאָלאָריט פון דער שמחה.

אומגעפער א האלבער מנין רעדנער: דער פּרעזידענט פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג, איסאַק בערעזדיווין; דער פּרעזידענט פון קאָנסולאַט קאָמיטעט, ה׳ ישראל לוסקי, דער האַוואַנער רב — הרב מאיר ראָזענבוים, דער פּרעזידענט פון אידישן צענטער, ה׳ אשר שטשוטשינסקי;



דער קאָנסול פון ישראל ס. מ. קאַפּלאַן גיט א ברוך הבא אלע געסט וואָס זענען געקומען זיך באטייליקן אין דער דערעפענונג פון די קאָנסולארע אָפיסן און מאכט א טאָסט פאר דעם וואוילזיין פון קובא און ישראל.



ר׳ ראובן אייזען קלאַפּט אָן די מזוזה אין לאָקאל פון ישראל־קאָנסולאַט אין האוואנא.

דער ישראל גאסט, ה' שמחה גינוסר און אנד., אלע האָבן אָנגעהאלטן, יעדער אויף זיין אופן, דער יום־טוב טאָן פון דעם געבענטשטן מאָמענט. עס האָט אפילו ניט געפעלט דער טראַדיציאָנעלער „שהחיינו". א באזונדערע אימפּאָזאנטקייט האָט צוגעגעבן די יוגנט: דער „השומר" און „הנוער הציוני" מיט זייער פאָנען־אַריינמארשירן אין די זאלן פון אידישן צענטער.

עס איז שווער, ווייניק פּלאַץ און צייט, איבערצוגעבן אינהאלטלעך די אַלע ווערטער פון די רעדנער אויף דעם האָמענאכע־אָוונט. כ'וועל מיר נאָר באַנוגענען מיט אייניקע ציטאַטן, וועלכע גיבן אונז שוין א גענוג קלאָרע ליכט אין וועלכער שטימונג דער ישראל אָוונט אין קובא איז אַדורכגעלעבט און דורכגעפירט געוואָרן:

„עס זענען די טעג פון מיטוואָך ביז נעקסטן זונטיק, — פון היינט, בעת מיר גיבן איבער די שליסלען פון קאָנסולאט הויז אין רשות פון ישראל קאָנסול, — ביז זונטיק, ווען דער קאָנסול און זיין פרוי וועלן געבן די ערשטע אויפנאמע אין קאָנסולאט, אין דער קליינטשינקער ישראל טעריטאָריע, — טעג פון נאַציאָנאלן יום טוב. עס איז א שמחה פארן אידישן ישוב קובא".

„עס זענען טעג, אויף וועלכע א פאָלק, האָט ביז מיט באלד פינף יאָר צוריק גאנצע צוואנציק דורות, צוויי טויזנט יאָר געווארט".

„עס זענען טעג, אויף וועלכע די אידישע קובא האָט נאָר דורך אילוזיעם און זיסע חלומות פאר גאנצע באלד דרייסיק יאָר, זייט אידן לעבן דאָ, נאָר געקענט פאָרויסזען".

„טעג אַזוינע — הייסט ניט נאָר דורכלעבן און מיטמאכן, — מאָמענטן אַזוינע זינגט מען פון טיפן זיך אַרויס. דער ליט מאָטיוו, דער אידישלעכער, דער שמחת תורה'דיקער — טאַנצט זשע ברידער שטאַרקערשטאַרקער, זאָלן מיר לעבעדיק און פריילעך זיין! עס איז א יום טוב, וואָס אונזער דור דוקא, פאר דעם פרייז און קרבן פון א דריטל פון אונזער פאָלק, האָט דערלעבט, זוכה געווען גאולת ישראל"!

„דער דאָזיקער גרויסער יום טוב לעבט אין דער טיפעניש פון אונזער הארץ און נשמה יעדע שעה פון טאָג שוין באלד פינף גליקלעכע יאָר. עס איז א טיף רירנדער עמאָציאָנעלער געפיל, וואָס מיר קובאנער אידן, אמת דער גרעסטער טייל היגע בירגער, דאָך אָבער פון איין פאָלק, וועזנטלעך כמעט אָרגאניש פארבונדן מיט מאמע־ערד ישראל, ווייל... ווייל אין ווייטער פערספּעקטיוו מיינט המשך ישראל מדינת ישראל. מיר די קובאנער אידן, האָבן דערלעבט צו זען מדינת ישראל אין קובא: א ישראל פארטרעטער פאר קובא און פאר אונז אידן בתוכם".

„עס איז דער שטאָלץ גלייכצייטיק פון א פּאָליטישער פארטיי, די ציוניסטישע באוועגונג, וועלכע האָט אין שווערע אימיגראַנטן טעג, פאר א פערטל יאָרהונדערט א גאנצן, צו זיך געטוליעט און אויסגעוואַרעמט, באַזונגען און אָפט מיט טרערן באַפּוצט,



הרבנית סימע קאפלאן, די חשובע מוטער פון ישראל קאָנסול אין קובאַ,
שנײַדט איבער די סימבאָלישע סינטע.



ברוך שאַמעס אויפהייגנענדיק די קרן קימת פושקע אין אָפיס
פון ישראל־קאָנסולאַט.

א ווייס־בלויע פאָן פון האָפענונג און חלום, ביז היינט — א פאָן פון מדינה און מלוכה, אויף אן הויכער מאסט איבער א ישראל קאָנסולאט אין קובא. טראָגנדיק דעם קובאנער פאָלק אנטקעגן דעם גרוס פון א פריי־ען פאָלק צו א צווייטן פרייען פאָלק, פון ישראל צו קובא".

„איז עס דער שכר און שטאָלץ פאר דער היגער ציוניסטישער באווע־גונג, וואָס אָט דעם דערהויבענעם אמט, אלס ערן־קאָנסול פון ישראל, איז צוגעטיילט געוואָרן ניט צו קיין אנדערן ווי צו סענדער מ. קאפלאן".

„סענדער מ. קאפלאן, דער אָריענ־טאַטאָר און פּאָליטישער פירער פאר גאנצע צוואנציק יאָר פון דער היגער ציוניסטישער באוועגונג; דער בכבו־דיקער פארטרעטער פאר יאָרן לאנג פון דער אידישער אגענטור, דער רע־דאקטאר פון דער איינציקער אידישער צייטונג — „האוואנער לעבן", דער בין הרב. דער פּארדינסטפולער פירער אין ישיב. דער באשיידענער פאָלקס־מענטש און אקטיווער קולטור־גייסט".

„איז אָן צווייפל ס. קאפלאן דער טרעפלעכסטער אויסוואל מצד ישראלס אויסערן מיניסטעריום — משרד החוץ. ס. מ. קאפלאן, ישראל'ס אָד־רעס אין קובא, פאר קובא און פאר איבער 50 אָקרעדיטירטע געזאנדטע און קאנסולן פון גאָרער וועלט, איז דאס בכבודיקסטע, וואס ישראל האָט אין קובא געקענט געפינען, און וואס מיר אלס ישוב האָבן פאר דריי צענד־ליק יאָר געקענט ארויסגעבן".

„פאר אונז, ישוב קובא, וועט סענ־דער קאפלאן, דער ישראל קאָנסול, דינען ווי דער שטענדיקער בריק און לעבעדיקער קאָנטאַקט צווישן ישראל און דעם אידישן ישוב קובא"...

דאָס איז בלויז א טייל פון דאָס ארויסגעזאָגטע אויף דער האָמענאכע פון ישוב פארן ערן קאָנ־סול סענדער קאפלאן. דאָס איז געווען דער לייט מאָטיוו און כאראקטער פון אָוונט, וועלכער האָט זיך געשלאָסן מיט א גייסט־רייכן וואָרט פון ערן־קאָנסול און א בא'טעמ'טן לחיים און סעודה אויף א אידישלעכן שמחה שטיי־גער.

פיר טעג שפעטער, זונטיק, פון גאנץ פרי ביז שפעט אָוונט, ווערט די דאָזיקע ישראל־קובא שמחה, נאָר אויף אן אנדער שטייגער, אריבערגע־טראָגן אויף דער ישראל־טעריטאָריע, אין ישראל קאָנסולאט, אין ווערדאָדאָ האוואנא.

דאָ טראָגט די שמחה אן אנדער כאראקטער: דאָ זענען מיר, אידן פון קובא, די געסט, און סענדער און בוליא קאפלאן, דער קאָנסול און זיין פרוי, זענען די, וואָס גיבן און פירן אָהערך די שמחה.

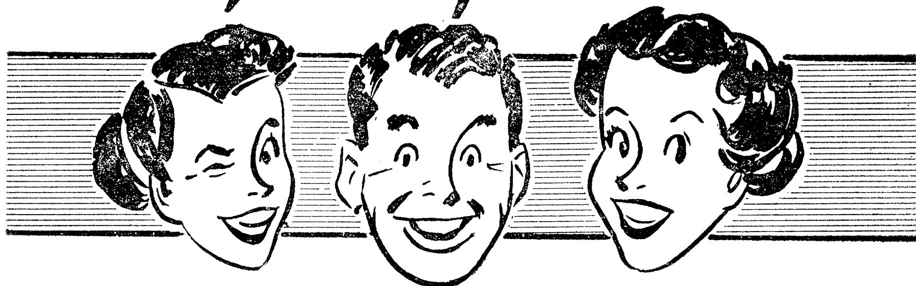
ווידער אמאָל הונדערטער אידן א גאנצן טאָג, אינדערפרי נאָר איינ־געלאדענע, צווישן זיי אויך פארטרע־טער פון קובאנער אויסערן מיניס־טעריום און אנדערע דיפּלאָמאטישע פערזענלעכקייטן, און נאָך מיטאָג: כל ישראל.

יום טוב'דיק, אידישלעך, אידיש־צערעמאָניעל און אפילו אביסעלע אידישע דיפלאָמאטיע, דאָס איז דער

קאַלאָריט. דאָס איז דער כאראקטער פון דער אויפנאמע אין ישראל קאָנ־סולאט.

דאָס אָנקלאפּן אַ מזוזה, דאָס אויפ־הייננגען א ק. ק. פושקע; דער רירנדער מאָמענט בעת די רביצן, די מאמע פון אונזער קאָנסול, שניידט איבער די ווייס־בלויע סטענגע ביים אריינ־גאנג צום קאָנסולס, צום זונס, אויפ־נאַמס צימער; דאָס אויפהייננגען אי־בערן הויז צום ערשטן מאָל די ווייס־בלויע מדינה־פאָן אונטער די אַקאָרדן און געזאנג פון אידישן הימן; די טאָסטן פון קאָנסול, פון קובאנער מלוכה פאָרשטייער און דאָס אָפיציע־לע וואָרט אין שפּאניש דורך דעם ערן קאָנסול, — דאָס אלץ צוזאמען האָט געשאפן א וואונדערבאר־שיינע סימפאָניע פון יובל און פרייד, גע־זאנג און ענטוזיאזם, פון אויגן פריי־לעכע, פון אויגן וואו ניט וואו גלאנצנ־דיקע דורך פערל־שיינענדיקע טרערן פון טיפער עמאָציע; א ברכה איבער וויין און שאַמפּאַן, א ברכה איבער ברויט און וואסער; א יאַרמלקע וואו ניט וואו; חנ׳עוודיקע פנימער פון הארציקע איד. פרויען, מיט א גע־פלאָנטער אונטער די פיס פון זיסינ־קע אידישע קינדערלעך — משה׳לעך, שלמה׳לעך, רחל׳עך און שרה׳לעך... אלץ, אלץ צוזאמען האָט זיך יום טוב׳דיק משמח געווען: אַ יום טוב טאָג אין קובא אונטער ישראל׳ס דאַך; אַ יום טוב אין שייכות מיט דער אָפיציעלער און פייערלעכער דערעפענונג פון דעם ישראל קאָנסו־לאַט אין קובאַ.

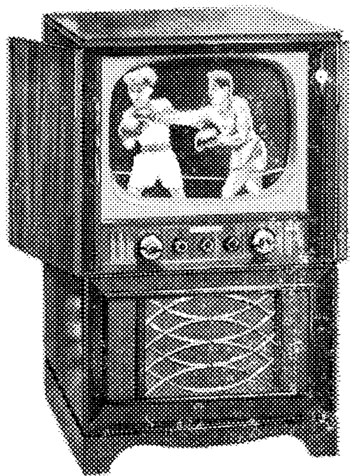
# *Como quiera que lo mire...*



**en un hallicrafters**

usted

puede VER la diferencia



**Modelo 21939**

### *SERVICIO*

***Hallicrafters*** **garantiza el Servicio de Reparación y Piezas de Repuesto, con sus PROPIOS TECNICOS. No utiliza los de Compañías anexas o independientes.**

***Sólo*** **hallicrafters** ***le ofrece***

1. Imágenes perfectamente claras, estables y sin distorsión.
2. Sintonizador dinámico, de circuito impreso.
3. Conexión de tocadiscos.
4. Inalterable al clima.
5. Garantía de un año que cubre la totalidad de las piezas —incluyendo el tubo pantalla— y la mano de obra por servicio mecánico, sin costo adicional.

### *Vista Hace Fe*

**VEA y COMPARE los HALLICRAFTERS...**
**los televisores preferidos por los expertos!**

*Distribuidores exclusivos:* **CIA. CUBANA DE REFRIGERACION ELECTRICA, S. A.**
**23, No. 53, Vedado - Habana - Telf. UO-9431**

אַ גליקלעכן יאָר ווינטשן זיר אַלע אידן פון קובאַ!

# טרערן און בלומען...

(דערציילונג)

פון **אליעזר אראנאָווסקי**

אויף האַוואַנאַ גאַס, הונדערט זעקס און זיבעציק, האָט געשוויבלט זאון געגריבלט מיט אימיגראַנטן.

די צוויי שטאָקן, פון פיר אַפּאַרטאַמענטן, פאַר פיר פאַמיליעס צום וואוינען, זענען פארדונגען געוואָרן פאַר 25־30 דאָלער א צימער. אין יעדן צימער האָבן געוואוינט פינף־זעקס אימיגראַנטן. אפילו דער באָד־צימער, וואָס איז געווען צווישן די שלאָף־צימערן, איז פארדונגען געוואָרן צו אַן אימיגראַנט, נאָכדעם ווי מען האָט אַרויסגענומען די וואַנע, און אויף איר אָרט אַריינגעשטעלט אַן אייזערנע בעטל. און די אַלע, וואָס האָבן געוואוינט אין דעם אַפּאַרטאַמענט, האָבן זיך געמוזט באַנוגענען מיט דער באָד און טוש, וואָס האָט זיך געפונען צום סוף פון די אַפּאַרטאַמענטן.

אין דעם מויער האָבן געוואוינט ביי הונדערט און פופציק אידישע אימיגראַנטן. יונגטלעכע — אכצן־צוואַנציק יאָריקע, בלוט און מילך. בלויז אַ צוויי־דריי פרויען, פארהייראַטע, האָבן זיך געפונען אין דעם מויער. אַ גאַנצן טאָג איז געווען שטיל. דאָס רוב זענען געווען אין גאַס, געפעדלט. ווער מיט אַ קעסטעלע אויפן ברוסט־קאַסטן מיט זאַקן, שקאַרפעטן, זאַלינגען מעסערלעך, שערלעך, שפּאַנקעס צו מאַנזשעטן און אַנדערע גאַלאַנטעריי קליינקייטן. ניט איינער איז שיער ניט צעקוועטשט געוואָרן פון דעם טראַמוויי, אויף די שמאָלע טראָטואַרן פון אַלט האַוואַנאַ, וואו אין אַנדערע ערטער האָט ער די ברייט ניט מער ווי אַ פערטל מעטער, און אַ מענטש אַליין, אָן אַ קעסטעלע אויף זיך, קען אויך ווערן צעדריקט.

אַ טייל האָבן געפעדלט מיט קראַוואַטן, זיך אַרומגעשלעפּט אַ גאַנצן טאָג מיט פּעק קראַוואַטן אויף די אָרעמס, פון קאַפע צו קאַפע, און אַז מען האָט פון איין זייט אַרויסגעטריבן איז מען אַריין פון דער צווייטער, זיך אַרומגעדרייט ביי די טישלעך און צערייצט די קונים מיט די פאַרביקע אוזאָרן פון דעם גלאַנציקן זייד. אַ טייל זענען אַרומגעפאָרן מיט וועגעלעך, צוויי רעדעריקע, אָנגעפילט מיט סחורה: בלויע אַרבעטער הויזן, העמדער, גאַטקעס, קאַמיסעטעס, האַנטעכער, טיכעלעך, דאָס רוב אין די פאַרטאַווע גאַסן, און

ביים פּאַרט. זיי האָבן שטענדיק געדאַרפט זיך באַוועגן, ווייל ניט אומעטום האָבן זיי געמעגט שטיין. און, ווי פון אונטער דער ערד פלעגט אויסוואַקסן אַ פּאָליסמאַן, נעמען קלאַפּן מיט זיין שטעקן אָן טראָטואַר, מען זאָל פאָרן ווייטער, אַ ניט פאַרשרייבט ער שטראָף. אַנדערע זענען אַרויסגעפאָרן מיט טשעמאָדאַנעס מיט שניט, און פּעק מיט סחורה אויף זיך, ווייל זיי האָבן געפּעדלט אין די פאָרשטעט; געגאַנגען פון שטוב צו שטוב, פון הויף צו הויף מיט דער קרעמל אויף זיך. אַ טייל האָבן געפּעדלט מיט סאַנדאַלן, וועלכע זענען געהאָנגען אויף צוויי שטעקנס ביי די זייטן. און עטלעכע זענען געגאַנגען מיט לאָפּעטעס אויף די גאַסן אויף וועלכער ס'זענען געווען אויסגעזעצט רינגעלעך, אויירינגלעך און פאַנטאַזיע צירונג. זיי האָבן געבלישטשעט אנטקעגן דער זון און געמיניעט אין די אויגן פון די רייצנדע קובאַנקעס.

אַזוי אַרום זענען אַלע צימערן געווען בייטאָג פּאַרלאָזן פון די קוואַטיראַנטן, בלויז אין איין צימער האָט זיך גערוכעוועט. דאָרטן זענען געזעסן קאָרטן־שפּילער, וואָס האָבן געשפּילט טאָג און נאַכט אין קאָרטן. זיי האָבן געוואַרט אויף צו־קריגן אָט־אָט־אָט די וויזע. האָט מען געלעבט פון די געשיקטע געלטער פון די אַמעריקאַנער קרובים. דאָרט האָבן זיך געפונען אַזוינע, וואָס אַז זיי האָבן פאַרשפּילט די לעצטע פּאָר סענט, האָט מען געקלאַפּט אַ טעלעגראַמע צום אָנקל אין די שטאַטן מיט דעם באַרימטן נוסח: — „ווערי סאָק קייבל מאָני"... — און אַז דער אָנקל האָט דערהאַלטן אַזאַ טעלעגראַמע, האָט ער קיין ספק ניט געקלערט און אַרויסגעשיקט געלט זיין אָרעמען פּלימעניק, נעבעך, וואָס איז אָן עלנטער אין קובאַ.

אין אָוונט זענען די צימערן אָנגעפּילט געוואָרן מיט אַ שפּרודלדיקער יוגנט. אויף די קעסטלעך, וואָס האָבן געדינט פּאַר שטולן, און די גרויסע קאַסטן — פאַר אַ טיש, זענען געזעסן גרופּעס און זיך אויסדערציילט פון די בייטאָגיקע גליקן ביים פּעדלען, וועגן די בריוו פון דער היים מיט די גרוסן פאַר אַלעמען; וועגן דעם, וואָס מען האָט געזוכט אַ גאַנצן טאָג אַרבעט — און אומעטום האָט מען געענטפערט, אַז מען דאַרף ניט. און אַזוי ריידנדיק האָט מען זיך אַרומגעזען, אַז אָנשטאָט דאָ זיצן אין צימער און שוויצן, איז גלייכער אַרויפצוגיין אויפן דאַך און כאַפּן אַביסל פרישע לופט. האָט מען זיך געצויגן פון אַלע צימערן דאַך־אַרויף. ווער מיט אַ קאָלדרע, ווער מיט אַ קישן. אַנדערע האָבן אַרומגעשפּאַצירט גרופּעסווייז רונד־אַרום. מען האָט גערעדט, דיסקוטירט, ביז איינער האָט פאַרצויגן אַ ניגון און אַ צווייטער נאָך אים און באַלד האָט שוין דער גאַנצער דאַך מיט איבער הונדערט יוגנטלעכע זיך צעזונגען. און געזונגען האָט מען אַלץ — רוסיש, פּויליש, אידיש, „אוידאַ אוכניעם", „וואָלגאַ", „באַיאַדעראַ", „טיטינאַ", און ווען עס איז געקומען צו „הוליעט, הוליעט בייזע ווינטן" — האָט עס געשטורעמט ווי אַ זאַווערוכע פון קלאַנגען אין דעם שטילן, בלויען, פאַרכישופטן אַרום. און אַמאָל פלעגט נאָך אַרויפקומען דער פידלער, האָט ער באַגלייט דעם יוגנטלעכן כאָר, מיט די דינע קלאַנגען פון דער פידל, וואָס זענען פאַרשלונגען

געוואָרן פון די קרעפטיקע מענער־שטימעס, און אירע צאַרטע טענער האָבן אַרויסגעוויינט, ווי די בייַנקשאַפט פון די הערצער, וואָס האָט פאַרגלושעט דער געזאַנג...

אין שפּעטן אָוונט, ווען די לבֿנה האָט זיך געשטעלט אין מיטן הימל, און איר צו זען האָט מען געמוזט אַרויפּרייסן די קאָפּ אין דרויך, זענען דאָס רוב אַראָפּגעגאַנגען צו זיך אין די צימערן זיך געלייגט שלאָפן אויף די אייזערנע בעטלעך. און ווען עס האָט געפּאַרעט אין פּלייצע, האָט מען אַראָפּגעוואָרפן די קישן מיט דער קאָלדרע אויף דער ערד און בלויז אויפן ליילעך אַליין, אַ האַלב אָדער אַ גאַנץ נעקעטער דורכגעשלאָפן די נאַכט און אויפגעשטאַנען אין דער פרי מיט אַ פּלייצע ווי אַ זיפּ פון דער דראָטענער סעטקע פון דער בעטל. אַנדערע זענען געבליבן אויפן דאַך און אַזוי אָפּגעשלאָפן ביז די זון האָט מיט שטראַליקע שפּיזלען אויפגעשטאַכן זייערע אויגן־לעפּלעך און אָנגעזאָגט, אַז עס איז דאָ אַ נייער טאָג אויף דער וועלט.

צווישן די געציילטע מיידלעך, וואָס האָבן געוואוינט ביי פאַמיליעס אויף דעם הויף, האָט זיך געפונען איינע, אַן עלטערע. און כאָטש אַ מיידל איז געווען צו יענער צייט מיט גאָלד צו גלייך, — ווייל דער גאַנצער אימיגראַציע־שטראָם איז געווען בלויז פון מענער, וואָס זענען אַנטלאָפן פון מיליטער־דינסט, נאָך דער פויליש־סאָוועטישער מלחמה, נאָך די פּאָגראָמען און בערד־שניידעריי פון די אַלערטשיקעס, — דאָך, האָבן צו דער עלטערער מיידל, ווייניק בחורים זיך געקלעפּט. קיינער האָט ניט געקלערט וועגן חתונה צו האָבן. דער עיקר איז געווען מאַכן אַ לעבן און וואָס שנעלער פּטור צו ווערן פון דעם הייסן אינזל, און אַריבערצופאָרן צו די קרובים אין די פאַרייניקטע שטאַטן.

באַשע, די עלטערע מיידל, וואָס האָט געהאַט אַ פּאָר דאָלער נאָך מיטגעבראַכט פון דער אַלטער היים און האָט געהאַט רייכע פריינט אין ברוקלין, האָט פאַרשטאַנען, אַז דאָ האָט זי מער שאַנסן צו געפינען אַ חתן ווי אין די שטאַטן. וועגן די צוציקעס — די 18־20 יעריקע האָט זי ניט וואָס צו קלערן, ווייל זי האָט שוין געהאַט אַריינגעפאָרן אין די דרייסיקער. אָבער אַ בחור אין אירע יאָרן אָדער אַביסל עלטער, וואָלט געווען דער אידעאַלסטער מאַן פאַר איר.

און אַז מען זוכט — געפינט מען. אויפן זעלבן הויף האָט זיך געפונען ראובן, אַ יונגערמאַן פון אַ יאָר דרייסיק, וואָס פאַרגלייכנדיק אים מיט די הונדערטער יונגטלעכע, האָט אים געפּאַסט שוין צו האָבן אַ פרוי.

באַשקע האָט זיך גענומען ביסלעכווייז צושאַרן צו אים. זי האָט געוואוסט, אַז ער איז אַן אָרעמער אַרבעטער פון אַ קליין שטעטל פון פּוילן, און זיינע פריינט אין אַמעריקע זענען אויך קנאַפּע גבירים. דערווייל זענען אונטערגעלאָפן די הייסע זומער־מאָנאַטן, די טויטע־צייט, ווי מען רופט עס. ער האָט פאַרלאָרן זיין אַרבעט. און פון די אָפּגעשפּאָרטע פּאָר דאָלער איז אים שוין אויך קנאַפּ־וואָס פאַרבליבן. ער האָט אָנגעהויבן אונטערצוהונגערן.

זי האָט אים פֿאַרגעלייגט א הלואה'לע פֿון א צענערל אויף צו באַצאָלן דירה־געלט, ווען זי האָט זיך דערוואוסט פֿון די קוואַטיראַנטן, אַז מען וועט אים אַרויסוואַרפֿן פֿון צימער, און ער וועט ניט האָבן וואו אַוועקצולייגן זיין קאָפּ. ער האָט בלית ברירה, געמוזט אָננעמען איר אָנבאָט. אָט אַזוי ביסלעכ־ווייז, פֿון איין זייט — די נויט; פֿון דער צווייטער זייט — זי, האָבן דער־פֿירט, אַז ער איז געוואָרן, וואָס אמאָל אַלץ מער אָפּהענגיק פֿון באַשקען.

עס האָט לאַנג ניט געדויערט, אַ 5־6 מאָנאַט נאָך זייער באַקאַנטשאַפֿט זענען זיי אַוועק צום רב, וועלכער האָט אין דער שולכל אָפּגעשטעלט אַ חופּה, פּאַר אַ מנין אידן, צווישן זיי עטלעכע לאַנדסלייט, און זיי זענען אין אַ מזל'דיקער שעה געוואָרן מאַן און ווייב.

זיי האָבן גענומען בויען זייער באַלעבאַטישקייט אויף דעם שטייגער, ווי אַלע אימיגראַנטן האָבן זיך דאַן געפֿירט.

זיי האָבן אָפּגעדונגען אַ צימער, און אַריינגענומען צו זיך נאָך אַ צוויי קוואַטיראַנטן. ביינאַכט זענען אויפֿגעשטעלט געוואָרן צוויי אייזערנע בעט־לעך. מען האָט פֿאַרצויגן אַ ליילעך ווי אַ מחיצה, צווישן דער בעט פֿון מאַן און ווייב, און די בעטלעך פֿון די קוואַטיראַנטן, און אַזוי האָט מען געלעבט.

ראובן האָט ווידער געקראָגן זיין אַרבעט און האָט גאַנץ פֿיין פֿאַרדינט. באַשקע, אַ גליקלעכע האָט אים אָפּגעהיט ווי די אויגן פֿון קאָפּ. זי האָט אים געקעכעלט און אים געקאָכט מאַרציפּאַנעס צי פֿאַרזיסן אים זיין לעבן. דאָס, וואָס זי האָט ניט געקענט מיט איר יוגנט און שיינקייט, וואָס זי האָט ניט געהאַט — האָט זי געזוכט צו געווינען מיט איר איבערגעגעבנקייט, מיט איר טרייקייט און אויפֿפּאַסן אויף אים.

אָבער, ליבע איז אַזאַ זאַך וואָס מען קען עס מיט קיין געלט, און מיט קיין שום אַנדער זאַך אויף דער וועלט ניט קויפֿן. דאָס דאַרף אויפֿבליִען פֿון זיך אַליין. עס דאַרף אויפֿרייסן ווי אַ קנאָספּ פֿון אַ בלום אין פֿרילינג — פֿון אַ קוש פֿון דער זון, פֿון אַ גלעט פֿון אַ שטראַל, פֿון אַ בייגקשאַפֿט פֿון דער טיף. ער האָט געזוכט אַרויסצוווייזן פֿריינטשאַפֿט צו איר. ער האָט איר מאַלע־רירט. ער האָט איר געוואָלט אָפּדאַנקען פֿאַר איר גוטער האַרץ, פֿאַר איר מאַ־מעשאַפֿט, וואָס זי ווייזט אַרויס צו אים. אָבער טיף אין האַרצן האָט ער גע־פֿילט אַ פּוסטקייט. אַ פֿאַרביטערניש צו זיך, און ממילא אויך צו איר, וואָס ער האָט זיך פֿאַרקויפֿט צוליב געלט, פֿאַר אַ פּאָר דאָלער צו אַן על־טערע מיידל.

ניט איינמאָל האָבן זיינע באַקאַנטע אים געגעבן אָנצוהערעניש וועגן דעם, און דאָס האָט אים דערנידעריקט ביזן גרונט... ער האָט זיך געפֿילט אומ־שולדיק און שולדיק צוגלייך.

און כאָטש זי, באַשקע, האָט אַרויסגעוויזן אַזויפֿיל טריישאַפֿט צו אים, אָבער ער האָט אין דעם געזען ניט מער ווי אַ זיידענעם נעץ, אַ גאָלדענעם אַטשיק, אויף צו כאַפּן אים אויף דער ווענטקע...

אַזוי זענען אירע גוטע טאַטן אַנאַליזירט געוואָרן אין זיין געדאַנק, ווי ביטרע מאַנעווורעס אים צו פאַנגען אין איר נעץ... און אַ האַס צו זיך און דורך דעם אויך צו איר, האָט וואָס אַמאָל מערער אין אים זיך געקליבן. ניט איינמאָל האָט ער געוואָלט פון זיך די נאַרישע געדאַנקען פאַרטרייבן. און מאָדנע, וואָס מערער ער האָט זיי פון זיך געיאָגט אַלץ שטאַרקער האָבן זיי זיך צו אים געקלעפּט, זיך אַריינגעביסן אין אים, ווי ווערים געעגבערט זיין האַרץ און זיין מוח, און זיין לעבן פאַרביטערט.

אויסערלעך האָט מען אויף אים קיין שום ענדערונג ניט אָנגעזען. דאָס לעבן איז געגאַנגען זיין טאָג־טעגלעכע רוטין. די מאָס פריינטשאַפט, וואָס ער האָט אַרויסגעוויזן צו איר זינט ער האָט מיט איר חתונה געהאַט האָט ער אָנגעהאַלטן. קיין צופיל ליבע און ראָמאַנטישע שטיק האָט זי קיינמאָל פון אים ניט דערוואַרט. איז זי געווען צופרידן מיט איר לעבן און שטאָלץ אויף איר שיינעם און יונגן מאַן.

אַזוי ווי זייער ציל איז געווען די פאַרייניקטע שטאַטן האָט ער זיך גענומען לערנען ענגליש, דריי מאָל אין דער וואָך, אויף די אָוונט קורסן, אין דעם שפּאַנישן צענטער. נאָכן אָפּעסן אָוונט ברויט, האָט ער זיך פאַרפּוצט געגומען זיינע העפטן און אַוועק אויף די קורסן.

באַשקע איז געלעגן אין בעט מיט פאַרמאַכטע אויגן, און געציילט די מינוטן. אַלעמאָל קומט ער עלף אַזייגער. און אָט איז שוין צוועלף — און ער איז נאָך ניטאָ. וואָס קען דאָס זיין? דאָס האַרץ אין איר האָט עפּעס געזאָגט און אַליין ניט געוואוסט וואָס...

אַ האַרץ נאַרט קיינמאָל ניט אָפּ! אויף די ענגלישע קורסן האָבן זיך געלערנט מענטשן פון פאַרשיידענעם עלטער. צווישן זיי 18־17 יעריקע קובאַנער און קובאַנקעס. מיט דער צייט האָבן זיך כמעט אַלע באַקענט, ווי דער שטייגער איז, ביי שילער פון איין קלאַס. ראובן, וועלכער איז צווישן זיי אַלע געווען דער העכסטער, שלאַנק און בויגעוודיק, האָט זיך אַריינגעפּאַסט צווישן דער יוגנט. דאָס וואָס ער איז געווען דער אויסלענדער, דער אייראָפּייער, האָט עס אים צוגעגעבן חשיבות ביי זיי אין די אויגן, און ער איז ביי זיי געווען אַ גאַנצער יחוס...

צווישן זיי אַלע איז געווען איינע אַ שילערין, וואָס איז פון ערשטן טאָג אָן, ווי זי האָט אים געזען, ניט געווען גלייכגילטיק צו אים. ראָסיטאַ האָט זי געהייסן. איר פאָטער איז געווען אַ קאָנדוקטאָר אין האַוואַנער טראַמוויי און אַ חוץ דעם, וואָס ער האָט גוט פאַרדינט, האָט ער נאָך אויך יעדן טאָג אָפּגעשפּאָרט אַ פּאָר דאָלער, וואָס ער האָט אַראָפּגעלאָזן צו זיך אין קעשענע און ניט אָפּגעקאָלפּט אין קאָנטראָל־זייגער.

ראָסיטאַן האָט דערפאַר קיינמאָל קיין פּאָר דאָלער ניט געפעלט. זי האָט זיך גוט געקליידעט, אַ גאַנצן טאָג זיך געשפּיגלט, געפלאָכטן מיט פּאַפּירלעך

די צעפּעלעך, געפּאַרבן די ליפּן, געקאָקעטעוועט פאַר זיך אַליין. און איר יונ־גער נשמה האָט געצייטיקט די בלום פון ליבע...

זי ליגט אויף דער סאָפקע מיט האַלבע אַנטבלויזטע בריסט, ראָז ווי צײַ־טיקע מאַנגאָס, וואָס רייסן זיך דורך דער קימאָנע, און שוועבט אין אַ וועלט פון חלומות. זי קען זיך אַליין ניט פאַרשטיין, פון די הונדערטער קובאַנער אינגלעך, וואָס זי האָט געקענט פון דער שולע, פון די שכנים און פרײַנט, האָט קיינער אויף איר ניט געמאַכט אַזאַ איינדרוק, ווי אָט דער פרעמדער מיט וועמען זי לערנט צוזאַמען אויף די קורסן. ער איז אַזוי הויך און שלאַנק און האָט אַזעלכע בלויע אויגן ווי דער הימל, און זײַנע בליקן בריען ווי די שטראַלן פון דער זון... זי האָט אַ ציטער געטאָן, ווי זי וואָלט אים דערפילט נעבן זיך, און איז אויפגעשפּרונגען, ווי זי וואָלט וועלן פאַרטרײַבן פון זיך אָט די פײַנלעך־זיסע געדאַנקען.

וואָכן נאָך וואָכן זענען אַריבער ביז זי איז געוואָרן געוואַגטער צו אים. דאָ, מיט אַ תירוץ פון פרעגן אים אַ וואָרט; דאָ, מיטן באָרגן אַ ביכל. און אַזוי איז ניט אַריבער קיין אָוונט, וואָס זי איז ניט אויסגעוואַקסן נעבן אים, און מיט אירע פײַערדיקע יונגע אויגן אויפגעגריסן זײַנע גלײַכגילטיקע בליקן, ווי צו אַ שילערין פון זײַן קלאַס.

אַ הייסער דורשטיקייט האָט אָנגעפילט דעם צימער און האָט ניט געלאָזט איינשלאָפן. ער האָט זיך געוואָרפן פון איין זײַט אויף דער צווייטער, וועלנדיק פאַרטרײַבן די מחשבות... און אויף צו להכעיס, באַטראַכטנדיק זײַן פרוי, אין וועמעס ווינקלען האָבן שוין געזילבערט גרויע האָר, — האָבן זיך געצייטט מיט אים די יונגע־אויגן, די רויטע בעקלעך מיט די פלאַמיקע ליפּן פון ראָסי־טען, און אים געלאַכט אין פּנים אַריין.

ער האָט אַליין ניט געוואוסט פון וואַנען דאָס קומט. דאַכט זיך, ער קלערט גאָרניט וועגן איר, און דאָ, נעבן זײַן געזעצלעכער פרוי, לויפט זי אים נאָך, ווי אַ כישוף, און רייצט זיך מיט אים.

די ערשטע צײַט האָט ער פון זיך געיאָגט די נאַרישע געדאַנקען, וואָס פּאַסט פאַר אַ אינגל, ניט פאַר אַ פאַרהייראַטן מאַן. אָבער מיט דער צײַט האָט זיך די וועלט פאַר אים ווי איבערגעביטן. די ווײַב, די אימיגראַנטן, דער צימער מיט די קוואַטיראַנטן, דאָס אַלץ איז בײַ אים ווי אַ פינסטער חלום, אַ קאָשמאַר. און אַ נײַע וועלט, אַ ליכטיקע, אַ יוגנטלעכע, מיט אַזויפיל שיינקייט און ליבע האָט זיך פאַר אים און אין אים אַנטפּלעקט.

ראָסיטאַ איז געוואָרן צו אים אַלץ צוגעלאָזענער. זי האָט אים פאַרבעטן ער זאָל איר אָפּפירן אַ היים נאָך די קורסן. זיך צורירנדיק צו איר האָט ער דערפילט, איר צאַפּלדיקן קערפּער, די כוואַליעס פון היץ וואָס שלאָגן מיט יוגנטלעכע פלאַמען, און די פײַערדיקע בליקן פון אירע אויגן, האָבן אים, פאַר זיך אַליין, פון דאָסניי געבוירן. ערעם האָט ער דערפילט אין זײַן האַרץ אַזאַ זאַך, וואָס ביז איצט האָט ער פון דעם קיין אַנונג ניט געהאַט. אַזאַ זיסע

לייד, אזא שמערצלעכע ביינקשאפט, אזא קוואל וואָס האָט אויפגעריסן און שלאָגט מיט אַזויפיל פייער און גלוט. ווי א קראַטער פון לעבן, וואָס איז גע־וועזן פאַרשטאָפּט מיט שטיינערנע פעלזן פון דער ווירקלעכקייט וואָלט אויפגע־ריסן און א שפּרודלדיקער יוגנט־קוואל האָט אַרויסגעשאָסן זיין פייער שפּיי־ענדיקע לאַווע פון טרוימען און ליבע...

די פרוי, האָט אין אים דערקענט אַן ענדערונג און צום גוטן. ער איז עפּעס מוטיקער, פרייליכער און גליקלעכער. אויף זיין פּנים האָט זיך אויסגע־לייגט א לייטזעליקייט, ווי באַלויכטן פון אַן אינערלעכע ליכט. וואָס איז דאָ מיט אים געשען? זי, דאַכט זיך, איז די זעלבע ווי אַלעמאָל און די עקאָנאָמי־שע לאַגע איז אויך ניט קיין פויגלדיקע, טאָ פון וואַנענט קומט צו אים אזא גדולה?

פון די דריי מאָל אין וואָך, וואָס ער האָט געלערנט ענגליש איז געוואָרן פינף מאָל אין וואָך. אָנגעגעבן איר האָט ער דעם תירוץ, — אַז אין די העכערע קלאַסן לערנט מען שוין 5 טעג אין דער וואָך.

ער האָט די צוויי פרייע אָוונטן זיך געטראָפן מיט ראָסיטען אין א פּאַרק. אויף א באַנק אין א ווינקל, וואָס איז געווען טונקל באַלויכטן, האָבן זיי זיך איינע פאַר די צווייטע די הערצער אויסגערעדט. און אַז קיינער איז ניט געווען האָט מען זיך די ליפּן איינע אין די צווייטע איינגעביסן אוןביידע לעבנס־שטראָמען אין איינעם פאַראייניקט.

ביידע זענען געווען גליקלעך. וואָס קען נאָך זיין מער גליק ווי ליבע? די עטלעכע שעה אין פּאַרק צוגעטוליעטע, פאַר׳סוד׳עטע, ווי איבער זיי די שטערן, האָבן זיי געגעבן מוט און פרייד פאַר א גאַנצן טאָג און נאַכט אַרומצו־גיין זינגענדיק, אויף גאָטס שיינער וועלט.

אַ מענטש קען ניט צעטיילן זיין האַרץ אויף צווייען. און ער האָט גע־זוכט אַ מיטל, ווי אַזוי זיך צו באַפרייען פון זיין געזעצלעכע פרוי, וואָס איז אים אַלץ מערער געוואָרן דערווידער.

ניט איינמאָל איז אים דורכגעלאָפן אַ געדאַנק: — שוין זשע איז מיין לעבן מער ניט ווערט ווי די פּאָר דאָלער וואָס זי האָט מיר געבאָרגט אויף דירה געלט? האָב איך פאַר די מיזעראַבלע פּאָר דאָלער זיך געדאַרפט פאַרקויפן אויף אייביק? איז די עטלעכע יאָר וואָס איך לעב מיט איר ניט גענוג אָפּגע־צאָלט פאַר דעם? איז מיינע פּאָר יאָר פון יונגן לעבן ניט מערער ווערט ווי איר געלט, איר קאָכאַכץ, און איר אַרומשמייען אַרום מיר? האָב איך ניט אָפּגעצאָלט איר דעם פולן פּרייז, אַז איך זאָל זיך איצט מעגן באַפרייען און אויסלעבן מיין לעבן לויט מיינע געפילן און געדאַנקען?!

וואָס מערער ער האָט געקלערט אַלץ מער באַרעכטיקונג האָט ער געפונען אין זיינע געדאַנקען, אַלץ קרעפטיקער די הנחה, אַז זיין געוויסן איז ריין און ער מוז זיך באַפרייען פון איר.

גוט אַדורכגעטראַכט, וואָס ער האָט צו ריידן, האָט ער, ווי אומשולדיק, פאַרצווינגן מיט איר אַזאַ געשפּרעך:

— ווייסט וואָס איך וועל דיר זאָגן, באַשע! מיר וועלן מוזן געפינען אַ וועג, ווי אַזוי אַריבערצופּאָרן אין די שטאַטן. די לאַגע דאָ, ווערט פון טאָג צו טאָג אַלץ ערגער. די מאַטשאַדע דיקטאַטור פירט דאָס לאַנד צו רואינע. פאַבּריקן שטעלן זיך אָפּ, געשעפטן שליסן זיך, און מען זעט ניט קיין אויסוועג צו דעם.

— איז וואָס קענסטו טאָן? — פרעגט זי אים. — אַז יאָרן ווי מיר זענען פאַרערגיסטרירט ביים אַמעריקאַנער קאָנסול, און מען קען אויף אַ וויזע זיך ניט דערוואַרטן!

— איך האָב אַ צווייטן מיטל — רעדט ער זיך אַרויס טאַמעוואַטע, ווי ער מיינט גאָרניט. — אַזוי ווי די לעצטע צייט איז האַוואַנאַ פאַרפלייצט מיט אַמעריקאַנער עלטערע, אידישע מיידלעך, וועלכע קומען דאָ כאַפּן חתנים, און פירן זיי דורך דער וועג נאָכער אַריבער אין די שטאַטן, וועל איך אויך זיך אויפזוכן אַן אַמעריקאַנער מיידל...

— דו ביסט קלאָר צו משוגע! — האַקט זי אים איבער די רייד, — דו ווייסט וואָס דו פּלוידערסט?! דו ביזט דאָך אַ פאַרהייראַטער מאַן! ווי אַזוי פאַלט דיר גאָר איין אַזעלכעס צו טראַכטן?!

— גאַנץ איינפאַך, — גיט ער זיך שלענגיש מיטן צינגל אַ רעד אויס, ווי אַ גזלן, — איך וועל זיך דאָ מיט דיר אָפּ׳גט׳ן און חתונה האָבן מיט אַן ... יערין, און אַז איך וועל זיין אין די שטאַטן אַ שטיקל צייט, וועל איך שוין געפינען אַ תירוץ, ווי אַזוי איר אָפּצו׳גט׳ן, און אַזוי, מיט דער צייט, אַרויסשיקן פּאַדערונגס־פּאַפּירן פאַר דיר!

אַלע בייזע און פינסטערע חלומות זאָל אויסגיין צו דיין קאָפּ! טפו זאָלסטו ווערן! — און אים אַריינגעשפּיגן אין פּנים. — נו, און דאָ לעבן קען מען ניט? עס לעבן דאָ אַזויפיל אידן וועלן מיר דאָ אויך לעבן. דער קריזיס וועט ניט אייביק אָנהאַלטן. און אַז מען וועט דאַרפן וועל איך אויך גיין אַרבעטן. און שלאָג זיך אַרויס פון קאָפּ דיינע פּלענער פון אַמעריקע!

אַז דאָס איז מער ניט ווי אַ תירוץ, אָט די אַמעריקע, האָט איר גאָרניט געקענט איינפאַלן. דעריבער האָבן זיינע רייד אויסגעזען אַזוי נאַריש, וואָס האָבן ניט קיין גרונט אונטער זיך. ראובן האָט אָבער אין דעם זיך אָנגעהאַלטן, ווי איינער וואָס טרינקט זיך, כאַפּט זיך אָן אַ ברעט וואָס לויפט מיטן שטראָם, און פריער אָדער שפּעטער וועט זי אים דערפירן צו אַ ברעג, וואָס וועט אים באַפרייען פון דעם אָפּגרונט.

צום שלים מזל האָבן פון זעלבן הויף, עטלעכע בחורים, זייערע באַקאַנטע, חתונה געהאַט מיט אַמעריקאַנער מיידלעך, וואָס זייערע אַמעריקאַנער קרובים האָבן זיי אַראָפּגעשיקט צו דעם צוועק, און דאָס זענען אויך געווען פיקטיווע חתונות, מיטן מיין אויף זיך צו גטן שפּעטער. האָט ראובן אויסגענוצט די געלעגנהייט און געזוכט צו ווירקן אויף איר מיט זיין פּלאַן.

זי האָט פון דעם ניט געוואָלט הערן און זען. איר געזונטער פרויען חוש האָט איר אונטערגעזאָגט, אז צו דעם טאָר זי קיינמאָל ניט צושטימען.

דער צימער איז פאַרוואַנדלט געוואָרן אין א גיהנום. די קריגעריי צווישן זיי איז געהאַנגען אין דער לופט, ווי שוואַרצע שפּינוועבס איבער זייערע קעפּ, פון אַלע ווינקלען האָבן געלויערט מרה־שחורה שפּינען וואָס האָבן געזויגן זייער בלוט פון האַרץ, אז ביידע האָבן עס שוין ניט געקענט איבערטראָגן.

ס'איז איינס ביינאַכט. באַשע ליגט אין בעט מיט פאַרוויינטע אויגן, אַ צעקלעמטע פון פּיין. ער איז נאָך ניטאָ. א גריל זעגט מיט א זיגזאַגיש טרילן, ווי ער וואָלט מיט די ציינער געזעגן איר האַרץ. פאַר זיך זעט זי די גרויקייט פון ווייסן ליילעך, וואָס צאַמט איר אָפּ פון די צוויי קוואַטיראַנטן, וועלכע שלאָפן און כראָפּען געשמאַק.

זי איז איינע אַליין מיט איר פּיין. עס וואָלט זיך איר וועלן וויינען אין דער הויך, האָט זי אָבער מורא פאַר די קוואַטיראַנטן. מוז זי זיך שטיקן אין זיך... די קישן איז אדורכגעווייקט פון טרערן. און ער איז נאָך אַלץ ניטאָ. יעדע מינוט ציט זיך ווי אַ שעה, די נאַכט — ווי פון פעך, וואָס וועט זיך קיינמאָל גאָרניט ענדיקן. און דאָ איז זי אַליין אין איר צער, אַליין אין איר פּיין, אַליין אין איר עלנט, ווי אַ שטיין...

פאַרטאָג, האָט זי זיך אַרויסגעשלייכט אויפן גאַס, קיינער פון די קוואַטיראַנטן זאָל ניט באַמערקן, זי האָט קוים זיך דערוואַרט עס זאָלן זיך עפענען די געשעפטן און געלאָפן אים זוכן אויף זיין שטעלע. אַלע אַרבעטער זענען דאָ, נאָר ער, איינער, ניט.

— איז ער אוועק פון איר אַזוי ווי ער האָט איר געסטראַשעט? צו איז געשען מיט אים אַן אומגליק? — זי איז אַרומגעלאָפן ווי אַ משוגענע אַ גאַנצן טאָג אים זוכן. אין אָוונט האָט זי געפונען אויפן טיש אַ בריוועלע. זי ווייס ניט ווער עס האָט אים געבראַכט. צי אפשר איז ער אַליין געווען? אין דעם בריוועלע האָט ער איר געמאָלדן, איינס פון די ביידע: אָדער זי וויל אָננעמען זיין פּלאַן פון זיך גט'ן מיט אים, דאַן וועט ער קומען און זיין מיט איר ביז ער וועט אַריבערפאָרן אין די שטאַטן; אָדער, ער וועט שוין דאָ מער ניט קומען אינגאַנצן און ער וועט איר סיי ווי סיי אָפּ'גט'ן.

— זאָל ער טאָן וואָס ער וויל. קיין גט פון אים וועל איך ניט נעמען. זאָל ער יאָ קומען צו ניט קומען, מיין לעבן איז שוין סיי ווי פאַרלאָרן! — אויף איר פּנים האָט זיך פאַרצויגן אַ טרויער. זי האָט נאָך אויסגעזען עלטער ווי זי איז געווען. זי איז אוועק צוריק אין פאַבריק, וואו זי האָט אַמאָל געאַרבעט. אַ גוטע שניידערקע איז זי געווען, איז איר לייכט אָנגעקומען צו קריגן אַ שטעלע. אין דעם גערויש פון די מאַשינען האָט זי געזוכט צו דערשטיקן דעם געשריי פון איר האַרץ. ניט איינמאָל האָבן אירע טרערן פאַרפלעקט די העמדער וואָס זי האָט געניייט, און אַז מען האָט איר פאַרגעוואָרפן, ווי אַזוי? האָט זי זיך פאַרענטפערט: — אַז דאָס זענען געווען טראָפּנס שווייס...

דער טאָג ווי דער טאָג, נאָר דער אָוונט, די נאכט — וואו טוט מען זיך אַהין? איינע אַליין, א פאַרלאָרענע פרוי, אָרום און אָרום שוויבלט און גריבלט מיט יוגנט. און זי גייט דאָ ארום ווי א שאָטן... זי האָט אפילו ניט ווער עס זאָל אויף איר רחמנות האָבן? וואָס ווייסן זיי, און ווי קענען זיי פארשטיין איר צער? יעדער איינער איז פארטאָן אין זיך, אין זיין לעבן, אין זיין יוגנט. און אויב אפילו מיט לייד האָט עס אויך טויזנט טעמים...

* * * *

ראובן האָט געדונגען א צימער פאר זיך, אין א פאָר־שטאָט פון האוואַנאַ, וואו עס האָבן קיין אידן ניט געוואוינט. די אָוונטן זענען געפלויגן ווי פון ווינטן געיאָגט. מען האָט זיך ניט ארומגעזען און עס איז שוין שפעט אין האלבער נאכט. ראָסיטא האָט צו אים זיך געטוליעט ווי א קעצעלע, און מיט אירע גלאַנ־ציקע אויגן — פייער פון ליבע, — האָט זי די שטערן פון הימל פאַריאָגט... ער האָט ניט געזען און ניט געפילט קיין זאך ארום זיך נאָר איר אליין... דאָס קלאַפּן פון איר הארץ, די ווארעמקייט פון איר קערפער, דער גלי פון אירע ליפּן האָבן אים פארשיכורט און באגליקט.

— איצטער בין איך שוין פריי! איצט בין איך דיינער אין גאנצן. קיינער קען אונז, איצט, אונזער גליק ניט צעשטערן. אוים, פטור געוואָרן פון א צרה. א נייער טאָג גייט אויף פאר אונז. דיך האָב איך עס צו פארדאנקען. דו האָסט מיר צום ערשטן מאָל געעפנט מיין הארץ, אויפגעוועקט דעם קערן פון ליבע, וואָס האָט זיך פאנאנדערגעבליט אין אלע מיינע אברים, אז איך פיל זיך ווי ניי געבוירן! ווי איך וואָלט קיינמאָל ביז איצט ניט עקזיסטירט. ווען ניט דו, וואָלט איך דאָך אָפּגעלעבט א לעבן און געשטאָרבן ניט וויסנדיק, אז עס איז דאָ ליבע אויף דער וועלט! ליבע — וואָס איז די קרוין פון לעבן! די זון — פון זיין. די ליכט און קראפט, וואָס איז אלץ גובר אפילו אויפן אָפּגרונט פון לייד, און גיט מוט זיך צו ראנגלען מיט אלע די שטרויכלונגען פון לעבן, וואָס זענען אזוי פיל אויף יעדן שריט און טריט. ווען מען דארף באצאָלן מיט מיין לעבן פאר דער ליבע, וואָלט איך טויזנט לעבנס אוועקגעגעבן פאר דער ליבע. און איך וואָלט טייער ניט באצאָלט! וואָס זענען ווערט געווען מיינע עטלעכע דרייסיק יאָר ביז איצט? — גאָרניט! א מעכאנישער מאשין פון פלייש און ביינער, וואָס האָט אויסגעארבעט א טוץ הויזן אין 8 שעה צייט, בכדי צו קענען זיך אויפהאלטן אויף די פיס. דאָס — און גאָר! און איצט, ווי ליב איז מיר יעדע מינוט. ווי זיס איז מיר די מי. איך פיל, אז איך לעב מיט אלע מיינע חושים און געדאנקען. איך האָב פאר וועמען צו לעבן און פארוואָס צו לעבן.
— פאר דער ליבע! אה, געבענטשט זאָלסטו זיין אפילו אין לייד און אין פיין!

* * * *

שטורמישע טעג זענען אָנגעקומען. די לופט איז פול מיט אומרו און רע־וואָלט. דאָס פאָלק האָט פארלאָרן דעם געדולד. באַפרייאונגס ווינטן רייסן אויף דעם פעסטונג פון מאטשאדאָ רעזשים. בלוט גיסט זיך איבער די גאסן. די קוילן קענען אָבער דעם רעוואָלוציע שטראָם ניט פארהאלטן. ווי אַ ווילדע סטיכע פלייצט ער איבער אלע ברעגעס. רופט, וועקט און מאָנט. נעמט אלץ פארן פאָלק, אלץ פארן לאנד.

די גאסן יובלען. די פאָנען פלאטערן. מאטשאדאָ איז אַפּגעפלויגן ווי אַ שווארצע קראָ, נאָך אַ פינסטערע און בלוטיקע נאכט, איז אַ ראָזער באגינען מיט נייע און ליכטיקע האָפענונגען אויפגעגאנגען.

די פארליבטע פאָרלעך האָבן זיך ווידער גענומען טרעפן אין די פארקן. אויף אַ זייטיקע באנק, אין פארק, באזוימט מיט פלאמיקע האָלאנדרעס, וועלכע האָבן זיך איבערגעצויגן ווי אַ חופה איבער זייערע קעפּ, זענען ראובן און ראָ־סיטאַ זיך געזעסן צוגעטוליעט, איינגעפלאָכטן די פינגער איינער אין דעם צווייטן, און געמאָלן פּלענער פאר דער צוקונפט. אַ קוילן געקנאל האָט געריסן אין דער לופט. נאָכווייעניש פון דער רעוואָלוציע. זיי זענען געלאָפן שנעל אַ היים.

שטייענדיק ביים טיר פון איר הויז, זיך צעזעגענענדיק, האָבן ווידער טעמ־פּע שאָסן פארהילכט די לופט. מענטשן זענען געלאָפן ביי די זייטן פון די הייזער, אויסמיידנדיק די קוילן, וואָס האָבן געפייפט מיט אַ ווילדע טייוולאָ־נישן געוואָי... טירן און פענסטער זענען פארהאקט און געשלאָסן געוואָרן. האָט מען אים איינגעלאָדן אַריינצוגיין אין שטוב, איבערצוואווארטן די שיסעריי.

אָפיציעל הייסט אַזאַ איינלאַדונג די אַנערקענונג פון די עלטערן אויפן שידוך, פאר פאקטישע חתן־כלה. אָבער דאָ, האָט די רעוואָלוציע צוגעאיילט און אים אַריינגעפירט אין איר הויז אומגעריכטערהייט. דער פאָטער האָט אים מכבד געווען מיט אַ ציגאר, די מוטער האָט צוגעטראָגן אַ טעפּעלע שוואר־צע קאַפּע און זיי האָבן זיך אַוועקגעזעצט אויף די וויג־שטולן אַרום טיש.

דער פאָטער, אַ מידער פון דער ארבעט, האָט זיך אנטשולדיקט און איז אַוועק שלאָפן. די מוטער איז געבליבן זיצן אָן אַ זייט, ניט צו שטערן זיי ביידן אין די רייד, אָבער געגוג נאָענט אויף אכטונג צו געבן, ווי דער שטיי־גער איז, אויף דער טאָכטער. זיי זענען זיך געזעסן און גערעדט. די מוטער האָט זיך אליין פארוויגט אויפן וויג שטול און גאנץ געשמאק איינגעשלאָפן. האָבן זיי, זיך וויגנדיק, אלץ נאָענטער זיך צוגערוקט איינער צום צווייטן, אז זי האָט געקענט אנשפארן איר קאָפּ אויף זיין ברוסט־קאסטן און אַזוי שטיל, דער מאמען ניט אויפצוואוועקן, האָבן זיי זיך געהאלדזש, געגלעט און געקושט.

אז ער האָט זיך אויפגעשטעלט אַוועקצוגיין האָט די מוטער זיך אויפגע־
כאַפּט. זי האָט דערזען, אַז עס איז שוין אַזוי שפּעט, רופט זי זיך אָפּ צו
איר טאָכטער:

— ווייסט גאָר וואָס, אין דרויסן איז אומרואיק. ווי קען מען דאָס אים
לאָזן גיין אַזוי שפּעט א היים! זאָלן מיר אים גאָר אויסבעטן אין זאָל, אויף
דער סאָפקע, און ער זאָל דאָ, איבערשלאָפן די נאכט.

ער האָט זייער הארציק באדאנקט דער מוטער פאר איר גאסטפריינטלעכ־
קייט, און זיך געמאכט כלומערשט, ווי ער וויל ניט. ערשטנס וויל ער זיי ניט
באמיען, און צווייטנס האָט ער זיך געוואָלט אויסשטעלן פאר א העלד, וואָס
האָט קיין מורא ניט, ער איז א מאַן, וואָס שרעקט זיך ניט.

זיי האָבן אים פאר קיין שום געלט ניט אָפּגעלאָזן. די מוטער האָט גע־
בראכט א ליילעך, פארצויגן איבער דער סאָפקע, אַוועקגעלייגט אַ קישן צו־
קאָפּנס, און ווינטשנדיק אַ גוטע נאכט איז זי אַוועק צו זיך אין שלאָף צימער.
ראָסיטאַ איז געלאָפן אויסלעשן דאָס ליכט. אין דער פינסטער האָט זי נאָך
צייט געהאט צוצולויפן צו אים און אָפּפרעסן א קוש אויף זיין שטערן און איז
אנטלאָפן, קעציש, געשווינד.

אויף מאָרגן, ווען ער האָט זיך אויפגעכאַפּט, איז זי אים געלאָפן אנטקעגן
אין א זיידענע קימאָנע, פון וועלכע אירע יונגע, צאפּלדיקע בריסט האָבן זיך גע־
ריסן ווי א פויגל מיט אויסגעשפּרייטע פליגלען ארויסצופליען פון זייער
נעסט. זי האָט אים געבראכט א גלאָז מאראנצן זאפט. אָפּדאנקענדיק פאר זייער
גאסטפריינטלעכקייט האָט ער זיך מיט זיי געזעגנט, און צוגעזאָגט צו קומען
אין אָוונט ווידער. ראָסיטאַ האָט אים באגלייט צום טיר. א לאַנגער האנט־
דרוק, וואָס ביידע האָבן ניט געוואָלט אָפּלאָזן, האָט זיי צעשיידט.

* * * *

אין גאס איז ווידער טומלדיק. איבער נאכט האָבן די סארזשענטן אראָפּ־
געוואָרפן זייערע עלטסטע, און זיך אליין דערקלערט פאר רעוואָלוציאָנערן.
דאָס איז געווען די ארמיי־רעוואָלוציע פון פערטן סעפּטעמבער.

די קראָמען — א טייל אָפן, א טייל פארמאכט. אין דעם געשעפט וואו
ראובן האָט געארבעט זענען זיי געווען זאָלבע־דריט. סאָלדאטן מיט ביקסן
האָבן זיך באוויזן ביים ארייגאנג און אָנגעהויבן שיסן אויף זיי. זיי זענען
געפאלן אויף דער ערד, געקראָכן אויף אַלע פיר צום ווינקל פון דער וויטרינע
און די קוילן האָבן געלעכערט. געשרייען און יללות האָבן זיך אויסגע־
מישט מיט די הילכיקע געקנאלן פון די ביקסן. די סאָלדאטן האָבן זיך שנעל
אָפּגעטראָגן. די שכנים זענען אריין און געפונען אַלע דריי ליגנדיק אין א טייך

פון בלוט. צוויי פון זיי זענען געווען טויט, איינער, וואָס איז געלעגן אונטער זיי איז געווען פאַרוואונדעט.

די אָוונט צייטונגען האָבן געגעבן די בילדער פון די צוויי קרבנות. און ראָסיטאַ, איז מיט דער צייטונג געבליבן ליגן א גע'חלש'טע. ראובן איז געווען טויט.

אויף מאָרגן האָט מען ביידע הרוגים צו קבר־ישראל געבראַכט. עטלעכע מנינים אידן האָבן זיך אויפגעקליבן אויפן בית עולם. צווישן זיי אויך א פרוי, א פאַרעלטערטע, וועלכע איז אַרויפגעפאַלן אויף זיין פאַרבלוטיקטן קערפּער, און מיט טרערן געוואַשן זיין פּנים, געבעטן ביי אים מחילה:

— ראובן, איך האָב דאָך דיר אַזוי ליב געהאַט, כאָטש איך האָב עס קיינמאָל ניט אויף מיינע ליפּן אַרויפגעבראַכט. דו ווייסט ניט וואָס דו ביזט געווען פאַר מיר! איך בין דיר איצט אַלץ מוחל. פאַרוואָס האָט דאָס דיר גע־קומט אַזאַ שרעקלעכן טויט? — איז זי אויסגעבראָכן אין א געיאָמער. — איך האָב אַלץ געדיינקט, אַז דו וועסט זיך אַרומזען און קומען צוריק צו מיר, און צום סוף אַזאַ אומגליק! זיי מיר מוחל, אויב איך האָב אַנטקעגן דיר אפשר צו שטריינג געהאַנדלט, דיר ניט געוואָלט נאָכגעבן וועגן גט. גאָט איז מיין עדות אַז איך האָב ניט געקענט. איך האָב עס געמיינט צום גוטן פאַר אונז ביידן. גאָט זאָל דיר מוחל זיין ווי איך בין דיר מוחל! און מיט די ליפּן האָט זי זיך איינגעביסן אין זיין טויטן פּנים, וואָס זי האָט אים מטהר געווען מיט אירע טרערן...

קוים וואָס מען האָט איר אָפּגעריסן פון אים. דאָס קלינגען פון די ריד־לען, וואָס האָבן געשאָטן דעם זאמד אין קבר, האָבן איר ווידער אויפגעריסן פון איר פאַר'חלש'טן צושטאַנד, און א ריטש, ווי פון א פאַרוואונדעטע חיה, האָט זיך אַרויסגעריסן פון איר האַרץ און געבליבן הייגגען אין דער לופט. זי איז אַרויפגעפאַלן אויפן קבר, אים אַרומגענומען מיט די אָרעמס, ווי מען נעמט אַרום א געליבטן, ווען מען זעגנט זיך מיט אים. מען האָט איר אויפגע־הויבן מיט געוואַלד. אָנגעשפּאַרט אויף צוויי פרויען, וואָס האָבן איר געהאַלטן פעסט אין די אָרעמס, האָט זי קרעכצנדיק אויסגעהערט דעם קדיש, וואָס איי־נער פון די חברה־קדישה האָט געהאַלטן, און איז אַוועקגעשלעפּט געוואָרן צום מאַשין, וואָס האָט איר אָפּגעפירט א היים.

אין דער לופט האָט נאָך געפלאַטערט דער עכאָ פון דער קלאָגנדיקער פרוי; די וואַסער, מיט וועלכע די מענטשן האָבן געוואַשן די הענט ביים אַרויס־גאַנג, האָט נאָך ניט געהאַט איינגעזאַפּט דאָס ערד; ס'האָט זיך געצויגן ווי א שוואַרצע ריטשקע, ווי א בלוטיקער וואונד פון א דערשאָסענעם — און א מאַשין איז געבליבן שטיין ביים אַריינגאַנג.

דער שאָפער האָט אויפגעעפנט די טיר און א פרוי אין שווארצן מיט א וואוואַל איבערן פנים, און אין האנט א בוקעט פון בלוט־רויטע קלאָוועלן, האָט זיך געלאָזט גיין.

מיט ציטערדיקע שריט, ווי נישט צו פארשוועכן דעם הייליקן באָדן, איז זי געגאנגען אויף דער שמאָלער סטעזשקע וואָס האָט געפירט צום פרישן בערגל ערד.

זי איז אַרויפגעפאלן מיט די בלומען אויפן קבר, געקושט דעם זאמד, די שטיינער, געקניט פאר אים, ווי פאר א גאָט, צאַמענדיק אין זיך אלע געפילן, האָט זי ווי מיט אונטערגעהאקטע קני קוים זיך דערשלעפט צוריק צום אויטאָ.

וואָך איין, וואָך אויס, יעדן זונטיק, קומט זי מיט א בוקעט בלומען, וועלכע פלאַמען ווי אירע אויגן אונטערן וואוואַל, און לייגט עס אויף זיין קבר. לעצטנס זענען שוין אויסגעוואקסן גרעזעלעך און געלע בלימעלעך, און אז זי לייגט אוועק איר בוקעט פון צאפלדיקע בלומען נעמען די גרעזעלעך און בלימעלעך פון זיין קבר אים ארום, פלעכטן זיך איין אין אים, ווי ער וואָלט פון קבר ארויס זיי אַרויסגעשיקט, זיי זאָלן צונעמען אירע בלומען און איינקלאַמערן זיך אין זיי ווי ער, אמאָל, זיינע פינגער אין אירע, אלס צייכן פון אייביקע ליבע, פון ליבע נאָכן טויט...

# עגיפּטן און מזרח סודאַן

פון **א. י. בראַוער**

* * * *

די נאַטירלעכע און היסטאָרישע מצרים (עגיפּטן) איז דאָס לאַנד פון אונטערשטן נילוס־טאָל, אָנהויבנ־דיק פון סונאַ (אויף אַראַביש: אַסוּאַן) ביז צו דער דעלטאַ, וואו די אָפּצווייגן פון טייך גיסן זיך אריין אין מיטללענדישן ים. פאַרנדיק אי־בערן טייך פון צפון קיין דרום, באַ־געגנט מען צום ערשטן מאָל ביי אַסואַן פעלזן און שטיינער, וואָס שטערן דעם פאַרקער פון שיפן און לאָדקעס צו די אויבערשטע טיילן פון נילוס. אזעלכע פעלזן געפינען זיך אויף נאָך עטלעכע ערטער איבער די טויזנטער קילאָמעטער פון נילוס־שטראָם וואָס אין דרום פון אַסואַן.

פאַרצייטנס איז אַסואַן געווען אַ קעניגלעכע וואַך פעסטונג אין משך פון אַ סך דורות. אין דער צייט פון דער פערסישער הערשאַפט האָט זיך אין יב (יעיוו — עלעפאַנטין, אויף גריכיש), לעבן סונאַ, געפונען אַ קאָלאָניע פון אידישע סאָלדאַטן, ווי עס איז באַקאַנט פון די מגילות־יב. אין דרום פון סונאַ איז אין ענגן נילוס־טאָל קיין כסדר'דיקער ישוב. פאַראַן דאָרט נאָר איינצלנע דערפער אין די ערטער, וואו דער טאָל בּרייטערט זיך אויס און ווערט פאַר־פלייצט פון די נילוס־וואַסערן אָדער וואו מען וועט באַוואַסערן דאָס לאַנד מיט דער הילף פון קאַנאַלן.

דאָס לאַנד וואָס ציט זיך אין דרום פון די פעלזן פון סונאַ האָט אין די צייטן פון ערשטן בית המקדש און עטלעכע יאָרהונדערטער שפּע־טער געהייסן אויף העברייאיש כוש (דעם דאָזיקן נאָמען געפינען מיר אין תנ"ך און אין אַנדערע מקורות). אין פאַרשיידענע תקופות האָבן די מצרים אַרויפגעצוואונגען זייער הער־שאַפט אויף די מלכים פון כוש און פאַרקערט, בעת מצרים איז אָפּגע־שוואַכט געוואָרן, האָבן די הארן פון כוש באַהערשט די מצרים.

די דרומ'דיקע גרענעץ פון כוש איז ניט געווען קיין קלאָרע, זי איז אָבער ניט דערגאַנגען ווייטער ווי ביז צו דער פינפטער שורה פון פעלזן, ס'הייסט ניט ווייטער ווי 650 קילאָמעטער אין אַ גלייכער ליניע צו דרום־צו פון סונאַ. דאָס דאָזיקע לאַנד איז נאָר אַ קליינער טייל פון דעם איצטיקן מזרח־סודאַן, וואָס נעמט אַרום אַ שטח פון צוויי־און־אַ־האַלב מיליאָן קוואַדראַט קילאָ־מעטער (מער ווי אַ פערטל פון דעם שטח פון אייראָפּע). עס איז קיין

ספק ניט, אז די אמאליקע כוש איז באאיינפלוסט געוואָרן פון דער מצרישער קולטור, פונקט ווי די נובן און די אַנדערע שבטים, וואָס וואוינען דאָרט איצט, האָבן אין מיטלאַלטער איבערגענומען פון מצרים דעם איסלאַם. אָבער כוש איז ניט קיין טייל פון מצרים. די צוויי לענדער האָבן זיך תמיד געפילט פרעמד איינס צום אַנדערן. אין אַלטע מצרישע אויפשריפטן ווערט כוש כמעט שטענדיק דערמאָנט מיט אַ בטול באַציאונג: די נידעריקע כוש, די שפּל'ע כוש א. א. וו. אַזאַ באַציאונג האָבן היינט צו סודאַן ניט נאָר די אינטעליגענטן אין קאַיראָ און אַלעקסאַנדריע נאָר יעדער איינער אין עגיפּטן, וואָס קען נאָר לייענען אַ בוך.

מצרים איז איינגאַנצלעך ניט דאָס לאַנד פון נילוס, ווי עס איז אָנגענומען ביי די עגיפּטישע אימפּעריאַליסטן, נאָר דאָס לאַנד פון אונטערשטן נילוס. אין די געגנטן פון מיטעלן און אויבערשטן נילוס, און צווישן זיינע צופלוסן און אָפּצווייגן וואוינען פעלקער וואָס אונטערשיידן זיך פון די עגיפּטער ניט נאָר אין זין פון ראַסע נאָר אין אַ גרויסער מאָס אויך מיט זייער שפּראַך און רעליגיע. אויך זייערע עקאָנאָמישע אינטערעסן זענען אָפּט קעגנגעזעצט צו די אינטערעסן פון מצרים.

## די איינהייט פון נילוס-טאָל

מצרים שטעלט איצט אַרויס דעם לאָזונג פון „איינהייט פון נילוס־טאָל", ס'הייסט עגיפּטישע הערשאַפט איבערן גאַנצן טאָל וואָס זאָל דערמעגלעכן אַ ראַציאָנעלע אויסנוצונג פון די וואַסערן פון טייך. ראַציאָנעלע אויסנוצונג באַדייטעט פאַר דעם עגיפּטער אַן אויסנוצונג פאַר זיין טובה וועגן. דאַביי וויל ער זיך ווייניק וואָס רעכענען מיט די באַדערפעניש פון סודאַן און פון די אַנדערע לענדער וואָס געפינען זיך אין תחום פון נילוס און זיינע צופלוסן.

די אויסשפּרייטונג פון דער הערשאַפט פון קאַיראָ איבער סודאַן וואָלט בלי שום ספק פאַראורזאַכט אַן איבערוואַנדערונג און קאָלאָניזאַציע פון עגיפּטישע פעלאַכן אין סודאַן, אָבער די עגיפּטישע גרונטבאַזיצער זענען ניט פאַראינטערעסירט אין אַרויספירן אַ סך לאַנד אַרבעטער פון מצרים. וואָרום אַזוי אַרום וואָלטן געשטיגן די אַרבעט לוינען אויפן לאַנד און עס וואָלט זיך פאַרקלענערט די קאָנקורענץ צווישן די פאַכטערס פון באָדן, וואָס נעמען קליינע שטחים אין אַרענדע פון די גרויסע גרונטבאַזיצער.

כדי צו פאַרשטיין די פּראָבלעם מצרים־סודאַן, דאַרף מען באַטראַכטן די קאַרטע פון די נילוס לענדער און זיך דערמאָנען די געשיכטע פון דער דעראָבערונג פון סודאַן דורך מצרים אין נייַנצנטן יאָרהונדערט.

דער נילוס הויבט זיך אָן ווי אַ צוזאַמענגוס פון מערערע טייכן אין דער זאָנע פון עקוואַטאָר. עטלעכע פון די פלוסן שטאַמען אַרויס פון אָזיערעס, וואָס די גרעסטע פון זיי איז די וויקטאָריאַ אָזיערע. דער הויפּט פלוס הייסט אויף אַראַביש באַר אַל דזשעבל (דער טייכל פון באַרג). זיינע אָפּצווייגן שפּרייטן זיך

אוים און שאפן א געגנט פון זומפן
אויף א שטח פון פינף הונדערט
קוואדראט קילאמעטער. דער טייך
וואס פליסט ארוים פון די דאזיקע
זומפן הייסט „דער ווייסער נילוס".
ביי קארטום, די הויפט שטאט פון
סודאן, באהעפט ער זיך מיט דעם
בלויען נילוס, וועלכער קומט פון
עטיאפיע. א צווייטער צופלוס פונ'ם
פארייניקטן טייך אין דער אטבארא,
וועלכער קומט אויך פון עטיאפיע.
אין דרום פון קארטום זענען אויפן
בלויען און ווייסן נילוס אויפגעבויט
געווארן גרויסע דאמבעס, וואס זאמ-
לען וואסער פאר די באדערפענישן
פון מצרים. אין יענער געגנט, וועלכע
הייסט אל דזשאזירא, איז אויפגעקו-
מען א שיכט פון מיטעלע פעלאכן
(פויערים), וואס באארבעטן דעם בא-
וואסערטן באדן. זיי לעבן בשלום מיט
דער בריטישער באוואסערונג געזעל-
שאפט און זענען ארגאניזירט אין
פראדוציר און פארקויף קאאפעראַ-
טיוון. דער פעלאך פון אל דזשאזירא
שטייט העכער פון דעם עגיפטישן
פעלאך סיי אין זין פון היגיענע סיי
מיט זיין לעבנס סטאנדארט. מען
וואלט געקענט אויסברייטערן די בא-
וואסערטע באדנס אין סודאן, אבער
מצרים נויטיקט זיך אין וואסער און
זי האט די אויבערהאנט. כדי מצרים
זאל באקומען מער וואסער וואלט מען
געדארפט דורכפירן ריזיקע ארבעטן,
וואס זאל פארמיידן די אויסשפריי-
טונג פון די וואסערן אין די זומפן
און זאלן אנזאמלען גרויסע רעזערוון
אין דער געגנט פון עקוואטאר אין
עטיאפיע. אבער די אזיערעס געפינען
זיך נים אין סודאן, נאר אין עטיאפ-
יע, אוגאנדע, קעניא און טאנגאנא-
איקא, און אפילו די בעלגישע קאנגא
גרענעצט זיך מיט טיילעכע פון די
אזיערעס. און זיי אלע האבן א
רעכט אויף די וואסערן. בקיצור, דער
לאזונג „איינהייט פון נילוס טאל"
איז א סך ברייטער ווי דער תחום פון
מצרים און סודאן צוזאמען. אויב די
ענגלענדער וועלן , אפילו מפקיר זיין
דעם ס ו ד א ן וועט נאך
אזוי שנעל ניט פארווירקלעכט ווערן
דער אימפעריאליסטישער איינהייטס
טרוים. נאר דורך פרידלעכע אפמאכן
צווישן שכנים, וועלכע וועלן האבן
גלייכע רעכט, איז מעגלעך צו פאר-
ווירקלעכן די איינהייט פון די טעכני-
שע אונטערנעמונגען אין וועלכע מצ-
רים נויטיקט זיך.

---

## דער אנגלא
## עגיפטישער סודאן

די סוּווערעניטעט איבער מזרח
סודאן געהערט טעארעטיש צו ענג-
לאנד און מצרים בשותפות זינט דעם
קאירא אפמאך פון יאר 1899. שות-
פות פון סוּווערעניטעט איז א ניט
דעפינירטער באגריף אין אינטערנא-
ציאנאלן געזעץ. אין דער געשיכטע
פון די פעלקער זענען פאראן ווייניקע
ביישפילן פון אזא שותפות און יע-
דער מאל האט זי געהאט אן אנדער
אויסזען און אן אנדער אינהאלט. ווי
אזוי איז געשאפן געווארן די שות-
פות צווישן מצרים און ענגלאנד אין
די לענדער פון מיטעלן און אויי-
בערשטן נילוס?

מוחאמעד אלי, אן אלבאנישער
סאלדאט פון דעם טערקישן מיליטער
אין עגיפטן, האט אין די ערשטע

יאָרן פון נײַנצנטן יאָרהונדערט פאַרכאַפּט די מאַכט אין עגיפּטן. עס איז אים געלונגען צו צעשטערן די שיכט פון די מאַמעלוקן, וואָס האָבן זינט דעם מיטלאַלטער באַהערשט דאָס לאַנד, און אָפּצושאַפן פאַקטיש די הערשאַפט פון די טערקן. אַזוי לאַנג ווי ער האָט געקעמפט קעגן די מאַמעלוקן זענען די עמירן און שייכן פון נוביע (אַמאָליקע כוש) געווען זײַנע געוואונטשענע פאַרבינדעטע; ווען ער האָט זיך אָבער פאַרפעסטיקט אין דער מאַכט, האָט ער זיך גענומען דעראָבערן די לענדער פון מיטעלן און אויבערשטן נילוס, וואָס הייסן איצט מיטן אַלגעמיינעם נאָמען סודאַן. איסמאַאיל, דער זון פון מוחאַמעד אַלי, האָט זיך אַרײַנגעריסן אין סודאַן אין יאָר 1820. דאָס איז געווען דאָס ערשטע יאָר פון דער עגיפּטישער הערשאַפט איבער סודאַן. צוויי צילן האָט איסמאַאיל געוואָלט דערגרייכן דורך זײַן דעראָבערונג: קנעכט פאַר זײַן אַרמיי און זײַנע גיטער, און אויך די רײַכטימער פון לאַנד.

די מושלים פון מצרים האָבן זיך באַנוצט מיט אייראָפּייאישע אָפיצערן און האָבן אויסגעשפּרייט זייער הערשאַפט, צו דרום צו, פיל ווייטער ווי די רעליגיעז מוסולמענישע איינפלוס ספערע. אין תחום פון אַנגלאָ בריטישן סודאַן, וואָס זײַנע אײַנוואוינער דערגרייכן צו זיבן און א האַלבן מיליאָן נפשות, וואוינען א סך שווארצע שבטים וועלכע זענען נאָך ביז איצט געצנדינער, און אויך קריסטן וואָס דורכרייזנדע מיסיאָנערן האָבן באַקערט צום קריסטנטום. די פּראָפּאָרץ צווישן דער צאָל מוסולמענער און געצנדינער אין סודאַן איז ניט באַקאַנט, אָבער די יעניקע וואָס פאַרלאַנגען, אַז סודאַן זאָל אַנגעשלאָסן ווערן אָן עגיפּטן אין נאָמען פון איסלאַם, פעלשן סיי דעם אמת ווי אויך די געשיכטלעכע פאַקטן. וואָרום די עגיפּטער זענען פאַרטריבן געוואָרן פון סודאַן, אין די אכציקער יאָרן פון נײַנצנטן יאָרהונדערט, גראַד דורך א מוסולמענישן פאַנאַטיקער. א מאַהאַדי, ס'הייסט א מוסולמענישער משיח, האָט דאָרט אויסגערופן א הייליקע מלחמה קעגן די עגיפּטישע כופרים. אין יאָר 1885 האָט ער דעראָבערט קאַרטום און באַהערשט גרויסע טיילן פון סודאַן (דרך אגב: אין משך פון עטלעכע יאָר האָבן געוויסע געצנדינערישע געגנטן פון סודאַן זיך געפונען אונטער דער הערשאַפט פון אידישן משומד אמין פּאַשאַ, וועלכער האָט פריער געהייסן עדואַרד שניצער).

די הערשאַפט פון די פאַנאַטישע דערווישן האָט גורם געווען א חורבן אין לאַנד און זײַנע אײַנוואוינער זענען אַלץ ווייניקער און ווייניקער געוואָרן. אין יאָר 1898 האָט דער בריטישער קאָמענדאַנט קיטשנער דעראָבערט סודאַן מיט דער הילף פון ענגלישע און עגיפּטישע סאָלדאַטן. די ענגלענדער האָבן פאַקטיש שוין געהאַט געהערשט אין עגיפּטן זינט דעם יאָר 1882 און זיי האָבן דיקטירט עגיפּטן דעם קאַירער אָפּמאַך, וואָס האָט איינגעשטעלט דעם אַנגלאָ בריטישן קאָנדאָמיניום איבער סודאַן. פאַקטיש הערשן אין סודאַן די ענגלענדער. די עגיפּטער האָבן נאָר פּריווילעגיעס ביים באַנוצן די וואַסערן פון נילוס. דאָס רעכט פון די סודאַנער זיך צו באַנוצן מיט די וואַסערן,

זואָס ווערן געזאמלט אין באַסיינען אין זייער לאַנד, איז שטאַרק באַשריינקט געוואָרן. די עגיפטער פאָדערן איצט, אז עס זאָלן צוריקגעשטעלט ווערן די לאַגע פון פאַר דעם מאַהאַדי'ס „הייליקן קריג". זיי האַלטן, אז די דעראָבערונגען פון איסמאַאיל זענען כשר, אָבער קיטשנערס דעראָבערונגען זענען פסול אין זייערע אויגן.

כדי צו פאַרלויפן דעם וועג דער עגיפטישער פּראָפּאַגאַנדע, וועלכע קומט אין נאָמען פון איסלאַם און שנאה צו קריסטן, האָט דער בריטישער גובערנאַטאָר אויפגעשטעלט אין סודאַן אַ לעגיסלאַטיוון ראַט, וואָס זיין מערהייט ווערט אויסגעוויילט פון די סודאַנער און זיין קלענערער טייל ווערט נאָמינירט פון דער מאַכט. דער ראַט קלייבט אויס אַן עקזעקוטיוו קאָמיטעט, וועלכער אַרבעט מיט מיטן גובערנאַטאָר. (דער גובערנאַטאָר ווערט נאָמינירט פון ענגלישן קעניג מיט דער טעאָרעטישער צושטימונג פון עגיפטישן קעניג).

אין אָנבליק פון דרוק מצד עגיפטן האָט ענגלאַנד געוואָלט געבן סודאַן זעלבסטשטענדיקייט אויפן גרונט פון אַ פּלעביסציט. פאַראַן אין סודאַן אויך אַ פּראָ עגיפטישע פּאַרטיי, עס איז אָבער שווער צו וויסן וויפל אָנהייננגער זי ציילט. כל זמן די ענגלענדער געפינען זיך אין סודאַן קענען די עגיפטער טענה'ן, און מיט רעכט, אז זיי באַאיינפלוסן די געזעלשאַפטלעכע מיינונג אין לאַנד. אָבער די סודאַנער האָבן ניט קיין סיבה צו וועלן אָננעמען די עגיפטישע הערשאַפט און אָפּצוגעבן די וואַסערן פון נילוס צו מצרים. אויך וויפל עס איז פאַראַן אַן אויפגעקלערטע שיכט אין סודאַן פאַרשטייט זי, אז אַן עגיפטישער אימפּעריאַליזם אַנשטאַט דעם בריטישן איז כלל ניט קיין בייט צום גוטן.

# Cía. Comercial Genín, S. A.

## CAIBARIEN



**CHAROLES**

**GAMUZAS**

**PIELES**

**SUELAS**



אַ גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן
מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און
דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

**לשנה טובה תכתבו!**

# דער פּרץ יאָר אין קובאַ

## פּרץ פייערונגען, רעפעראַטן, פּרץ-אויסגאַבן, אָפּהאַנד־לונגען אין דער פּרעסע און פּעריאָדיק און קולטור אימ־פּרעזעס אָרגאַניזירטע אין שייכות מיטן פּרץ יאָר.

פון ל. ר.

* * * *

### 1951

מאָנטיק דעם 19־טן פעברואר — האָט דער קולטור ראַט ביים אידישן צענטער געגרינדעט אַ ספּעציעלע באַראַ־טונג ווי אַזוי דורכצופירן דעם פּ ר ץ יאָר אין אונזער ישוב. די פאַרזאַמלטע פאָרשטייער פון: צענ־טער, קולטור ראַט, אידישע טאָג שול ביים צענטער, שרייבער און זשורנאַליסטן קרייז, ייווא פריינט און רעדאַקציע „האַוואַנער לעבן", האָבן זיך קאָנסטיטואירט אין אַ פּ ר ץ קאָמיטעט און אַלס פּראָוויזאָרישע פּראָגראַם, אָנגענומען דעם דורכן פריינט ראַן רעפערירטן ארבעטס פּראָיעקט (ז"ז 4-5 אין זאַמלהעפט „די לעגענדע פּרץ").

פרייטיק דעם 14־טן מערץ — איז אין „האַוואַנער לעבן", דערשינען דער ערשטער ביולעטין וועגן די פּרץ פייע־רונגען און אַ פּראָוויזאָרישער אינ־האַלט פון דער אידיש שפּאַנישער זאַמלהעפט.

שבת דעם 17־טן מערץ — **פּרץ יאָר ווערט אָרגאַניזירט אין ברייטן פאַרנעם. „האַוואַנער לעבן", קולטור** כראָניק.

מערץ — אַ. שמשוטשינסקי טראָגט אריין די ערשטע באַשטייערונג לטובת דעם פּרץ קולטור פאָנד.

שבת דעם 1־טן סעפּטעמבער — י. באָטאַשאַנסקי — **„פּרץ און זיינע באַ־**געגענישן מיט ביאַליק, פרישמאַן און שלום עליכם", אין „האַוואַנער לעבן".

סעפּטעמבער 1951 — **בילד פון** י. ל. פּרץ און מיטטיילונג **וועגן** פּרץ יאָר אין „המשך אויף **קובאַנער** ערד" — יובל זאַמלבוך **פון אידישן** צענטער. זע הילע: **דריי זייטן אויפן** אַלפאַלקיישן לוח.

סעפּטעמבער־אָקטאָבער — **„דער** תענית" פון י. ל. פּרץ, **געדרוקט** אין דעם אידיש שפּאַנישן **זשורנאַל** „איזראַעליא". 1951, נומ. 7, **זייטן** 10 און 11.

פרייטיק דעם 2־טן נאָוועמבער — דערשינען די ספּעציעלע פּרץ מאַר־קעס פון קולטור פאָנד.

זונטיק דעם 4־טן נאָוועמבער — די פּרץ מאַרקעס ברייננגען אַריין די ערשטע $38.60 אויף דער פייערונג לכבוד אַ פּערטל יאָרהונדערט אידי־שער צענטער אין קובא.

פרייטיק דעם 30־טן נאָוועמבער — אָפּיציעלע דערעפענונג פון פּרץ יאָר אין האַוואַנאַ: פרייטיק צונאַכטס מיטן אָנטייל פון גאַסטנדן ייוואָ די־רעקטאָר פאַר לאַטיין אַמעריקע, דיכ־טער יעקב גלאַנץ, וועלכער האָט רע־פערירט אויף דער טעמע: „די פּרץ השפעה אויף דער אידישער ליטעראַ־טור". דאַסגלייכן, זענען אויפגע־טראָטן: לייזער ראַן, אשר שטשו־טשינסקי און י. מ. סקורניק.

נאָוועמבער־דעצעמבער — „דער קונצנמאַכער" פון י. ל. פּרץ, — „איזראַעליא", נומ. 8, זייטן 11 און 12.

דעצעמבער — באַשטייערונגען לטובת דעם פּרץ קולטור פאָנד פון: לאַזאַראַ ליוואָוויטש, מאָרים קאַנסקי, ברוך בענעס, זלמן, יעקב און ענריקע בייקאָוויטש און סאַלאָמאָן ריקלאַנ־סקי.

פרייטיק דעם 28־טן דעצעמבער — י. ל. פּרץ — „אַ חנוכה לעמפּל", געדרוקט אין „אונזער שטים" נ. 43־44.

מאָנטיק דעם 31־טן דעצעמבער 1951 — דערשינען די אידיש שפּאַ־נישע זאַמלהעפט „די לעגענדע פּרץ" צוזאַמענגעשטעלט דורך לייזער ראַן 52 זייטן אידיש און 24 אין שפּאַ־ניש.

# 1952

מיטוואָך דעם 2־טן יאַנואַר 1952 — נאָטיץ אין „האַוואַנער לעבן": דערשינען זאַמלהעפט צום הונ־דערטסטן געבורטסטאָג פון י. ל. פּרץ, צוזאַמען מיטן אינהאַלט פון זאַמלהעפט.

מיטוואָך דעם 2־טן יאַנואַר 1952 — י. ל. פּרץ — „אויב ניט נאָך העכער", געדרוקט אין „האַוואַנער לעבן".

מאָנטיק דעם 14־טן יאַנואַר — דערשינען די אידיש שפּאַנישע פּרץ בראָשור פאַר דער שול יוגנט, 12 זייטן, אַרויסגעגעבן דורכן קולטור ראַט פון צענטער.

מיטוואָך דעם 23־טן יאַנואַר — ספּעציעלער ביולעטין פון קולטור ראַט ביים אידישן צענטער אין „האַ־וואַנער לעבן" צום דערשיינען פון די פּרץ זאַמלהעפטן מיט ווענדונגען צו דער יוגנט, אידישע צענטערס אין פּראָווינץ, אידן אין קאַמפּ און צו אַלע קולטור פריינט אין האַוואַנאַ, וועגן דער פאַרשפּרייטונג פון די אויס־גאַבן.

יאַנואַר — אַרויסגעשיקט פּרץ זאַמלהעפטן אין 31 לענדער, צו צענט־ראַלע אידישע אָרגאַניזאַציעס און פּרעסע אָרגאַנען.

מאָנטיק דעם 11־טן פעברואַר — פּרץ אָוונט אין אידישן צענטער מיטן אָנטייל פון וועטעראַן פון אידישן שול וועזן, דעם ציקאָ שליח יעקב לע־ווין, וועלכער האָט רעפערירט אויף דער טעמע: „י. ל. פּרץ, דער אידיש־סטער פון אַלע אידישע שרייבער".

עס זענען אויך ארויסגעטראָטן אַ. שטשוטשינסקי און ל. ראַן.

פעברואר 1952 — א. אראנאָווסקי — „יצחק לייבוש פּרץ" (צו זיין 100 יעריקן געבורטסטאָג), געדרוקט אין „מאריאנאאָער שטימע", יערלעכע אויסגאבע פון אידישן צענטער אין מאריאנאאָ. תשי"ב — 1951־1952, ז"ז 19־20.

מיטוואָך דעם 27־טן פעברואר — צווייטער פּרץ אָוונט אין אידישן צענטער, באריכט אין „האוואנער לעבן" צענטער ביולעטין.

פרייטיק דעם 7־טן מערץ — ליטע־ראַרישע שמועסן — ביינאכט אויפן אלטן מארק (א טומל אין איין אקט), לויט פּרץ, געדרוקט אין „אונזער שטים" נומ. 53־54 אין דער אָפּטיי־לונג „גיט א שמייכל" (איבערגעדרוקט פון מאָרגן זשורנאל).

מיטוואָך דעם 26־טן מערץ — וואָרט קאָנצערט פון בן יעקב און מרים גער, אין אידישן צענטער, מיט ספּע־ציעלע פּרץ נומערן לכבוד דעם פּרץ יאָר.

פרייטיק דעם 28־טן מערץ — נתן בן אריה — האוואנא לאחר חצות (קולטור לעבן און פּרץ יאָר אין קובאָ) געדרוקט אין „אונזער שטים" נומ. 55־56.

מערץ 1952 — „יצחק לייבוש פּרץ, קאָסמאָפּאָליטישער און אוני־ווערסאלער שרייבער" פון פיליפּ רו־בין, — „איזראעליא", נומ. 9, מיט אַ פּרץ בילד.

שבת דעם 5־טן אַפּריל — קולטור בראַניק — קולטור קאָנגרעס און פּרץ פייערונגען אין די שטאַטן, אין „האוואַנער לעבן".

מאי — די זאמלהעפט „די לעגענ־דע פּרץ" ארויסגעגעבן דורכן קולטור ראַט ביים צענטער אין קובא, ווערט אויסגעשטעלט אויף די ספּעציעלע פּרץ אויסשטעלונגען אין: אידישן וויסנשאַפטלעכן אינסטיטוט — ניו יאָרק, אידישע פאָלקס ביבליאָטעק — מאָנטרעאָל, און אין הארווארד אוניווערזיטעט, אין קעמברידזש.

ערב שבת דעם 17־טן מאי — איז דערשינען דער ספּעציעלער פּרץ נו־מער פון „האוואַנער לעבן" מיט פאָלגנדע פּרץ מאטעריאלן: א. י. דובעלמאן — „י. ל. פּרץ'עס גאָלדע־נע קייט האָט אויך דערגרייכט צו אונזער אידישער קובא". ל. ראן — „דאטעס און פאקטן פון י. ל. פּרץ'עס לעבן און שאפן". י. ל. פּרץ „פיר דורות — פיר צוואות". 15 אָפּרופן וועגן זאמלהעפט „די לעגענדע פּרץ" וואָס איז אונטער דער רעדאקציע פון לייזער ראן ארויסגעגעבן געוואָרן דורכן קולטור ראַט ביים אידישן צענטער.

דאָנערשטיק דעם 22־טן מאי — גראנדיעזע יובל אקאדעמיע לכבוד דעם 100 יאָריקן געבורטסטאָג פון י. ל. פּרץ און 50־סטער יאָרטאָג פון קו־באנער אומאָפּהענגיקייט. רעפערענט: דיכטער משה ראָלניק, ניו יאָרק. אר־טיסטישע פּראָגראם פון ספּעציעלע פּרץ נומערן אויסגעפירט דורך די ארגענטינער אידישע שוישפּילער: סאָפיא ראפאלאָוויטש, באָרים קליאַצ־קין און נתן קלינגער.

שבת דעם 31־טן מאי — באריכט אין „האוואַנער לעבן" מיט 2 ביל־

דער פון יובל אקט צום 100 יעריקן געבורטסטאָג פון י. ל. פרץ און 50־סטן יאָרטאָג פון דער קובאנער רעפובליק.

שבת דעם 28־טן יוני — גראַדו־איר אקט פון דער אויטאָנאָמער שול ביים אידישן צענטער געווידמעט י. ל. פרץ'עס 100 יאָריקן געבוירנ־טאָג. געזאנג און רעציטאַציע פון פרץ'עס ווערק און אויפפירונג פון י. ל. פרץ'עס: „א דין תורה מיטן ווינט". אין לאָקאַל פון קינאָ „קאַמפּאָאַמאָר". אַלע שול קינדער באקומען א פרץ זשעטאָן מיט אַ פרץ העפט אַרויסגע־געבן פון צענטער.

זונטיק דעם 29־טן יוני — 9 פרי, שלום יאָר פייערונג פון דער אויטאָנאָמער שול ביים אידישן צענ־טער מיט אַ ספּעציעל איינגעשלאָסע־נעם פרץ פּראָגראַם, אויסגעפירט פון די קינדערלעך פון קינדער גאָרטן ביזן 6־טן קלאַס.

יוני — די נייע איינגעאָרדנטע קינ־דער ביבליאָטעק ביי דער אויטאָנאָ־מער שול ביים צענטער איז לויט דעם פאָרשלאַג פון ל. ראַן אָנגערופן גע־וואָרן אויפן נאָמען פון י. ל. פרץ.

אויגוסט־סעפּטעמבער — דערשיינט דער ספּעציעלער פרץ נומער פון דער שפּאַנישער צייטשריפט „איזראַעליא" אונטער דער רעדאַקציע פון א. מאַר־קוס מאַטערין.

Ahora con Fluor
evita las caries

PASTA GRAVI

ACEPTADA POR COLEGIO ESTOMAT...

LA REINA DE LAS CREMAS DENTALES

SALUDAMOS A NUESTROS CLIENTES Y A TODA LA COLONIA HEBREA, DESEANDOLES UN FELIZ Y PROSPERO AÑO NUEVO

**חיים האָרענשטיין**

פאַרטרעטער פון דער באַרימטער צאָן־פּאַסטע „גראַווי״
ווינטשט אַלע זיינע קליענטן, פריינט און באַקאַנטע

**אַ כתיבה וחתימה טובה!**

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

Los Precios Fijos S.A.
REINA AGUILA ESTRELLA

די אידישע אייגנטימער פון באַקאַנטן

דעפּאַרטאַמענט-סטאָר
לאָס פּרעסיאָס פּיכאָס

באַגריסן צום נייעם יאָר די ברייטע אידישע
קונדשאַפט, דער אידישער קאָלאָניע, ווי
די אידן פון דער גאַנצער וועלט!

לשנה טובה תכתבו!

—o—

Los Precios Fijos S.A.
REINA AGUILA ESTRELLA

רעינאַ — אַגילאַ — עסטרעיאַ
האַוואַנאַ

# לידער...

פון א. ז. וויינשטיין

## טראָפּישע וועגן

איך גיי מיך אויף טראָפּישע וועגן —
אַ דאגה ווי לאַנג ס'איז דער וועג —
איך אָטעם מיט שליאַכן מיט ברייטע
די זון — אַ צעשטראַלטער באַגלייטער —
זיווינקט מיר און זאָגט. אז מען מעג.

מען מעג אין דעם לעבן זיך ליבן,
דו נעם אין דיין האַרצן אַריין
דעם סוד פון די גליאיקע שטראַלן,
אויף טריט דיינע וואונדיקע פאַלן
און צינד דיינע אויגן מיט שיין.

מיט שיין פון צעעפנטע אויגן
פאַרגעם דיין פאַרמאַטערטן גאַנג;
דער אייביקער ניגון פון צייטן,
ער וועט דיר דיין אומעט פאַרבייטן
אויף לויטער צעשטראַלטן געזאַנג.

געזאַנג פון ניט דערענדיקטע לידער,
פאַרלאָרן אין בלענדיקער לופט.
איך גיי. וואוהין וועל איך קומען?
געוואַלדן פון מיילער פון שטומע
פאַר׳חלש׳ט, פאַרצווייפלט, איך הער ווי מען רופט.

מען רופט. איך פאַרשטיי זייער לשון,
אָן ווערטער עס שניידט דורך אַ קול.
עס דעמפן צעשפּאָלטן אַספאַלטן,
די זון אין אַ וואָלקן באַהאַלטן,
זי וויל ניט באַגלייטן אַ קראַנקן אַמאָל...

# פּ ע פּ ע

פּעפּע איז אַ שוואַרצער אינגל
הונגערט־צו ביי פּוצן שיך.
איינמאָל אַ שיין גאָלדן רינגל
אין גאַס געפונען, אומגעריכט:

יאָ! אַ רינגל מיט אַ שטיינדל
אין הויזן קעשענע פאַרשטעקט,
ווי אַ הונט געפינט אַ ביינדל
פּעפּע ליפּן טרוקענע באַלעקט.

— כ׳האָב דעם רינגל ניט גע׳גנב׳עט
ערלעך אים געפונען כ׳האָב,
שנעל אים אָפּשטעקן און זיין וועט
אַ סעודה אָן דער מאַמעס גאָב...

ווי פאַרפאָלגט פון טויזנט אויגן
פעפע, אײַליק, מעסט די טריט.
איינגעגנורעט, איינגעבויגן,
קוקט צו קיינער זעט אים ניט.

אוי אַן אומגליק! אים אַנטקעגן,
רואיק שפּרייזט אַ פּאָליציאַנט,
אויגן, שפּיזיק, שטעכן פרעגן —
ער שלעפּט שוין פּעפּען פאַרן האַנט.

— האָסט דעם פינגערל געגנב׳עט...
זאָג ביי וועמען... און אַוואו?
אַזאַ הינטל... ניט צו שאַנעווען,
אַזאַ... שטערט דעם בירגערס רו.

איינגעקאָרטשעט, הויט און ביינער,
פּעפּען זיין וועט אָך און וויי;
דער פּאָליציאַנט ער שלעפּט אים, כלומרשט
צו דעם צירקל פון פּאָליציי.

— נעגריטאָ, דיך דער׳הרג׳ענען כ׳וועל דאָרטן,
כ׳וועל דערשטיקן דיך, געוויס.
און דערווייל אַ פּאַרק... אַ גאָרטן...
פּעפּע לויפט מיט פרעמדע פיס.

פאַרשוואונדן. פּעפּע איז אַנטלאָפן.
געגעצט אָרדענונג געשמאַק.
נאָך אַן עוולה האָט געטראָפן
אין אַ לעבערדיקן זאַק.

פעפּע שטילט זיך אין זיין הונגער,
מיט אַ פּאַרדריסלעכן געוויין —
אויף אַ פּאָליציאַנטס אַ פינגער
סיגלאַנצט אַ פינגערל מיט אַ שטיין.

נאָך אַן עוולה צו פאַרשווייגן
ווי סיוואָלט די גרעסטע דאָס געווען...
מאַך אַ וועזן... — ווען מען דאגה
וואו די מעשה איז געשען...

מעשה, העלדן, איך פאַרזיכער
סיאיז אַ קאָשמאַר פון הייסער נאַכט;
פעפּע, רינגל, לידער, ביכער...
די גאַנצע מעשה אויסגעטראַכט.

## פרימאָרגן

איך ווייס ניט ווער געזען האָט,
ווען סיאיז באַקאַנט,
ווי שיין סיאיז דער פרימאָרגן
אין זוניק קובאַ-לאַנד.

די נאַכט נאָך ניט געענדיקט,
לבנה נאָך ניט אַוועק,
די זון פאַרבט שוין דעם פּנים
ביים העלן מזרח-ברעג.

גרינער גרינען גראָז,
דער טוי ליגט אומעטום,
די הויכע שטאָלצע פּאַלמען —
אַ תפילה שעפּטשען פרום.

ווייט-ווייטע געזאַנגען,
זיי וועקן ערד פון שלאָף,
עס רעציטירט אַ ווינטל
אַ לידל, סטראָף ביי סטראָף.

בלומען אויסגעצוואָגענע,
די קעפּלעך הויבן-אויף
און שפּרייטן אַראָמאַטן
אין וואַלענציאַנעם הויף.

די זון שוין אויפגעגאַנגען,
שפּאַצירט מיט דראָבנעם טראָט,
די שפּיצן פון געביידעס
מיט גאָלד באַגאָסן האָט.

שאָטנס אויסגערוטע,
באַגלייטן זיילן ליכט,
פאַרגליווערטער פרימאָרגן
אין ענגע ווינקלעך קריכט...

אַלץ ווי אָנגעצויגן,
אָט וועט עפּעס געשען...
קומט מיט מיר אין קובאַ —
אַ פרימאָרגן שיינעם זען.

# קראַנקער דיכטער

ווייפל טרוימען אויסגעטרוימטע,
ווייפל לידער ניט דערזונגען,
אויפן באַרג דעם זון-באַזוימטן
פיבערט קראַנקער דיכטער.

וויזיעס שוועבן דאָ פאַרביי אים,
לאַנג פאַרגעסענע אילוזיעס,
און שוין לאַנג איז ער מבטל —
יענע טעג פון גלוסט פאַרלאַנגען.

שפּילן נימפעס אויף די האַרפן,
יונגען טרינקען דאָ לחיים;
שפּירט דער דיכטער לעצטן פייער —
לעבן אויסגע׳תאוה׳ט אין געזאַנגען.

עפּעס וואָלט ער ווען זאָגן,
נאָר צערונען ווערן רגע׳ס,
ס׳זינקט די זון, באַרג ווערט שוואַרצער,
גלאַנצט ווי שפּינוועב דיכטערס לונגען.

ס׳איז אַ ליד נאָך ניט דערזונגען...
— — — — — — — — — — —
— — ס׳איז אַ טרוים
נאָך ניט דער׳חלומ׳ט...
דיכטער גוסס׳ט, דיכטער פיבערט,
ס׳איז אַן אָטעם... שוין פאַרגליווערט.

# אידן אין היינטיקן דייטשלאנד

פון פנחס קאדישזאָן



7 יאָר זענען פאַרביי, זינט די אַמעריקאַנער אַרמיי אין געמיינזאַמען קאַמף מיט די אַליאירטע חילות האָבן אָפּגעפּייערט דעם לעצטן שאָס צום שונא און אים געצוואונגען זיך אונטערצוגעבן. די וועלט — די צו פרייהייט שטרעבנדע דעמאָקראַטישע וועלט — האָט געיובלט פון פרייד. אַיין קליינינקייט, צעשמעטערט דעם פּיינט, באַזיגט דעם שונא, אַ ענדע געמאַכט צו דער ממשלה פון ערגסטן תליון — פון היטלער ימח שמו. אַלע האָבן ווי פרייער אָפּגעאָטעמט ובתוכם אויך אידן — אחינו בני ישראל, די אממיינסטן געליטענע, די אַמשטאַרקסטן געטראָפענע, די שארית־הפליטה, וואָס האָט באַוויזן דורך טויזנטער ניסים זיך אַרויסצורייסן פון היטלערס גהינום נעגל און דערלעבן דעם טאָג פון באַפרייאונג.

מיר אַלע זענען געווען זיכער, אַז אויף דייטשער ערד — די מיט אידיש בלוט אויסגעווייקטע ערד, וועט קיין איד ניט וואוינען, ווער וועט דאָס דען וועלן אָטעמען מיט דער לופט פון דער היה'שער בעסטיע — פון די היטלער יונקער, ווער וועט דאָס דען קענען אָנקוקן דאָס פּרצוף פון די מערדער, פון די סאַדיסטן, פון די שרעקלעכסטע קאַנאַליעס, ווער וועט דאָס דען זיין בכוח צו באַטרעטן דעם באָדן פון דייטשלאַנד?

די גרעסטע מערהייט פון די געראַטעוועטע האָט טאַקע פאַרלאָזן דייטשלאַנד. אַ גרויסע צאָל, כמעט צוויי דריטל, פּיליכט נאָך מער זענען געפאָרן קיין ישראל — אין אונזער היימלאַנד, אַנדערע האָבן אויסגעוואַנדערט אין אַנדערע לענדער — קיין צפון און דרום אַמעריקע, קיין אויסטראַליע, קיין אַפריקע, וואו נאָר מען האָט געקענט באַקומען אַ איינרייזע וויזע.

געבליבן איז דאָך אין דייטשלאַנד אַ צאָל פון עטלעכע און צוואַנציק טויזנט אידן, איינזאַמע אידן, דער רוב פון זיי צו אַלט זיך אויסצוּוואָרצלען און צו שוואַך זיך איינצוגלידערן אין אַ אַנדער לאַנד.

וואָס איז דער מצב פון די אידן אין דייטשלאַנד? ווי לעבן זיי דאָרט? וואָס זענען זייערע האָפענונגען און דערוואַרטונגען? וואָס זאָגן זיי אַליין צו זייער אייגענעם מצב?

וועגן דעם האָט דער אַמעריקאַנער זשורנאַל „לוק“, דער אממיינסטן פאַרשפּרייטסטער אין צפון אַמעריקע — פאַרעפנטלעכט אַ אַרטיקל פון זיין אייראָפּייאישן רעדאַקטאָר ווילי־

אם אטוואוד אונטערן קעפל „דייטשלאנד'ס איינזאמע אידן".

דער ארטיקל איז געבויט אויף א געשפרעך פון מחבר מיט א אידישע משפחה אין אָפּענבאך, נעמלעך די משפחה לעווין, און מיט אנדערע אידן.

ה' לעווין איז דער הויפּט דאָקטאָר פון דער גיניקאָלאָגישער אָפּטיילונג אין דעם שטאָטישן שפּיטאָל אין אָפּענבאך.

בלויז 14 אידישע משפחות זענען פארבליבן אין אָפּענבאך. דר. לעווין איז פון די אָנגעזעענסטע. די שטעלע האָט דר. לעווין באקומען אין 1949 נאָך א לענגערער שקלא וטריה פון שטאָטישן שפּיטאָל ראט. עס איז געווען א מיינונג, קיין אידן ניט צוצונעמען אויף דער שטעלע, ווייל דייטשע פרויען וועלן זיך ניט פילן זיכער מיט א אידישן דאָקטאָר (די פרוי פון דר. לעווין און צוויי זין זענען פון די דייטשן אומגעבראכט געוואָרן אין די גאז קאמערן, די היינטיקע פרוי פון דר. לעווין האָט אויך איר ערשטן מאן פארלאָרן אין גאז קאמער — לעווין אַליין איז 5 יאָר געווען אין קאָנצענטראציע לאגערן, יעדן טאָג ערב אומגעבראכט צו ווערן, און די שפּיטאָל לייטונג האָט געטראכט, אז די דייטשע פרויען וועלן זיך ניט פילן גענוג זיכער אונטער דער אויפזיכט פון א אידישן דאָקטאָר).

אטוואוד דערציילט, אז מיט א חודש צוריק האָט ער זיך באגעגנט מיט דער משפחה לעווין ביי זיי אין שטוב אין אָפּענבאך. זיי האָבן אים דערציילט, אז זיי פאָרן ארויס קיין שווייצאריע אויף וואקאציע און וועלן דאָרט זיין איבער די יום טובים. פרוי לעווין האָט באמערקט, אז קיינמאָל בלייבן זיי ניט אין דייטשלאנד יום טוב צייט, און ווען זיי קומען צוריק, פילן זיי זיך ניט ווי זיי וואָלטן געקומען א היים... דר. לעווין אליין טראָגט זיך ארום מיטן געדאנק צו פאָרן קיין אמעריקע. ער האלט זיך אין איין נאָכפרעגן צו אלס גינעקאָלאָג וועט ער קענען געפינען ארבעט אין אמעריקע.

אטוואוד האָט געפרעגט דר. לעווינען, פארוואָס ער טראכט פון ארויספאָרן פון דייטשלאנד, א מענטש, וואָס איז אזוי איינגעאָרדנט, מיט א לוקסוס וואוינונג און מיט א פּאָזיציע, מען רופט אים ניט אנדערש ווי פּראָפעסאָר, פארוואָס אוועקפאָרן, פארוואָס ווילן אויך אנדערע אידן מיט וועמען אטוואוד האָט גערעדט פארלאָזן דייטשלאנד, פארוואָס פילן זיך אידן אזוי אומבאקוועם אין דעם נייעם, דעמאָקראטישן, אומאָפּהענגיקן דייטשלאנד? פארוואָס זענען די לעווינ'ס פארבליבן און פריער ניט אוועקגעפאָרן, פארוואָס זענען אנדערע אידן געקומען צוריק קיין דייטשלאנד?

בכדי צו באקומען א גענויע תשובה אויף דעם שרייבט אטוואוד איז נויטיק זיך צו באקענען מיט אביסל ציפערן.

ווען היטלער איז געקומען צו דער מאכט אין יאָר 1933 האָבן אין דייטשלאנד געלעבט 535.000 אידן. ארום 300.000 האָבן אין משך פון 6 יאָר באוויזן אויסצואוואנדערן. ווען עס איז אויסגעבראָכן די מלחמה אין יאָר 1939 זענען אלזאָ אין דייטשלאנד געווען ארום 235.000 אידן. פון זיי האָט היטלער אומגעבראכט 180.000 טויזנט צוזאמען מיט 6 מיליאָן אייראָפּייאישע אידן.

היינט צו טאָג געפינען זיך אין

דייטשלאַנד 24.000 אידן — איין צוואַנציקסטל פון איין פּראָצענט פון דער באַפעלקערונג אין מערב דייטש־לאַנד. דאָס מיינט, אז עס זענען פּאַ־ראַן אַזויפיל אידן אין דייטשלאַנד ווי אַראַבער אין אַמעריקע. ווי אָפט זעט מען אַן אַראַבער אין אַמעריקע פרעגט אַטוואָוד.

די 24.000 אידן צעטיילט אַטוואָוד אין דריי קאַטעגאָריעס נעמלעך: 8 טויזנט זענען פּליטים פון מזרח אייראָפּע — מערסטנס פון פּוילן. 10.000 אידן זענען פון דייטשלאַנד, וועלכע זענען אין די דרייסיקער יאָרן פון דייטשלאַנד אַוועקגעפאָרן און נאָך דער מלחמה געקומען צוריק. דער רוב פון זיי זענען: אינטעלעקטואַלן, שרייבער, אַקטיאָרן, אַדוואָקאַטן, וועלכע האָבן זיך ניט געקענט איינאָרדענען אין קיין אַנדער פּלאַץ, צוליב דעם, וואָס זייער פּראָפעסיע איז פאַרבונדן מיט דער שפּראַך, און זיי איז ניט לייכט געווען צו קענען ערלערנען אַן אַנדער שפּראַך. 6.000 אידן זענען די לעבן געבליבענע פון די קאָנצענטראַציע לאַגערן, וועמען היטלער האָט ניט באַוויזן אומצוברענגען.

פון די 24.000 אידן וואָס לעבן היינט אין דייטשלאַנד דערציילט אַטוואָוד זענען נאָר 10% גוט באַשעפטיקט. 60 פּראָצענט זענען אָפּהענגיק פון פילאַנטראָפּישער שטיצע אין אַזאַ, אָדער אַ אַנדער פאָרם. אַלע אָבער צוזאַמען האָבן איין זאַך אין שותפות, דאָס איז די שווערע איבערלעבעניש פון 12 יאָר היטלעריזם. אַלע אָן אויסנאַם האָבן געליטן, אַלע האָבן פאַרלאָרן זייערע משפחות, די מערסטע האָבן אַליין געזען ווי זייערע משפחות ווערן אומגעבראַכט.

אַטוואָוד גיט איבער דעם אויסדרוק פון אַ קרעמער אין מינכען, וועלכער האָט צו אים געזאָגט: „ס'קען זיין, אז איך טרייב איבער, אָבער איך קען זיך ניט העלפן, אז איך גיי אַריין אין אַ אָמניבוס און גיב אַ קוק אויף מיין שכן — הויב איך אָן טראַכטן, אז מעגלעך ער איז געווען דער מערדער פון מיין פאָטער און מוטער. דאַן מוז איך אויסשטייגן פון דעם אָמניבוס, ווייל איך קען לענגער דאָרטן ניט זיצן".

די טראַגעדיע פון די פאַרבליבענע אידן אין דייטשלאַנד דערציילט אַטוואָוד איז די, וואָס די אין דייטשלאַנד געבוירענע האָבן זיך תמיד געפילט מער דייטשיש ווי אידיש: איצט האָבן זיי אין ערגעץ ניט קיין וואָרצלען, אין ערגעץ ניט קיין פּלאַץ, וואו זיי זאָלן זיך קענען פילן היימיש.

נאַציזם איז דער פאַרוועלקטער גייסט אין דייטשלאַנד שרייבט אַטוואָוד. מיט דער צייט דאַרף מען האָפן, אז דער נאַציסטישער גייסט זאָל פון דייטשלאַנד אין גאַנצן פאַרשווינדן (הלואי זאָל דאָס אמת זיין פ. ש.) דערווייל אָבער מערקט זיך נאָך שטאַרק דער פאַרבליבענער נאַציזם. אמת איז, אז נאַציזם שטאָלצירט ניט אויף דער גאַס, אָבער פאַרפאָלגט נאָך אַלץ זייער שטאַרק דעם חלום פון אומצייליקע אידן. אַלס משל ברענגט אַטוואָוד זיין געשפּרעך מיט אַ אידן אין דאַרמשטאַט, אַ קראַנקן מענטשן, אַ קרבן פון היטלער רציחות, אַ פּאַראַליזירטער אין רעזולטאַט פון די נאַצישע עקספּערימענטן אין בוכענוואַלד. דער נאָמען איז אַרטור שטיינבעק. די שטאָט פאַרוואַלטונג גיט אים 30 דאָלער אַ מאָנאַט, בעת אַ מיליטערמאַן פון העכערן

ראנג, וואָס האָט גערינט אין דער היטלער ארמיי באקומט איבער 200 דאָלער א חודש. מעגלעך, אז זיי וועלן באדארפן ווידער די מיליטער לייט, אָבער מיר וועלן זיי שוין קיינמאָל ניט באדארפן. דער איד שטיינבעק האָט מיט פארביטערונג גערעדט וועגן זיין קעגנווארט, מיט צאָרן אויף זיין פארגאנגענהייט און מיט אומעט וועגן זיין צוקונפט און צום סוף פון געשפרעך געפרעגט ביי אטוואוד: „זאָג מיר ווען דו וואָלסט געווען א איד, וואָלסטו דען געלעבט אין דייטשלאנד?" אויף וואָס אטוואוד האָט געשאָקלט מיטן קאָפּ. (מסתמא אלס תשובה אויף ניין! פ. ש.)

די דייטשן — דערציילט אטוואוד — האָבן היינט א גרויסן דרך ארץ פאר אידן, דאָס איז געשען אין רעזולטאַט פון דער עטאַבלירונג פון דער אידישער מדינה, אין רעזולטאַט פון דעם זיגרייכן קאַמף, וואָס צבא הגנה לישראל האָט צו פארצייכענען איבער די אַנפאלער. א העברעער אַמעריקאנער באאמטער זאָל האָבן געזאָגט אטוואוד'ן, אז איינשטיינ'ס וויסנשאפטלעכע דערגרייכונגען האָבן אַזוי ניט באאיינדרוקט די דייטשן, ווי די אידישע זיגן אויף די מיליטערישע פראָנטן.

דייטשלאנד שרייבט אטוואוד האָט געליטן א טראגישן פארלוסט מיטן אומברענגען און מיט דער דעפּאָרטאציע פון אידן. אידן זענען געווען אין דייטשלאנד דער דינאמישער כח אין האנדל און אין דער קולטור, האָבן געגרינדעט בענק, סטימולירט איר קונסט, באריייכערט איר וויסנשאפט און ליטעראטור. אלס משל ברענגט אטוואוד די שטאָט פראנקפורט, וואָס האָט געהאט א אידישע געמיינדע פון 35.000 אידן, וואָס האָט מיט זיך פאָרגעשטעלט א רייכן קולטור צענטער, די אידן זענען עס געווען די טעאטער באזוכער, די אָפּערע צושויער, די אידן האָבן דאָס באריייכערט די קאסע פון די טעאטערן און אָפּערעס. היינט לעבן אין פראנקפורט בלויז 250 אידן. די אָפּערע פּוסטעוועט, און פראנקפורט איז א שטאָט היינט אָן כאראקטער, א שטאָט, וואָס האָט פארלאָרן די נשמה.

סענסיטיווע דייטשן, דערציילט אטוואוד זענען זייער באזאָרגט פון דעם פארלוסט. זיי האָפן, אז אידן וועלן צוריקקומען קיין דייטשלאנד, אָבער פירט אויס אטוואוד — זייער פיל דאַרף נאָך פון ביידע זייטן געטאָן ווערן, ביז דער קלימאט וועט זיין א פאסנדער.

געוויסע דעפּוטאַטן פון בונדעסטאג סטימולירן א פּלאן צו געבן א סקאָלערשיפּ פאר 500 סטודענטן פון ישראל, זיי זאָלן קומען שטודירן קיין דייטשלאנד, בכדי צו שאפן א געמיינזאמע פארשטענדניש צווישן ביידע פעלקער.

א גרופּע מענטשן, וועמענס צאָל עס דערגרייכט 30.000 פון אידישן אָפּשטאַם — דערציילט אטוואוד — באַשעפטיקן זיך מיט אָרגאניזירן גרופּן פאר פארבעסערן די אידיש-דייטשע באַציאונגען. זיי באטראכטן זיך אלס א בריק צווישן אידן און דייטשן, היות זיי האָבן אליין געליטן פון היטלערן, אלס אידישע אָפּשטאַמיקע, באַטראַכטן זיי זיך אלס די פּאסנדע פארמיטלער פאר דעם צוועק, ווייל זיי קענען פריי ריידן צו ביידע צדדים.

אטוואוד דערציילט, אז דר. לעווין האָט אים פאנאנדערגעטיילט די

דייטשן אין פאָלגנדע דריי קאַטע־גאָריעס לויט זייערע באַציאונגען צו אידן, נעמלעך: 30 פּראָצענט נעאָ־ראַטישע נאַציס; 10 פּראָצענט סימ־פּאַטיש צו אידן און 60 פּראָצענט נייטראַלע, אומדיפערענטע, שטיל שווייגנדע, גרייט אָנצונעמען יעדער פּראָגראַם, וואָס וועט פון אייבן באַ־שטימט ווערן.

היות די פירער פון היינטיקן דייטשלאַנד זענען מענטשן פון גוטן ווילן, מיינט מען, אַז עס איז זיך ני־טאָ פאַרוואָס צו שרעקן.

א כאַראַקטעריסטישן געשפּרעך האָט אשוואוד געהאַט מיט דעם רע־דאַקטאָר פון דער אידישער צייטונג „אַלגעמיינע וואָכענצייטונג" קאַרל מאַרקס, וועלכער האָט נביאות גע־זאָגט, אַז בקרוב וועלן אידן אָנהויבן צו קומען קיין דייטשלאַנד, אָבער באַלד האָט ער זיך צוריקגעכאַפּט און צוגעגעבן: „איך וואָלט קיינמאָל ניט אַריינגעלאָזט א דייטש אין מיין שטוב, איידער איך וואָלט אויסגעפּאָ־נען זיין פאַרגאַנגענהייט".

אידן לעבן אין דייטשלאַנד, ווייל זיי האָבן ניט קיין אַנדער ברירה — אַנדערע, ווייל זיי האָבן דאָרט פאַר־מעגן, אַנדערע ווייל זיי זענען שוין אַלט צו עמיגרירן, צו מיד זיך אויס־צוּוואָרצלען פון א לאַנד, וואָס איז נאָך אַלעמען געווען זייער לעבנס־לענגלעכע היים.

עס איז אויך ניט צו דערוואַרטן קיין צוריקקער פון אידן קיין דייטש־לאַנד, ווער וויל דען דאָס קומען צו־ריק אין א לאַנד אַריין און לעבן צווישן אַזוי פיל רוחות?

ווי עס שיינט, קומט אטוואוד צום אויספיר, וועט דאָס איינזאַמע לעבן פון אידן אין דייטשלאַנד ווערן איינ־זאַמער. דער דורכשניטלעכער עלטער פון די אידן דאָרט איז 52 יאָר. 6 טעג האָט אטוואוד'ן גענומען צו גע־פינען א אידן, וואָס איז יינגער פון 40 יאָר.

אויף 3.500 קהילות, וואָס האָבן פריער עקזיסטירט אין דייטשלאַנד זענען נאָר 106 רעקאָנסטיטואירט געוואָרן. פון זיי וועלן נאָר צוויי עק־זיסטירן אין 20 יאָר אַרום אין בער־לין, און אין מינכען.

* * *

אַזוי ווערט געשילדערט אידיש לעבן אין היינטיקן דייטשלאַנד, גע־זען דורך די ברילן פון א רעדאַקטאָר פון א אַמעריקאַנער וואָכנשריפט, וואָס האָט געהאַט די אַמביציע צו זיין אָביעקטיוו און אַריינבליקן טיף אין דער נשמה פון פאַרבליבענע אידן, אויסגעפינען די סיבות פאַרוואָס אידן זענען געבליבן דאָרט, און זיך דער־גרונטעווען צו דער פּסיכיק פון יעדן, צו זיינע מחשבות וועגן דעם אייגע־נעם גורל אויף מאָרגן.

* * *

לאָמיר האָפן, אַז בקרוב וועט קומען דער טאָג, ווען די איינזאַמע, פון נויט געצוואונגענע פאַרבליבענע אידן אין דייטשלאַנד, וועלכע לעבן דאָרט אין פּחד, קענען זייער ווילן — וועלן באַ־קומען אַ מעגלעכקייט אויסצואוואַנ־דערן, צו פאַרלאָזן די אין אידיש בלוט אויסגעווייקטע דייטשע ערד, און געפינען זייער היים אין אונזער היימלאַנד — אין מדינת ישראל.

ניט נאָר וועלן אידן זיך ניט אומ־קערן קיין דייטשלאַנד, נאָר די שא־רית הפליטה — די פאַרבליבענע וועלן אויך די פאַרשאָלטענע ערד פון דייטשלאַנד פאַרלאָזן, הלואי זאָל דאָס געשען וואָס שנעלער.

perfume




## de REJANE

**Domine los corazones...los reyes...y las reinas...con el perfume que impóne la suerte, - tanto en el juego como en el amor!**

*Cortesía*

*de*

# The Trust Company of Cuba

AGUIAR Y OBRAPIA

Habana




## מיט וועמען בין איך?...

אין רעליגיעזן וועלטל זענען פאָר־געקומען גאַנצע איבערקערענישן. איך וואָלט געזאָגט „רעוואָלוציעס". נאָר דאָס וואָרט פּאַסט זיך ניט פאַר די רעליגיעזע קלייזלעך. די איבערקערע־ניש איז געקומען אַזוי פּלוצלינג, ווי עס וואָלט ערגעץ געפּלאַצט א בלאָ־טער... איז דאָך א סימן אַז ערגעץ איז געווען א געשוויר. אַז ניט איז דאָך ניט געווען וואָס עס זאָל פּלאַצן...

נאָר דאָס אַליין איז נאָך גאָרניט. איך זיץ און טראַכט בלויז: מיט וועמען בין איך? בין איך פאַר דער קהילה, אָדער קעגן דער קהילה? בין איך מיטן „עדת ישראל" אָדער קעגן אים? בין איך פון „כנסת ישראל" אָדער קעגן כנסת? נו יאָ, מיט וועמען בין איך? אדרבה, זאָגט איר אַליין? כ'מיין, זאָגט מיר טאַקע! — זאָגט צו מיר א איד וואָס איז אויס־געקאָכט אין דעם רעליגיעזן טייגל. עס איז איצט ביי א אים א פּראָבלעם, דאָס ער ווייסט ניט צו וועמען ער געהערט און מיט וועמען ער גייט.

אדרבה, טוט עס א נעם די עניי־נים און הויבט אָן אַנאַליזירן. געוועזן א קהילה און לאָמיר אויך אָננעמען, אַז עס איז דאָ ווידער א קהילה. מיט איינמאָל נעמט די קהילה און מאַכט קעגן זיך אַליין אַן איבערקערעניש און ערקלערט פאַר כל עם ועדה, אַז זיי זענען „עדת ישראל". זיי האָבן פּלוצלינג אָדורכגעפירט וואַלן און דערקלערט, אַז זיי זענען דאָ. פרעגט מען זיי: און די קהילה? —

— וואָס ווייסן מיר פון א קהילה? וואָס גייט אונז אָן די קהילה?

— און דער לאָקאַל?

— דער לאָקאַל איז געוועזן „עדת ישראל", איז „עדת ישראל" און וועט שוין אַזוי זיין „עדת ישראל"...

— נו, און מיטן רב?

— וואָס ווייסן מיר פון א רב? מיר געהערן זיך ניט אָן! עס איז דאָ א קהילה, עס איז דאָ א פּאַטראָנאַט, איז זאָלן זיי זיך זאָרגן! מיר זענען בלויז די חשובע באַלעבאַטים, די פריינט און סימפּאַטיקער פון „עדת ישראל", האָבן מיר זיך צוריק אָר־גאַניזירט און שוין!...

— נו, און דער „כנסת ישראל"?

— דער „כנסת ישראל" איז ניט אונזערער! מיר זענען „עדת'ניקעס"! מער גאָרניט!...

אָפּגעזאָגט, אָפּגעטאָן, א קלאַפּ געט־טאָן אין באַלעמער:

— רבותי! אויס נדרים פאַר דער קהילה, אויס נדרים פאַרן רב, אויס נדרים פאַר תחכמוני שול!... אויס!

בלויז פאר עדת! און וויסן זאָלט איר זיין קינדערלעך, אז ביי אונז דאַרף מען ניט צאָלן קיין הונדערטער דאָלאַרן, קיין פופציקער און קיין פינפאונצוואנציקערס. גענוג פאר אונז איין דאָלער! פאר איין דאָלער קענט איר ווערן א „מעמבער" און איר וועט נאָך באַקומען אַריינגעשיקט פרייע טיקעטס אויף ימים נוראים. און דאַווענען ביי אונז וועט א חזן, וועט זיין וואָס צו הערן!...

— פאראַיאָרן האָט דאָך דער זעלבער חזן געדאַוונט פאר דער קהילה?

— נו איז וואָס?

— איר וועט דאָך דערמיט שטערן דער קהילה?

— חלילה! חלילה! מיר זוכן קיינעם ניט צו שטערן!

— אָבער איר שטייט דאָך זיי אין וועג! איר מאַכט דאָך א סוף צו אַלע זייערע פּלענער!

— נישקשה, נישקשה קינדערלעך! עס איז דאָ פאר אַלעמען! די קאָלאָניע איז גענוג רייך! זי האָט פאר אַלעמען! אָט זעט איר דאָך: עס איז דאָ צוויי בית עולמ'ס אין האוואנא און ביידע לעבן... ניט אַזוי קינדערלעך?

מוזן מיר אָננעמען, אז דעם דאָזיקן פיל האָבן מיר שוין אַראָפּגעשלונגען און שאַ שטיל!... איז נעמט ווידער דער „כנסת ישראל" און גייט אוועק צום אידישן צענטער און דינגט אָפּ א לאָקאַל. איז לאָזט זיך אויס אז דער כנסת איז אוועק מיט דער קהילה און דער לאָקאַל איז טאַקע געדונגען געוואָרן מיט דער כוונה אַריינצוזעצן דאָרט דעם רב מיט זיין קהילה...

האָט מען זיך ערגעץ ווידער דערשראָקן. מען איז געגאַנגען אַראָפּ־וואַרפן די קהילה, האָט מען זי גאָר אויפגעהויבן א שטאָק העכער און נאָך וואו? אין אידישן צענטער!... ניט קיין קלייניקייט!

די גאַנצע זאַך האָט אַריינגעבריינגט א צעמישונג אין די כלי קודש ווינקעלעך. עס ווייזט זיך אַרויס, אז אַלע זענען קלוגע פּאָליטיקער און מען האַלט זיך אין איין איבערקלוגן... מיט וואָס דאָס וועט זיך ענדיקן, ווייסט קיינער ניט. זיי אליין ווייסן נאָך אויך ניט. נאָר עס פילט זיך שוין א קריגס שטימונג, וואָס וועט זיך ערשט צעפלאַקערן נאָך די ימים נוראים. טאָמער האָט די קהילה געהאַט ווייניק קאָפּ ווייטאָק ביז איצט, איז איר צוגעקומען די איבערקערעניש פון „עדת ישראל".

א סך פון די אידן פון רעליגיעזן ווינקל פרעגן זיך איצט אליין: מיט וועמען גייען מיר? מיט וועמען זענען מיר און וואָס זענען מיר? זענען מיר פון „כנסת" מיט דער קהילה אָדער אָן דער קהילה? זענען מיר קהילה אליין אָדער מיט „עדת ישראל" אָדער קעגן „עדת ישראל"...? וואָס זענען מיר?...

איך אליין וואָלט אויך די דאָזיקע פראגע ניט געקענט פאַרענטפערן. פונקט ווי איך קען ניט פאַרענטפערן א סך זאכן וואָס האָט צו טאָן מיטן רעליגיעזן געזינדל.

א איד איז אפילו געקומען צו מיר מיט א טענה:

— דער אידישער צענטער האָט אַריינגערוקט א מעסער אין רוקן פון אונזער אינסטיטוציע!

— פון וועלכער אינסטיטוציע זייט איר?

— איר ווייסט דען ניט? פון „עדת ישראל"!

— נו איז וואָס מיינט איר?

— וואָס מאכט איר זיך ניט וויסנ־דיק? מען האָט גענומען און פּאַרדונ־גען אונזער גרעסטן קעגנער! עס איז דאָך אויך אייער קעגנער!...

— איז ערשטנס, האָב איך ניט פּאַרדונגען! ניט געוואוסט אפילו!... מיר דאכט זיך אז דער צענטער אליין האָט אויך ניט געוואוסט, אז ער פּאַרדינגט דער קהילה! ער האָט פּאַרדונגען דעם כנסת ישראל... איבע־ריקנס: דער צענטער האָט גענדאַרפט א „קוואַרטיראַנט" האָט ער פּאַרדונ־גען!

דערציילט מען איצט אז מען האלט אין איין דראָען דעם צענטער:

— מען וועט ניט צאָלן! מען וועט אים אָנלערנען! מען וועט און מען וועט! נאָר מיר דאכט זיך אז מיט די אלע זאכן וואָס מען וויל אים באַ־שטראָפן, איז ער שוין פון לאַנג באַ־שטראָפט געוואָרן... אז מען קומט אויף די עלטערע יאָרן, אָנשטאָט צו האָבן אן אייגן שטיקל הויז, איז דאָרף מען גאָר אַריינעמען א קוואַרטי־ראַנט, ווי עס זאָגן די אמעריקאַנער, א „באָרדער"... נו איר קענט דאָך די באָרדערס, אַזוי שנעל ווי זיי ציען זיך אריין הויבן זיי אָן קריכן צו דער מיסעס...

א גרויסער זכות וועט אָבער ביי־שטיין דעם צענטער. מען וועט יעדן טאָג האָבן א מנין צום דאווענען און מען וועט בעטן דעם וואָס לעבט איי־ביק, ער זאָל דעם צענטער געבן כח אויסצוהאלטן די קלעפּ וואָס ער באַ־קומט פון דער דירעקטיווע פון איין זייט, פון די מיטגלידער פון דער צווייטער זייט און פון פּאַטראָנאַט אין דער דריטער זייט... און אַזוי ווי דער צענטער האָט פיר ווענט, איז נאָך פאַרבליבן א וואַנט וואָס האָט ניט געכאַפּט קיין קלעפּ... אַזוי אז די וואָס געפינען זיך באַרעכטיקט און מיט כח, קענען קומען אויסנוצן זיי־ערע פייאיקייטן און אַספּיראַציעס. דער אויסגעדינטער גענעראל מיט די עפּאָ־לעטן גלאַנצט נאָך מיט דער שילד וואָס איז איצט אָפּגעפּרישט געוואָרן: א י ד י ש ע ר צ ע נ ט ע ר א י ן ק ו ב א!

---

## קָרוב למלכות . . . .

זאָגט צו מיר א איד:

— איר טרינקט א שוואַרץ קאַ־ווע?

— איך טרינק!

— ס'איז א גוטע קאווע!

— יאָ, ס'איז גוט!

— א הייסער טאָג!

— יאָ, היים!

— איז וואָס הערט מען נייעס?

— וואָס זאָל מען הערן?

— כ'מיין, וואָס שווייגט איר?

— וואָס מיינט איר?

— כ'מיין טאקע, א גרויסע זאך דער ענין קאָנסול און קאָנסולאַט! איר זייט דאָך איצט קרוב למלכות... איר טוט זיך א נעם א וויזע און איר פאָרט... ווען נאָר איר ווילט. ביי מיר הייסט עס אַרויפגעאַרבעט! קאַפּלאַן איז היינט מלכות! מען זאָגט אז ער נעמט גאַרניט פאַר דער אַרבעט! ער איז א קאָנסול וואָס נעמט ניט קיין געהאלט! זעט איר, דאָס געפעלט מיר ניט שטאַרק! מען האָט גענדאַרפט באַצאָלן! נאָר צוריק גערעדט: איז דאָך עס א כבוד! מען זאָגט אפילו, אז עס זענען דאָ אין דער קאָלאָניע אידן, וואָס וואָלטן

נאָך צוגעצאָלט א צען טויזנט דאָ־
לער, מען זאָל זיי געוועזן מאַכן פאַר
א קאָנסול... נאָר איך זאָג אייך: א
פייג פאַר וועלן! מען דאַרף זיך דער־
דינען!... קאַפּלאַן איז עס ווערט! ער
האָט גענוג געטאָן! כ'זאָג אייך: ווען
מען מאַכט א פּלעביסציט אין דער
גאַנצער אידישער קאָלאָניע, וואָלטן
אַלע געשטימט פאַר קאַפּלאַנען. איר
ווייסט וואָס נאָך איך וועל אייך
זאָגן? ווען חלילה א צווייטער ווערט
קאָנסול, וואָלט עס אַלעמען פאַר־
דראָסן... איר קענט דאָך אונזער קאָ־
לאָניע! צו קאַפּלאַנען האָט קיינער
גאָרניט! ער האָט ניט קיין קעגנער!
און טאָמער וועט איר געפינען עטלע־
כע קעגנער, זענען זיי קעגן אַלץ...
עס איז א גרויסער כבוד פאַר דער
אידישער קאָלאָניע, דאָס וואָס מיר
האָבן שוין א קאָנסולאַט!

— וואָס זאָגט איר, האַ?

— וואָס האָב איך צו זאָגן?

— כ'מיין איר זייט דאָך, קרוב
למלכות! איר ווייסט דאָך בעסער!
עס איז דאָך א נחת און א כבוד. אז
איינער וועט וועלן פאָרן אין ישראל,
דאַרף מען שוין ניט אוועקשיקן דעם
פּאַס אין ניו יאָרק, מען גייט אַריין
אין אידישן קאָנסולאַט אַריין, קאַפּ־
לאַן שרייבט אונטער און מען פאָרט.
עס איז וואונדערבאַר!

---

## א פאַרהאַנג...

אז דער נייער פרעזידענט פון אי־
דישן צענטער האָט איבערגענומען
זיין בכבודיקן אמט, האָט ער זיך
אַרומגעקוקט, אז דאָס איינציקע וואָס
עס פעלט דעם אידישן צענטער אין
קובאַ איז א פאַרהאַנג פאַר דער בינע.
האָט ער גענומען באַאַרבעטן איין
נדבן און א צווייטן און עס איז
עפּעס ניט געגאַנגען. האָט ווער גע־
מאַכט א שמחה, האָט אים דער פרעזי־
דענט פאַרגעלייגט אויפצוטאָן עפּעס
א גוטע זאַך, ער זאָל קויפן א פאַר־
האַנג, דער צענטער זאָל ניט שטיין
קיין נאַקעטער...

די צייט שטייט ניט. דאָס יאָר
פרעזידענטשאַפט האָט זיך שוין באַלד
געענדיקט און צו קיין פאַרהאַנג איז
ניט געקומען. האָט דער פרעזידענט
געמאַכט אַן אַפּיל ביי דער דירעקטי־
ווע זיי זאָלן זיך באַשטייערן צו קויפן
א פאַרהאַנג, ביי א טייל ציוניסטן
האָט ער שוין גענומען באַשטייערונ־
גען, עס פעלט אזוי אַרום בלויז, אז
די דירעקטיווע זאָל צולייגן א האַנט.

די אַקטיוויטעטן פון אידישן צענ־
טער זענען געראַטעוועט. דער פרעזי־
דענט האָט אָנגעהויבן זיין פּעריאָד
מיטן פאַרהאַנג און וועט ענדיקן דאָס
יאָר מיטן פאַרהאַנג... דער צענטער
וועט מער ניט אויסגעשטעלט ווערן
צו נאַקעטקייט...

עפּעס האָט עס אין זיך סימבאָלי־
שעס: נאָך אזויפיל יאָרן פון רייכ־
קייט, שטייט דער צענטער א נאַקע־
טער און בעט זיך ביי דער פאַרוואַל־
טונג מ'זאָל אים באַקליידן, כדי ער
זאָל קענען טראָגן אויף זיך דעם
„המשך" וואָס די היסטאָריע פון אי־
דישן ישוב האָט איר אָנגעצייכנט.

דער פאַרהאַנג וועט שוין זיין!
דער פאַרהאַנג וועט פאַרדעקן און ניט
לאָזן זען די בלויזן פון דעם כשופ־
דיקן שילדל: „צענטראָ איסראַעליטאַ
דע קובאַ"! ווען איך וואָלט געוועזן
אביסל מליצה'דיק געשטימט, וואָלט
איך א קרעכץ געטאָן און געזאָגט:

— פון איין זייט בויט מען א גע־ביידע פאַרן המשך!...

— פון דער צווייטער זייט מאַכט מען א פּאַרהאַנג פאַרן המשך!...

אַז ליים און ציגל וועלן זיך באַגע־גענען ביי די רעלסן פון פּאַרהאַנג המשך, וועט זיין קיום. דער סימבאָל אָדער דער עמבלעם פון דער געביידע וואָלט געדאַרפט זיין א פּעלעשעלע מילך וואָס די ערשטע אימיגראַנטן האָבן באַקומען אין דעם ערשטן גע־בוירענעם אידישן צענטער. אַז מען וועט דאָס געדיינקען וועט זיין פאַר־שטענדעניש און א צוזאַמענשמעלץ פון שלום.

ביי אונז אין די געדאַנקען דאַרף שטענדיק זיין אויסגעקריצט דאָס וואָרט:

— זאָלסט געדיינקען! זאָלסט גע־דיינקען!

אויב מען וועט געדיינקען, וועט ניט דאַרפן קומען דער מאָמענט אַז דער צענטער אָדער א צווייטער צענטער זאָל דאַרפן אויסשטרעקן די האַנט און בעטן מיט רחמנות:

— שיינקט עפּעס פאַר אן אָרעמאַן!

— שיינקט עפּעס פאַר א בלינדן!

— שיינקט עפּעס פאַר א קאַליקן!

— שיינקט עפּעס!...

אַז מען לעבט אויף רחמנות שטאַרבט מען אין פרעמדע תכריכים...



## מען זאָגט...

מען זאָגט, אַז מיטן אידישן צענ־טער איז געשען דאָס זעלבע ווי מיט יעקב אבינו...

איר ווייסט דאָך די געשיכטע פון יעקב אבינו, אַז ער האָט געאַרבעט זיבן יאָר ביי לבן׳ען, ער זאָל אים געבן רחל׳ען פאַר א ווייב, האָט ער אים גאָר אַריינגעטאָן לאה׳ן מיט די פאַרוויינטע אויגן... אַזוי ווי עס איז געווען פינסטער ביינאַכט האָט יעקב אבינו ניט געקענט זען, ווי ער איז אָפּגענאַרט געוואָרן און ווייל יעקב האָט ניט געוואָלט פאַרשעמען א אי־דישע טאָכטער, האָט ער זיך גע־שטעלט אַרבעטן נייע זיבן יאָר, פאַר רחל׳ען.

עפּעס ענלעכעס איז געשען מיטן צענטער. ער האָט פאַרדונגען א טיר, צום „כנסת ישראל", און אַריינגע־צויגן האָט זיך גאָר די קהילה...

לצים זאָגן אפילו, אַז דער צענטער קלייבט זיך איצט צו פאַרדינגען א צווייטע טיר פאַרן אָפּגעריסענעם פליגל פון „עדת ישראל"...

וועט מען אַזוי אַרום קענען בלייבן גוט מיט אַלע צדדים פון רעליגיעזן וועלטל...

דער אידישער צענטער דאַרף בלויז היטן דאָס „שילדל" און דאָס טוט ער, דורך לעבעדיקע און דורך טויטע... ווי עס איז לעצטנס באַוויזן געוואָרן.

---

מען זאָגט, אַז הרב ראָזענבוים האָט זיך שוין צוריק איבערגעבעטן מיט ר׳ באָכנער.

קען מען שוין דערוואַרטן ישועות פאַר אידן אין דער אידישער קאָלאָ־ניע...

---

מען זאָגט, אַז ביי דער דערעפע־נונג פון ישראל קאָנסולאַט האָט זיך געגאָסן שאַמפּאַן ווי וואַסער. די טרינקערס האָבן געקלאַפּט מיט די ציינער און ניט געוואָלט גלויבן, אַז אַזא טעם האָט טאַקע שאַמפּאַן...

אונזער דוד'ל אוטיאנסקי, האָט גע־
האַט אן ארבעט, צו שווערן, אז עס
איז עכטער שאַמפּאַן...

---

מען זאָגט:

אַ אידיש מיידעלע איז געשטאַנען
פאררוקט אין אַ ווינקל און געפליר־
טעוועט מיט אַ מולאטיקאַ, איז פאר־
ביינעגאנגען אַ איד און געכאַפּט אַ
זייטיק בליק, האָט דאָס מיידעלע
גאַנץ פרעך זיך אויסגעדרייט צום
אידן און אַ זאָג געטאָן:

— וואָס קוקסטו, שמוציקער פּאַ־
לאַקאָ! ער געפעלט מיר בעסער ווי
דו!...

קאָמענטאַרן זענען איבעריק...

---

## כבוד...

כבוד איז אַ גוטע זאַך. אז מען
פארדינט כבוד און מען גיט עס,
איז עס זייער אַ בכבודיקע זאַך.
לויפן נאָך כבוד איז זייער מיאוס...
וואָס קלענער דער מענטש איז —
אלץ מער כבוד וויל ער אריינכאַפּן,
ער ווענדעט אָן אלע מיטלען אריינ־
צוכאַפּן אין איין אָטעם דאָס ביסל
כבוד, וואָס ווערט שיער ניט אַ
גרויסער אומכבוד...

דאָס איינציקע בארעכטיקטע איז:
טאָמער וויל ווער פון דיר אוועק־
נעמען אביסל כבוד, זאָלסטו זיך ניט
לאָזן.

ביי אַ געוויסער אונטערנעמונג
האָט זיך אַ איד געבעטן מ'זאָל אים
לאָזן זיצן אין פּרעזידיום. ער אליין
דאַרף גיט קיין כבוד! ער טוט עס
בלויז צוליב דער פרוי!... זאָל זי
זען, אז ער איז ניט אבי וואָר!...

זעט איר וועגן אַזאַ מין כבוד,
איז שוין שווער צו אנטשיידן...

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

# El Francés

trade mark HNOS BEREZDIVIN

Muralla y Compostela

Importadores de tejidos y fabricantes de trajes

Telefono M-3644

* * * *

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע פריינט, קליענטן און באַקאַנטע און ווינטשן זיי אַ יאָר פון גליק, פרייד און פראָספעריטעט!

לשנה טובה תכתבו!

# א שטאָט פון דריי מיליאָן מענטשן וואָס זינקט אין דער ערד...

פון **חיים לאַזדייסקי**

---

אין א גרויסער און פּאָפּולערער מעקסיקאַנער צייטונג איז די טעג געווען געדרוקט זייער אַ גלענצנדע און פיל־זאָגנדיקע קאַריקאַטור פון באַקאַנטן מעקסיקאַנער צייכענער און קאַריקאַטוריסט, אַריאַס בערנאַל: צוויי אַמעריקאַנער טוריסטן, וואָס ווערן געפירט דורך די מעקסיקאַנער טוריסטן־פירער כדי צו זען מערקווירדיקייטן פון מעקסיקע, שטעלן זיך אָפּ לעבן א בראָנזאָנער האַלב־קיילעכדיקער פּלאַטפאָרמע, וואָס שטעקט אַרויס פון דער ערד און אין וועמענס שפּיץ מען זעט דעם מעקסיקאַנער נאַציאָנאַלן עמבלעם, דעם אָדלער מיט צעשפּרייטע פליגלען, וואָס בייסט איין דעם האַלז פון א שלאַנג. עס איז שוין דאָס יאָר 2.000 און איינער פון די טוריסטן פרעגט ביי דעם וועגווייזער און פירער:

— דאָ איז דער פּלאַץ וואו דער באַרימטער אָדלער פון די אַצטעקן האָט אויפגעגעסן דעם שלאַנג?

— ניין! — ענטפערט גאַנץ קאַלטבלוטיק דער מעקסיקאַנער טוריסטן־פירער — דאָ איז געווען אַמאָל דער קופּאָל פון אונזער „פּאַלאַסיאָ דע בעיאַס אַרטעס" (פּאַלאַץ פון שיינע קונסטן).

אָט אַזוי לאַכן די מעקסיקאַנער פון זייערע אייגענע צרות און פון די צרות פון זייער באַליבטער הויפּטשטאָט, די אַזוי גערופענע „שטאָט פון פּאַלאַצן". אָט אַזוי זעט אַריאַס בערנאַל מיט זיין שאַרפן און סאַטירישאיראָנישן בלייפעדער ווי אַזוי דער „פּאַלאַץ פון שיינער קונסט", וואָס געפינט זיך אין סאַמע צענטער פון מעקסיקאָ סיטי, וועט אויסזען אין גענויע 50 יאָר אַרום, אויב עס וועט אָנהאַלטן מיט דעם ביז איצטיקן טעמפּאָ די איינזינקונג פון דער מעקסיקאַנער מעטראָפּאָליע. און בערנאַל איז ווייט ניט דער איינציקער. אַנדערע קאַריקאַטוריסטן מאַכן עס נאָך בייסיקער און שאַרפער, ווי מיר וועלן דאָ באַלד זען.

אָט מיט אַזאַ „געלעכטער מיט יאַשטשערקעס", לאַכן די מעקסיקאַנער, מיט זייער כאַראַקטעריסטישער גוטמוטיקייט און נאַאיוויטעט, פון א ביטערן פּראָבלעם, וואָס שטייט אויפן

סדר היום פון מעקסיקע זינט צענדליקער יאָרן. געאָלאָגן און פיזיקער ברעכן זיך די קעפּ וואָס צו טאָן, כדי צו אויסמיידן די איינזינקונג פון דער מעקסיקאנער הויפּט־שטאָט. עס איז אַ פעסטגעשטעלטער פאקט, אז מעקסיקאָ סיטי זינקט כסדר אלץ טיפער אין דער ערד. אין משך פון די לעצטע פופציק יאָר איז דער פונדאמענט פון דער הויפּט־שטאָט איינגעזונקען מיט געוויסע צען מעטער טיפער. א סך סיבות האָבן בייגעשטייערט דערצו.

די מעקסיקאנער שיינע הויפּט־שטאָט, וואָס איז אַרומגערינגלט מיט הויכע בערג און אויסגעלאָשענע וואולקאנען, איז געגרינדעט געוואָרן דורך די אַצטעקישע אימפּעראַטאָרן מיט געוויסע זעקס הונדערט יאָר צוריק, טאקע אויפן פּלאץ וואו — לויט דער אוראַלטער מעקסיקאנער לעגענדע — דער סימבאָלישער אָדלער האָט געביסן די האלז פון א שלאנג. דער פּלאץ איז אָבער דאן געווען איין גרויסער זומפּ און פול מיט וואסער. אודאי האָט עס די אַצטעקן פון פינף הונדערט יאָר צוריק ניט געארט. זייער שטאָלצע הויפּט־שטאָט „טענאָטשטיטלאן" איז ביסלעכווייז אויסגעטריקנט געוואָרן, אָבער די כאראקטעריסטיק פון דעם באָדן, די זומפּיקע פייכטקייט, איז איבערגעגאנגען בירושה צו די שפּאנישע דעראָבערער פון מעקסיקע און צו דער זעלבסטשטענדיקער רעגירונג פון דער מעקסיקאנער רעפּובליק. עס איז ניט מעגלעך צו גראָבן היינט אין מעקסיקע, אויף געוויסע פּלעצער, א מעטער אין דער טיף און ניט צו געפינען וואסער.

די מעקסיקאנער הויפּטשטאָט ציילט היינט געוויסע 3 מיליאָן איינוואוינער, וואָס באַפעלקערן דעם טיפן טאָל, וואָס ליגט צווישן די בערג און וואולקאנען, דער אזוי גערופענער „וואַיע דע מעכיקאָ" (דער טאָל פון מעקסיקע). אָבער דער פייכטער און לויזער באָדן פון דער הויפּט־שטאָט שאפט אלץ גרעסערע און ערנסטערע פּראָבלעמען פאר דער שטאָט־רעגירונג פון מעקסיקאָ סיטי.

מיט צוואנציק יאָר צוריק איז געווען א פּלאן צו אויסבויען אונטער דער ערד פון מעקסיקאָ סיטי אן אונטערערדישע באן, ווי אַנדערע גרויסע וועלט־שטעט, ווי ניו יאָרק, לאָנדאָן, בוענאָס איירעס און אַנדערע האָבן עס. פאר אזא שטאָט ווי אונזערע, וואָס וואקסט ווי אויף הייוון און וואו דער פארקער ווערט מיט יעדן טאָג ממש אלץ גרעסער און גרעסער, וואָלט אזא סאָבוויי אָדער „סובטערראנעאָ", געווען אַ רעטונג ממש. אָבער די ספּעציאַליסטן אינזשעניערן, וואָס זענען געבראכט געוואָרן פון אַמעריקע, האָבן פעסטגעשטעלט, אז דאָ קען מען ניט בויען אזא אונטערערדישע באן, ווייל די טונעלן וואָלטן פארפּליצט געוואָרן מיט וואסער און זיי וואָלטן פאראורזאכט שרעקלעכע קאַטאַסטראָפעס.

די וואָס בויען הויכע געביידעס אין מעקסיקאָ סיטי מוזן גוט זאָרגן וועגן א שטאַרקן פונדאַמענט און דערפאר זענען גאָרניט פאראן קיין וואָלקן־קראַצערס דאָ אין שטאָט. עס זענען פאראן עטלעכע הויכע געביידעס וואָס האָבן מער ווי צוואנציק שטאָק. זיי שטייען אין סאַמע צענטער פון דער שטאָט, אָבער זייער פונדאַמענט ווערט אויסגעגאָסן פון שטיין און אייזן און ער וואַרט ספּעציעל אויפגעהויבן מיט עטלעכע מעטער איבער דער אויבערפלאך פון דער

ערד, כדי צו לאָזן פּלאַץ פאר דער איינזינקונג, וואָס מוז קומען.

דער בעסטער ביישפּיל פאר דעם איז טאקע דער שוין דערמאָנטער „פּאלאַסיאָ דע בעיאַס ארטעס“, אויף וועמענס חשבון עס לאָזן זיך וואוילגיין די מעקסיקאנער קאריקאטוריסטן. דאָס איז א וואונדער־שיינע געביידע אינגאנצן פון ווייסן מארמאָר, וואָס איז א קונסט־ווערק אין הינזיכט פון ארכיטעקטור און דעקאָראציע פון אינעוויניק. אין דעם פּאלאַץ געפינט זיך דער מעקסיקאנער נאַציאָנאלער טעאטער און נאַציאָנאלע אָפּערע. די באַרימטע מעקסיקאנער מאלער פירן דאָרט דורך פּערמאנענטע אויסשטעלונגען פון זייערע קונסט־ווערק. און אָט דער פּאלאַץ זינקט כסדר אין דער ערד, צוליב זיין שווערער וואָג. דאָס קען מען לייכט זען, ווען מען גייט נאָר צו נאָענט און מען גיט א קוק אויף די טיפע און ברייטע שפּאלטן וואָס רינגלען אַרום דעם פונדאמענט פון דער געביידע אויפן טראָטואר. די טרעפּ וואָס פירן צו די זייטיקע אָפּטיילונגען פון דעם פּאלאַץ זענען געשפּאָלטן געוואָרן, צוליב דעם דרוק פון דער ערד. און דער אייבנדערמאָנטער שפּאס מיט דער פראגע פון די אַמעריקאנער טוריסטן און דעם ענטפער וואָס זיי האָבן געקראָגן, איז גאָרניט אַזוי אומוואַרשיינלעך...

דאָס זינקען פון דער ערד אונטער די פונדאַמענטן פון דער „שטאָט פון פּאלאצן“ האָט אין די לעצטע יאָרן געבראכט מיט זיך נאָך אַן ערנסטערן פּראָבלעם: און דאָס איז די צרה פון די כסדר'דיקע פארפלייצונגען, וואָס פארוואַנדלען די סאַמע צענטראַלע גאסן פון שטאָט אין אמת'ע קאנאלן פון ווענעציע. דער דרוק פון דער ערד ברעכט איבער די פארעלטערטע און צו שמאָלע קאנאליזאציע־רערן און דאָס רעגן־וואסער קען ניט דורכגיין דורך זיי, נאָר שפּארט אַרויס דורך די רערן אויף דער אויבערפלאך פון די גאסן. אָט טאקע אין די טעג פון יולי און אויגוסט, 1952, שטעלן מיט זיך פאר די צענטראַלסטע גאסן פון דער מעקסיקאנער הויפּט־שטאָט א מערקווירדיקן און פאנטאַסטישן בילד: פון איין זייט טראָטואר ביז צו דער אַנדערער איז די גאס פול מיט וואסער, וואָס דערגרייכט ערטערווייז ביז צו 50 סענטימעטער די טיפקייט... די אויטאָס און אויטאָבוסן וואָס מוזן ריזיקירן און דורכפאָרן דורך די גאסן פאָרן טריט ביי טריט, כדי ניט אַריינצופאלן אין א גרוב וואָס פעלט ניט אין אספאלט. פרויען און קינדער האָבן זיך באַזאָרגט מיט גומענע שטיוול און גייען איבער אימפּראָווירטע בריקלעך פון ברעטער און ציגל. דערווייל האָבן גאסן־אינגלעך געשאפן זיך א פרנסה פון אַריבער־[illegible] פרייען אויף זייערע אקסלען פון איין זייט גאס צו דער אַנדערער. אַנדערע ווידער האָבן געמאכט צוגעפּראַוועטע וועגעלעך אויף רעדער און זייער „טראנספּאָרטאַציע סיסטעם“ מאכט גוטע געשעפטן... ביי די זייטן פון די פארזונקענע גאסן שטייען רעדלעך מענטשן און מען מאכט חכמות און וויצן אויפן חשבון פון די „דרייסטע“, וואָס בראָדזשיען ביז די קני אין שמוציקן און שווארצן וואסער. אַבער ווי זאָגט מען דאָס: „טאַטע דו לאכסט, אז אָך און וויי צום געלעכטער“. פאר די טויזנטער קרעמער און סוחרים, וועמעס געשעפטן

זענען פאַרפּלייצט געוואָרן מיט וואַסער און וואו קיין קונה קען ניט אַריינקומען, איז דאָס שוין גאָרניט קיין געלעכטער. דריי טויזנט געשעפטן פון סאַמע צענטער שטאָט האָבן געמוזט פאַרמאַכן זייערע טירן. עס זענען פאַראַן עטלעכע צענדליק אידישע סוחרים און פאַבריקאַנטן, וואָס זענען אויך געליטענע פון דער פאַרפלייצונג און זיי פאַרלירן צענדליקער טויזנטער פּעזעס טעגלעך.

צום באַדויערן זענען ניט פאַראַן קיין אויסזיכטן, אַז דער פּראָבלעם זאָל קענען געלייזט ווערן אַזוי גיך, מיט אַ געהעריקן דערפאָלג. די שטאָט רעגירונג פון דער הויפּט־שטאָט מאַכט נאַטירלעך אַלע מעגלעכע אָנשטריינגונגען, כדי צו מאַכן אַ סוף צו די פאַרזינקונגען, אָבער ביז היינט איז ניט מעגלעך פּטור צו ווערן פון דער צרה. ווי נאָר עס גייט אַראָפּ אַ שטאַרקער רעגן איבער דער הויפּט־שטאָט ווייסט מען שוין, אַז מען דאַרף אָנטאָן די גומענע שטיוול... און די חדשים פון יולי ביז אָקטאָבער זענען רעגן־חדשים אין מעקסיקע. כמעט יעדן נאָכמיטאָג, רעגנט זייער שטאַרק.

און וואָס וואָלטן די מעקסיקאַנער געטאָן, ווען ניט זייער חוש פאַר הומאָר? זענען טאַקע די צייטונגען פול מיט בייסיקע קאַריקאַטורן אויפן חשבון פון די פאַרגעסענע גאַסן און פון די מאַכט אָרגאַנען פון דער הויפּט־שטאָט, וואָס האָבן ביז איצט ניט געקענט זיך קיין עצה געבן מיט די צוויי ביטערע פּראָבלעמען: מיט דער איינזינקונג פון דער הויפּט־שטאָט און מיט די כסדר'דיקע פאַרפלייצונגען. לצים גייען אַרום און זאָגן, אַז מיט דעם שטאָטישן טראַנזיט דאַרפן איצט אָנפירן אַפיצערן פון מעקסיקאַנער פלאָט מיניסטעריום און ניט די אַגענטן פון שטאָטישן טראַנזיט דעפּאַרטאַמענט. מען מאַכט חשבונות, וואָס פאַרא גוטע געשעפטן מען קען איצט מאַכן אין מעקסיקע ביים פאַרקויפן גומענע שטיוול, אָדער ביים איינשטעלן אַ טראַנספּאָרט־ליניע פון שיפלעך מיט רעדער, וואָס זאָלן זיין גוט סיי פאַר די קאַנאַלן און סיי פאַר די טרוקענע פּלעצער... און אַזוי ווייטער. די רעגנס טוען זיך אָבער ווייטער דאָס זייעריקע און די פאַרפלייצטע גאַסן ליגן ווייטער אונטער אַ געדיכטער און שוואַרצער טוך פון „שמעקעדיקע“ וואַסערן.

אָט אַזוי לעבט איבער אַ טיפע און ערנסטע טראַגעדיע די שטאָלצע „שטאָט פון פּאַלאַצן“, וואָס ווערט יעדעס יאָר באַזוכט און באַוואונדערט דערט דורך הונדערטער טויזנטער טוריסטן, איבערהויפּט אַמעריקאַנער.

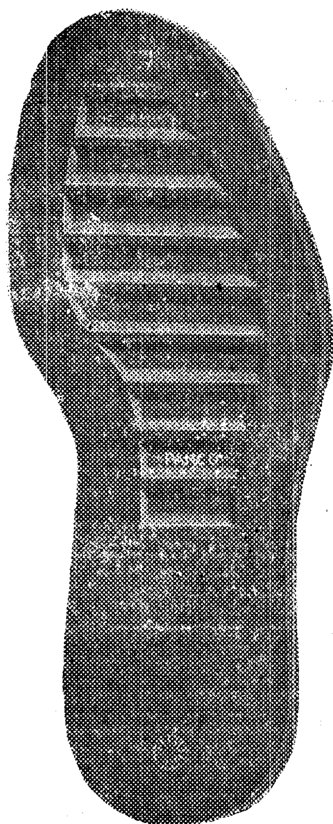


# Gilfarb Bros Rubber Co. S. A.

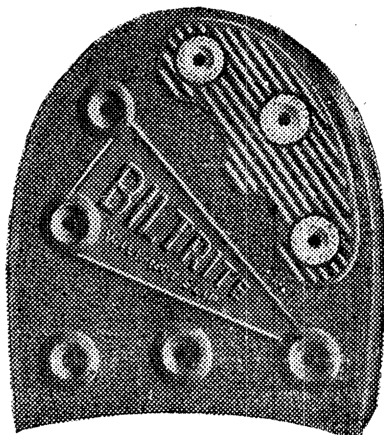
**Lamparilla 257** **Teléfono A-3044**

**ALMACEN DE PIELES Y GOMAS EN GENERAL**

Plástico de todas clases para forrar muebles, máquinas, manteles, cortinas, carteras y bolsas, etc.



**"PANCO"**
**La Suela que**
**Deleita al Caminar**




**"BILTRITE"**
**El Tacón que**
**no Resbala**

אַלע סאָרטן פּלאַסטיק,
איבערצוג פאַר מעבל,
מאַשינען, טישטעכער,
פאָרהאַנגען, טאַשן
טאָרבעס און אַנדערע

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

**לשנה טובה תכתבו!**



# Compañía Nacional de Contabilidad

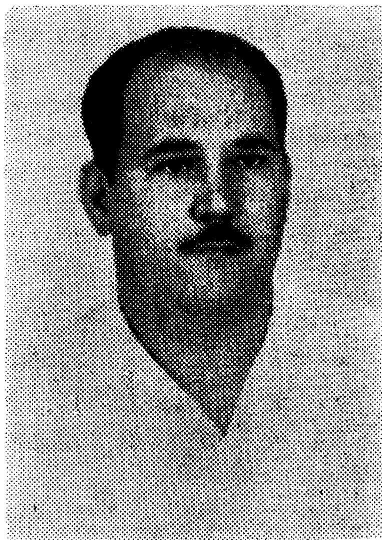
de

VALDES - PRADO Y HERNANDEZ

**Oficina:**

**Edificio** Suero, Apartamentos 5 y 6, **Oficios y Lamparilla**

Teléfono M-9344



**ALBERTO HERNANDEZ**

CORREDOR DE SEGUROS



Autorizado por el Ministerio
de Trabajo

DESEAMOS A LA COLONIA HEBREA UN FELIZ
Y PROSPERO AÑO NUEVO

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

לשנה · טובה תכתבו!

FABRICA DE CARTERAS DE SEÑORA

# LA ARGENTINA

**DE JAIME TERNER**

LUZ No. 317, Dpt. 48. HABANA.

* * *

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

ל ש נ ה   ט ו ב ה   ת כ ת ב ו !

---

# BLUMIN TEXTILE

MURALLA 360 TELF. M-6349

Habana

: : :

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אונזערע קליענטן, פריינט דער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ, ווי די אידן פון דער גאַנצער וועלט!

ל ש נ ה   ט ו ב ה   ת כ ת ב ו !

# Rozen Textile

**ALMACEN DE TEJIDOS**

**de NAUN ROZENGVAIG**

**Muralla 456** **Habana** **Teléfono A-2554**

—0—

אַ גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן
מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און
דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ !

לשנה טובה תכתבו!

# MIRAMAR

**de MANDEL Y LIBERSTEIN**

CONFECCIONES PARA CABALLEROS Y NIÑOS

**Sol núm. 475** **Telf. A-7143**

—0❀0—

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע פריינט, קליענטן
און באַקאַנטע, און ווינטשן זיי אַ יאָר פון גליק,
פרייד און פראָספעריטעט !

לשנה טובה תכתבו!

# Cía. Industrial Cubana de Gomas, S. A.

**GOMAS YUMURI**

MATANZAS - APARTADO 78

Desean a todos sus clientes y favorecedores un próspero y venturoso Año Nuevo.

**די ערשטע אידישע גומי פאַבריק פון קובאַ**

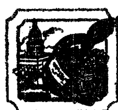
**באַגריסט צום נייעם יאָר זיינע צאָלרייכע קונדן און פריינט**

**און ווינטשט אַלעמען**

## א כתיבה וחתימה טובה!

**קאַרלאָס אייזנבערג**, פאַרטרעטער פון דער פירמע באַגריסט אַלע זיינע פריינט צום נייעם יאָר.

---



*Cía. Dist. de Hilos*

**CAPITOLIO. S.A.**

**Sol 323 (entre Compostela y Habana)** **Telf. A-6982**

Habana, Cuba



צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ, און ווינטשן אַלעמען

## א כתיבה וחתימה טובה!

**CINTURONES**

# UNIVERSAL

de Charles Bloch y Hno.

**Fábrica de Tirantes, Cinturones y Carteras**

**Luz 364 y 366** **Teléfonos A-9500 y A5-6142**
entre Aguacate y Compostela HABANA

—0—

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן
מיר אלע אונזערע קליענטן, פריינט און
דער גאנצער אידישער קאָלאָניע אין קובא !

לשנה טובה תכתבו!

# S. BIGELMAN Y CIA.

**"EL TANQUE"**

MURALLA 455. TELEF. M-7738

H A B A N A

* * * *

מיר באַגריסן אַלע קליענטן, פריינט און דער גאַנצער
אידישער קאָלאָניע, און ווינטשן אַלעמען אַ
גליקלעכן דערפאָלגרייכן יאָר!

ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

* * * *

# BIGELMAN Y CIA.

**M. CORONA 603, 605, 607.**

**Apartado 34 Teléfono M-2755.**

**SANTIAGO DE CUBA.**

LABORATORIO FOTOGRAFICO

# R O M A Y

**FOTOGRAFOS**

**Amistad No. 168, esq. a Concordia** **Teléfono A-4903**

צו אַלע שמחות און געזעלשאַפטלעכע אונטערנעמונגען, רופט דעם

**פ אָ ט אָ ג ר אַ ף   ר אָ מ אַ י**

וועלכער איז דער באַליבסטער פאָטאָגראַף פון אידישן ישוב!



Saludamos sinceramente a nuestros clientes y amigos de la Colonia Hebrea de Cuba en la fecha de su Año Nuevo y hacemos votos por su progreso, bienestar y prosperidad.



Creaciones Dessel




**FABRICA DE TRAJES**

de ZISCO DESSEL

**San Miguel 457, bajos** **Habana**

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע. זאָל דאָס נייע יאָר ברייגען פרייד פאַר אַלע אידן אויף דער וועלט!

**ל ש נ ה   ט ו ב ה   ת כ ת ב ו !**

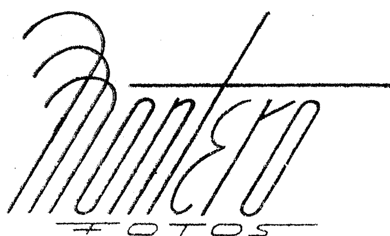
# JULIO SERIS BOZA

**MANUFACTURERS AGENT**

Aguiar 574 | Habana

—0—

SALUDA A SUS CLIENTES Y A TODA LA COLONIA HEBREA, DESEANDOLES UN FELIZ Y PROSPERO AÑO NUEVO




**RETRATOS DE SUPREMA CALIDAD**

דער פאָטאָגראַף פון די כלות!

**Amistad 311** | **Teléfono M-9365**

HABANA

Felicita calurosamente a sus numerosos clientes hebreos en particular y a la colonia Hebrea de Cuba en general, con motivo del Año Nuevo.

# ראש השנה

פון דר. י. אונטערמאַן

ראש השנה איז ניט תמיד געווען דער יום־טוב פון מורא און דין. זיין איצטיקע פאָרם און באַדייטונג האָט זיך טראַדיציאָנעל און געשיכטלעך אַנטוויקלט, און פאַרענדערט ווענדליך דעם עקזיסטירנדיקן גייסטיקן און נאַציאָנאַלן מצב.

אין דער תורה ווערט געזאָגט: „דער ערשטער טאָג אין זיבעטן חודש זאָל זיין אַ רו־טאָג, און צום אָנדיינק זאָל מען בלאָזן שופר". קיין איינציק וואָרט ווערט ניט דערמאָנט וועגן ראש השנה און זיין מורא'דיקייט.

די נאַציאָנאַל־רעליגיעזע און נאַציאָנאַל־געזעלשאַפטלעכע באַדייטונג האָט זיך קענטיק אויסגעדריקט בלויז דערין, וואָס אין חודש תשרי האָט זיך אָנגעהויבן די פייערונג פון איינזאַמלען די תבואה. עס איז אָבער ניט באַקאַנט, אַז די אידן זאָלן אין דער גאָר אַלטער צייט האָבן געפייערט אַ ניי־יאָר יום־טוב. אויב מען האָט אין ערשטן טאָג פון תשרי געבלאָזן שופר ווי עס ווערט פאַרזאָגט אין דער תורה, איז עס ניט געווען צוליב דער אימה און שרעק פאַר אַ ניי יאָר, נאָר צוליב דער פייערלעכקייט פון דעם אָנקומענדיקן חג האסיף.

ערשט אין די צייטן פון דעם ערשטן בית המדרש האָבן די אידן אָנגעהויבן צו פייערן ראש השנה, אָבער אפילו דעמאָלט איז עס נאָך ניט געווען קיין רעליגיעזער יום־טוב, און איז ניט געפייערט געוואָרן אין דעם איינציקן טאָג פון אָנהויב תשרי. אין יענער צייט האָבן אידן געהאַט בלויז דריי ימים טובים אין יאָר: פסח, שבועות און סוכות.

די דאָזיקע דריי ימים טובים זענען געווען ריינע נאַטור־פייערונגען. פסח האָט מען געפייערט דעם אָנהויב פון תבואה־שניט; שבועות איז געווען דער אָפּשלוס פון די תבואה־וואָכן, און מען האָט אים דערפאַר גערופן: חג הקציר, די פייערונג פון שניט; סוכות איז געווען דער יום־טוב פון איינזאַמלען די תבואה: חג האסיף.

יעדער פון די דריי ימים טובים איז געפייערט געוואָרן אין אַ הייליקן אָרט, אויף אַ בימה מיט אַ מזבח, וואָס האָט זיך געפונען אין יעדן גרעסערן קיבוץ. דאָרטן אויפן מזבח פלעגט דער כהן מקריב זיין אַ קרבן, און דער עולם פלעגט זיך דערביי גוט משמח זיין.

סוכות איז געווען דער פריילעכ־סטער פון די דריי ימים טובים, און דער איד איז דעמאָלט שוין געגאַנגען אין א באַשטימטן אָרט, וואו עס האָט זיך געפונען א היכל, א משכן אויסגעבויט פאַר גאָט, און דאָרטן פלעגט מען דאַנקען און לויבן גאָט פאַר דער תבואה און גערעטעניש.

אָט דער דאָזיקער פריילעכער יום־טוב, וואָס איז אויסגעקומען אין האַרבסט, האָט געדינט סיי אַלס ניי־יאָר, ראש השנה, און סיי אַלס יום־טוב פון סוכות. די אידן וועלכע זע־נען געווען הויפּטזעכלעך אַן אַגרי־קולטור־פאָלק, האָבן געציילט דאָס יאָר פון דער צייט וואָס זיי האָבן איינ־געזאַמלט די תבואה. און שוין אין חומש ווערט דער יום־טוב באַצייכנט אַלס טאָג „פון איינזאַמלען, ווען דאָס יאָר לאָזט זיך אויס".

ניט אַלע אידן אין לאַנד האָבן אָנ־געהויבן די ניי־יאָר פייערונג אין איין און דעם זעלבן טאָג. עס איז תמיד געווען געווענדט אין דעם וועטער און אין דער געאָגראַפישער לאַגע. אידן אין גליל האָבן אָנגעהויבן די פייע־רונג פריער פון די איד אין יהודה.

די פייערונג איז געווען א גראַנד־יעזע, פון אַלע זייטן האָבן זיך גע־צויגן קאַראַוואַנען מיט עולי רגל־ניקעס. ווער עס איז געגאַנגען קיין ירושלים, ווער קיין שילה, און ווער אין אַן אַנדער פאַרהייליקט אָרט. גע־גאַנגען זענען מענער, פרויען און אַפּט אויך קליינע קינדער. יעדער האָט געפירט מיט זיך א קרוג מעל אָדער לאָגל וויין פאַר א קרבן.

די עולי רגל'ניקעס האָבן זיך גוט משמח געווען, געגעסן און געטרונקען שוין איבער דער מאָס. דער עולם איז געווען היפּשלעך אָנגעשכורט, און אַפילו די פרויען זענען דערפון ניט אָפּגעשטאַנען.

עטלעכע צענדליק יאָר פאַרן חורבן בית ראשון האָט זיך די לאַגע געענצ־לעך געענדערט. עס זענען אָפּגעשאַפט געוואָרן אַלע הייליקע ערטער פון דער פּראָווינץ, און ירושלים איז דערקלערט געוואָרן די איין און איינציקע שטאָט, וואו מען מעג מקריב זיין קרבנות.

די אידישע ימים טובים האָבן דע־מאָלט אָנגענומען א גאַנץ נייעם כאַ־ראַקטער. פון לאָקאַליזירטע, ריין דאָרפישע ימים טובים, זענען זיי פאַר־וואַנדלט געוואָרן אין נאַציאָנאַל־רע־ליגיעזע פייער טעג, וואָס יעדער איד האָט געמוזט איינצייטיק אָפּהיטן. א באַשטימטער דאַטום איז אוועקגע־שטעלט געוואָרן אַלס געזעץ. און יע־דער איד האָט זיך געפונען פאַרפליכ־טעט עולי רגל צו זיין קיין ירושלים.

דער אידישער ניי־יאָר — דער יום־טוב ראש השנה האָט זיך ערשט אָנגעהויבן שפּעטער אין דער צייט פון גלות בבל. דעמאָלט האָבן די חכמים באַשטימט דעם ערשטן טאָג פון דעם זיבעטן חודש, תשרי, אַלס דעם אָנ־הויב יאָר.

דאָס אידישע לעבן אין בבל איז גע־ווען גאַנץ אַנדערש ווי אין ארץ יש־ראל. זייענדיק אָוועקגעריסן פון זיי־ער היים און פון זייער נאַטור־לעבן, איז דער רעליגיעזער געפיל געוואָרן שטאַרקער און ערנסטער. דער פריילע־כער יום־טוב פון איינזאַמלען די תבואה האָט זיך מער ניט אַריינגע־פּאַסט. עס איז געווען א דראַנג זיך צו פאַרטיפן אין דער אמונה, און מען האָט דעריבער געזוכט יעדן אידישן יום־טוב אָנצוטאָן אין א רעליגיעזן מלבוש. דער ניי־יאָר וואָס איז אויך

אַ פֿרײלעכן אופֿן געפֿײערט געוואָרן צוזאַמען מיט דעם חג האסיף, סוכות, האָט מער ניט געקענט אויפֿגעהאַלטן װערן. עס האָט געפֿעלט דערצו די פֿרײלעכע שטימונג, די צוגעבונדנקײט צום אײגענעם באָדן, און די צערעמאָניעלע פֿײערלעכקײט פֿון מקריב זײן קרבנות.

דער אידישער נײ־יאָר האָט געמוזט אָפּגעטײלט װערן און בלײבן אַ טאָג פֿון רעליגיעזער און מאָראַלישער דערקענטעניש, אַ טאָג װאָס זאָל זײן גאַנץ אַנדערש סײ אין תוכן און סײ אין פֿאָרם פֿון דעם באַבילאָנישן נײ־יאָר. װעלכער איז אָגב געפֿײערט געװאָרן אין אָנהויב זומער מיט שכרות און הוליאַנקעס.

פֿאַרװאָס די חכמים האָבן באַשטימט דעם זיבעטן חודש אַלס אָנהויב יאָר, זענען פֿאַראַן נאָך פֿילע סיבות, פֿילע געלערנטע װילן האָבן, אַז דאָס קומט דערפֿון װאָס אידן האָבן תמיד פֿאַרהײליקט די צאָל זיבן. דער זיבעטער טאָג פֿון װאָך איז שבת, זיבן טעג זענען די ימים טובים פּסח און סוכות, זיבן װאָכן איז צװישן פּסח און שבועות, דער זיבעטער יאָר איז שמיטה, נאָך זיבן שמיטות קומט דער שנת היובל.

דער זיכערסטער טעם איז אָבער װאָס די אידן האָבן ניט געװאָלט פֿײערן זײער ראש השנה אין אײן צײט מיט די באַבילאָנער.

אין אָנהויב איז דער רעליגיעזער נײ־יאָר באַשטימט געװאָרן אויף דעם צענטן טאָג תשרי, צוזאַמען מיט יום כפור. װי עס װערט קלאָר דערצײלט אין יחזקאל: „בראש השנה בעשר לחודש" — אין דעם נײ־יאָר, אין דעם צענטן טאָג אין חודש. אויך די תורה הויבט אָן דעם יובל־יאָר מיט דעם צענטן טאָג אין חודש תשרי, און דער געזעץ זאָגט בפֿירוש. אַז דעם צענטן טאָג אין זיבעטן חודש זאָל מען בלאָזן שופֿר און פּראָקלאַמירן אַ יאָר פֿון באַפֿרײאונג, װען קנעכט קריגן צוריק זײער פּערזענלעכע פֿרײהײט און פֿאַרקויפֿטע גיטער* קערן זיך צוריק צו זײערע ערשטע אײגנטימער.

די לעצטע ענדערונג איז געמאַכט געװאָרן ערשט אַ קורצע צײט נאָך עזרא, פֿון דעם צענטן טאָג אין זיבעטן חודש האָט מען געמאַכט אַ תענית און אַ יום כפור, אַ טאָג פֿון פֿאַרגעבונג, און דער אידישער נײ־יאָר איז איבערגעטראָגן געװאָרן אויפֿן ערשטן טאָג אין חודש. אַזוי אַרום זענען פֿון אײן יום־טוב אין ארץ ישראל געװאָרן דרײ באַזונדערע ימים טובים: ראש השנה, יום כפור און סוכות.

עס איז אײנער פֿון די שענסטע סימבאָלן פֿון דער אידישער אמונה, װאָס דוקא דער הארבסט װען די נאַטור פֿאַרבליט און פֿאַרװעלקט, איז דער סיגנאַל צו רעליגיעזער דערװאַכונג, צו אַ חשבון הנפש און אײגענער אויסלײטערונג. אמונה איז בײדע: אהבה און יראה — פֿאַר בײדן איז פֿאַראַן אַ געװיסער מאָמענט — און הארבסט איז דער מאָמענט פֿון יראה, די פֿורכטבאַרע מורא װאָס פֿאַרכאַפּט דעם מענטשן בײם אָנבליק פֿון דער גרויסער פֿאַרענדערונג אין דער נאַטור, אין אַזאַ מאָמענט איז עס גינסטיק פֿאַר דעם אידן זיך צו פֿאַרטראַכטן װעגן אַ יום הדין.

לויט דעם תלמוד איז ראש השנה פֿעסטגעשטעלט געװאָרן אַלס אַ טאָג אין װעלכן יעדער מענטש װערט געמשפּט. דער איד איז פֿאַראַנטװאָרטלעך צו גאָט פֿאַר זײנע מעשים, און

נאָר גאָט אַליין קען אים דערויף מוחל זיין. דער איד האָט תמיד אין זיך דעם צלם אלוקים, און אפילו ווען ער זינדיקט לעבט אלץ אין אים דער געטלעכער פונק. מיט אלע זיינע שוואכקייטן און שלעכטע נייגונגען, האָט דער מענטש אין זיך אַ גייסטיקע קראפט זיך צו דערהויבן צו דער סאמע העכסטער מדרגה.

און ווען דער מענטש וויל ווערן בעסער, טאָן תשובה דאַרף ער דערצו ניט האָבן קיין גייסטלעכן אלס פאַר־מיטלער, נאָר קען זיך אַליין ווענדן צו גאָט און די זינד וועלן אים פאַר־געבן ווערן. די תשובה דאַרף אָבער זיין אַ ריינע, אַן ערנסטע, פול מיט אויפריכטיקייט.

באמת דאַרף דער איד יעדן טאָג זיך אָפּגעבן אַ חשבון הנפש, אָבער ראש השנה דאַרף ער זיך גענצלעך אויסטאָן פון דעם אלטעגלעכן און זיך דערהויבן צו אַ גייסטיקער וועלט.

דרייסיק טעג פאַר ראש השנה הויבט שוין דער איד אָן זיך צוצו־גרייטן צום יום הדין. פון ראש חודש אלול אָן הויבט מען אָן צו בלאָזן שופר כדי צו וועקן צו תשובה. די לעצטע וואָך פאַר ראש השנה גייט מען יעדע נאכט אין שוהל זאָגן סלי־חות. די סליחות, וועלכע זענען גע־שריבן געוואָרן מיט אידישע טרערן און בלוט פון מאַרטירער און קדו־שים. אין דער שטילקייט פון דער נאכט צעשפּרייט זיך אַ שרעקלעכער וויי־געשריי פון דעם אייביקן וואנדע־רער — דאָס איז דער שטורעמדיקער אויסגוס פון דעם אידישן פאָלקס צער.

דער שופר איז אַן איינפאכער האָרן פון אַ באראן און די טענער זע־נען איינפאכע. אָן מוזיקאלישן קלאַנג און אינהאלט. דאָך איז דער שופר בלאָזן די סאמע ערנסטע צערעמאָניע אין דעם ראש השנה'דיקן ריטואל. יעדער טאקט איז אַ סימבאָל, אַ סיג־נאל צום אידנס באוואוסטזיין, און דרינגט אריין טיף אין דער נשמה.

דער שופר דערמאָנט אָן קבלת התורה ווען גאָט האָט זיך באַוויזן אויפן בארג סיני דורך קולות וברקים; דער שופר דערמאָנט אָן דער עקידת יצחק און אויך אָן דער נבואה פון ישעיה הנביא, וועלכער רעדט פון באחרית ימים, וועגן דער צוקונפט ווען דער שופט וועט בלאָזן און פּראָק־לאַמירן די דערלייזונג פון דעם אי־דישן פאָלק — והיה ביום ההיא יתקע בשופר גדול (ישעיה כז', יג').

דער שופר איז בכלל אַן אלטער אינסטרומענט מיט וועלכן מיר האָבן זיך באנוצט ביי יעדער הייליקער געשעעניש. ווען גאָט האָט זיך באַ־וויזן אויפן בארג סיני, האָט זיך דער קול פון שופר געהערט פון איין עק וועלט ביז דעם אַנדערן. ווען משה רבינו איז צוריק ארויף אויפן בארג, נאָך דעם ווי מען האָט פאַרברענט דעם גאָלדענעם קאלב, האָט מען אין דער אידישער מחנה ווידער געבלאָזן שופר. דאָס יאָר פון יובל האָט מען אויך פּראָקלאַמירט דורך בלאָזן שופר.

אין דער תלמוד'ישער צייט האָט מען זיך באנוצט מיט דעם שופר מודיע צו זיין יעדע וויכטיקע געשעע־ניש צו דער עדה. אז מען האָט גע־וואָלט אויסרופן אַן איסור אָדער אַ היתור, איז עס געווען דורך שופר בלאָזן. אז מען פלעגט עמיצן אריינ־לייגן אין חרם, איז אויך געווען דורך שופר בלאָזן. מקדיש זיין דעם נייעם חודש, פלעגט מען אויך דורך שופר

בלאָזן, און אז עמיצער איז חלילה געשטאָרבן האָט מען עס ווידער מודיע געווען דורך שופר בלאָזן.

פרייטיק פארנאכט פלעגט מען בלאָזן זעקס תקיעות. נאָך דער ערשטער האָבן די ארבעטער אין פעלד אוועקגעלייגט די ארבעט. נאָך דער צווייטער — האָט מען פארשלאָסן די קראָמען; נאָך דער דריטער — האָט מען געבענטשט ליכט, און עטלעכע מינוט שפּעטער האָט מען געבלאָזן א תקיעה, תרועה און תקיעה מודיע צו זיין אז עס איז שוין שבת. מוצאי שבת נאָך שקיעת החמה האָט מען ווידער געבלאָזן שופר מודיע צו זיין אז מען מעג שוין טאָן א מלאכה.

ראש השנה האָט די תורה פארזאָגט צו בלאָזן שופר, כדי גאָט זאָל זיך דערמאָנען אָן דער עקידת יצחק פאר וועמען אברהם האָט מקריב געווען א באראן פון וואָס דער שופר ווערט געמאכט, און דאָס בלאָזן ווערט פאררעכנט ווי מיר אליין וואָלטן זיך געלאָזט בינדן צו דער עקידה.

רבינו סעדיה גאון גיט אָבער אָן גאנצע צען טעמים פארוואָס מען בלאָזט שופר ראש השנה:

א) ווייל ראש השנה איז דער אָנהויב פון בריאת העולם, און אזוי ווי דוד המלך האָט געזאָגט: „מיט טרומפּייטן און מיט דעם קול פון שופר זאָלט איר שאַלן פאר גאָט", און אזוי ווי דער סדר העולם איז צו בלאָזן מיט טרומפּייטן ווען א מלך בשר ודם ווערט געקרוינט, אזוי בלאָזן מיר מיט שופר קרוינענדיק דעם מלך חי וקים, דעם שעפער און קעניג פון דער וועלט.

ב) ראש השנה איז דער ערשטער טאָג פון תשובה, בלאָזט מען דערי־בער כדי צו וואָרענען די זינדיקע זיי זאָלן זיך נאָך דעם ניט האָבן צו באקלאָגן.

ג) צו דערמאָנען אָן די עשרת הדברות, וועלכע זענען געגליכן צו היטער וואָס בלאָזן מיט טרומפּייטן. אזוי ווי עס שטייט געשריבן: „און דער וואָס וועט הערן דעם קול פון שופר און זיך ניט היטן, און די שווערד וועט קומען און אים אוועקנעמען, וועט זיין בלוט פאלן אויף זיין קאָפּ. ווער אָבער עס וועט זיך היטן, דער וועט ראטעווען זיין לעבן".

ד) צו דערמאָנען אין חורבן בית המקדש, און דעם מלחמה שאלן פון די שונאים, ווי עס שטייט געשריבן: „ווייל דעם קול פון שופר האָסטו געהערט, דעם שאלן פון מלחמה", און דער בלאָזן דעם שופר וועט אונז דערמאָנען צו בעטן ביי גאָט ער זאָל צוריק אויפבויען דעם בית המקדש.

ה) צו דערמאָנען אָן עקידת יצחק און וויליקייט זיך מקריב צו זיין פאר גאָט. אָט אזוי דארף יעדער איד ווען ער הערט שופר זיין גרייט זיך מוסר־נפש צו זיין אויף קידוש השם.

ו) ארויסצורופן אין דעם אידן מורא און חרטה, ווייל אזוי איז דער שטייגער פון שופר צו מאכן ציטערן, ווי עס שטייט געשריבן: „קען דען ווערן געבלאָזן מיט א שופר אין א שטאָט און דאָס פאָלק זאָל ניט ציטערן".

ז) צו דערמאָנען אָן דעם גרויסן יום הדין און צו האָבן מורא פאר גאָט, ווי עס שטייט געשריבן: „גאָטס גרויסער טאָג איז נאָענט, ער איז נאָענט און איילט זיך צום טאָג פון שופר און שאלן".

ח) צו דערמאָנען אידן בעטן גאָט

**ער זאָל צונויפקלייבן די צעזייטע און צעשפּרייטע אידן, ווי דער נביא ישעיה זאָגט: „און עס וועט זיין אין יענעם טאָג ווען עס וועט געבלאָזן ווערן מיט דעם גרויסן שופר און עס וועלן קומען די פאַרלוירענע אין דעם לאַנד און וועלן זיך בוקן צו גאָט אויף דעם הייליקן בארג אין ירושלים".**

ט) צו דערמאָנען אָן תחית המ־תים און צו גלויבן אין דעם ווי עס שטייט געשריבן: „אַלע איינוואוינער פון דער וועלט, און אַלע וואָס וואוי־נען אויף דער ערד, ווען די פאָן וועט אויפגעהויבן ווערן אויף די בערג וועט איר זען, און ווען דער שופר וועט געבלאָזן ווערן וועט איר הערן".

דער מדרש זאָגט: ראש השנה זיצט זיך כביכול אויפן כסא המלוכה און משפט זיין פאָלק ישראל. ווען מען הויבט אָבער אָן צו בלאָזן שופר, זעצט זיך כביכול אויפן כסא הרח־מים און דערבארעמט זיך אויף די אידן.

דער מדרש דערציילט אויך, אז ווען משיח וועט קומען און די מתים וועלן אויפשטיין וועט גאָט ברוך הוא נעמען א שופר און בלאָזן זיבן תקיעות. ביי דער ערשטער וועט די וועלט ציטערן ווי אַ יולדת; ביי דער צווייטער וועט די ערד זיך אויס־שפּרייטן און די קברים וועלן זיך עפענען; ביי דער דריטער וועלן די ביינער זיך צונויפקלייבן; ביי דער פערטער וועלן די אברים זיך אויס־גלייכן; ביי דער פינפטער וועט די הויט זיך אָנקליידן; ביי דער זעקסטער וועט די נשמה און דער ריח החיים אריין אין דעם מענטשן און ביי דער זיבעטער תקיעה וועלן זיי שטיין לע־בעדיקע אויף זייערע פיס און זיין אָנגעטאָן אין זייערע בעסטע קליי־דער.



0 0 0

## יצחק ג. לעלטשוק

לינאָטיפּיסט און זעצער פון „האַוואַ־נער לעבן", וועלכער האָט פיל מיט־געווירקט אין דעם טעכנישן צוזאַמענ־שטעל פון הייניטיקן „האַוואַנער לעבן אַלמאַנאַך 5713"

0 0 0

# דער בּאַרג אַרויף פון דער אידישער מדינה

פון דאַנאַ אַדאַמס שמידט

בהסכם מיט א גראַנדיעזן פּלאַן, וואָס איז אויסגעאַרבעט געוואָרן פון אן אַמעריקאַנער אינזשעניער מיטן נאָמען ס. טראָון, גרייט זיך איצט די ישראל רעגירונג צו אינוועסטירן א סומע פון 615 מיליאָן דאָלער פון די רעפּאַראַציע געלטער, וואָס זי וועט קריגן פון מערב־דייטשלאַנד, נאָך 181 מיליאָן דאָלער, וואָס זי וועט באַקומען פון אַנדערע לענדער, און 825 מיליאָן ישראל־פונטן. די דאָזיקע אינוועסטיציע זאָל דורכגעפירט ווערן במשך פון צען יאָר.

פון דייטשלאַנד רעכנט ישראל צו קריגן דער עיקר אין פּראָדוקטן א קימא־לן פון 715 מיליאָן דאָלער. די הויפּט־פּראָבלעמען פון די אונטערהאַנדלונגען מיט דייטשלאַנד זענען שוין געלייזט און די אָפּמאַכן זענען שוין אונטערגעשריבן געוואָרן.

לויטן פּלאַן פון אינזשעניער טראָון, וועט נאָכן צוריקקומען פון דער ישראל־דעלעגאַציע פון האַג שוין עקזיסטירן א ספּעציעלע קאָמיסיע איבער די דייטשע צאָלונגען. די קאָמיסיע וועט עפענען טעכנישע ביוראָס אין ישראל און חוץ לארץ צוצוגרייטן די גאַנצע טעכנישע אַרבעט, איינשליסלעך די רשימות פון די באַשטעלונגען. ערשט דאַן וועט א רעגירונגס מיסיע מאַכן די דירעקטע איינקויפן.

די גרעסטע אינוועסטיציעס וועט ישראל מאַכן אויף די געביטן פון באַוואַסערונג, הייזער־בוי, עלעקטריפיקאַציע און טראַנספּאָרטן, איינגעשלאָסן אייזנבאַנען און שאָסייען. לויטן פּלאַן זאָל מען אינוועסטירן פאָלגנדיקע סומעס:

אייזנבאַנען: — 87.000.000 דאָלער פון דייטשלאַנד; פון אַנדערע לענדער גאָרניט; א ס ו מ ע פון 48.500.000 ישראל־פונט.

טראַנספּאָרטן: — 84.000.000 דל. פון דייטשלאַנד און גאָרניט פון אַנדערע לענדער; 2.000.000 ישראל פונט.

פּאָרטן: — 19.500.000 דאָלער פון דייטשלאַנד; 700.000 דאָלער פון אַנדערע לענדער און 6.000.000 ישראל פונט.

טעלעקאָמוניקאַציעס: — 22 מיליאָן דאָלער פון דייטשלאַנד; 19 מיליאָן דאָלער פון אַנדערע לענדער און 26.500.000 ישראל פונט.

עלעקטריפיקאַציע: — 62 מיליאָן דאָלער פון דייטשלאַנד; 88.000.000 דאָלער פון אַנדערע לענדער און 67 מיליאָן ישראל פונט.

באַוואַסערונג: — 180.000.000 דאָלער פון דייטשלאַנד; 5.000.000 דאָלער פון אַנדערע לענדער און 152 מיליאָן ישראל פונט.

פישפאַנג: — 17.000.000 דאָלער פון דייטשלאַנד; 4 מיליאָן דאָלער פון אַנדערע לענדער און 3 מיליאָן ישראל פונט.

הייזער בוי: — 112.000.000 דאָלער פון דייטשלאַנד; 64.000.000

מיליאָן דאָלער פון אַנדערע לענדער און 520 מיליאָן ישראל פונט.

בוי מאַשינעריע: — 20 מיליאָן דאָלער פון דייטשלאַנד; פון אַנדערע לענדער און פון אָרטיקן מאַרק — גאָרניט.

מחוץ דייטשלאַנד רעכנט מען אויפ־צוקויפן בלויז עלעקטריציטעט־אַרטיק־לען, ווי דראָט, וואָס אַזוי ווי אין דעם גייט אַריין אַ גרויסער סכום מעטאַל ניט פון אייזן, זענען זיי ניט פאַראַן צופיל אין דייטשלאַנד.

ה׳ טראָון האָט אויך אויסגעאַרבעט אַ במקום־פּלאַן, לויט וועלכן עס וועט אינוועסטירט ווערן בערך אַ העלפט פון דער אויבנדערמאָנטער סומע, ד. ה. 339 מיליאָן דאָלער פון דייטשע רעפּאַראַציעס, 94 מיליאָן דאָלער פון אַנדערע לענדער און 445 מיליאָן יש־ראל פונט.

זייענדיק במשך פון יאָרן אַנגע־שטעלט ביי דער „דזשענעראַל עלעק־טריק“, האָט ה׳ טראָון אָבער אַמאָל געאַרבעט אַלס אינזשעניער אין דער סאָוועטישער דאַמבע פון דניעפּראָ־פּעטראָווסק, ווי אויך ביי דער יאַלו־דאַמבע אין קאָרעא, אין כינע און אין אינדיע. במשך פון די לעצטע אַכט חדשים איז ער אָנגעשטעלט ביי דער ישראל רעגירונג און ער האָט איר שוין צוגעשטעלט איבער דרייסיק רעפּאָרטן וועגן פאַרשיידענע אַס־פּעקטן פון דער אָרטיקער ווירט־שאַפט.

אינזש. טראָון האָט געפּאָדערט צו שאַפן אַן אַריאַן פאַר אינדוסטריע־לער פּלאַנירונג, וואָס זאָל פאַרנעמען דאָס אָרט פון די איצטיקע זעלבסט־שטענדיקע אָרגאַנען פון דעם מין ביי די מיניסטעריומס. ער האָט אויך פאַרגעלייגט צו שאַפן אַ צענטראַלע עלעקטריציטעט קאָמיסיע, „וואָס זאָל זיך באַשעפטיקן מיט דער פראַגע פון עלעקטרישער קראַפט פון איר אויס־אַרבעטונג ביז איר אָנווענדונג“.

די אינוועסטיציעס אין באַן־וועזן ווערן געפּלאַנט צוליב דעם, וואָס מען זעט פאָר, אַז אַ טייל פּאַסאַזשירן פון אויטאָבוסן וועלן זיך נעמען באַ־נוצן מיט אייזנבאַנען. היינט צו טאָג ווערט 88 פּראָצענט פּאַסאַזשירן גע־פירט אויף אויטאָבוסן און בלויז 6 פּראָצענט אויף די אייזנבאַנען. ה׳ טראָון זעט פאָר אין זיין פּלאַן, אַז אין 1962 וועט די פּראָפּאָרציע זיין 55 פּראָצענט אויף אויטאָבוסן און 45 פּראָצענט אויף אייזנבאַנען.

אינזש. טראָון האָט גע׳עצהט ניט אויפצוקויפן קיין שיפן מיט רעפּאַ־ראַציע געלטער, סיידן באַסיין־שיפן פון פופצן טויזנט טאָן; ער האָט אָבער רעקאָמענדירט אַריינצולייגן 4 מיליאָן דאָלער אין אַ שווימענדיקער דאַמבע פון 12.000 טאָן.

ז מען האָט זיך שוין גענומען צו דער אַרבעט פון אויסברייטן די פּאָרטן פון חיפה יפו און תל־אביב, אַזוי, אַז אַרום 1962 זאָלן זיי זיין גענוג גרויס פאַר די באַדערפענישן פון דער מדינה.

ה׳ טראָונס פּלאַן זעט פאָר אַ הוספה פון אַ האַלבן מיליאָן קילאָ־וואַט און פאַרגרעסערן דורך דעם סך הכל עלעקטרישע קראַפט פון לאַנד אין צען יאָר אַרום אויף 800.000 קילאָוואַט. אינזש. טראָון האָט אויך אָנגעוויזן, אַז אין דעם אויסגערעכנטן יאָרצענדליק קען מען האָפן צו פאַרפירפאַכן דעם שטח באַוואַסערטן באָדן פון דער אידישער מדינה.

# אין די ערנסטע טעג...

## (אַ בילד)

פון גרשון מינקאָוויטש

איבערן וויגעלע פון ניי געבאָרן קינד און געזעסן די יונגע מוטער חיה. אירע גרויסע שווארצע אויגן האָבן געקוקט מיט אומרו און מוטערלעכער ליבשאפט אויף איר ניי געבוירן טאָכטער.

איר פנים איז געווען מיד און בלאס. עס איז ערשט דריי וואָכן ווי זי האָט זיך אומגעקערט פון שפיטאָל, וואו זי האָט געבוירן איר צווייטע טאָכטער.

איר הויז האָט זיך געפונען לעבן ברעג ים און קרית־חיים, ביי חיפה. די הויז האָט זי ערשט נאָך מיט אַ קורצע צייט צוריק אויסגעבויט און פרייער אָפּגאָטעמט האָבנדיק אויפגעבויט אַן אייגן ווינקל. דאָס ניי געבאָרן קינד איז געשלאָפן אין א רואיקן קינדערשן שלאָף. דערנעבן איז אויך געשלאָפן איר קליין שוועסטערל מכלכה'לע וועלכע איז שוין פיר אלט געווען.

די ניי געבאָרענע האָט געהייסן יוכבד, א נאָמען נאָך דער שוועסטער, וואָס איז אומגעבראכט געוואָרן אין פוילן דורך די נאצים, אין דער לעצטער קריג.

די עלעקטרע האָט ניט געברענט, ס'זאָל ניט שטערן דעם שלאָף פון די קליינוואַרג.

אין ווינקל האָט געברענט א ליכט, וועלכע האָט מיט איר העלן פלעפעמע באלויכטן דעם אַרום, ניט דערגייענדיק מיט איר שוואכער ליכט דעם גאנצן צימער. עס איז געווען האלב טונקל און שטיל ארום, נאָר דער טיק־טאק פון וועק־זייגער האָט זיך באהאפטן מיט דער שטילקייט.

חיה איז געזעסן לעבן קינד, די הענט צונויפגעלייגט און פארמאכנדיק די אויגן האָט זי איינגעדרעמלט אין א האלב זיסן דרעמל. די קליינע מלכה'לע האָט פון שלאָף עפּעס וואָס געמורמלט און אראָפּשלעפנדיק פון זיך דעם צודעקעכץ, זיך איבערגעדרייט אויפן אנדער זייט. איר ראָז פנימ'ל, האָט אויסגעזען ווי פארשוויצט אַביסל און אירע הענטלעך האָבן זיך פון צייט צו צייט ווי באַוועגט אין שלאָף.

די צייטן אין לאנד זענען אומרואיקע. די אראבער שיסן פון יעדן ווינקל, ס'פאלן אומשולדיקע הונדערטער קר־

בנות. איר מאַן יצחק אַרבעט אין די נאַפט ראַפינעריס פון חיפה.

יעדן טאָג ווען ער גייט צו דער אַרבעט בענטשט זי אים אין דער שטיל אין האַרצן און פאַרנאַכט וואַרט זי אים אָפּ מיט אַ קלאַפנדיק האַרץ און מיט מוטערלעכער בייִנקשאַפט.

מיטאָג צייט האָבן די צייטונגען געבראַכט אַ שרעקלעכע ידיעה! אין די חיפה׳ער ראַפינעריס האָבן אומ־פאַראַנטוואָרטלעכע טעראָריסטן צע־שטערט דעם שלום בית צווישן די אַראַבישע און אידישע אַרבעטער און צענדליקער אידן זענען אַלס רעזול־טאַט געפאַלן.

עס זענען נאָך ניט באַוואוסט די נעמען פון די געפאַלענע. די ידיעה האָט געווירקט אויף חיה׳ן איבער־ראַשנד; דאָרט וואו יצחק אַרבעט זענען פאָרגעקומען די אומרוען און ווי אַ רעזולטאַט פון דעם — 40 חברים טויט... האָט איר געדאַנק ניט אויפ־געהערט צו נאָכטראַכטן...

זי האָט מורא געהאַט קלערן וועגן דאָס פאָרגעקומענע. סיי ווי איז דער ווייטאָק שוין געווען פאַר איר גרויס. זענען דאָך געפאַלן פּרעציק יונגע לעבנס!

זי האָט דאָס דערפילט אַ מידקייט איבערן גאַנצן קערפּער און זיך שטאַר־קער אָנגעלייגט מיט איר גוף אויף דעם ראַנד פון קינד׳ס וויגעלע.

דאָס ניי געבאָרן קינד האָט ווי אַ באַוועג געגעבן מיט זיין קליין, רויט געזיכטעלע, אָבער גלייך שטיל גע־וואָרן, ניט האָבנדיק נאָך קיין פּיל כוח צו מאַכן באַוועגונגען און אויס־דריקן אַ וועלכן עס איז פאַרלאַנג. די ליכט האָט זיך געשמאָלצן, גע־צאַנקט, געניויגט זיך צום אויסלעשן, ווידער געפּרואווט אויפשיינען פאַרן אויסגיין, און דאַן צוריק געלאָשן זיך מיט אַ זשוזשענדיקן זשומעריי פון זיך באַרירן מיטן הייסן צעשמאָלצענעם חלב.

מיט לאַנגזאַמע טריט האָט זיך חיה אויפגעהויבן און אָנגעצונדן אַ צווייטע ליכט, וועלכע האָט מיט איר שיין צוריק האַלב באַלויכטן דעם צימער, וואו די טונקלקייט האָט זיך שוין אָנגעהויבן צו צעלייגן.

דער אָוונט איז געווען אַ קילער, און פון ים האָט געבלאָזן אַ דער־פרישנד קאַלט ווינטל.

אָנגעלייגט אויףביידע הענט, האָבן פאַר חיה׳ן אָנגעהויבן אַדורכ־שווימען אָפּגעריסענע דערשיינונגען און עפּיזאָדן פון איר אַדורכגעמאַכטן ביז איצטיקן לעבנ׳ס וועג.

עס האָט זיך אַ שטעל געגעבן פאַר די אויגן דאָס געבורט׳ס שטעטעלע, די פּוילישע פאָלקס־שול וואו זי האָט געלערנט. די קריסטלעכע חברות, וועלכע פלעגן אָפט צו איר קומען און וועלכע האָבן איר געגליכן.

שפּעטער איר אָפּפאָר נאָך אַ חלו־ציש הכשרה פּונקט נאָך טערעספּאָל נעבן בריסק, וואו זי האָט זיך אָנדער־האַלבן יאָר מכשיר געווען צו אַ ניי פיזיש און גייסטיק לעבן אין ארץ ישראל. דאַן צוריק אַ היים, דער וואַרטן אויף אַ סערטיפיקאַט אין דער צייט ווען איר ברודער שלמה פאָרט אומלעגאַל, אויף דער שיף „וועלאָס" נאָך ישראל.

די שיף האָט געוואַנדערט זעקס מאָ־נאַטן צייט צווישן הימל און וואַסער און קיין לאַנד האָט זיי ניט געוואָלט אַריינלאָזן. פון איר רייזע נאָך ארץ ישראל, וואו זי לעבט אין קיבוץ,

דערנאָך הייראַט זי און באַזעצט זיך אין אַ מושב עובדים. זי האָט זיך דערמאָנט די אומגעקומענע אין פּוילן... דאַן איז דער געדאַנק אַרויפגעקומען אויפן איינגסטן ברודער וועלכער האָט זיך געראַטעוועט אין דער רוסישער אַרמיי און וואַנדערט נאָך איצט אַרום צווישן פאַרשיידענע לענדער, ניט געפינענדיק קיין רו.

עס האָט זיך איר אין דער מינוט אַזוי געוואָלט זיין לעבן ברודער, וועלכער געפינט זיך אין ירושלים, וועלכן זי האָט שוין אַ לענגערע צייט ניט געזען צוליב די אומרוען, וועלכע האָבן צעשטערט די פאַרבינדונג. עס האָט עפּעס אַזוי גענאָגט, און די אויערן האָבן זיך צוגעהערט צו יעדן שאָרך.

אפשר וועט די טיר זיך עפענען באַלד...

די קליינע מלכה'לע האָט פון שלאָף זיך געוועקט און געפרעגט:

— אמה'לע איה אבא?, עוד לא בא?...

חיה האָט ווי אויפגעוואַכט פון דרימל, צוגעגאַנגען צום קינד און געזאָגט: — עוד לא בא אבא'לע, שכבי, שכבי נחמדי.

און אַ קוש געבנדיק דעם קינד, האָבן זיך אירע פאַרגלעזערט... עס האָט זיך אין דער מינוט, דערמאָנט איר מוטער, וועלכע זי האָט קוים, קוים געדיינקט, איר מוטער וועלכע איז געווען שטיל און באַשיידן אין לעבן, מיט שטאָלץ, פיל געפילן און עס איז איר ווי גרינגער געוואָרן, לעבן דער געשטאַלט פון איר מוטער...

די טיר האָט זיך שטיל געעפנט און יצחק איז אריינגעקומען. ווי זיין שטייגער איז ער שטיל אויף די שפּיץ פינגער אַריין אין פאָדער צימער, אויסגעטאָן זיין אויבער מאַנטל און הוט און דאַן אַריין צו דער פאַמיליע. חיה אָנגעלייגט מיטביידע הענט אויפן וויגעלע האָט זיך אַזוי ווי אַ צי געגעבן, האָט געטאָן אַ לייכטן שמייכל און האָט געזאָגט: בינסט געקומען!... כ'האָב אַזוי פיל איבערגעטראַכט... אָבער באַלד ווי זיך פאַרשעמט פאַר איר ריידן... האָט זי צוגעגעבן: דער פאַל וואָס איז געשען? ווי האָט עס פּאַסירט?

זיי זענען אַרויס פון צימער. פאַרן אַרויסגיין האָט יצחק ווי אַ בליק געגעבן אויף דאָס קליינוואַרג. אַ שמייכל פון צופרידנקייט און אומרו האָט זיך צעלייגט אויף זיין פּנים.

ביים עסן האָט יצחק דערציילט וועגן דאָס פאָרגעקומענע. ער האָט דערציילט קורץ. ער איז געווען געריררט פון דאָס פאָרגעקומענע פּערציק לעבנ'ס זענען פאַר מיינע אויגן פאַרשניטן געוואָרן...

מער האָט מען ביים טיש ניט גערעדט.

יצחק האָט געגעסן ווי אָן אַפּעטיט. אָנגעהויבן איין זאַך און איבערלאָזנדיק אָנגעהויבן אַ צווייטע, און דאַן האָט ער אינגאַנצן איבערגעלאָזן דעם עסן, זאָגנדיק אַז עס הונגערט אים ניט...

דער זייגער האָט אויסגעשלאָגן צוועלף...

זאָגנדיק שלום, זענען זיי געגאַנגען שלאָפן.

דער זייגער האָט אויסגעקלאַפּט די האַלבע שעה'ן און קיינער פון זיי האָט ניט צוגעמאַכט קיין אויג...

די נאַכט האָט זיך געצויגן, און די געשעענישן פון טאָג האָבן דעם מה

געמאטערט.

דער פרימאָרגן האָט אריינגעקוקט דורך די פארמאכטע לאדנ׳ס. יצחק האָט שנעל זיך אויפגעהויבן ווי וועלנדיק איבעררייסן מיט דער שלאָפּלאָזער נאכט.

איילנדיק צו דער ארבעט האָט ער געזאָגט: טאָמער פארשפּעטיק איך זייט רואיק, כ׳וועל קומען. זאָגנדיק שלום, איז ער פארשוואונדן אויפן וועג נאָכן אויטאָבוס.

חיה האָט אים נאָכגעקוקט.

ער האָט זיך דערווייטערט, און זי האָט געטראכט: ערנסטע צייטן, ס׳ווערט געבאָרן די אידישע מלוכה, און די געבורטס ווייען זענען שווערע, קומט עס שוין וואָס שנעלער!

מלכה׳לע האָט געפרעגט: וואָס רעדסטו אמה׳לע?

א אידישע מלוכה, א אידישע מלוכה... וועט זיין אין גיכן, מיין טייער ליב קינדעלע, און דו וועסט זיין א פרייע אידישע טאָכטער, און א פרייען אייגן לאנד... האָט ווי פארטייטשט אירע געדאנקען חיה, שטייענדיק לעבן פענסטער און ארויסקוקנדיק צום ברעג ים...

---

(פון דער בראָשור: „גלויבנדיק אין אויפקום פון מדינת ישראל“. וואָס וועט דערשיינען אינגיכן).

# כל נדרי מיט דרייצן יאָר צוריק

## (פון דער סעריע: „ניט פאַרגעסענע איבערלעבונגען)

פון **פנחס שטיינוואַקס**



ביי סוקעניק'ס איידעם, ביי ר' נחום טייטלבוים אין דער בעקעריי ארבעט ביי נאכט א איד, א פליט פון ווארשע, מען זאָגט, אז דאָרט איז ער געוועזן א אָנגעזעענער טוער אין דער ציוניסטישער באוועגונג. דער דירעקטאָר פון דער שולע קאגוט ווייסט פון אים, האָט געלייענט זיינע ארטיקלען אין די צייטונגען. קאגוט דערציילט, אז ער איז געוועזן ביים ציוניסטישן קאָנגרעס אין גענף א דעלעגאט, מיט דעם מענטשן וואָלט געווען כדאי זיך צו האלטן א עצה וואָס צו טאָן, צו זאָל מען גיין אין שוהל צו כל נדרי, אָדער ניט. די פראגע איז נאָר ווי באַקומט מען א מעגלעכקייט מיט אים צו ריידן, ביי נאכט ארבעט ער אין דער בעקעריי, שטייט ביים אויוון, לייגט אַריין און נעמט אַרויס דאָס ברויט אונטער א שמירה פון א זעלנער, ביי טאָג האלטן זיי אים ביי אַנדערע ארבעט, סיידן מען זאָל בעטן ר' נחום'ען, אז ער זאָל מיט אים ריידן, ער האלט זיך דאָך אויף ביי אים אין שטוב.

אַזוי האָבן געשמועסט צווישן זיך אידן אין שטעטל סעמיאטיטש אין די טעג פון עשרת ימי תשובה אין יאָר 1939 אונטער דער אָקופאציע פון היטלער'ס חילות.

פאָן בראוכיטש דער דעראָבערער פון שטעט און שטעטלעך אין זיין בליץ מארש אויף ווארשע האָט אַרויסגעגעבן אין די אָקופירטע געביטן פאַראָרדענונגען, אז נאָך 5 אַזייגער אין אָוונט טאָר קיינער פון די איינוואוינער ניט אַרויסגיין אויפן גאס, ווער עס וועט וואגן ניט אויסצופאָלגן דעם געזעץ וועט אויפן אָרט דערשאָסן ווערן.

וואָס טוט מען אָבער מיט כל נדרי, ווי וועט דאָס א עדה אידן ניט גיין אין די בתי מדרשים, בכדי בציבור צו זאָגן כל נדרי? אין די געפערלעכסטע צייטן, ווען מען האָט געציטערט אַרויסצוגיין אין גאס — פאַר די קאָזאַקן פון צאַר ניקאָלאַי, אָדער פאַר די רוצחים פון גענעראל האללער'ס חילות האָט מען דאָך ניט פארפעלט צו זאָגן כל נדרי בציבור.

דער רב פון שטעטל צוזאמען מיט א צאָל בעלי בתים זענען פארשפארט

געוואָרן אין תפיסה, די אָקופּאַנטן
האָבן זיי געהאַלטן אַלס ערובניקעס,
קיינער פון שטאָט האָט ניט געוואָלט
נעמען אויף זיך די אחריות און דע־
צידירן וואָס צו טאָן, אַלע האָבן גע־
ציטערט פון פּחד, פון שרעק. מאַנכע
האָבן גע׳טענה׳ט, אַז מען טאָר ניט
געבן די מערדער אַ פּתחון פּה צו
קענען חס ושלום אומברענגען אַלע
אידן פון שטאָט, זאָל יעדער איד
דאַווענען ביחידות, אַנדערע האָבן גע־
זאָגט, אַז מיט די תפילות בציבור
וועט מען אומשעדלעך מאַכן דעם
שטן העליון און דעם שטן התחתון —
און אויב חלילה עס דאַרף געשען, זאָל
דאָס פּאַסירן אין דער צייט פון
עבודת הבורא — אין דער צייט פון
תחנונים און געבעט.

ערב יום כפור אין דער פרי, כעלות
הבוקר האָבן זיך עטלעכע אידן באַ־
געגנט אין הויז פון ר׳ נחום טייטל־
בוים און איבערגעגעבן די געשפּרעכן,
מיינונגען און שטימונגען, וואָס קור־
סירן אַרום אין שטאָט. לאַנג זיין צו־
זאַמען איז געווען אַ סכנה, אָן אַ דע־
ציזיע; איז מען זיך שנעל צוגאַנגען,
יעדער מיט אַ צעבראָכן געמיט, מיט אַ
פאַרקלעמט האַרץ, פול מיט אימה און
מיט פּחד.

ווי גיך נאָר די זון האָט אָנגעהויבן
צו פאַרגיין, האָט געשיקט די לעצטע
שטראַלן אַלס אָנזאָג, אַז עס קומט די
נאַכט — האָבן אידן, פרויען און מע־
נער, מיט קינדער ביים זייט אָנגע־
הויבן שטראָמען אין די בתי מדרשים
אַריין — ווער מיט תלית און קיטל
און ווער בלויז מיטן תלית אין האַנט,
אַנדערע האָבן שוין געטראָגן די תלי־
תים אויף די אַקסלען. קיינער, קיינער
האָט ניט פאַרפעלט צו גיין אין שוהל,
זיין צוזאַמען מיט אַלע אידן און
זאָגן כל נדרי בציבור.

אין די בתי מדרשים האָבן געברענט
די וואַקסענע ליכט, אַלע איינגעהילט
איבער די קעפּ אין די תליתים, שטיל
און מיט אַ קול דממה דקה האָט דער
בעל תפילה אין דער גרויסער שוהל
אָנגעהויבן זאָגן על דת המקום ועל
דת הקהל, בישיבה של מעלה ובישיבה
של מטה אנו מתירין להתפלל... ביי
די ווערטער פון שליח ציבור האָט
דער גאַנצער עולם ווי פרייער אָפּגע־
אָטעמט, עס איז פאַרלאָרן געגאַנגען
דער פּחד, אוועקגענומען געוואָרן די
שרעק, גאַנץ קהל צוזאַמען מיטן בית
דין של מעלה האָט דעצידירט, אַז אַלע
אידן אין סעמיאַטיטש זאָלן זאָגן כל
נדרי בציבור און זיך ניט שרעקן פאַר
קיינעם.

ביי אַלעמען איז דורכגעלאָפן דער
זעלבער געדאַנק, אַלע האָבן געאָטעמט
מיטן זעלבן געפיל, אַז מלכותא
דרקיע האָט גובר געווען און מבטל
געמאַכט די גזירות פון מלכותא
דארעה.

העכער און נאָך העכער — איבער
די הויכקייטן פון די שערי שמים
האָבן זיך געצויגן די טענער פון כל
נדרי ניגון — דער ניגון, וואָס סינ־
טעטיזירט אַזוי דייטלעך, פּחד און
בטחון, וואָס איז כולל אומעט און
האָפענונג, דער ניגון, וואָס ברעכט
הערצער, וואָס איז אַ געמיש פון גע־
שריי און געבעט — פון תחינה און
תפילה — פון חרטה און תשובה, דער
ניגון האָט געגרייכט צו כביכול אליין

און אלע מתפללים האָבן זיך מיט אים באהאפטן.

דריי מאָל האָט דער בעל תפילה געזאָגט כל נדרי, ווי דער דין איז און יעדעס מאָל שטאַרקער, העכער, מיט אַ פעסטערער און זיכערער שטי־מע. אָנגעהויבן שטיל, תחנונים'דיק, מיט אַ שוואכער, קוים הערבארער צע־בראָכענער שטימע, פול מיט פחד, איבערגעלאָדן פון שרעק, פון אימה, מען האָט געקענט זען ווי נאָר די האַרץ סטרונעס באַוועגן זיך אַזוי דין, אַזוי סובטעל, אַזוי בנעימות'דיק אינטים, אַזוי צארט נשמה'דיק און אַזוי אַלע מתפללים צוזאמען ווי פאַר־וויגט פון זעלבן ניגון טאַקט, פון זעלבן האַרץ ציטער, איינגעהילט אין דער זעלבער קדושה, דורכגעדרונגען מיט די זעלבע ערעורי תשובה, ווי צו־געשמידט צו איין און דעם זעלבן גורל. צום צווייטן מאָל האָט זיך די שטימע פון חזן געשטאַרקט, העכער געוואָרן, זיכערער און צום דריטן מאָל הויך, פעסט, שטורמישער, עפעקטפול ווי אַלע טויערן פון הימל וואָלטן זיך געעפנט און עס איז פריי דער אריינגאַנג צום כסא הכבוד, ווי רחמים וואָלטן פארביטן הארבן פסק דין, ווי אָנשטאָט משפט — איז גאָר געוואָרן אַ דין תורה מיט כביכול אליין.

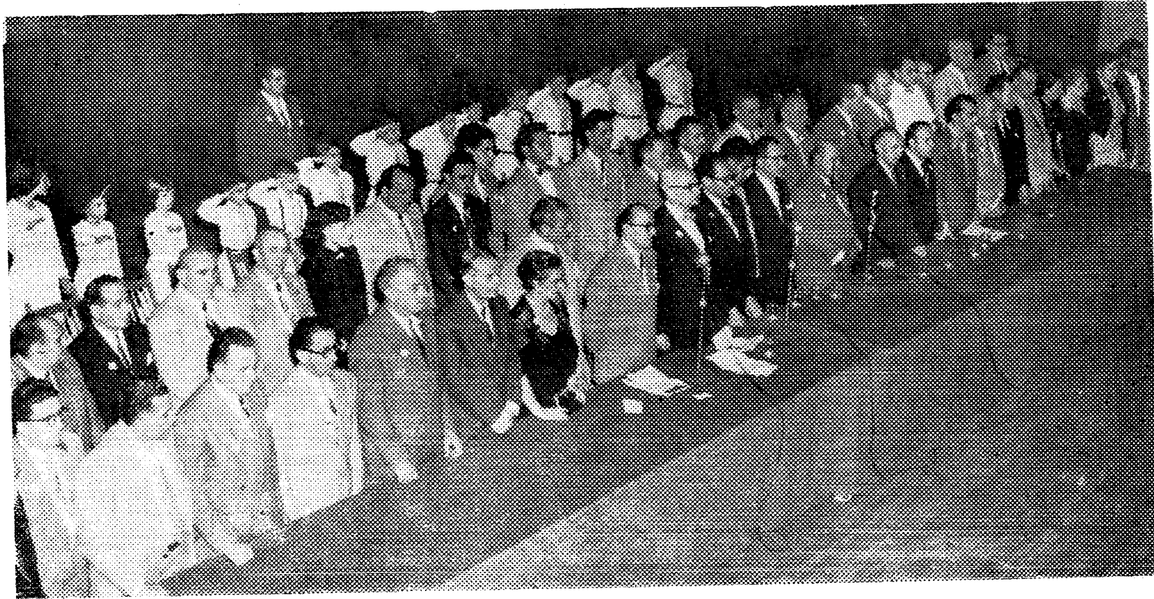
אויך דאָס פייער פון די ברענענ־די וואַקסענע ליכט איז העלער גע־וואָרן, דער פלאַם שטאָלצער, זיך גע־צויגן אין דער הויך, ווי אַרויסגע־קראָכן פון דער הכנעה, ווי דערפילט א פארטיידיקונגס צד אין הימל, וואָס וועט ניט דערלאָזן צו קיין רשעות צו די מתפללים.

די מיליטערישע וואך איז ווי צע־מישט געוואָרן, האָט ניט געקענט פארשטיין וואָס אין שטאָט קומט פאָר. די היטלער יונקער זענען אַרומ־געלאָפן ווי משוגעים, געגאַנגען פון איין בית מדרש אין צווייטן און אור־מעטום געזען אידן איינגעהילט אין תליתים און ריכטן אָפּ „גאָטעס דינסט".

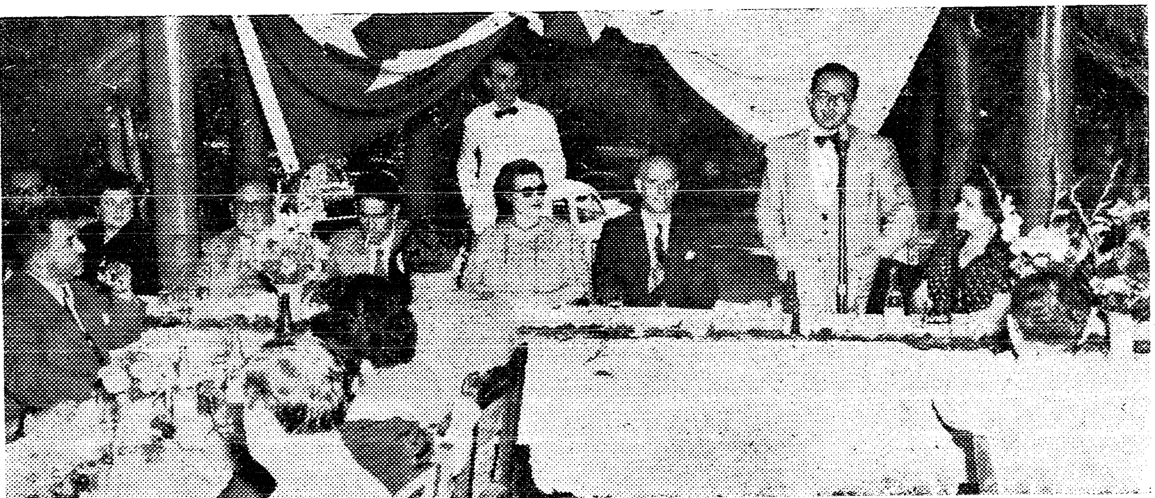
קיינער פון די רוצחים האָט ניט געוואָגט אויסצושטרעקן אַ האַנט קעגן די שטאָלצע מתפללים. דער ניגון פון כל נדרי, די תפילות פון יעלה תחנונינו מערב, דער גאַנצער פיוט פון מעריב, די סליחות, דער השתפכות הנפש פון אַ עדה אידן פאַרן רבונו של עולם האָט אומשעדלעך געמאַכט דעם שטן המקטרג אין געשטאַלט פון די היטלער גזלנים.

די נאַכט פון כל נדרי איז אַדורכ־געגאַנגען רואיק. נאָכן דאַוונען זענען נאָך פיל אידן געבליבן אין די בתי מדרשים, ווער עס האָט געזאָגט תהי־לים, ווער עס האָט געלערנט אַ פרק משניות אָדער אַ בלאַט גמרא, ווער עס האָט סתם מעיין געווען אין אַ ספר, אָדער ארומגעשפאַצירט איבער בית המדרש און געכאַפּט רעיונות, זיך באהאפטן מיט גאָר אַנדערע וועלטן, וועלטן, וואָס זענען פריי פון אכזריות, פריי פון רשעות, פריי פון שלעכט'ס — וועלטן, וואו מען קען בענטשן מלכות לעולם ועד...

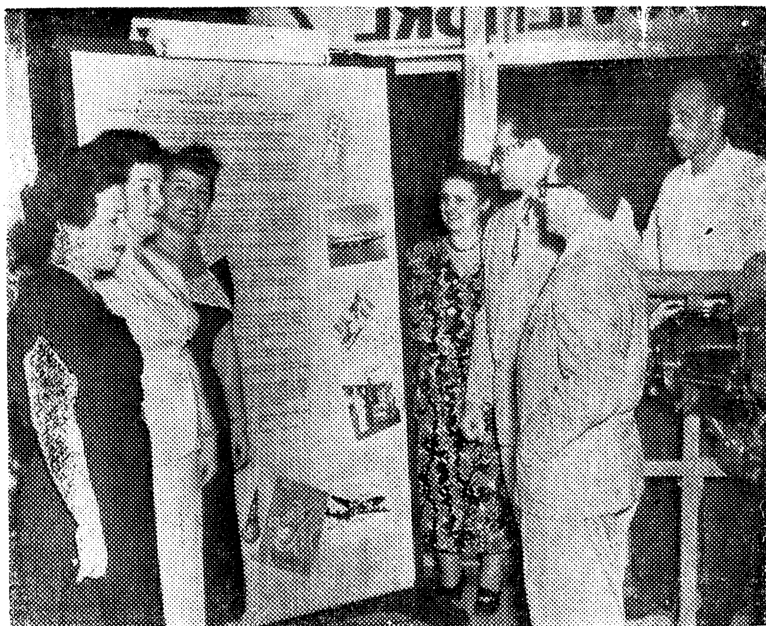
# רעזומע פון געזעלשאַפטלעכן לעבן אין בילד



פרעזידיום פון דער פאָלקס־מאַניפעסטאַציע פאַר מדינת ישראל, אין שייכות מיט דער פּראָקלאַמירונג פון באַנד־פאַרקויף אין קובאַ, פאָרגעקומען דעם 11־טן אָקטאָבער, מיט דער באַטייליקונג פון זיין עקסעלענץ אַמבאַסאַדאָר טוב און דער ספּעציעלער דעלעגירטער פון באַנד־דרייוו, אינזשעניער מיראָן שעסקין



זיין עקסעלענץ אַמבאַסאַדאָר משה טוב. איז דער פעסט רעדנער אויף דעם באַנקעט, אין דעם עלעגאַנטן רעסטאָ־
ראַן „טאַפּעקאַ“, אָרגאַניזירט דורך דער היגער בני־ברית לאָזשע „מיימאָנידעס“, צו דער געלעגנהייט פון 108־טן
יובילײ פון בני־ברית, זונטיק דעם 14־טן אָקטאָבער.





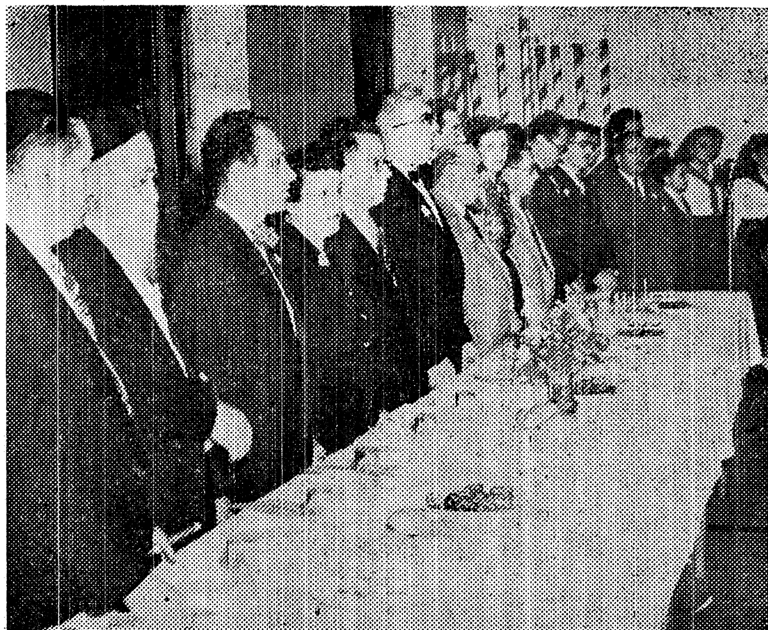
די נאַציאָנאַלע ישראל לופט-ליניע „אל על" באטייליקט זיך אין אַן אויס־שטעלונג פון אַוויאַציע, וואָס איז פאָרגעקומען אין האַוואַנאַ צווישן דעם 23־טן אָקטאָבער און 15־טן נאָוועמבער, אָרגאַניזירט אונטער דער אויפזיכט פון דער קובאנער געזעלשאפט פון די פאַראייניקטע פעלקער.



דעם 28־טן אָקטאָבער ווערן אויפגענומען אין אידישן צענטער פון מאריאנאַאַ, אינזשעניער מ. שעסקין, שליח פון באַנד דרייוו און ס. כ. קאַפּלאַן, דעלעגאַט צום 23־טן ציוניסטישן קאָנגרעס.

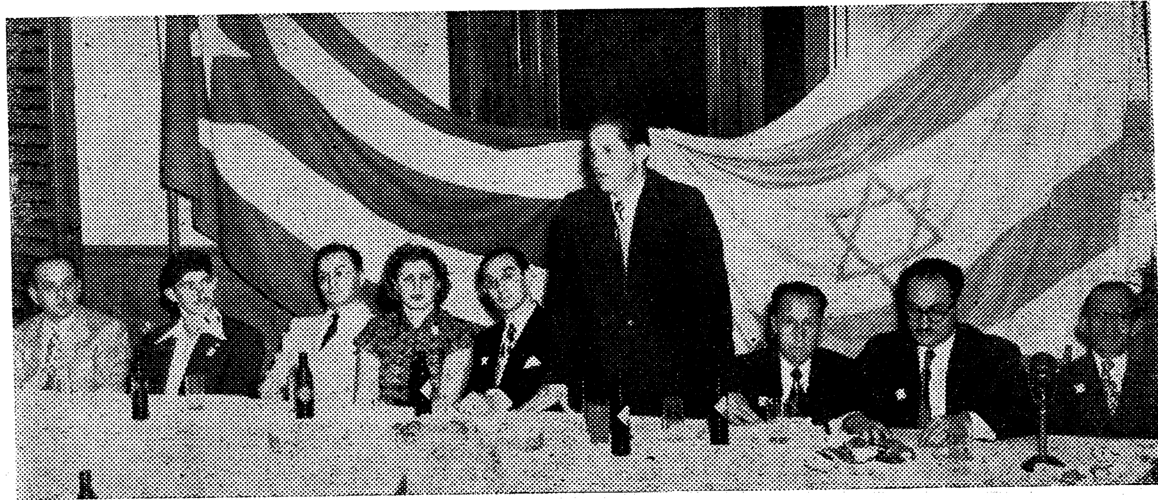



זונטיק דעם 4־טן נאָוועמבער איז דורכגעפירט געוואָרן מיט גרויס פייערלעכקייט  דער פאָלקס באנקעט צום
זילבערנעם יובל פון אידישן צענטער. אויפן בילד זעט מען א טייל פון פרעזידיום טיש אויף דעם אקט.





פרעזידיום (אויבן) פון חנוכה־אָוונט צום אָפּשלוס פון קרן קימת גאָלד־ענעם יובל־יאָר. ביי דער געלעגנהייט ווערט איבערגעגעבן צום פּרעזידענט פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג ה׳ איסאַק בערעזיווין (אונטן) זיין ספר־הזהב דיפּלאָם.



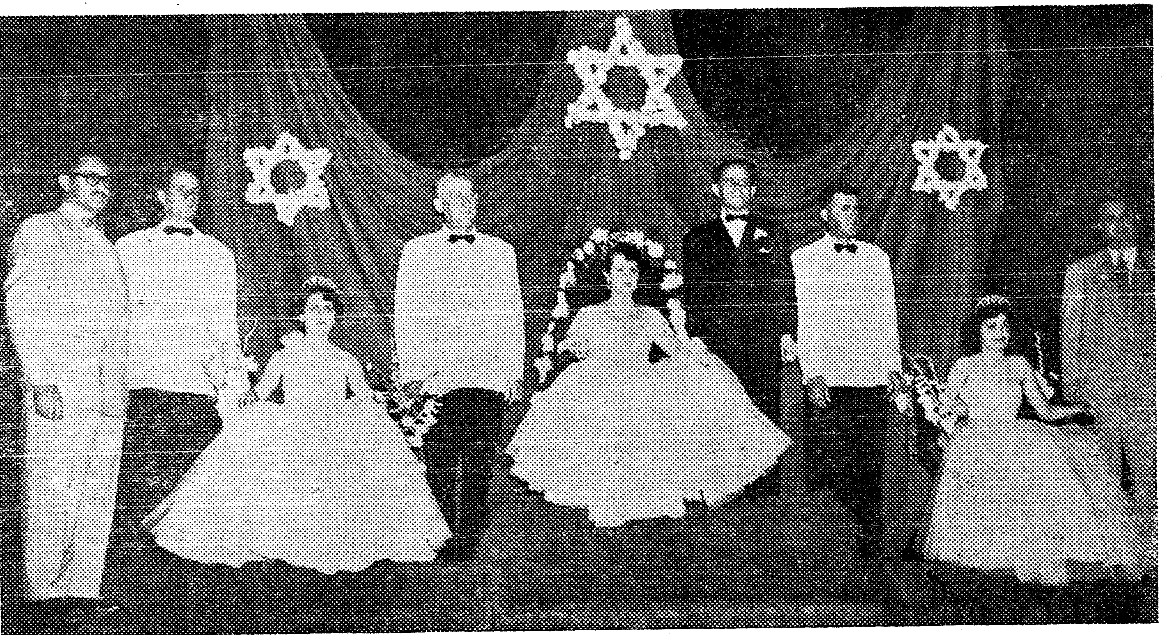
דעם 14־טן פעברואר איז דורך דער ציוניסטישער פאריייניקונג אָרגאַניזירט געוואָרן א קבלת פּנים אָוונט פאר יוסף טכאָרניצקי, דירעקטאָר פון לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּארטאַמענט פון קרן היסוד — המגבית המאוחדת אין ירושלים, וועלכער האָט באַזוכט האַוואַנאַ, כדי צו מאַכן די געהעריקע צוגרייטונגען צו דעם פאָרשטייענדן יערלעכן קרן היסוד קאַמפּיין.



פאָרשטייער פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג און „וויצאָ" זענען מקבל פנים אין לופט פאָרט פרוי שפרה ליפּסאָן, וועלכע איז אָנגעקומען דעם 12־טן מערץ, אויף אָנצופירן מיט דעם יערלעכן קרן היסוד — פאַרייניקטער ישראל קאַמפּיין.



דעם 1־טן אפריל קומט פאָר אין דער ציוניסטישער פאראייניקונג „אַ ישראל אָוונט“, וואו פרוי שפרה ליפּסאָן טרעט אויף אלס די הויפּט - רעדנערין.



שבת, דעם 5־טן אפריל קומט פֿאָר די קרוינונגס צערעמאָניע פֿון דער אסתר המלכּה און אירע צוויי ערן דאַ־מען; — אָרגאַניזירט דורך דעם קרן קימת לאַנד דירעקטאָריום. אסתר המלכּה 1952 — פֿרײַלין ראָסיטאַ יעלען; ערשטע ערן דאַמע — פֿרײַלין רעבעקאַ ווייסמאַן; צווייטע ערן דאַמע — דולסע מאַיאַ.



דעם 7־טן אפּריל ווערט אָרגאַניזירט דורך דעם קרן קימת לאַנד דירעקטאָריום אַ באַערונגס אָוונט פאַר דעם ערן פּרעזידענט ר׳ ראובן אייזען שו״ב, צו דער געלעגנהייט פון איבערגעבן צוויי ספר הזהב דיפּלאָמען אין שייכות מיט זיין גאָלדענער חתונה.

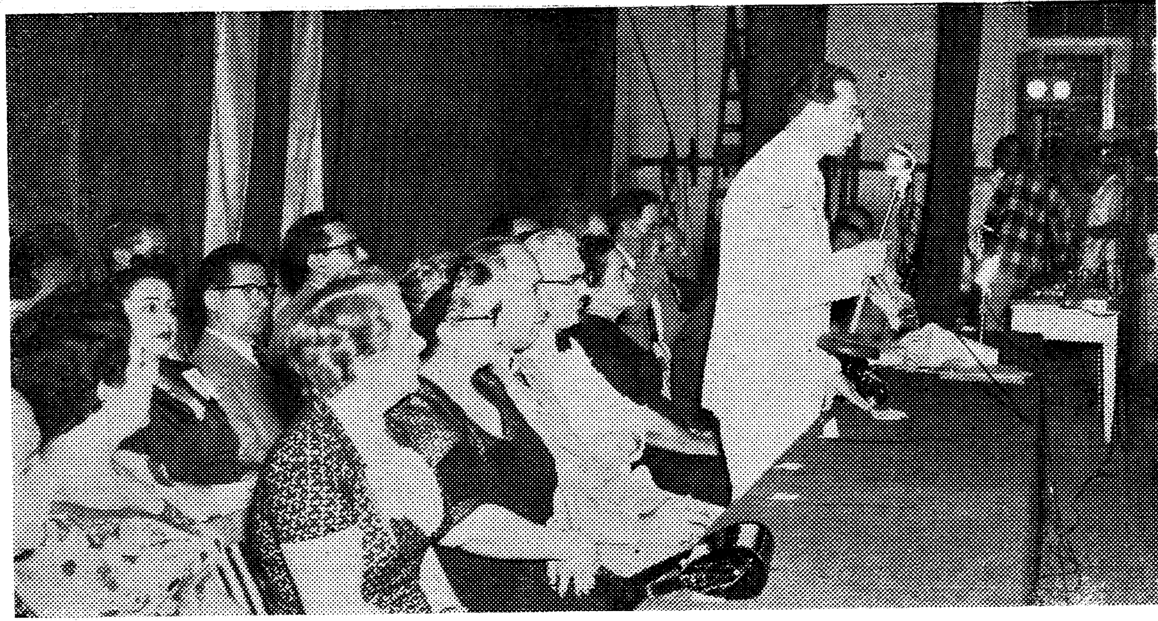


שבתי דינאר, ספעציעלער שליח פון קרן היסוד המגבית המאוחדת, האלטנדיק די הויפט רעדע אויף דעם פראק־לאמירונגס אקט פון דעם קאמפיין אין ספרדישן סעקטאר. (אין לאקאל פון „שבת אחים“).

א טייל פון די געסט וואָס האָבן זיך באטייליקט אין דעם באנקעט, פאַרגעקומען אין „טראָפּיקאנא“, דעם 20־טן אפּריל, צום זילבערנעם יובל פון אנטי טוב. קאָמיטעט.



די ניי שטוב פון דער „וויצא" נעמט אויף דער פרוי שפרה ליפסאן, שליחה פון קרן היסוד — פאראייניקטער ישראל קאמפיין און מיטגליד פון דער „וויצא" וועלט - עקזעקוטיווע.



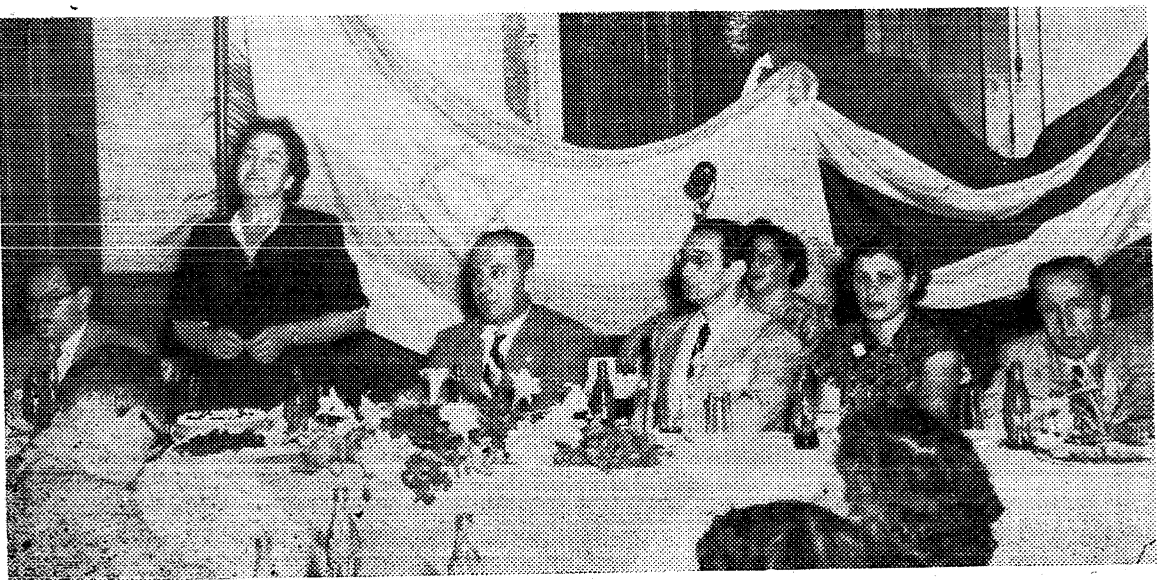
דעם 30־טן אַפּריל איז אין טעאַטער זאַל „וואַלדעס ראָדריגעז", אין וועדאַדאָ, פאָרגעקומען די פאָלקס פייערונג צום פערטן יום העצמאות פון מדינת ישראל. אויפן בילד זעט מען א טייל פון דעם פּרעזידיום טיש, אין דעם מאָמענט ווען דער פּרעזידענט פון דער ציוניסטישער פאַרייניקונג, איסאַק בערעזדיווין האַלט די רעפערענונגס רעדע.




פאַרשטייער פון ציוניסטישן פלענום ראַט און פון אידישע אינסטיטוציעס האָבן געלייגט א קראַנץ בלומען ביים מאָנומענט פון באַסע מאַרטי, אין שייכות מיטן פערטן יום העצמאות פון מדינת ישראל. ביים מאָנומענט האָבן גערעדט ס. מ. קאַפּלאַן און דער אוניווערזיטעט פּראָפעסאָר דר. קאַליקסטאָ מאַססאָ.



אמבאסאדאָר ארטור לוריא און זיין חשובע פרוי דזשאנעט ווערן באגעגנט אין לופט פּאָרט דורך פאָרשטייער פון קובאנער אויסלאנדס מיניסטעריום און פון אידישע אינסטיטוציעס. אמבאסאדאָר לוריא האָט פארטראָטן מדינת ישראל אויף די פייערונגען פון 50 יאָר קובאנער רעפּובליק.



דעם 14־טן מאי קומט פאָר אין ציוניסטישן בית עם דעם געזעגענונגס אָוונט פאר פרוי שפרה ליפסאָן, וועלכע האָט במשך פון צוויי חדשים צייט געאַרבעט איבערגעגעבן און אקטיוו אלס די ספעציעלע שליחה אויף דורכצו־פירן דעם יערלעכן קרן היסוד — פאריייניקטער ישראל ־ קאמפיין 1952.



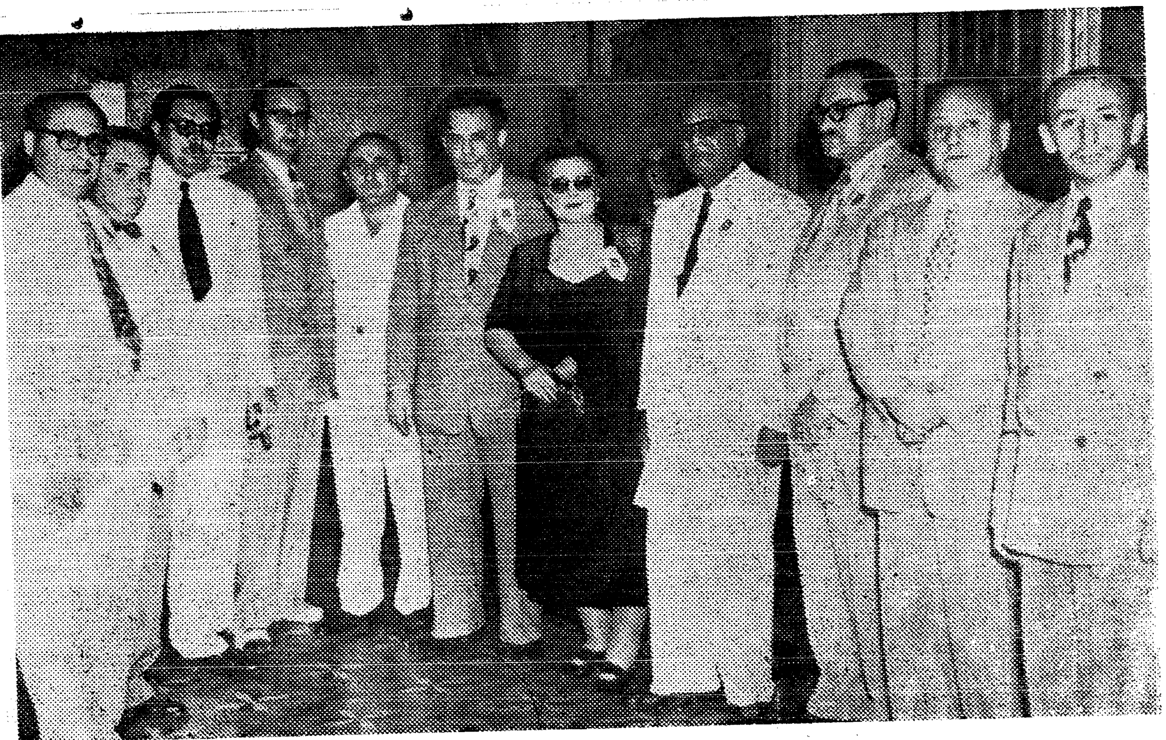
אַמבאַסאַדאָר אַרטור לוריא, וועלכער האָט פאַרטראָטן מדינת ישראל צו די פייערונגען פון 50 יאָר קובאַנער אומאָפּהענגיקייט — פאָרגעקומען צווישן דעם 14־טן און 20־טן מאַי — פּרעזענטירט צוזאַמען מיט אַלע אַנדערע דיפּלאָמאַטישע מיסיעס זיינע קרעדענציאַלן צום פּרעזידענט פון דער קובאַ־נער רעפּובליק, גענעראַל פולכענסיאָ באַטיסטאַ.



אונטערן אויפזיכט פון ציוניסטישן פּלענום ראט ווערט אָרגאניזירט דעם 18־טן מאי, אין האָטעל נאַסיאָנאַל א פייערלעכע אויפנאַמע לכבוד דעם אַמבאַסאַדאָר פון ישראל, ארטור לוריא און זיין חשובע פרוי דזשאַנעט, מיט דער באַטייליקונג פון פאָרשטייער פון אַלע אידישע אינסטיטוציעס.



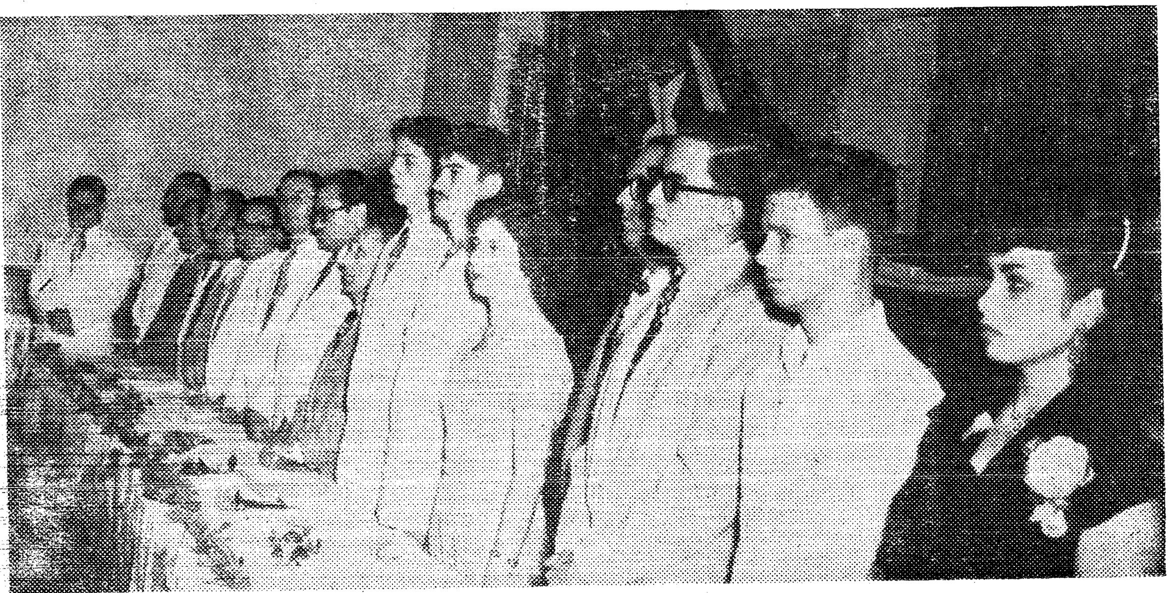
פאַרשטייער פון אידישע אינסטיטוציעס לייגן דעם 19־טן מאַי אַ קראַנץ־בלומען ביים מאָנומענט פון קובאַנער פרייהייטס־קעמפער כאָסע מאַרטי, אין שייכות מיט די פייערונגען פון 50 יאָר קובאַנער אומאָפּהענגיקייט.



דער קובאנער יוסטיץ מיניסטער דר. מיגעל אַנכעל סעספּעדעס און דרא. אַפּעליאַ דאָמינגעז, ווערן אויפגענומען אין אידישן צענטער, ווען זיי קומען זיך באטייליקן אין אקט לכבוד 50 יאָר קובאנער רעפּובליק.



פרעזידיום פון דעם אקט אָרגאַניזירט דורך דעם אידישן צענטער, דעם 22־טן מאַי, אין צוזאַמענהאַנג מיט דעם 50־טן יובל פון דער קובאַנער רעפּובליק. עס רעדט ביים מיקראָפאָן דער יוסטיץ מיניסטער, דר. מיגעל אַנכעל סעספּעדעס.



דעם 31־טן מאי קומט פאָר דער דערעפענונגס אָוונט פון דער נייער ציוניסטישער יוגנט אָרגאַניזאַציע „בני־ציון". אויפן בילד זעט מען דעם פּרעזידיום טיש אויף דעם פייערלעכן אקט.



די גרופע פון פינף קובאנער חלוצים, וועלכע זענען אין חודש יולי אָפּגע־פאָרן אויף הכשרה אין אַמעריקע, פונוואַנען זיי וועלן עולה זיין קיין ישראל. זיי זענען דאָ פאָטאָגראַפירט בעת זייער באזוך אין רעדאקציע פון „האַוואַ־נער לעבן". זיי זענען: אסתר בולבאַנעק, יהודית שויכען, ארטשע ברום, שאול אלטשון און יוסף קופערמאַן.



דעם 10־טן סעפטעמבער ווערט אָרגאַניזירט דורך דעם ציוניסטישן פּלענום ראַט, אין די זאַלן פון אידישן צענטער, אַ האָמענאַזש לכבוד דעם קאָנסול פון ישראל אין קובא, ה׳ ס. מ. קאַפּלאַן, אין שייכות מיט דער דערעפענונג פון די קאָנסולאַרע אָפיסן.



## ה׳ אַדאָלפאָ קעיץ

פראָמינענטער אידישער ביזנעס־מאַן און געזעלשאפטלעכער טוער וואָס איז ברייט באקאנט אין די אידישע ווי קובאנער קרייזן. אין לעצטן יאָר איז ער געשטאַנען אין שפּיץ פון דעם באַנד דרייוו און פיל מיטגעווירקט צו דעם דערפאָלג פון זעלבן.



## ה׳ איסאַק בערעזדיווין

באקאַנטער געזעלשאפטלעכער טוער. פרעזידענט פון פלענום ראַט און פון דער ציוניסטישער פאריייניקונג אין קובאַ, וואו ער ארבעט זייער אקטיוו. איז אויך דער סעקרעטאַר פון באַנד דרייוו.



## ה׳ יחיאל האָלץ

מיטאייגנטימער פון דער באקאנטער פירמע „לא קאסא כיל״, פון ליכ־טענשטיין און האָלץ; פרעזידענט פון דער קהילה פון האוואנא און פראָ־ווינץ, וועלכער האָט באקומען די גרעסטע צאָל שטימען אין די לעצטע אדורכגעפירטע וואַלן.



## ה׳ מאָריס הימלשטיין

באַקאנטער פאַבריקאנט פון פער־פומען און געזעלשאפטלעכער טו־ער, איז געווען פרעזידענט פון אידישן צענטער און פון דער ציזניסטישער פאריייניקונג און פרעזידענט פון דעם ערשטן נחלת יהודי קאמפיין; איז אן איבערגעגעבענער עסקן אין דער ציוניסטישער באוועגונג.



## אָשר שטשוטשינסקי

דיכטער און שרייבער, פּרעזידענט פון אידישן צענטער וועלכער האָט פיל מיטגעווירקט אין דער פארשטאַרקונג פון די קולטורעלע אקטיוויטעטן פון אידישן צענטער.



## ה׳ ישראל לוסקי

באקאַנטער ציוניסטישער עסקן, פּרעזידענט פון פאריייניקטן ישראל קאמפיין 1952, וואָס האָט באוויזן אדורכצופירן דערפאָלגרייך די ישראל אַקציע אין בלויז 3 מאָנאטן.

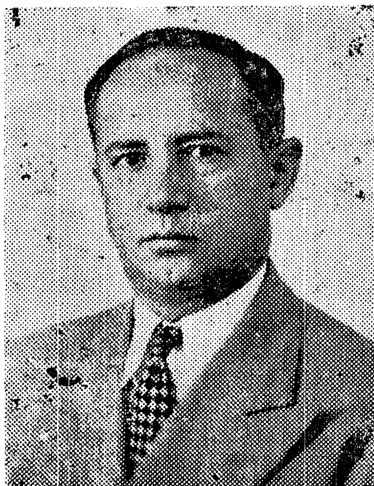


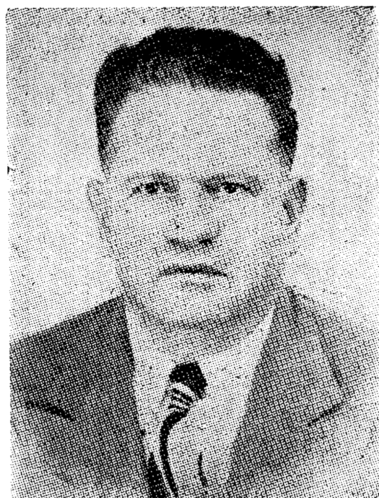
## ה' כוליאָ קאַריטי

קאַסיר פון פּאַטראָנאַט, באַקאַנ־
טער סוחר און אינדוסטריאַליסט,
געזעלשאַפטלעכער טוער. אייגנ־
טימער פון דער באַרימטער קוראַ־
וואַטן פירמע „רעפּאַרטער סעיאַ
דע אָראָ".

## ה' ענריקע קאַלושין

פּרעזידענט פון „היאַס" אין קובאַ
און עקזעקוטיוו מיטגליד פון דער
צענטראַלע פון „היאַס"; איינציק־
קער אינדוסטריאַליסט אין פּלאַס־
טיק פּראָדוקציע אין קובאַ און
אָנגעזעענער ביזנעסמאַן אין דער
אידישער קאָלאָניע.





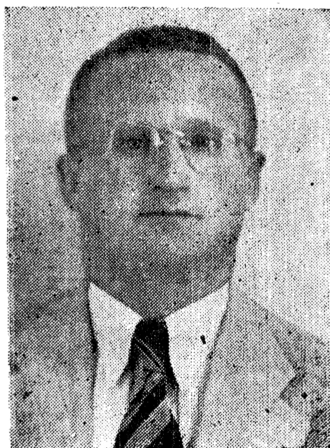
## ה׳ יוסף ראַבינאָוויטש

באַקאַנטער סוחר און אינדוסט־ריאַליסט און איינער פון די גרינדער פון פּאַטראָנאַט.



## ה׳ מאַקס שוואַרץ

אייגנטימער פון דעם ערשטן אידישן מעבל געשעפט „לאַ אָר־ניקאַ", און וויצע פּרעזידענט פון דעם פּאַטראָנאַט פאַרן אן איי־גענעם בנין.



## ה׳ קלמן וואָדאָנאָס

באַקאַנטער אידישער סוחר און געזעלשאַפטלעכער טוער; עקס פּרעזידענט פון אנטי טובעוקולאָז קאָמיטעט, וואָס האָט גענומען אן אקטיוון אנטייל אין צוריק אויפשטעלן די רעליגיעזע געמיינדע „עדת ישראל“.



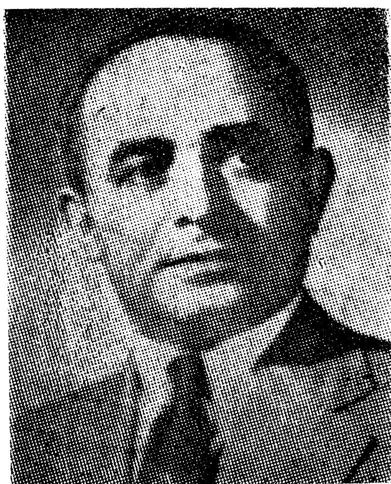
## ה׳ אשר עכענבאום

באַקאַנטער סוחר און אינדוסטריאליסט, איבערגעגעבענער טוער פון דער „קהילה פון האַוואַנאַ און פּראָווינץ“, וואו ער פאַרנעמט דעם אמט אלס סעקרעטאַר.



## ה׳ משה ראָזענבערג

קאַסיר פון פאַראייניקטן ישראל קאַמפּיין 1952; באַקאַנט אין דער אידישער ביזנעס וועלט; איינער פון די אייגנטימער פון דעם אַל־מאַסען „קינטאַ אוועגידאַ“.



## ה׳ כוליאָ ליפּשיץ

באַקאַנטער סוחר; מיט־שותף פון דעם באַרימטן אַלמאַסען „קינטאַ אוועגידאַ“; איז אַן אַקטיווער מיטאַרבעטער פון דעם פּאַטראָנאַט.



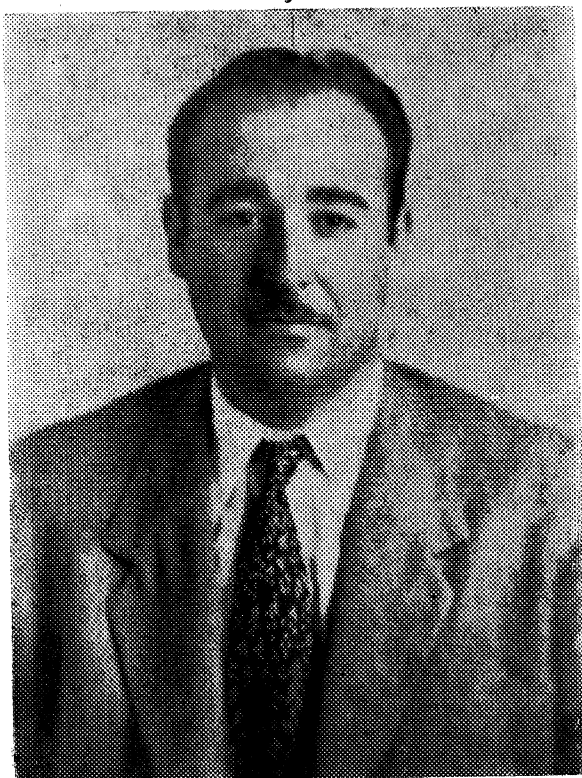
## פערנאַנדאָ מאַרטין הירשעל

ציוניסטישער עסקן און באקאנטער ביזנעסמאַן אין דעם כיראָ פון „כאַ־יעריע", פאַרשפרייטער אין קובא פון די בארימטע זייגערס פון די מאַרקעס „טעיום" און „אולטראַמאַר".



## מאַקס פראַשניק

איינער פון די עלטסטע אידישע ביזנעסלייט אין קובא באקאנט אונטער דער פירמע „קאַסא פראַשניק".



## אינזש. דזשעפערי שאַפּיראָ

דערפאָלגרייכער ביזנעסמאַן, מיט־
אייגנטימער פון „לאָס פּרעסיאָס פּי־
כאָס" — איינער פון די גרעסטע
דעפּאַרטאַמענטס סטאָרס פון קובא.
זון פון פּראָמינענטן אינדוסטריאַליסט
און ביזנעסמאַן טשאַרלעס שאַפּיראָ.

# ניי יאר באגריסונגען פון דער ישראל רעגירונג

## באַגריסונג פון יוסף שפּרינצאַק, אַקטינג פּרעזידענט פון מדינת ישראל און פאַרזיצער פון כנסת

יוסף שפּרינצאַק, צייטווייליקער פּרעזידענט פון ישראל און פאַרזיצער פון דער כנסת, האָט אַרויסגעגעבן דעם פאָלגנדן ראש־השנה מעסעדזש:

צוזאַמען מיטן פּרעזידענט פון מדינת ישראל, שיק איך ראש־השנה ברכות צו אַלע בירגער פון ישראל און צום אידנטום איבער דער גאַנצער וועלט.

נאָך א יאָר פון שעפערישער טעטיקייט פון אויפבוי און מסירות־נפש דערנענטערט זיך איצט צום סוף. ווען איך קוק צוריק אויף אונזערע באַמיאונגען פון פאַרגאַנגענעם יאָר, האָב איך צוטרוי צום פּראָגרעס, אין וועלכן אַלע בירגער זענען פולע שותפים. מיר האָבן אויך אין דעם יאָר געמאַכט שריט פאָרויס אין דער ריכטונג פון באַפעסטיקן אונזער דעמאָקראַטישער מדינה, אין דער אַנטדעקונג און אַנטוויקלונג פון די נאַטירלעכע רייכטימער און אין איינאָרדענען אין דעם היימלאַנד א גרויסע צאָל אימיגראַנטן. מיר בויען אונזער היימלאַנד פאַר דעם פאָלק וואָס האָט דורות לאַנג ניט געוואוסט וואָס עס מיינט צו האָבן א היים און זיכערקייט. איך בין מתפּלל, אַז אין קומענדיקן יאָר וועלן מיר זוכה־זיין צו זען ווייטערדיקע אַנטוויקלונג.

עס איז ישראל׳ס טיפסטער וואונטש צו זען, אַז דער וועלט שלום זאָל געשטאַרקט ווערן. דאָס איז איר וואונטש סיי אַלס איבערגעגעבענער מיטגליד פון דער פעלקער משפּחה, און סיי אַלס א פאָלק, אויף וועמען עס איז אַרויפגעלייגט געוואָרן די אויפגאַבע אויפצולעבן די פּאַרוויסטע פלעצער פון אונזער לאַנד. מיר זענען באַזונדערס מתפּלל פאַר שלום אין דעם ראַיאָן, אין וועלכן מיר לעבן.

די פּאָליטישע ענדערונגען, וואָס קומען איצט פאָר אין שכנות׳דיקע לענדער פאַרקלענערן ניט אונזער זיכערקייט, אַז אַן אָפּמאַך פון ברודערשאַפט וועט צווישן אונז סוף כל סוף דערגרייכט ווערן היינט, ווי אין דער פאַרגאַנגענהייט, איז אונזער האַנט נאָך אַלץ אויסגעשטרעקט אין שלום צו אונזערע שכנים. זאָלן זיי אויך איינזען, אַז נאָר קעגנזייטיקע פאַרשטענדעניש און קאָאָפּעראַציע קענען פירן צו שטענדיקער זיכערקייט, פּראָגרעס און פּראָספּעריטעט פאַר די לענדער פון גאַנצן מיטעלן מזרח.

אין דעם איצטיקן ערב ראש־השנה שיקן מיר אונזערע ברכות צו אַלע וואָס דינען אין דער פאַרטיידיקונג אַרמיי פון ישראל, באַוואַכנדיק די פאַרטיידיקונג פון היימלאַנד; צו אַלע פּיאָנערן קאָלאָניעס; צו אַגריקולטור און אינדוסטריע, צו אַלטע קאָלאָניסטן ווי אויך צו נייע; צו אַלע וואָס אַרבעטן מיט התמדה פאַר דער דערציאונג פון פאָלק און דער באַפעסטיקונג פון זיין ניי געבוירענער קולטור; צו אַלע וואָס ווידמען די אַרבעט פון זייערע מוחות צום וואוילזיין פון דער מדינה און צו דער אויפגאַבע פון אויסשמידן גלות׳ן אין איין פרייער שעפערישער נאַציע.

פון ציון שיקן מיר ברכות צו אונזערע ברידער אומעטום. זאָלן זיי געפינען טרייסט און דערמוטיקונג אין דער עקזיסטענץ פון מדינת ישראל. זאָלן געשטאַרקט ווערן די הענט פון אַלע, וואָס העלפן דעם אויפבוי פון דער מדינה פון דער ווייטנס, און פון די וואָס ווילן ווערן א טייל פון איר. זאָל דאָס יאָר 5713 זיין א יאָר פון ברכה און שטאַרקייט.

## באַגריסונג פון אבא אבן, ישראל אַמבאַסאַדאָר צו די פאַרייניקטע שטאַטן

„אין דער געשיכטע פון מדינת ישראל וועט דאָס יאָר תשי"ב, וואָס ענדיקט זיך נאָרוואָס, אנטפּלעקן די וואַקסנדע קראַפט און די פאַרגרעסערטע דערגרייכונגען וואָס זענען געקומען אין א געראַנגל מיט אומשטענדן פול מיט שוועריקייטן. אין אַלע פונקטן פון דער אנטוויקלונג פון לאַנד זעט זיך גרויסער פּראָגרעס. טויזנטער אימיגראַנטן זענען איינגעגלידערט און רעהאַביליטירט געוואָרן. די אַגריקולטור און אינדוסטריע איז פאַרברייטערט געוואָרן און נייע רעזורסן זענען געפונען געוואָרן. די דעמאָקראַטישע סטרוקטור פון לאַנד איז באַפעסטיקט און פארשטאַרקט געוואָרן. אין דעם דאָזיקן גיבן פּראָצעס איז ישראל איבערגעקומען אַלע נסיונות און איז ארויסגעקומען שטאַרקער און זיכערער ווי פריער.

„אונזערע הויפּט כוחות זענען דאָס יאָר געווען געווענדט צו קאָנסאָלידירן אונזער עקאָנאָמישע פּאָזיציע. אין דעם קאַמף צו אינטעגרירן די עקאָנאָמיע און צו פאַרגרעסערן די פּראָדוקציע, זענען די בירגער פון ישראל, וועלכע זענען שוין אַזוי אויך פול מיט שווערע לאַסטן, גרייט אויפצונעמען ווייטערע פליכטן.

„ישראל'ס שותפות מיטן אַמעריקאַנעם אידנטום האָט ווידער אַמאָל געבראַכט ברייטהאַרציקע און ערמוטיקנדע רעזולטאַטן. אָן דער דאָזיקער שטיצע וואָלט ישראל ניט בכוח געווען צו ערפילן איר מיסיע צום אידישן פאָלק.

„די פאַרייניקטע שטאַטן, בלייבנדיק טריי צו איר טראַדיציאָנעלע סימפּאַטיע צו דעם אויפבוי פון מדינת ישראל און אַנערקענענדיק ישראל'ס ראָלע אלס פעסטונג פון דעמאָקראַטיע אין די אומרואיקע געגנטן פון מיטעלן מזרח, האָט זי באַוויליקט וויכטיקע הילף און שטיצע.

„דער קומענדער יאָר וועט ניט פאַרקלענערן ישראל'ס פאַראַנטוואָרטלעכקייט. פאַרקערט, זיי וועלן גרעסער ווערן. ישראל, נעמענדיק אין אַנבאַטראַכט די וויכטיקייט פון זיין וואוקס און אנטוויקלונג וועט ווייטער אומדערשראָקן אַנגיין מיט אירע פליכטן און אויפגאַבן. דאָס לאַנד וועט ווייטער שעפּן כח פון די גייסטיקע קוואַלן פון זיין ירושה, פון דער פרייהייט וואָס איז געוואונען געוואָרן מיט אַזוי פיל בלוט, שוויים און תפילה און פון דער גרייטקייט פאַר ווייטערע קרבנות. מיר זענען איבערצייגט, אז דאָס אַמעריקאַנער אידנטום וועט אויך זיך טראָגן די פאַרפליכטונג פון איר חלק אין זייער שותפות מיט ישראל.

„צו אַלע אידן פון אַמעריקע שיק איך מיינע בעסטע און וואַרעמסטע וואונטשן צום נייעם יאָר".




# הקונסוליה של ישראל בקובה

באַגריסט צום נייעם יאָר
ה׳תשי״ג דעם אידישן ישוב
אין קובאַ און די אידן פון
דער גאַנצער וועלט, ווינטשנ-
דיק, אז דאָס נייע יאָר זאָל
ברייננען שלום, אויפשטייג
און פאַרפעסטיקונג פון
מדינת ישראל.

ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

# באַגריסונג פון קרן היסוד המגבית המאוחדת לישראל

דער אוועקגייענדיקער יאָר איז געוועזן פול מיט אָנשטרייגונגען און שוועריקייטן, אָבער אויך געבענטשט מיט דערגרייכונגען. א נייער רינג איז צוגעקומען אין דער קייט פון אונזערע אָנשטריינגונגען, זינט ס'איז אנשטאַנען די מדינה, אויפצוריכטן א פאָלק אין זיין היימלאַנד. צענדליקער טויזנטער נייע עולים זענען ווידער אַריין היינטיקן יאָר אין דעם שעפערישן לעבן פון דער מדינה און נייע וויסטע באָדן שטחים אין די בערג, אין די טאָלן און אין נגב, זענען פארוואַנדלט געוואָרן אין פרוכטבארע ערד וועלכע גיט איר ברויט בשפע. מיר זענען געבענטשט געוואָרן מיט נייע ווערק אין דאָרף, אין דער אינדוסטריע און אין וואַרשטאַט, ווערק וועלכע האָבן נאָך מער געקרעפטיקט די יסודות פון דער ווירטשאַפט אין ישראל.

אָבער דאָך זענען מיר נאָך ווייט פון דעם געגארטן ציל פון א פולער קליטה און פון א פעסטער זעלבסטשטענדיקער ווירטשאפט, וועלכע שפּייזט אלע איינוואוינער פון לאַנד. מיר שטייען נאָך אין אָנהויב וועג און די מיטלען דערלאָנגן ניט די באַדערפענישן און די דערגרייכונגען דערפילן ניט די בלויזן.

אין ליכט פון די דאָזיקע נויטן איז צוגעטראָטן דער קרן היסוד צו א באנייטער פארנעמפולער ארבעט און עס איז געעפנט געוואָרן א נייַ און שיין בלאַט אין דער טעטיקייטס געשיכטע פון די קרן היסוד עסקנים און אין דער אָפּפערוויליקייט געשיבטע פון גאנצן פאָלק פאר ישראל. דער אָנהויב איז געמאכט געוואָרן און מיר גלויבן, אז די פארזעצונג וועט קומען מיט פארדאָפּלטער ענערגיע און פארשטאַרקטן כח.

מיט דעם דאָזיקן גלויבן נעמען מיר אויף דעם נייעם יאָר און שיקן איבער די בעסטע גרוסן אַלע וואָס זענען זיך עוסק פאר ישראל מיט איבערגעגעבנהייט און ליבע און צום גאנצן אידישן ישוב אין קובא.

זאָל זיין פאר אונז אַלעמען דער נייער יאָר א גוטער און געבענטשטער יאָר.

בברכת כתיבה וחתימה טובה,

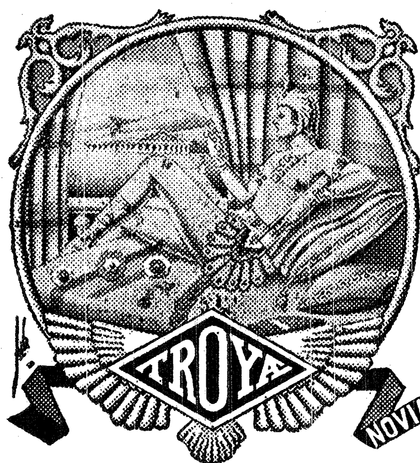
א. דובקין

א. הנטקע

צבי הרמן

Saludamos sinceramente a nuestros clientes y amigos de la Colonia Hebrea de Cuba en la fecha de su Año Nuevo y hacemos votos por su progreso, bienestar y prosperidad.

לשנה טובה תכתבו!




TIENDA SU CAMA CON

SABANAS TROYA GENUINAS

del mejor Warandol

LAS MAS BLANCAS Y MAS FRESCAS

CONFECCION PERFECTA

Garantía por 3 años

NOVIAS: COMPRAD SABANAS TROYA GENUINAS

# Ortíz, Hno. y Cía. S. en C.

Sucesores de FERNANDEZ y CIA.
Casa Fundada en el año 1889
Importadores de Tejidos

MURALLA 204 y CUBA 520 TELEF. M-1290

צו אַלע סוחרים און פּעדלער!

מיר האָבן אַ גרויסן אויסוואַל אין אַלערליי שטאָפן, ווי קרעפּעס, מעדראָ־פּריאַ, סטונג, באַטיסטאַס, עסטאַמפּאַדאָס, פּאָפּלינס, ליענזאָס, סעפּיראָס, וואַראַנדאַל א. א. וו.

פּרייזן פון אַל־פּאָר־מאַיאָר! באַזוכט אונז גלייך!

Fabricantes de las afamadas sábanas TROYA

# QUO VADIS
## Colosal

דער גראַנדיעזסטער פילם פון אַלע צייטן

וועט פרעזענטירט ווערן דורך

**Metro Goldwyn Mayer**

צו דער דערעפענונג פון דעם נייעם טעאַטער:

# TEATRO RODI

**LINEA, ENTRE A y D - VEDADO**

EL LUNES 10 DE NOVIEMBRE



# SANTE MOTORS, S. A.

**AUTOMOVILES "BUICK" — CAMIONES "GMC"**

**HABANA**

**HUMBOLDT No. 9.** **TELFS.** **U-2625** / **U-4417** / **U-8338**

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן מיר אַלע אונזערע
קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע!

**לשנה טובה תכתבו!**

---

*Cortesía*

*de*

# PERFUMERIA DRIALYS

---

# R E X

**De Arnoldo Teichler**

FABRICANTES DE JOYAS FINAS
EN ORO Y PLATINO

**VIRTUDES 264 entre GALIANO Y AGUILA**

**Teléfonos: W-7408 - A5-7501**

**HABANA - CUBA**

מיר ווינטשן אונזערע צאָלרייכע קונדן, פריינט
און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ

**אַ כתיבה וחתימה טובה!**

# Benjamín Terner

**TERNER'S — LAS CARTERAS MODERNAS**

**Compostela 563** **Telf. W-3837**



מיר ווינטשן אונזערע צאָלרייכע קונדן, פריינט

און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובא

אַ כתיבה וחתימה טובה!

# MON-VEL

FURNITURE

איר ווערט דאָרט אַטענדירט דורך שוואַרץ דזשוניאָר.

Ave. La Copa. ent. 1ra. y ra - Miramar

Teléfono B9 2570



צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע

קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער

קאָלאָניע אין קובא, און ווינטשן אַלעמען

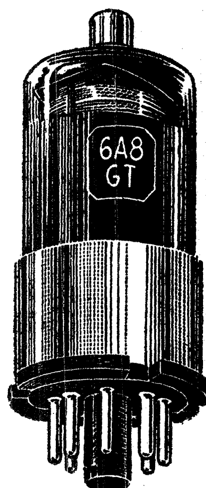
אַ כתיבה וחתימה טובה!

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר
אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דעם גאַנצן
אידישן ישוב פון קובאַ.
זאָל דאָס נייע יאָר ברייננען
פרייד פאַר אַלע אידן אויף
דער גאַנצער וועלט!

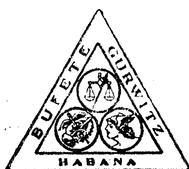
# לשנה טובה תכתבו

„טעכידאָס אי קאָנפעקסיאָנעס פעררא ס. א."

ברוך בענעס
יעקב בייקאָוויטש
ענריקע בייקאָוויטש
סאלאָמאָן ריקליאַנסקי
זלמן בייקאָוויטש



6A8
GT




# BUFETE GURWITZ

**ADMINISTRACION DE BIENES — CONTABILIDAD**
**LEGISLACION SOCIAL Y MERCANTIL**
**Lonja del Comercio, Dptos. 421, 24 y 26**
**Teléfonos: M-9733—A-4187—A-4663**

## גיט אונז איבער די אדמיניסטראציע פון אייערע הייזער!

פאר א גאנץ קליינער קוואטע וועט איר פארגרעסערן אייער איינקונפט! טרויט אונז אן אייערע פראבלעמען! אונזער אפיס איז אונטער דער אויפזיכט פון קאמפעטענטן און דערפארענע פראקטיקער.

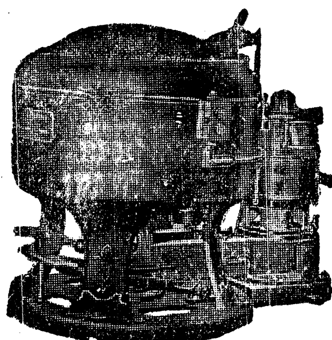
**מ י נ ע ל ג ו ר ו י ט ש**

מיר ווינטשן אונזערע צאלרייכע קונדן, פריינט און דער גאנצער אידישער קאלאניע אין קובא

**א כ ת י ב ה ו ח ת י מ ה ט ו ב ה!**

# TINTORERIA "BERTA"

**Compostela 824** **Tel. A-8604**



די איינציקע אידישע טינטארעריע, וואס וואשט אנצוגער, דאמען קליידער און מאנטלען אין פארלויף פון

**2 ש ע ה צ ו י ט**

ש נ ע ל ! ג ו ט ! פינקטלעך!

שנעלע באהאנדלונג דורך: מענסאכעראס און קאמיאן!
אייגנטימער: אסקאר בראווערמאן

א גליקלעכן און צופרידענעם יאר ווינטשן מיר אלע אונזערע קליענטן, פריינט און דער גאנצער אידישער קאלאניע!

**ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !**

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

# La Casa Tomás

Taller de Ropa Hecha en General

de TEWE FUKS

BERNAZA 214, Telf. A5-1181 Habana, Cuba.



מיר באַגריסן אַלע קליענטן,

פריינט און דער גאַנצער

אידישער קאָלאָניע אין קובאַ

און ווינטשן אַלעמען אַ

גליקלעכן דערפאָלגרייכן

יאָר!

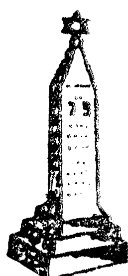
לשנה טובה תכתבו!

די אייגנטימער פון

# לאַ דיאַנאַ

באַגריסן אויפריכטיק די
אידישע קאָלאָניע אין קובאַ
און ווינטשן אַלעמען אַ יאָר
פון גליק און פּראָספּעריטעט!

לשנה טובה תכתבו!



# JUAN CASTILLO

**MARMOLISTA**

עס ווערן אָנגענומען אַלערליי
אַרבעטן פון **מאַרמאָר**

ספּעציאַליטעט אין
**מצבות**

**Rodríguez No. 169,** **Telf. I-8116**
entre Flores y S. Benigno

**Santos Suárez — Habana**

DESEAMOS A LA COLONIA HEBREA UN FELIZ
Y PROSPERO AÑO NUEVO.

לשנה טובה תכתבו!







**UNION ZIONISTA DE CUBA**

Prado 260 Habana

---

1952 — 1953 5713 — תשי״ג

אַלע אונזערע חברים, פריינט און סימפּאַטיקער
בפרט, און בכלל דער גאַנצער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ ווינטשן מיר

**אַ כתיבה וחתימה טובה!**

מיר שיקן איבער אונזער פלאַמיקן גרוס צו דער
אידישער מדינה ישראל און איר רעגירונג.

זאָל דאָס נייע יאָר תשי״ג
זיין אַ יאָר פון אויפבוי,
פאַרפעסטיקונג און שלום!

פאַרוואַלטונג פון דער
ציוניסטישע פאַריייניקונג אין קובאַ

איסאַק בערעזדיווין, פרעזידענט.

חיים שיינוק, סעקרעטאַר.

## CENTRO ISRAELITA DE CUBA

Egido 504 Habana

---

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

מיר באַגריסן האַרציק צום נייעם יאָר
אַלע אונזערע מיטגלידער און דער
גאַנצער איד. קאָלאָניע און ווינטשן
אַז דאָס נייע יאָר זאָל ברענגען בעסע-
רע צייטן פֿאַרן אידישן פֿאָלק, און אַן
אויפשטייג אין אונזער היגן געזעל-
שאַפֿלעך און קולטורעלן לעבן!

**לשנה טובה תכתבו!**

פאַרוואַלטונג פון אידישן
צענטער אין קובאַ

אשר שמיטושינסקי, פּרעזידענט. מאָריס קאָנסקי, גען. סעק.

**NATIONAL COMMITTEE FOR LABOR ISRAEL**
**Comité Nacional Pro Palestina Obrera**
Departamento Latino Americano

---

# בעסטע וואונטשן צום נייעם יאָר
# צו אַלע הסתדרות פריינט און צום
# גאַנצן אידישן ישוב פון קובאַ

די הויפט לייטונג פון הסתדרות קאמפיין פאר צפון און דרום אמע־ריקע שיקט אירע בעסטע חבר'ישסטע וואונטשן צו דער ליגע פון אר־בעטנדן ארץ ישראל און צו אלע פריינט פון דער הסתדרות, און צום גאנצן אידישן ישוב אין קובאַ.

מדינת ישראל וועלכע האָט גענומען אויף זיך צו לייזן דאָס פּראָב־לעם פון קיבוץ גלויות, שטיצט זיך הויפטזעכלעך אויף דעם גרויסן צבור פון אידישע ארבעטער וועלכע האָט דערמעגלעכט מיט איר מי, שוויים און בלוט, די פּראַקלאַמירונג פון דער מדינה און עס איז די דאָזיקע מחנה וועלכע איז און וועט אויך זיין אין דער צוקונפט אין די ערשטע רייען פון די וועלכע פארפעסטיקן די מדינה און פארזיכערן איר בוי און וואוקס אויף יסודות פון קאָנסטרוקטיווער ארבעט, אמת'ן יושר און פרייהייט.

דער אידישער ישוב אין קובאַ האָט געטאָן זיין פליכט אויף א אמת געטרייעם אידישן אופן אין דער פארגאנגענהייט און וועט אויך אין דער צוקונפט זיין אין די פראָנט רייען פון די וועלכע העלפן דער מדינה און דער הסתדרות צו דערפילן אירע גרויסע און היסטאָ־רישע ראָלע.

נאַציאָנאַלער קאָמיטעט פאַרן אַרבעטנדן ישראל

| | |
|---|---|
| **יוסף שלאָסבערג,** | **א. העמלין,** |
| נאַציאָנאַלער פּאָרזיצער. | נאַציאָנאַלער סעקרעטאַר. |

לאַטיין אַמעריקאַנער דעפּארטאַמענט פאַר דער הסתדרות
**דוד ווערטהיים,** דירעקטאָר.

# אידישער וועלט קאָנגרעס

די עקזעקוטיווע פון אידישן וועלט־קאָנגרעס אין ניו־יאָרק שיקט איבער דעם אידישן ישוב אין קובא א הארציקע ברכה פאר

## אַ שנת הצלחה ופדות

מיר ווינטשן אונזערע ברידער אין קובא אויפצובויען א מוסטער־האפטן און אינהאלטסרייכן אידישן לעבן, און אלס אן אקטיווער טייל פון אונזער פאָלק צו העלפן אונזערע באשטרעבונגען פאר א געזי־כערטער מדינת ישראל און א שאפערישן אידנטום אין דער גאָרער וועלט.

מיר האָפן, אז דער אידישער ישוב אין קובא וועט זיין פאראייניקט מיט אונז אין קאמף פאר די רעכט פון אונזער פאָלק אין אַלע אידישע קיבוצים.

עקזעקוטיווע פון אידישן וועלט קאָנגרעס
ניו־יאָרק

---

## CAMARA DE COMERCIANTES E INDUSTRIALES HEBREOS

Muralla 474 **Habana**

ווערט מיטגלידער פון דער אידישער האַנדלס-קאַמער!

די פאַרוואַלטונג פון דער אידישער האַנדלס-קאַמער באַגריסט און ווינטשט אַלע מיטגלידער, ווי אויך דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ, אַ דערפאָלג־רייכן און גוטן יאָר!

## לשנה טובה תכתבו!

י. זאמערשטיין, פרעזידענט. באקאבא מושקאט, סעקרעטאר.

ציוניסטישע פרויען־אָרגאַניזאַציע „וויצאָ"
פראַדאָ 260

אַלע אונזערע מיטגלידערינס און
דעם גאַנצן אידישן ישוב פון קובאַ

אַ כתיבה וחתימה טובה!

די פאַרוואַלטונג

פרידא אַרבער, פרעזידענטין.
חנה קריגער, סעקרעטארין.

---

אידישע שול ביים צענטער — אויטאָנאָמע פאַרוואַלטונג
פיגעראַס 224 — סאַנטאָס סוארעז.

לשנה טובה תכתבו!

אַ גליקלעך און צופרידן יאָר ווינטשן מיר די עלטערן, תלמידים-ות, דעם לערער-פערסאָנאַל, די פּראָטעקטאָרן פון די אָרעמע קינדער פון אונזער שול, און דער גאַנצער אידישער קאָלעקטיוויטעט!

פאַר דער פאַרוואַלטונג:

א. ז. ווײַנשטיין, פרעזידענט.
י. קאַפּוסטין, סעקרעטאַר.

מיר באַגריסן אַלע אונזערע חברים, עסקנים
און אַלע באַשטייערער בכלל מיט

# אַ כתיבה וחתימה טובה!

און אַ גוט יאָר.

יהי רצון, אז דער קינפטיקער יאָר תשי״ג זאָל ברייגנען
ישועות ונחמות פאַר אַלע אידן פון דער וועלט
און שלום פאַר מדינת ישראל.

**די עקזעקוטיווע פון לאַנד-דירעקטאָריום**

**פון קרן קימת לישראל אין קובאַ**

י. בלומענקראַנץ, פּרעזידענט. פ. טוכמאַן, סעקרעטאַר.

---

## ליגע פאַר דער הסתדרות אין קובאַ

פּראַדאָ 260 — האוואַנאַ.

---

די ליגע פּריינט פון ארבעטנדיקן ארץ ישראל אין קובאַ ווינטשט אַ גוט יאָר אירע חברים און אַלע אידן בכלל

# לשנה טובה תכתבו!

זאָל דאָס ניי יאָר ברענגען דויערנדן שלום אין ישראל און אויף דער גאַנצער וועלט;

אחדות אין די געשפּאַלטענע רייען פון דער ארבעטער באַוועגונג אין ישראל, כדי מיט געמיינזאַמע כוחות פארשנעלערן דעם אויפבוי פון דער מדינה אין גייסט פון ארבעט און סאָציאַלן יושר.

חיים שיינוק, פּרעזידענט.
ס. קאַנאַ, סעקרעטאַר.
יוסף בלומענקראַנץ, קאַסיר.

## אידישער פרויען פאַריין אין קובא
### לייַ-קאַסע ביים אידישן פרויען פאַריין אין קובא
מוראַיא 424, 5-טער שטאָק, האַוואַנא.

---

## אַ כתיבה וחתימה טובה!

**אַלע אידישע אינסטיטוציעס, אונזערע מיטגלידער, פריינט און סימפּאַטיקער, און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!**

פאַרוואַלטונגען פון אידישן פרויען-פאַריין און פון דער לייַ-קאַסע.

---

## קאָמיטעט צו שטיצן טובערקולאָזע און קראַנקע
לוז 464 האַוואַנאַ, קובאַ.

---

תשי"ג 5713

## לשנה טובה תכתבו ותחתמו!

די פאַרוואַלטונג פון אַנטי טובערקולאָז קאָמיטעט ווינטשט אַלע אי-דישע אינסטיטוציעס, די מיטגלידער פון קאָמיטעט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע, א גליקלעכן און צופרידענעם ניי-יאָר.

**פאַרוואַלטונג פון אַנטי טובערקולאָז קאָמיטעט**

אברהם פיש, פּרעזידענט.




Compostela 604 - 606 — Telf. M-3456 — Habana

HILOS — BOTONES — ARTICULOS PARA SASTRES

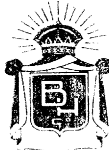
— MAQUINAS —

**EASTMAN** de cortar telas — **REECE** de hacer ojales

אַ כתיבה וחתימה טובה!

אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און דעם גאַנצן אידישן ישוב אין קובאַ.

---



NOVEDADES Casablanca

**Almacén de Joyería y Fantasías**

**Gran surtido en Relojes**

Ave. de Bélgica (Egido) No. 503. — Teléfono M-3204

Habana

**אַ גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן מיר אַלע אונזערע**
**קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!**

**לשנה טובה תכתבו!**

---

# La Bodega Cubana

de KATZ y RAAB

**Cuba No. 705, esq. a Acosta** — **Teléfono M-5208**

Habana

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

**לשנה טובה תכתבו!**

---

## JACOBO KAUFMAN Y Ca.

**San Benigno 119** — **Habana** — **Teléfono A-2097**

מיר ווינטשן אונזערע צאָלרייכע קונדן, פריינט
און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ

אַ כתיבה וחתימה טובה!

C O R T E S I A

DE

**K A B A  H E R M A N O S ,  S .  e n  C .**

ALMACEN DE TEJIDOS

**MURALLA No. 368** **TELEF. M-6001**

**L A  H A B A N A**

---

**MUEBLERIA "LA ESPECIAL"**

**Neptuno 615** **Habana** **Teléfono U-5620**

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן מיר אַלע אונזערע

קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע !

לשנה טובה תכתבו!

---

**E L  L A P I C E R O**

**DE JACOBO ISRAELIT**

IMPORTADOR DE ARTICULOS DE NAYLON

**BERNAZA No. 222** **TELF. A5-3582**

**L A  H A B A N A**

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע פריינט,

באַקאַנטע און דעם גאַנצן אידישן ישוב אין קובאַ!

לשנה טובה תכתבו !

---

**H A R R Y  B L O C H**

UNICO EN CUBA CON EL SURTIDO MAS EXTENSO

EN HEBILLAS "**CORDOVAN**" THE PLATINIUM

OF LEATHER

**AMARGURA No. 359** **TELF. A-9900**

**HABANA — CUBA.**

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן מיר אַלע אונזערע

קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

לשנה טובה תכתבו!

---

**L A  F E R I A**

de JAIME WINIKOR

**Avenida de Bélgica No. 556.—Teléfono W-8044**

La Habana

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע קרובים,

פריינט, קליענטן און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע!

לשנה טובה תכתבו!

**EL AZOGUE**
MARIANO CORRAL
Pajarito No. 357, Habana. Teléfono U-3624

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!
ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

---

MARIANO CORRAL Y FAMILIA
באַגריסן זייערע אויפריכטיקע און אמתע פריינט
MAX SCHWARTZ Y FAMILIA
און ווינטשן זיי פיל גליק און דערפאָלג צום נייעם יאָר!

---

MARIANO CORRAL Y FAMILIA
באַגריסן זייערע אויפריכטיקע און אמתע פריינט
RUBIN LEIBICK Y FAMILIA
און ווינטשן זיי פיל גליק און דערפאָלג צום נייעם יאָר!

---

MARIANO CORRAL Y FAMILIA
באַגריסן זייערע אויפריכטיקע און אמתע פריינט
ARBER Y CIA.
און ווינטשן זיי פיל גליק און דערפאָלג צום נייעם יאָר!

---

**Alberto S. Gross y Hno.**

SEGUROS

א גליקלעכן און צופרידענעם יאָר ווינטשן מיר אַלע אונזערע
קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע !
ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

---

**Tostadero del Café "PALATINO"**
de
MASFORROL Y CIA.
**Calzada del Cerro y Palatino** **Habana**

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!
ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

ל ש נ ה  ט ו ב ה  ת כ ת ב ו !

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע
פריינט און באַקאַנטע, און ווינטשן זיי אַ יאָר
פון גליק, פרייד און פיל פּראָספּעריטעט!

מאַקס געלער און פאַמיליע

---

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע
קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ, און ווינטשן אַלעמען
אַ כתיבה וחתימה טובה!

ד״ר. מאיר ליטאָוויטש און פאמיליע,

---

ברכת כתיבה וחתימה טובה

לכל בני משפחתינו באשר הם שם, ולכל הציונים והעוסקים באמונה
בבנין ארצנו ולכל אלו העוזרים בקבוץ גלותנו, די בכל אתר ואתר

מברכים: רוזה ועזריאל ווייץ

---

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע קרובים, פריינט און
דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ, און ווינטשן זיי

א כתיבה וחתימה טובה!

יוסף קליינער און פרוי

---

אַ כתיבה וחתימה טובה!

אונזערע פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע!

הרבנית סימע קאפלאן

---

אַ כתיבה וחתימה טובה!

אַלע אונזערע פריינט, קרובים און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע!

איסאַק בענדער און פאַמיליע

---

ל ש נ ה  ט ו ב ה  ת כ ת ב ו !

פיל גליק און פּראָספּעריטעט ווינטשן מיר צום נייעם יאָר אַלע
אונזערע קרובים, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ.

איסאַק קאַופמאַן און פאַמיליע

פרוי רייזל ווינשטיין
אייגנטימעריך פון רעסטאראן „משה פיפיק"
אלעקסאנדער קאנפער און פרוי
און וועלכער נעמט אן בשותפות אלע שמחות.
באגריסן צום נייעם יאר זייערע צאלרייכע קונדן און פריינט
און ווינטשן זיי
א כתיבה וחתימה טובה!

---

מיר ווינטשן אונזערע צאלרייכע קונדן, פריינט
און דער גאנצער אידישער קאלאניע אין קובא
א כתיבה וחתימה טובה!

סאלאמאן בילעראוויטש און פאמיליע

---

צום נייעם יאר באגריסן מיר אויפריכטיק
אונזער משפחה, פריינט און כלל ישראל
און ווינטשן אלעמען
א כתיבה וחתימה טובה!

פייוול האלצמאן און פאמיליע

---

צום נייעם יאר באגריסן מיר אלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאנצער אידישער קאלאניע אין קובא!
לשנה טובה תכתבו!

כאקאבא גוסעוויטש און פאמיליע

---

א גליקלעכן און צופרידענעם יאר ווינטשן מיר אלע אונזערע
קליענטן, פריינט און דער גאנצער אידישער קאלאניע!
לשנה טובה תכתבו!

זישע פייסאטע און פאמיליע

---

לשנה טובה תכתבו!
א גליקלעכן און צופרידענעם יאר, ווינטש איך אלע
מיינע חברים און פריינט.

יצחק נ. לעלטשוק

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע
פריינט, באַקאַנטע און די גאַנצע אידישע
קאָלאָניע אין קובאַ און ווינטשן אַלעמען
אַ כתיבה וחתימה טובה!

ראובן סאַפּליצקי און פאַמיליע

---

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אונזערע קליענטן, פריינט
דער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ. ווי די אידן
פון דער גאַנצער וועלט.

לשנה טובה תכתבו!

משה באַלדאַס און פרוי

---

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע פריינט, קליענטן
און באַקאַנטע, און ווינטשן זיי אַ יאָר פון גליק,
פרייד און פראָספּעריטעט!

לשנה טובה תכתבו!

סאַמועל גאַפּקאָוויטש און פאַמיליע

---

לשנה טובה תכתבו!

פיל גליק און פראָספּעריטעט ווינטשן מיר צום נייעם יאָר אַלע
אונזערע קרובים, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ.

יוסף בלומענקראַנץ און פאַמיליע

---

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

לשנה טובה תכתבו!

הערמאַן טשערוואָני און פאַמיליע

## שיקט צו אייערע קרובים אין ישראל
## וואָלפּע׳ס דאָלער־סערטיפיקאַטן פון 5, 10, 15, 20, $25

גאַראַנטירט, אז אייער קרוב אין ישראל וועט איינקויפן פאַר די משעקס וואָס פאַר א שפּייז ער נויטיקט זיך אין אונזערע „בחירה״ קליימן, אין ירושלים, תל אביב, חיפה און פתח־תקוה.

## מיר שיקן אויך איבער עלעקטרישע ניי־מאַשינען
פאַר דער פרייז פון $94.95 ביז ישראל.




ביליקע פרייזן צו פליען קיין
**ישראל און אייראָפּע.**

האַוואַנאַ־ישראל, דירעקט אַהין און
צוריק מיט האָלענדישער ליניע
פרייז: $972.50
**קאַ. על. עמ.**

קומט, שרייבט אָדער טעלעפאָנירט צו:

# חיים וואָלפּע און זון

די איינציקע אידישע רייזע ביוראָ אין האַוואַנאַ, וועלכע פאַרטרעט די פאַן־אַמעריקאַן, קובאַנער און מעקסיקאַנער לופט געזעלשאַפטן, אויף אַקאָסטאַ גאַס, נומ. 404, האַוואַנאַ, טעל. 9465־א און 3954־א



תשי״ג 1952-1953

די רייזע ביוראָ פון חיים וואָלפּע און זון
און די געזעלשאַפט „בחירה מתנות לישראל״
ווינטשן אַלעמען אַ גליקלעכן ניי־יאָר
לשנה טובה תכתבו ותחתמו!



# Atlantic

HECHO EN CUBA

**ALMACEN DE TEJIDOS**

De FEDER Y RIPS

**Fábrica de Calzoncillos, Pijamas, Camisas de Sport, Guayaberas y artículos de punto.**

**MURALLA 422-A** **TELF. A-9546**

**HABANA**

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע, זאָל דאָס נייע יאָר ברייגען פרייד פאַר אַלע אידן אויף דער וועלט !

ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

נוצט די קאמי ספון העכסטער קוואַליטעט!
„באַמאַ" איז אַ קאָמיסעטע ציטעם „באַמאַ"!



CAMISETAS BLOOMERS
SWEATERS CAMISAS

## Samá Textil

FABRICA DE TEJIDOS DE PUNTO

MARIANAO

HABANA CUBA

**REAL No. 115** **MARIANAO** **TELF. B0-91[illegible]**

מיר באַגריסן צום נייעם יאָר אַלע אונזערע פריינט, קליענטן און באַקאַנטע, און ווינטשן זיי אַ יאָר פון גליק, פרייד און פראָספעריטעט !

ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

1952 — 1953          תשי"ג — 5713

---

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר
אַלע אונזערע קליענטן,
פריינט און דעם גאַנצן
אידישן ישוב פון קובאַ.
זאָל דאָס נייע יאָר ברייננגען
פרייד פאַר אַלע אידן אויף
דער גאַנצער וועלט!

# לשנה טובה תכתבו

## מאקס בלום און פאמיליע

## „קוערוואָ און קאָמפּאַניע"
## באַגריסט קובאַנער אידן צו דער געלעגנהייט
## פון אידישן ניי-יאָר 5713



ווי יעדן יאָר, דערמאָנען מיר זיך אין די פייערלעכע טעג פון אידישן ניי-יאָר, וואָס ציילט שוין היינט דאָס יאָר 5713.

מיר ציילן צווישן דער אידישער קאָלאָניע אַ קונדשאַפט, צו וועלכער מיר באַציען זיך מיט דעם גרעסטן רעספּעקט.

**יאָרן און יאָרן**, ווי אונז קומט אויס צו שטיין אין פאַרבינדונג מיט די אידישע סוחרים און אינדוסטריעלער, און קענען בלויז אַכטונג און דאַנקבאַרקייט צו זיי אויסדריקן. מיר האָבן שטענדיק ווירדיק געדינט אונזערע אַנגעזעענע קליענטן און וועלן זיך ווייטער באַמיען אַנטקעגנצוקומען מיט ראַט און טאַט דעם אידישן ביזנעסמאַן.

ווי פריינט פון אידישן פאָלק, האָבן מיר שטענדיק אנטיילגענומען און קאָאָפּערירט מיט די פאַרשידענע אונטערנעמונגען אין אידישן ישוב לטובת אַ נאַציאָנאַלער היים פאַרן פאָלק ישראל אין ארץ ישראל.

**דערפאַר ביי דער געלעגנהייט פון ניי-יאָר, דריקן מיר אויס אונזער אויפריכטיקן וואונטש צו אונזערע אידישע קליענטן און צום גאַנצן ישוב בכלל.**

**קוערוואָ און קאָמפּאַניע**

breo-cubano en la flor de su juveentud. Una víctima más, de miles y miles de los mejores hijos de las Naciones Unidas y los Estados Unidos de Norte América, que ofrendan diariamente su vida en la lucha santa por la libertad y la democracia, por la razón y el derecho del hombre, contra las fuerzas opresoras de las dictaduras de todos los matices, la esclavitud y la negación de las libertades y verdades de la humanidad.

Era ISAAC BONDAR Y KRAVEZ alumno de nuestro plantel del Centro Israelita, aquí en estos mismos salones cursó sus primeros estudios, donde los maestros, los directores, han sembrado en su tierno corazón los principios más altos de la tradición judaica: AMARAS A TU PROJIMO COMO A TI MISMO, base principal de todas las virtudes y la moral más pura de la civilización contemporánea. Y los principios más altos también de la tradición cubana de lucha por la libertad y la independencia. Aquí en Cuba donde nació, en la tierra fértil de la Perla de las Antillas, que oyó su primer grito al nacer, el grito a la vida, esta tierra de Cuba, cual una madre cariñosa le acogerá pronto en su seno.

"Lloran su muerte sus padres, su familia, sus compañeros, todos nosotros, y aunque no es el momento de consuelo, abrigamos la confianza que pronto la causa justa triunfará, llevando a todos los hogares de los pueblos amantes de la libertad y la democracia el sosiego de la paz, la armonía y la felicidad.

## DISCURSO DEL CONSUL DE ISRAEL, SR. SENDER M. KAPLAN

"Estos ideales son tan viejos como la Humanidad, porque desde el Principio, el hombre ha luchado por el mejoramiento de su situación, por su libertad, por su dignidad y por la democracia. Los padres del difunto Cabo Bondar han venido a estas playas como víctimas de persecuciones. Han venido aquí porque han sabido que en el continente americano y especialmente en Cuba, hay libertad, no hay persecuciones raciales.

"Y aquí, en este país, nace el héroe Isaac Bondar. Nace aquí y recibe la inspiración, bajo el techo del colegio de este "Centro Israelita" donde, a la par con los ideales de José Martí, Antonio Maceo, Máximo Gómez e Ignacio Agramonte y otros grandes patriotas cubanos, se inspira también en este libro eterno del pueblo judío que es la Biblia, este libro que ha inspirado a la Humanidad en los ideales de justicia, en los ideales épicos y morales.

"Estas dos corrientes de cultura —de la cultura hebrea y de la cultura del país donde ha nacido— inspiran a ese hombre a ser un verdadero soldado de los ejércitos de la democracia.

"Y hoy, cuando le rendimos el último tributo, no solamente debemos expresar nuestra condolencia y pesar, sino tomar una lección provechosa para nosotros. Que sea el cabo Isaac Bondar un ejemplo para nuestro modo de pensar y estar dispuestos a luchar y morir por defender estos ideales de la Humanidad y de todos los pueblos, que son la democracia, la libertad y fraternidad entre los hombres y las naciones.

"En paz descanse el cabo Isaac Bondar".

## PALABRAS DEL SR. A. Z. WAINSTEIN, EN NOMBRE DE LAS SOCIEDADES HEBREAS

"Hay momentos en la vida de un individuo, como en la vida de una colectividad, que las palabras huelgan, que la lengua enmudece ante el cuadro de dolor y pena que nos une. El Centro Israelita de Cuba, el Colegio Hebreo del mismo, las Sociedades, la Colonia —todas están de luto. Ha caído en los campos de batalla de Corea, en su puesto de honor y deber, uno de nosotros, el joven Cabo Isaac Bondar y Kravez, allá en acción con toda su fe en un mundo libre, expiró su último aliento un joven he-

tribuno nuestro en un discurso memorable —me refiero al Dr. José Manuel Cortina— que la Democracia no es un sistema político, sino una necesidad moral de la dignidad humana.

"El impulso que llevó a la guerra a este noble muchacho, hay que encontrarlo en un superior sentido de la dignidad del hombre que poseía. De origen israelita, y nacido en Cuba, fuerzas endógenas y exógenas le impulsaban el ansia de libertad en el alma. Ningún pueblo ha sido más oprimido y sojuzgado sobre la faz de la Tierra que el pueblo Hebreo; sin embargo, ha sobrevivido por su inquebrantable amor a la libertad y su invencible tenacidad en conseguirla, conquistando por su esfuerzo un sitio propio en el consorcio de los pueblos libres del Mundo. Y tampoco ningún pueblo ha amado la libertad con mayor intensidad que el pueblo de Cuba, que la conquistó con la sangre de sus mejores generaciones. Isaac Bondar era el tipo humano ideal para incorporarse a las Fuerzas de ese otro gran campeón de la libertad, los EE. UU. de América.

Frente al holocausto de una vida joven como esta, y más aún, frente a la altura de los principios que son el contenido espiritual de este holocausto, los hombres y los pueblos de América tenemos que meditar sobre la pequeñez de nuestras rencillas internas, y sobre la vecindad indiscutible de la hora que debamos incorporar todos nuestros esfuerzos y energías a la tarea universal de garantizarnos definitivamente lo que aquel gran conductor de pueblos, —Franklin D. Roosevelt— señalara como el bien supremo de la Humanidad: el derecho a vivir sin temor.

Aquí no están más que los despojos materiales del héroe; su espíritu, la luz de su generosidad permanece allí, en la línea de fuego donde cayó para preservar nuestras libertades, para defender la integridad de nuestras instituciones, la inviolabilidad de nuestros hogares, la paz de nuestras mujeres y de nuestros hijos.

"El Ejército de Cuba se une al duelo de los familiares y amigos de Isaac Bondar, sintiéndole como caído de sus propias filas".

———0———

ramente mayores. Pudo haberse retirado con sus compañeros a una posición defendible, sin embargo prefirió permanecer en su puesto.

"El Cabo Bondar dió su vida cuando le faltaban sólo 17 días para ser desenrolado con honor del ejército y ser repatriado a los Estados Unidos.

"Yo deseo expresar a los padres y familiares de este valiente soldado la honda gratitud del pueblo norteamericano. Nosotros nos sentimos orgullosos de recordar a este joven héroe, y nos sentimos honrados de que un hombre de tan noble e intrépido carácter escogiera nuestro país para pasar los últimos años de su vida y el ejército de las Naciones Unidas para luchar en las fronteras de la democracia".

—0—

## PALABRAS PRONUNCIADAS POR EL CAPITAN LUCAS LAMADRID MOYA, A NOMBRE DEL EJERCITO DE LA REPUBLICA DE CUBA

"En nombre del Ejército de la República de Cuba, tengo el honor de rendir este último homenaje de admiración y fraternal reconocimiento al Cabo del Ejército de los EE. UU. de América, compatriota nuestro, Isaac Bondar.

"El Cabo Isaac Bondar ha caído en los campos de batalla de Corea sosteniendo los principios de Democracia, igualdad ante la Ley y justicia social, que son el fundamento de nuestra estructura política, como lo son de todos los Países civilizados del mundo.

"Y digo de todos los Países civilizados del mundo, porque el concepto de Civilización básicamente descansa en un sentido moral y jurídico de convivencia que armoniza la independencia individual con la intangibilidad de la soberanía del Estado. Y no han alcanzado ese concepto los Pueblos en los que —y a despecho de sus progresos técnicos— el individuo no es más que una máquina al servicio del Estado. Por eso dijera un ilustre

## DISCURSO DEL CONSUL GENERAL DE LOS ESTADOS UNIDOS, SR. PAUL J. REVELEY, A NOMBRE DEL GOBIERNO AMERICANO

"Es con un sentimiento de profunda humildad, que aceptamos el privilegio de asistir a los funerales de Isaac Bondar. Se me ha pedido que exprese a sus padres y familiares, en nombre de la Embajada y el Gobierno de los Estados Unidos nuestra infinita simpatía y más sincero pésame genuinamente sentidos de este caso.

"Isaac Bondar nació en Cuba. Durante su niñez primero y su juventud después, gozó de las ventajas que ofrece un pueblo amante de la libertad. Se convirtió en miembro del Ejército norteamericano, como ciudadano cubano, cuya ciudadanía conservaba cuando murió.

"Hay una gran distancia entre Odessa, Rusia, la ciudad nativa de sus padres, Cuba, los Estados Unidos y los campos de batalla de Corea. El camino es tan largo, como árduo y duro es el trágico esfuerzo del hombre por mantener el mundo libre. Isaac Bondar fué muy lejos para ofrecer el mayor de los sacrificios que puede hacer el hombre, para que no perezcan los ideales en los que él creía.

"Durante la primera mitad de este siglo, cientos de miles de jóvenes norteamericanos han dado sus vidas en tres guerras, peleando en Europa, Asia y Africa. Este joven soldado cuya memoria honramos hoy, no era ciudadano de los Estados Unidos. No obstante, militando en las filas del ejército de su país adoptivo, dió su vida, aunque su obligación era mucho menor que la de sus compañeros de ramas.

"Se suele decir que el Cabo Bondar ofreció el supremo sacrificio de su vida defendiendo desinteresadamente la libertad de todos los hombres, ya sean cubanos, norteamericano o coreanos, y aún la de las gentes de la patria nativa de sus padres. Como es sabido Isaac Bondar fué mortalmente herido haciendo frente al enemigo, cubriendo la retirada temporal de su pelotón con una ametralladora, durante el ataque de fuerzas abrumado-



Finalizado el turno de los oradores, el rabino Lowell pronunció una breve oración, siendo extraído el ataúd que contenía los restos del cabo Bondar, descendiendo los dos pisos del "Centro Israelita" y depositándolo en el carruaje que lo habría de conducir al cementerio hebreo, en Guanabacoa, flanqueado por un pelotón de infantería del Ejército. Una banda militar ejecutó música marcial a la salida del cadáver del "Centro Israelita" y a su llegada al camposanto.

Allí, el rabino Meyer Rosenbaum realizó los ritos funerales de la religión judaica, siendo inhumados inmediatamente después los despojos mortales del joven héroe cubano-hebreo Isaac Bondar. El toque de silencio ciñó de gravedad el momento, en la tarde bochornosa, y la descarga de fusilería que le sucedió, puso punto final a las demostraciones de adhesión al inolvidable soldado que ofrendó su vida en aras del ideael democrático.

A continuación reproducimos los textos de los discursos que fueron pronunciados en esta ocasión:

# HOMENAJE POSTUMO AL CABO ISAAC BONDAR



Era casi un silencio opresivo el que reinaba en el salón del Centro Israelita de Cuba, aquella tarde del 17 de septiembre cuando se rindió el último homenaje póstumo al Cabo Isaac Bondor, héroe que cayera en los campos de batalla en Corea luchando por la libertad y la democracia.

La solemnidad ambiente se había ido apoderando de todos los presentes y, escrutando los rostros, se advertía la impresión que causaba en ellos cada palabra, cada gesto, cada expresión de los oradores. El rabino Benjamín Lowell había iniciado el servicio, con una invocación pronunciada en inglés, pidiendo al Todopoderoso que velara el eterno descanso del héroe yacente.

Después, la representación del Gobierno de los Estados Unidos de América, en el cónsul general, señor Paul J. Reveley, había dicho sus palabras de consuelo a los familiares del cabo Isaac Bondar y exaltó la valentía del noble soldado; el capitán Lucas Lamadrid, del Ejército de Cuba, ponderó el gesto del ametralladorista que sólo rindió el arma cuando una bala le llevó el aliento en alas de la muerte; el cónsul general de Israel, Sender Kaplan, se refirió a los viejos ideales que había defendido con la vida Isaac Bondar y el ejemplo que nos había dado con su caída; Lusky, de la "Juventud Hebrea", comparó al hermano desaparecido con el arco-iris "que nos alegra al aparecer con sus colores que creemos eternos, pero que nos entristece al desaparecer porque se lleva la luz. Así fué Isaac Bondar"; y el señor Wainstein, representante del "Centro Israelita" que hizo el resumen, en sentida pieza oratoria.

## PREPARATORIA COMERCIAL

**SOL 51.** **TELF. W-0578**

**Director: Prof. David Pérez.**

---

## !לשנה טובה תכתבו

INGRESO - COMERCIO - BACHILLERATO - INGLES
ARTES MANUALES - EDUCACION PARA EL HOGAR

**Resumen de nuestro trabajo. Ingresos durante el Curso 1952.**

---

### CURSO 1951-52

**Ingresos a los Institutos de 2da. Enseñanza**

Ana Rubín, Notable.
Feelipe Pistiner, Aprovechado
Enrique Yudelewsky, Aprobado
Olga Llera, Notable
Loris Jrade, Notable
Jaime Hazán, Aprobado
Efrain Taché. Aprobado
Oscar Sklarz, Notable
Reina Levis, Aprovechado
Jacobo Moreno, Aprovechado
Sarah Mizrahi, Aprovechado
Esther Waserstein, Notable
Duño Berenhaut, Sobresaliente
Segundo Lamelas, Aprovechado
Isidoro Mizrahi, Notable
Esther Bagdali, Aprobado
Ernesto Casas, Aprovechado
Alegre Albuckrek, Sobresaliente
Sarah Werbin, Aprobado
Jaime Teplicki, Aprobado
Luis Ash, Notable
Rafael Kapustin, Notable
Jaime Sucholicki, Sobresaliente
Ana Reznick, Sobresaliente
José Sherman, Notable
Isaac Gilfarb, Aprovechado

### CURSILLO DE VERANO

**Septiembre — 1952**

Israel Carfas, Aprovechado
Isaac Matz, Aprobado
Rafael Matz, Aprobado
Rubén Matz, Notable
Alberto Karpel, Aprovechado
Magaly Reyes, Aprovechado
René Grana, Aprobado
Egon Ditgen, Notable
Marcelino Llanos, Notable
Marcos Llanos, Aprovechado
Sara Golimpol, Aprobado
Carmen Hernández, Aprobado
Israel Bigelman, Notable
Roberto González, Aprobado
Miguel Szysher, Aprobado
Miriam Blank, Aprovechado
Willy Babil, Aprobado
Regina Levy, Aprovechado
Miguel Cristal, Aprovechado
Dora Gilda, Aprovechado
Mauricio Meyers, Aprovechado
Esther Werblud, Aprobado
José Asseo, Notable
Isaac Chervony, Aprovechado

**Relación de los que han logrado en un año cursar el**

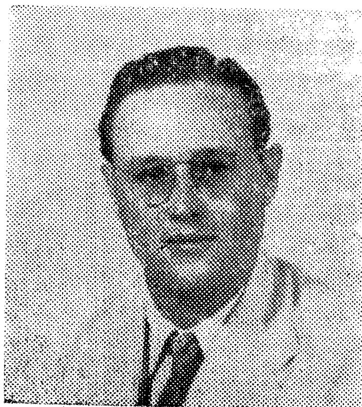
**Ingreso y 1er. Año Bachillerato**

Esther Waserstein
Duño Berenhaut
Segundo Lamelas
Isidoro Mizrahi
Sara Werbin
Jaime Lejman
Luis Ash

**Ingreso a la Escuela Profesional de Comercio de la Habana**

**Curso Profesional**

David Kronfeld
José García
Gladys Fernández
Samuel Weintraub
Carlos Cruz
Chemary Maya
David Fux
Simón Alstein



**DR. MIGUEL BEREZDIVIN**

**Dentro de breves días regresará de los Estados Unidos el doctor Miguel Berezdivin, especialista en Piel Sífilis, así como en la aplicación de nuevos métodos de tratamiento en dicha especialidad, y en breve hará la apertura su Consultorio Médico.**

**El doctor Berezdivin comenzó su especialidad en el Skin and Cancer Univ de N. Y., continuándola como Residente - Jefe del Dpto. de Piel y Sífilis del New York Hospital Bellevlle - Medical Center.**



El Sub-Director del periódico "Vida Habanera" y representante en Cuba de la Jewish Telegraphic Agency", señor Abraham J. Subelman, saludando al honorable Sr. Presidente de la República, general Fulgencio Batista y Zaldívar, durante la entrevista que el último le concedió para la prensa judía mundial.

Nota descollante de la psicología judía es la laboriosidad y el dinamismo interno. En este estado se ve eso palmariamente. ¡No es nada la empresa que el gobierno se ha echado sobre sus hombros! Convertir en tierras productivas los eriales que invaden su suelo. Y poco a poco, metódicamente, científicamente, va haciendo florecer los desiertos de arenas. Y si circunstancias adversas no lo impiden, día llegará no muy lejano, en que todo el Estado de Israel sea una tierra próspera, en que el suelo que antaño mereció tantos elogios por su fecundidad y hermosura, vuelva a recobrar sus antiguos prestigios.

Hoy por hoy, esto está haciéndose, está en su proceso genesíaco. Al lado de una Jerusalén con su aire de modernidad o de un Tel Aviv o Haifa, pletóricos de movimiento industrial, poseídos de fiebre constructiva, con impulsos de juventud, existen miles de casitas provisionales o tiendas de campaña orillando los campos, para trabajarlos y devolverlos a su antigua fecundidad. La vida es difícil, dura, trabajosa. El coeficiente de productividad no está en relación con el ritmo de inmigración que ha venido en riada constante sobre estas tierras que le ofrecían un hogar, un refugio, a sus sufrimientos y a la humillación de los "ghettos". Y esta ha provocado un desequilibrio económico que ha obligado al Goiberno a imponer severas leyes de racionamiento.



Otro punto interesante de la realidad social israelí son los experimentos que se están ensayando en sus campos colectivos llamados "kibutzim", o en sus comunidades de estructura cooperativa, conocidas con el nombre de "moshavim", pero esto requeriría mucho espacio y tiempo, de los que ando muy escaso.

órbitas climatológicas y culturales diferentes, influenció decisivamente en su mentalidad y en sus hábitos exteriores.

Por eso el actual Estado de Israel es un crisol gigantesco donde se funden, para forjar una unidad de pensamientos y de acción, todas estas diferencies que son más profundas de lo que a primera vista parece. Porque, en rigor, son profundas las diferencias que median entre los diversos grupos nacionales. Y para salvarla se requerirá mucho tiempo y una acción inteligente y tesonera.



Una gozosa sorpresa para los hispano parlantes, es el encuentro a cada paso con judíos de habla española. Son los sefarditas que fueron desterrados de España en tiempos de la Reyes Católicos. La mayoría de ellos proceden de Turquía, hablan un castellano arcaico, con resonancias de romancero.

Publican uaqí dos periódicos, por lo menos, intitulados "La Verdad" y "El Tiempo". Al leerlos, uno cree hallarse transportado a tiempos remotos, no precisamente por sus informaciones que recogen la pulsación histórica de las últimas horas, sino por su escritura, por su léxico y por la conjugación de sus verbos. Es una prueba palpable del espíritu tradicionalista, del culto a sus usos y costumbres que profesa el judío. Nos informan estos hebreos hispano parlantes, que la lengua de su hogar es el castellano, que hay dispersos por diferentes naciones de Europa y Africa otros muchos judíos que siguen fieles a su origen español, y que algunos de ellos hasta conservan las llaves de sus antiguas casas de Toledo, Avila... heredadas de padres a hijos a lo largo de los siglos.

Creo que este fenómeno no ha de durar mucho tiempo en Israel. Antes, en la Diáspora, el castellano era un elemento de autodefensa contra la absorción del medio ambiente. Hoy, viviendo en un estado netamente judío y por los casamientos entre gentes de diverso origen lingüístico, es difícil que pueda perdurar por mucho tiempo el fenómeno.

Los esfuerzos que está desplegando el Gobierno de Israel por la difusión del hebreo, hacen prever que dentro de una o dos generaciones, la única lengua, no sólo de la calle, sino también de los hogares, será el hebreo.



ya ésta de los franciscanos en Tierra Santa, escrita a fuerza de sangre, valor y sacrificio a lo largo de siete siglos.

Y como es natural, no hemos visto, hasta ahora, sino los Santuarios comprendidos en el Estado de Israel. Cafarnaum, su Sinagoga derruída donde tantas veces hablara Cristo; el lugar donde Jesús proclamara la primacía de Pedro, consagrado actualmente por una preciosa capilla; el lago de Tiberíades con agua de azul intenso y dormido, surcado por leves barquichuelas; la Montaña de las Bienaventuranzas, desolada y reseca en sus laderas y coronada en su cima por una airosa iglesia de religiosas franciscanas; el Monte Tabor como un gigantesco domo en medio de la llanura, con su correspondiente Santuario Franciscano; Nazaret, típico pueblo árabe con sus callejuelas estrechas y malolientes, con las iglesias que señalan la casa donde viviera la Sagrada Familia y donde la Virgen María recibiera el mensaje del Angel el día de la Anunciación; Caná de Galilea, donde una iglesia perpetúa el primer milagro obrado por Jesús; el Monte Carmelo, cuna de la Orden Carmelitana y reducto eremítico del Profeta Elías; San Juan de la Montaña, con la iglesia que recuerda el hogar donde naciera San Juan Bautista y donde Isabel recibiera la visita de su prima la Virgen... La iglesia de la Dormición de la Virgen al cuidado de los Benedictinos alemanes y el Cenáculo...

Podría señalar todavía otros varios lugares cuyos nombres resuenan en la Biblia o en la Historia de las Cruzadas, pero temo alargarme demasiado; más, sí quiero destacar algunos ángulos, los más relevantes, de la problemática actual palestina.



Aquí en el Estado de Israel, se está llevando a cabo un experimento interesante, sin precedentes en la Historia: la creación de una nación con gentes traídas de todas las latitudes geográficas.

Lo que llama la atención, al primer golpe de vista, en el paisaje humano israeli es la heterogeneidad de sus habitantes: gentes vestidas con atuendo europeo o con multicolores vestimentas astrosas; hombres con largas barbas prolíficas o limpiamente rasuradas; de pelo rubio y ojos azules o morenos de mirada llameante... En fin, un mosaico de "pueblos" judíos, si se me permite la expresión, a quienes su estancia de siglos en

# Un Franciscano en Tierra Santa

Por el R. P. FRAY LUIS DE ZABALA.

(Desde Jerusalén escribió un sacerdote franciscano de gran piedad y sólido prestigio intelectual, el R. P. fray Luis de Zabala, director del "Semanario Católico San Antonio", de La Habana. Visitó Tierra Santa con el grupo de peregrinos que asistieron al Congreso de Barcelona bajo la dirección del R. P. fray Francisco de Iraola, Comisario de Tierra Santa en Cuba, con residencia en la iglesia de la Santa Cruz de Jerusalén en Almendares. — Este trabajo fué publicado en las muy leídas páginas del periódico "El Mundo", de esta capital).



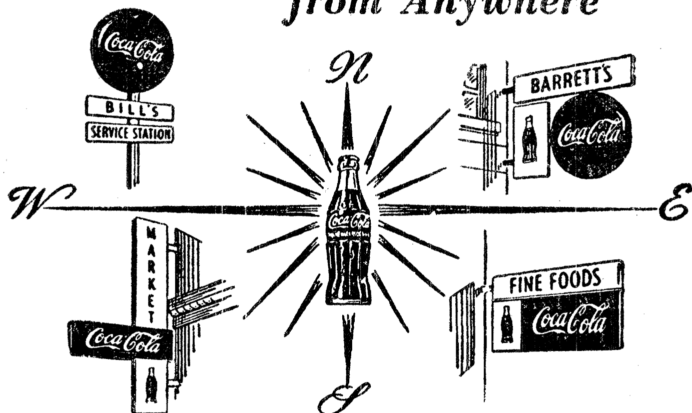
Hoy pensamos atravesar la línea fronteriza que divide esta ciudad sagrada de trágicos destinos. Hoy a la noche damos por terminado nuestro recorrido por la parte judía de Tierra Santa. Un recorrido rápido sobre el haz de las cosas. Sin tiempo ni posibilidad para penetrar en el cogollo de los problemas que agitan la tierra de Jesús. Pero así y todo, algo he podido captar, por vía directa o por informaciones bebidas en fuentes autorizadas, de la realidad presente. He aquí, en rápido esquema, sus contornos más destacados.

En primer término, están los Santuarios de la Cristiandad, levantados sobre los lugares históricos de la vida de Jesús y María... Santuarios que hablan de la munificencia de los reyes o de los pueblos católicos. Sin esta generosa colaboración económica del exterior, jamás podrían haberse construído ni conservado estos templos. Santuarios que hablan sobre todo, del temple heroico, del coraje callado, de la voluntad acerada de los franciscanos que desde el siglo XIII hanse mantenido en estos parajes inhóspitos, en medio de un pueblo hostil, con estallidos endémicos de fanatismo religioso que se traducían casi siempre en torrenteras de sangre franciscana. Grandiosa epope-

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע
קליענטן, פריינט און דער גאַנצער אידישער
קאָלאָניע אין קובאַ, און ווינטשן אַלעמען

א כתיבה וחתימה טובה!

## *Around the Corner from Anywhere*




**DRINK Coca-Cola 5¢**

REG. U.S. PAT. OFF.

SALUDAMOS A NUESTROS CLIENTES Y A TODA LA COLONIA HEBREA, DESEANDOLES UN FELIZ Y PROSPERO AÑO NUEVO

turalmente, diferencias de opinión entre los partidos, pero en el setenta u ochenta por ciento de la labor sionista en la diáspora, es virtualmente imposible descubrir diferencias. A menos que este instrumento conjunto sea formado frasaremos en nuestra labor, porque seis partidos no pueden hacer lo que una unión federada de los mismos podría cumplir.

Espero que el Ejecutivo de la Agencia Judía presente propuestas concretas de acuerdo con estas líneas en la próxima reunión del Ejecutivo Sionista. Por supuesto, tal federación debe ser obligatoria y no de una naturaleza tal que permita a los partidos unirse a ella o abandonarla. Debiera ser una federación con una constitución y congresos en los respectivos países.. Los partidos continuarán como hasta ahora.. Se presentarán individualmente a elecciones a congresos sionistas en los que sean discutidos problemas de Israel. Cada partido estará en libertad de ayudar a su partido correspondiente en otro país, y en cuanto a **jalutziut**, existirán naturalmente diferencias ideológicas. Pero debiera haber actividad conjunta en la tarea de penetrar las comunidades judías de América que no conocen diferencias de partido y que tienen un concepto diferente acerca de los partidos que prevalecían en Polonia y en Galicia.

Un movimiento voluntario no puede tolerar más que una medida limitada de partidismo. Un estado, en posesión de un ejército y de una fuerza de policía, quizás pueda tolerar una medida mayor, aunque también en un estado hay límites.

Aproximémonos ahora al debate del futuro del Movimiento Sionista con tolerancia y camaradería, con la comprensión de que lo que nos une es más poderoso que lo que nos divide. A menos que lo hagamos, el sionismo puede dejar de existir. Aproximémonos a este debate con fe en nuestra existencia y la comprensión de nuestra responsabilidad para con la historia judía. Repitamos la máxima de Herzl: "Si lo queréis....." Mucho depende de nuestra voluntad.. Espero que esta voluntad y este espíritu han de prevalecer. Si prevalecen no debemos abrigar temores. (Servicio JADLA.)

acerca de este mal pero he oído sobre él de boca de doctores. Síntoma de la enfermedad es la incapacidad del organismo a adaptarse a nuevas condiciones.. Ello finalmente lleva a la muerte.

El movimiento sionista está en un estado avanzado de arterioesclerosis.. Nadie puede dudar mi lealtad sionista, pero debo señalar con franqueza que a menos que restablezcamos la juventud de nuestro movimiento, a menos que recobremos nuestra flexibilidad, nadie podrá ayudarnos

Nuevas circunstancias han aparecido. La destrucción del judaísmo europeo ha alterado la estructura de la vida judía. Los partidos sionistas de Polonia significaban algo distinto en la vida judía que los partidos sionistas en América. Ha ocurrido otro cambio. Ha aparecido el estado judío. No tenemos que llevar a cabo la labor política de otros años. Naturalmente ella ha sido retirada de nuestras manos. Los partidos tienen ahora un carácter diferente. No diré que es necesario eliminar los partidos. Si los partidos se adaptan a las nuevas condiciones y llevan a cabo las nuevas tareas su existencia es justificada. Pero es inconcebible que los partidos sean el único instrumento de las actividades sionistas de cada día. Pero si hemos de olvidar las diferencias de partido en nuestro sionismo de cada día concentrándonos en el fomento del hebreo y el sionismo entre los judíos, entonces desaparecerán todas las diferencias de opinión entre la Mizraji y el Mapam, entre los revisionistas, sionistas generales y miembros del Mapai, porque acerca de estos asuntos no hay diferencias, a menos que se fomenten artificialmente.

A menos que los partidos se adapten a las nuevas condiciones y se limiten a las actividades que son legítimamente suyas. —a las cuestiones prácticas en Israel— no podremos cumplir nuestras funciones en forma apropiada. Es necesario establecer un instrumento conjunto para las funciones decisivas de colecta de fondos, ayuda política al estado, organización de los judíos y popularización del hebreo y del sionismo. Todo esto pueden hacerlo en común todos los partidos sionistas. En cuanto a la hajshará y al adiestramiento de **jalutzim**, hay, na-

Siempre he dicho que aunque los sionistas deben mirar hacia Eretz Israel no deben olvidar de que hay judíos en todo el mundo.. Los judíos de América se colocarán a vuestra disposición para Israel si vosotros os ocupáis de sus necesidades locales. Deseo que comprendáis esta contradicción interna. Por una parte debemos unir a todos los judíos deseosos de ayudar a Israel y por otra debemos lograr libertad de acción para los principios de un sionismo pleno y no adulterado.

Nos acercamos ahora al segundo problema: las relaciones entre el sionismo y el estado..

El estado no hubiera acordado otorgarnos un **status** especial si no hubiera apreciado el hecho de que necesita al movimiento sionista. Nosotros deseamos cooperar entre el estado y el gobierno, pero que el gobierno no sienta que su soberanía ha de disminuir mediante una demostración de confianza en nosotros..

Deseo concluir esta parte de la discusión diciendo lo siguiente: que los sionistas dejen de envidiar el brillo y la gloria del estado, y que los representantes del estado dejen de ser sensitivos acerca de su autoridad..

Un movimiento es lo que sus miembros quieren que sea. Esto es tan cierto en cuanto al movimiento sionista como acerca de otros movimientos.. Desde luego, el gobierno de Israel debiera cooperar y demostrar buena voluntad, pero no es esto lo que determinará nuestra suerte. Temo que cierta rigidez está apoderándose de nosotros, que un espíritu conservador está penetrando en las filas sionistas. Durante los años pasados han surgido ciertas tradiciones de labor sionista, y no voy a juzgar si son buenas o malas.. En los cuarenta años pasados los partidos han cristalizado cierta rutina de trabajo, y si alguien requiere cambios, surgen grandes gritos de protesta. Todo es sagrado para los miembros. El **Shuljan Aruj** no es sagrado. La Torá puede ser interpretada de diversas maneras, pero la tradición sionista es absolutamente intocable.

Debemos adquirir cierta flexibilidad, ya me he referido a la arterioesclerosis que nos afecta. No soy una autoridad

sionistas tendrán que acostumbrarse. Ben Gurión ha señalado que los sionistas no han digerido todavía esta nueva realidad. El establecimiento del Estado ha dado lugar a un complejo de inferioridad entre muchos sionistas, y esto puede provocar la caída del movimiento.. Cada estado —no solamente Israel— posee brillo.. En mi opinión el mundo del futturo no estará organizado en estados.. Por lo tanto no me impresionan mucho cónsules, embajadores y ministros. Pero en el mundo de hoy un estado es algo reluciente, especialmente para un pueblo que durante generaciones tuvo rabinos y **shojtim** pero no ministros. Los representantes de Israel, por su partte, sufren de un sentimiento de superioridad que parece aumentar en proporción inversa a la importancia del puesto.

Es importante que los sionistas comiencen a contemplarse con más respeto propio y a comprender que la historia judía ha reservado para ellos un papel importante durante generaciones.

Toda tentativa de fomentar diferencias de opinión con el estado será perjudicial tanto para Israel como para el Movimiento Sionista. Nuestra tarea principal no consiste en competir con el estado sino en explicar al pueblo judío que el estado los necesita.. Es necesario ir a los judíos y decirles: Estábais en un error hace cuatro años cuando creísteis que los éxitos políticos que llevaron a la proclamación de Israel y el feliz milagro de la guerra victoriosa habían eliminado la necesidad de un movimiento sionista.

A fin de movilizar la ayuda de todos los judíos en favor de Israel debemos unirlos. Pero cuando deseamos proclamar la ideología sionista.. y explicar que el sionismo es más que la ayuda a Israel, surgen las dificultades. Si el sionismo no significara otra cosa que ayuda a Israel estaría dispuesto a sustituir el movimiento sionista por un movimiento de "amigos de Israel". Citaré un ejemplo.. En el último Congreso se discutió la cuestión de **jalutziut** y ello causó una mala impresión en los Estados Unidos. Asustó y enfureció a algunos amigos firmes de Israel. . De esta manera fuimos colocados en una posición difícil. No es sencillo para los judíos abandonar **jalutziut.**

Por otra parte, renunciar a la ayuda de estos amigos significa perder de 30 a 40 millones de dólares de ayuda para Israel.

Ningún movimiento político importante desaparece de la escena mundial a raíz de su triunfo sobre otros movimientos. Desaparece solamente cuando deja de creer en sí mismo. Creo que estamos de cierta manera en esta situación.

Existen razones objetivas para ello. El Sr. Ben Gurión se refirió a ellas y no es necesario repetirlas.. Una de las causas objetivas es la pérdida del judaísmo europeo. Es obvio que el movimiento sionista, cuya grandeza y poderío provienen de la historia judía y de las tradiciones de vida judía, recibió un golpe mortal al morir seis millones de judíos.

Eran ellos los portaestandartes de la historia y las tradiciones de nuestro pueblo, los portaestandartes intelectuales y emocionales de nuestro movimiento. El judaísmo americano no ha llegado todavía a la etapa en la que pueda asumir las funciones y herencia del judaísmo euorpeo. Carece de una tradición de generaciones.. Los seis millones de judíos han desaparecido. Las fuentes que alimentaban al movimiento mientras ellos estaban con vida han desaparecido también.. Creo que han de transcurrir generaciones hasta que Israel produzca las fuerzas que puedan ocupar el lugar del judaísmo europeo.

No podemos alterar causas objetivas. Pero hay causas psicológicas que podemos cambiar. Como judíos y como sionistas hemos experimentado grandes tensiones emocionales durante los quince años que precedieron al nacimiento de Israel. Ahora vivimos en períodos que pueden llamarse normales. La atención ha amenguado.. Esttamos consolidando los productos de la era más dramática de la historia judía moderna.

No luchamos ya por la inmigración, no luchamos ya contra una potencia mandataria. En consecuencia, se ha registrado una caída de la temperatura.. El movimiento sionista no debe culparse por ello.. Tampoco debemos deducir de ello que el movimiento ha perdido su valor, de que no es ya tan importante como había sido. Quizás se produzca una reintensificación de la tensión. No sé si rogar por ello. Ciertamente esperamos que no se produzca una repetición de las condiciones que nos impulsaron hacia la actividad en años anteriores.

Llego ahora a un segundo factor que deseo discutir. El establecimiento del Estado ha creado una situación a la cual los

# EL MOVIMIENTO SIONISTA

**Por NAHUM GOLDMANN**

(La siguiente es una selección de conceptos del presidente de la Agencia Judía para Palestina)



El movimiento sionista comenzó su labor como un movimiento no práctico y durante mucho tiempo fué considerado así. No puede seguir siendo un gran movimiento que cuenta con el entusiasmo de sus adherentes si se contenta con tareas prácticas y no brinda oportunidad a las discusiones "'no prácticas''. Hablo aquí no como miembro del Ejecutivo Sionista ni en nombre de la Confederación de Sionistas Generales.. Hablo solamente en nombre del judío y del sionistta Nahum Goldman. No discutiré problemas ideológicos.. Cuanto más envejezco menos creo en ideologías abstractas. Los hombres actúan por motivos psicológicos más que por razones ideológicas abstractas.

Deseo discutir los problemas que surgen de las necesidades de un movimiento sionista integrado por seres humanos, personas con sangre en sus venas, con pasiones y ambiciones. Deseo discutir los problemas psicológicos que existen y han surgido en los últimos años.. A este respecto creo que hay tres categorías de problemas que señalan las cuestiones que confrontan el sionismo y el movimiento sionista, y hablaré de ellas brevemente..

La primera categoría es la de las relaciones entre el movimiento sionista y el pueblo judío.. La segunda categoría concierne las relaciones entre el movimiento sionista y el estado de Israel.. La tercera categoría —probablemente la más importante de las tres— afecta las relaciones entre los sionistas y el sionismo.

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

# ISIDORO ABRAVANEL Y FAMILIA

*SALUDAN CORDIALMENTE, CON MOTIVO DEL AÑO NUEVO A LA COLONIA HEBREA DE CUBA Y HACEN VOTOS POR SU BIENESTAR Y PROSPERIDAD*

לשנה טובה תכתבו!

ción sionista femenina (Wizo). El grupo sefaradí reunió una importante suma para el estado de Israel por intermedio del Consejo pro Israel.

Las actividades en pro del estado de Israel no impiden a la comunidad incorporarse a la vida cubana en lo social y económico, a pesar de que culturalmente los judíos están aún bastante aislados.

"La adquisición de edificios para fines privados y públicos —escribe un apreciado poeta y periodista judío, antiguo residente en Cuba— demuestra que el Ishuv judío en Cuba se arraiga cada día más en el país (1). Ello explica plenamente el hecho de que los judíos cubanos residentes en los Estados Unidos se han organizado en una sociedad especial de residentes cubanos, que cuenta ya con muchos asociados y llevan una vida similar a la de su hogar, es decir a la vida judía de Cuba (2).

---

(1) Eliezer Aronovsky, en el diario "Tog" del 4 de octubre de 1950, Nueva York.
(2) "Habaner Lebn" del 22 de marzo de 1950.

Un comité para la ayuda de los enfermos mentales y de los afectados de tuberculosis se ocupa también de asistencia general y ayuda hasta a no judíos.

La comunidad judía de Cuba adquirió, andando el tiempo, una homogeneidad ideológica. El movimiento comunista en la calle judía se está liquidando por sí mismo debido a las contradicciones inherentes y a las disensiones internas. Su única escuela denominada Escuela "Shalem Aleijem", fundada en 1940, se clausuró en septiembre de 1949. Lo mismo aconteció con el Centro Popular Judío y con otras instituciones de dicha corriente ideológica.

La prensa judía cuenta con el periódico "Habaner Lebn", fundado en noviembre de 1932, que aparece dos veces por semana desde 1937. Desde 1950 la Kehilá de La Habana y provincias edita un periódico denominado "Unser Shtime" (Nuestra Voz). Además aparece durante los últimos ocho años un anuario, editado por Habaner Lebn, que informa sobre las actividades generales en el país.

Las actividades culturales del Ishuv, tanto en idish como en castellano, nunca fueron muy intensas, pero últimamente han disminuído aún mucho más. En tiempos pasados florecieron en Cuba círculos filodramáticos judíos y sus tribunas eran frecuentadas por conferencistas, especialmente venidos de los Estados Unidos. Hoy día queda bien poco de todo esto. La prensa judía se queja que el idish desaparece de la vida societaria y se oye muy poco este idioma en reuniones y asambleas. También las bibliotecas judías, que en su tiempo eran instituciones importantes, se hacen sentir de un modo cada vez más débil.

La comunidad judía de Cuba es sionista en su mayoría. En el curso de siete meses (diciembre de 1948 a junio de 1949), 223 judíos se trasladaron al estado de Israel, entre ellos 117 refugiados. Ochenta y dos judíos cubanos se establecieron en Israel. Las campañas financieras en favor del estado de Israel se convierten en acontecimientos populares y nacionales. La organización sionista juega un papel preponderante en la sociedad y realiza también trabajos culturales dentro del marco de su programa ideológico. Mucha actividad despliega la organiza-

Israel'' inauguró en 1950 una escuela bajo el nombre ''Tajkemoni'' que ya duplicó casi el número inicial de sus alumnos (aproximadamente 100). Una escuela particular hebreo-española tiene también 100 alumnos. Todas esas escuelas son integrales. Además del curso completo de la escuela elemental cubana se enseña el hebreo, idish e historia judía.

En lo que se refiere a la enseñanza media, la situación es muy delicada. Hay un proyecto de creación de una escuela secundaria integral; pero entretanto se pierden los resultados de la enseñanza elemental.

El mayor interés por la educación judía lo demuestran los judíso del este europeo de la primera inmigración. La mayoría de los nuevos inmigrantes, especialmente los llegados después de 1942, no tienen ningún interés por la educación judía. Ellos y también gran parte de los sefaradim prefieren enviar a sus hijos a las escuelas generales. Los alumnos de la primera Talmud Torá, fundada por los sefaradim en 1924, eran en su mayoría hijos de ashkenazim.

La vida del judaismo religioso se desarrolla en las sinagogas y ''Minianim''. En la Habana hay 5 sinagogas: un templo reformista, denominado Bet-Israel de los judíos norteamericanos, con cien socios y una escuela dominical, con 40 niños; tres templos de los ashkenazim y uno de los sefaradim. La generación joven demuestra en general muy poco interés por la religión. Se estima que sólo el 30 % de la población judía observa ''Cashrut''.

Desde que el Joint liquidó sus actividades en Cuba, las sociedades de beneficencia se encuentran en una permanente crisis financiera. Las actividades directas del Joint cesaron casi por completo, ya que quedaron muy pocos refugiados, excepto ancianos y enfermos, de los cuales se ocupan las instituciones locales que reciben para ese fin asignaciones especiales del Joint.

Las organizaciones femeninas efectúan trabajos sociales y desarrollan amplias actividades. La federación femenina judía, fundada en 1924, dispone también de una caja de préstamos.

giosa no tenía la razón de su parte porque el Centro no pretendía convertirse en una Kehilá religiosa y reconocía la autonomía de los judíos devotos con respecto a la religión.

El Centro Judío quiso que la siciedad religiosa se adhiriera y formara el departamento religioso. Igualmente estaba de acuerdo en que la organización sionista, que contaba con muchas fuerzas intelectuales, se convirtiera en el departamento cultural. El Centro en general era prosionista. Pero los judíos religiosos querían ejercer la hegemonía sobre el Ishuv y, por otra parte la organización sionista sostenía su derecho a algo más que una mera autonomía. Sin embargo, durante varios años los dirigentes del Centro lograron granjearse la confianza de los judíos cubanos y de ese modo se convirtió éste en la entidad judía representativa en el extranjero.

A pesar de nuevas sociedades surgidas con motivo del nuevo flujo migratorio, no quedó ni amenguado ni puesto en tela de juicio el carácter representativo del Centro Judío. Con el tiempo estas sociedades fueron disueltas, ya que sus miembros se adhirieron individualmente al Centro Judío. De tal manera el Centro pudo superar las pruebas de su capacidad societaria y fué reconocido por todos, excepto los izquierdistas, como la representación de la población judía de Cuba.

La sociedad religiosa "Ajdut Israel", que cuenta con 500 asociados, se empeñó sin embargo en convertirse en Kehilá. Bajo el nombre de "Kehilá Judía de La Habana y Provincias" quiso obligar a la comunidad a reconocer su autoridad. Se opusieron a ello, cuatro grandes instituciones judías: el Centro Judío, la Cámara Comercial Judía (fundada en 1936), la Organización Sionista y la Gran Escuela Judía Elemental. Durante las elecciones del Centro (4 de diciembre de 1949), la lucha se desarrolló sobre la línea de la educación religiosa o laica. La fracción que defendió el carácter representativo del Centro Judío resultó vencedora en las elecciones.

La educación judía ocupa en Cuba un lugar preponderante. Dispone de cuatro escuelas integrales, todas en La Habana, cada una de las cuales de una tendencia distinta. La escuela autónoma del Centro Israelita tiene 400 alumnos. Los sefaradim tienen una escuela propia con cien alumnos. La Kehilá "Ajdut

yoría son éstas pequeños talleres y, a menudo, las ganacias de los fabricantes no son mayores que las de sus obreros. Al principio de la inmigración, el número de los obreros judíos no era pequeño. En los años 1927-1929 llegaban al millar, pero hoy día casi ya no existen. Por otra parte, aumenta el número de nuevos artesanos gracias a la escuela del Ort en La Habana, que en los años 1943-1950 tuvo 763 alumnos, de los cuales ya se graduaron 193. En los últimos años aumentó también en el sector sefaradí el número de estudiantes entre los nativos del país.

El rápido crecimiento de la inmigración judía y paralelamente la entrada de los inmigrados en tránsito, originó el surgimiento de instituciones y organizaciones que se ocupaban preferentemente de las actividades económicas y sociales y de la ayuda religiosa y cultural. Las diferencias ideológicas no permitieron, empero, que se formara un organismo central con fines representativos para toda la comunidad ashkenazi. Los sefaradim y más tarde los judíos alemanes, se organizaron por separado. Al principio sus actividades tenían preferentemente un carácter de esclarecimiento cultural. En 1924 se funda el Centro Cultural Judío, que se llama más tarde simplemente Centro Judío. Pero su radicalismo político condujo a un cisma. Los elementos radicales crearon en 1926 la Sociedad de Cultura que se convirtió después, luego de varias metamorfosis, en la Asociación Judía de Arte y Literatura. Los judíos liberales crearon en 1925 el Centro Israelita de Cuba, conocido como Centro Judío, existente hasta hoy día. En 1938 dicho centro fué reconocido por casi todas las organizaciones judías, incluso las izquierdistas, como órgano representativo de la población judía cubana. En 1940, los elementos comunistas, que se infiltraron sistemáticamente, casi se adueñan de dicho centro. Como no pudieron lograrlo, crearon para sus fines un Centro Judío Popular. Paralelamente con este último Centro, se empezó a desarrollar en Cuba, desde 1925, una sociedad religiosa bajo el nombre de "Adat Israel", que pretendía ser la Kehilá religiosa.

También la organización sionista se afanó por conseguir la hegemonía dentro de la comunidad, debido a que la mayoría de los judíos simpatizaban con el sionismo. De tal manera, el Centro Judío tuvo oposición de ambas partes. La fracción reli-

235. Solamente en casos esporádicos y en virtud de influencias personales, tuvieron efecto últimamente algunos esfuerzos individuales para lograr la inmigración a Cuba.

De todos modos, puede considerarse la actual población judía de Cuba, que cuenta ya con un 70 % de ciudadanos naturalizados, como una comunidad estabilizada, más bien sujeta a variaciones numéricas a causa de la inmigración o la emigración. Es casi imposible fijar exactamente el número de los judíos en el país. Los cálculos más aceptables establecen que hay 12.000 judíos sobre una población general de 5 millones. Casi el 75 % vive en La Habana y el resto en las pequeñas ciudades y pueblos. En La Habana los de habla idish son la mayoría, mientras que en las provincias predominan los sefaradim de habla español.

La mayor parte de los judíos del este europeo se ocupan del comercio y de las industrias. Entre los sefaradim prevalece el pequeño comerciante y el vendedor ambulante; ya en los comienzos de la inmigración el comercio callejero era la escuela preliminar para las actividades económicas de casi todos los inmigrantes.

Con la desaparición del antisemitismo, que empezó a disminuir durante la guerra, la situación política de la población judía se volvió satisfactoria. Poco a poco la comunidad judía se integra a la vida nacional del país y las organizaciones judías participan en las manifestaciones patrióticas, por ejemplo en los festejos del centenario del pabellón nacional cubano realizados en 1950. La ley implantada en 1933, según la cual el 50 % de empleados y obreros tienen que ser cubanos nativos, no ha sido dirigida expresamente contra los judíos. Eso se convirtió, con el tiempo, en una exigencia normal que gracias al más importante papel desempeñado por los judíos en el comercio y las industrias, tuvo por consecuencia el empleo de miles de cubanos en establecimientos judíos. Con el tiempo, muchos de los comerciantes ambulantes abrieron negocios y, de artesanos y comer-
ciantes ambulantes abrieron negocios y, de artesanos y comer-
ciantes se convirtieron en industriales. La fabricación de ropa interior, del vestido, calzado, corbatas y artículos de cuero, fué introducida por los judíos. Entre los artesanos muchos sastres y zapateros llegaron a fundar fábricas propias. Pero en su ma-

En 1914 fundan una sociedad denominada "Shévet Ajim" (Congregación de Hermanos), que además de ser una Kehilá religiosa se dedica también a la ayuda social.

Hasta el año 1920 hubo muy pocos judíos en Cuba. En los años 1920-21 empiezan a entrar los judíos del este europeo, principalmente de Polonia, cuya intención era realmente inmigrar a los Estados Unidos. La mayor parte de estos inmigrantes logró en los años 1921-1923 entrar en los Estados Unidos. Empero, desde el momento en que se implantó una cuota para los inmigrantes a los Estados Unidos, miles de judíos quedaron en Cuba y empezaron a radicarse definitivamente en ese país con la ayuda de las organizaciones norteamericanas de socorro.

En 1924 había ya en Cuba aproximadamente mil judíos, procedentes del este europeo. La mayor parte de los inmigrados que llegaron allí antes de 1923, ya se habían trasladado, sin embargo, a los Estados Unidos. En 1925 se estima la población judía en 8 mil, 5 mil de los cuales eran judíos del este europeo (en su mayoría de Polonia) y 2.600 sefaradim. La mitad de esos inmigrantes eran solteros.

En los años 1939-1941 entran judíos alemanes y austríacos. Además emigran también judíos de Bélgica, vale decir, judíos polacos que vivieron durante muchos años en Bélgica. Al mismo tiempo aumenta el número de judíos que entran al país con el fin de canjear sus visaciones de turistas a los Estados Unidos por visaciones permanentes. Se estima que en los años 1938-1950 el número de tales residentes temporarios sobrepasa los diez mil. En 1938 el Joint creó en Cuba un comité especial de socorro para ayudar a aquellos inmigrantes en tránsito.

Poco a poco la inmigración fué paralizándose por muchos motivos. Ante todo, la crónica crisis económica en Cuba que no constituía mayor atractivo para los inmigrantes. También el aumento del antisemitismo, intensificado grandemente en los tiempos del hitlerismo, jugó un papel importante en este aspecto. El punto culminante de dicha corriente antisemita aconteció en el verano de 1939, cuando el barco "Saint Louis" que traía refugiados de Alemania, no pudo atracar y vióse obligado a busca, otro puerto. De esa manera se paralizó casi por completo la inmigración judía. A pesar de todo, entraron durante los años 1933-1943 seis mil inmigrantes; pero ya en 1947 inmigraron sólo

# LA COMUNIDAD JUDIA EN CUBA

**Por JACOB SHATZKY**



(El presente trabajo es un capítulo del libro "COMUNIDADES JUDIAS EN LATINOAMERICA", del Dr. Jacob Shatzky, que fué publicado bajo los auspicios del American Jewish Committee, en Buenos Aires, Argentina, 1952).

La época antigua de la historia judía en Cuba está relacionada ineludiblemente con la historia de los marranos del siglo XVI, los cuales formaban pequeñas islas y que bien pronto fueron borradas por el mar del primitivo y exótico catolicismo español. Entre aquella poco numerosa y encubierta inmigración judía y la comunidad de hoy día no hay ninguna continuidad, excepto tal vez la inclinación tradicional y característica de las comunidades judías de buscar hipotéticas relaciones históricas entre los judíos de las épocas anterior y los inmigrados de la actualidad. De cualquier manera se debe fijar el comienzo de la comunidad judía en Cuba en nuestra época. A fines del siglo XIX, judíos rumanos, ya naturalizados en los Estados Unidos, intentaron establecerse en la vecina isla de Cuba. Existen también hechos comprobados que los judíos ayudaron al pueblo cubano en su lucha por la independencia. Entre los amigos del poeta y luchador José Martí hubo también judíos. Al principio del siglo actual había en Cuba unas 30 familias judías. Hacia el año 1906 se organizaron en la "Congregación Hebrea Unida" y adquirieron un terreno para cementerio.

En 1904 emigran a Cuba sefaradim de Turquía. Con los años aumenta su número y con la entrada de cierta cantidad proveniente de México (1910-1913) el sector sefaradí se convierte en una importante Kehilá de varios centenares de familias.

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

DAVID BRANDON
Y FAMILIA

*SALUDAN CORDIALMENTE, CON MOTIVO DEL AÑO NUEVO A LA COLONIA HEBREA DE CUBA Y HACEN VOTOS POR SU BIENESTAR Y PROSPERIDAD*

לשנה טובה תכתבו!

emancipadoras de Cuba; se lanzó una campaña de fondos para llevar a vías de realización del proyecto; será un testimonio perenne, para la actual y futuras generaciones, de esa aportación a la causa independentista cubana, espontánea y sincera de hebreos, muchos de los cuales ni siquiera conocían a Cuba; testimonios positivos tenemos que lo certifican..

Ellos son: la declaración escrita el 24 de febrero de 1926 por el patricio cubano coronel del Ejército Libertador de Cuba, don Fernando Figueredo y Socarrás; los libros "Héroes del Destierro" (de 1904) y "Martí, Cayo Hueso y Tampa", (de 1905) del Rev. Manuel Deulofeu; el testimonio escrito del señor Luis F. Falbello, emigrado cubano en Cayo Hueso desde el año 1885 hasta el año 1899; el saludo publicado en el periódico "Patria", de New York, del 10 de diciembre del año 1892, —órgano fundado por el apóstol Martí— elogiando a los componentes —unos 50 hebreos— de un club que formaron con el nombre "Abravanel" (personalidad hebrea del siglo XV) para ayudar a la independencia de Cuba de manera desinteresada..

En busca de más testimonios al respecto hemos emprendido, desde hace algún tiempo, una investigación histórica que está encaminada para darnos buenos resultados, de importancia para la comunidad hebrea en general. La investigación se efectúa en bibliotecas y Archivo Nacional, dirigiéndonos a instituciones y a personalidades intelectuales, historiadores, etc., de Cuba y del extranjero, tanto en casos particulares como en términos gnerales. En lo particular investigamos el caso del general Carlos Roloff,, relevante patricio (hay indicios que fué de origen hebreo, aunque en el momento no puede probarse documentalmente, como tampoco se puede probar de lo contrario); el de Louis Shlesinger, del Estado Mayor de Narciso López, en su expedición de 1851 a la provincia de Pinar del Río (respecto del cual estamos tratando de probar fehacientemente que era judío) fué hecho prisionero y mandado a Ceuta, de donde luego se escapó para los Estados Unidos; el caso, de la época remota de 1832, de "Juan Elis, de religión judía" en Santiago de Cuba, acusado por las autoridades españolas de "espía de los rebeldes colombianos" que querían liberttar a Cuba, a los que sirvió con riesgo de su vida, como agente de información, se le detuvo y se le expulsó '"con prohibición absoluta de volver a la isla" (Archivo Nacional; expediente Nº 38, Legajo 35).

# LA BENE-BERITH EN CUBA

**Por MARCO PITCHON**

La institución Bené Berith tiene como misión esencial la de reunir a hebreos de distintas procedencias para una labor en común en beneficio de la comunidad hebrea, del país en que vivimos y de la humanidad en general.

La Logia "Maimonides" de la Habana cumple a cabalidad esas altas finalidades de la institución.

En las reuniones periódicas de nuestra Logia se cultivan verdaderos lazos de amistad entre hebreos de distintos sectores.

Entre las actividades actuales de "Maimonides", que informamos habitualmente por nuestro sencillo Boletín "Fragmentos", he aquí un pequeño resumen de las de más trascendencia.

El Concurso Literario Escolar sobre el Tema: "Democracia, Libertad, Igualdad, Fraternidad", que nuestra Logia estableció en homenaje al Cincuentenario de la República, para alumnos de Escuelas Públicas Primarias y Superiores de la Habana y de provincias, tuvo franco éxito; tres de las composiciones premiadas serán publicadas; el Jurado que las seleccionó estuvo integrado por: Dra. Dulce María Escalona; Dr. Jorge L. Martí; Sr. Ernesto Ardura. De las cartas laudatorias recibidas extractamos lo siguiente: De la Escuela No. 1d de Santa Clara: "'Esta Escuela les queda agradecida por ese gesto enaltecedor de convocar a las Escuelas Superiores al desarrollo de un tema que aún sin premios sería incentivo más que suficiente para nuestra Patria por su gran trascendencia". De la Escuela "A" de Matanzas: "Permítame reiterarles una vez más mi felicitación por la feliz idea que tuvieron al organizar este concurso y por el homenaje que rindieron a nuestra querida Patria, homenaje que tanto los enaltece, diciendo mucho de vuestros sentimientos y alto nivel cultural".

Uno de los acuerdos más trascendentales de la Logia "Maimónides" que está empeñada en cumplir es el de erigir un monumento que rememore en lo adelante, la ayuda aportada por hebreos de distintas procedencias en diversas épocas a las luchas

albores de su historia. Siempre ha habido judíos, y en todas partes. Siempre y en todas partes los seguirá habiendo. Puede existir una gran distancia entre los profetas de Israel y las enseñanzas de las academias babilónicas de Sura y Pumbadita; puede haber una gran diferencia entre el judío de antaño y su hermano moderno. Pero sólo es una diferencia superficial. Fundamentalmente, en lo profundo, todo es lo mismo. Hoy continúa la tradición israelita en sentido muy real y auténtico: una luz sobre el mundo, una influencia vital y vigorosa sobre los destinos espirituales de la humanidad. Nuevamente en palabra de Israel Zangewill: "Si la historia del pueblo de Israel, que cubre todos los tiempos conocidos, no tiene significado dinámico, no da señal alguna de los destinos de la humanidad, la vida es en verdad una sombra ambulante y la historia un cuento relatado por un idiota, cargado de ruido y furia, sin ningún significado."

rencia: el otro, de difusión y complejidad. La Biblia puede leerse por gusto; el Talmud debe estudiarse con cuidadosa y persistente atención.

Pero, por otra parte, el Talmud refleja en cierto sentido los azares y experiencias del pueblo judío, mejor aun que la Biblia. En tanto la influencia de ésta se ha extendido al mundo entero, la del Talmud se circunscribe a los grupos judíos. Los héroes de la Biblia tienen altares en los espíritus de miles de hombres de todas las creencias; los del Talmud, con la posible excepción del Hillel,, permanecen obscuros e ignorados. A pesar de los dos mil años que han transcurrido sobre sus páginas, el Talmud es, como los judíos mismos, la Gran Incomprensión de la Historia.

:: :: ::

No es menester exagerar la aportación judía a la civilización. El registro es tremendo, y heroico. Los judíos han influído en el mundo a través de la Biblia, por su pasión de divinidad, por sus eternas demandas de justicia y rectitud; pero la Biblia no es la única antorcha judía. La Sinagoga, no menos que la Biblia, ha llevado el mensaje judío al mundo, como dice Salomón Schechter, "con su grito largo y contínuo, en pos de Dios durante más de veintitrés siglos, con su actividad incansable en pro de la enseñanza y evolución de la palabra de Dios, con su registro constante de santos, mártires, sabios, filósofos, estudiosos, místicos; esa Sinagoga que es el único testigo auténtico del pasado, y que constituye en todas las edades la expresión más sublime de la vida religiosa de Israel..."

Y aun no hay que cerrar el registro, ya que Israel no ha muerto, ni ha terminado su influencia en el mundo. En efecto, tiene hoy tanta vida como la tuvo en la gloria primitiva de los

individuales, de hombres y mujeres, sus ambiciones y destinos inciertos, sus grandes decisiones, sus lamentables caídas, la fuerza de sus pasiones y visiones... ¿dónde encontrar tal variedad de tipos y experiencias, sino en la Biblia? Y al llegar a los Salmos de David, la flor más pura del genio literario judío, tenemos que hacer un lugar especial en la historia de la literatura, reconocer un único efecto en el corazón humano, para darnos cuenta de lo que significa tal documento. "Creo que puedo llamar a este libro —decía Calvino— anatomía de todas las partes del alma, ya que no hay movimiento espiritual que no se refleje en tal espejo. Todas las penas, trastornos, temores, dudas, esperanzas, dolores, indecisiones, tempestuosas explosiones que arrastran el alma humana, se encuentran aquí reproducidas como en vida".

Entre el último de los profetas y la redacción del Talmud, período intermedio de más de mil años, el genio creativo judío no se paralizó. Quizás cambiara el centro de la vida judía y sus condiciones exteriores, pero de ningún modo su evolución y crecimiento interior. En esos siglos de receso, los maestros religiosos judíos, llamados rabinos, explicaban, interpretaban, enmendaban y modificaban la Ley de Moisés, lo cual dió por resultado esa obra estupenda que se conoce con el nombre de Talmud.

El Talmud no se asemeja a ninguna otra obra escrita. Es un trabajo gigantesco, de dieciocho grandes volúmenes, en los cuales se refleja la vida variada del pueblo judío, a través de su religión, su moralidad, su jurisprudencia, sus leyendas y sus supersticiones. Es un campo de batalla intelectual en el cual no es preciso alzar el telón sino a medias para ver hombres, cientos de hombres, luchando, discutiendo, disputando con toda la sutileza de ingenio y lógica que requiere la necesidad de armonizar la religión de la sinagoga con las distintas condiciones de los tiempos.

Con dificultad se encontrarán dos productos del mismo espíritu tan distintos como la Biblia y el Talmud. Uno proviene del genio literario, el otro de una circunstancia nacional. El primero es fresco, vivido, lleno de dramatismo. El otro es grave, complicado y concentrado. Uno es modelo de orden y cohe-

so al corriente de los ideales morales y éticos de la Biblia Judía. Gracias a él, en gran parte, se infiltraron las enseñanzas judaicas en los círculos cultos no judíos de la época. Filón debía su filosofía a los griegos, su religión a los judíos; era hombre de gran sabiduría y extraordinaria inventiva, que se propuso tender un puente entre el monoteísmo judío y el paganismo griego. Fracasó, como tantos otros intentos hechos anteriormente en el mismo sentido. "Oriente es Oriente, y Occidente Occidente; nunca podrán reunirse los dos". Pero se debe acreditar a Filón el haber hecho retroceder los límites del judaísmo más que ningún otro hombre del mundo antiguo.

La influencia de la Biblia en el mundo, como obra literaria, no ha sido menos fuerte que sus enseñanzas morales y religiosas. Aún si la Biblia fuese un libro menos venerado, y podemos decir, aún si la aureola religiosa que la rodea la perjudicara menos, seguiría siendo una obra maestra de literatura por la belleza de su estilo, la sensillez de sus narraciones, la gran variedad de colores y matices, la elocuencia mayestática de sus expresiones proféticas y la riqueza casi fantástica de sus imágenes y figuras de dicción. En la Biblia hay una correspondencia perfecta entre la gente y su lenguaje. La nación que oyó la voz de Dios revelado en el Sinaí entre truenos y relámpagos logró desarrollar una forma de expresión que no tiene paralelo en belleza y sonoridad, ni en fuerza representativa. Los tumultos guerreros, el alzarse y caer de las olas en el mar tempestuoso, están retratados con vívida exactitud en sonidos y rugidos verbales que hieren el oído como choques de espadas y retumbar de tormentas. Por otra parte, la Biblia ofrece la dulce música de las flautas, la exquisita música de las arpas, que aquietan, consuelan y calman el espritu.

Dondequiera se reza, se reza en el lenguaje de la Biblia. Su ritmo es como un hondo pozo donde el santo y el pecador encuentran palabras y pensamientos para las más diferentes situaciones. ¡Qué diferentes son las expresiones, los sentimientos, los estilos de los profetas, salmistas, sabios de la Biblia! ¡Qué distintos los libros de David, Jeremías, Job, el Eclesiástico! En una parte de la Biblia se halla el encanto y sencillez de la verdadera poesía; en otra, la fuerza dramática; en otras, sentimientos morales y consciencia reflexiva. El curso de miles de vidas

da, en vista de la abstinencia de los judíos en los asuntos del mundo durante casi dos mil años. Pero no es necesario insistir en que los movimientos polticos en que los judíos se han visto involucrados han sido siempre, y por amplio margen, de tipo liberal.

La huella del genio judío sobre el mundo civilizado es quizás la influencia más antigua de las conocidas, y se remonta a la época clásica. Los judíos entraron en Europa Occidental mucho antes de que buena parte de los habitantes de ésta se desplazaran desde Asia e invadieran la llanura centroeuropea. Y no es imposible que lo que se conoce como cultura griega tenga también influencia hebraica. El tráfico comercial, que en tiempos del Rey Salomón cubría casi todas las partes del mundo de entonces, no podía haber olvidado las islas helénicas. En literatura rabínica se trata a los siete sabios de Atenas, con deferencia y respeto, lo cual demuestra que las relaciones entre Grecia y Judea no eran únicamente comerciales. En "Kuzari", Yehuda Haleví insiste en considerar a Aristóteles como discípulo de los profetas hebreos, y los lectores de Platón no pueden dejar de encontrar en sus diálogos filosófico-místicos, sobre todo en el "Fedón", el tono y espíritu de los más sublimes pasajes de la Biblia.

Después de las campañas militares de Alejandro Magno y la fundación de Alejandría, la influencia judía es indiscutible. En las legiones alejandrinas había buen número de judíos, buenos soldados, y, lo cual es más importante, excelentes colonizadores. Llevaban la Biblia Hebrea en sus mochilas, y en el corazón las tradiciones folklóricas de sus sabios. Se interesaban en empresas comerciales e industriales, así como en esparcir los ideales religiosos y culturales de su pueblo. Tuvieron directa influencia en los ambientes en que vivieron, y de los cuales recibieron también, a su vez, herencia vital. Por ejemplo, adoptaron gran parte de la tradición griega en literatura, y aportaron a ella la riqueza cultural y religiosa de su formación judaica original.

Filón, coetáneo más joven del Hillel y Jesús, fué un apóstol del judaísmo para el mundo helénico. Era un predicador religioso, que empleaba términos filosóficos para poner al univer-

conducta. No hay términos abstractos en la Biblia. Su lenguaje es el lenguaje de los sentidos. El atributo de su Deidad es la Justicia. La legislación mosaica es más humanitaria que teológica. Pide menos pensamiento que acción, menos credo que conducta moral. La rica floración del genio judío está dentro de los límites de la justicia y la rectitud. Lo que más enfurecía a los profetas era "unir casa con casa" y "el brillo del rostro del pobre". La nota trascendental está ausente de la religión de la Biblia. "No está en el Cielo", dice la Escritura de la Torá. El sabio y profeta están de acuerdo en señalar la Era Mesiánca, no en el vago y distante futuro de otro mundo, sino en una vida mejor en este mismo.

Y si hay una característica judía en política, nada puede ilustrarla mejor que el punto de vista de la Biblia sobre el gobierno y los problemas sociales del tiempo en que fué escrita. Renan puede haber exagerado un poco cuando dice que los profetas han sido los sublimes antecesores de Saint-Simon. Pero poca gente negará hoy seriamente que la democracia se inició por primera vez en la legislación mosaica, y que fué alimentada y llevada a su pleno florecimiento por los antiguos profetas hebreos. El instinto de la igualdad humana, el sentimiento y respeto de la dignidad de cada persona, no tienen en ninguna parte ejemplos tan gráficos y hermosos como en las páginas del Antiguo Testamento, en las enseñanzas de la tradición rabínica, e incluso en los barrios bajos de los miserables ghettos, donde la riqueza no goza de privilegios y la pobreza no es origen de vergüenza.

Aunque dos de los libros de la Biblia llevan el nombre de "Reyes", la realeza no es institución judía, y la monarquía es evidentemente una imitación de formas extrañas de gobierno. Los israelitas aborrecían por encima de todo el lujo y la extravagancia de los reyes, y emitieron leyes drásticas para doblegarlos. Y todas las voces elevadas en protesta por el despotismo hablaban el lenguaje de la Biblia. A través del largo período de la lucha del hombre contra la tiranía y la arrogancia de los reyes, la historia constitucional de Israel ha sido consultada con frecuencia por los filósofos políticos de todas las comarcas, que querían rehacer o reedificar su sistema. El mito de los judíos como fermento revolucionario es propaganda vil y estúpi-

cias más elevadas de Jesús ya eran conocidas de los judíos, tanto por su literatura bíblica como por la talmúdica. Muchas de las joyas que adornan el Nuevo Testamento se remontan a Hillel, que murió cuando el creador del Cristianismo tenía diez años. La Iglesia Cristiana es un producto directo de la Sinagoga Judía, y se edificó según su modelo. Es absurdo acusar a los judíos de ser enemigos del Cristianismo, cuando el Cristianismo, con ciertas modificaciones, no es sino una popularización de las potencialidades espirituales del Judaísmo.

La religión mahometana tiene mayor relación con el espíritutu del Judaísmo que con las religiones politeístas que su fundador derrocó. El profeta árabe, conductor de camellos poseído de profundo sentdo religioso, afanoso, en su búsqueda de un Dios, de fundar una nueva fe, se vió inevitablemente atraído por lo que dabía oído decir de la Biblia Judía. Entre los judíos y los árabes había habido relación comercial desde la época del Rey Salomón, pero sus mutuos contactos se acentuaron considerablemente en la época de Mahoma. Los judíos y los árabes no sólo verificaban intercambio de mercancías, sino de enseñanzas, y leyendas y supersticiones. Mahoma no sólo tenía genio para la religión, sino una gran inventiva y mucha memoria. Lo que oía no se le olvidaba nunca, y cuando empezó a dictar los "suras", los bordó con muchas de las historias bíblicas hebreas que recordaba.

En la trastienda del Corán hay muchas características y personalidades judías. Así como el Nuevo Testamento establece con autoridad de las escrituras la llegada de Jesús, el Corán pide al Deuteronomio salude la venida de Mahoma. Los judíos encuentran en las leyes e instituciones mulsumanas un sonido familiar. El Hadith es la exposición autoritativa del Islam como el Talmud es la del Judaísmo, y cuanto más a fondo se examinan, con mayor claridad aparece su similitud. La plegaria a horas determinadas del día es costumbre tan arraigada entre los judíos como entre los mahometanos, y nadie negará la semejanza que existe entre el grito alucinante del almuédano, que llama a la oración de lo alto del aminar, y la voz sobrenatural del shamash, que pide la suplicación del amanecer en las viejas ciudades de Europa Oriental.

El genio religioso judío es práctico. Insiste y acentúa la

tarse en los albores de nuestro mundo y no lleva ninguna traza de extinción.

Es también indiscutible la existencia de un "genio" judío, si entendemos por genio, en la definición de Somerset Maugham, un don natural creativo, presente en una persona o en un pueblo, que permite ver el mundo en su más alto grado de intensidad, pero con tal universalidad, que su fuerza no reside en un tipo u otro de hombre, sino en todos los hombres. Desde los primeros años de la historia judía, el genio judío ha sido relgioso; su visión de mundo, espiritualista, y sus convicciones radical y uniformemente éticas y morales. En los términos de Israel Zangwill, "Israel creó la justicia como Esparta la reciedumbre, Roma la conquista y China la autoconservación; era un pueblo consagrado a la consagración, y por su santidad había de santificarse el mundo". En el universo pagano no había nada como Israel, como no lo hay hoy, en el mundo gobernado por la fuerza bruta.

Es cierto que la adoración de un Dios de Justicia no ha sido una cualidad inquebrantable en Israel. Se han dado tiempos de miseria, de degradación y estancamiento. Bajo la influencia corruptora de poderes extraños y ominosos, de reyes delincuentes y jefe fraudulentos, la fibra ética y religiosa de los judíos ha sufrido corrosiones, pero no por mucho tiempo. Por delgada o fuerte que haya sido, por débil o vigorosa que sea, siempre se ha mantenido. Aún en el más bajo estrato de la decadencia, la llama original ha vuelto a encenderse al conjuro de la voz de algún sabio o profeta. Saúl inclinado ante Samuel, David intimidado por el profeta Natán, y el Rey Ahab aplastado por la denuncia de Elijah: he aquí pruebas de ternura humana en hombres que, capaces por su poder de aniquilar a sus preceptores morales, temblaban ante sus amonestaciones.

El genio judío es religioso. No precisamente por accidente, las dos religiones que dominan la mayor parte del mundo civilizado han recibido de la fuente judaica las ideas e ideales predicados en mezquitas e iglesias. Sus himnos y plegarias, sus cantos y canciones tienen un toque hebraico, cuando no han sido directamente inspirados por los Salmos de David. Las senten-

# LA EPOPEYA DEL GENIO JUDIO

Por el DR. JACOBO S. MINKIN



Aún en el caso de que el peso del Espíritu no reposara sobre cada israelita, sería difícil negar que, colectivamente, los judíos han tenido en la evolución humana una influencia igualada por muy pocos otros pueblos. Por escaso que haya sido, en el curso de estos dos mil arias, el alcance político y social de los judíos, su actividad moral e intelectual no ha conocido barreras ni descanso. La aportación de Grecia y Roma fué recogida por otras civilizaciones, y en ellas terminó. Pero el legado de Israel es hoy tan fuerte y esencial al mundo como lo fué cuando se hizo patente por primera vez. Aun en momentos de degradación profunda, cuando la fuerza vital y creadora de los judíos ha parecido dormitar, han servido como red de intercomunicación, como medio de transporte de elementos científicos y filosóficos, literarios y folklórcos, comerciales e industriales, diplomáticos y políticos, entre los países islámicos y los cristianos.

La edad del pueblo judío, la seguridad de que sea el mayor, el menor o el intermedio en la historia de las razas y las naciones, es algo que interesa sólo al historiador. Lo que es indiscutible es que tenemos una historia de miles de años, con capítulos en todos los países de la tierra; que nuestra civilización y nuestra cultura pueden hallar prncipios y antecedentes en los más remotos rincones del tiempo conocido; que nuestra literatura y nuestra tradición se han mantenido sin interrupción deste tiempo inmemorial, y que nuestra religión y legislación social son tan antiguas como los Diez Mandamientos. La historia de los judíos no es relato de gestas mayoritarias; por el contrario, es la de una de las más pequeñas sectas, que empezó a manifes-

todas partes del mundo, sólo tenían en común la fe en el triunfo de la nación israelí, que tenía que basarse en el arado y en el fusil.

Recuérdese que Cuba tiene seis veces la extensión de Israel y que en aquel pequeño territorio ya viven millón y medio de personas. Claro que no todas son judías. Las hay cristianas y musulmanas también; pero la religión no es el punto fundamental del nuevo estado. Hay más interés en lo social y político que en lo religioso y, sobre todo, después de tantos siglos de lucha por todo el mundo, hay tolerancia.

Cercada por pueblos hostiles, Israel tiene que dedicar casi la mitad de su presupuesto a la preparación militar y depende en gran parte de los fondos que recibe desde el exterior. Estas dos situaciones son como frenos al estado ideal que muchos israelitas soñaron, pero son sólo transitorias y serán resueltas.

Un rincón alegre y feliz, aunque pobre, ha surgido en el Cercano Oriente. Y es reconfortante pasar un rato con alguien que regrese de allá, aunque no sea más que para recordar que aún hay pueblos que tienen fe en un futuro mejor y luchan y trabajan para lograrlo.

# ISRAEL

Por **NESTOR SUAREZ FELIU**

(Este interesante artículo fué publicado en el periódico PRENSA LIBRE, correspondiente al 31 de agosto de 1952. Al reproducirlo en nuestras páginas rendimos un tributo de agradecimiento y admiración a su autor, que es conocido como uno de los más valiosos comentaristas de asuntos internacionales).

Desear tener una nación propia, libre de toda ingerencia extraña, es una cualidad que casi todos los pueblos han poseído; saber conservar esa nación y luchar por ella después de establecida, para que sea en la práctica el ideal de los que dieron la vida por ella, es ya más rara virtud.

Israel, uno de los pueblos más antiguos y de los estados más nuevos, ha tenido la suerte de contar con hombres patriotas antes y después de la independencia.

Para la lucha de liberación siempre hay almas grandes que se lanzan al combate; para la consolidación, cuando lo que hay que hacer es sembrar, manufacturar y tener conciencia cívica, es mucho más difícil encontrar eficientes voluntarios.

Hace pocos días llegó un amigo procedente de Israel, donde vivió varios años. Mucho hablamos de los problemas del nuevo estado, pero lo importante es que cada frase dicha era expresada con la fe del que sabe que hay un deber que cumplir y que ese debr se cumple.

El primer problema de Israel fué hacer producir a un territorio semiestéril alimentos para la creciente población. No se trataba sólo de mejorar terrenos áridos, sino de convertir en campesinos a hombres que tenían una tradición milenaria ciudadana y mercantil. Muy pocos judíos tenían tradición agrícola y nos atreveríamos a asegurar que alguno ni había visitado el campo; pero cuando se quiere ser libre e independiente, hay que sacrificarse.

Casi toda la conomía agraria está basada en cooperativas, donde el que no trabaja no come. Los zánganos tienen que ir a vivir a otra parte. Muchos de estos hombres, procedentes de

Perseguidos en nuestros países de origen, Cuba, hospitalaria, humana y acogedora, nos recibió hace años, con los brazos abiertos, cual madre cariñosa que recibe y acoje en su regazo a sus hijos... Aquí hemos formado nuestros hogares, aquí hemos luchado por nuestra superación y aquí hemos —en medida superior a nuestras fuerzas— contribuído al auge económico de la nación cubana, con nuevas industrias y comercios y al avance cultural y social, con nuestros escritores y poetas, periodistas y profesionales, con afán y anhelo de pensamiento y acción, por el progreso de esta querida tierra, tan cordial y tan prometedora de una vida feliz para todos los que vivimos —y confraternizamos en ella...

¡Qué orgullo para nosotros, que en la sangre derramada para forjar la Independencia Nacional, hállase vertido también sangre hebrea. Porque hombres hebreos han luchado conjuntamente con los heroicos mambises en los campos cubanos, que el gran Apóstol José Martí contó entre sus amigos en el destierro, con hebreos que colectaron fondos, celebraron bazares y fiestas, con el fin de recaudar dinero para el Partido Revolucionario Cubano, para la revolución en marcha por la liberación de Cuba del vasallaje de la metrópolis peninsular...

Viendo a nuestros hijos en la tierra en que nacieron, contemplándonos a nosotros, los hebreos-cubanos, con más de 3 decenios en Cuba, donde hemos encontrado pan y hogar, tranquilidad y sosiego; considerando a Cuba como nuestra tierra propia, más nuestra que nuestros mismos países de origen, nos unimos a la gran alegría nacional y a paso firme, codo a codo con todos los hijos de Cuba, lucharemos por la grandeza de esta República, de esta tierra pequeña en superficie, pero grande en su amor al derecho, a la razón, a la fraternidad, a la justicia, a la libertad y a la democracia...

Emocionado, alzo mis ojos al cielo y de mis labios sale una plegaria: **DIOS BENDIGA A CUBA PARA LA FELICIDAD DE TODOS SUS HIJOS, SIN DISTINCION DE RAZAS NI RELIGIONES, PARA QUE TODOS VIVAMOS FELICES EN ESTA HERMOSA TIERRA, TAL COMO LA SOÑO EL APOSTOL, EN SU VISION MAS QUE NACIONAL, UNIVERSAL Y GENEROSAMENTE HUMANA: ¡CON TODOS Y PARA EL BIEN DE TODOS!**

**¡VIVA CUBA INDEPENDIENTE Y SOBERANA!**

para lograr el engrandecimiento de la República de Cuba, el bienestar de su pueblo y el afianciamiento de los grandes ideales humanitarios que representan el verdadero espíritu de los forjadores de la patria.

Aprovecho esta oportunidad para transmitir a nombre del Centro Israelita de Cuba y a nombre de los presentes, un saludo cordial al Gobierno y al pueblo cubano en esta fecha del cincuentenario, desenado a todos, dicha, progreso y bienestar.



(Palabras pronunciadas por el Sr. Abraham Z. Wainstein, poeta y presidente del Colegio Autónomo del Centro Israelita de Cuba, en el acto para conmemorar el Cincuentenario de la República, que se efectuó en los salones del Centro Israelita el 22 de mayo de 1952).

He vivido la última semana, momentos de verdadera emoción, en relación con los festejos nacionales del Cincuentenario de la Independencia de la República.

Uno de ellos, cuando, en representación del Colegio Autónomo del Centro Israelita, acudí al Parque Central de La Habana, para —junto con otros delegados de instituciones hebreas, colocar una ofrenda floral al pie de la estatua del Apóstol José Martí, el pasado 19 de mayo, para así —modesta, pero sinceramente— honrar al Maestro en el día trágico de su caída en Dos Ríos, por Cuba, a la que tanto quiso y tanto soñó en su soberanía y felicidad...

El otro momento de emoción, lo fué el 20 de mayo, antes de ayer, cuando en este mismo salón, los alumnos de nuestro Plantel, conmemoraron con fervor patriótico el día de la soberanía nacional, de doble trascendencia esta vez, por la fecha de nacimiento de la Nación y por el Cincuentenario de la República. Viendo a nuestros niños hebreo-cubanos con santo amor a la Patria, quedé sumido en pensamientos sobre lo mucho que significa para nosotros los hebreos de Cuba, la independencia conquistada hace diez lustros por este país y la libertad y la democracia, la justicia y la cordialidad, mantenida a través de su historia republicana.

¡Quién más que nosotros los hebreos, podemos apreciar lo que significa para el hombre, para la nación, la santa palabra **LIBERTAD**!

y para todos'', para los hombres de todas las razas y credos religiosos, con una República mejor.

El 20 de Mayo de 1902, cuando en el Castillo del Morro, fué izada la bandera cubana con su estrella solitaria, el pueblo cubano, obtuvo su independencia política; se ha vuelto dueño de su propio destino, y ha comenzado a realizar aquellos ideales y principios que fueron marcados por los grandes patriotas durante las guerras emancipadoras.

Es justo recordar en la fecha de hoy, que no obstante todas las dificultades y vicisitudes, la República de Cuba ha hecho grandes avances de progreso en todos los campos, no solamente en lo político sino también en los económico y en lo espiritual.

Como hebreos cubanos, nos sentimos muy orgullosos con nuestro aporte al desenvolvimiento y progreso de la República. El inmigrante hebreo de ayer, y ciudadano cubano de hoy, ha demostrado con su trabajo, abnegación y sacrificio crear en el país nuevas industrias que no solamente han proporcionado fuente de trabajo para miles de obreros, sino que han contribuído al proceso de la independencia económica de la República. Pero no solamente en el campo económico, también en lo espiritual y cultural los hebreos se han compenetrado en lo genuinamente cubano. Nuestros escritores y poetas han cantado a Hatuey y Antonio Maceo, al cielo azul de Cuba y a sus palmeras, a la rumba y al cañaveral.

Nos sentimos muy compenetrados con nuestros hermanos cubanos, no solamente en las luchas por el mejoramiento y la superación de la República, sino también estamos unidos en la lucha por todas las causas justas de la humanidad. Esta noche se encuentran presente en esta presidencia, dos auténticos representantes del pueblo cubano, me refiero a la Dra. Ofelia Domínguez y al Ministro de Justicia, Dr. Miguel Angel Céspedes, quienes en momentos cruciales en la historia de nuestro pueblo, han estado en cuerpo y alma al lado de nuestra causa, la causa de la independencia del pueblo judío.

Y hoy, cuando nos encontramos nuevamente reunidos bajo este techo del Centro Israelita, para festejar la independencia de la República de Cuba, como hebreos y cubanos, prometemos, con más vigor y entusiasmo seguir trabajando por la convivencia de los hombres de todas las razas y credos en un esfuerzo mútuo

# El Cincuentenario de la República



(Palabras pronunciadas por nuestro director, Sender M. Kaplan, en el magno acto organizado por el Centro Israelita de Cuba, el 22 de Mayo de 1952, con motivo del Cincuentenario de la República).

Nos hemos reunido esta noche bajo los auspicios del Centro Israelita de Cuba, decana de nuestras instituciones hebreas, para fefstejar el cincuentenario de la Independencia, de la República de Cuba. Es un acto sencillo pero que contiene en sí, todo el amor y cariño que sentimos hacia Cuba. Y vale la pena recordar que nosotros, los hebreos, sentimos muy profundamente esta fecha, porque somos hijos de uno de los pueblos más antiguos que durante dos mil años soñó con el restablecimiento de su independencia, y en este año, precisamente, hemos festejado el 4to. Aniversario del estado libre de Israel.

Por los motivos anteriormente mencionados y también porque hemos llegado de países donde existían persecuciones raciales y religiosas, donde el derecho y la libertad del hombre eran sólo un mito, sabemos apreciar en todo el sentido de la palabra, lo que significa un país libre y democrático, y regocijados y jubilosos participamos con todo el pueblo cubano, en los festejos del cincuentenario.

Nosotros sabemos que los grandes patriotas cubanos, como el Apóstol José Martí, Antonio Maceo, Máximo Gómez y otros soñaron no solamente obtener la independencia política del país, sino que lucharon por la creación de una República donde prevalezcan los más altos principios de la igualdad, libertad, justicia y democracia. Ellos soñaron con una República "con todos

escuchará las oraciones de aquellos en cuyos corazones se planeen malas acciones para el futuro.

En los días del Templo de Jerusalem —era pre-cristiana— solamente el Gran Sacerdote no solo era la superioridad religiosa de la nación judía, sino también el jefe político de toda Palestina. Antes de la destrucción del Templo por las invasoras legiones romanas, Yom Kippur era el único día del año en el que el Gran Sacerdote entraba a un Recinto Sagrado, el cual era una pequeña y santificada habitación en la torre más alta del Templo. Aquí, solo y en completa oscuridad, el Gran Sacerdote confesaba sus propios pecados y oraba por un buen año para el pueblo de Israel.

Después que los romanos alejaron los judíos no hubo ni Templo ni Gran Sacerdote para dirigir la simbóltica ceremonia de Yom Kippur. Pero los judíos sin hogar y perseguidos continuaron observando este día donde quiera que se encontraban. Sin el gran Sacerdote para actuar como intermediario, ellos mismos se dirigían directamente al Todopoderoso a través de las oraciones y confesiones.

En la actualidad, el día de Yom Kippur por la mañana, los servicios rituales del antiguo Templo son relatados por el rabí y el cantor. Y cuando describen como los judíos se lanzaban al suelo en la corte del Templo, todos en la sinagoga se prestan justamente como lo hicieron sus antecesores cuando el Gran Sacerdote que invocaba el nombre de Dios desde el Recinto Sagrado.

Al caer la tarde las llamas de los casi terminados candelabros de Yom Kippur comienzan a chisporretear y al acabarse el día la congregación se levanta, exhaustos por el ayuno y por las ardorosas horas de adoración. Ya en el momento que el sol se está poniendo con un simple sonido del shofar finaliza Yam Kippur.

Para los judíos ortodoxos el final del ayuno no es una ocasión festiva, es, desde luego, algo así como un estremecimiento de alegría porque sus almas están ya limpias de pecado, pero permanece vibrante la solemnidad de los Grandes Días Sagrados. En el corazón de cada piadoso judío está el deseo de llevar la humanidad oraba durante el año que comienza, un paso más adelante hacia la verdadera hermandad del hombre.

La religión juda prescribe se coma una comida completa antes del anochecer en la víspera de Yom Kippur, en preparación para el ayuno que le sigue. Una antigua costumbre de los judíos, la de ayunar, fué una medida práctica de humana supervivencia en los viejos tiempos de sequía, plagas de langostas y las guerras que acababan con los granos y las existencias de alimentos. Pero estos ayunos espontáneos, anunciados por el sonido del shofar también tenían un doble significado, ya que en estos días la gente con vestiduras de cilicio y cubiertas con cenizas, formaban una clamorosa procesión hasta el santuario donde rezaban a Dios pidiendo ayuda por las pruebas que amenazaban la nación.

Hoy en da,, en América y donde quiera, el ayuno de Yom Kippur es penitencial, y un ademostración de la necesidad vital del hombre sobre el alimento y la bebida, es para perfeccionar su sentido de justicia y misericordia, de compasión y bondad para obtener la armonía con el Dios Eterno. En las palabras del judaísmo moderno: ayunar es la disciplina del cuerpo que conduce a la humanidad y aflicción del alma.

Al caer el sol detrás del horizonte la Víspera de Yom Kippur, un enorme candelabro es encendido en cada hogar judío en recuerdo a los miembros ausentes de la familia. Este candelabro alumbra durante las veinticuatro horas del ayuno. La sinagoga, también, está brillantemente iluminada con cirios. Así que comienza el servicio de la tarde, la congregación escucha el alentador canto Kol Nidre, —todos votos— que es una oración pidiendo se les exonere de los votos incumplidos que se habían hecho a Dios el año anterior.

El sentimiento que nos imprime la melodía del Kol Nidre —es a veces, un agonizante lamento y un poema de tono lírico— que evoca en la congregación una sensación de acercamiento a Dios. Las palabras de la oración fueron escritas en el Noveno Siglo, pero pasaron quinientos años para que la música, compuesta por un desconocido alemán, fuera añadida.

El Kol Nidre no pide el perdón de las faltas cometidas en contra de otra persona. Ningún judío, según la tradición hebrea, puede esperar la absolución hasta que no haya hecho enmiendas a los individuos perjudicados por él lurante el año; todas las deudas morales y financieras deben ser liquidadas. Y Dios no

clarar la guerra, para intimidar al enemigo y para hacer las proclamaciones a la gente. El shofar es uno de los instrumentos más antiguos que se conocen.

Otro momento de gran fervor religioso en Rosh Hashanah es el cántico de una simple oración que nos dice como el Todopoderoso juzga al mundo en este temible día. "...es la verdad. Tú eres el Juez", la congregación entona. "Tú condenaste, tu fuiste testigo, anotaste y sellaste; Tú también recordaste todas las cosas que parecían olvidar... Tú numeraste y contaste y visitaste todas las almas vivientes, señalaste las limitaciones de todas tus criaturas y anotaste la sentencia de sus juicios".

"Cuantos serán los que se irán y cuantos los que vendrán a esta existencia; quien morirá por agua y quien por fuego; quien por la espada y quien por hambre; quien por terremoto y quien por plaga; quien tendrá reposo y quien desasosiego; quien estará próspero y quien afligido; quien se convertirá en pobre y quien se convertirá en rico; quien será desacreditado y quien será exaltado... Pero el arrepentimiento, oración y caridad desvían la "amenaza de maldad".

Los Diez Días de Penitencia, el período de gracia Divina dan la oportunidad de "desviar la amenaza de maldad". En la actualidad entre los judíos piadosos del mundo entero, el espíritu contrito de los Grandes Días Sagrados se profundiza al aproximarse Yom Kippur.

Se abre la sinagoga cada día para los servicios, se entrega dinero para las caridades locales; riñas y desavenencias entre vecinos y parientes son dejadas a un lado, y se hace propósito de acabar con los malos hábitos y de corregir lo sdefectos de nuestro carácter.

Muchos años atrás, los judíos de la Europa Oriental, en la tarde anterior de Día de Expiración acostumbraban a asistir a la simbólica ceremonia de ser "azotados" por sus pecados. El azotador, generalmente un pobre hombre del pueblo que era pagado para la tarea, aparecía en la sinagoga armado de un látigo de cuerdo enroscado alrededor de la muñeca. Así que cada penitente judío se postraba a la entrada de la sinagoga y confesaba sus pecados era golpeado ligeramente en la espalda treinta y cuatro veces —el número de latigazos que se infligieron a los criminales en los días de los israelitas.

Así vemos que los judíos han celebrado las ceremonias de su fé en tierras americanas desde los primeros tiempos de nuestro pueblo. Al igual que todos los días sagrados de los judíos, Rosh Hashanah, comienza con la puesta del sol del día anterior, y termina en el mismo Día del Juicio al ocultarse el sol.

Los judíos ortodoxos y conservativos observan el Año Nuevo por dos días, los judíos reformados solo un día. En la víspera de Rosh Hashanah las familias judías se reunen en la sinagoga para rezar y cantar a Dios. El servicio lo dirige el rabí, quien más que un sacerdote es un maestro y leader de su gente. No existe el gobierno eclesiástico en la religión judía, de manera que el rabí no es un miembro jerárquico; no ejecuta ningún sacramento y tampoco se encuentra presente en los ritos del judaismo. El rabí es esencialmente un literato, que posee un conocimiento enciclopédico de las leyes y costumbres judías. En los **ghettos** europeos a menudo servía como juez en las disputas entre judíos. Más tarde en la víspera de Rosh Hashanah, después que los adoradores han regresado a sus casas, el cabeza de familia recita una oración en acción de gracias sobre la copa de vino sagrada. Después la comida empieza con un pedazo de pan mojado en miel o sirope —como de buen agüero para la tan deseada dulzura del año venidero.

En el día de Rosh Hashanah la ceremonia empieza al amanecer y continúa hasta la tarde. Los rezos son recitados y cantados por el rabí, el cantor, quien es un estudiante del judaísmo escogido por la belleza y resonancia de su voz, y, en turno, por el coro y la congregación. A continuación los miembros de honorde la sinagoga son llamados para leer selecciones del Torah, que es el Viejo Testamento asentado en rollos de pergamino. El Torah, por lo general está escrito en Hebreo y ricamente decorado en colores.

Después de la recitación de la Biblia viene la más grandiosa ceremonia del día, el sonido del **shofar**, o cuerno de carnero. Después los días del Templo de Salomón el agudo sonido del **shofar** ha simbolizado una llamada de alerta de la necesidad que tienen los hombres de arrepentirse de los pecados y para sonido de la corneta de los cazadores, era usado para anunciar la Luna Nueva y los meses del año, así como también para de-

crepúsculo de Yom Kippur el destino de todos ha sido determinado y los libros son sellados de nuevo para otro año. De aquí la costumbre de saludarse así entre los judíos durante Rosh Hashanah: "Pueda usted ser inscripto y sellado para un buen año".

Este dramático concepto de los "Grandes Días Sagrados" por primera vez fué históricamente relacionado por un rabi escolar del Segundo Siglo, sustentada en parte por una creencia similar de los antiguos Babilonianos, quienes mantenían que cada año Dios decide nuevamente el destino del Mundo.

Pero hoy en día, para los judos y los que no son judíos igualmente, existe detrás del misticismo de Rosh Hashanah una verdad imperecedera de humana experiencia Todo lo que nosotros decimos y hacemos constituye un record permanente, quizás inscripto en un libro celestial, y ciertamente más impreso en nuestras memorias y en los recuerdos de aquellas personas en que influenciamos. El carácter de cada hombre —la suma de sus actos y palabras pronunciadas, su moral y sus secretos pensamientos— viven sus hijos, y de aquí que a través de los años, ayude a moldear el carácter de toda la humanidad.

Los profetas judíos han destacado siempre la justicia y honradez en favor de la propia felicidad individual sobre la tierra, más que como un medio de asegurarse un lugar en el cielo después de la muerte. Ellos perciben la necesidad que tiene el hombre de re-examinar y mejorar su carácter a intervalos regulares, ambos en el caso de una paz interior y por el bien de la humanidad en general. De que Rosh Hashanah sea observado como ruego para la absolución de pecados y con votos de mejorar en el año que comienza. El Reino de Dios es asequiable en la tierra, declararon los antiguos profetas; y en la liturgia de Rosh Hashanah esta sabiduría es expresada en la súplica a Dio spor la desaparición de la maldad y tiranía entre los seres humanos y por la realización de los sueños del hombre de un mundo de hermandad.

Las Grandes Fiestas Religiosas observadas por los judios desde los tiempos de Babilonia, fueron por primera vez celebradas abiertamente en Norte América en 1655 —mucho antes de que los Estados Unidos se convirtieran en nación— cuando el primer centro de adoración judío fué dedicado en New York.

# Rosh Hashanah y Yom Kipur

— Por SELWYN JAMES —



El devoto en la mayoría de las religiones cree en un día sagrado de recordación, en el que ningún mortal puede escapar de dar cuenta ante Dios por los delitos o malas acciones de su vida terrenal... En la creencia judaica —y en el corazón y mente de los judíos desde que Nabuchadnezzar los desterró de Babilonia— los cielos han proclamado este día de culto una vez cada año. La ocasión es Rosh Hashanah, el Año Nuevo Judío y el Día del Juicio para los vivos.

Rosh Hashanah es el aniversario de la creación de Dios del Universo y este año será 5,713, de acuerdo con el Viejo Testmaento —basado en el Calendario Hebreo—. En nuestra era moderna el calendario de 1952 se termina el 20 de septiembre. Diferente al Año Nuevo Secular, Rosh Hashanah es recibido no por una alegre y ruidosa celebración, pero sí con un fervoroso exámen de conciencia y una quieta contemplación del espíritu. Para la tradición judía es el pronunciamiento de un momento solemne, cuando el hombre revelado de toda su debilidad, de pie humildemente ante su Creador, ni esconde ni niega nada mientras expone los pecados y faltas cometidas durante los años anteriores y espera su sentencia. A Rosh Hashanah le siguen los Diez Díaz de Penitencia que se termina con las Veinticuatro Horas de Yom Kippur, el Día de Expiación y el supremo climax piadoso al cual el judaismo llama "Las grandes fiestas religiosas".

En la creencia de los judíos, Dios preside una corte de justicia en Rosh Hashanah y convoca a sus hijos para que rindan cuenta de sus actos. Ante El están los libros donde los actos y palabras de todos los hombres están inscriptas. La Corte Celestial los examina durante los Diez Días de Penitencia y ya en el

1952 — 1953 5713 — תשי"ג

# ADOLFO KATES & HIJO

*SALUDAN CORDIALMENTE, CON MOTIVO DEL AÑO NUEVO A LA COLONIA HEBREA DE CUBA Y HACEN VOTOS POR SU BIENESTAR Y PROSPERIDAD*

לשנה טובה תכתבו!

# U. S. KEDS



¡SIEMPRE NUEVOS PORQUE SON LAVABLES!

## UNITED STATES RUBBER Co., Ltd.

**CONCHA No. 416.** **TELF. X-3382**

**HABANA**

צום נייעם יאָר באַגריסן מיר אַלע אונזערע קליענטן,

פריינט און דער גאַנצער אידישער קאָלאָניע אין קובאַ!

ל ש נ ה ט ו ב ה ת כ ת ב ו !

# Nuestro agradecimiento

QUEREMOS EXPRESAR EN ESTAS LINEAS NUESTRO AGRADECIMIENTO A LAS FIRMAS COMERCIALES QUE, AL CONCEDERNOS SUS ANUNCIOS, HAN COOPERADO A LA EDICION DE ESTE ALMANAQUE DE "VIDA HABANERA", QUE SALE A LA LUZ PUBLICA CON MOTIVO DEL AÑO NUEVO HEBREO 5713. EN ESTA FORMA, NO SOLO HAN DEMOSTRADO SU INTERES HACIA LOS MILLARES DE LECTORES DEL PRESENTE ALMANAQUE, SINO QUE HAN DADO PRUEBA DE UN ALTO ESPIRITU DE COOPERACION SOCIAL Y CULTURAL. PORQUE ESTE ALMANAQUE REPRESENTA UN ESFUERZO DE SUPERACION DE "VIDA HABANERA" Y, AL PROPIO TIEMPO, UN EVENTO CULTURAL, DE SINGULAR IMPORTANCIA, EN EL SENO DE LA COMUNIDAD HEBREA DE CUBA. PARA TODOS ELLOS, COMERCIANTES, INDUSTRIALES Y PROFESIONALES —HEBREOS Y NO HEBREOS— EXPRESAMOS NUESTRA GRATITUD Y RECONOCIMIENTO.

**LA ADMINISTRACION.**

*ALMANAQUE HEBREO*

# VIDA HABANERA

TOMO DECIMO



DIRECTORES:

S. M. KAPLAN y A. J. DUBELMAN



5713 SEPTIEMBRE Habana, Cuba 1952

Sol No. 153 • Editorial Vida Habanera • Tel. M-9332

# INDICE DE LOS ANUNCIANTES